प्रतियोगिता दर्पण

नवम्बर 2022 मूल्य ₹ 125.00

हिन्दी मासिक

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

For e-magazine:
http://emagazine.pdgroup.in

हल प्रश्न-पत्र

- सिविल सेवा मुख्य, 22
- एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय (प्रथम चरण), 21
- बिहार बी.एड. प्रवेश, 22 यू.जी.सी. नेट/जेआरएफ, 21
- CAPFs/Delhi Police Sub-Inspector, 19

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार (2020)

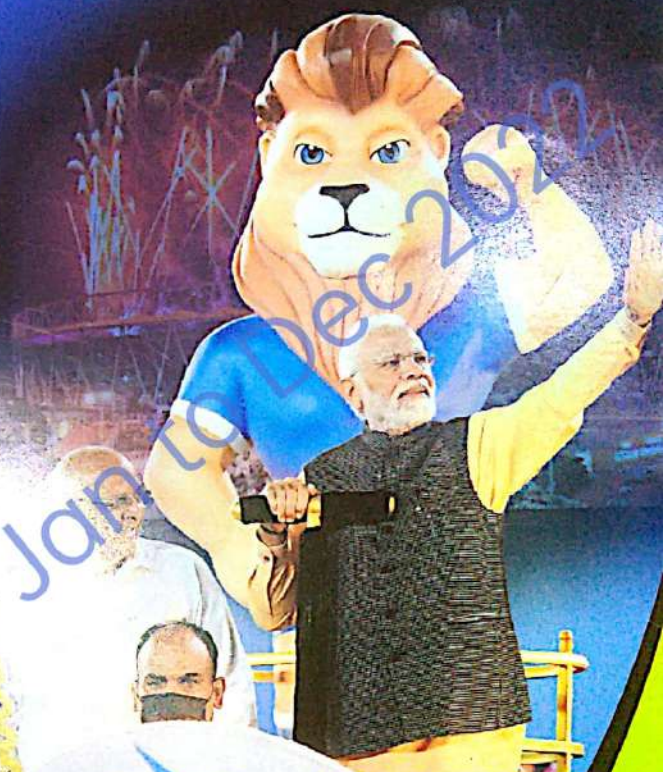

36वें राष्ट्रीय खेलों का शुभारम्भ

- भारत की धरती पर चीतों की वापसी
- कंजरवेटिव पार्टी की नेता लिज़ ट्रस यू.के. की नई प्रधानमंत्री
- महारानी एलिजाबेथ-II के निधन के पश्चात् चार्ल्स-III अब यू.के. के नए राजा
- भारत-जापान 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता टोक्यो में सम्पन्न • शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन (2022)
- कजाखस्तान की राजधानी का नाम अब पुनः अस्ताना किया गया
- 2022-23 में खरीफ उत्पादन के पहले अग्रिम अनुमान • 2022-23 में रेपो दर में लगातार चौथी बार वृद्धि
- 2021-22 में भारत पर विदेशी ऋण : वित्त मंत्रालय की स्थिति रिपोर्ट • प्रधानमंत्री श्री स्कूल योजना (2022)
- प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के दो वर्ष पूर्ण • प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की अवधि का विस्तार
- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की क्राइम इन इंडिया रिपोर्ट (2021) • देश में समुद्र के भीतर पहली रेल सुरंग
- वैश्विक नवाचार सूचकांक (2022) : भारत का 40वाँ स्थान
- यूएनडीपी की मानव विकास रैंकिंग (2021/2022) : भारत का 132वाँ स्थान • अमरीकी ओपन टेनिस (2022)

naukaritak.com for PD Jan to Dec 2022

45 वर्ष | चतुर्थ अंक | नवम्बर 2022

529 वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

45 दिव्य दर्पण

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

9 राष्ट्रीय घटनाक्रम

13 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

20 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

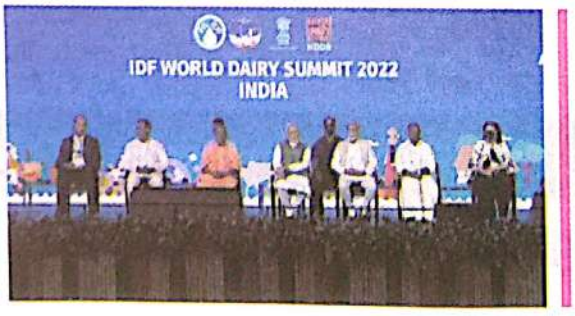

30 नवीनतम सामान्य ज्ञान

35 खेलकूद

42 रोजगार समाचार

43 विज्ञान प्रौद्योगिकी

53 स्मरणीय तथ्य

अनुप्रेरक युवा प्रतिभाएं

55 **निखिल महाजन**
सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित (80वाँ स्थान)

58 **श्रद्धा शुक्ला**
राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित (15वाँ स्थान)

60 **श्रीमती बबली कुमारी**
66वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित (208वाँ स्थान)

फोकस

62 (1) प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) वित्तीय समावेशन का राष्ट्रीय मिशन

65 (2) स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर

67 (3) वर्ष 2047 तक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर भारत

विविधा

69 विश्व परिदृश्य

73 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

79 ऐतिहासिक स्थल एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व

लेख

83 **आर्थिक और वाणिज्यिक लेख**—राष्ट्रीय लॉजिस्टिक (रसद) नीति 2022 : आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सार्थक पहल

85 **वाणिज्य लेख**—भारतीय स्टॉक एक्सचेंज में प्रयुक्त अद्यतन शब्दावली

88 **संवैधानिक लेख**—भारतीय संविधान में राष्ट्र चेतना का समावेश

89 **सामयिक लेख**—हिन्दी विश्व पटल पर

91 **सामाजिक लेख**—भारत में जन-आन्दोलन

93 **प्रतिभा पलायन लेख**—भारतीय अपने देश की नागरिकता छोड़कर क्यों जा रहे हैं?

95 **जैव ऊर्जा लेख**—बायोडीजल पादप-जैव ईंधन

97 **प्रतिरक्षा लेख**—आईएनएस विक्रांत : समुद्री सीमाओं का स्वदेशी रक्षा कवच

99 **अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध लेख**—अमरीका-सऊदी अरब सम्बन्ध और भारत की चुनौतियाँ

101 **दार्शनिक लेख**—शान्ति के लिए विश्व का मार्ग प्रशस्त करता बौद्ध दर्शन

104 **पारिस्थितिकी लेख**—हाथियों के संरक्षण के लिए उठाने होंगे ठोस कदम

106 **कृषि प्रौद्योगिकी लेख**—ड्रोन, किसानों की आय बढ़ाने में उपयोगी

हल प्रश्न-पत्र

112 सामान्य अध्ययन-II—सिविल सेवा मुख्य परीक्षा, 2022 (तृतीय प्रश्न-पत्र)

119 एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय (प्रथम चरण) परीक्षा, 2021

129 बिहार बी.एड. संयुक्त प्रवेश परीक्षा, 2022

वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

136 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

137 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

ऐच्छिक विषय

142 (i) **अर्थशास्त्र**—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2020

155 (ii) **मनोविज्ञान**—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2020

ज्ञानार्जन के नवीन क्षितिज

168 क्या आप जानते हैं ?

169 अपना ज्ञान बढ़ाइए

श्रेष्ठतर प्रतिभागी

170 **प्रथम पुरस्कृत समीक्षा**—"लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में मूल्यों का ह्रास हुआ है"

172 **प्रथम पुरस्कृत निबन्ध**—ज्ञान का मिथ्याभ्यास ही ज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु है

174 **निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक**—518 का परिणाम

176 English Comprehension—CAPFs/Delhi Police SI and ASI in CSIF Exam., 2019

Telegram @pd_pratiyogita_darpan

सम्पादकीय

अपना भाग्य स्वयं बनाइए

"सबसे बड़ी बात है कि आप स्वयं को चुनौती दें, आप स्वयं पर हैरान होंगे कि आप में इतना बल या सामर्थ्य है तथा आप इतना कुछ कर सकते हैं."

– सेसील एम. स्प्रिंगर

हमारे कार्य अपना प्रभाव उत्पन्न करते हैं और वे हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं. तदनुसार हम आचरण करते हैं. आचरण के आधार पर हमारी आदतों का निर्माण होता है, जो अन्ततः हमारे चरित्र का निर्माण करती हैं. चरित्र की सापेक्षता में हमारे भाग्य का निर्माण होता है. गोस्वामी तुलसीदास ने ठीक ही कहा है कि "कर्म प्रधान विश्व कर राखा." भाग्य के निर्माण में कर्म का इतना अधिक महत्व होता है कि कर्म और भाग्य पर्यायवाची बन गए हैं–हमारे कर्म में जाने क्या लिखा है ? जैसे वाक्यांश हमारे जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं.

इस तथ्य से हम सब अवगत हैं कि हम तीन स्तरों पर कर्म करते रहते हैं– शरीर, वाणी एवं मन अर्थात् हम शरीर की गतिविधियों द्वारा कर्म करते हैं, वाणी द्वारा अथवा वचन द्वारा हम कर्म करते हैं, क्योंकि हम जो बात कहते हैं, उसका प्रभाव हम पर पड़ता है–बल्कि यह कहा जा सकता है कि वाणी का प्रभाव शारीरिक गतिविधियों की अपेक्षा तीव्र एवं दीर्घकालीन होता है. कहा तो यहाँ तक जाता है कि तलवार का घाव, तो भर जाता है और लोग उसको भूल जाते हैं, परन्तु वाणी की चोट गहरी लगती है और वह भुलाई जाने की कोशिश करने पर भी नहीं भुलाई जा पाती है. दुर्योधन के प्रति द्रोपदी के मात्र इस कथन ने कि "अन्धों के अन्धे होते हैं." महाभारत रच दिया और समस्त भारत रण रक्त पारावार में डूब गया और भारतीय संस्कृति का स्वरूप ही बदल गया. एक महाभारत क्या, असंयत वाणी ने न मालूम व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के कितने अहित किए हैं; दूसरी ओर मधुरवाणी ने न मालूम कितने क्रोधाग्नि के पुंजों को शान्त किया है और असम्भव से प्रतीत होने वाले कार्य सिद्ध किए हैं ? कहा भी जाता है–

कागा काको धन हरै, कोयल काको देय ?
मीठे वचन सुनाइ के, जग अपनो कर लेइ।।

तीसरा स्तर है–वैचारिक स्तर. यह सूक्ष्मतम स्तर है और इससे उत्पन्न कम्पन बहुत व्यापक एवं अत्यधिक तीव्रगामी होते हैं. तात्पर्य यह है कि विचारों द्वारा उत्पन्न प्रभाव बहुत तीव्र, तीक्ष्ण, व्यापक एवं दूरगामी होता है. सबसे अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि विचार गोचर नहीं होते हैं. फलतः वैचारिक स्तर पर हम दूषित कल्पनाएं करते हुए, अवांछित चिन्तन करते हुए किसी प्रकार का संकोच नहीं करते हैं. वास्तविकता यह है कि हम सर्वाधिक कर्म वैचारिक या मानसिक स्तर पर करते हैं. वचन और तन के शरीर के कर्म की प्रेरणा भी विचार के स्तर से ही प्राप्त होती है. यानी तन और वचन द्वारा किए जाने वाले कर्म का स्रोत भी विचार ही होते हैं. मनोविज्ञान के मनीषियों ने तो विभिन्न रोगों के कारण विशेष प्रकार की विचार-पद्धतियों का निर्धारण तक कर दिया है. गोस्वामी तुलसीदास द्वारा वर्णित मानस-रोग इस दिशा में हमारी आँखें खोल देते हैं; यथा–

सुनहु तात अब मानस रोगा।
जिन्ह तें दुःख पावहिं सब लोगा।।
मोह सकल व्याधिन्ह कर मूला।
तिन्ह ते पुनि उपजहिं बहु सूला।।

\+ \+ \+

ममता दादु कंडु इरषाई।
हरष विषाद गरह बहुताई।।

\+ \+ \+

अहंकार अति दुःखद डमरुआ।
दंभ कपट मन माद नेहरुआ।।
तृष्णा उदर वृद्धि बहुभारी।
त्रिविधि ईसना तरुन तिजारी।।

इत्यादि.

स्पष्ट है कि हम प्रत्येक क्षण अनायास ही कर्म करते रहते हैं और तदनुसार अपने भाग्य का निर्माण करते रहते हैं. स्वभाव से हम व्यक्ति हैं, परन्तु व्यवहार हमारे 'हम' का क्या स्वरूप है ? निश्चित रूप से व्यक्ति का नहीं–एक भीड़ का हमारा 'हम' वह है, जो हमारे उस सबको मिलाकर बनता है–माता-पिता, पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई-बहिन, अनेक वस्तुएं, समाज आदि. 'हम' व्यक्ति न रह कर 'भीड़' हो जाता है. यानी हम व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि भीड़ के सन्दर्भ में अपने भाग्य का निर्माण करते रहते हैं. हमारा 'हम' बिखराव की स्थिति में रहता है और हम बिखराव के मध्य अपना भाग्य बनाते रहते हैं. 'हम' व्यक्ति हैं–यह 'हम' को ध्यान नहीं रहता है. 'हम' की स्थिति उस लकड़ी के लट्ठे के समान हो जाती है, जो नदी के बहाव के साथ उलटा, सीधा, किनारों से टक्कर खाता हुआ झाड़-झंखाड़ों में उलझता हुआ बहता रहता है, परन्तु यदि उसको नाव का रूप देकर किसी नाविक के सुपुर्द कर दिया जाए, तो स्थिति एकदम बदल जाए. वह नदी के प्रवाह में बहे, परन्तु अपनी इच्छानुसार.

सबसे अलग रहकर अथवा सबके मध्य रहते हुए केवल 'हम' पर ध्यान देते हुए हम कर्म करने लगें, तब माना जाएगा कि व्यक्ति के रूप में कर्म या व्यवहार कर रहा है. वैराग्य, विराग, निष्काम कर्म, ब्रह्मचर्य आदि सबका एक ही धर्म है–'हम' का 'हम' व्यक्ति के रूप में आचरण करना. हम जैसे ही अपने को भीड़ से मुक्त करके व्यक्ति के रूप में आचरण करने लगते हैं, वैसे ही हमारा 'हम' विशृंखलित 'हम' न रहकर एक व्यक्ति 'हम' संगठित 'हम' बन जाता है. हमारा अदृश्य 'संगठित' 'हम' हमारे व्यक्तित्वरूपी नाव या पोत का नाविक बन जाता है, तब हम कह सकेंगे कि हम एक व्यक्ति हैं और व्यक्ति के रूप में आचरण/व्यवहार/कर्म कर रहे हैं. इसी को कहते हैं– संश्लिष्ट व्यक्ति (Integrated Individual) का निर्माण/यही व्यक्ति/हम स्वतन्त्रतापूर्वक आचरण/कार्य कर सकता है, क्योंकि भीड़ से बँधे रहकर अपनी स्वतन्त्र इच्छा या अपने स्वतन्त्र व्यक्तित्व को गँवा देने वाला विशृंखलित मानव क्या एक स्वतन्त्र हो सकता है ?

हम स्वयं विचारें–क्या हम एक संगठित या संश्लिष्ट स्वतन्त्र व्यक्ति हैं ? नहीं, आप अपने मित्रों आदि के साथ घुल-मिलकर अपने व्यक्तित्व को विशृंखलित करके अपनी स्वतन्त्रता खो चुके हैं. आपका अध्ययन अनेक बातों पर निर्भर हो गया है. आप अपने अध्ययन के प्रति चिन्तित रहते हैं, परन्तु यह भूल जाते हैं कि आपका वास्तविक 'हम' बिखराव की स्थिति में है–इसी से आप चिन्तित हैं.

आप 'हम' को संगठित कीजिए, आप अपने कर्म के क्षेत्र में स्वतन्त्र हो जाएंगे. स्वतन्त्रता और चिन्ता के मध्य ३ और ६ का सम्बन्ध है. आप देखेंगे कि एकान्त में, सबसे अलग रहकर मन पढ़ाई में अच्छी तरह केन्द्रित हो जाता है और अध्ययन अधिक फलदायी बन जाता है. आप पंचायत से जितनी अधिक दूर रहेंगे. आपका व्यक्तित्व उतना ही स्वतन्त्र रहेगा.

जैसे ही आप 'व्यक्ति' बन जाते हैं, 'हम' मात्र लट्ठा न रहकर नाविक द्वारा नियन्त्रित एवं चालित पोत/नाव बन जाता है और आपका 'भाग्य' आपका अपना भाग्य बन जाता है. जैसे ही आपका 'भाग्य' आपके हाथ में आ जाता है, अगला कदम स्वयमेव सामने प्रस्तुत हो जाएगा. आप अपने संगठित स्वतन्त्र व्यक्तित्व के प्रति जागरूक रहिए. स्वस्थ विचारों को अपनाइए, आचरण को नैतिक बनाइए और मधुर वाणी का अभ्यास कीजिए तथा समूह के संग न रहकर एक व्यक्ति बनिए. आप एक स्वतन्त्र व्यक्ति की भाँति अपने भाग्य का निर्माण करने में सफल हो जाएंगे. ●●●

naukaritak.com for PD Jan to Dec 2022

राष्ट्रीय घटनाक्रम

- 70 वर्ष पूर्व विलुप्त घोषित चीतों की भारत की धरती पर वापसी (नामीबिया से लाए गए 8 चीते भारत में बसाए गए)
- मझगाँव डॉक शिप बिल्डर्स द्वारा निर्मित युद्धपोत तारागिरि का जलावतरण
- सतह से आकाश में मार करने वाली मिसाइल क्यूआरएसएएम का सफल परीक्षण
- राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (National Maritime Heritage Complex)
- कोरोना के लिए देश में ही विकसित नेजल वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग को औषधि महानियंत्रक की मंजूरी
- महाराष्ट्र में विधान परिषद् की सदस्यता के लिए उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार द्वारा संस्तुत नामों की सूची शिंदे सरकार ने वापस मँगाई
- नेपाल यात्रा के दौरान भारत के थल-सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को नेपाली सेनाध्यक्ष की मानद रैंक
- पीएम श्री स्कूल योजना (PM Shri School Yojna) प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया योजना
- देश में अपराध आँकड़ों के सम्बन्ध में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की वर्ष 2021 की 'क्राइम इन इंडिया' रिपोर्ट
- पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया व 8 सहयोगी संगठन 5 वर्षों के लिए प्रतिबन्धित
- गुजरात में 36वें राष्ट्रीय खेलों का शुभारम्भ

70 वर्ष पूर्व विलुप्त घोषित चीतों की भारत की धरती पर वापसी (नामीबिया से लाए गए 8 चीते भारत में बसाए गए)

जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भारत में, एक ऐतिहासिक पहल सितम्बर 2022 में उस समय हुई जब 70 वर्ष पूर्व देश में विलुप्त घोषित चीतों का पुनर्प्रवास देश में हुआ. इसके लिए अफ्रीकी राष्ट्र नामीबिया से 8 चीते वायुसेना के बोइंग मालवाहक विमान द्वारा 17 सितम्बर, 2022 को भारत लाए गए, जिन्हें मध्य प्रदेश में श्योपुर स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में बसाया गया है. नामीबिया से 8 चीते भारत लाने के लिए दोनों देशों में सहमति इस वर्ष के पूर्वार्द्ध में ही बन गई थी तथा इसके लिए सहमति-पत्र पर औपचारिक हस्ताक्षर जुलाई 2022 में हुए थे. इसी प्रकार 12 अन्य चीते द. अफ्रीका से भी भारत लाए जाने हैं.

कूनो राष्ट्रीय पार्क में चीता को छोड़ते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नामीबिया के साथ हस्ताक्षरित समझौते के तहत् 8 चीतों, जिनमें 3 नर व 5 मादा हैं, को लेकर वायुसेना के विशेष मालवाहक विमान, जिसके फ्रंट का चीते जैसा चित्रण किया गया था, ने 16 सितम्बर की शाम नामीबिया से उड़ान भरी थी तथा 12 घण्टे की उड़ान के पश्चात् यह ग्वालियर हवाई अड्डे पर पहुँचा था. ग्वालियर से हेली-कॉप्टर्स के द्वारा इन्हें कूनो राष्ट्रीय पार्क पहुँचाया गया जहाँ इनके प्रवास हेतु विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं. इनमें से तीन चीतों को पिंजरों से निकाल कर बाड़े में छोड़ने का कार्य स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 72वें जन्म दिन (17 सितम्बर) के अवसर पर किया. शेष पाँच चीतों को भी बाद में दूसरे बाड़े में छोड़ा गया.

इस प्रकार 70 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् भारत की धरती पर चीतों की वापसी हुई है. 1947 में भारत में केवल तीन ही चीते बचे हुए थे जिनका शिकार उस वर्ष कर लिया गया था. बाद में 1952 में औपचारिक रूप से भारत से चीतों को विलुप्त घोषित कर दिया गया था. कूनो नेशनल पार्क में छोड़े गए सभी 8 चीतों के गले में रेडियो कालर लगाए गए हैं जिससे उनकी पूरी निगरानी की जा सकेगी.

देश में चीतों के पुनर्वास के लिए एक योजना पूर्ववर्ती यूपीए सरकार द्वारा भी 2009 में बनाई गई थी, जिसे 2013 में सर्वोच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया था. अब एनडीए सरकार द्वारा नए सिरे से बनाई गई योजना को सर्वोच्च न्यायालय ने 2017 में प्रायोगिक रूप में अनुमोदित कर दिया था. नामीबिया से लाए गए 8 चीतों को कूनो नेशनल पार्क में छोड़ने के अवसर पर राष्ट्र के नाम अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बताया कि भारत में चीतों की वापसी 'प्रोजेक्ट चीता' के तहत् की जा रही है, जो विश्व की पहली बड़े मांसाहारी जीव की अन्तर महाद्वीपीय स्थानान्तरण परियोजना है. प्रधानमंत्री ने कहा कि आज चीते अफ्रीका के कुछ देशों व ईरान में पाए जाते हैं, जबकि भारत का नाम इस सूची से बहुत पहले ही हटा दिया गया था. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में हम अपने ही देश में कूनो नेशनल पार्क में चीतों को दौड़ते हुए देख पाएंगे. आज इन चीतों के माध्यम से हमारे जंगलों में और जीवन में एक बड़ा शून्य भरा जा रहा है. प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी का भारत पूरी दुनिया को संदेश दे रहा है कि अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी परस्पर विरोधी क्षेत्र नहीं हैं. भारत को इसका जीता-जागता उदाहरण बताते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यावरण की रक्षा के साथ-साथ देश की आर्थिक प्रगति भी हो सकती है. प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत एक ओर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थ-व्यवस्थाओं में शामिल हैं, वहीं दूसरी ओर देश के वन क्षेत्रों का भी तेजी से विस्तार हो रहा है.

जैव विविधता एवं पर्यावरण की रक्षा की दिशा में सरकार द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में हमारी सरकार आने के बाद से देश में लगभग 250 नए संरक्षित क्षेत्र जोड़े गए हैं. यहाँ एशियाई शेरों की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी हुई है और गुजरात देश में एशियाई शेरों के प्रभुत्व वाले क्षेत्र के रूप में उभरा है. प्रधानमंत्री ने कहा कि **हमने समय से पहले बाघों की संख्या को दोगुना करने का लक्ष्य हासिल कर लिया है. उन्होंने याद किया कि एक समय में असम में एक सींग वाले गैंडे का अस्तित्व भी खतरे में था, लेकिन आज उनकी संख्या भी बढ़ गई है. पिछले कुछ वर्षों में हाथियों की**

संख्या भी 30 हजार से अधिक हो गई है. श्री मोदी ने आर्द्रभूमि के विस्तार के लिए भारत की वनस्पतियों और जीवों के संरक्षण के लिए किए गए कार्यों का भी उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में करोड़ों लोगों का जीवन और जरूरतें आर्द्रभूमि की पारिस्थितिकी पर निर्भर हैं. प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की कि आज देश में 75 आर्द्र-भूमियों को रामसर स्थल घोषित किया गया है जिनमें से 26 स्थलों को पिछले 4 वर्षों में जोड़ा गया है. देश के इन प्रयासों का असर आने वाली सदियों तक दिखाई देगा और ये तरक्की के नए मार्ग प्रशस्त करेंगे.

मझगाँव डॉक शिप बिल्डर्स द्वारा निर्मित युद्धपोत तारागिरि का जलावतरण

आईएनएस विक्रान्त के नौसेना में शामिल किए जाने के एक सप्ताह पश्चात् ही मुम्बई स्थित मझगाँव डॉक शिप बिल्डर्स लि. (MDL) द्वारा निर्मित स्टेल्थ (रडार की नजर से बचने में सक्षम) युद्धपोत तारागिरि का जलावतरण 11 सितम्बर, 2022 को मुम्बई में किया गया. विभिन्न बेसिन एवं समुद्री परीक्षणों के पश्चात् नौसेना को इसकी आपूर्ति अगस्त 2025 तक सम्भावित है. नौसेना की परियोजना 17-ए के तहत् बने नीलगिरि श्रेणी के इस तीसरे युद्धपोत का निर्माण 10 सितम्बर, 2020 को शुरू किया गया था. इसकी कील लेइंग (Keel laying) सितम्बर 2020 में हुई थी. 149 मीटर लम्बे व 17·8 मीटर चौड़े तथा 2 गैस टर्बाइनों से संचालित इस युद्धपोत की विस्थापन क्षमता लगभग 6670 टन है.

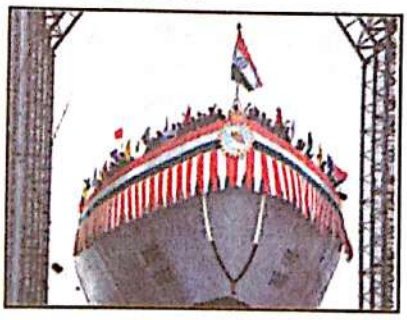

तारागिरि युद्धपोत

17-ए परियोजना के तहत् पहले युद्ध-पोत **नीलगिरि** का जलावतरण 28 सितम्बर, 2019 को किया गया था. इसके समुद्री परीक्षण 2024 के पूर्वार्द्ध तक पूरे होने की सम्भावना है. इस श्रेणी के दूसरे युद्धपोत उदयगिरि का जलावतरण 17 मई, 2022 को किया गया था तथा इसके समुद्री परीक्षण 2024 के उत्तरार्द्ध में पूरे होंगे. तीसरे युद्धपोत **तारागिरि** का जलावतरण अब 11 सितम्बर, 2022 को किया गया है, जबकि इस श्रेणी के चौथे युद्धपोत की कील लेइंग इस वर्ष 28 जून, 2022 को हुई है. ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ-II के निधन के कारण 11 सितम्बर, 2022 को राष्ट्रीय शोक होने के कारण तारागिरि युद्धपोत का 11 सितम्बर को जलावतरण अत्यन्त सादे समारोह में ही किया गया. ज्वार भाटे की स्थिति को देखते हुए ही इसके जलावतरण के लिए यह तिथि निर्धारित की गई थी तथा अंतिम समय में इसमें परिवर्तन सम्भव नहीं था.

स्टेल्थ युद्धपोत तारागिरि का यह नामकरण भारतीय नौसेना में 1980–2013 के दौरान शामिल रहे आईएनएस तारागिरि के नाम पर किया गया है. 16 मई, 1980 को नौसेना में शामिल किए गए पहले आईएनएस तारागिरि को 33 वर्ष की सेवा के पश्चात् 27 जून, 2013 को नौसेना से ससम्मान हटा दिया गया था.

सतह-से-आकाश में मार करने वाली मिसाइल क्यूआरएसएएम का सफल परीक्षण

देश में ही विकसित सतह-से-हवा में मार करने वाली क्विक रिएक्शन सरफेस-टु-एयर (ORSAM) मिसाइल का एक सफल परीक्षण ओडिशा के तट पर चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR) से 8 सितम्बर, 2022 को किया गया. रक्षा अनुसन्धान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा यह परीक्षण सेना के साथ मिलकर किया गया. डीआर-डीओ के अनुसार परीक्षण के दौरान इस अत्याधुनिक मिसाइल में लगी सभी प्रौद्योगि-कियों एवं प्रणालियों ने अच्छा प्रदर्शन किया तथा मिशन की सभी जरूरतों को पूरा किया. 8 सितम्बर, 2022 का क्यूआरएसएएम मिसाइल का यह परीक्षण इस मिसाइल का छठा परीक्षण था.

डीआरडीओ द्वारा विकसित क्यूआर-एसएएम मिसाइल हर मौसम में काम करने वाली मिसाइल है तथा लक्ष्य को पहचानने और इस पर निशाना लगाने में सक्षम इस मिसाइल की एक साथ कई लक्ष्यों पर मार करने की क्षमता है. त्वरित प्रक्रिया वाली यह मिसाइल सतह-से-हवा में 25 से 30 किमी दूरी तक मार कर सकती है.

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (National Maritime Heritage Complex)

भारत की समृद्ध एवं विविध समुद्री विरासत के संरक्षण एवं प्रदर्शन हेतु एक राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (National Maritime Heritage Complex–NMHC) की स्थापना, पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय द्वारा संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से गुजरात के लोथल क्षेत्र में की जा रही है. इसकी आधारशिला प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रखी गई थी. सिन्धु घाटी सभ्यता से लेकर वर्तमान समय तक के भारत के समृद्ध समुद्री इतिहास का प्रदर्शन करने वाले इस परिसर को एक अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की सरकार की योजना है. विभिन्न चरणों में पूरा किए जाने वाले इस परिसर का पहला चरण मार्च 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है.

कोरोना के लिए देश में ही विकसित नेजल वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग को औषधि महानियंत्रक की मंजूरी

कोरोना महामारी के विरुद्ध संघर्ष में भारत को एक बड़ी सफलता सितम्बर 2022 में उस समय मिली जब भारत बायोटेक द्वारा कोरोना के लिए विकसित नेजल वैक्सीन (नाक के रास्ते से ही जाने वाली वैक्सीन) के आपातकालीन इस्तेमाल के लिए मंजूरी देश के औषधि महानियंत्रक (Drug Controller General of India–DGCI) ने प्रदान कर दी. यह कोविड-19 वायरस से सुरक्षा के लिए नाक से दिया जाने वाला पहला देशी टीका (First intra nasal covid vaccine) है. टीके के तीसरे चरण के परीक्षणों के पश्चात् ही 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के टीकाकरण के लिए डीजीसीआई द्वारा यह अनुमति 6 सितम्बर 2022 को प्रदान की गई है. प्राथमिक टीकाकरण के साथ-साथ दो खुराक ले चुके लोगों के लिए बूस्टर डोज के रूप में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है. इसे मान्यता प्राप्त होने की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने इसे कोरोना महामारी के विरुद्ध भारत की लड़ाई के लिए एक बड़ा कदम बताया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में विज्ञान, अनुसन्धान एवं विकास और मानव संसाधनों का इस्तेमाल किया है.

उल्लेखनीय है कि नेजल स्प्रे वैक्सीन को इंजेक्शन की बजाय नाक से दिया जाता है. यह नाक के अंदरूनी हिस्सों में इम्युनिटी तैयार करती है. इसे ज्यादा कारगर इसलिए भी माना जाता है, क्योंकि कोरोना सहित हवा में फैलने वाली अधिकांश बीमारियों के संक्रमण का रूट प्रमुख रूप से नाक ही होता है और उसके अंदरूनी हिस्सों में इम्युनिटी तैयार करने से ऐसी बीमारियों को रोकना ज्यादा असरदार साबित होता है.

महाराष्ट्र में विधान परिषद् की सदस्यता के लिए उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार द्वारा संस्तुत नामों की सूची शिंदे सरकार ने वापस मँगाई

महाराष्ट्र की नई शिंदे सरकार ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार के एक फैसले को पलटते हुए उसके द्वारा विधान परिषद् की सदस्यता हेतु 2020 में भेजी गई 12 नामों की सूची को राजभवन से सितम्बर 2022 में वापस मँगा लिया है. 2 वर्ष से भी अधिक समय से राज्यपाल ने इस सूची पर कोई निर्णय अभी तक नहीं किया था. विधान परिषद् में मनोनयन हेतु उद्धव सरकार द्वारा भेजी गई 12 लोगों की इस सूची में (शिव सेना, कांग्रेस व राकांपा के कोटों से 4-4 सदस्यों के नाम शामिल थे. राजभवन से इस सूची को वापस मँगाते हुए शिंदे सरकार ने राज्यपाल को सूचित किया है कि मनोनयन के लिए 12 नामों की नई सूची राजभवन भेजी जाएगी. कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार 12 नामों की इस सूची में अब शिंदे गुट व भाजपा के कोटे से प्राप्त नामों की संस्तुति की जाएगी.

नेपाल यात्रा के दौरान भारत के थलसेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को नेपाली सेनाध्यक्ष की मानद रैंक

रक्षा सम्बन्धों के सिलसिले में भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने 4–8 सितम्बर, 2022 को नेपाल की यात्रा की, जहाँ काठमांडू में त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इनका स्वागत नेपाली सेना के उप-प्रमुख लेफ्टि. जनरल बालकृष्ण कारकी ने किया. 5 दिन के नेपाल प्रवास के पहले ही दिन नेपाली सेना के मुख्यालय में बलिदानी सैनिकों को श्रद्धांजलि उन्होंने अर्पित की तथा अपने समकक्ष नेपाली जनरल प्रभुराम शर्मा व अन्य प्रमुख सैन्याधिकारियों के साथ वार्ता उन्होंने की. **5 सितम्बर को जनरल पांडे ने नेपाली राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी से शीतल निवास (राष्ट्रपति भवन) में मुलाकात की जहाँ एक समारोह में नेपाली सेना के जनरल की मानद रैंक राष्ट्रपति ने उन्हें प्रदान की. (1950 में शुरू हुई इस परम्परा के तहत् भारत व नेपाल एक-दूसरे के सेना प्रमुखों को अपनी सेना के जनरल की मानद रैंक प्रदान करते हैं.** इसी परम्परा के तहत् पिछले वर्ष नवम्बर 2021 में भारत की यात्रा पर आए नेपाली सेनाध्यक्ष जनरल प्रभु-राम शर्मा को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने भारतीय सेना के मानद जनरल की रैंक प्रदान की थी.

जनरल मनोज पांडे को मानद रैंक प्रदान करते हुए नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी

5 दिन के नेपाल प्रवास के दौरान शिवपुरी में सेना कमान एवं स्टाफ कॉलेज तथा पोखरा में मध्य कमान मुख्यालय का दौरा भी भारतीय थल सेनाध्यक्ष जन. पांडे ने किया. नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के साथ भारत-नेपाल सैन्य सम्बन्धों पर उनकी विस्तृत वार्ता 6 सितम्बर को हुई. भारत में सेना में भर्ती की नई अग्निपथ योजना पर भी चर्चा वार्ता में हुई.

देश में अपराध आँकड़ों के सम्बन्ध में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की वर्ष 2021 की 'क्राइम इन इंडिया' रिपोर्ट

बीते वर्ष 2021 के दौरान भारत में अपराधों के आँकड़ों के सम्बन्ध में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (National Crime Records Bureau—NCRB) की वार्षिक 'क्राइम इन इंडिया 2021' रिपोर्ट 30 अगस्त, 2022 को जारी की गई. रिपोर्ट के अनुसार–

- वर्ष 2021 के दौरान देश में दर्ज किए गए संज्ञेय (Cognizable) अपराधों की कुल संख्या 60·9 लाख थी, जो एक वर्ष पूर्व 2020 में दर्ज अपराधों की संख्या (66·01 लाख) की तुलना में 7·6 कम थी. कोरोना से पूर्व वर्ष 2019 में देश में संज्ञेय अपराधों की संख्या 51·6 लाख ही थी. इससे देश में **क्राइम रेट** (प्रति एक लाख जनसंख्या की तुलना में अपराधों की संख्या) 2020 में 487·8 से घटकर 2021 में 445·9 रहा.

पीएम श्री स्कूल योजना (PM Shri School Yojna)
प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया योजना

विद्यालयी शिक्षा प्रणाली का प्रोन्नयन कर विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य के लिए तैयार करने के उद्देश्य से इस योजना की घोषणा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 सितम्बर, 2022 को शिक्षक दिवस के अवसर पर की. पीएम श्री (PM SHRI–Pradhan Mantri School for Rising India) योजना के तहत् केन्द्र/राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र/स्थानीय निकाय की सरकारों द्वारा संचालित चुनींदा स्कूलों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पूरी भावना समाहित करते हुए विकास कर इन्हें मॉडल स्कूलों की तरह विकसित किया जाएगा. इस योजना का संकेत केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने जून 2022 में गांधीनगर में राज्यों के शिक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में दिया था तथा इसे शुरू करने की घोषणा प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 5 सितम्बर, 2022 को की. योजना की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके तहत् पूरे भारत में 14,500 स्कूलों का अपग्रेडेशन कर इन्हें मॉडल स्कूल बनाया जाएगा. इन स्कूलों में पढ़ाई का तरीका आधुनिक, परिवर्तनकारी और समग्र होगा. नवीनतम प्रौद्योगिकी, स्मार्ट क्लास रूप, खेल व आधुनिक सुविधाओं पर ध्यान इनमें दिया जाएगा. प्रधानमंत्री ने आशा व्यक्त की कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति से शिक्षा क्षेत्र में आ रहे परिवर्तनों को देखते हुए पीएम श्री स्कूल लाखों विद्यार्थियों को लाभान्वित करेंगे.

उल्लेखनीय है कि केन्द्र प्रायोजित यह योजना मौजूदा स्कूलों को ही मजबूत करेगी. इन स्कूलों का चयन केन्द्र, राज्य, केन्द्रशासित प्रदेश व स्थानीय निकायों द्वारा संचालित स्कूलों में से ही किया जाएगा. पीएम श्री स्कूलों पर आने वाला खर्च केन्द्र सरकार वहन करेगी. हालाँकि, राज्य सरकार पर निगरानी की जिम्मेदारी होगी.

पीएम श्री स्कूलों की प्रमुख विशेषताएं–

- *पीएम श्री स्कूलों में शिक्षा प्रदान करने का एक आधुनिक, परिवर्तन लाने वाला और समग्र तरीका होगा.*
- *इनमें खोज उन्मुख और सीखने को केन्द्र में रखकर शिक्षा प्रदान करने के तरीके पर जोर रहेगा.*
- *इसके केन्द्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, स्मार्ट कक्षाएं, खेल समेत आधुनिक बुनियादी सुविधाओं पर भी ध्यान दिया जाएगा.*
- *अत्याधुनिक लैब स्थापित की जाएंगी, ताकि स्टूडेंट्स किताबी ज्ञान के अलावा प्रैक्टिल से सीख सकें.*
- *प्री-प्राइमरी और प्राइमरी के बच्चों में खेल पर फोकस किया जाएगा, ताकि उनमें शारीरिक विकास भी हो सके.*

naukaritok.com for PDF Jan to Dec 2022

- रिपोर्ट में बताया गया है कि 2021 में बड़े राज्यों में **हिंसक अपराधों की दर** (Rate of violent crimes) सर्वाधिक असम में (76·6 हिंसक अपराध प्रति लाख जनसंख्या) थी. इसके पश्चात् यह दिल्ली में 57 प्रति लाख जनसंख्या तथा प. बंगाल में 48·7 हिंसक अपराध प्रति लाख जनसंख्या थी. (हिंसक अपराधों की श्रेणी में हत्या, दहेज मृत्यु, गम्भीर चोंटे, अपहरण, बलात्कार आदि आते हैं) हिंसक अपराधों की दर न्यूनतम गुजरात, आन्ध्र प्रदेश व तमिलनाडु में थी.
- हिंसक अपराधों के मामलों में 2021 में सर्वाधिक वृद्धि ओडिशा में दर्ज की गई जहाँ यह 2020 में 38 प्रति लाख से बढ़-कर 48·6 प्रति लाख 2021 में हो गई. दिल्ली में भी यह 2020 में 49·2 प्रति लाख से बढ़कर 2021 में 57 प्रति लाख हो गई.
- रिपोर्ट में बताया गया है कि 2021 के दौरान देश में औसतन 82 हत्याएं प्रतिदिन दर्ज की गई, जबकि **प्रति घण्टा** अपहरण के औसतन 11 मामले दर्ज हुए.
- प्रति एक लाख जनसंख्या पर हत्या के सर्वाधिक मामले झारखण्ड में तथा अपहरण के सर्वाधिक मामले दिल्ली में रहे.
- 2021 के दौरान देश में कुल हत्याओं की संख्या 29272 दर्ज हुई, जो पूर्व वर्ष 2020 में 29193 थी. इस प्रकार हत्या मामलों में 0·3 प्रतिशत की मामूली वृद्धि 2021 में दर्ज की गई.
- 2021 के दौरान देश में अपहरण के दर्ज मामलों की संख्या 1,04,149 रही, जो 2020 में 84,805 ही थी. इस प्रकार अपहरण के मामलों में 19·9 प्रतिशत की वृद्धि 2021 के दौरान दर्ज की गई. अपहरण के मामलों में लगभग एक लाख की बरामदी भी हुई.
- हत्या के मामलों में पहले पाँच प्रदेश क्रमशः उत्तर प्रदेश 3,717 हत्याएं, बिहार (2799), महाराष्ट्र (2330), मध्य प्रदेश (2034) व प. बंगाल (1884) रहे, जबकि प्रति लाख जनसंख्या पर हत्या के मामलों में पहला स्थान झारखण्ड का 4·1 (1573) व दूसरा अंडमान निकोबार का 4(16) रहा. हत्या के अपराध की दर दिल्ली में 2·2 दर्ज की गई.
- 2021 के दौरान अपहरण के कुल 1,04,149 मामलों में 17,605 मामले पुरुषों के, 86,543 महिलाओं के व 1 मामला ट्रांसजैंडर का था. इनमें से 98,860 अपहृतों की जीवित वापसी हो सकी, जबकि 820 व्यक्ति मृत पाए गए. कुल 1,04,149 अपहृतों में 69,014 बच्चे (10,956 पुरुष व 58,058 स्त्री) तथा 35135 वयस्क (6649 पुरुष व 28485 स्त्री व एक ट्रांसजैंडर)
- अपहरण के मामलों में पहले पाँच राज्य क्रमशः उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश व प. बंगाल रहे.

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया व 8 सहयोगी संगठन 5 वर्षों के लिए प्रतिबन्धित

अन्तर्राष्ट्रीय आतंकी संगठन के साथ सम्बन्धों व देश विरोधी एवं आतंकी गतिविधियों के साथ-साथ हिंसक मामलों में संलिप्तता के चलते सरकार ने कट्टर इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (PFI) पर 5 वर्ष का प्रतिबन्ध सितम्बर 2022 में आरोपित किया है. संगठन के देश-भर में स्थित विभिन्न ठिकानों पर पुलिस एवं राष्ट्रीय जाँच एजेंसी की बड़े पैमाने पर छापेमारी एवं गिरफ्तारियों के पश्चात् इस संगठन के सम्बन्ध इस्लामिक स्टेट व अन्य आतंकी संगठनों के साथ देखते हुए इस पर 5 वर्ष का प्रतिबन्ध कड़े आतंकवाद रोधी कानून यूएपीए एक्ट अवैधानिक गतिविधि रोकथाम अधिनियम (Unlawful Activities Prevention Act), 1967 के तहत् आरोपित किया गया है. इसके साथ ही इसके आठ अन्य सहयोगी संगठनों को भी प्रतिबन्धित किया गया है. इनमें कैम्पस फ्रंट ऑफ इंडिया, रिहैब इंडिया फाउंडेशन, ऑल इंडिया इमाम काउंसिल, नेशनल कॉनफेडरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स ऑर्गेनाइजेशन, नेशनल वुमेन फ्रंट, जूनियर फ्रंट, एम्पावर इंडिया फाउंडेशन व रिहैब फाउंडेशन, केरल शामिल हैं. प्रतिबन्ध के पश्चात् इन संगठनों की सम्पत्तियों एवं खातों को सील करने के लिए मार्ग प्रशस्त हो गया है. साथ ही पीएफआई से जुड़े जिन लोगों को देश विरोधी व आतंकी गतिविधियों में सीधी संलिप्तता के लिए सबूतों के अभाव में जिन्हें गिरफ्तार करने में मुश्किलें आ रही थीं, उनकी गिरफ्तारियों के लिए रास्ता अब आसान हो गया है.

पीएफआई के साथ-साथ उससे सम्बद्ध आठ अन्य संगठनों को भी गृह मंत्रालय ने 5 वर्ष के लिए प्रतिबन्धित किया है, वहीं उससे सम्बद्ध राजनीतिक दल सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (SDPI) को पंजीकृत राजनीतिक दल होने के कारण प्रतिबन्धित किया गया था.

गुजरात में 36वें राष्ट्रीय खेलों का शुभारम्भ

देश के 36वें राष्ट्रीय खेलों का शुभारम्भ 29 सितम्बर, 2022 को हुआ. यह खेल गुजरात में छह शहरों—अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत, बड़ोदरा, राजकोट व भावनगर में खेले जाने हैं. 7 वर्षों के अंतराल के पश्चात् देश में राष्ट्रीय खेलों का

आयोजन हुआ है. इससे पूर्व 35वें राष्ट्रीय खेल 2015 में आयोजित किए गए थे. 36वें राष्ट्रीय खेल मूलतः गोवा में 2016 में होने थे, किन्तु विभिन्न कारणों से इनका आयोजन टलता गया तथा अन्ततः अब गुजरात में यह कराए गए हैं. गुजरात को पहली बार ही राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी मिली है.

इन खेलों का औपचारिक शुभारम्भ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में किया. एक लाख से अधिक दर्शकों की उपस्थिति में सम्पन्न रंगारंग उद्घाटन समारोह में केन्द्रीय खेल मंत्री श्री अनुराग ठाकुर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत व मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल भी उपस्थित थे.

36 खेलों की स्पर्द्धाएं 36वें राष्ट्रीय खेलों में शामिल हैं. 10 अक्टूबर, 2022 तक चलने वाले इन खेलों में देश के लगभग 7 हजार खिलाड़ी इनमें भाग ले रहे हैं.

36वें राष्ट्रीय खेलों में शामिल 36 खेल

एक्आटिक्स, तीरंदाजी, भारतीय तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबाल, बीच स्पोर्ट्स, बॉक्सिंग, कैनोइंग, साइकिलिंग, तलवारबाजी, फुटबाल, गोल्फ, जिम्नास्टिक, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो-खो, लॉन, बाउल (Bowl), मल्लखंभ, नेटबाल, रोलर स्पोर्ट्स, रोइंग, रग्बी 7s, शूटिंग, सॉफ्ट टेनिस, टेनिस, सॉफ्टबाल, स्क्वैश, टेबल टेनिस, ट्रायथेलॉन, वॉलीबाल, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती वुशु और योगासन.

इन खेलों का शुभंकर सावज (Savaj), अर्थात् एशियाई शेर है, जबकि खेलों का गीत 'जुड़ेगा इंडिया, जुड़ेगा इंडिया ……' है.

36वें राष्ट्रीय खेलों का औपचारिक शुभारम्भ यद्यपि 29 सितम्बर से हुआ है, विश्व टेबल टेनिस टीम चैम्पियनशिप 30 सितम्बर–9 अक्टूबर को होने के कारण इन खेलों की टेबल टेनिस स्पर्द्धाएं पहले ही 20–24 सितम्बर को करा ली गई थीं. यह पंक्तियाँ लिखे जाने तक राष्ट्रीय खेलों की विभिन्न स्पर्द्धाएं अभी जारी थीं.

Telegram @pd pratiyogita darpan

अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

- कंजरवेटिव पार्टी की नई नेता लिज़ ट्रस यूनाइटेड किंगडम की नई प्रधानमंत्री
- ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का निधन
- प्रिंस ऑफ वेल्स चार्ल्स-III अब किंग चार्ल्स बने
- अमरीका ने अफगानिस्तान का गैर-नाटो प्रमुख मित्र राष्ट्र का दर्जा समाप्त किया
- बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत यात्रा
- शंघाई सहयोग संगठन का 22वाँ शिखर सम्मेलन उज्बेकिस्तान की राजधानी समरकंद में सम्पन्न
- यूएनडीपी की मानव विकास रैंकिंग 2021-22 में भारत का 132वाँ स्थान
- भारत-जापान 2 + 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता
- जापान के पूर्व दिवंगत प्रधानमंत्री शिंजो आबे के राजकीय अंतिम संस्कार में में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी की जापान यात्रा
- कजाखस्तान की राजधानी का नाम बदलकर पुनः अस्ताना किया गया

कंजरवेटिव पार्टी की नई नेता लिज़ ट्रस यूनाइटेड किंगडम की नई प्रधानमंत्री

ब्रिटेन में सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी की नई नेता मैरी एलिजाबेथ ट्रस (Mary Elizabeth Truss), जो आमतौर पर लिज़ ट्रस (Liz Truss) नाम से जानी जाती हैं, नई प्रधानमंत्री 6 सितम्बर, 2022 से बनी हैं. कंजरवेटिव पार्टी के प्रमुख पद से बोरिस जॉनसन के जुलाई 2022 में त्यागपत्र के पश्चात् पार्टी नेतृत्व के लिए लगभग डेढ़ माह तक चली आंतरिक चुनावी प्रक्रिया के पश्चात् भारतीय मूल के ऋषि सुनक को 20 हजार से भी अधिक मतों से हरा कर लिज ट्रस पार्टी की नई नेता 5 सितम्बर, 2022 को चुनी गई थी. पार्टी के नए नेता पद के लिए 7-8 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे, किन्तु चुनावी प्रक्रिया में पार्टी सांसदों के मतदान के विभिन्न दौरों में एक-एक प्रत्याशी एलिमिनेट होता गया तथा अन्त में लिज़ ट्रस व ऋषि सुनक ही चुनाव मैदान में रह गए थे. इसके बाद पार्टी के डेढ़ लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को इनमें से किसी एक को चुनना था. 5 सितम्बर तक सम्पन्न इस दौर में 81326 मत ट्रस को प्राप्त हुए, जबकि प्रतिद्वन्द्वी उम्मीदवार सुनक को 60399 मत मिले. इस प्रकार मतदान के शुरूआती दौरों में पीछे चल रही लिज़ ट्रस ने अन्तिम निर्णायक दौर में बाजी मार ली. आक्रामक राजनयिक के रूप में जानी जाने वाली लिज़ ट्रस 2021 से बोरिस जॉनसन की कैबिनेट में विदेश मंत्री रही थीं, जबकि ऋषि सुनक इसी कैबिनेट में वित्त मंत्री थे.

लिज़ ट्रस

औपचारिक रूप से कंजरवेटिव पार्टी की नई नेता चुनी गई लिज़ ट्रस को महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने प्रधानमंत्री पद की शपथ 6 सितम्बर को ग्रहण कराई. उससे पूर्व बोरिस जॉनसन ने प्रधानमंत्री पद से अपना त्यागपत्र महारानी को प्रस्तुत किया. इसके बाद ही उनका यह शपथ ग्रहण समारोह स्कॉटलैण्ड के बाल्मोरल कैसेल (Balmoral Castle) में हुआ. रॉयल परम्परा के तहत् 'किसिंग सेरेमनी' के पश्चात् शपथ ग्रहण लन्दन में बकिंघम पैलेसे में होता है, किन्तु इस बार यह बाल्मोरल कैसल (Balmoral Castle) जहाँ महारानी उस समय रह रही थीं, में हुआ.

किसिंग सेरेमनी क्या है ?

यूके में प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा राजपरिवार के प्रमुख (सम्राट् अथवा महारानी) द्वारा की जाती है. नए प्रधानमंत्री की औपचारिक नियुक्ति के पश्चात् शपथ ग्रहण से पूर्व नव नियुक्त प्रधानमंत्री महारानी से मिलते हैं. इस मुलाकात को ही पारम्परिक रूप से किसिंग सेरेमनी/किसिंग हैंड्स सेरेमनी कहा जाता है. इसके साथ ही नए प्रधानमंत्री को उनके इस पद की शपथ महारानी/सम्राट् द्वारा दिलाई जाती है.

47 वर्षीय लिज़ ट्रस यूनाइटेड किंगडम की तीसरी महिला प्रधानमंत्री हैं. कंजरवेटिव पार्टी की ही मार्गरेट थैचर (Margaret Thatcher) 1979-90 के दौरान प्रधान-मंत्री वहाँ रही थीं तथा 20वीं सदी में सर्वाधिक समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड उनके ही नाम है. बाद में कंजरवेटिव पार्टी की थेरेसा मे (Theresa May) 2016-19 के दौरान प्रधानमंत्री वहाँ रही थीं.

प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार सँभालने के पश्चात् अपने पहले सम्बोधन में अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुए लिज़ ट्रस ने बताया कि उनकी सरकार अर्थव्यवस्था को सुधारने, ऊर्जा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने तथा महँगाई समाप्त करने की नीतियों पर काम करेगी.

उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री रहते हुए विगत 18 महीनों में लिज ट्रस 3 बार भारत का दौरा कर चुकी हैं तथा भारत व यूके के बीच व्यापार वार्ताओं को सफल बनाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है. भारत में ब्रिटेन के उच्चायुक्त एलिक्स एलेस ने विश्वास व्यक्त किया है कि नई प्रधानमंत्री ट्रस भारत व ब्रिटेन के बीच जारी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाएंगी.

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का निधन

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ-II (Elizabeth Alexandra Mary) का 96 वर्ष की आयु में स्कॉटलैण्ड में बाल्मोरल कैसेल (Balmoral Castle) में 8 सितम्बर, 2022 को निधन हो गया.

70 वर्ष व 214 दिन तक यूनाइटेड किंगडम (UK) के शासन की औपचारिक बागडोर उन्होंने सँभाली थी तथा सर्वाधिक समय तक यूके के शासन का रिकॉर्ड उनके ही नाम था. इस मामले में विश्व में दूसरा

Telegram @pdfpratiyogitadarpan

स्थान उनका था. फ्रांस के किंग लुइस (XIV) के पश्चात् दूसरी सर्वाधिक समय तक सम्राज्ञी वह रही थी. (फ्रांस के किंग

महारानी एलिजाबेथ-II के अन्तिम संस्कार में शामिल होने लंदन पहुँची भारतीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू लंदन में शोक पुस्तिका पर शोक सन्देश लिखते हुए

लुइस XIV 1643 से 1715 के दौरान 72 वर्ष 110 दिन तक सत्तासीन रहे थे. यूनाइटेड किंगडम के पूर्ववर्ती सम्राट् व उनके पिता किंग जॉर्ज-VI के 6 फरवरी, 1952 को निधन के पश्चात् जब राजसिंहासन उन्होंने सँभाला था, उस समय उनकी उम्र केवल 25 वर्ष थी. 70 वर्षों के अपने इस शासनकाल में ब्रिटेन में 15 प्रधानमंत्रियों की नियुक्ति कर शपथ उन्होंने दिलाई थी. निधन से केवल दो दिन पूर्व 6 सितम्बर, 2022 को ही कंजरवेटिव पार्टी की नई नेता लिज़ ट्रस (Liz Truss) की प्रधानमंत्री के रूप में औपचारिक नियुक्ति कर उन्हें नई प्रधानमंत्री के रूप में बाल्मोरल कैसल में ही शपथ उन्होंने दिलाई थी. अपने 70 वर्षों के शासनकाल में 3 बार भारत की राजकीय यात्रा 1961, 1983 व 1997 में उन्होंने की थी.

महारानी रहते हुए ब्रिटेन की राजकीय यात्रा पर आने वाले दूसरे राष्ट्रों के राष्ट्राध्यक्षों की मेजबानी भी वह करती थीं, अपने 70 वर्षों के शासनकाल में अन्य राष्ट्रों के ऐसे 100 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों का औपचारिक स्वागत महारानी एलिजाबेथ-II ने किया था. अमरीका के 14 राष्ट्रपतियों से उन्होंने भेंट की थी. महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ब्रिटेन के साथ-साथ 14 अन्य राष्ट्र-मण्डल देशों की भी महारानी थी.

महारानी के निधन के पश्चात् उनका शव ससम्मान लंदन में वेस्टमिंस्टर हॉल (Westminster Hall) में लाया गया, जहाँ 18-19 सितम्बर को 100 से अधिक देशों के राष्ट्रध्यक्षों ने अपनी श्रद्धांजलि महारानी को अर्पित की. भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, अमरीकी राष्ट्रपति जोसेफ बाइडन व चीनी उपराष्ट्रपति वांग क्विशान आदि इनमें शामिल थे. महारानी को अन्तिम विदाई देने के लिए 19 सितम्बर को लाखों लोग लंदन की सड़कों पर एकत्र थे. उस दिन वहाँ राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया था. राज-घराने की पारम्परिक एवं धार्मिक औप-चारिकताओं के पश्चात् विंडसर कैसल स्थित सेंट जॉर्ज चैपेल में महारानी के पार्थिव शरीर को उनके पति प्रिंस फिलिप की कब्र के निकट दफनाया गया. इससे पूर्व बकिंघम पैलेस में आयोजित मुलाकात कार्यक्रम में किंग चार्ल्स व क्वीन कंसोर्ट कैमिला (Queen Consort Camilla) विश्वभर से आए नेताओं से मिले और दुःख के इस अवसर पर उनके साथ खड़े होने के लिए आभार व्यक्त किया.

प्रिंस ऑफ वेल्स चार्ल्स-III अब किंग चार्ल्स बने

महारानी एलिजाबेथ-II के निधन के पश्चात् उनके ज्येष्ठ पुत्र चार्ल्स-III ब्रिटेन के

सेंट जेम्स पैलेस में क्वीन कैमिला व किंग चार्ल्स-III

नए सम्राट् बन गए हैं, जबकि चार्ल्स-III के ज्येष्ठ पुत्र व उत्तराधिकारी प्रिंस विलियम को प्रिंस ऑफ वेल्स का दर्जा दिया गया है. 73 वर्षीय पूर्व प्रिंस ऑफ वेल्स चार्ल्स-III, जिनका पूरा नाम चार्ल्स फिलिप ऑर्थर जॉर्ज है, को 10 सितम्बर को लंदन स्थित जेम्स पैलेस में राज्यारोहण परिषद् (Accession Council) की बैठक में प्रिवी काउंसिल ने नया सम्राट् तथा उनकी पत्नी कैमिला पार्कर को क्वीन घोषित किया. उनकी ताजपोशी की घोषणा के साथ ही महारानी एलिजाबेथ-II के निधन के पश्चात् शोक प्रदर्शित कर रहे, झुके हुए राष्ट्रीय ध्वज पूरी तरह से फहरा दिए गए. इसके साथ ही चर्च ऑफ स्कॉटलैण्ड की रक्षा की शपथ जहाँ किंग चार्ल्स-III ने ली, वहीं ब्रिटिश प्रधानमंत्री लिज़ ट्रस एवं वरिष्ठ सांसदों ने किंग चार्ल्स-III के प्रति निष्ठा की शपथ हाउस ऑफ कॉमन्स में ली.

अमरीका ने अफगानिस्तान का गैर-नाटो प्रमुख मित्र राष्ट्र का दर्जा समाप्त किया

अमरीका ने अफगानिस्तान को 10 वर्ष पूर्व 2012 में प्रदत्त गैर-नाटों प्रमुख मित्र राष्ट्र (Major Non–NATO Ally–MNNA) का दर्जा सितम्बर 2022 में समाप्त कर दिया है. यह दर्जा प्राप्त होने से अफगानिस्तान को अमरीका से बड़े पैमाने पर सैन्य एवं आर्थिक सहायता प्राप्त होती थी. इससे नाटो राष्ट्रों के समान ही अफगानिस्तान को सैन्य एवं सुरक्षा सम्बन्धी मामलों में अमरीकी सहायता बड़े पैमाने पर उपलब्ध होने लगी थी.

अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने 23 सितम्बर, 2022 में एक आदेश जारी करके अफगानिस्तान के इस दर्जे को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है. राष्ट्रपति बाइडेन ने ही अफगानिस्तान में तैनात अमरीकी सेनाओं को पिछले वर्ष वापस बुला लिया था. जिसके पश्चात् तालिबान का नियंत्रण वहाँ हो गया था.

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत यात्रा

अपने देश के उच्चस्तरीय शिष्टमण्डल के साथ बांग्लादेश की प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना ने भारत की राजकीय यात्रा 5–8 सितम्बर, 2022 को की. 3 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् भारत की उनकी यह राजकीय यात्रा थी. इससे पूर्व द्विपक्षीय सम्बन्धों के सिलसिले में अक्टूबर 2019 में वह भारत आई थीं.

राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के साथ बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना

भारत की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती, बांग्लादेश के राष्ट्रपिता शेख बुर्रहमान की जन्म शती तथा भारत-बांग्लादेश के राज-नयिक सम्बन्धों की स्वर्ण जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भागीदारी के लिए मार्च 2021 में बांग्लादेश की राजकीय यात्रा की थी, जबकि बांग्लादेश के विजय दिवस की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में दिसम्बर 2021 में आयोजित कार्यक्रम में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने विशिष्ट सम्मानित अतिथि के रूप बांग्लादेश की राजकीय यात्रा पर रहे थे.

श्रीमती शेख हसीना की सितम्बर 2022 की भारत की ताजा यात्रा पर उनकी कैबिनेट के वरिष्ठ मंत्री उनके साथ थे. 5 सितम्बर को नई दिल्ली में हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी केन्द्रीय मंत्री दर्शना जरदोश ने की. उसी शाम विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने उनसे भेंट की. 5 सितम्बर को राजघाट पर पुष्पांजलि मेहमान प्रधानमंत्री ने अर्पित की, जिसके पश्चात् गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका स्वागत राष्ट्रपति भवन में हुआ. मेजबान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी उनके

औपचारिक स्वागत के लिए राष्ट्रपति भवन में उपस्थित थे.

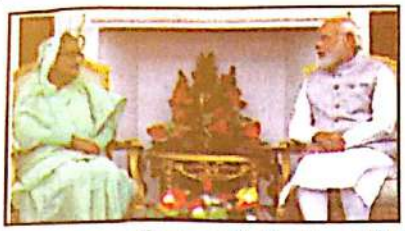

हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ बांग्लादेश की प्रधानमंत्री की वार्ता में द्विपक्षीय एवं पारस्परिक महत्व के अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर बातचीत की गई. रक्षा, सुरक्षा, सीमा प्रबन्धन, व्यापार एवं सम्पर्क, जल संसाधन, विद्युत एवं ऊर्जा आदि के क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा जहाँ वार्ता में की गई वहीं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन तथा साइबर सुरक्षा व ब्ल्यू इकोनॉमी आदि नए क्षेत्रों में सहयोग के लिए सहमति वार्ता में हुई. बढते हुए द्विपक्षीय व्यापार पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसमें और अधिक वृद्धि की इच्छा व्यक्त की गई. भारत द. एशिया में बांग्लादेश का पहले ही सबसे प्रमुख निर्यात गन्तव्य रहा है. दोनों देशों का आपसी व्यापार विगत 5 वर्षों में 9 अरब डॉलर से बढ़कर 18 अरब डॉलर हो गया है. कनेक्टिविटी बढ़ाकर अगले 2-3 वर्षों में इसे 30 अरब डॉलर करने का भारत का इरादा है. बांग्लादेश के लिए गेहूँ, चावल, चीनी, प्याज, अदरक व लहसुन आदि आवश्यक पदार्थों की आपूर्ति में वृद्धि का अनुरोध मेहमान प्रधानमंत्री ने किया. उपलब्धता के आधार पर इस मुद्दे पर प्राथमिकता से विचार का आश्वासन भारत ने दिया. रेल, सड़क एवं जल, सभी तरफ के कनेक्टिविटी माध्यमों के विकास पर बल दोनों पक्षों ने दिया.

नदी जल बँटवारे का मुद्दा द्विपक्षीय वार्ता के सबसे प्रमुख मुद्दों में शामिल रहा. दोनों देशों के बीच 54 विभिन्न नदियों का प्रवाह साझा है, किन्तु जल विभाजन समझौते अभी कुछ ही नदियों के मामले में हुए है. तीस्ता नदी के जल बँटवारे को लेकर शीघ्र समाधान का अनुरोध मेजबान प्रधानमंत्री ने किया. इसके साथ ही कुशियारी नदी के मामले में एक अन्तरिम जल बँटवारा समझौते पर हस्ताक्षर इस यात्रा के दौरान ही किए गए. 1996 में गंगा जल संधि पर हस्ताक्षर किए जाने के पश्चात् दोनों देशों के बीच पहला यह कोई जल बँटवारा समझौता है. 6 अन्य समझौतों/ समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर इस अवसर पर किए गए. वह दोनों देशों के बीच हस्ताक्षरित सभी 7 समझौतों में 1. कुशियारी नदी जल बँटवारा समझौता, 2. बांग्लादेश रेलवे अधिकारियों के भारत में प्रशिक्षण की व्यवस्था, 3. आईटी क्षेत्र में बांग्लादेश रेलवे की सहायता, 4. बांग्लादेश के विधिक अधिकारियों के भारत की जुडीशियल अकादमी में प्रशिक्षण से सम्बन्धित समझौता, 5. दोनों देशों के विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् के बीच सहयोग हेतु समझौता, 6. अन्तरिक्ष के क्षेत्र में बांग्लादेश की सहायता हेतु समझौता तथा 7. प्रसार भारती व बांग्लादेश टीवी के बीच सहयोग हेतु समझौता शामिल हैं.

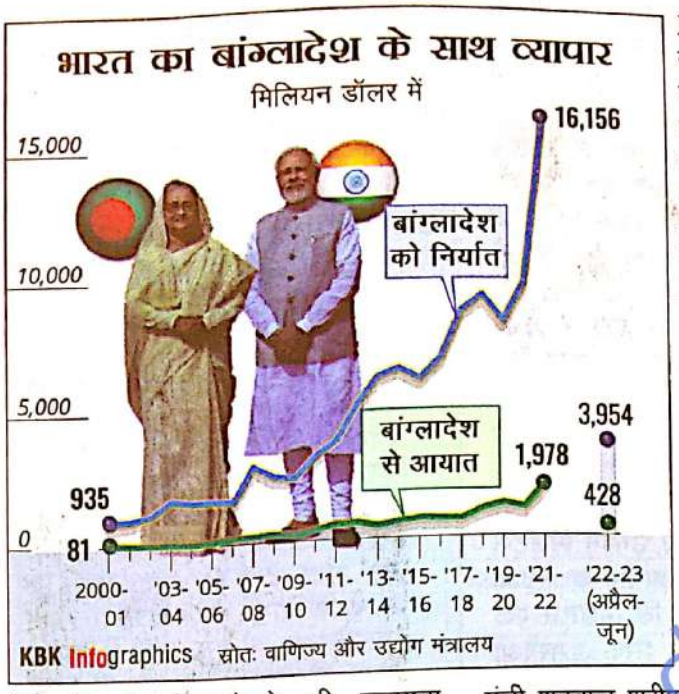

नई दिल्ली प्रवास के दौरान मेहमान प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू व उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ से भी मुलाकात की. 8 सितम्बर को अजमेर में ख्वाजा मोइनिद्दीन चिश्ती की दरगाह में जियारत की (प्रधानमंत्री बनने के पश्चात् उनकी अजमेर की यह चौथी यात्रा थी) बाद में उसी शाम ढाका के लिए उनकी वापसी हुई.

शंघाई सहयोग संगठन का 22वाँ शिखर सम्मेलन उज्बेकिस्तान की राजधानी समरकंद में सम्पन्न

शंघाई सहयोग संगठन का 22वाँ शिखर सम्मेलन (22nd Summit of the Council of Heads of States of Shanghai Cooperation Organization) उज्बेकिस्तान की राजधानी समरकंद (Samarkand) में 15-16 सितम्बर, 2022 को सम्पन्न हुआ कोविड-19 के कारण विगत 2 वर्षों में यह शिखर सम्मेलन क्रमशः रूस एवं ताजिकिस्तान की मेजबानी में वर्चुअल तरीके से ही सम्पन्न हुआ था. इस प्रकार यह 2 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों की व्यक्तिगत उपस्थिति में सम्पन्न हुआ. उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोएव (Shavkat Mirziyoyev) की मेजबानी में सम्पन्न इस सम्मेलन में संगठन के सभी 8 सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष–रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन (Vladimir Putin), चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग (Xi Jinping), कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कसीम जोमार्ट (Kassym Jomart), किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सदिर जापारोव (Sadyr Japarov), ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमान (Emomali Rahmon), व पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ (Shehbaz Sharif) के अतिरिक्त भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस सम्मेलन में उपस्थित थे. ईरान जिसे नौवें सदस्य के रूप में शामिल करने की प्रक्रिया कुछ आगे बढ़ी, के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी (Ebrahim Raisi) के अतिरिक्त पर्यवेक्षक (Observer) का दर्जा प्राप्त अन्य राष्ट्रों बेलारूस एवं मंगोलिया के राष्ट्रपति तथा संगठन के वार्ता भागीदार देशों के शासन प्रमुख इस सम्मेलन में उपस्थित रहे.

शिखर सम्मेलन में उपस्थित सदस्य देशों के राष्ट्र प्रमुख

दो दिन चले इस शिखर सम्मेलन में संगठन की कार्य योजनाओं, प्रगति, मौजूदा चुनौतियों व आपसी सहयोग आदि पर चर्चा की गई. क्षेत्रीय सुरक्षा की स्थिति तथा व्यापार एवं सम्पर्क बढ़ाने के लिए तरीकों पर भी विचार-विमर्श सम्मेलन में किया गया. सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज जब पूरा विश्व महामारी के बाद आर्थिक रिकवरी की चुनौतियों का सामना कर रहा है, एससीओ की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है. एससीओ के सदस्य देश वैश्विक जीडीपी में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान देते हैं और विश्व की 40 प्रतिशत

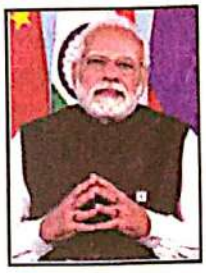

शिखर सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

Telegram @pd_pratiyogita_darpan

जनसंख्या भी एससीओ देशों में निवास करती है. भारत एससीओ सदस्यों के बीच अधिक सहयोग और आपसी विश्वास का समर्थन करता है. उन्होंने कहा कि महामारी और यूक्रेन के संकट से ग्लोबल सप्लाई चेन्स में कई बाधाएं उत्पन्न हुई, जिसके कारण पूरा विश्व अभूतपूर्व ऊर्जा एवं खाद्य संकट का सामना कर रहा है. ऐसे में एससीओ को क्षेत्र में विश्वस्त और डाइवर्सिफाइड सप्लाई चेन्स विकसित करने के लिए प्रयत्न करने चाहिए. इसके लिए बेहतर कनेक्टिविटी की आवश्यकता तो होगी ही, साथ ही यह भी महत्वपूर्ण होगा कि हम सभी एक-दूसरे को पारगमन का पूरा अधिकार दें. खाद्य समस्या के सम्भावित समाधान के लिए उन्होंने मिलेट्स (Millets) की खेती और उपभोग का बढ़ावा देने पर बल देते हुए कहा कि मिलेट्स एक ऐसा सुपरफूड है, जो न सिर्फ एससीओ देशों में, बल्कि विश्व के कई भागों में हजारों वर्षों से उगाया जा रहा है और खाद्य संकट से निपटने के लिए यह एक पारम्परिक, पोषक एवं कम लागत वाला विकल्प है.

भारत को निवेश के लिए एक बेहतर गंतव्य बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हम भारत को एक मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने पर प्रगति कर रहे हैं. भारत का युवा और प्रतिभाशाली वर्कफोर्स हमें स्वाभाविक रूप से कम्पिटीटिव बनाता है. इस वर्ष भारत की अर्थव्यवस्था में 7·5 प्रतिशत वृद्धि की आशा है, जो विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी. हम प्रत्येक सेक्टर में इनोवेशन का समर्थन कर रहे हैं. आज भारत में 70,000 से अधिक स्टार्ट-अप्स हैं, जिनमें से 100 से अधिक यूनिकॉर्न हैं. हमारा यह अनुभव कई अन्य एससीओ सदस्यों के भी काम आ सकता है.

चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि एससीओ को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखनी चाहिए तथा किसी भी बाहरी ताकत को इस क्षेत्र में प्रभावी होने का अवसर नहीं देना चाहिए.

दो दिन के चिन्तन एवं विचार-विमर्श के पश्चात् अनेक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर इस सम्मेलन में किए गए. सम्मेलन के समापन पर स्वीकार किए गए समरकन्द घोषणा-पत्र में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन तथा कोविड-19 महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों ने सतत् विकास लक्ष्यों के लिए नई चुनौतियाँ उत्पन्न की हैं. 20 वर्ष पूर्व स्वीकार किए गए एससीओ चार्टर की भावना के प्रति निष्ठा व्यक्त करते हुए क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं स्थिरता बनाए रखने तथा व्यापारिक आर्थिक व सांस्कृतिक सहयोग में वृद्धि के लिए प्रतिबद्धता इसमें व्यक्त की गई है. सूचना प्रौद्योगिकी व डिजिटल लिट्रेसी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति इसमें व्यक्त की गई है. ईरान के परमाणु कार्यक्रम, आतंकवाद, रसायनिक हथियार, बायोलॉजिकल हथियार एवं विधिक मामलों आदि पर भी प्रस्ताव संयुक्त घोषणा-पत्र में शामिल है.

शंघाई सहयोग संगठन : संक्षिप्त परिचय

- *मध्य एशिया में सुरक्षा चिन्ताओं के परिप्रेक्ष्य में पारस्परिक सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से **शंघाई फाइव** नाम से एक समूह की स्थापना रूस, चीन, किर्गिस्तान, कजाख- स्तान व ताजिकिस्तान द्वारा अप्रैल 1996 में शंघाई में की गई थी. यह पाँचों देश ही **शंघाई-फाइव** के संस्थापक राष्ट्र थे. बाद में 2001 में उज्बेकिस्तान को इस समूह में शामिल किया गया तथा इसका नाम भी शंघाई सहयोग संगठन किया गया.*
- ***भारत व पाकिस्तान को 9 जून, 2017 से इस संगठन का सदस्य बनाया गया था, जिससे एससीओ के सदस्यों की कुल संख्या 8 हो गई थी.** उससे पूर्व भारत व पाकिस्तान को इस संगठन में पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त था.*
- *मंगोलिया को 2004 से, ईरान को 2005 से, अफगानिस्तान को 2012 से तथा बेलारूस को 2015 से पर्यवेक्षक का दर्जा प्रदान किया गया है.*
- *आर्मेनिया, अजरबेजान, कम्बोडिया, नेपाल, श्रीलंका व टर्की को **वार्ता भागीदार** (Dialogue Partner) का दर्जा इस संगठन में प्राप्त है. मिस्र, कतर, सऊदी अरब, बहरीन, कुवैत, मालदीव, म्यांमार व यूएई को भी वार्ता भागीदार बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई है.*
- *शंघाई सहयोग संगठन के अस्तित्व में आने के पश्चात् उसका पहला ही विस्तार 2017 में हुआ था, जिसके तहत् भारत व पाकिस्तान को इसका सदस्य बनाया गया था. 2023 में ईरान इस संगठन का नौवाँ सदस्य बन जाएगा.*
- *आर्थिक सहयोग, ऊर्जा के क्षेत्र में साझेदारी तथा सांस्कृतिक, वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ आतंकवाद, अलगाववाद, उग्रवाद व नशीले पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध संघर्ष इस संगठन के उद्देश्यों में शामिल है.*
- *शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के सदस्य देशों की कुल जनसंख्या विश्व की कुल जनसंख्या का लगभग 40 प्रतिशत, कुल भूभाग विश्व के कुल भूमि का 22 प्रतिशत तथा इनकी अर्थव्यवस्था का कुल आकार वैश्विक अर्थव्यवस्था का 30 प्रतिशत है.*

संगठन की सदस्यता हेतु ईरान के आवेदन को स्वीकार करते हुए इस दिशा में औपचारिकताएं शीघ्र ही पूरी की जाएंगी. इससे ईरान शीघ्र ही एससीओ का नौवाँ सदस्य होगा. संगठन की सदस्यता के लिए बेलारूस के आवेदन पर कार्यवाहियाँ शुरू करने को सहमति रही. बहरीन, मालदीव, कुवैत, यूएई तथा म्यांमार को वार्ता भागीदार (Dialogue Partner) बनाने के लिए सहमति रही. वर्ष 2021 को एससीओ संस्कृति वर्ष (SCO Year of Culture) सफलतापूर्वक मनाने के पश्चात् वर्ष 2023 को एससीओ पर्यटन वर्ष (SCO Year of Tourism) के रूप में स्वीकार किया गया. वर्ष 2025 को ग्लेशियर्स के लिए अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष (International Year of Glaciers) घोषित करने के ताजिकिस्तान के प्रस्ताव का सभी सदस्य राष्ट्रों ने समर्थन किया. भारत के वाराणसी को एससीओ की पहली पर्यटन एवं सांस्कृतिक राजधानी सम्मेलन में नामित किया गया. समरकन्द सम्मेलन की समाप्ति के साथ ही भारत को अब शंघाई सहयोग संगठन की अध्यक्षता सौंपी गई है. इससे इस संगठन का अगला शिखर सम्मेलन भारत की मेजबानी में 2023 में होगा.

शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन

क्र.	वर्ष	आयोजन स्थल
1.	2001	शंघाई (चीन)
2.	2002	सेंट पीटर्सबर्ग (रूस)
3.	2003	मॉस्को (रूस)
4.	2004	ताशकंद (उज्बेकिस्तान)
5.	2005	अस्ताना (कजाखस्तान)
6.	2006	शंघाई (चीन)
7.	2007	बिश्केक (किर्गिस्तान)
8.	2008	दुशांबे (ताजिकिस्तान)
9.	2009	येकाटेरिनबर्ग (रूस)
10.	2010	ताशकंद (उज्बेकिस्तान)
11.	2011	अस्ताना (कजाखस्तान)
12.	2012	बीजिंग (चीन)
13.	2013	बिश्केक (किर्गिस्तान)
14.	2014	दुशांबे (ताजिकिस्तान)
15.	2015	ऊफा (Ufa) (रूस)
16.	2016	ताशकंद (उज्बेकिस्तान)
17.	2017	अस्ताना (कजाखस्तान)
18.	2018	किंगदाओ (चीन)
19.	2019	बिश्केक (किर्गिस्तान)
20.	2020	रूस की मेजबानी में वर्चुअल मोड में सम्पन्न
21.	2021	दुशांबे (ताजिकिस्तान की मेजबानी में वर्चुअल मोड़ में सम्पन्न)
22.	2022	समरकंद (उज्बेकिस्तान)
23.	2023	भारत में प्रस्तावित

Telegram @pd_pratiyogita_darpan

भारत के लिए एससीओ शिखर सम्मेलन की एक और बड़ी उपलब्धि विश्व के अनेक शीर्ष नेताओं के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकातें एवं अनौपचारिक वार्ताएं रहीं. चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग व पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ भी यद्यपि सम्मेलन में उपस्थित थे, किन्तु इनके साथ कोई बातचीत श्री मोदी की नहीं हुई. मेजबान राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोएव, सभी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, टर्की के राष्ट्रपति तैय्यप एर्डेगॉन व ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी आदि के साथ श्री मोदी की सम्मेलन से इतर महत्वपूर्ण वार्ताएं समरकन्द में हुईं. वैश्विक राजनीति की मौजूदा परिस्थितियों में यह वार्ताएं काफी महत्वपूर्ण रहीं.

यूएनडीपी की मानव विकास रैंकिंग 2021-22 में भारत का 132वाँ स्थान

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) की वर्ष 2021-22 की मानव विकास रिपोर्ट (Human Development Report—2021-22) विश्वभर में 8 सितम्बर, 2022 को जारी की गई. विश्व के कुल 191 देशों के लिए 2021 के लिए मानव विकास सूचकांक (Human Development Index – HDI) इसमें आकलित किए गए हैं, जिनमें भारत का 132वाँ स्थान है. इससे पूर्व पिछले वर्ष मानव विकास रिपोर्ट में 2020 के लिए मानव विकास सूचकांक के मामले में 189 देशों में 131वाँ स्थान भारत को दिया गया था. **इस प्रकार मानव विकास सूचकांक की दृष्टि से एक पायदान की गिरावट भारत की रैंकिंग में दर्ज की गई है.** देश में जीवन प्रत्याशा में गिरावट (69·7 वर्ष से घटकर 67·2 वर्ष होने) को इस रैंकिंग में गिरावट के लिए बड़ा कारण रिपोर्ट में बताया गया है.

यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम (UNDP) की वर्ष 2021-22 की इस रिपोर्ट के अनुसार मानव विकास रैंकिंग के मामले में पहले 10 देशों में से 8 यूरोप के ही हैं तथा गैर-यूरोपीय देशों की संख्या 2 (हांगकांग व आस्ट्रेलिया) ही है. रिपोर्ट के अनुसार मानव विकास रैंकिंग में पहला स्थान स्विट्जरलैण्ड (इंडेक्स स्कोर 0·962) का है, जबकि अगले दो स्थान क्रमशः नॉर्वे व आइसलैण्ड के हैं. मानव विकास रैंकिंग की दृष्टि से 191 देशों में सबसे निचला 191वाँ स्थान द. सूडान का है. उसके एक पायदान ऊपर क्रमशः चाड (190वाँ स्थान) व नाइजर (189वाँ स्थान) के स्थान हैं.

मानव विकास सूचकांक मानव विकास से सम्बन्धित तीन पहलुओं स्वास्थ्य, शिक्षा एवं रहन-सहन के स्तर पर आधारित सूचकांक है. इनमें स्वास्थ्य का आकलन जीवन प्रत्याशा के आधार पर, शिक्षा का स्कूलिंग के अपेक्षित वर्षों (Expected years of Schoolings) व शिक्षा के औसत वर्षों (Mean years of Schoolings) के आधार पर तथा रहन-सहन के स्तर का आकलन प्रति व्यक्ति आय के आधार पर किया जाता है. इस सूचकांक का उच्चतम मान 1·0 हो सकता है. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम हेतु यह सूचकांक बांग्लादेश के अर्थशास्त्री महबूब-उल-हक द्वारा तैयार किया गया था तथा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा इसे 1990 से ही प्रतिवर्ष जारी किया जाता है.

वर्ष 2021-22 की मानव विकास रिपोर्ट में प्रदर्शित सूचकांक वर्ष 2021 के लिए है. भारत के लिए 2021 के लिए यह सूचकांक 0·633 वर्ष 2022 की मानव विकास रिपोर्ट में आकलित किया गया है. पिछले वर्ष 2020 के लिए भारत के लिए मानव विकास सूचकांक (HDI) 0·645 था.

मानव विकास की दृष्टि से शीर्ष 10 राष्ट्र

क्रमांक (HDI Rank 2021)	देश	मानव विकास सूचकांक (HDI 2021	पूर्व वर्ष 2020 में एचडीआई रैंक
1	स्विट्जरलैण्ड	0·962	3
2	नॉर्वे	0·961	1
3	आइसलैण्ड	0·959	2
4	हांगकांग (चीन)	0·952	4
5	आस्ट्रेलिया	0·951	5
6	डेनमार्क	0·948	5
7	स्वीडन	0·947	9
8	आयरलैण्ड	0·945	8
9	जर्मनी	0·942	7
10	नीदरलैण्ड्स	0·941	10

सबसे नीचे के 10 राष्ट्र

182	गुनिया	0·465	182
183	यमन	0·455	183
184	बुर्किना फासो	0·449	185
185	मोजाम्बिक	0·446	184
186	माली	0·428	186
187	बुरुंडी	0·426	187
188	केन्द्रीय अफ्रीकी गणराज्य	0·404	188
189	नाइजर	0·400	189
190	चाड	0·394	190
191	द. सूडान	0·385	191

अन्य प्रमुख राष्ट्र

18	यूनाइटेड किंगडम	0·929	17
19	जापान	0·925	19
19	द. कोरिया	0·925	20
21	अमरीका	0·921	21
22	इजरायल	0·919	22
26	संयुक्त अरब अमीरात	0·911	25
35	सऊदी अरब	0·875	38
52	रूस	0·822	49
	.....	.....	.....
	.....	.....	.....
77	यूक्रेन	0·773	78
109	द. अफ्रीका	0·713	102

भारत व पड़ोसी देशों के मानव विकास सूचकांक 2021 व उसके घटक

मानव विकास रिपोर्ट 2021-22 में मानव विकास सूचकांक 2021 की दृष्टि से भारत का स्थान जहाँ 132वाँ है, वहीं उसके पड़ोसी देशों में मॉरिशस (63वाँ स्थान), श्रीलंका (73वाँ स्थान), चीन (79वाँ स्थान), मालदीव (90वाँ स्थान) व भूटान (127वाँ स्थान), बांग्लादेश (129वाँ स्थान) की स्थिति उससे बेहतर है, जबकि 143वें स्थान पर नेपाल, 149वें स्थान पर म्यांमार तथा 161वें स्थान पर पाकिस्तान इस मामले में भारत से पीछे है. इन देशों के लिए 2021 के मानव विकास सूचकांक व उसके घटकों की तुलनात्मक स्थिति निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई है–

भारत व पड़ोसी देशों के सम्बन्ध में मानव विकास रिपोर्ट में प्रस्तुत महत्वपूर्ण आँकड़े एक दृष्टि में

देश	मानव विकास सूचकांक (HDI) (2021)	रैंक (2021)	मानव विकास की स्थिति 2021	जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (वर्ष) 2021	स्कूलिंग के अपेक्षित वर्ष 2021	स्कूलिंग के औसत वर्ष 2021	प्रति व्यक्ति जीएनपी (डॉलर में) पीपीपी आधारित 2021
श्रीलंका	0·782	73	उच्च	76·4	14·1	10·8	12,578
चीन	0·768	79	उच्च	78·2	14·2	7·6	17,504
मालदीव	0·747	90	उच्च	79·9	12·6	7·3	15,448
भूटान	0·666	127	मध्यम	71·8	13·2	5·2	9,438
बांग्लादेश	0·661	129	मध्यम	72·4	12·4	7·4	5,472
भारत	**0·633**	**132**	**मध्यम**	**67·2**	**11·9**	**6·7**	**6,590**
नेपाल	0·602	143	मध्यम	68·4	12·9	5·1	3,877
म्यांमार	0·585	149	मध्यम	65·7	10·9	6·4	3,851
पाकिस्तान	0·544	161	निम्न	66·1	8·7	4·5	4,624
अफगानिस्तान	0·478	180	निम्न	62·0	10·3	3·0	1,824

मानव विकास सूचकांक के मान के आधार पर राष्ट्रों का वर्गीकरण 4 श्रेणियों में मानव विकास रिपोर्ट में किया गया है. इनमें–

- 0·550 से भी कम मानव विकास सूचकांक वाले देश **निम्न मानव विकास** (Low Human Development) वाले देशों के रूप में रिपोर्ट में दर्शाए गए हैं. ऐसे देशों की कुल संख्या 2021-22 की रिपोर्ट में 32 बताई गई है तथा इनमें यमन, टोगो, रवांडा, नाइजर, इथियोपिया, सेनेगल, हैती, सूडान, इरीट्रिया व गांबिया आदि के अतिरिक्त अफगानिस्तान भी शामिल हैं.
- **मध्यम मानव विकास** (Medium Human Development) वाल वर्ग में उन 44 देशों को इस वर्ष की रिपोर्ट में शामिल किया गया है, जिनके लिए मानव विकास सूचकांक 0·550 से 0·700 के बीच है इनमें **भारत**, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, म्यांमार के अतिरिक्त इराक, नामीबिया, कम्बोडिया, जिम्बाब्वे, कीनिया व जांबिया आदि को शामिल किया गया है.
- 0·700 व इससे अधिक, किन्तु 0·800 से कम मानव विकास सूचकांक वाले देश 2021-22 की इस रिपोर्ट में **उच्च मानव विकास** (High Human Development) वाले देशों के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं. ऐसे देशों की कुल संख्या 49 है, जिनमें सेशेल्स, ईरान, श्रीलंका, ब्राजील, चीन, फिजी, लीबिया, मालदीव, द. अफ्रीका, वियतनाम, गैबॉन व मिस्र आदि शामिल हैं.
- वर्ष 2021-22 की मानव विका स रिपोर्ट में 0·800 व उससे अधिक सूचकांक वाले देश अति उच्च मानव विकास (Very High Human Development) वाले देशों के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं. इस वर्ष 66 देश इस श्रेणी में शामिल किए गए हैं, जिनमें मुख्यत: विकसित देशों के अतिरिक्त इजरायल, फिनलैण्ड, ऑस्ट्रिया, कतर, चिली, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, सऊदी अरब, रूस, मलेशिया, टर्की, कजाखस्तान व मॉरिशस आदि शामिल हैं. इनमें सर्वोच्च सूचकांक स्विट्जरलैण्ड का 0·962 है. इस दृष्टि से उसे सर्वोच्च मानव विकास वाला देश स्वीकार किया गया है.

भारत-जापान 2 + 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता

भारत व जापान के बीच दूसरी 2 + 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता टोक्यो में 8 सितम्बर, 2022 को सम्पन्न हुई. इस वार्ता के लिए भारत के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर एक दिन पूर्व ही टोक्यो पहुँच गए थे. 2 + 2 वार्ता में भारत की ओर से दोनों मंत्री जहाँ शामिल थे. वहीं जापान का प्रतिनिधित्व वहाँ के रक्षा मंत्री यासु काजू हमदा (Yasu Kazu Hamada) एवं विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी (Yoshimasa Hayashi) ने किया. पारस्परिक सम्बन्धों के विस्तार एवं उनमें गहनता लाने के लिए भारत द्वारा केवल 4 देशों–अमरीका, जापान, आस्ट्रेलिया व रूस के साथ ही द्विपक्षीय 2 + 2 वार्ता सम्पन्न की जाती है.

यह दूसरा ही अवसर था जब भारत व जापान के बीच 2 + 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता का आयोजन किया गया. जापान के साथ भारत की ऐसी पहली 2 + 2 वार्ता 30 नवम्बर, 2019 को नई दिल्ली में सम्पन्न हुई थी, जिसमें भाग लेने के लिए जापान के तत्कालीन रक्षा मंत्री एवं विदेश मंत्री भारत आए थे. दोनों देशों के बीच दूसरी 2 + 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता जापान के नए प्रधानमंत्री फुमियों किशिदा (Fumio Kishida) की मार्च 2022 की भारत यात्रा के 5 माह पश्चात् ही सम्पन्न हुई.

टोक्यो में 2 + 2 वार्ता के लिए भारत व जापान के रक्षा मंत्री व विदेश मंत्री

8 सितम्बर को 2 + 2 वार्ता से पूर्व रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह व विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने पहले अपने समकक्ष मंत्रियों के साथ अगल-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं. रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने इससे पूर्व जापान के आत्मरक्षा बलों (Self Defence forces) के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की. जापानी रक्षा मंत्री के साथ बातचीत में भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा उपकरण व तकनीकी सहयोग के क्षेत्र में साझेदारी के दायरे का विस्तार करने की आवश्यकता पर बल दिया. जापानी उद्योगों को भारत के रक्षा गलियारों में निवेश के लिए उन्होंने आमंत्रित किया.

जहाँ रक्षा उद्योग के विकास के लिए अनुकूल वातावरण है यूक्रेन के मुद्दे सहित पारस्परिक महत्व के क्षेत्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा 2 + 2 वार्ता में की गई. वैश्विक सुरक्षा की स्थिति को अत्यधिक चुनौतीपूर्ण मानते हुए उसके लिए आपसी सहयोग में उत्तरोत्तर वृद्धि की आवश्यकता को दोनों पक्षों ने स्वीकार किया. हिन्द प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता के बीच दोनों देशों ने ऐसी नियम आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिए प्रतिबद्धता दोहराई, जो सभी देशों की सम्प्रभुता और क्षेत्रीय अखण्डता का सम्मान करती हो. वार्ता के पश्चात् जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है कि भारत और जापान ऐसी नियम आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए, प्रतिबद्ध हैं, जो अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों एवं मानकों का सम्मान करती हो और साझा वैश्विक संसाधनों की रक्षा करती हो. संयुक्त वक्तव्य में दोनों देशों के विदेश वं रक्षा मंत्रियों ने इस बात पर जोर दिया है कि सभी देश विवादों का समाधान धमकी, बल प्रयोग या एकतरफा रूप से यथास्थिति को बदलने की कोशिश किए बिना अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप करें. वार्ता में दोनों पक्षों ने स्वीकार किया कि कोविड

telegram@pratiyogitadarpan

महामारी तथा यूक्रेन युद्ध ने विश्व की आर्थिक स्थिति को खराब किया है. जिससे ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के सम्बन्ध में गहरी चिन्ता की स्थिति उत्पन्न हुई है. इस सन्दर्भ में लचीली और विश्वसनीय आपूर्ति शृंखला बनाने की आवश्यकता पर दोनों पक्षों ने बल दिया. दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग की प्रगति की समीक्षा भी वार्ता में की गई. भारत व जापान के बीच पहले संयुक्त वायु सैनिक अभ्यास के लिए सहमति पहले ही दोनों रक्षा मंत्रियों की बैठक में हो गई थी. द्विपक्षीय अभ्यासों का दायरा व जटिलताओं को बढ़ाने की इच्छा वार्ता में दोनों पक्षों ने व्यक्त की.

2 + 2 वार्ता के नतीजों पर सन्तोष व्यक्त करते हुए ऐसी आगामी वार्ता भारत में करने को सहमति दोनों पक्षों ने व्यक्त की.

जापान के पूर्व दिवंगत प्रधानमंत्री शिंजो आवे के राजकीय अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी की जापान यात्रा

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे (Shinzo Abe) की 8 जुलाई, 2022 को गोली मार कर हत्या कर दी गई थी. बौद्ध परम्परानुसार उनका अन्तिम संस्कार उनके परिवार ने 15 जुलाई को ही कर दिया था. उनका राजकीय अन्तिम संस्कार (State Funeral) उनके निधन के ढाई माह पश्चात् 27 सितम्बर को टोक्यो में हुआ, जिसमें उनकी अस्थियों को श्रद्धांजलि के लिए रखा गया था. इस सांकेतिक राजकीय अन्तिम संस्कार में आबे को श्रद्धांजलि देने के लिए दो सौ से अधिक देशों के प्रतिनिधि टोक्यो पहुँचे. भारत की ओर से स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी उसके लिए 26 सितम्बर की रात्रि में ही टोक्यो पहुँच गए थे. अन्तिम संस्कार के अवसर पर आबे को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री मोदी ने भारत-जापान सम्बन्धों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में उनके योगदान को याद किया. 27 सितम्बर को दिवंगत श्री आबे का राजकीय अन्तिम संस्कार विश्व में अब तक के सबसे महँगे अन्तिम संस्कार में गिना जा रहा है. सरकारी कोष से ही इस पर 1·8 अरब येन (लगभग ₹97 करोड़) का खर्च अनुमानित किया गया है.

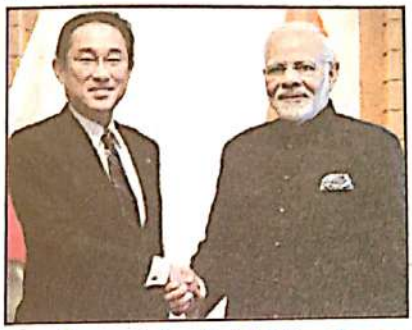

जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ श्री नरेन्द्र मोदी

टोक्यो में एक दिन के प्रवास के दिन जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ द्विपक्षीय बैठक भी श्री मोदी ने की. द्विपक्षीय सम्बन्धों को और अधिक प्रगाढ़ करने के लिए सम्बन्धित विचारों का दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच आदान-प्रदान इस अवसर पर हुआ. पारस्परिक महत्व के क्षेत्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा भी इस अवसर पर हुई. भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने तथा इस क्षेत्र में विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय समूहों और संस्थानों के साथ मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोनों प्रधानमंत्रियों ने इस वार्ता में दोहराया.

कजाखस्तान की राजधानी का नाम बदलकर पुनः अस्ताना किया गया

1991 में सोवियत संघ (USSR) के विघटन के पश्चात् स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आए मध्य एशियाई राष्ट्र कजाखस्तान (Kazakhstan) की राजधानी का नाम नूर सुल्तान (Nur Sultan) से बदल कर पुनः अस्ताना (Astana) सितम्बर 2022 में कर दिया गया है. सोवियत संघ से विघटन के पश्चात् कजाखस्तान के पहले राष्ट्रपति नूर सुल्तान नजर बायेव थे, जो लगभग 30 वर्ष तक (24 अप्रैल, 1990 से 19 मार्च, 2019 तक) इसके राष्ट्रपति रहे थे. नूर सुल्तान नज़र बायेव ने 2019 में अचानक अपने इस पद से त्यागपत्र दे दिया था तो उनके सम्मान में तत्कालीन नए अन्तरिम राष्ट्रपति कासिम-जोमार्त तोकायेव (Kassym-Jomart Tokayev) ने राजधानी अस्ताना का नामकरण उनके नाम पर ही करने का प्रस्ताव किया था, जिसे वहाँ की संसद ने मार्च 2019 में मंजूरी दे दी थी. इस प्रकार मार्च 2019 से राजधानी अस्ताना का नाम बदल कर नूर सुल्तान हो गया था.

इस नाम परिवर्तन के साढ़े तीन वर्ष पश्चात् राष्ट्रपति तोकायेव ने राजधानी का पुराना नाम अस्ताना ही करने का प्रस्ताव संसद में सितम्बर 2022 में पारित कराया है. इस बिल पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पश्चात् 16 सितम्बर, 2022 से राजधानी का नाम पुनः अस्ताना हो गया है.

एक अन्य बिल पारित करा कर राष्ट्रपति का कार्यकाल 5-5 वर्ष के स्थान पर 7-7 वर्ष करने का प्रावधान वहाँ सितम्बर 2022 में ही किया गया है. इस नए कानून के तहत् राष्ट्रपति को दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य वहाँ किया गया है.

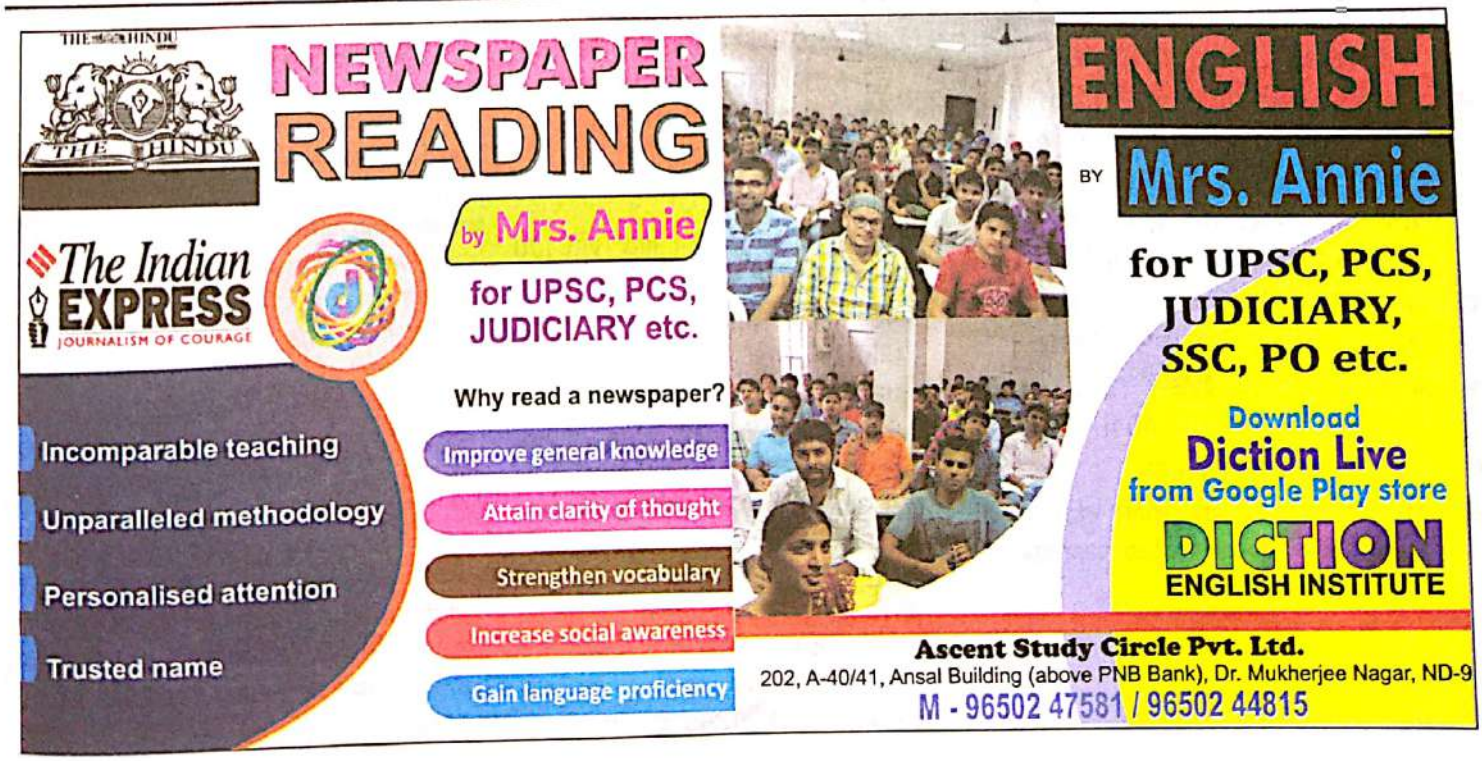

आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

- 2022-23 में खरीफ उत्पादन के सम्बन्ध में कृषि मंत्रालय के पहले अग्रिम अनुमान
- भारत की 2015–20 की विदेश व्यापार नीति की अवधि में 6 माह की पुनः वृद्धि : मार्च 2023 तक लागू रहेगी यही नीति
- नई राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति में लॉजिस्टिक लागतों को एक अंकीय करने का लक्ष्य
- 2021-22 के अन्त में भारत पर विदेशी ऋण : वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट
- प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के दो वर्ष पूर्ण
- 2022 व 2023 में भारत में आर्थिक वृद्धि के अपने अनुमान एशियाई विकास बैंक ने घटाए
- विश्व डेयरी शिखर सम्मेलन (2022)
- 2022-23 की तीसरी तिमाही के लिए लघु बचतों पर ब्याज दरों में मामूली वृद्धियाँ
- भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या व पर्यटन से विदेशी मुद्रा अर्जन
- भारत में समुद्र के भीतर पहली रेल सुरंग
- 2022 में मानसूनी वर्षा सामान्य से अधिक रही (दीर्घकालिक औसत का 106 प्रतिशत रही मानसूनी वर्षा)
- आर्थिक संकट के दौर में गुजर रहे श्रीलंका में सितम्बर 2022 में मुद्रा-स्फीति की दर 70 प्रतिशत तक पहुँची
- देश की तीसरी वंदे भारत ट्रेन का गाँधी नगर-मुम्बई मार्ग पर परिचालन
- प्रधानमन्त्री गरीब कल्याण अन्न योजना का तीन माह के लिए पुनः विस्तार
- वैश्विक नवाचार रैंकिंग (2022) में भारत का 132 देशों में 40वाँ स्थान
- वैश्विक नवाचार सूचकांक
- पाँच माह में लगातार चौथी वृद्धि से रेपो दर अब 3 वर्ष के सर्वोच्च स्तर पर

2022-23 में खरीफ उत्पादन के सम्बन्ध में कृषि मंत्रालय के पहले अग्रिम अनुमान

2022-23 में देश में कृषिगत उत्पादन के पहले अग्रिम अनुमान कृषि मंत्रालय द्वारा 21 सितम्बर, 2022 को जारी किए गए. **पहले अग्रिम अनुमानों में केवल खरीफ उपजों के सम्बन्ध में ही अनुमान कृषि मंत्रालय द्वारा जारी किए जाते हैं.** यह अनुमान राज्यों व अन्य स्रोतों से प्राप्त जानकारियों के आधार पर कृषि मंत्रालय द्वारा लगाए जाते हैं. मंत्रालय की 21 सितम्बर की विज्ञप्ति में बताया गया है कि 2022-23 में खरीफ उपजों में मक्का एवं गन्ना का उत्पादन अब तक के सर्वोच्च स्तर पर रहने का अनुमान है. 2022-23 में अधिकांश खरीफ उपजों का उत्पादन पूर्व वर्ष 2021-22 की तुलना में कम अनुमानित किया गया है तथापि विगत 5 वर्षों में प्राप्त किए गए औसत उत्पादन से यह अधिक रहेगा. 2022-23 के दौरान खरीफ उपजों के सम्बन्ध में कृषि मंत्रालय के यह पहले अग्रिम अनुमान एक दृष्टि में निम्नलिखित हैं–

कुल खाद्यान्न (केवल खरीफ खाद्यान्न)– 149·92 मिलियन टन

* चावल–104·99 मिलियन टन
* मोटे अनाज– 36·56 मिलियन टन
* मक्का–23·10 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
* दलहन–8·37 मिलियन टन
* तूर–3·89 मिलियन टन
* **तिलहन–23·57 मिलियन टन**
* सोयाबीन–12·89 मिलियन टन
* मूँगफली–8·37 मिलियन टन
* **कपास**–34·19 मिलियन गाँठें (प्रति 170 किग्रा की गाँठ).
* **पटसन एवं मेस्टा**–10·09 मिलियन गाँठें (प्रति 180 किग्रा की गाँठ).
* गन्ना–465·05 मिलियन टन

- कृषि मंत्रालय के इन पहले अग्रिम अनुमानों में 2022-23 के दौरान **खरीफ खाद्यान्नों** का कुल उत्पादन 149·92 मिलियन टन अनुमानित है. यह विगत पाँच वर्षों (2016-17 से 2020-21) के दौरान प्राप्त किए गए औसत उत्पादन की तुलना में 6·98 मिलियन टन अधिक है. पिछले वर्ष 2021-22 में खरीफ खाद्यान्नों का कुल उत्पादन 156·04 मिलियन टन था.
- 2022-23 में **खरीफ चावल** का कुल उत्पादन 104·99 मिलियन टन अनुमानित है. यह पिछले वर्ष 2021-22 में 111·76 मिलियन टन था. 2022-23 में खरीफ के तहत् चावल का कुल उत्पादन (104·99 मिलियन टन) **विगत पाँच वर्षों के दौरान खरीफ चावल के औसत उत्पादन (100·59 मि. टन) की तुलना में 4·40 मिलियन टन अधिक है.**
- 2022-23 में देश में मोटे अनाजों का कुल उत्पादन 2021-22 के दौरान प्राप्त किए गए 35·91 मिलियन टन की तुलना में घटकर 36·56 मिलियन टन रहने का अनुमान है. 2022-23 में खरीफ के तहत् मोटे अनाजों का उत्पादन (36·56 मिलियन टन) विगत 5 वर्षों में प्राप्त किए गए औसत उत्पादन 33·64 मिलियन टन की तुलना में 2·92 मिलियन टन अधिक है.
- 2022-23 में खरीफ दलहनों का कुल उत्पादन 8·37 मिलियन टन अनुमानित है, जो पूर्व वर्ष 2021-22 में प्राप्त किए गए उत्पादन के बराबर ही है.
- 2022-23 में देश में खरीफ तिलहनों का कुल उत्पादन 23·57 मिलियन टन अनुमानित है, जो 2021-22 खरीफ के दौरान प्राप्त किए गए उत्पादन (23·89 मि. टन) की तुलना में 0·32 मिलियन टन यद्यपि कम है तथापि यह विगत पाँच वर्षों के औसत उत्पादन की तुलना में 1·74 मिलियन टन अधिक है.
- 2022-23 में देश में गन्ने का उत्पादन 465·05 मिलियन टन अनुमानित है, जो पूर्व वर्ष 2021-22 में प्राप्त किए उत्पादन

भारत की 2015–20 की विदेश व्यापार नीति की अवधि में 6 माह की पुनः वृद्धि : मार्च 2023 तक लागू रहेगी यही नीति

भारत में 2015–20 के 5 वर्षों की अवधि के लिए विदेश व्यापार नीति 1 अप्रैल, 2015 से लागू की गई थी. इस नीति की अवधि 31 मार्च, 2020 को समाप्त होनी थी, कोरोना महामारी के चलते उस समय नई नीति की घोषणा नहीं की गई थी तथा 2015–20 की नीति को ही 1 वर्ष के लिए 31 मार्च, 2021 तक के लिए बढ़ा दिया गया था. बाद में इसकी अवधि में 6-6 माह की वृद्धियाँ की जाती रहीं. जिससे यही नीति सितम्बर 2022 तक लागू थीं, विभिन्न निर्यात संवर्धन परिषदों के अनुरोध पर इसी नीति की अवधि में छह माह की पुनः वृद्धि सरकार ने अब सितम्बर 2022 में की है, जिससे 2015–20 की अवधि वाली विदेश व्यापार नीति ही अब 31 मार्च, 2023 तक लागू रहेगी. विदेशी व्यापार नीति 2015–20 की अवधि में 6 माह की ताजा वृद्धि के सरकार के फैसले को विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा सितम्बर, 2022 में ही अधिसूचित किया गया है.

telegram @ardpratiyogitadarpan

(431·9 मिलियन टन) की तुलना में 33 मिलियन तथा विगत पाँच वर्ष में प्राप्त किए गए औसत उत्पादन (373·46 मिलियन टन) की तुलना में 91·59 मिलियन टन अधिक है.

- कपास का उत्पादन 2022-23 में 34·19 मिलियन गाँठ (170 किग्रा. की प्रत्येक गाँठ) अनुमानित है, जो 2021 में प्राप्त किए गए 31·20 मिलियन गाँठ उत्पादन की तुलना में 3 मिलियन गाँठ अधिक होगा. जूट एवं मेस्ता का उत्पादन 2022-23 में खरीफ के तहत् 10·09 मिलियन गाँठ (180 किग्रा की प्रत्येक गाँठ) अनुमानित किया गया है. पूर्व वर्ष 2021-22 में खरीफ के तहत् यह 10·31 मिलियन टन था.

नई राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति में लॉजिस्टिक लागतों को एक अंकीय करने का लक्ष्य

लॉजिस्टिक्स दक्षता किसी भी अर्थ-व्यवस्था के लिए मेरुदण्ड होती है, जो न्यूनतम लागत पर समस्त उत्पादों का उचित समय में व्यवधान रहित वितरण सुनिश्चित करती है. हाल ही के वर्षों में वितरण सम्बन्धी आधारिक संरचनाओं का निर्माण कर तथा उन्हें मजबूती प्रदान करने तथा राजमार्गों पर फास्टैग लागू करने के पश्चात् सरकार ने राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति की घोषणा सितम्बर 2022 में की है. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर 17 सितम्बर, 2022 को इसकी घोषणा स्वयं ही की, जिसका उद्देश्य लॉजिस्टिक लागतों में कमी लाकर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देना, स्टार्ट अप्स के लिए नए अवसरों का विकास करना तथा आत्म निर्भर भारत का निर्माण करना है. किसानों के उत्पादों को शीघता से बाजारों में पहुँचाने में मदद कर यह नीति उपजों की बर्बादी को कम करने तथा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य भी प्रदान करेगी. विभिन्न सरकारी विभागों व एजेंसियों के बीच के अवरोधों को समाप्त कर लॉजिस्टिक्स को गति प्रदान करने का प्रयास नई नीति में किया गया है. इससे लॉजिस्टिक लागत को, जो अभी जीडीपी का 13-14 प्रतिशत है, घटाकर यथा सम्भव एक अंकीय बनाने का प्रयास किया जाएगा. लॉजिस्टिक लागत को क्रमबद्ध तरीके से घटाते हुए 2030 तक देश के लॉजिस्टिक परफॉर्मेंस इंडेक्स (LPI) को विश्व के शीर्ष 25 देशों में लाने का प्रयास किया जाएगा. सरकार की यह नई लॉजि-स्टिक्स नीति पूर्व घोषित गति शक्ति मास्टर प्लान, जिसके तहत् लॉजिस्टिक्स के बीच की रुकावटें दूर करने का लक्ष्य है, के साथ मिलकर ही कार्यशील होगी. परिवहन क्षेत्र से सम्बन्धित सभी डिजिटल सेवाओं को एक सिंगल पोर्टल के तहत् लाने के लिए एक **यूनीफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म** (ULIP) भी नई नीति की घोषणा के साथ ही लॉन्च किया गया है.

नई लॉजिस्टिक नीति को एक कॉम्प्रि-हैंसिव लॉजिस्टिक एक्शन प्लान (CLAP) के जरिए लागू करने की बात प्रधानमंत्री ने कही है.

2021-22 के अन्त में भारत पर विदेशी ऋण : वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट

वित्तीय वर्ष 2021-22 के अन्त में भारत पर विदेशी ऋण की स्थिति के सम्बन्ध में वित्त मंत्रालय ने अपनी स्थिति रिपोर्ट 5 सितम्बर, 2022 को जारी की. **इस रिपोर्ट में बताया गया है कि मार्च 2022 के अन्त में देश पर कुल विदेशी ऋण 620·7 अरब डॉलर था, जो पूर्व वित्तीय वर्ष 2020-21 के अन्त में 573·7 अरब डॉलर था. इस प्रकार 2020-21 की तुलना में 2021-22 में 8·2 प्रतिशत की वृद्धि विदेशी ऋण में हुई.**

- 2021-22 के अन्त में देश पर कुल विदेशी ऋण में सर्वाधिक 53·2 प्रतिशत भाग अमरीकी डॉलर में निरूपित था, जबकि दूसरे स्थान पर 31·2 प्रतिशत ऋण रुपए मूल्य में था.
- सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के प्रतिशत के रूप में विदेशी ऋण मार्च 2022 के अन्त में 19·9 प्रतिशत था, जबकि मार्च 2021 के अन्त में यह 21·2 प्रतिशत था.
- कुल विदेशी ऋण की तुलना में आरक्षित विदेशी मुद्रा कोष मार्च 2022 के अन्त में 97·8 प्रतिशत थे, जबकि एक वर्ष पूर्व मार्च 2021 के अन्त में यह 100·6 प्रतिशत थे.
- मार्च 2022 के अन्त में कुल विदेशी ऋण में दीर्घकालिक ऋण 499·1 अरब डॉलर व अल्पकालिक ऋण 121·7 अरब डॉलर था. इस प्रकार कुल विदेशी ऋण में 80·4

भारत पर विदेशी ऋण के प्रमुख सूचक : विभिन्न वर्षों में तुलनात्मक स्थिति

वर्ष (मार्च के अंत की स्थिति)	कुल विदेशी ऋण (Total External Debt) (अरब डॉलर)	ऋण सेवा अनुपात (Debt Service Ratio)	कुल विदेशी ऋण के प्रतिशत के रूप में विदेशी मुद्रा कोष (Ratio of Foreign Exchange Reserves to Total Debt)	कुल विदेशी ऋण के प्रतिशत के रूप में रियायती ऋण का भाग (Ratio of Concessional debt to Total Debt)	विदेशी मुद्रा कोष के प्रतिशत के रूप में अल्कालिक ऋण (Short term Debt to foreign Exchange Reserves)	कुल विदेशी ऋण में अल्पकालिक ऋण का भाग (Ratio of Short Term Debt in Total Debt)	जीडीपी के प्रतिशत के रूप में विदेशी ऋण (Ratio of External Debt in GDP)
2001-02	98·8	13·7	54·7	35·9	5·1	2·8	20·8
2011-12	360·7	6·0	81·6	13·3	26·6	21·7	21·1
2012-13	409·4	5·9	71·3	11·1	33·1	23·6	22·4
2013-14	446·2	5·9	68·2	10·4	30·1	20·5	23·9
2014-15	474·7	7·6	72·0	8·8	25·0	18·0	23·8
2015-16	484·8	8·8	74·3	9·0	23·2	17·2	23·4
2016-17	476·0	8·3	78·5	9·4	23·8	18·7	19·8
2017-18	529·3	7·5	80·2	9·1	24·1	19·3	20·1
2018-19	543·1	6·4	76·0	8·7	26·3	20·0	19·9
2019-20	558·4	6·5	85·6	8·8	22·4	19·1	20·9
2020-21 (PR)	573·7	8·2	100·6	9·0	17·5	17·6	21·2
2021-22 (P)	620·7	5·2	97·8	8·3	20·0	19·6	19·9

PR : आंशिक रूप से संशोधित (Partially Revised), P : अनंतिम (Provisional)

nadkaritak.com for Dec 2022

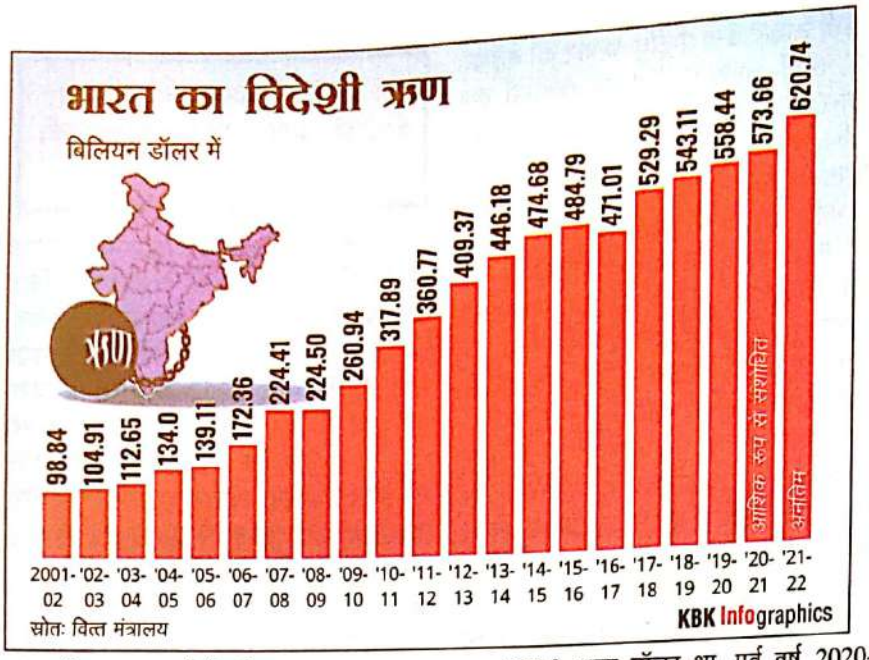

प्रतिशत भाग दीर्घकालिक ऋण का तथा 19·6 प्रतिशत भाग अल्पकालिक ऋण का था. अल्पकालिक ऋण मुख्यतः व्यापार क्रेडिट (कुल अल्पकालिक ऋण का 96 प्रतिशत) के रूप में था, जोकि आयातों के वित्तीयन के लिए होता है.

- कुल विदेशी ऋण में लगभग 90 प्रतिशत भाग वाणिज्यिक उधारियों (Commercial Borrowings), एनआरआई जमाओं (NRI Deposits), अल्पकालिक वाणिज्यिक साख (Short Term Trade Credit) व बहु-पक्षीय ऋणों (Multilateral Borowings) का था.
- वित्त मंत्रालय की इस रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2022 के अन्त में देश पर कुल 620·7 अरब डॉलर के विदेशी ऋण में सम्प्रभु विदेशी ऋण (Sovereign External Debt) 130·7 अरब डॉलर था, जबकि गैर-सम्प्रभु ऋण (Non-Sovereign Debt) 490·0 अरब डॉलर था. पूर्व वर्ष 2020-21 की तुलना में 2021-22 में सम्प्रभु ऋण जहाँ 17·1 प्रतिशत अधिक था, गैर-सम्प्रभु ऋण में 6·1 प्रतिशत की वृद्धि हुई.
- चालू खाते की प्राप्तियों में वृद्धि तथा ऋण सेवा भुगतानों (Debt Service Payments) में कमी के चलते 2021-22 के दौरान ऋण सेवा अनुपात (Debt Service Ratio) 8·2 प्रतिशत से घटकर 5·2 प्रतिशत हो गया था.

वित्त मंत्रालय की 5 सितम्बर, 2022 की रिपोर्ट के अनुसार क्रॉस कंट्री परिप्रेक्ष्य में भारत पर विदेशी ऋण सम्पूर्ण विश्व के विदेशी ऋण की तुलना में मामूली है. रिपोर्ट के अनुसार दिसम्बर 2021 के अंत में विश्व के विभिन्न देशों पर कुल विदेशी ऋण लगभग 95,030 अरब डॉलर था, जो पूर्व वर्ष की समान अवधि के अन्त में 92,746 अरब डॉलर था. दिसम्बर 2021 के अंत में भारत पर यह 615 अरब डॉलर ही था. विदेशी ऋण के मामले में 2021 में भारत का 23वाँ स्थान विश्व में था. रिपोर्ट के अनुसार दिसम्बर 2021 के अंत में विश्व में सर्वाधिक 23,371 अरब डॉलर का विदेशी ऋण अमरीका पर था. 98·67 अरब डॉलर के विदेशी ऋण के साथ यूनाइटेड किंगडम का इस मामले में दूसरा तथा 7,252 अरब डॉलर के ऋण के साथ फ्रांस का इस मामले में तीसरा स्थान था.

वित्त मंत्रालय की इस रिपोर्ट के अनुसार उभरते हुए बाजारों एवं विकासशील अर्थ-व्यवस्थाओं (Emerging Markets and Developing Economic—EMDEs) पर कुल बकाया विदेशी ऋण दिसम्बर 2021 के अंत में 11,237 अरब डॉलर था, जो कुल वैश्विक विदेशी ऋणों का 11·8 प्रतिशत था. रिपोर्ट के अनुसार ईएमडीई देशों में दिसम्बर 2021 के अंत में सर्वाधिक 2,747 अरब डॉलर का ऋण चीन पर था, जो ऐसे ऋण का 24·4 प्रतिशत था. 6·0 प्रतिशत भाग के साथ ब्राजील का इस मामले में दूसरा तथा 5·5 प्रतिशत भाग के साथ भारत का तीसरा स्थान इन देशों में का था.

विदेशी ऋण से सम्बन्धित प्रमुख सूचक एक दृष्टि में
(मार्च 2022 के अंत की स्थिति)

कुल विदेशी ऋण (अरब डॉलर)	620·7 अरब डॉलर
सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के प्रतिशत के रूप में विदेशी ऋण	19·2 प्रतिशत
कुल विदेशी ऋण में सरकारी ऋण का भाग	19·2 प्रतिशत
कुल विदेशी ऋण में अल्प-कालिक ऋण का भाग	19·6 प्रतिशत
विदेशी ऋण के प्रतिशत के रूप में आरक्षित विदेशी मुद्रा कोष	97·8 प्रतिशत
विदेशी मुद्रा कोष के प्रतिशत के रूप में अल्पकालिक ऋण	20·0 प्रतिशत
ऋण सेवा अनुपात	5·2 प्रतिशत

सर्वाधिक विदेशी ऋण वाले पहले 20 राष्ट्र

क्र.	देश	विदेशी ऋण (2021 के अंत की स्थिति) (अरब डॉलर)
1.	अमरीका	23,371
2.	यूनाइटेड किंगडम	9,867
3.	फ्रांस	7,252
4.	जर्मनी	6,946
5.	जापान	4.649
6.	नीदलैण्ड्स	4,025
7.	लक्जेमबर्ग	3,980
8.	इटली	2,767
9.	चीन	2,747
10.	स्पेन	2,638
11.	कनाडा	2,591
12.	स्विट्जरलैण्ड	2,335
13.	हांगकांग	1,879
14.	सिंगापुर	1,769
15.	आस्ट्रेलिया	1,627
16.	बेल्जियम	1,479
17.	स्वीडन	1,032
18.	ऑस्ट्रिया	738
19.	नॉर्वे	722
20.	ब्राजील	670
	.....	.....
	.....	.....
23.	भारत	615
	योग	95,030

उभरते बाजारों व विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर विदेशी ऋण
(दिसम्बर 2021 के अंत की स्थिति)

क्र.	देश	कुल विदेशी ऋण (अरब डॉलर)
1.	चीन	2,747
2.	ब्राजील	670
3.	भारत	615
4.	मेक्सिको	607
5.	इंडोनेशिया	457
6.	थाइलैण्ड	198
7.	कोलम्बिया	171
8.	द. अफ्रीका	161
9.	मिस्र	146
10.	पाकिस्तान	131

naukaritak.com for Dec 2022

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के दो वर्ष पूर्ण

आत्म निर्भर भारत पैकेज के एक हिस्से के रूप में मत्स्य क्षेत्र के विकास के जरिए

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना की दूसरी वर्ष गठित के अवसर पर मिश्रित कार्यक्रम में मत्स्य पालन व पशुपालन श्री मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका संवर्द्धन के लिए प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMMSY) का शुभारम्भ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 सितम्बर, 2020 को किया था. 2020-21 से 2024-25 तक पाँच वर्ष के लिए लागू इस योजना पर ₹ 20,500 करोड़ के निवेश के जरिए मत्स्य पालन के बुनियादी ढाँचे को मजबूत कर मछलियों के उत्पादन एवं निर्यात में वृद्धि तथा इस क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने का सरकार का लक्ष्य था. 10 सितम्बर, 2022 को इस योजना के दो वर्ष पूर्ण हुए हैं तथा इस उपलक्ष्य में एक विशिष्ट कार्यक्रम का आयोजन मत्स्य पालन, पशुपालन व डेयरी मंत्रालय के मत्स्य पालन विभाग द्वारा उसी दिन (10 सितम्बर, 2022 को) नई दिल्ली में किया गया. योजना की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए केन्द्रीय मत्स्य पालन एवं पशुपालन व डेयरी मंत्री श्री पुरुषोत्तम रूपाला ने बताया कि–

- *कोविड-19 के प्रतिकूल प्रभाव के बावजूद देश में मछली का कुल उत्पादन, जो 2019-20 में 141·64 लाख टन था, 2021-22 में 161·87 लाख टन (अनंतिम) के रिकॉर्ड स्तर पर प्राप्त किया गया. इस प्रकार 14·3 प्रतिशत की वृद्धि मत्स्य उत्पादन में इस अवधि में दर्ज की गई.*
- *निर्यात के मामले में भी रिकॉर्ड उपलब्धि प्राप्त की गई. 13·64 लाख टन मछली, जिसमें झींगा मुख्य है, का निर्यात कर 7·76 अरब डॉलर (₹ 57,587 करोड़) का मूल्य प्राप्त किया गया.*
- *पूर्व वर्षों में भारत के मत्स्य उत्पादन में समुद्री मछली का ही मुख्य योगदान रहता था. 2019 व उसके पश्चात् वैज्ञानिक तरीकों को बढ़ावा दिए जाने से अब देश के मत्स्य उत्पादन में 74 प्रतिशत योगदान अन्तर्देशीय मछली का है, जबकि समुद्री मछली का योगदान 26 प्रतिशत ही अब है.*

2022 व 2023 में भारत में आर्थिक वृद्धि के अपने अनुमान एशियाई विकास बैंक ने घटाए

मनीला स्थित एशियाई विकास बैंक की रिपोर्ट के अनुसार बीते वर्ष भारत में जीडीपी में वृद्धि 8·7 प्रतिशत रही थी. वर्ष 2022 में भारत में जीडीपी में वृद्धि 7·5 प्रतिशत तथा 2023 में यह 8·0 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान एशियाई विकास बैंक (ADB) ने अप्रैल 2022 में अपनी एशियन डेवलपमेंट आउट-लुक रिपोर्ट में व्यक्त किया था. अपने इस पूर्वानुमान में संशोधन बैंक ने एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट के सितम्बर अपडेट में किया गया है. **सितम्बर 2022 की ताजा अपडेट रिपोर्ट में भारत में 2022 में वृद्धि के पूर्वानुमान को 7·5 प्रतिशत से घटाकर 7·0 प्रतिशत जहाँ एडीबी ने किया है, वहीं 2023 के लिए वृद्धि के पूर्वानुमान को 8·0 प्रतिशत से घटाकर 7·2 प्रतिशत किया गया है. भारत में मुद्रास्फीति का अपेक्षा से अधिक बने रहने तथा उसके लिए अपनाई जा रही कठोर मौद्रिक नीति के कारण देश में वृद्धि के अपने पूर्वानुमान को विकास बैंक ने घटाया है.** भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान जहाँ 2021 में 5·7 प्रतिशत की वृद्धि प्राप्त की गई थी, में 2022 व 2023 में वृद्धियों के पूर्वानुमान क्रमशः 4·0 प्रतिशत व 4·5 प्रतिशत अप्रैल 2022 में थे. इन्हें बदलकर अब क्रमशः 6·0 प्रतिशत व 3·5 प्रतिशत एडीबी ने सितम्बर 2022 में किया है. इसी तरह बांग्लादेश के मामले में 2022 व 2023 के लिए वृद्धि के पूर्वानुमानों को 6·9 प्रतिशत व 7·1 प्रतिशत से बदलकर अब क्रमशः 7·2 प्रतिशत व 6·6 प्रतिशत एडीबी ने किया है. गम्भीर आर्थिक व राजनीतिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में 2022 में 2·4 प्रतिशत तथा 2023 में 2·5 प्रतिशत वृद्धि का पूर्वानुमान अप्रैल 2022 की एशियन डेवलपमेंट आउट-लुक रिपोर्ट में व्यक्त किया गया था. रिपोर्ट के सितम्बर 2022 अपडेट में यह वृद्धियाँ अब क्रमशः – 8·8 प्रतिशत व – 3·3 प्रतिशत अनुमानित हैं. समूचे एशिया में श्रीलंका ही ऐसा एकमात्र देश है जहाँ **2022 व 2023 के ऋणात्मक वृद्धि का अनुमान लगाया गया है.**

एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन में 2021 में जीडीपी में वृद्धि में 8·1 प्रतिशत रही है, जबकि 2022 में यह वृद्धि 4·7 प्रतिशत तथा 2023 में 4·5 प्रतिशत रहने का अनुमान एडीबी की एशियन डेवलपमेंट आउटलुक की अप्रैल 2022 रिपोर्ट में था. रिपोर्ट के सितम्बर अपडेट में इन वर्षों के लिए यह अनुमान क्रमशः 5·0 प्रतिशत व 4·8 प्रतिशत के हैं.

दक्षिण एशिया जिसमें आर्थिक वृद्धि मुख्यत भारत में वृद्धि पर ही निर्भर करती है, में 2022 व 2023 में वृद्धि 7·0 प्रतिशत व 7·4 प्रतिशत रहने का अनुमान अप्रैल 2022 में था, इस क्षेत्र में इन दोनों वर्षों में वृद्धियाँ 6·5–6·5 प्रतिशत अब अनुमानित है. भारत व उसके पड़ोसी देशों में जीडीपी वृद्धि में एशियाई विकास बैंक के अप्रैल 2022 व सितम्बर 2022 के यह अनुमान तालिका में दर्शाए गए हैं–

भारत व पड़ोसी देशों में जीडीपी वृद्धि के एशियाई विकास बैंक के सितम्बर 2022 के ताजा पूर्वानुमान

क्षेत्र/देश	2021	2022		2023	
		अप्रैल 2022 के पूर्वानुमान	सितम्बर 2022 के अपडेट	अप्रैल 2022 के पूर्वानुमान	सितम्बर 2022 के अपडेट
दक्षिण एशिया	**8·1**	**7·0**	**6·5**	**7·4**	**6·5**
जिसमें–					
बांग्लादेश	6·9	6·9	7·2	7·1	6·6
भूटान	4·1	4·5	4·5	7·5	4·0
भारत	8·7	7·5	7·0	8·0	7·2
मालदीव	37·1	11·0	8·2	12·0	10·4
नेपाल	4·2	3·9	5·8	5·0	4·7
पाकिस्तान	5·7	4·0	6·0	4·5	3·5
श्रीलंका	3·3	2·4	– 8·8	2·5	– 3·3
पूर्वी एशिया	**7·7**	**4·7**	**3·2**	**4·5**	**4·2**
जिसमें–					
चीन	8·1	5·0	3·3	4·8	4·5

naukaritak.com for Dec 2022

विश्व डेयरी शिखर सम्मेलन (2022)

अन्तर्राष्ट्रीय डेयरी महासंघ (IDF) के विश्व डेयरी शिखर सम्मेलन (2022) का आयोजन ग्रेटर नोएडा में 12–15 सितम्बर, 2022 को हुआ. ग्रेटर नोएडा में इंडिया एक्सपो सेंटर एण्ड मार्ट में 12 सितम्बर को इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया. लगभग 5 दशक के अन्तराल के पश्चात् यह आयोजन भारत में हुआ भारत में ऐसा पिछला सम्मेलन 1974 में आयोजित हुआ था.

- *विश्व डेयरी सम्मेलन 2022 का थीम **'पोषण और आजीविका के लिए डेयरी' (Diary for Nutrition and Livelihood)** था. भारत सहित लगभग 50 देशों के 1500 से अधिक डेयरी हित-धारकों ने, जिनमें उद्योग जगत् के लीडर विशेषतः किसान एवं नीति निर्माता आदि शामिल थे, ने इसमें भाग लिया.*
- *सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि डेयरी सेक्टर सामर्थ्य न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करता है, बल्कि यह दुनिया भर के करोड़ों लोगों की आजीविका का भी प्रमुख साधन है. उन्होंने कहा कि विश्व के अन्य विकसित देशों से अलग भारत में डेयरी सेक्टर की असली ताकत छोटे किसान हैं तथा **भारत में डेयरी सेक्टर की पहचान 'mass produciton' से अधिक 'production by masses' से है.***
- *विश्व के सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक देश भारत में डेयरी उत्पादन की स्थिति के बारे में प्रधान-मंत्री ने बताया कि 2014 में देश में दूध का वार्षिक उत्पादन 146 मिलियन टन था, जो 94 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अब लगभग 21·0 मिलियन टन है. प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत में दूध के उत्पादन में 6 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से वृद्धि हो रही है, जबकि विश्व में इसकी वृद्धि 2 प्रतिशत प्रति वर्ष ही है.*
- *प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत में डेयरी कोआपरेटिव्स का ऐसा विशाल नेटवर्क है, जिसकी मिसाल पूरी दुनिया में मिलनी मुश्किल है. देश में डेयरी की ऑपरेटिव प्रक्रिया में कोई मिडिल मैन नहीं होता है और ग्राहकों से जो पैसा मिलता है, उसका 70 प्रतिशत से ज्यादा किसानों की जेब में ही जाता है.*

2022-23 की तीसरी तिमाही के लिए लघु बचतों पर ब्याज दरों में मामूली वृद्धियाँ

मुख्यतः डाकघरों के माध्यम से की जाने वाली लघु बचतों पर ब्याज दर का निर्धारण प्रत्येक तिमाही के आधार पर सरकार द्वारा किया जाता है. इन बचतों पर ब्याज दरों में 1·40 प्रतिशत तक की कटौती सरकार ने 1 अप्रैल, 2020 से की थी तथा यह घटी दरें 1 अप्रैल, 2020 से प्रभावी हुई थीं. **उसके पश्चात् 2020-21 की दूसरी, तीसरी व चौथी तिमाही तथा 2021-22 की चारों तिमाहियों तथा 2022-23 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2022) व दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2022) के लिए इन बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कोई परिवर्तन सरकार द्वारा नहीं किया गया था. हाल ही में रेपो दर में वृद्धियों तथा ऋणों पर ब्याज में वृद्धि के पश्चात् ऐसा माना जा रहा था कि इन जमाओं पर देय ब्याज में भी वृद्धि सरकार द्वारा की जाएगी. अपेक्षा के अनुरूप ऐसा ही हुआ है तथा 2022-23 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसम्बर 2022) के लिए इनमें से कुछ योजनाओं में ब्याज दरों में 0·3 प्रतिशत बिन्दु तक की वृद्धि सरकार ने 1 अक्टूबर, 2022 से की हैं, जिससे इन योजनाओं में ब्याज दरों में मामूली वृद्धियाँ 1 अक्टूबर, 2022 से हुई है, जबकि कुछ योजनाओं पर ब्याज दरें वही बरकरार हैं, जो 1 अप्रैल, 2020 से लागू हैं. इससे अक्टूबर-दिसम्बर 2022 के दौरान–**

- **डाकघर बचत खातों** पर वार्षिक ब्याज की दर 4·00 प्रतिशत बरकरार है.
- **पाँच वर्षीय वरिष्ठ नागरिक बचत योजना** (Senior Citizens Saving Scheme) के तहत् देय ब्याज दर 7·4 प्रतिशत से बढ़ा-कर 7·6 प्रतिशत की गई है.
- **पाँच वर्षीय राष्ट्रीय बचत-पत्रों** (National Savings Certificates) पर 6·8 प्रतिशत तथा **पब्लिक प्रॉविडेंट फण्ड** (PPF) पर देय ब्याज दर 7·1 प्रतिशत बनी हुई है.
- **पाँच वर्षीय मासिक आय योजना** (Monthly Income Scheme) पर ब्याज दर 6·6 प्रतिशत से बढ़ाकर 6·7 प्रतिशत की गई.
- **किसान विकास-पत्रों** पर देय ब्याज 6·9 प्रतिशत से बढ़ाकर 7·0 प्रतिशत की गई है. (किसान विकास-पत्रों की परिपक्वता अवधि 124 माह के स्थान पर 123 माह होगी).
- बालिकाओं के लिए बचत योजना **सुकन्या समृद्धि खातों** पर देय ब्याज 7·6 प्रतिशत बरकरार है.
- पाँच वर्षीय **आवृत्ति जमा** (Recurring Deposits) खातों पर देय ब्याज भी 5·8 प्रतिशत बरकरार है.
- एक वर्षीय, **सावधि जमाओं** पर देय ब्याज 5·5 प्रतिशत बरकरार है, जबकि दो वर्षीय सावधि जमा के मामले में इसे 5·5 प्रतिशत से बढ़ाकर 5·7 प्रतिशत तथा तीन वर्षीय सावधि का जमाओं के मामले में इसे 5·5 प्रतिशत से बढ़ाकर 5·8 प्रतिशत किय गया है. पाँच वर्षीय सावधि जमाओं (Fixed Deposits) के मामले में यह 6·7 प्रतिशत सालाना बरकरार है.

लघु बचतों पर ब्याज दरें

योजना	ब्याज दर (1 जुलाई, 2022 से 30 सितम्बर, 2022)*	ब्याज दर (प्रतिशत) (1 अक्टूबर, 2022 से 31 दिसम्बर, 2022)
बचत खाते	4·0	4·0
एक वर्षीय सावधि जमा	5·5	5·5
दो वर्षीय सावधि जमा	5·5	5·7
3 वर्षीय सावधि जमा	5·5	5·8
5 वर्षीय सावधि जमा	6·7	6·7
5 वर्षीय रिकरिंग जमा	5·8	5·8
5 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (SCSS)	7·4	7·6
5 वर्षीय मासिक आय योजना	6·6	6·7
पब्लिक प्रॉविडेंट फण्ड (PPF)	7·1	7·1
किसान विकास-पत्र (KVP)	6·9	7·0
(किसान विकास-पत्र की परिपक्वता अवधि 124 माह रहेगी)	(किसान विकास-पत्र की परिपक्वता अवधि 123 माह)	
सुकन्या समृद्धि योजना (SSS)	7·6	7·6
राष्ट्रीय बचत-पत्र (NSC)	6·8	6·8

* यही दरें 1 अप्रैल, 2020 से प्रभावी थीं.

भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या व पर्यटन से विदेशी मुद्रा अर्जन

देश में विदेशी पर्यटकों के आगमन तथा स्वदेशी नागरिकों की विदेश यात्राओं सम्बन्धी ताजा आँकड़े पर्यटन मंत्रालय की **इंडिया टूरिज्म स्टैटिस्टिक्स रिपोर्ट-2022** मे

दिए गए हैं. पर्यटन मंत्रालय की वर्ष 2022 की यह रिपोर्ट 27 सितम्बर, 2022 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर जारी हुई. रिपोर्ट के अनुसार–

- **वर्ष 2019 में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या 109·3 लाख थी, जो कोविड-19 महामारी के दौरान घटकर 2020 में 27·45 लाख तथा 2021 में 15·2 लाख ही रह गई थी.** यह जानकारी देते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में इस वर्ष पर्यटन में भारी वृद्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी स्वयं ही ब्रांड एम्बेसडर की भूमिका निभा रहे हैं.
- **इंडिया टूरिज्म स्टैटिस्टिक्स रिपोर्ट-2022** के अनुसार बीते वर्ष 2021 में भारत की यात्रा पर आने वाले विदेशी पर्यटकों में सर्वाधिक संख्या (4·30 लाख) अमरीकी यात्रियों की थी. दूसरे स्थान पर बांग्लादेश के 2·41 लाख तथा तीसरे स्थान पर यूनाइटेड किंगडम (UK) के 1·64 लाख यात्रियों ने भारत की यात्रा की.

इसके विपरीत 2020 में भारत की यात्रा पर आने वाले विदेशी पर्यटकों में सर्वाधिक संख्या (5·49 लाख) बांग्लादेशियों की थी. 3·94 लाख पर्यटकों के साथ अमरीका का इस मामले में दूसरा तथा 2·92 लाख पर्यटकों के साथ यू. के. के नागरिकों का तीसरा स्थान 2020 में था.

पर्यटन से विदेशी मुद्रा अर्जन–इंडिया टूरिज्म स्टैटिस्टिक्स रिपोर्ट (2022) के अनुसार कोविड-19 महामारी के कारण 2019 के पश्चात् देश में विदेशी पर्यटक आगमन में भारी गिरावट के चलते पर्यटन से विदेशी मुद्रा अर्जन में भी भारी गिरावट दर्ज की गई. 2019 में पर्यटन से विदेशी मुद्रा अर्जन जहाँ 30·01 अरब डॉलर था, वहीं 2020 में यह 6·96 अरब डॉलर ही रहा. इस प्रकार विदेशी मुद्रा अर्जन में 76·9 प्रतिशत की गिरावट 2020 में दर्ज की गई. पूर्व वर्ष 2021 में इसमें 26·4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे 2021 में पर्यटन से विदेशी मुद्रा अर्जन 8·8 अरब डॉलर रहा.

- रिपोर्ट के अनुसार कोरोना महामारी के चलते भारत से विदेश यात्रा पर जाने वाले लोगों की संख्या में भारी गिरावट वर्ष 2020 में दर्ज की गई. वर्ष 2019 में विदेश यात्रा पर जाने वाले भारतीयों की संख्या 2·69 करोड़ थी, जो घटकर 2020 में 73 लाख ही रही. इस प्रकार इसमें 72·90 प्रतिशत की गिरावट आई. बाद में 17·23 प्रतिशत वृद्धि के साथ 2021 में यह संख्या 85·5 लाख रही.
- 2021 के दौरान विदेश यात्रा पद गए यात्रियों में सर्वाधिक का गंतव्य संयुक्त अरब अमीरात (UAE) रहा. इसके बाद क्रमशः अमरीका, कतर, ओमान, यू.के., मालदीव, सऊदी अरब, कनाडा, बहरीन व कुवैत के स्थान रहे. 2021 के दौरान विदेश जाने वाले भारतीयों में से 85·93 प्रतिशत का गंतव्य यह 10 राष्ट्र रहे.

रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक ट्रैवल एण्ड टूरिज्म डेवलपमेंट इन्डेक्स (TTDI) में भारत की रैंकिंग 2021 में 54 रही.

2020 व 2021 के दौरान भारत की यात्रा पर आए विदेशी पर्यटकों के स्रोत राष्ट्र

2020				2021			
रैंक	विदेशी पर्यटकों का स्रोत राष्ट्र	भारत की यात्रा पर आए पर्यटकों की संख्या (लाख)	प्रतिशत	रैंक	विदेशी पर्यटकों का स्रोत राष्ट्र	भारत की यात्रा पर आए पर्यटकों की संख्या (लाख)	प्रतिशत
1.	बांग्लादेश	5·49	20·0	1.	अमरीका	4·30	28·1
2.	अमरीका	3·94	14·4	2.	बांग्लादेश	2·41	15·8
3.	यू.के.	2·92	10·6	3.	यू.के.	1·64	10·7
4.	कनाडा	1·23	4·5	4.	कनाडा	0·80	5·3
5.	रूस	1·02	3·7	5.	नेपाल	0·53	3·4
6.	आस्ट्रेलिया	0·87	3·2	6.	अफगानिस्तान	0·36	2·4
7.	फ्रांस	0·74	2·7	7.	आस्ट्रेलिया	0·34	2·2
8.	जर्मनी	0·73	2·6	8.	जर्मनी	0·34	2·2
9.	मलेशिया	0·70	2·5	9.	पुर्तगाल	0·32	2·1
10.	श्रीलंका	·0·69	2·5	10.	फ्रांस	0·30	2·0
11.	थाईलैण्ड	0·53	1·9	11.	मालदीव	0·27	1·7
12.	जापान	0·48	1·8	12.	श्रीलंका	0·26	1·7
13.	अफगानिस्तान	0·48	1·7	13.	रूस	0·18	1·2
14.	नेपाल	0·41	1·5	14.	इराक	0·16	1·1
15.	चीन	0·40	1·4	15.	नीदरलैण्ड्स	0·16	1·0
	योग पहले 15 राष्ट्र	20·61	75·1		**योग पहले 15 राष्ट्र**	12·36	80·9
	अन्य राष्ट्र	6·84	24·9		**अन्य राष्ट्र**	2·91	19·1
	कुल विदेशी पर्यटक आगमन	**27·45**	**100**		**कुल विदेशी पर्यटक आगमन**	**15·27**	**100**

भारत में समुद्र के भीतर पहली रेल सुरंग

देश में समुद्र के भीतर पहली रेल सुरंग महाराष्ट्र में ठाणे की खाड़ी (Thane Creek) में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लैक्स (BKC) व शिलफाटा (Shilphata, ठाणे) के बीच बुलेट ट्रेन के लिए बनाई जाएगी. बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लैक्स व शिलफाटा में अंडरग्राउंड स्टेशन के बीच बनने वाली 21 किमी लम्बी सुरंग का 7 किमी भाग समुद्र के अन्दर होगा. इस सुरंग के निर्माण के लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लि. (NHSRCL) ने टैंडर आमंत्रित किए हैं, जिसके एक पैकेज के लिए जमा करने की अन्तिम तिथि 20 अक्टूबर, 2022 तक दूसरे पैकेज के लिए जमा करने की अंतिम तिथि 19 जनवरी, 2023 है. सुरंग का निर्माण टनल बोरिंग मशीन व ***न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड*** *(NATM) का इस्तेमाल करके किया जाएगा.*

मुम्बई-अहमदाबाद के बीच 508 किमी लम्बे रूट पर भारत की पहली हाई स्पीड रेल लाइन प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य तेजी से जारी है. इसी के तहत् 7 किमी लम्बी सुरंग समुद्र के भीतर ठाणे की खाड़ी में बनाई जानी है. ट्यूब के आकार की इस सुरंग में आने व जाने वाली ट्रेनों के लिए दो रेल ट्रैक होंगे. इस सुरंग में होकर बुलेट ट्रेन लगभग 300 किमी प्रति घण्टा की गति से गुजरेगी. इस समुद्री सुरंग के आस-पास 37 स्थानों पर 39 उपकरण कमरे भी बनाए जाएंगे. यह सुरंग से 25 से 65 मीटर गहराई पर होगी तथा इसकी सबसे ज्यादा गहराई शिलफाटा के निकट पारसिक पहाड़ी से 114 मीटर नीचे होगी.

naukaritak.com for PD Jan to Dec 2022

2022 में मानसूनी वर्षा सामान्य से अधिक रही

(दीर्घकालिक औसत का 106 प्रतिशत रही मानसूनी वर्षा)

मानसून मौसम (1 जून–30 सितम्बर) 2022 का समापन 30 सितम्बर, 2022) को हुआ है. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (India Meteorological Department–IMD) के अनुसार इस बार दक्षिण पश्चिम मानसून के दौरान प्राप्त की गई वर्षा के सम्बन्ध में निम्नलिखित तथ्य महत्वपूर्ण हैं–

- *इस सत्र में कुल 92·5 सेमी वर्षा (अखिल भारतीय औसत) दर्ज की गई, जो 1971–2020 की अवधि के दीर्घकालिक औसत (87·0 सेमी) का 106 प्रतिशत है.* ***इस प्रकार इस वर्ष दक्षिण पश्चिम मानसून से प्राप्त की गई वर्षा सामान्य से अधिक (Above Normal) रही. [दीर्घकालिक औसत की 96%–104% वर्षा सामान्य कही जाती है]*** *इससे पूर्व, पिछले वर्ष 2021 में दक्षिण पश्चिम मानसून से प्राप्त की गई वर्षा दीर्घकालिक औसत का 99 प्रतिशत थी, जिससे इसे सामान्य वर्ष कहा गया था.*

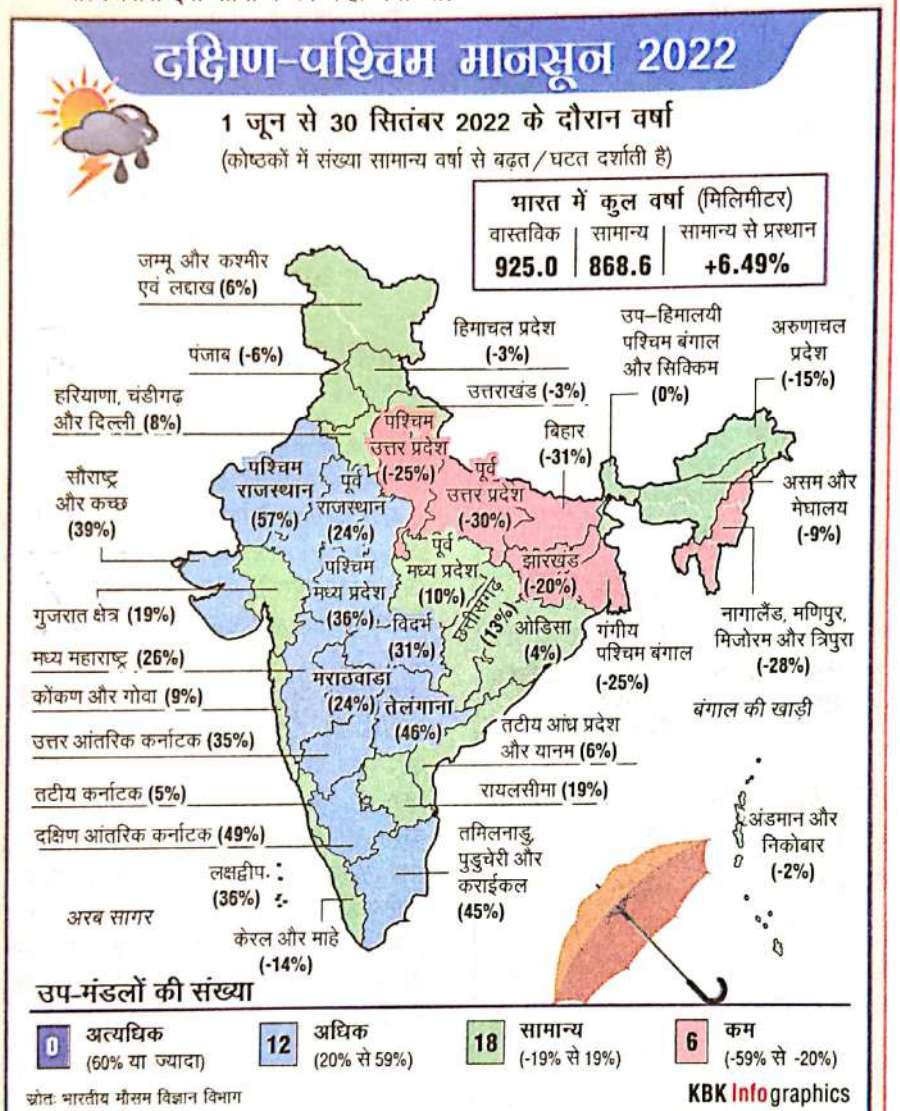

- *भारत के चार व्यापक समरूप क्षेत्रों (broad homogeneous regions) में दक्षिणी प्रायद्वीप (South Peninsula) में वर्षा सामान्य से अधिक (दीर्घकालिक औसत का 122 प्रतिशत व मध्य भारत (Central India) में भी सामान्य से अधिक (दीर्घकालिक औसत का 119 प्रतिशत रही, जबकि* ***उत्तर-पश्चिम*** *(North-West) में यह सामान्य दीर्घकालिक औसत का 101 प्रतिशत तथा पूर्वी एवं पूर्वोत्तर भारत में यह सामान्य से कम दीर्घकालिक औसत का 82 प्रतिशत दर्ज की गई.*
- *भारत के 36 वायुमंडलीय उपखण्डों (Meteorological sub-divisions) में से 18 उपखण्डों में 2022 में मानसूनी वर्षा सामान्य (Normal) रही. इन उपखण्डों के तहत् देश का 43 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्रफल आता है. 12 उपखण्डों जिनके तहत् देश का 40 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्रफल आता है, में यह सामान्य से अधिक (Excess) तथा शेष 6 उपखण्डों में इस वर्ष वर्षा सामान्य से कम (deficient) रही. सामान्य से कम वर्षा वाले छह उपखण्डों में नगालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, असम, मेघालय, लक्षद्वीप तथा जम्मू-कश्मीर व लद्दाख शामिल हैं.*

आर्थिक संकट के दौर में गुजर रहे श्रीलंका में सितम्बर 2022 में मुद्रास्फीति की दर 70 प्रतिशत तक पहुँची

वर्ष 1948 में ब्रिटिश शासन से स्वतन्त्रता पाने के पश्चात् अपने सबसे खराब आर्थिक एवं राजनीतिक दौर से गुजर रहे श्रीलंका में राजनीतिक संकट के पश्चात् आर्थिक संकट अभी और भी गहरा रहा है. इसका आभास वहाँ खाद्य पदार्थों तथा पेट्रोलियम पदार्थों की भारी कमी के साथ-साथ मुद्रास्फीति की स्थिति से भी लगता है. सरकारी सांख्यिकी कार्यालय द्वारा 1 अक्टूबर, 2022 को जारी आँकड़ों के अनुसार खाद्य एवं पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्यों में वृद्धि के चलते देश में मुद्रास्फीति में वृद्धि का सिलसिला पिछले 12 महीनों से लगातार जारी रहा है जिससे सितम्बर 2022 में मुद्रास्फीति की दर 69·8 प्रतिशत हो गई थी. ***कोलम्बो कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स*** *(CCPI) पर आधारित मुद्रास्फीति की यह दर एक माह पूर्व अगस्त 2022 में 64·3 प्रतिशत थी. औपचारिक रूप से वहाँ मुद्रास्फीति की दर मापने वाले एक अन्य* ***नेशनल कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (NCPI)***, *जो मुख्यतः खुदरा मूल्यों पर आधारित सूचकांक है, ने अगस्त 2022 के लिए मुद्रास्फीति की दर वहाँ 70·2 प्रतिशत आकलित की थी.*

उल्लेखनीय है कोरोना महामारी से पूर्व विदेशी मुद्रा की अपनी जरूरतों के लिए श्रीलंका पर्यटन पर बहुत निर्भर था. कोरोना के दौरान पर्यटन ठप होना भी उसके आर्थिक संकट के कारणों में शामिल है. संकट के इस दौर में 2022 के दौरान श्रीलंका को सर्वाधिक 37·7 करोड़ डॉलर का ऋण भारत ने व दूसरे स्थान पर 36 करोड़ डॉलर का ऋण एशियाई विकास बैंक ने प्रदान किया है. आर्थिक उथल-पुथल से निपटने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMFI) ने अगले चार वर्षों में 209 अरब डॉलर का ऋण श्रीलंका को उपलब्ध कराने की घोषणा सितम्बर 2022 में ही की है.

देश की तीसरी वंदे भारत ट्रेन का गांधी नगर-मुम्बई मार्ग पर परिचालन

देश में सबसे तेज़ गति से चलने वाली रेलगाड़ी अब वंदे भारत एक्सप्रेस है. ऐसी

पहली रेलगाड़ी का परिचालन नई दिल्ली-वाराणसी रूट पर 19 फरवरी, 2019 से तथा दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन नई

naukaritalk.com for Dec 2022

प्रधानमन्त्री गरीब कल्याण अन्न योजना का तीन माह के लिए पुनः विस्तार

कोविड-19 महामारी से प्रभावित निर्धनों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए अप्रैल 2020 में प्रारम्भ की गई प्रधानमन्त्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY) के छह चरण सितम्बर 2022 तक पूर्ण हो चुके हैं. इस योजना का विस्तार एक बार पुनः तीन माह के लिए किया गया है जिससे यह योजना अब दिसम्बर 2022 तक जारी रहेगी. इस कल्याणकारी योजना के तहत् राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (National Food Security–Act-NFSA) के लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों को 5 किग्रा प्रति व्यक्ति प्रति माह खाद्यान्न निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है. शुरू में 3 माह (अप्रैल-जून 2020) के लिए घोषित इस योजना का दूसरे चरण में विस्तार पाँच माह (जुलाई-नवम्बर 2020) के लिए किया गया, योजना का तीसरा चरण मई-जून 2021 के दौरान तथा चौथा चरण जुलाई-नवम्बर 2021 के दौरान परिचालित रहा. पाँचवें चरण में इसका पुनः व विस्तार दिसम्बर 2021 से मार्च 2022 तक के लिए किया गया तथा एक बार पुनः 6 माह के लिए विस्तार करते हुए इसकी अवधि को सितम्बर 2022 तक के लिए छठे चरण में बढ़ाया गया. सातवें चरण में इस योजना की अवधि में तीन माह का एक और विस्तार सरकार ने सितम्बर 2022 में स्वीकृत किया है जिससे यह योजना अब दिसम्बर 2022 तक जारी रहेगी.

पीएमजीकेएवाई योजना के विभिन्न चरण

I. अप्रैल-जून 2020
II. जुलाई-नवम्बर 2020
III. मई-जून 2021
IV. जुलाई-नवम्बर 2021
V. दिसम्बर 2021-मार्च, 2022
VI. मार्च-सितम्बर 2022
VII. अक्टूबर-दिसम्बर 2022

सातवें चरण (अक्टूबर-दिसम्बर 2022) के लिए इस योजना के विस्तार का निर्णय इस परिप्रेक्ष्य में सरकार द्वारा लिया गया है, ताकि महामारी के कठिन दौर से गुजरे समाज के गरीब एवं कमजोर वर्ग को आने वाले प्रमुख त्यौहारों–जैस नवरात्रि, दशहरा, मिलाद-उन-नबी, दीपावली, छठ पूजा, गुरुनानक देव जयंती व क्रिसमस आदि के लिए आवश्यक सहायता दी जा सके.

पीएमजीकेएवाई योजना के पहले छह चरणों तक सरकार का वित्तीय व्यय लगभग ₹ 3·45 लाख करोड़ रहा है तथा सातवें चरण में ₹ 44,762 करोड़ का अतिरिक्त व्यय अनुमानित है. इससे सात चरणों तक इस योजना पर सरकार का कुल व्यय ₹ 3·91 लाख करोड़ हो जाएगा. सातवें चरण में खाद्यान्नों का आबंटन 122 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है. इससे योजना के सभी सात चरणों में कुल खाद्यान्न आवंटन 1121 लाख मीट्रिक टन हो जाएगा.

दिल्ली-श्रीमाता वैष्णो देवी का कटरा मार्ग पर 3 अक्टूबर, 2019 से शुरू किया गया था.

तीसरी वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन अब गांधीनगर (गुजरात) व मुम्बई सेंट्रल के बीच 30 सितम्बर, 2022 से शुरू किया गया है. इस रूट पर पहली ऐसी रेलगाड़ी को प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 सितम्बर को गांधीनगर स्टेशन पर झंडी दिखाकर मुम्बई के लिए इसे रवना किया.

सुरक्षा के अत्याधुनिक उपायों से युक्त पूर्णतः स्वदेशी रूप से विकसित यह रेलगाड़ी 180 किमी प्रति घंटा तक की गति से चलने में सक्षम है तथा टक्कररोधी प्रणाली कवच सहित अत्याधुनिक सुरक्षा व्यवस्थाओं से लैस है.

वैश्विक नवाचार रैंकिंग (2022) में भारत का 132 देशों में 40वाँ स्थान

वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गेनाइजेशन (WIPO) की वर्ष 2022 की **वैश्विक नवाचार सूचकांक** (Global Innovation Index—(GII) रिपोर्ट विश्व भर में 29 सितम्बर, 2022 को जारी की गई. इस वर्ष की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग में 6

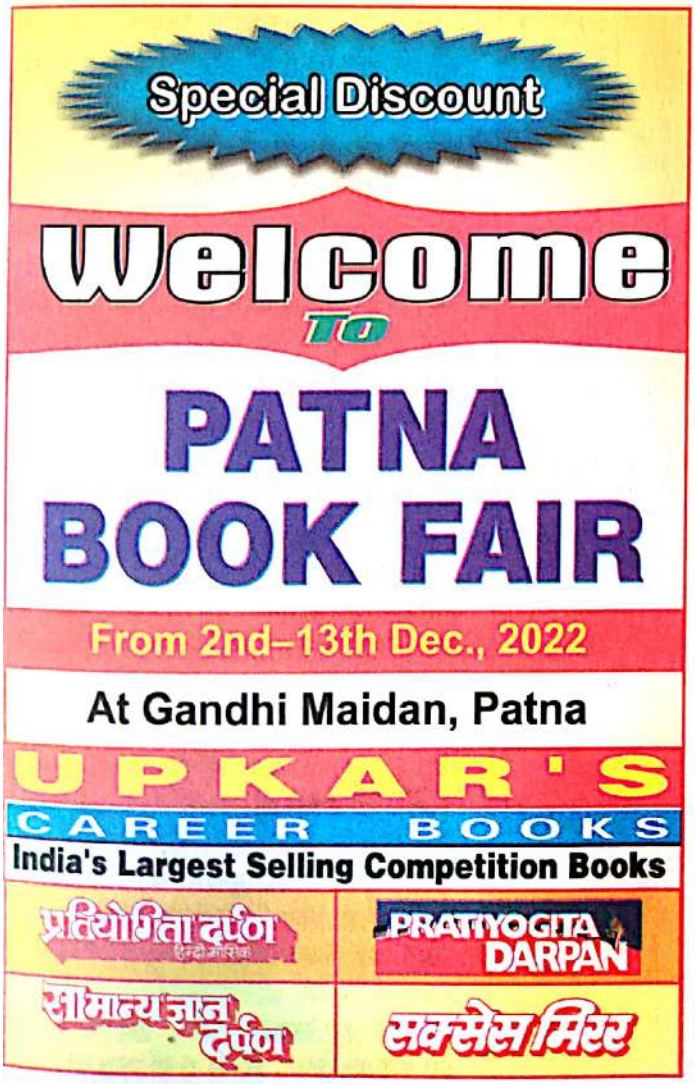

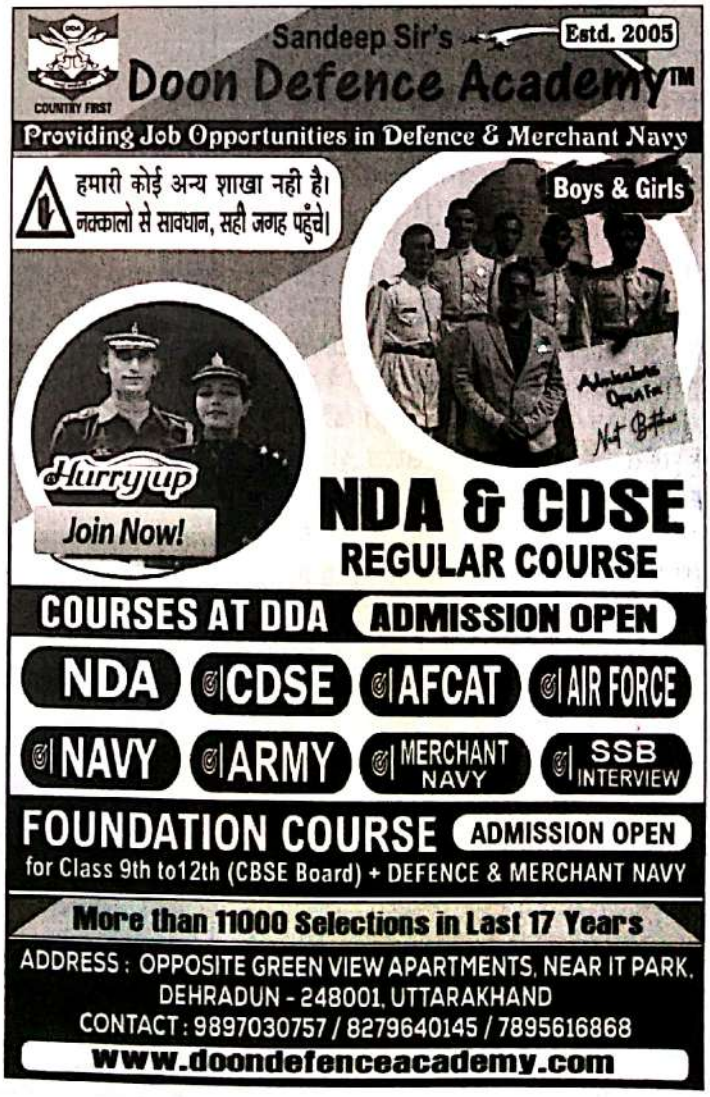

पायदानों का सुधार हुआ है तथा 132 देशों की रैंकिंग में इस वर्ष 40वीं रैंक भारत को प्रदान की गई है, जो पिछले वर्ष 2021 में 46वीं तथा सात वर्ष पूर्व 2015 में 81वीं थी. **इस प्रकार 2015-22 के दौरान भारत ने 41 अंकों की लम्बी छलांग नवाचार (Innoval) के मामले में लगाई है तथा इसकी रैंकिंग 2015 में 81 से सुधर 2022 में 40 हो गई है.**

यह सूचकांक नवाचार (Innovation) के मामले में विभिन्न देशों की क्षमताओं व सफलताओं के आकलन हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ की एजेंसी वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गेनाइजेशन (WIPO), कॉर्नेल यूनीवर्सिटी व INSEAD Business School द्वारा प्रति वर्ष जारी किया जाने वाला एक व्यापक सूचकांक है. जिसकी गणना विभिन्न देशों की आर्थिक सामाजिक एवं राजनीतिक घटनाओं पर कड़ी नजर रखते हुए की जाती है विश्व बैंक, मुद्रा कोष (IMF), विश्व व्यापार संगठन (WTO) व यूनीसेफ जैसी अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के आँकड़ों के आधार पर **80 विभिन्न मानकों का इस्तेमाल इस सूचकांक के आकलन के लिए किया जाता है. इस सूचकांक का मान 0-100 के बीच होता है तथा सूचकांक का अधिक होना सम्बन्धित देशों में स्थिति के बेहतर होने का संकेत देता है.** वाइपो द्वारा इस सूचकांक की गणना 2007 से प्रति वर्ष की जाती रही है तथा 2022 के सूचकांक (GII-2022) इनका 15वाँ संस्करण है किसी भी वर्ष का सूचकांक पूर्व वर्ष की स्थिति को दर्शाता है जैसे 2022 के सूचक 2021 की स्थितियों पर आधारित है.

ग्लोबल इनोवेशन इन्डेक्स की दृष्टि से भारत में नवाचार की स्थिति में सुधार का सिलसिला विगत कुछ वर्षों में लगातार ही बना हुआ है. भारत के लिए 2022 में यह सूचकांक 36·6 जिससे 132 देशों में उसका 40वाँ स्थान है. पिछले वर्ष 2021 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग 46 व उससे पूर्व 2021 में 48, 2020 में 52 व उससे पूर्व 2018 में 57 थी. विगत 7 वर्षों में भारत की स्थिति में लगातार सुधार इस रिपोर्ट में हुआ है. 2015 में 141 देशों की सूची में 81वाँ स्थान भारत का था, जो 2016 में 66वाँ, 2017 में 60वाँ, 2018 में 57वाँ, 2019 में 52वाँ 2020 में 48वाँ व 2021 में 46वाँ रहने के पश्चात् 2022 में अब 40वाँ है.

वैश्विक नवाचार सूचकांक (Global Innovation Index 2022)

नवाचार के मामले में भारत के पड़ोसी देशों में चीन काफी बेहतर स्थिति में है, जबकि श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल व बांग्लादेश आदि में स्थिति काफी खराब है. चीन के लिए यह सूचकांक इस वर्ष 55·3 आकलित है तथा रैंकिंग में उसका 11वाँ स्थान है. पिछले वर्ष भी इस मामले में चीन की रैंकिंग 12वीं तथा उससे पूर्व 2020 व 2019 में 14वीं थी, जबकि 2018 में उसकी रैंकिंग 17वीं थी इस प्रकार चीन की रैंकिंग में एक पायदान का सुधार इस वर्ष हुआ है. भारत के अन्य पड़ोसी देशों में श्रीलंका 85वें स्थान पर, पाकिस्तान 87वें तथा बांग्लादेश 102वें स्थान पर है.

वर्ष 2022 की ग्लोबल इनोवेटिव रैंकिंग (GII-2022) में शीर्ष स्थान स्विट्जरलैण्ड का है. उसके लिए यह सूचकांक 64·6 इस वर्ष आकलित किया गया है. इस मामले में दूसरा, तीसरा व चौथा स्थान क्रमशः अमरीका, स्वीडन व यू.के. का है, जिनके लिए यह सूचकांक क्रमशः 61·8, 61·6 व 59·7 आकलित है. इस मामले में अगले 6 स्थान क्रमशः नीदरलैण्ड्स, द. कोरिया, सिंगापुर, जर्मनी व फिनलैण्ड के हैं. **अन्य प्रमुख देशों में फ्रांस का 12वाँ व जापान का 13वाँ स्थान इस रैंकिंग में है. 132 देशों की इस रैंकिंग में सबसे निचला 132वाँ स्थान गुनिया (Guinea) का है, जिसके लिए यह सूचकांक 11·6 आकलित है.** उससे ऊपर 131वाँ स्थान इराक का व 130वाँ स्थान बुरुंडी का इस वर्ष की रैंकिंग में है. इन देशों की यह रैंकिंग व उनके स्कोर (सूचकांक) तालिका में प्रदर्शित हैं.

रैंक	देश (पहले 15 राष्ट्र)	सूचकांक (GII)
1	स्विटजरलैंड	64·6
2	अमरीका	61·8
3	स्वीडन	61·6
4	यूनाइटेड किंगडम	59·7
5	नीदरलैण्ड्स	58·0
6	द. कोरिया	57·8
7	सिंगापुर	57·3
8	जर्मनी	57·2
9	फिनलैण्ड	56·9
10	डेन्मार्क	55·9
11	चीन	55·3
12	फ्रांस	55·0
13	जापान	53·6
14	हाँगकाँग	51·8
15	कनाडा	50·8
	सबसे निचले राष्ट्र	
128	यमन	13·8
129	मॉरिटेनिया	12·4
130	बुरुंडी	12·3
131	इराक	11·9
132	गुनिया	11·6
	भारत व पड़ोसी देशों की रैंक	
11	चीन	55·3
40	भारत	36·6
85	श्रीलंका	24·2
87	पाकिस्तान	23·0
102	बांग्लादेश	19·7
111	नेपाल	17·6
116	म्यांमार	16·4

वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की रैंकिंग

वर्ष	रैंक
2015	81
2016	66
2017	60
2018	57
2019	52
2020	48
2021	46
2022	40

80 विभिन्न जानकारियों के आधार पर तैयार किया जाने वाला यह सूचकांक किसी अर्थव्यवस्था की नवाचार (Innovation) की क्षमता व इस दिशा में उसकी सफलता का आकलन करता है. इस सूचकांक के आधार पर अन्तर्राष्ट्रीय निवेशकों व बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को विभिन्न देशों में निवेश हेतु तुलनात्मक स्थिति का ज्ञान होता है.

पाँच माह में लगातार चौथी वृद्धि से रेपो दर अब 3 वर्ष के सर्वोच्च स्तर पर

मुद्रास्फीति को निर्धारित लक्ष्य के नीचे लाने को प्राथमिकता देते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने नीतिगत रेपो दर में 0·50 प्रतिशत बिन्दु की एक और वृद्धि 30 सितम्बर, 2022 को की है. यह वृद्धि वर्ष 2022-23 में मौद्रिक नीति की चौथी समीक्षा के तहत् की गई है जिससे यह दर 5·40 प्रतिशत से बढ़कर अब 5·90 प्रतिशत हो गई है. इसके साथ ही अन्य सम्बद्ध दरों में भी 0·50-0·50 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धियाँ हो गई हैं. **मई 2020 से अप्रैल 2022 तक रेपो दर को 4 प्रतिशत की दर पर ही बनाए रखते हुए तरलता में वृद्धि को प्रोत्साहन आरबीआई ने दिया था जिससे कोरोना महामारी व अन्य चुनौतियों से जूझ रही अर्थव्यवस्था को विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने का मौका मिला,** किन्तु इस प्रयास में मुद्रास्फीति की दर जनवरी 2022 में 6 प्रतिशत के उच्चतम लक्ष्य को पार करते हुए बाद के महीनों में भी 6 प्रतिशत से ऊपर

naukaritak.com for PD Jan to Dec 2022

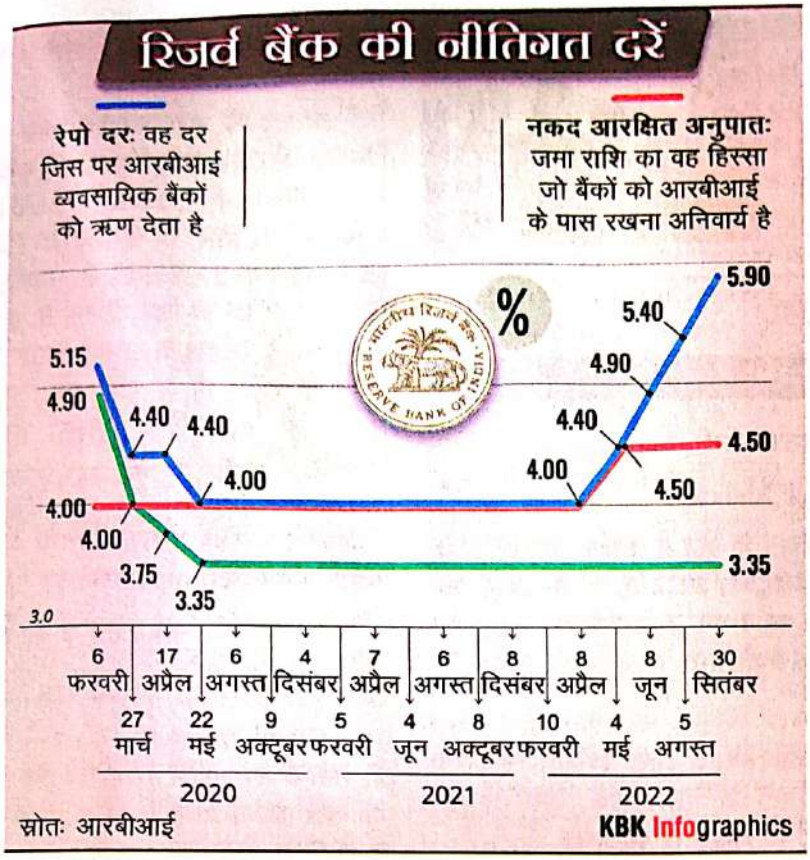

ही बनी हुई है. ऐसे में मई 2022 में मौद्रिक नीति समिति की आपात् बैठक बुलाकर रेपो दर को 4·00 प्रतिशत से बढ़ाकर 4·40 प्रतिशत किया गया तथा उसके पश्चात् मौद्रिक नीति समिति की तीनों बैठकों में इसमें वृद्धि का सिलसिला जारी रखा गया. इससे रेपो दर 4·40 प्रतिशत से बढ़कर 8 जून, 2022 से 4·90 प्रतिशत व 5 अगस्त से 5·40 प्रतिशत हो गई थी. रिजर्व बैंक के गवर्नर श्री शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली 6 सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति की 28–30 सितम्बर, 2022 की बैठक में एक बार पुनः 0·50 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि करते हुए इसे 5·40 प्रतिशत से बढ़ाकर 5·90 प्रतिशत किया गया है. **अन्य सम्बन्धित दरों में भी इतनी ही वृद्धियाँ इसके साथ ही हो गई हैं. मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (MSF) रेट 5·65 प्रतिशत से बढ़कर 6·15 प्रतिशत, बैंक रेट भी 5·65 प्रतिशत से बढ़कर 6·15 प्रतिशत, स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी (SDF) रेट 5·15 प्रतिशत से बढ़कर 5·65 प्रतिशत हो गया है.**

स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी रेट को आरबीआई ने पहली बार 2022-23 की पहली मौद्रिक नीति की घोषणा के तहत् ही शुरू किया था. अर्थव्यवस्था में सरप्लस तरलता को अवशोषित करने के लिए अति अल्पकालिक जमाओं के लिए बैंकों को देय यह दर रेपो दर से 0·25 प्रतिशत बिन्दु नीचे ही रहती है. 30 सितम्बर, 2022 से रेपो दर 5·90 करने से यह दर 5·65 प्रतिशत हो गई है.

अन्य दरों में कोई परिवर्तन 30 सितम्बर, 2022 की नीति के तहत् नहीं किया गया है जिससे रिवर्स रेपो दर 3·35 प्रतिशत, नकद आरक्षण अनुपात (CRR) 4·50 प्रतिशत तथा सांविधिक तरलता अनुपात (SLR) 18·00 प्रतिशत पर बरकरार है.

चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में जीडीपी में वृद्धि 7·8 प्रतिशत रहने का अनुमान रिजर्व बैंक ने फरवरी 2022 में व्यक्त किया था जिसे घटाकर 7·2 प्रतिशत रिजर्व बैंक ने अप्रैल 2022 में कर दिया था. जिसे 8 जून व 5 अगस्त, 2022 की मौद्रिक नीतियों में भी बरकरार रखा गया था. 2022-23 में जीडीपी में वृद्धि के अपने इस पूर्वानुमान (7·2 प्रतिशत) को घटाते हुए अब 7·0 प्रतिशत ही रहने का ताजा पूर्वानुमान रिजर्व बैंक ने 30 सितम्बर, 2022 की मौद्रिक नीति में किया है. 2022-23 की पहली तिमाही (Q_1) में जीडीपी में वृद्धि 13·5 प्रतिशत रही है. 2022-23 की दूसरी तिमाही Q_2 में यह 6·3 प्रतिशत, तीसरी तिमाही Q_3 में 4·6 प्रतिशत तथा चौथी तिमाही Q_4 में भी यह 4·6 प्रतिशत रहने का आरबीआई का ताजा अनुमान है. 2023-24 की पहली तिमाही में यह 7·2 प्रतिशत रहने का आरबीआई का ताजा पूर्वानुमान है. 2022-23 में मुद्रा स्फीति 6·7 प्रतिशत ही रहने का आरबीआई का पूर्वानुमान बरकरार है. Q_2 में यह 7·1 प्रतिशत, Q_3 में 6·5 प्रतिशत तथा Q_4 में यह 5·8 प्रतिशत रहने का अनुमान है.

मौद्रिक नीति समिति की आगामी बैठक 5–7 दिसम्बर, 2022 को प्रस्तावित है.

5 अगस्त, 2022 की मौद्रिक नीति : मुख्य बिन्दु एक दृष्टि में

- *रेपो दर में 0·50 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि से यह दर 5·90 प्रतिशत हुई.*
- *मई 2022 से अगस्त 2022 तक रेपो दर में 1·90 प्रतिशत बिन्दु की चार चरणों में वृद्धियाँ*
- *स्फीतिक दबाव पर नियंत्रण ही इन वृद्धियों का मुख्य उद्देश्य.*
- *रेपो दर में 0·50 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि के साथ ही सम्बन्धित दरों में इतना ही परिवर्तन; बैंक दर व सीमांत स्थायी सुविधा (MSF) व 0·50–0·50 प्रतिशत बिन्दु बढ़कर 6·15–6·15 प्रतिशत हुई, जबकि स्टैंडिंग डिपोजिट फैसिलिटी (SDF) रेट 5·15 प्रतिशत से बढ़कर 5·6 प्रतिशत हुआ.*
- *2022-23 में देश की जीडीपी में वृद्धि का पूर्वानुमान अब 7·2 प्रतिशत से घटकर अब 7·0 प्रतिशत.*
- *2022-23 में Q_1 में वृद्धि 13·5 प्रतिशत रही, Q_2 में 6·3 प्रतिशत Q_3 में 4·6 प्रतिशत तथा Q_4 में वृद्धि 4·6 प्रतिशत रहने के ताजा पूर्वानुमान.*
- *2023-24 में पहली तिमाही (Q_1) से आर्थिक वृद्धि 7·2 प्रतिशत रहने का ताजा पूर्वानुमान.*
- *2022-23 में खुदरा मुद्रा स्फीति 6·7 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान भी बरकरार.*
- *मुद्रा स्फीति की दर 2022-23 की दूसरी तिमाही (Q_2) में 7·1 प्रतिशत, Q_3 में 6·5 प्रतिशत व Q_4 में 5·8 प्रतिशत रहने का आरबीआई का पूर्वानुमान.*

2022-23 में प्रमुख बैंकिंग दरें

(प्रतिशत)

	8 अप्रैल, 2022 की स्थिति	4 मई, 2022 की स्थिति	8 जून, 2022 की स्थिति	5 अगस्त, 2022 की स्थिति	30 सितम्बर, 2022 की स्थिति
रेपोदर	4·00	4·40	4·90	5·40	5·90
रिवर्स रेपो दर	3·35	3·35	3·35	3·35	3·35
स्टैंडिंग डिपॉज़िट फैसिलिटी (SDF) रेट	3·75	4·15	4·65	5·15	5·65
मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (MSF) रेट	4·25	4·65	5·15	5·65	6·15
बैंक रेट	4·25	4·65	5·15	5·65	6·15
नकद आरक्षण अनुपात (CRR)	4·00	4·50*	4·50	4·50	4·50
सांविधिक तरलता अनुपात	18·00	18·00	18·00	18·00	18·00

* यह दर 21 मई, 2022 से 4·50 प्रतिशत की गई थी.

नवीनतम सामान्य ज्ञान

शब्द संक्षेप
(Abbreviation)

वाईयूवीए (युवा)–यंग, अपकमिंग एण्ड वर्सटाइल आंथर्स

YUVA—Young, Upcoming and Versatile Authors

व्याख्या–चुनींदा प्रतिभाशाली युवा लेखकों को लेखन के क्षेत्र में कुशल मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए इस योजना की घोषणा सरकार ने 2 अक्टूबर, 2022 को की है. इसके तहत् 75 युवा लेखकों का खुली प्रतियोगिता के माध्यम से चयन कर उन्हें मार्गदर्शन हेतु कुशल लेखकों के साथ सम्बद्ध किया जाएगा. इन युवा लेखकों द्वारा रचित पहली पुस्तक का प्रकाशन 2 अक्टूबर, 2023 को किया जाएगा.

नियुक्तियाँ
(Appointments)

रोजा ओटुनबायेवा अब अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र की नई विशेष दूत

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटरेस ने किर्गिस्तान की पूर्व राष्ट्रपति रोजा-ओटुन बायेवा (Roza Otun bayeva) को संकटग्रस्त अफगानिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की नई विशेष दूत (UN Special envoy for Afghanistan) सितम्बर 2022 में नियुक्त किया है. इसके साथ ही अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के सहायता मिशन (United Nations Assistance Mission in Afghanistan–UNAMA) के प्रमुख के पद पर कनाडा की डेबोरा लियांस का स्थान उन्होंने लिया है.

रोजा ओटुनबायेवा

सकाल मीडिया के प्रताप पवार ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशंस के नए चेयरमैन

मराठी दैनिक समाचार-पत्र **सकाल** का प्रकाशन करने वाले सकाल मीडिया प्रा. लि. के चेयरमैन प्रताप जी. पवार को मीडिया जगत् के ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशंस (ABC) का सन् 2022-23 के लिए चेयरमैन सितम्बर 2022 में बनाया गया है. इस पद पर यूनाइटेड ब्रेवरीज के श्री देवव्रत मुखर्जी का स्थान पद्मश्री (2014) से सम्मानित श्री पवार ने लिया है.

के. राजा प्रसाद रेड्डी इंडियन न्यूज पेपर सोसायटी के नए अध्यक्ष, अमर उजाला के तन्मय माहेश्वरी कोषाध्यक्ष

तेलुगू दैनिक समाचार-पत्र साक्षी के के. राजा प्रसाद रेड्डी इंडियन न्यूज पेपर सोसायटी (INS) के नए अध्यक्ष 24 सितम्बर को सोसायटी की 83वीं वार्षिक बैठक में निर्वाचित हुए हैं. इस पद पर इकोनॉमिक टाइम्स के मोहित जैन का स्थान श्री रेड्डी ने लिया है.

हिन्दी दैनिक अमर उजाला के तन्मय माहेश्वरी को सोसायटी की उपर्युक्त बैठक में सोसायटी का कोषाध्यक्ष चुना गया है.

डॉ. एम. श्रीनिवास अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (नई दिल्ली) के नए निदेशक

हैदराबाद स्थित ईएसआईसी अस्पताल सह मेडिकल कॉलेज में डीन रहे प्रो. एम. श्रीनिवास नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) के नए निदेशक सितम्बर 2022 में नियुक्त किए गए हैं. डॉ. श्रीनिवास ने इस पद पर डॉ. रणदीप गुलेरिया, जिनका बढ़ा हुआ कार्यकाल 23 सितम्बर, 2022 को पूरा हुआ है, का स्थान लिया है.

डॉ. एम. श्रीनिवास

ईएसआईसी अस्पताल में डीन बनाए जाने से पूर्व डॉ. श्रीनिवास 'एम्स' में ही बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष रहे थे.

डॉ. राजीव बहल आईसीएमआर के नए महानिदेशक

सरकार ने डॉ. राजीव बहल की नियुक्ति भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसन्धान परिषद् (Indian Council of Medical Research–ICMR) के महानिदेशक (DG) पद पर सितम्बर 2022 में की है. उनकी यह नियुक्ति तीन वर्ष के लिए की गई है. इसके साथ ही केन्द्र सरकार के स्वास्थ्य अनुसन्धान विभाग के सचिव भी वह होंगे. इस नियुक्ति से पूर्व डॉ. बहल विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) से सम्बद्ध रहे थे.

जनरल अनिल चौहान देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ

जनरल अनिल चौहान देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (Chief of Defence Staff–CDS) सितम्बर 2022 में नियुक्त किए गए हैं. भारत के सैन्य बलों में यह पद 1 जनवरी, 2020 से ही सृजित किया गया था तथा इस पद को सुशोभित करने वाले पहले सैन्य अधिकारी जनरल बिपिन रावत थे, जिनका निधन बाद में 8 दिसम्बर, 2021 को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हो गया था. उनके निधन के बाद विगत 9 माह से यह पद रिक्त था.

नए सीडीएस जनरल अनिल चौहान

- *जनरल अनिल चौहान देश के दूसरे सीडीएस हैं. जिन्होंने 30 सितम्बर, 2022 से अपना यह कार्यभार सँभाला है.*
- *सीडीएस का पद सँभालने के साथ-साथ भारत सरकार के सैन्य मामलों के विभाग के सचिव भी वह होंगे.*
- *सेना में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर रहने के पश्चात् जनरल रैंक के चौहान 31 मई 2021 को पूर्वी कमान के 'जनरल ऑफीसर कमांडिंग इन चीफ' (GOC-in-C) के पद पर रहते हुए सेवानिवृत्त हुए थे. इससे पूर्व सैन्य अभियानों के महानिदेशक (DGMO) वह रहे थे. अंगोला में संयुक्त राष्ट्र मिशन में भी उन्होंने कार्य किया था.*
- *नवनियुक्त सीडीएस जनरल अनिल चौहान ऐसे पहले सीडीएस हैं, जो ले. जनरल के पद से सेवानिवृत्त होने के बावजूद तीनों सेनाध्यक्षों से ओहदे में ऊपर हो गए हैं. ऐसा सीडीएस की नियुक्ति के मामले में जून 2022 में नियमों में किए गए बदलाव के कारण सम्भव हुआ है.*

naukaritak.com for Dec 2022

सिबी जॉर्ज अब जापान में भारत के नए राजदूत

कुवैत में भारत के राजदूत रहे सिबी जॉर्ज (Sibi George) अब जापान में भारत के नए राजदूत होंगे. इस पद पर संजय कुमार वर्मा का स्थान वह लेंगे.

नीता भूषण न्यूजीलैण्ड में भारत की नई राजदूत

भारतीय विदेश सेवा की 1994 बैच की अधिकारी सुश्री नीता भूषण अब न्यूजीलैण्ड में भारत की नई उच्चायुक्त सितम्बर 2022 में नियुक्त की गई हैं. इस नियुक्ति से पूर्व वह विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव थीं.

आर. वेंकटरमणि भारत के नए एटॉर्नी जनरल

वरिष्ठ अधिवक्ता आर. वेंकटरमणि देश के नए महान्यायवादी (Attorney General) 1 अक्टूबर, 2022 से बनाए गए हैं. इस पद पर श्री के. के. वेणुगोपाल का स्थान उन्होंने लिया है. वेणुगोपाल 1 जुलाई, 2017 से देश के एटॉर्नी जनरल थे तथा उनके कार्यकाल में तीन बार वृद्धि सरकार ने की थी. उनका यह बढ़ा हुआ कार्यकाल 30 सितम्बर, 2022 को समाप्त हो गया जिसके पश्चात् 1 अक्टूबर, 2022 से श्री वेंकटरमणि को यह कार्यभार सौंपा गया है. इस पद पर उनकी यह नियुक्ति 3 वर्ष के लिए की गई है.

आर. वेंकटरमणि भारत के नए एटॉर्नी जनरल

अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुनर्निर्वाचित

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव 5 वर्ष के एक और कार्यकाल के लिए पार्टी के अध्यक्ष 29 सितम्बर, 2022 को लखनऊ में पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं. उन्हें तीसरी बार पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है. पहली बार 1 जनवरी, 2017 को पार्टी के आपात अधिवेशन में श्री मुलायम सिंह यादव के स्थान पर उन्हें पार्टी का अध्यक्ष चुना गया था. बाद में अक्टूबर 2017 में आगरा में पार्टी के नियमित अधिवेशन में उन्हें दूसरी बार पार्टी अध्यक्ष चुना गया था. उसी समय पार्टी के संविधान में परिवर्तन कर पार्टी अध्यक्ष का कार्यकाल 3 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष किया गया था. इसी क्रम में उन्हें अब 29 सितम्बर, 2022 को तीसरी बार पार्टी अध्यक्ष पार्टी के लखनऊ अधिवेशन में चुना गया है.

अखिलेश यादव

पुरस्कार/सम्मान (Awards/Honours)

अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबालर (2021-22)

अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (AIFF) ने वर्ष 2021-22 के लिए अपने पुरस्कारों की घोषणा अगस्त 2022 में की. इनमें सुनील क्षेत्री को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का तथा मनीषा कल्याण को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया है.

भारतीय टीम के कप्तान सुनील क्षेत्री को यह पुरस्कार सातवीं बार प्राप्त हुआ है. इससे पूर्व 2007, 2011, 2013, 2014, 2017-18 व 2018-19 का यह पुरस्कार उन्हें प्राप्त हो चुका है. सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार मनीषा कल्याण को पहली बार ही मिला है. इससे पूर्व वर्ष 2020-21 के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी का पुरस्कार उन्हें प्राप्त हो चुका है.

एआईएफएफ के वर्ष 2021-22 के सभी पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है–

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी– सुनील छेत्री

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी– मनीषा कल्याण

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी (पुरुष)–विक्रम प्रताप सिंह

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी (महिला)–मार्टिना थॉकचोम

राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार (2018-19)

देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न श्रेणियों में राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कारों का वितरण पर्यटन मंत्रालय द्वारा किया जाता है. यह पुरस्कार राज्य सरकारों/केन्द्रशासित क्षेत्रों, वर्गीकृत होटलों, विरासत होटलों, टूर ऑपरेटरों, व्यक्तियों व अन्य निजी संगठनों को अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए दिए जाते हैं. वर्ष 2017-18 के राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कारों का वितरण 27 सितम्बर, 2019 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में किया गया था. **वर्ष 2018-19 के इन पुरस्कारों का वितरण अब 27 सितम्बर, 2022 को विश्व पर्यटन**

विभिन्न वर्षों में भारत के सर्वश्रेष्ठ फुटबाल खिलाड़ी

(पुरुष)

वर्ष	पुरस्कृत खिलाड़ी	वर्ष	पुरस्कृत खिलाड़ी
1992	आई. एम. विजयन	2008	भाइचुंग भूटिया
1993	वी. पी. साथयान	2009	सुब्रत पॉल
1994	जो पॉल अंचेरी	2010	गुरमांगी सिंह
1995	भाइचुंग भूटिया	2011	सुनील छेत्री
1996	ब्रूनो कूटिन्हो	2012	सैयद रहीम नाबी
1997	आई. एम. विजयन	2013	सुनील छेत्री
2000	आई. एम. विजयन	2014	सुनील छेत्री
2001	जो पॉल अंचेरी	2015	ई. लिंगदोह
2002	दीपक मोंडल	2016	जे. जे. लालपेखुला
2003	तोम्बा सिंह	2017-18	सुनील छेत्री
2004	एस. वेंकटेश	2018-19	सुनील छेत्री
2005	क्लाइमेक्स लॉरेंस	2019-20	गुरप्रीत सिंह संधू
2006	सुरकुमार सिंह	2020-21	संदेश झिंगन
2007	सुनील छेत्री	2021-22	सुनील छेत्री

(महिला)

वर्ष	पुरस्कृत खिलाड़ी	वर्ष	पुरस्कृत खिलाड़ी
2001	ओइनाम बेमबेम देवी	2017	युगनाम कमला देवी
2002–12	किसी को नहीं दिया गया	2018-19	लोइतोंगबाम आशालता देवी
2013	ओइनाम बेमबेम देवी	2019-20	संजू यादव
2014	बाला देवी	2020-21	बाला देवी
2015	बाला देवी	2021-22	मनीषा कल्याण
2016	सस्मिता मलिक		

दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने किया. केन्द्रीय पर्यटन मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी इस अवसर पर उपस्थित थे. 2018-19 के लिए कुल 81 पुरस्कार निम्नलिखित को प्रदान किए गए–

- पर्यटन के समग्र विकास के लिए उत्तराखण्ड को पहला, महाराष्ट्र को दूसरा तथा तेलंगाना को तीसरा पुरस्कार इनमें प्रदान किया गया.
- गुजरात के अहमदाबाद को सर्वश्रेष्ठ हैरिटेज सिटी का पुरस्कार दिया गया.
- सर्वश्रेष्ठ टूरिस्ट फ्रैंडली रेलवे स्टेशन का पुरस्कार तेलंगाना स्थित सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन को मिला.

राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोह में उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़

- प्रमुख शहरों में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन अनुकूल हवाई अड्डे का पुरस्कार श्रेणी के शहरों में कोलकाता स्थित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को तथा अन्य शहरों के मामले में यह इंदौर के देवी अहिल्याबाई होल्कर हवाई अड्डे को दिया गया.
- साहसी पर्यटन हेतु सर्वश्रेष्ठ राज्य (Best State for Adventure Tourism) का पुरस्कार उत्तराखण्ड को दिया गया.
- सर्वश्रेष्ठ द्विव्यांग मित्र स्मारक (Best Disabled Friendly Monument) का पुरस्कार मध्य प्रदेश में भोजपुर के शिव मंदिर को दिया गया.
- सर्वश्रेष्ठ 'पर्यटन मित्र गोल्फ कोर्स' (Tourism Friendly Golf Course) का पुरस्कार हैदराबाद स्थित हैदराबाद गोल्फ कोर्स को मिला.
- 5 स्टार डीलक्स श्रेणी के होटलों में सर्वश्रेष्ठ होटल का पुरस्कार ताजमहल पैलेस (मुम्बई) को जहाँ मिला, वहीं 5-स्टार होटलों की श्रेणी में द गेटवे होटल (विजयवाड़ा) को, तथा 4-स्टार होटलों की श्रेणी में ताज कुमारकम (कोट्टायम) को सर्वश्रेष्ठ होटल के पुरस्कार दिए गए. सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण मित्र होटल का पुरस्कार आईटीसी राजपूताना (जयपुर) को मिला.
- सर्वश्रेष्ठ स्टैंड-अलोन कन्वेंशन सेंटर का पुरस्कार इंडिया एक्सपोजीशन सेंटर एंड मार्ट लि. नोएडा को दिया गया.

प्राइम टाइम एमी पुरस्कार-2022

अमरीकी टेलीविजन कार्यक्रमों के वर्ष 2022 के (74वें) एमी पुरस्कारों (Emmy Awards) का वितरण लॉस एंजेल्स में 12 सितम्बर, 2022 को किया गया. 1 जून, 2021 से 31 मई, 2022 के दौरान प्रस्तुत कार्यक्रमों पर ही विचार एकेडमी टेलीविजन आर्ट्स एण्ड साइंसेज (ATAS) द्वारा किया गया. इनमें प्रमुख पुरस्कार निम्नलिखित के लिए दिए गए–

- **आउटस्टैंडिंग कॉमेडी सीरिज** का पुरस्कार एप्पल टीवी के टेड लस्सो (Ted Lasso) को इन पुरस्कारों के तहत् मिला, जबकि आउटस्टैंडिंग ड्रामा सीरिज का पुरस्कार एचबीओ के सीरियल सक्सेशन (Succession) को दिया गया.
- कॉमेडी सीरिज में मुख्य भूमिका में आउट स्टैंडिंग अभिनेता का पुरस्कार एप्पल टीवी के टेड लस्सो में टेड लस्सो की भूमिका के लिए जैसन सुडेकिस (Jason Sudeikis) को तथा इस श्रेणी में आउटस्टैंडिंग अभिनेत्री का पुरस्कार एचबीओ मैक्स के डेबोराह वांस (Deborah Vance) में हैक्स की भूमिका के लिए जीन स्मार्ट (Jean Smart) को दिया गया.
- ड्रामा सीरिज में मुख्य भूमिका में आउट स्टैंडिंग अभिनेता का पुरस्कार नेटफ्लिक्स के स्क्विड गेम (Squid Game) में सियोंग जी हुम की भूमिका के लिए ली जुंग-जे (Lee Jung-Jae) को तथा आउट स्टैंडिंग अभिनेत्री का पुरस्कार एचबीओ के सीरियल 'यूफोरिया' में भूमिका के लिए जेड्या (Zendya) को दिया गया.

गुजराती फिल्म 'छेल्लो शो' ऑस्कर पुरस्कार (2023) हेतु भारत की आधिकारिक प्रविष्टि

गुजराती फिल्म 'छेल्लो शो' (Last Film Show) वर्ष 2023 के ऑस्कर फिल्म पुरस्कारों के लिए सर्वश्रेष्ठ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म की श्रेणी में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि होगी. पेन नलिन द्वारा निर्देशित इस फिल्म का प्रीमियर 2021 में ट्रिबेका फिल्म फेस्टीवल में हुआ था. अक्टूबर 2021 में इस फिल्म के वलाडोलिड अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में गोल्डन स्पाइक पुरस्कार जीता था.

वर्ष 2023 के 95वें ऑस्कर पुरस्कारों की घोषणा 12 मार्च, 2023 को लॉस एंजेल्स में की जाएगी.

विश्व में सर्वाधिक फिल्मों का निर्माण भारत में होता है, किन्तु भारत की कोई भी फिल्म अभी तक ऑस्कर पुरस्कार नहीं जीत सकी है. भारत की तीन फिल्में अभी तक सर्वश्रेष्ठ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म की श्रेणी में शॉर्टलिस्ट (शीर्ष 5 फिल्मों में स्थान) हो चुकी हैं. इनमें मदर इंडिया (1958), सलाम बॉम्बे (1989) व लगान (2001) शामिल हैं, किन्तु इनमें से किसी को भी यह पुरस्कार नहीं मिला है.

साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार (2022)

साहित्य अकादमी के वर्ष 2022 के युवा पुरस्कार हेतु 23 भाषाओं के युवा साहित्यकारों को उनकी उत्कृष्ट रचनाओं के लिए फिलहाल चुना गया है, जबकि मराठी भाषा के लिए पुरस्कार की घोषणा बाद में करने की बात अकादमी की 24 अगस्त, 2022 की विज्ञप्ति में कही गई है.

- *हिन्दी भाषा के लिए यह पुरस्कार भगवंत अनमोल को उनके उपन्यास प्रमेय के लिए तथा अंग्रेजी भाषा के लिए यह मिहिर वत्स को उनके संस्मरण 'टेल्स ऑफ हजारी बाग' के लिए दिया गया है.*
- *पुरस्कृत रचनाओं में 10 कविता संग्रह 5 लघु कथा संग्रह, 3 उपन्यास तथा 1-1 व्यंग, आत्म कथा व निबन्ध संग्रह शामिल हैं.*
- *साहित्य अकादमी के युवा पुरस्कार ऐसी रचनाओं के लेखकों को ही दिए जाते हैं, जिनकी उम्र पुरस्कार वर्ष की 1 जनवरी को 35 वर्ष से कम हो.*
- *युवा पुरस्कार के तहत् पुरस्कृत लेखकों को पुरस्कार के तहत् ताम्र-पत्र के साथ ₹50-50 हजार की राशि बाद में किसी समारोह में प्रदान की जाएगी.*
- *साहित्य अकादमी पुरस्कार संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं के अतिरिक्त अंग्रेजी व राजस्थानी सहित कुल 24 भाषाओं के लिए दिए जाते हैं.*

भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाएं

(i) असमी, (ii) बंगाली, (iii) गुजराती (iv) हिन्दी, (v) कन्नड़, (vi) कश्मीरी, (vii) कोंकणी, (viii) मलयालम, (ix) मणिपुरी, (x) मराठी, (xi) नेपाली, (xii) ओडिया, (xiii) पंजाबी, (xiv) संस्कृत, (xv) सिंधी, (xvi) तमिल, (xvii) तेलुगू, (xviii) उर्दू, (xix) बोडो (xx) संथाली, (xxi) मैथिली तथा (xxii) डोंगरी.

मध्य प्रदेश शासन का लता मंगेशकर पुरस्कार (2019, 2020 व 2021)

भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर की स्मृति में मध्य प्रदेश शासन द्वारा स्थापित वर्ष 2021 का लता मंगेशकर राष्ट्रीय

पुरस्कार प्रसिद्ध पार्श्व गायक कुमार शानू को दिया गया है. उन्हें यह पुरस्कार उनके जन्म दिवस 28 सितम्बर, 2022 को उनकी जन्म स्थली इंदौर में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदान किया गया. वर्ष 2019 व 2020 के लिए पुरस्कार की घोषणा पहले की जा चुकी थी, किन्तु कोविड-19 महामारी के चलते 2 वर्ष से समारोह का आयोजन न हो पाने के कारण यह पुरस्कार अभी तक दिए नहीं गए थे. **28 सितम्बर, 2022 को इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में ही वर्ष 2019 का लता मंगेशकर पुरस्कार गीतकार शैलेन्द्र सिंह को तथा 2020 का पुरस्कार संगीतकार जोड़ी आनंद-मिलिंद को प्रदान किया गया.**

इस पुरस्कार के तहत् ₹ 2 लाख की राशि मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा पुरस्कृत कलाकार को प्रदान की जाती है.

महाराष्ट्र सरकार का लता मंगेशकर पुरस्कार (2021-22)

भारत रत्न लता मंगेशकर की स्मृति में ₹ 5 लाख के राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना महाराष्ट्र शासन द्वारा भी की गई है. वर्ष 2021-22 का यह पुरस्कार शास्त्रीय बांसुरी वादक पं. हरिप्रसाद चौरसिया को प्रदान किया गया है. इससे पूर्व 2020-21 का पुरस्कार लताजी की छोटी बहन पार्श्व गायिका ऊषा मंगेशकर को दिया गया था.

68वाँ राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वितरण समारोह, नई दिल्ली

वर्ष 2020 में प्रदर्शित फिल्मों के लिए (68 वें) राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा केन्द्र सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा 22 जुलाई, 2022 को की गई थी. इन पुरस्कारों का वितरण बाद में 30 सितम्बर, 2022 को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में किया गया. इनमें वर्ष 2020 की सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार सुधा कोंगरा द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म सुरारई पोट्रू (Soorarai Pottru) को तथा सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार अजय देवगन (फिल्म–तान्हाजी : द अनसंग वारियर) व सूर्या (फिल्म–सुरारई पोट्रू) के लिए घोषित किया गया था. सुरारई पोट्रू में ही भूमिका के लिए अपर्णा बाल मुरली के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार घोषित किया गया था. (पुरस्कारों की पूरी सूची प्रतियोगिता दर्पण के सितम्बर 2022 अंक में पृष्ठ 33 पर प्रकाशित है.)

इन सभी पुरस्कारों का वितरण 30 सितम्बर, 2022 को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में किया गया.

बीते वर्षों की जानी-मानी अभिनेत्री, निर्देशक, निर्माता व नृत्यांगना आशा पारेख को वर्ष 2020 का दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

बॉलीवुड की बीते वर्षों की जानी-मानी अभिनेत्री, निर्देशक, निर्माता व नृत्यांगना आशा पारेख को वर्ष 2020 के लिए देश के सिनेमा जगत् के सर्वोच्च दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. 79 वर्षीय श्रीमती आशा पारेख को यह पुरस्कार 30 सितम्बर, 2022 को नई दिल्ली में 68वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वितरण समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने प्रदान किया.

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से दादा साहेब फाल्के पुरस्कार ग्रहण करते हुए आशा पारेख

- ***दादा साहेब फाल्के पुरस्कार देश में सिनेमा जगत् का सर्वोच्च पुरस्कार है, जोकि सिनेमा के क्षेत्र में रचनात्मक योगदान के लिए प्रदान किया जाता है.** इस पुरस्कार के तहत् स्वर्ण कमल के साथ ₹ 10 लाख की राशि प्रदान की जाती है.*
- *दादा साहेब फाल्के पुरस्कार की स्थापना 1969 में दादा साहेब के जन्म शताब्दी वर्ष में की गई थी तथा **आशा पारेख यह पुरस्कार पाने वाली 52वीं हस्ती (7वीं महिला) हैं.** उनसे पूर्व यह पुरस्कार पाने वाली महिलाओं में श्रीमती देविका रानी (1969 का पहला पुरस्कार), रूबी मेयर्स (1973), कानन देवी (1976), दुर्गा खोटे (1983), लता मंगेशकर (1989) व आशा भोंसले (2000) शामिल हैं. इस प्रकार 20 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् किसी महिला को यह पुरस्कार दिया गया है.*
- *वर्ष 2020 के दादा साहेब फाल्के पुरस्कार हेतु आशा पारेख का चयन 5 सदस्यीय ज्यूरी द्वारा सर्वसम्मति से किया गया था. फिल्म जगत की जानी-मानी पाँच हस्तियाँ, पार्श्व गायिका आशा भोंसले, अभिनेत्री एवं सांसद हेमा मालिनी, अभिनेत्री पूनम ढिल्लन, पार्श्व गायक उदित नारायण व कन्नड़ फिल्म निर्देशक टी.एस. नागभरण इस ज्यूरी के सदस्यों में शामिल थे.*
- *आशा पारेख ने 1952 में केवल 10 वर्ष की आयु में बाल कलाकार के रूप में फिल्म जगत् में प्रवेश किया था तथा बाद में 1959 में फिल्म–'दिल दे के देखो' में नायिका के रूप में कॅरियर की शुरूआत की. 95 से अधिक फिल्मों में अभिनय उन्होंने किया. 1960 व 1970 के दशक की सफलतम अभिनेत्रियों में गिनी जाने वाली आशा पारेख की फिल्मों में–कटी पतंग, लव इन टोक्यो, आया सावन झूम के व तीसरी मंजिल आदि शामिल हैं. 1992 में पद्मश्री से उन्हें सम्मानित किया गया था.*

निधन
(Death)

सायरस मिस्त्री

देश के अग्रणी उद्योगपतियों में से एक सायरस मिस्त्री (Cyrus Mistry) का 54 वर्ष की आयु में 4 सितम्बर, 2022 को मुम्बई के निकट पालघर में कार दुर्घटना में निधन हो गया. 2012–16 के दौरान टाटा संस के चेयरमैन रहे सायरस मिस्त्री अपनी मर्सिडीज कार से अहमदाबाद से मुम्बई लौट रहे थे तथा तेज स्पीड से चल रही उनकी कार पालघर में एक डिवाइडर से टकरा गई. कार चला रही डॉ. अनाहिता पंडोले (मुम्बई की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ) व उनके पति डेरियस पंडोले इस दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल हुए, जबकि कार में सवार जहाँगीर (डेरियस के भाई) व सायरस मिस्त्री की दुर्घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई. आयरिश नागरिकता प्राप्त सायरस मिस्त्री के पिता पल्लोनजी मिस्त्री का निधन भी दो माह पूर्व 28 जून, 2022 को हुआ था.

सायरस मिस्त्री

टाटा संस में सबसे बड़े शेयर धारक पल्लोनजी ग्रुप के टाटा परिवार के साथ घनिष्ठ औद्योगिक सम्बन्धों के साथ-साथ पारिवारिक सम्बन्ध भी थे. बाद में इन सम्बन्धों में खटास सायरस मिस्त्री को टाटा संस का चेयरमैन बनाए जाने के बाद बढ़ी. तब रतन टाटा की पहल पर ही सायरस मिस्त्री को टाटा संस के चेयरमैन पद से हटाया गया. यह विवाद बाद में सर्वोच्च न्यायालय तक गया.

राजू श्रीवास्तव

जाने-माने कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव का 21 सितम्बर, 2022 को नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में निधन हो गया. उनकी आयु 58 वर्ष थी. हृदयाघात के चलते 42 दिन पूर्व उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहाँ वह अधिकांश समय तक वेंटीलेटर पर ही रहे. मूलतः कानपुर के श्री राजू श्रीवास्तव का मूल नाम सत्य प्रकाश श्रीवास्तव था तथा उन्हें गजोधर नाम से भी जाना जाता था. बॉलीवुड की कुछ फिल्मों में तथा टीवी सीरियल्स में भूमिकाएं भी उन्होंने निभाई थीं.

राजू श्रीवास्तव

naukaritak.com for Dec 2022

बी. बी. लाल

प्रसिद्ध पुरातत्ववेत्ता व भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के पूर्व महानिदेशक प्रो. ब्रज बासी लाल का 10 सितम्बर, 2022 को नई दिल्ली में 101 वर्ष की आयु में निधन हो गया. अयोध्या में बाबरी ढाँचे के नीचे राम मन्दिर होने के साक्ष्य खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका उनकी रही थी. वर्ष 2000 में पद्म भूषण से तथा 2021 में पद्म विभूषण से उन्हें सम्मानित किया गया था.

बी. बी. लाल

इलाहाबाद विश्वविद्यालय से संस्कृत में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त प्रो. लाल 1968-1972 के दौरान भारत के पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक तथा बाद में शिमला स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के निदेशक वह रहे थे. 20 पुस्तकों के लेखक प्रो. लाल के 200 से अधिक शोध-पत्र प्रकाशित थे.

वर्ष/दिवस/सप्ताह (Year/Days/Week)

सितम्बर 2022

1 सितम्बर–जीवन बीमा निगम (LIC) का स्थापना दिवस

(1 सितम्बर, 2022 को भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना के 66 वर्ष पूर्ण हुए हैं)

2 सितम्बर–विश्व नारियल दिवस

(2 सितम्बर एशिया एण्ड पैसिफिक कोकोनेट कम्युनिटी–APCC का स्थापना दिवस है. इसी परिप्रेक्ष्य में विश्व नारियल दिवस 2 सितम्बर को मनाया जाता है)

1-7 सितम्बर–राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

5 सितम्बर–शिक्षक दिवस

(पूर्व राष्ट्रपति स्व. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस)

8 सितम्बर–अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

9 सितम्बर–हिमालय दिवस

(उत्तराखण्ड सरकार द्वारा घोषित)

10 सितम्बर–आत्महत्या की रोकथाम हेतु वैश्विक दिवस (World Suicide Prevention Day)

14 सितम्बर–हिन्दी दिवस

(14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा ने हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था. इसी परिप्रेक्ष्य में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है.)

15 सितम्बर–अन्तर्राष्ट्रीय लोकतन्त्र दिवस

15 सितम्बर–अभियन्ता दिवस

16 सितम्बर–ओजोन परत संरक्षण दिवस

17 सितम्बर–प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी का जन्म दिवस

21 सितम्बर–विश्व शान्ति दिवस

22 सितम्बर–विश्व कार-मुक्त दिवस

(वाहन स्वामियों के एक दिन अपनी कार न चलाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विश्व भर में 22 सितम्बर को कार मुक्त दिवस (Car Free Day) के रूप में मनाया जाता है.)

25 सितम्बर–अंत्योदय दिवस

(भारतीय जनसंघ व भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे पं. दीनदयाल उपाध्याय का जन्म दिवस, 25 सितम्बर को प्रतिवर्ष अंत्योदय दिवस के रूप में मनाने का फैसला केन्द्र सरकार ने सितम्बर 2014 में किया था.)

25 सितम्बर–पुत्री दिवस (Daughter's Day) (सितम्बर का चौथा रविवार)

(भारत में पुत्री दिवस सितम्बर के चौथे रविवार को मनाया जाता है. विभिन्न देशों में यह दिन अलग-अलग तिथियों में निर्धारित किया जाता है.)

26 सितम्बर–सीएसआईआर का स्थापना दिवस

27 सितम्बर–विश्व पर्यटन दिवस

29 सितम्बर–विश्व हृदय दिवस

ऑपरेशन/अभियान (Operation/Expedition)

लद्दाख क्षेत्र में भारतीय सेना का सैन्य अभ्यास–पर्वत प्रहार

पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में गोगरा व हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में भारतीय व चीनी सैनिकों के पीछे हटने का कार्य यद्यपि सितम्बर 2022 में कुछ सीमा तक सम्पन्न किया गया है, तथापि भारतीय सेना ने सतर्कता बरतते हुए 20 दिन का सैन्य अभ्यास सितम्बर 2022 में ही शुरू किया है, जिसे पर्वत प्रहार नाम दिया गया है. लद्दाख के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में यह सेना का अब तक का सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास है.

पुस्तकें (Books)

अम्बेडकर : ए लाइफ (Ambedkar : A life) —शशि थरूर

द लिविंग माउंटेन

(The Living Mountain) —अमिताभ घोष

बुकर पुरस्कार 2022 हेतु अल्पसूचीबद्ध छह पुस्तकें

वर्ष 2022 के बुकर पुरस्कार की घोषणा 17 अक्टूबर, 2022 को की जाएगी. इस पुरस्कार हेतु निम्नलिखित 6 पुस्तकों को अल्पसूचीबद्ध (Short List) किया गया है. अल्पसूचीबद्ध की गई 6 पुस्तकों की घोषणा 6 सितम्बर, 2022 को की गई–

पुस्तक	लेखक
ग्लोरी (Glory)	नो वायोलेट बुलावायो (जिम्बाब्वे)
द ट्रीज (The Trees)	पर्सीवल एवरेट (अमरीका)
ट्रीकल वाकर (Treacle Walker)	एलन गार्नर (इंगलैण्ड)
द सेवेन मून्स ऑफ माली अलमीड़ा (The Seven Moons of Maali Almeida)	शेहान करुणातिलका (श्रीलंका)
स्माल थिंग्स लाइक दीज़ (Small Things Like These)	क्लेयर कीगन (आयरलैण्ड)
ओह विलियम! (Oh Wiliam !)	एलिजाबेथ स्ट्राउट (अमरीका)

उपर्युक्त 6 अल्पसूचीबद्ध पुस्तकों में से ही किसी एक के लिए बुकर पुरस्कार लंदन में 6 सितम्बर, 2022 को प्रदान किया जाएगा. पुरस्कार के तहत् 50,000 पाउंड की राशि पुरस्कृत लेखक को प्रदान की जाएगी.

सम्मेलन (Conferences)

केन्द्र राज्य विज्ञान सम्मेलन

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वावधान में 2 दिवसीय केन्द्र राज्य विज्ञान सम्मेलन (Centre State Science Conclave) का आयोजन अहमदाबाद में साइंस सिटी में 10-11 सितम्बर, 2022 को हुआ. इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल तरीके से किया. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विजन 2047 प्रस्तुत करने के लिए सम्बन्धित मुद्दों पर चर्चा इस सम्मेलन में की गई.

दुर्घटना (Accident)

ताइवान में भीषण भूकम्प

द्वीपीय राष्ट्र ताइवान 17-18 सितम्बर, 2022 को भूकम्प के झटकों से दहला रहा.

शेष पृष्ठ 41 पर

खेलकूद

एथलेटिक्स

नीरज चोपड़ा का डायमंड लीग में जेवेलिन थ्रो में स्वर्ण पदक

जेवेलिन थ्रो में ओलम्पिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने ज्यूरिख में प्रतिष्ठित डायमंड लीग एथलेटिक्स में 8 सितम्बर, 2022 को 88·44 मी तक भाला फेंक कर स्वर्ण पदक जीतने में सफलता प्राप्त की. (इस सत्र में नीरज चोपड़ा का यह तीसरा पदक है) 7 अगस्त, 2021 को ओलम्पिक स्वर्ण पदक जीतने के पश्चात् विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भी रजत पदक जीता था.

नीरज चोपड़ा : डायमण्ड लीग की ट्रॉफी के साथ

इलियुड किपचोगे का बर्लिन मैराथन में नया विश्व रिकॉर्ड

जर्मनी में बर्लिन में 25 सितम्बर, 2022 को सम्पन्न (48वीं) बर्लिन मैराथन दौड़ में

इलियुड किपचोगे : नया विश्व रिकॉर्ड

पुरुष वर्ग में कीनिया के इलियुड किपचोगे (Eliud Kipchoge) व महिला वर्ग में इथियोपिया की टिगिस्ट असेफा (Tigist Assefa) विजेता रहे. 2 घण्टे 01 मिनट व 09 सेकण्ड में यह दौड़ पूरी करके नया विश्व रिकॉर्ड किपचोगे ने स्थापित किया. इस मामले में 2018 में इसी दौड़ में स्थापित 2: 01:39 के अपने ही पिछले विश्व रिकॉर्ड में सुधार किपचोगे ने किया.

कीनिया के किपचोगे ने चौथी बार यह रेस जीती है. महिला वर्ग की विजेता असेफा ने यह दौड़ 2 घण्टे 15 मिनट व 37 सेकण्ड पूरी करके नया कोर्स रिकॉर्ड स्थापित किया.

कीनिया के मार्क कोरिर (2:05:58) व इथियोपिया के टाडू अबाटे (2:06:28) पुरुषों में क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे. महिलाओं में दूसरा व तीसरा स्थान क्रमशः कीनिया की रोजमेरी वांजिरू (2:18:00) व इथियोपिया की टिगिस्ट अबायाचियु (2:18:03) ने प्राप्त किया.

क्रिकेट

जिम्बाब्वे के विरुद्ध ओडीआई शृंखला आस्ट्रेलिया ने 2-1 से जीती

मेजबान टीम के विरुद्ध तीन ओडीआई मैचों की शृंखला खेलने के लिए जिम्बाब्वे की टीम ने आस्ट्रेलिया का दौरा अगस्त-सितम्बर 2022 में किया. इस दौरे पर जिम्बाब्वे की क्रिकेट टीम टाउंसविले में तीसरे अंतिम एकदिवसीय मैच में तीन विकेट से यद्यपि जीती, तथापि पहले दोनों मैच आस्ट्रेलिया के पक्ष में रहने के कारण तीन एकदिवसीय मैचों की यह शृंखला आस्ट्रेलिया ने 2-1 से जीती.

आस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैण्ड के विरुद्ध ओडीआई शृंखला 3-0 से जीती

आस्ट्रेलिया के दौरे पर न्यूजीलैण्ड का क्रिकेट टीम ने तीन एकदिवसीय मैचों की शृंखला मेजबान टीम के विरुद्ध सितम्बर 2022 में खेली. वह तीनों ही मैच जीतकर आस्ट्रेलिया ने यह शृंखला (चैपेल-हेडली ट्रॉफी) 3-0 से जीत ली.

इस शृंखला की समाप्ति पर आस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान आरोन फिंच ने ओडीओई क्रिकेट से संन्यास ले लिया.

आस्ट्रेलिया के विरुद्ध टी-20 शृंखला भारत ने 2-1 से जीती

भारत के दौरे पर आस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम ने तीन ट्वेंटी-20 मैचों की शृंखला मेजबान टीम के विरुद्ध सितम्बर 2022 में खेली. इस दौरे पर पहला मैच आस्ट्रेलिया ने व दूसरा भारत ने जीता. 25 सितम्बर को हैदराबाद में राजीव गांधी अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम पर तीसरा मैच 6 विकेट से जीत कर भारत ने यह शृंखला 2-1 से अपने नाम की. इस शृंखला में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा थे.

भारत-इंगलैण्ड महिला क्रिकेट शृंखलाएं

इंगलैण्ड की महिला क्रिकेट टीम के साथ 3-3 मैचों की टी-20 व ओडीआई शृंखलाएं खेलने के लिए भारत की महिला क्रिकेट टीम ने इंगलैण्ड का दौरा सितम्बर 2022 में किया. इनमें 3 मैचों की टी-20 शृंखला जहाँ इंगलैण्ड ने 2-1 से जीती वहीं बाद में खेली गई 3 मैचों की ओडीआई शृंखला के तीनों मैच जीतकर यह शृंखला 3-0 से भारत ने जीती. इन शृंखलाओं में भारतीय टीम का नेतृत्व हरमनप्रीत कौर ने किया था.

24 सितम्बर को लॉर्ड्स के मैदान पर खेला गया तीसरा अंतिम मैच भारत की झूलन गोस्वामी का अंतिम अन्तर्राष्ट्रीय मैच था. पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत् इस मैच के पश्चात् अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास उन्होंने लिया.

पाकिस्तान को फाइनल में हराकर श्रीलंका एशिया कप क्रिकेट का विजेता

एशियाई क्रिकेट परिषद् (ACC) के पुरुषों के (15वें) एशिया कप क्रिकेट का आयोजन श्रीलंका की मेजबानी में 27 अगस्त-11 सितम्बर, 2022 को हुआ. श्रीलंका में चल रहे गम्भीर आर्थिक एवं राजनीतिक संकट के चलते इस टूर्नामेन्ट के मैच संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में दुबई व शारजाह में खेले गए. भारत व मेजबान श्रीलंका सहित 6 देशों की टीमें इस टूर्नामेन्ट में शामिल थीं. टूर्नामेन्ट में 4 अन्य टीमें पाकिस्तान, अफगानिस्तान बांग्लादेश व हांगकांग की थीं. 11 सितम्बर, 2022 को इस टूर्नामेन्ट का फाइनल मैच श्रीलंका व पाकिस्तान के बीच खेला गया. दुबई में खेले गए इस मैच में पाकिस्तान को 23 रनों से हराकर श्रीलंका ने छठी बार (टी-20 प्रारूप में पहली बार) यह टूर्नामेन्ट जीतने में सफलता प्राप्त की. भारत का तीसरा स्थान इसमें रहा. भारत इससे पूर्व सात बार एशिया कप का विजेता रहा है.

- **श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा को प्लेयर ऑफ द सीरिज घोषित किया गया.**
- टूर्नामेन्ट में सर्वाधिक 281 रन पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने बनाए, जबकि सर्वाधिक 11 विकेट भारत के भुवनेश्वर कुमार ने लिए.
- श्रीलंका ने 8 वर्ष के अंतराल के पश्चात् यह ट्रॉफी जीतने में सफलता प्राप्त की है.
- यह दूसरा अवसर था जब पुरुषों के एशिया कप का आयोजन टी-20 प्रारूप में हुआ. इससे पूर्व 2016 का 13वाँ एशिया कप भी टी-20 प्रारूप में खेला गया था. इसके शेष सभी 13 संस्करण ओडीआई प्रारूप में खेले गए हैं.

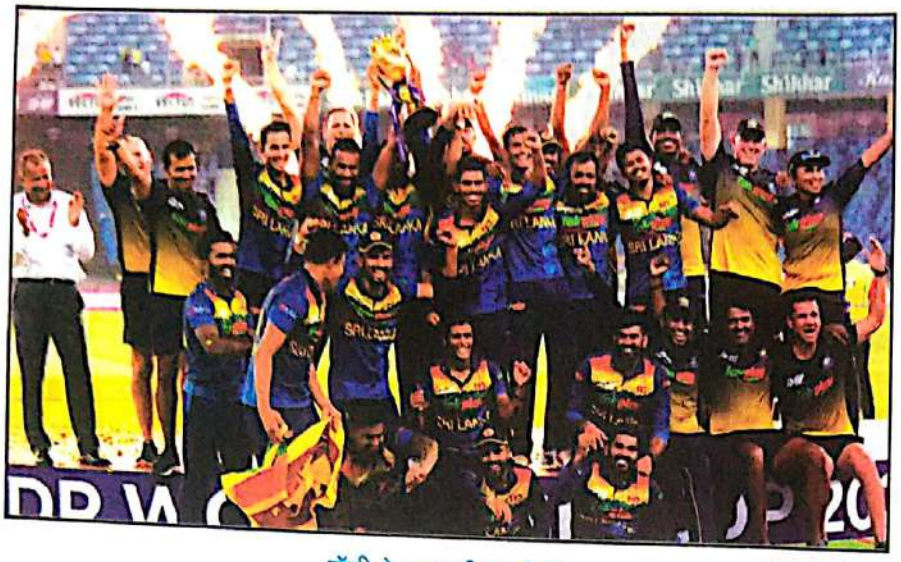

ट्रॉफी के साथ श्रीलंकाई टीम

बैडमिन्टन

जापान ओपन 2022

विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) का सुपर 750 लेवल का जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेन्ट ओसाका (जापान) में 30 अगस्त–4 सितम्बर, 2022 को सम्पन्न हुआ. इसमें पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब जापान के ही क्रमशः केंटा निशिमोतो (Kenta Nishimoto) व अकाने यामागुची (Akane Yamaguchi) ने जीते.

पुरुषों के एशिया कप क्रिकेट के विभिन्न आयोजन

क्र.	वर्ष	आयोजन स्थल	विजेता	उपविजेता	क्र.	वर्ष	आयोजन स्थल	विजेता	उपविजेता
1.	1984	संयुक्त अरब अमीरात	भारत	श्रीलंका	9.	2008	पाकिस्तान	श्रीलंका	भारत
2.	1986	श्रीलंका	श्रीलंका	पाकिस्तान	10.	2010	श्रीलंका	भारत	श्रीलंका
3.	1988	बांग्लादेश	भारत	श्रीलंका	11.	2012	बांग्लादेश	पाकिस्तान	बांग्लादेश
4.	1990-91	भारत	भारत	श्रीलंका	12.	2014	बांग्लादेश	श्रीलंका	पाकिस्तान
5.	1995	संयुक्त अरब अमीरात	भारत	श्रीलंका	13.	2016	बांग्लादेश	भारत	बांग्लादेश
6.	1997	श्रीलंका	श्रीलंका	भारत	14.	2018	संयुक्त अरब अमीरात	भारत	बांग्लादेश
7.	2000	बांग्लादेश	पाकिस्तान	श्रीलंका	15.	2022	श्रीलंका की मेजबानी में यूएई में	श्रीलंका	पाकिस्तान
8.	2004	श्रीलंका	श्रीलंका	भारत	16.	2023	पाकिस्तान (प्रस्तावित)		

दलीप ट्रॉफी (2022-23) : पश्चिम क्षेत्र रिकॉर्ड 9वीं बार विजेता

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के घरेलू क्रिकेट की प्रथम श्रेणी क्रिकेट की दलीप ट्रॉफी के 59वें संस्करण के लिए मैच 8–25 सितम्बर, 2022 को तमिलनाडु व पुदुचेरी में नॉकआउट प्रारूप में खेले गए. इस अन्तर्क्षेत्रीय टूर्नामेन्ट में 6 टीमें शामिल थीं. फाइनल मुकाबला पश्चिम क्षेत्र व दक्षिण क्षेत्र के बीच 21–25 सितम्बर को कोयम्बटूर में खेला गया जिसमें आंजिक्य रहाणे के नेतृत्व वाली प. क्षेत्र टीम 294 रनों से विजयी रही. पश्चिम क्षेत्र ने रिकॉर्ड 19वीं बार इस ट्रॉफी पर कब्जा किया है. दूसरे स्थान पर दक्षिण क्षेत्र ने 18 बार यह ट्रॉफी जीती है.

झूलन गोस्वामी का अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

भारत की जानी-मानी महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी ने लगभग 20 वर्ष के अन्तर्राष्ट्रीय कॅरियर के पश्चात् 24 सितम्बर, 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया. अपने कॅरियर का अंतिम 204वाँ एकदिवसीय मैच 24 सितम्बर को लंदन में लॉर्ड्स के मैदान पर इंगलैण्ड के विरुद्ध उन्होंने खेला (यह मैच भारत की महिला क्रिकेट टीम ने जीता) अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूपों–टेस्ट, वनडे व टी-20 में पदार्पण उन्होंने इंगलैण्ड के विरुद्ध ही किया था. प. बंगाल के चकदाह कस्बे की झूलन

झूलन गोस्वामी

गोस्वामी अपनी तेज गेंदबाजी के कारण 'चकदाह एक्सप्रेस' के नाम से ही जानी जाती थी. झूलन गोस्वामी ने अपने 20 वर्ष के अन्तर्राष्ट्रीय कॅरियर में 12 टेस्ट, 204 एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मैच तथा 68 टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं तथा 2008–2011 के दौरान भारत की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान भी वह रही थीं. वर्ष 2007 में आईसीसी द्वारा **वुमेन क्रिकेटर ऑफ द ईयर** घोषित झूलन को 2010 में अर्जुन पुरस्कार तथा 2012 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था.

4 सितम्बर को केंटा निशिमोतो ने फाइनल मुकाबले में ताइपै के चाउ तियेन-चेन को हराकर पुरुषों का एकल खिताब जहाँ जीता वहीं महिलाओं के एकल खिताब के लिए द. कोरिया की एन से-यंग को फाइनल में यामागुची ने हराया.

इस टूर्नामेन्ट का पुरुषों का युगल खिताब चीनी खिलाड़ियों की जोड़ी ने डेनमार्क की जोड़ी को हराकर जहाँ जीता वहीं महिलाओं का युगल द. कोरिया की जोड़ी ने तथा मिश्रित युगल खिताब थाइलैण्ड के खिलाड़ियों की जोड़ी ने जीता.

शतरंज

प्रणव आनंद भारत के 76वें ग्रांडमास्टर बने

बंगलूरू के 15 वर्षीय प्रणव आनंद शतरंज में भारत के नए ग्रांड मास्टर (GM) सितम्बर 2022 में बने हैं. उन्हें मिलाकर देश में शतरंज के ग्रांड मास्टर्स की संख्या 76 (सितम्बर 2022 के अंत तक) हो गई है.

बेंगलूरू (कर्नाटक) के प्रणव आनंद ने तीन ग्रांडमास्टर नॉर्म पहले से ही प्राप्त

naukaritok.com for PD Jan to Dec 2022

किए हुए थे, रूमानिया में विश्व युवा चैम्पियनशिप में खेलते हुए अपने ईलो

प्रणव आनंद : भारत के 76वें ग्रांडमास्टर

(Elo) अंकों की संख्या 2500 से अधिक उन्होंने 15 सितम्बर, 2022 को कर ली. इस प्रकार ग्रांडमास्टर खिताब के लिए आवश्यक दोनों जरूरतें–3 ग्रांड मास्टर नॉर्म तथा 2500 ईलो रेटिंग पूरी हो जाने से ग्रांडमास्टर का खिताब उन्होंने हासिल कर लिया. वह भारत के 76वें ग्रांड मास्टर हैं. इनमें दो महिलाएं (कोनेरू हम्पी व डी हरिका) शामिल हैं. इससे पूर्व तमिलनाडु के वेंकटेश प्रणव भारत के 75वें ग्रांडमास्टर अगस्त 2022 में बने थे.

भारत के सभी 76 ग्रांडमास्टर्स के नाम व उनके यह खिताब पाने का वर्ष दी गई तालिका में दर्शाया गया है–.

उल्लेखनीय है कि भारत के 76 शतरंज ग्रांडमास्टर्स में से सर्वाधिक 27 तमिलनाडु के व दूसरे स्थान पर 10 महाराष्ट्र के हैं. राजस्थान व गोवा से 1-1 खिलाड़ी ही ग्रांडमास्टर्स बने हैं, जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तराखण्ड, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों से एक भी खिलाड़ी यह खिताब हासिल नहीं कर सका है. विभिन्न राज्यों से

क्रमांक	ग्रांड मास्टर (GM)	जीएम खिताब का वर्ष	क्रमांक	ग्रांड मास्टर (GM)	जीएम खिताब का वर्ष
1.	विश्वनाथन आनंद (तमिलनाडु)	1987	39.	अश्विन जयराम (तमिलनाडु)	2015
2.	दिव्येंदु बरुआ प. बंगाल)	1991	40.	स्वप्निल एस. घोपडे (महाराष्ट्र)	2015
3.	प्रवीन थिप्से (महाराष्ट्र)	1997	41.	एस. एल. नारायणन (केरल)	2015
4.	अभिजीत कुंटे (महाराष्ट्र)	2000	42.	शार्दुल गगारे महाराष्ट्र (महाराष्ट्र)	2016
5.	के. शशिकिरण (तमिलनाडु)	2000	43.	दीप्तायन घोष (प. बंगाल)	2016
6.	पी. हरिकृष्णा (आन्ध्र प्रदेश)	2001	44.	प्रियदर्शन के. (तमिलनाडु)	2016
7.	कोनेरू हम्पी (आन्ध्र प्रदेश)	2002	45.	आर्यन चोपड़ा (दिल्ली)	2017
8.	सूर्य शेखर गांगुली (प. बंगाल)	2003	46.	श्रीनाथ नारायण (तमिलनाडु)	2017
9.	संदीपन चंदा (प. बंगाल)	2003	47.	हिमांशु शर्मा (हरियाणा)	2017
10.	आर. बी. रमेश (तमिलनाडु)	2004	48.	अनुराग महामल (गोवा)	2017
11.	तेजस बाकरे (गुजरात)	2004	49.	अभिमन्यु पुराणिक (महाराष्ट्र)	2017
12.	पी. मागेश चंद्रन (तमिलनाडु)	2006	50.	तेजकुमार एम.एस. (कर्नाटक)	2017
13.	दीपन चक्रवती (प. बंगाल)	2006	51.	सप्तर्षि रॉय (प. बंगाल)	2018
14.	नीलोत्पल दास (प. बंगाल)	2006	52.	आर. प्राग्नानंदा (तमिलनाडु)	2018
15.	परिमार्जन नेगी (दिल्ली)	2006	53.	निहाल सरीन (केरल)	2018
16.	जी.एन. गोपाल (केरल)	2007	54.	एरिगैसी अर्जुन (तेलंगाना)	2018
17.	अभिजीत गुप्ता (राजस्थान)	2008	55.	कार्तिक वेंकटरमन (तेलंगाना)	2018
18.	एस. अरुण प्रसाद (तमिलनाडु)	2008	56.	हर्ष भरत कोटि (तेलंगाना)	2018
19.	एस. किदम्बी (तमिलनाडु)	2009	57.	पी. कार्तिकेयन (तमिलनाडु)	2018
20.	आर.आर. लक्ष्मण (तमिलनाडु)	2009	58.	स्टैनी जीए (कर्नाटक)	2018
21.	श्रीराम झा (दिल्ली)	2010	59.	विसाख एन.आर. (तमिलनाडु)	2019
22.	दीपसेन गुप्ता (प. बंगाल)	2010	60.	डी. गुकेश (तमिलनाडु)	2019
23.	बी. अधिबन (तमिलनाडु)	2010	61.	पी. इनियान (तमिलनाडु)	2019
24.	एस.पी. सेतुरमन (तमिलनाडु)	2011	62.	स्वयं मिश्रा (ओडिशा)	2019
25.	डी. हरिका (आन्ध्र प्रदेश)	2011	63.	गिरीश कौशिक (कर्नाटक)	2019
26.	एम.आर. ललित बाबू (आन्ध्र प्रदेश)	2012	64.	प्रिथु गुप्ता (दिल्ली)	2019
27.	वैभव सूरी (दिल्ली)	2012	65.	रौनक साधवानी (महाराष्ट्र)	2019
28.	एम.आर. वेंकटेश (तमिलनाडु)	2012	66.	जी. आकाश (तमिलनाडु)	2020
29.	सहज ग्रोवर (दिल्ली)	2012	67.	लियॉन मेंडोंका (गोवा)	2020
30.	विदित गुजराती (महाराष्ट्र)	2013	68.	अर्जुन कल्याण (तमिलनाडु)	2021
31.	श्यामसुंदर एम. (तमिलनाडु)	2013	69.	हर्षित राजा (महाराष्ट्र)	2021
32.	अक्षय राज कोरे (महाराष्ट्र)	2013	70.	रित्विक राजा (तेलंगाना)	2021
33.	बिष्णु प्रसन्ना (तमिलनाडु)	2013	71.	संकल्प गुप्ता (महाराष्ट्र)	2021
34.	देबाशिष दास (ओडिशा)	2013	72.	मित्रमा गुहा (प. बंगाल)	2021
35.	सप्त ऋषि रॉय चौधरी (प. बंगाल)	2013	73.	भरत सुब्रमण्यम (तमिलनाडु)	2022
36.	अंकित राज पाय (गुजरात)	2014	74.	राहुल श्रीवास्तव (तेलंगाना)	2022
37.	अरविंद चिदम्बरम् (तमिलनाडु)	2015	75.	वेंकटेश प्रणव (तमिलनाडु)	2022
38.	कार्तिकेयन मुरली (तमिलनाडु)	2015	76.	प्रणव आनंद (कर्नाटक)	2022

naukaritak.com for PD Jan to Dec 2022

ग्रांडमास्टर खिताब हासिल करने वाले खिलाड़ियों की संख्या निम्नलिखित है–

राज्य	ग्रांडमास्टर खिलाड़ियों की संख्या (सितम्बर 2022 तक की स्थिति)
तमिलनाडु	27
महाराष्ट्र	10
प. बंगाल	9
दिल्ली	6
तेलंगाना	5
आन्ध्र प्रदेश	4
कर्नाटक	4
केरल	3
ओडिशा	2
गुजरात	2
गोवा	2
राजस्थान	1
हरियाणा	1
योग	76

डूरंड कप (2022) : फुटबाल क्लब बंगलूरू विजेता

एशिया के सबसे प्राचीन (131वें) डूरंड कप टूर्नामेन्ट का आयोजन 16 अगस्त–18 सितम्बर, 2022 के दौरान हुआ तथा इसके मैच कोलकाता, गुवाहाटी व इम्फाल में खेले गए. एशियाई फुटबाल कॉन्फेडरेशन (AFC) की मान्यता के पश्चात् यह टूर्नामेन्ट का पहला ही आयोजन था.

टूर्नामेन्ट का फाइनल 18 सितम्बर को बंगलूरू व मुम्बई सिटी की टीमों के बीच खेला गया जिसमें बंगलूरू टीम विजेता रही. बंगलूरू टीम ने पहली बार ही यह टूर्नामेन्ट जीता है. इस खिताबी विजय के लिए ₹ 50 लाख पुरस्कारस्वरूप बंगलूरू टीम को दिए गए, जबकि उपविजेता मुम्बई सिटी को ₹ 30 लाख मिले.

कल्याण चौबे अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ के नए अध्यक्ष

अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (AIFF) के 2 सितम्बर, 2022 को नई दिल्ली में सम्पन्न चुनाव में पूर्व वर्षों के प्रसिद्ध फुटबालर श्री कल्याण चौबे भारी बहुमत से अध्यक्ष निर्वाचित हुए. इस चुनाव में पूर्व दिग्गज फुटबालर श्री बाइचुंग भूटिया को 33-1 के बहुमत से उन्होंने पराजित किया.

कल्याण चौबे

इस पद पर श्री प्रफुल्ल पटेल, जिन्हें मई 2022 में सर्वोच्च न्यायालय ने पद से हटा दिया था, का स्थान श्री चौबे ने लिया है. महासंघ के 85 वर्षों के इतिहास में पहली बार कोई फुटबालर ही इसका अध्यक्ष चुना गया है. पिछले 34 वर्षों से तो वरिष्ठ राजनीतिज्ञ ही इसके अध्यक्ष रहे हैं. 1988–2008 तक श्री प्रियरंजन दास मुंशी व 2009–2022 के दौरान श्री प्रफुल्ल पटेल अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ के अध्यक्ष रहे थे. राष्ट्रीय खेल संहिता के नियमों के विरुद्ध पद पर बने रहने के कारण सर्वोच्च न्यायालय ने 18 मई, 2022 को उन्हें पद से हटा कर प्रशासकों की समिति (Committee of Administrators) की नियुक्ति महासंघ के कामों की देखरेख के लिए की थी. 'प्रशासकों की समिति' को बाहरी हस्तक्षेप मानते हुए 'फीफा' ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ की सम्बद्धता को 16 अगस्त, 2022 को निलंबित कर दिया था, जिसके पश्चात् महासंघ के चुनावों की घोषणा के पश्चात् ही एआईएफएफ की मान्यता को फीफा ने 26 अगस्त, 2022 को बहाल किया था.

ओडिशा जगरनॉट्स अल्टीमेट खो-खो के पहले संस्करण की विजेता

पुणे में सम्पन्न **अल्टीमेट खो-खो** के पहले संस्करण का खिताब **ओडिशा जगरनॉट्स** (Odisha Juggernauts) ने 4 सितम्बर, 2022 को फाइनल में तेलुगू योद्धाज़ टीम को 46-45 के अन्तर से हराकर जीता. 22 दिन तक चले इस टूर्नामेन्ट में ओडिशा जगरनॉट्स व तेलुगू योद्धाज़ के अतिरिक्त चार अन्य टीमें चेन्नई क्विक गन्स, गुजरात जायंट्स, मुम्बई खिलाड़ीज़ व राजस्थान वारियर्स 22 दिन तक चले इस टूर्नामेन्ट में शामिल थीं. विजेता टीम ओडिशा जगरनॉट्स को ₹ 1 करोड़ पुरस्कार में दिए गए, जबकि उपविजेता तेलुगू योद्धाज को ₹ 50 लाख मिले.

विश्व कप हॉकी (2023) जनवरी 2023 में भुवनेश्वर में

विश्व हॉकी महासंघ (FIH) के वर्ष 2023 के विश्व कप हॉकी टूर्नामेन्ट का आयोजन भारत में भुवनेश्वर में राउरकेला (ओडिशा) में 13–19 जनवरी, 2023 को होगा. मेजबान भारत सहित कुल 16 टीमें उसमें भाग लेंगी. लीग मैचों के लिए उन सभी 16 टीमों को 4-4 टीमों के 4 समूहों में विभाजित किया गया है–

पूल ए–आस्ट्रेलिया, अर्जेन्टीना, फ्रांस, द. अफ्रीका.

पूल बी–बेल्जियम, जर्मनी, द. कोरिया, जापान.

पूल सी–नीदरलैण्ड्स, न्यूजीलैण्ड, मलेशिया, चिली.

पूल डी–भारत, इंगलैण्ड, स्पेन, वेल्स.

दिलीप टिर्की हॉकी इंडिया के नए अध्यक्ष

भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान दिलीप टिर्की हॉकी इंडिया के नए अध्यक्ष सितम्बर 2022 में निर्विरोध चुने गए हैं. इस पद के लिए चुनाव 1 अक्टूबर को होना था, किन्तु अन्य दो उम्मीदवारों द्वारा नाम वापस ले लिए जाने के पश्चात् श्री टिर्की अकेले ही उम्मीदवार रह गए थे, जिससे 25 सितम्बर, 2022 को उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया.

दिलीप टिर्की

*राष्ट्रीय खेल संहिता का अनुपालन न होने के कारण दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश से **हॉकी इंडिया का प्रशासन 25 मई, 2022 से तीन सदस्यीय प्रशासन समिति (Committee of Administrators—CoA)** के अधीन था.*

डेविस कप मुकाबले में नॉर्वे के विरुद्ध भारत की 3-1 से पराजय

डेविस कप (2023) के लिए विश्व ग्रुप-I के मुकाबले में भारत को नॉर्वे से 3-1 से पराजय का सामना 16-17 सितम्बर, 2022 को करना पड़ा. नॉर्वे में लिलेहैमर में हुए मुकाबले में पहले दिन भारत के प्रजनेश व रामकुमार रामनाथन अपने एकल मैचों में नॉर्वे के कैस्पर रूड व विक्टर दुरासोविच से पराजित हुए. दूसरे दिन 17 सितम्बर को कैस्पर रूड व दुरासोविच की जोड़ी ने भारत के युकी-भांभरी व साकेत मिनेनी की जोड़ी को हराकर 3-0 की निर्णायक बढ़त बना ली.

naukaritalk.com for Dec 2022

रिकॉर्ड 23 ग्रांड स्लैम एकल खिताबों की विजेता सेरेना विलियम्स का पेशेवर टेनिस से संन्यास

ओपन युग में रिकॉर्ड 23 ग्रांड स्लैम एकल खिताबों की विजेता अमरीका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स (Serena Williams) ने ढाई दशक से भी अधिक समय के सफल टेनिस कॅरियर के पश्चात् सितम्बर 2022 में पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया. अपना अंतिम मैच 2 सितम्बर, 2022 को न्यूयॉर्क में अमरीकी ओपन में आस्ट्रेलिया की अजला तोमजानोविच के विरुद्ध उन्होंने खेला जिसमें पराजय का मुँह उन्हें देखना पड़ा. संन्यास लेने के पश्चात् सितम्बर 2022 में ही सेरेना (26 सितम्बर को) 41 वर्ष की हुई.

सेरेना विलियम्स

अक्टूबर 1995 से सितम्बर 2022 की अवधि में अपने पेशेवर कॅरियर में 319 सप्ताह तक नम्बर वन रही सेरेना ने अपने इस कॅरियर में (ओपन युग में) रिकॉर्ड 23 ग्रांड स्लैम एकल खिताब अपने नाम किए हैं. उनके 23 ग्रांड स्लैम एकल खिताबों में 7 आस्ट्रेलियाई ओपन (2003, 2005, 2007, 2009, 2010, 2015 व 2017), 7 विम्बलडन (2002, 2003, 2009, 2010, 2012, 2015 व 2016), 6 अमरीकी ओपन (1999, 2002, 2008, 2012, 2013 व 2014) तथा 3 फ्रांसीसी ओपन (2002, 2013 व 2015) खिताब शामिल हैं. इनके अतिरिक्त 14 ग्रांड स्लैम युगल व 2 मिश्रित युगल खिताबों की भी विजेता वह रही हैं.

पेशेवर टेनिस में 31 एकल मैच अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के विरुद्ध सेरेना ने खेले हैं जिनमें से 19 में सेरेना विजेता रही है.

रोजर फेडरर का भी पेशेवर टेनिस से संन्यास

सेरेना विलियम्स के टेनिस से संन्यास के तीन सप्ताह पश्चात् टेनिस के एक अन्य महान् खिलाड़ी रोजर फेडरर (Roger Federer) ने भी 41 वर्ष की आयु में पेशेवर टेनिस से संन्यास सितम्बर 2022 में ही लिया है. 20 ग्रांड स्लैम एकल खिताबों के विजेता स्विट्जरलैण्ड के रोजर फेडरर ने अपना अंतिम मैच 23 सितम्बर, 2022 को लंदन में लेबर कप टूर्नामेन्ट में खेला, जिसमें यूरोप की टीम में सदस्य के रूप में भाग लिया. इस टूर्नामेन्ट में राफेल नडाल में साथ जोड़ी बनाकर युगल मैच उन्होंने 23 सितम्बर को खेला तथा अपने इस अंतिम मैच में पराजय का सामना उन्होंने किया.

रोजर फेडरर

केवल 16 वर्ष की आयु में 1997 में पेशेवर टेनिस में प्रवेश कर एटीए रैंकिंग में शीर्ष तक वह पहुँचे. 237 सप्ताह तक विश्व के नम्बर एक खिलाड़ी रहे रोजर फेडरर का यह रिकॉर्ड सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने बाद में भंग किया था. अपने 25 वर्ष के पेशेवर कॅरियर में 20 ग्रांड स्लैम एकल जीतकर ऐसी उपलब्धि वाले पहले पुरुष खिलाड़ी होने का श्रेय उन्होंने प्राप्त किया था. उनका यह रिकॉर्ड भी राफेल नडाल व नोवाक जोकोविच ने बाद में तोड़ा था. (जोकोविच ने 21 ग्रांड स्लैम एकल खिताबों पर कब्जा बाद में किया, जबकि नडाल ने 22 ऐसे खिताब जीते हैं.) रोजर फेडरर के 20 ग्रांड स्लैम खिताबों में 6 आस्ट्रेलियाई ओपन (2004, 2006, 2007, 2010, 2017, 2018), 1 फ्रांसीसी ओपन (2009), 8 विम्बलडन (2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2009, 2012, 2017) तथा 5 अमरीकी ओपन खिताब (2004, 2005, 2006, 2007 व 2008) शामिल हैं.

चेन्नई ओपन (2022)

चेन्नई में 12–18 सितम्बर, 2022 को सम्पन्न डब्ल्यूटीए के चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेन्ट का एकल खिताब चैक गणराज्य की लिंडा फ्रुविरतोवा (Linda Fruhvirtova) ने तथा युगल गैब्रिएला डाब्रोस्की (कनाडा) व लुइसा स्टेफानी (ब्राजील) की जोड़ी ने जीता.

लिंडर फ्रुविरतोवा : चेन्नई ओपन की ट्रॉफी के साथ

डब्ल्यूटीए के इस लेवल 250 टूर्नामेन्ट में एकल खिताब के लिए 17 वर्षीय लिंडा ने फाइनल मुकाबले में पोलैण्ड की मागदा लिनेटी को पराजित किया, जबकि युगल खिताब के लिए रूस की अन्ना बिनकोवा व जॉर्जिया की नातेला जालाभिड्जे को विजेता जोड़ी ने हराया.

12 वर्ष के अंतराल के पश्चात् डब्ल्यूटीए का भारत में यह कोई टूर्नामेन्ट था.

अमरीकी ओपन (2022) : अल्कारेज़ व इगा स्वियातेक के एकल खिताब

वर्ष 2022 के अंतिम ग्रांड स्लैम टेनिस टूर्नामेन्ट अमरीकी ओपन के 142वें संस्करण का आयोजन 29 अगस्त–11 सितम्बर, 2022 को न्यूयॉर्क सिटी में हुआ. हार्ड कोर्ट पर खेले जाने वाले इस **टूर्नामेन्ट में पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब क्रमशः कार्लोस अल्कारेज व इगा स्वियातेक ने जीते.** पुरुषों के एकल खिताब के लिए स्पेन के 19 वर्षीय कार्लोस अल्कारेज़ (Carlos Alcaraz) ने फाइनल में नॉर्वे के कैस्पर रूड को हराया. ग्रांड स्लैम टेनिस में उनका यह पहला ही एकल खिताब है. इसके साथ ही **विगत 32 वर्षों में वह यह खिताब**

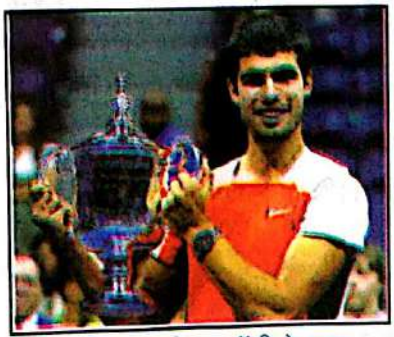

कार्लोस अल्कारेज़ : ट्रॉफी के साथ

notionk.com for PD Jan to Dec 2022

जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं. उनसे पूर्व अमरीका के पीट सम्प्रास ने 1990 में 19 वर्ष की आयु में यह खिताब जीता था. 19 वर्षीय अल्कारेज़ यह खिताब जीतने के साथ ही विश्व के नम्बर एक खिलाड़ी भी हो गए.

अमरीकी ओपन टेनिस की महिला एकल स्पर्द्धा का फाइनल पोलैण्ड की इगा स्वियातेक ने फाइनल में ट्यूनीशिया की ओंस जैबुअर (Ons Jabeur) को 6-2, 7-6 से हरा कर अपने नाम किया. **21 वर्षीय इगा का यह तीसरा ग्रांड स्लैम (अमरीकी ओपन में पहला) एकल खिताब है.** वर्ष 2000 में फ्रांसीसी ओपन जीतने से पूर्व इस वर्ष 2022 में भी फ्रांसीसी ओपन उन्होंने जीता था.

इगा स्वियातेक : ट्रॉफी के साथ

इस टूर्नामेन्ट में पुरुषों की युगल स्पर्द्धा का खिताब अमरीका के राजीव राम व ब्रिटेन की जो सेलिसबरी की गत विजेता जोड़ी ने फाइनल में वेस्ले कूलहॉफ (नीदरलैण्ड्स) व नील स्कूप्स्की (ब्रिटेन) की जोड़ी को हराकर अपने नाम किया. **अमरीकी ओपन के इतिहास में यह दूसरा अवसर है जब कोई जोड़ी पुरुष युगल स्पर्द्धा में अपना खिताब बरकरार रखने में कामयाब हुई है. इससे पूर्व आस्ट्रेलिया के मार्क वुडफोर्ड व टॉड वुडब्रिज की जोड़ी ने 1995 व 1996 में लगातार दो बार यह खिताब जीता था.** इस टूर्नामेन्ट में महिला युगल खिताब के लिए बारबोरा क्रेजसिकोवा व कैटेरिना सिनियाकोवा की चैक गणराज्य जोड़ी ने केटी मैकनैली व टेलर टाउनसैंड की अमरीकी जोड़ी को फाइनल में पराजित किया.

अमरीकी ओपन टेनिस (2022)
(न्यूयॉर्क सिटी, 29 अगस्त–11 सितम्बर, 2022)
विजेता एवं उपविजेता

स्पर्द्धा	
पुरुष एकल	विजेता–कार्लोस अल्कारेज़ (स्पेन) उपविजेता–कैस्पर रूड (नॉर्वे)
महिला एकल	विजेता–इगा स्वियातेक (पोलैण्ड) उपविजेता–ओंस जेबियुर (ट्यूनीशिया)
पुरुष युगल	विजेता–राजीव राम (अमरीका) व जो सेलिसबरी (ब्रिटेन) उपविजेता–वेस्ले कूल हॉफ (नीदरलैण्ड्स) व नील स्कूप्स्की (ब्रिटेन)
महिला युगल	विजेता–बारबोरा क्रेजसिकोवा व कैटेरीना सिनियाकोवा (दोनों चैक गणराज्य) उपविजेता–कैटी मैक्नेली व टेलर टाउनसैण्ड (दोनों अमरीका)
मिश्रित युगल	विजेता–स्टॉर्म सांडर्स व जॉन पीयर्स (दोनों आस्ट्रेलिया) उपविजेता–क्रिस्टेन फ्लिपकेंस (बेल्जियम) व एडुवर्ड रोजर वैसेलिन (फ्रांस)

टेनिस में वर्ष 2022 की सभी चार ग्रांड स्लैम टूर्नामेंट्स में विजेता एवं उपविजेता

स्पर्द्धा	आस्ट्रेलियाई ओपन (17–30 जनवरी, 2022 मेलबर्न)	फ्रांसीसी ओपन (22 मई–5 जून, पेरिस)	विम्बलडन (20 जून–10 जुलाई, लंदन)	अमरीकी ओपन (न्यूयॉर्क सिटी) (29 अगस्त–11 सितम्बर, न्यूयॉर्क 2022)
पुरुष एकल	विजेता–राफेल नडाल (स्पेन) उपविजेता–डेनिल मेदवेदेव (रूस)	विजेता–राफेल नडाल (स्पेन) उपविजेता–कैस्पर रूड (नॉर्वे)	विजेता–नोवाक जोकोविच (सर्बिया) उपविजेता–निक किर्गियोस (आस्ट्रेलिया)	विजेता–कार्लोस अल्कारेज़ (स्पेन) उपविजेता–कैस्पर रूड (नॉर्वे)
महिला एकल	विजेता–एश्ले बार्टी (आस्ट्रेलिया) उपविजेता–डेनिएले कॉलिंस (अमरीका)	विजेता–इगा स्वियातेक (पोलैण्ड) उपविजेता–कोको गॉफ (अमरीका)	विजेता–एलेना रिबाकीना (कजाखस्तान) उपविजेता–ओंस जेबियुर (ट्यूनीशिया)	विजेता–इगा स्वियातेक (पोलैण्ड) उपविजेता–ओंस जेबियुर (ट्यूनीशिया)
पुरुष युगल	विजेता–निक किर्गियोस व थनासी कोक्किनाकिस (दोनों आस्ट्रेलिया) उपविजेता–मैथ्यू एबडेन व मैक्स पुरसेल (दोनों आस्ट्रेलिया)	विजेता–मार्सेलो आरेवेलो (एलसल्वाडोर व जीन, जूलियन रोजेर (नीदरलैण्ड्स) उपविजेता–इवान डोडिग (क्रोएशिया) व ऑस्टिन क्राजिसेक (अमरीका)	विजेता–मैथ्यू एब्डेन व मैक्स पुर्सेल (दोनों आस्ट्रेलिया) उपविजेता–निकोला मैक्टिक व मेट पाविक (दोनों क्रोएशिया)	विजेता–राजीव राम (अमरीका) व जो सेलिसबरी (ब्रिटेन) उपविजेता–वेस्ले कूल हॉफ (नीदरलैण्ड्स) व नील स्कूप्स्की (ब्रिटेन)
महिला युगल	विजेता–बारबोरा क्रेजसिकोवा व कैटेरिना सिनियाकोवा (दोनों चैक रिपब्लिक) उपविजेता–अन्ना डेनिलिना (कजाखस्तान) व बीट्रिस हद्दाद माइया (ब्राजील)	विजेता–कैरोलिना गार्सिया व क्रिस्टीना म्लोडेनोविक (दोनों फ्रांस) उपविजेता–कोको ग्रॉफ व जेसिका पेगुला (दोनों अमरीका)	विजेता–बारबोरा क्रेजसिकोवा व कैटरीना सिनियाकोवा (दोनों चैक रिपब्लिक) उपविजेता–ई. मर्टेन्स (बेल्जियम) व झांग शुआई (चीन)	विजेता–बारबोरा क्रेजसिकोवा व कैटेरीना सिनियाकोवा (दोनों चैक गणराज्य) उपविजेता–कैटी मैक्नेली व टेलर टाउनसैण्ड (दोनों अमरीका)
मिश्रित युगल	विजेता–क्रिस्टिना मियाडिनोविक (फ्रांस) व इवान डोडिग (क्रोएशिया) उपविजेता–जैमी फोर्लिस व जैसन कुबलर (दोनों आस्ट्रेलिया)	विजेता–एना शिबाहारा (जापान) व वेस्ले कूलहोफ़ (नीदरलैण्ड्स) उपविजेता–उलरिके एकेरी (नॉर्वे) व जोरान विलेगेन (बेल्जियम)	विजेता–नील स्कूप्स्की (ब्रिटेन) व डेसिरा क्राक्जिक (अमरीका) उपविजेता–मैथ्यू एब्डेन व सामंथा स्टोसुर (दोनों आस्ट्रेलिया)	विजेता–स्टॉर्म सांडर्स व जॉन पीयर्स (दोनों आस्ट्रेलिया) उपविजेता–क्रिस्टेन फ्लिपकेंस (बेल्जियम) व एडुवर्ड रोजर वैसेलिन (फ्रांस)

अमरीकी ओपन टेनिस में स्टॉर्म सांडर्स व जॉन पीयर्स की आस्ट्रेलियाई जोड़ी ने फाइनल में बेल्जियम की क्रिस्टेन फ्लिपकेंस व फ्रांस के एडुवर्ड रोजर वैसेलिन की जोड़ी को हराकर मिश्रित युगल खिताब अपने नाम किया.

अमरीकी ओपन 2022 की सभी प्रमुख स्पर्द्धाओं के विजेता एवं उपविजेताओं के नाम तालिका में दिए गए हैं.

यूरोप टीम को हराकर विश्व टीम ने पहली बार जीता लेवर कप

पुरुषों के टेनिस के प्रतिष्ठित लेवर कप (Laver Cup) के लिए मैच यूरोप एवं विश्व की टीमों के बीच सामान्यतः सितम्बर माह में खेले जाते हैं. 2017 से शुरू हुए दो टीमों के इस टूर्नामेन्ट का इस वर्ष पाँचवाँ आयोजन था. (कोविड-19 के कारण 2020 में इसका आयोजन नहीं हुआ था)

लेवर कप के साथ विश्व टीम के खिलाड़ी

वर्ष 2022 के (पाँचवें) लेवर कप के लिए मैच 23–25 सितम्बर, 2022 को लंदन में खेले गए. इस मुकाबले में यूरोप टीम को 13–8 से हराकर विश्व टीम ने पहली बार ही यह कप जीतने में सफलता प्राप्त की. यूरोप एवं विश्व की टीमों के बीच वर्ष 2017 से शुरू हुआ यह टूर्नामेन्ट 2017, 2018, 2019 व 2021 में यूरोप ने ही जीता था. (वर्ष 2020 में कोविड-19 के कारण इसका आयोजन नहीं हुआ था)

- *यह टूर्नामेन्ट इनडोर हार्डकोर्ट पर खेला जाने वाला पुरुषों का टूर्नामेन्ट है.*
- *इसके तहत् लेवर कप के लिए मैच यूरोप व शेष विश्व की टीम के बीच ही होते हैं. इस प्रकार दो टीमें ही इसमें शामिल रहती हैं.*
- *बीते वर्षों के जाने-माने स्वीडिश खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग (Bjorn Borg) यूरोपीय टीम के तथा अमरीका के जॉन मैक्नरो (John McEnroe) शेष विश्व टीम के कप्तान 3-3 वर्ष के लिए 2017 में बनाए गए थे. 2021 व 2022 में भी इन्हीं की कप्तानी बरकरार रही.*
- *इस वर्ष विश्व टीम में टेलर फ्रिट्ज (अमरीका), फेलिक्स ऑगेर-एलियासिमे (कनाडा), डियेगो श्वाट्ज़मैन (अर्जेन्टीना), जैक सॉक (अमरीका), टॉमी पॉल (अमरीका) आदि जहाँ शामिल थे, वहीं यूरोप की टीम में कैस्पर रूड (नॉर्वे), राफेल नडाल (स्पेन), रोजर फेडरर (स्विट्ज़रलैण्ड) व व स्टेफानोस सितसिपास (ग्रीस) आदि से सुसज्जित थीं.*
- *विश्व के पूर्व नम्बर एक खिलाड़ी 20 ग्रांड स्लैम एकल खिताबों के विजेता रोजर फेडरर पेशेवर टेनिस में यह अन्तिम मैच था. पूर्व घोषित कार्यक्रमानुसार उन्होंने इस टूर्नामेन्ट की समाप्ति पर पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया.*
- *इस टूर्नामेन्ट का यह नामकरण आस्ट्रेलिया के बीत वर्षों के जाने-माने खिलाड़ी रॉड लेवर (Rod Laver) के नाम पर किया गया है. रॉड लेवर कैलेण्डर ग्राण्ड स्लैम जीतने वाले अन्तिम खिलाड़ी थे (कैलेण्डर ग्राण्ड स्लैम से तात्पर्य एक ही कैलेण्डर वर्ष में ग्राण्ड स्लैम टेनिस के चार खिताब जीतने से है). रॉड लेवर ने यह उपलब्धि दो बार (1962 व 1969 में) प्राप्त की थी.*

विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप (2022) में भारत के दो कांस्य पदक

बेलग्रेड (सर्बिया) में 10–18 सितम्बर, 2022 को सम्पन्न (17वीं) विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप (मिश्रित) में भारतीय पहलवान 2 कांस्य पदक जीत सके. भारत के लिए यह पदक बजरंग पूनिया (65 किग्रा वर्ग) व विनेश फोगाट (53 किग्रा वर्ग) ने जीते.

- **बजरंग पूनिया का विश्व चैम्पियनशिप में चौथा पदक था. विश्व चैम्पियनशिप में चार पदक जीतने वाले वह भारत के पहले पहलवान हैं. वह इससे पूर्व 2013 व 2019 में कांस्य पदक तथा 2018 में विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीत चुके हैं.**
- 53 किग्रा वर्ग में कांस्य जीतने वाली विनेश फोगाट का विश्व चैम्पियनशिप में दूसरा पदक है. पहला पदक उन्होंने 2019 में (कांस्य पदक) उन्होंने नूर सुल्तान (कजाखस्तान) में विश्व चैम्पियनशिप में उन्होंने जीता था. **विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में दो पदक जीतने वाली वह भारत की पहली महिला पहलवान हैं.**

बेलग्रेड में (17वीं) कुश्ती चैम्पियनशिप में पुरुषों की फ्रीस्टाइल व ग्रीको रोमन, दोनों ही तरह की कुश्ती शामिल थीं, जबकि महिलाओं की फ्रीस्टाइल कुश्ती का ही आयोजन इसके तहत् होता है. ओवरऑल पदक तालिका में 7 स्वर्ण, 6 रजत व 2 कांस्य सहित कुल 15 पदकों के साथ अमरीका ने शीर्ष स्थान जहाँ प्राप्त किया, 7 स्वर्ण, 1 रजत व 5 कांस्य सहित कुल 13 पदकों के साथ जापान का दूसरा स्थान रहा.

पदक तालिका में पहले 5 राष्ट्र

राष्ट्र	स्वर्ण	रजत	कांस्य	योग
अमरीका	7	6	2	15
जापान	7	1	5	13
टर्की	4	0	3	7
सर्बिया	4	0	1	5
ईरान	2	5	3	10
.....	....	....	....	....
.....	....	....	....	....
	30	**30**	**60**	**120**

डच एवं इटैलियन ग्रा.प्रि.

सितम्बर 2022 में दो फॉर्मूला-1 रेसों डच ग्रा. प्रि. व इटैलियन ग्रा. प्रि. का आयोजन क्रमशः 4 व 11 सितम्बर को हुआ. यह दोनों ही रेसें रैडबुल टीम के एम. वर्स्टापेन ने जीती. इससे वर्ष 2022 की विश्व चैम्पियनशिप के लिए उनकी दावेदारी अब काफी मजबूत हो गई. 4 सितम्बर की डच ग्रा. प्रि. में मर्सिडीज टीम के जी. रसेल का स्थान दूसरा रहा, जबकि फरारी टीम के सी. लेकरेक मोंजा में इटैलियन ग्रा. प्रि. में उपविजेता रहे.

सितम्बर माह में तीसरी रेस रूसी ग्रा. प्रि. भी मूलतः निर्धारित थी, किन्तु यह रेस रद्द कर दी गई थी.

●●●

शेष पृष्ठ 34 का

भूकम्प का सर्वाधिक असर पूर्वी काउंटी ताइतुंग में रहा जहाँ 6·9 तीव्रता का भूकम्प 17 सितम्बर को आया तथा 18 सितम्बर की प्रातः तक कम-से-कम 47 झटके महसूस किए गए. भूकम्प के इन झटकों के कारण अनेक दुर्घटनाएं वहाँ हुईं, अनेक भवन धराशायी हुए. भूकम्प की तीव्रता से रेलगाड़ियाँ भी जोर-जोर से हिलने लगीं तथा एक यात्री गाड़ी पटरियों पर ही उलट गई. भूकम्प का केन्द्र चिशांग शहर के निकट सतह से सात किमी नीचे था. देश के अन्य भाग भी भूकम्प के झटकों से अप्रभावित नहीं रहे.

विविध (Miscellaneous)

ककाडू 2022

आस्ट्रेलियाई नौसेना की मेजबानी में डार्विन (Darwin) के तट पर 12–22 सितम्बर, 2022 को सम्पन्न बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास को ककाडू (Kakadu) नाम दिया गया था. भारत सहित 20 से अधिक देशों की नौसेनाएं व नौसैनिक विमान इस संयुक्त अभ्यास में शामिल थे. भारतीय नौसैनिक पोत आईएनएस सतपुड़ा व लम्बी दूरी के नौसैनिक पेट्रोलिंग विमान पी-81 इस संयुक्त अभ्यास में शामिल रहे. दो सप्ताह के इस नौसैनिक अभ्यास का थीम था– **पार्टनरशिप, लीडरशिप, फ्रेंडशिप.**

●●●

naukaritak.com for Dec 2022

रोजगार समाचार

राजस्थान में 8 विभिन्न सेवाओं के विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु समान पात्रता परीक्षा (स्नातक स्तर) 2022

राजस्थान में 8 विभिन्न सेवाओं के विभिन्न पदों पर भर्तियों के लिए अभ्यर्थियों को पहले समान पात्रता परीक्षा (Common Eligibility Test–CET) में शामिल किया जाएगा. इनमें ग्रेजुएट लेवल की राजस्थान होमगार्ड अधीनस्थ सेवा/अधीनस्थ लेखा सेवा/बाल विकास अधीनस्थ सेवा/कारागार अधीनस्थ सेवा/समाज कल्याण अधीनस्थ सेवा आदि कुल मिलाकर 8 सेवाएं शामिल हैं. इनमें प्लाटून कमांडर, कनिष्ठ लेखाकार, पर्यवेक्षक (महिला आधिकारिता), पर्यवेक्षक, पटवारी, डिप्टी जेलर, छात्रावास अधीनस्थ ग्रेड-II आदि पदों के लिए भर्तियाँ शामिल हैं. समान पात्रता परीक्षा का आयोजन राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा किया जाएगा. इसमें प्राप्त अंकों की वैधता 1 वर्ष तक रहेगी.

समान पात्रता परीक्षा प्रारम्भिक परीक्षा (Pre) होगी. जिस पद के लिए भर्तियाँ निकलेंगी, उसके लिए अलग से मुख्य परीक्षा आयोजित की जाएगी. सीईटी में निर्धारित कट ऑफ से अधिक अंक आने वाले अभ्यर्थी ही मुख्य परीक्षा में शामिल हो सकेंगे.

सीईटी (2022) में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर, 2022 है. परीक्षा 6–9 जनवरी, 2023 के दौरान आवंटित परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न कराई जाएगी. 3 घण्टे की अवधि की इस परीक्षा में राजस्थान व भारत के इतिहास, कला, सांस्कृतिक, परम्परा और विरासत, भारत के भूगोल, अर्थव्यवस्था, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, तार्किक विवेचन एवं मानसिक योग्यता, सामान्य हिन्दी, सामान्य अंग्रेजी, कम्प्यूटर ज्ञान व समसामयिक घटनाओं आदि से सम्बन्धित 150 प्रश्न होंगे.

भारतीय स्टेट बैंक में प्रोबेशनरी अधिकारियों की 1673 रिक्तियाँ

भारतीय स्टेट बैंक में प्रोबेशनरी अधिकारियों के 1673 रिक्त पदों की भर्ती के लिए पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन-पत्र 12 अक्टूबर, 2022 तक आमन्त्रित किए गए हैं. उपलब्ध रिक्तियों में बैकलॉग पदों की 73 रिक्तियाँ शामिल है. इन रिक्तियों में भी कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए नियमानुसार आरक्षित हैं. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता–मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि.

आयु सीमा–1 अप्रैल, 2022 को 21–30 वर्ष. विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली मुख्य परीक्षा हेतु अर्ह अभ्यर्थियों का शॉर्टलिस्ट करने के लिए प्रारम्भिक परीक्षा का आयोजन पहले चरण में किया जाएगा. वस्तुनिष्ठ किस्म के प्रश्नों वाली 100 अंकों की इस ऑनलाइन परीक्षा में अंग्रेजी भाषा के 30 तथा क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड व रीजनिंग एबिलिटी के 35–35 प्रश्न होंगे. इस परीक्षा में प्राप्त किए गए अंक फाइनल चयन हेतु तैयार की जाने वाली मेरिट सूची के लिए शामिल नहीं किए जाएंगे. दूसरे चरण की मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों की अर्हता ही इन अंकों के आधार पर निर्धारित की जाएगी. मुख्य परीक्षा में वस्तुनिष्ठ एवं वर्णनात्मक प्रश्नों वाली ऑनलाइन परीक्षा के अतिरिक्त ग्रुप डिस्कशन व साक्षात्कार शामिल है. 3 घण्टे की अवधि की वस्तुनिष्ठ परीक्षा में–(i) रीजनिंग एण्ड कम्प्यूटर एप्टीट्यूड, (ii) डाटा एनेलेसिस एण्ड इंटरप्रिटेशन, (iii) जनरल/इकोनॉमी/ बैंकिंग अवेयरनैस तथा (iv) इंगलिश लेंग्वैज की 200 अंकों की परीक्षा होगी. 50 अंकों की वर्णनात्मक परीक्षा में अंग्रेजी भाषा (लैटर राइटिंग व निबन्ध) की परीक्षा होगी. तीसरे चरण की परीक्षा 50 अंकों की है, जिसमें 20 अंक ग्रुप डिस्कशन हेतु व 30 अंक साक्षात्कार हेतु निर्धारित हैं. प्रारम्भिक परीक्षा के लिए निर्धारित तिथियाँ 17, 18, 19 व 20 दिसम्बर, 2022 हैं, जबकि मुख्य परीक्षा जनवरी-फरवरी 2023 में होगी.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी के लिए रोजगार समाचार तथा बैंक की वेबसाइट https://bank.sbi/careers अथवा https://www.sbi.co.in/careers देखें. इन्हीं वेबसाइट्स पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित **स्टेट बैंक प्रोबेशनरी ऑफीसर्स प्रारम्भिक परीक्षा** की पुस्तकों का अध्ययन लाभकारी होगा. पुस्तकों के अंग्रेजी संस्करण भी उपलब्ध हैं.

उत्तर प्रदेश में वन दरोगा मुख्य परीक्षा–2022

उत्तर प्रदेश शासन के वन एवं वन्य जीव विभाग में वन दरोगा के कुल 701 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु उपर्युक्त परीक्षा का आयोजन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा किया जाएगा. इस प्रतियोगिता परीक्षा में वही अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जो आयोग की प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा 2021 में सम्मिलित हुए हैं तथा जिन्हें इसके लिए स्कोर कार्ड आयोग द्वारा जारी किया गया है.

इस प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आयोग द्वारा 17 अक्टूबर से 6 नवम्बर, 2022 तक आमंत्रित किए गए हैं. ऑनलाइन आवेदन के तहत् रजिस्ट्रेशन व ऑनलाइन परीक्षा शुल्क का भुगतान करने के पश्चात् 6 नवम्बर, 2022 तक ही ऑनलाइन आवेदन सबमिट करना होगा. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता–गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वानिकी, भूगर्भ विज्ञान, कृषि, सांख्यिकी, पर्यावरण विज्ञान में से दो या अधिक विषय के साथ स्नातक उपाधि अथवा अभियांत्रिकी में स्नातक उपाधि या पशु चिकित्सा विज्ञान में स्नातक उपाधि या मान्यता प्राप्त उसके समकक्ष अर्हता.

आयु सीमा (1 जुलाई, 2022 को)–21–40 वर्ष. विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा की योजना एवं पाठ्यक्रम आयोग की वेबसाइट उपलब्ध कराया जाएगा. परीक्षा की तिथि एवं सम्बन्धित विस्तृत जानकारी हेतु उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की वेबसाइट http://upsssc.gov.in देखें. आवेदन के इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन-पत्र इस वेबसाइट पर ही ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. ●●●

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव–इस दौरान विज्ञान के क्षेत्र में भारत की यशोगाथा : एक समीक्षा

प्राचीनकाल में भारत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शिखर पर था. अथर्ववेद वैज्ञानिक तथ्यों से भरा पड़ा है. इसी में 'अग्नि' को संसार का पहला आविष्कार और 'चक्र' को दूसरा आविष्कार बताया गया है. आज सारी दुनिया इसी 'अग्नि' (ऊर्जा) और 'चक्र' (पहिए) पर आश्रित है. आयुर्वेद और चरक संहिता, चिकित्सा विज्ञान की अमूल्य धरोहर है.

इस सन्दर्भ में, विज्ञान के क्षेत्र में आज स्थिति बदल चुकी है. इस समय विज्ञान की भूमिका अन्य विषयों से अधिक है. जिन देशों ने विज्ञान को ज्यादा महत्व नहीं दिया, वे न केवल पिछड़े हैं, बल्कि दूसरे देशों पर निर्भरता उनकी मजबूरी है. देश के आजाद होते ही वैज्ञानिक अनुसंधान को प्राथमिकता देने वाली पंचवर्षीय योजना को आगे बढ़ाया गया था. भारत में योजना आयोग की स्थापना 1950 में कृषि, विज्ञान, बुनियादी ढाँचे और शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में की जाने वाली कार्यवाहियों की योजना बनाने और विचार करने के उद्देश्य से की गई थी. पहली योजना से ही देश में विज्ञान की नींव मजबूत होनी शुरू हुई थी. आजादी के बाद के दशक में ही देश में राष्ट्रीय स्तर पर शोध संस्थानों को मान्यता दी गई थी.

हरित क्रांति विज्ञान के दम पर ही सम्भव हुई. देश को भरपेट भोजन देने के लिए फसल-उपज क्षमता, सिंचाई प्रणाली, प्रभावी उर्वरक, कीटनाशक, बिजली स्रोत तथा कृषि उपकरण के बारे में अनुसंधान की कमी थी. सरकार ने कृषि को आगे बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान को प्राथमिकता दी, तो भारत अपनी जरूरत भर का अनाज पैदा करने लगा. विज्ञान न होता, तो हम शायद अनाज के मामले में आत्मनिर्भर नहीं हो पाते. खेतों से लेकर अन्तरिक्ष तक भारत के प्रयास धीरे-धीरे दुनिया को दिखने लगे. भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्थापना 1969 में भारत की राष्ट्रीय अन्तरिक्ष एजेंसी के रूप में की गई थी. पहला भारतीय उपग्रह आर्यभट्ट था, जिसे भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया था और इसे 19 अप्रैल, 1975 को लॉन्च किया गया था. यह एक ऐसी बड़ी कामयाबी थी, जिससे देश का माथा गर्व से ऊँचा हो गया था. परमाणु क्षेत्र में भी भारत दुनिया के विशेष देशों में शामिल हो गया था. यह ऐसा दौर था, जब दुनिया के ज्यादातर देश भारत की तरक्की के प्रशंसक नहीं थे, लेकिन भारतीय जमीन पर जो वैज्ञानिक पैदा हो रहे थे, उन्हें नए-नए आविष्कारों व अभियानों से भला कौन रोक सकता था ?

रक्षा के क्षेत्र में भी अगर हम आज निश्चिंत बैठे हैं, तो इसमें भी भारतीय विज्ञान की बड़ी भूमिका है. भारत लगातार अपनी मिसाइल प्रणाली को दुरुस्त करता आ रहा है. अनेक मिसाइलों का विकास भारत की शान है. डीएनए और फिंगर प्रिंटिंग के क्षेत्र में भारत का विकास आज आदर्श है. 11 मई, 1998 को भारत ने राजस्थान के पोखरण में भूमिगत पाँच परमाणु बमों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था, इसके बाद दुनिया कुछ समय के लिए न केवल नाराज, बल्कि अचम्भित भी हो गई थी. वह क्षण तो अतुलनीय था, जब भारत का पहला चन्द्रमा मिशन 22 अक्टूबर, 2008 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया था. ध्यान रहे, गगनयान कार्यक्रम के तहत् सरकार द्वारा दो मानव रहित मिशन और एक मानवयुक्त मिशन को मंजूरी दी गई है. दवा व वैक्सीन के मामले में दुनिया को भारतीय विज्ञान क्षेत्र से सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं. हमने आजादी के 75वें वर्ष में जिस तरह टीकाकरण अभियान चलाया है, उसे तो शायद ही कोई भूल सकता है. यदि हमें महाशक्ति बनना है, तो आने वाले वर्षों में विज्ञान हमारा एक सबसे मुख्य लक्ष्य होना चाहिए.

'नासा' की भूल से धरती पर हो सकता है, एलियंस का हमला

बाहरी अन्तरिक्ष में पृथ्वी की लोकेशन को उजागर करने नासा की एक योजना अनजाने में पृथ्वी पर 'एलियंस के हमले को आमंत्रित कर सकती है. वैज्ञानिकों ने इसकी चेतवानी दी है. बाइनरी-कोडेड 'बीकन इन द गैलेक्सी' सन्देश सौरमण्डल, पृथ्वी की सतह और मानवता के बारे में ढेरों जानकारियाँ आकाशगंगा के एक हिस्से में प्रसारित करेगा, जिसे एलियंस के सबसे सम्भावित घर के रूप में जाना जाता है.

नासा का यह मैसेज अरेसीबो मैसेज (Arecibo Message) का एक अपडेटेड रूप है, जिसने रेडियो टेलिस्कोप की मदद से इसी तरह की जानकारियाँ 1974 में अन्तरिक्ष में प्रसारित की थीं. हालाँकि ऑक्सफोर्ड के फ्यूचर ऑफ ह्यूमैनिटी इंस्टीट्यूट (FHI) के वरिष्ठ शोधकर्ता एंडर्स सैंडबर्ग ने चेतावनी दी है कि इस तरह की जानकारियाँ अन्तरिक्ष में उजागर करना जोखिम भरा है.

अपने तारा, ग्रह और यान के साथ एलियन

यद्यपि इस मैसेज की एलियन सभ्यता तक पहुँचने की सम्भावना बहुत कम है, लेकिन इसका असर इतना गहरा होता है कि आपको इसे बहुत गम्भीरता से लेने की जरूरत है.

फोर्ब्स के अनुसार इस मैसेज में इंसानों की तस्वीरें भी शामिल हैं. डॉ. सैंडबर्ग के सहकर्मी टॉबी ऑर्ड ने भी 2020 में प्रकाशित अपनी किताब में यही तर्क दिए हैं. किताब में उन्होंने अस्तित्व के जोखिमों और मानवता के भविष्य का विश्लेषण किया है. नासा का मैसेज एलियंस को प्रतिक्रिया देने के लिए न्यौता देने के साथ खत्म होगा, जिसमें सोलर सिस्टम की लोकेशन सहित पृथ्वी पर जीवन की जैव रासायनिक संरचना के बारे में जानकारी दी गई है.

एड्स का मिला निदान–अब दुनिया एड्स मुक्त होगी

मानव का यह अभिशाप रहा है कि वह सदैव एक-के-बाद एक बीमारियों से त्रस्त रहा है और कुछ रोग तो असाध्य हो गए. एड्स ऐसा ही लाइलाज रहा है. मानव भी हार मानने वाला प्राणी नहीं है. आखिर अब वैज्ञानिकों ने, कई दशकों के अथक् परिश्रम के बाद एड्स का स्थायी निदान ढूँढ़ ही लिया.

एड्स वायरस

इजरायल के वैज्ञानिकों को एक ऐसी वैक्सीन बनाने में सफलता मिली है, जिसकी महज एक खुराक से ही एचआईवी वायरस को खत्म किया जा सकता है.

naukarirok.com for Dec 2022

एचआईवी यानी ह्यूमन इम्युनोडिफिसिएंसी वायरस शरीर के इम्यून सिस्टम यानी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर हमला करता है, अगर इसका इलाज न किया जाए तो इससे एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिसिएंसी सिंड्रोम यानी एड्स होने का खतरा रहता है. अभी तक एचआईवी एड्स का कोई इलाज नहीं था. यह वैक्सीन इंजीनियरिंग टाइप बी व्हाइट ब्लड सेल्स द्वारा तैयार की गई है, जोकि इम्यून सिस्टम को सक्रिय करती है. इससे एचआईवी को खत्म करने वाली एंटीबॉडी तैयार होती है. यह अध्ययन इजरायल की तेल अवीव यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने किया है. अध्ययन के अनुसार, एचआईवी के खिलाफ एंटीबॉडी सुरक्षित, सक्षम और आगे बढ़ाई जाने वाली है, जोकि न सिर्फ संक्रमण वाली बीमारी के इलाज में कारगर है, बल्कि गैर-संक्रमण वाली बीमारियों जैसे कैंसर के इलाज में भी कारगर है.

उच्च रक्तचाप के रोगियों को दवाओं से छुटकारा दिलाएगा 'ब्रेन जैपर'

व्यस्त जीवन-शैली, असंयमित खान-पान और शारीरिक गतिविधियों के अभाव के कारण–आज के मानव का स्वास्थ्य रोगग्रस्त हो रहा है. इन रोगों में उच्च रक्तचाप सामान्य बात है.

यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन के शोधकर्ता ने एक ऐसी डिवाइस विकसित की है, जिसे कान में पहनने से उच्च रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सकता है. इसकी कीमत मात्र 20 डॉलर यानी ₹ 1900 है.

डिवाइस को विकसित करने वाले यूनिवर्सिटी कॉलेज, लन्दन के प्रोफेसर व न्यूरोसाइंटिस्ट अलेक्जेंडर गौरीन ने बताया कि ब्रेन जैपर का इस्तेमाल शुरूआती परीक्षण में तीस लोगों पर किया गया. उन्होंने कहा कि इस डिवाइस को कुछ हफ्ते प्रतिदिन आधे घण्टे तक पहनकर रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सकता है. उन्होंने बताया कि इसे टीवी देखते समय भी पहना जा सकता है. अलेक्जेंडर का दावा है कि यह डिवाइस बीपी की दवा लेने की तुलना में कहीं ज्यादा कारगर है.

गौरीन ने बताया कि इंगलैण्ड में लगभग एक-चौथाई वयस्कों को उच्च रक्तचाप की समस्या है. ऐसे में उनकी यह डिवाइस उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक साबित हो सकती है. उनका यह अध्ययन, ब्रिटेन प्रमुख विज्ञान त्यौहारों में से एक, चेल्टेनहेम साइंस फेस्टिवल में भी प्रस्तुत किया गया.

शुरूआती परीक्षण में बेहतर परिणाम– प्रोफेसर गौरीन ने बताया कि शुरूआती परीक्षण में बेहतर प्रदर्शन रहा है. उन्होंने कहा कि 'एफेक्स' नाम की यह डिवाइस काफी हद तक सिस्टोलिक उच्च रक्तचाप को कम कर सकती है.

क्या है ब्रेन जैपर–ब्रेन जैपर एक इलेक्ट्रिक डिवाइस होती है, जो मस्तिष्क में बिजली के हल्के झटके का अहसास भी कराती है. यह कुछ दवाओं के प्रभाव को कम करने में भी सहायक होती है.

- *20 डॉलर यानी ₹ 1900 कीमत है, इस डिवाइस की.*
- *30 मिनट प्रतिदिन उपकरण का इस्तेमाल राहत दिलाएगा.*
- *12 मिलियन लोग उच्च रक्तचाप से प्रभावित हैं, केवल इंगलैण्ड में.*
- *8 से दस यूनिट रक्तचाप कम करने में सहायक साबित.*

प्रो. गौरीन ने बताया कि यह डिवाइस पारम्परिक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं जैसे एसीई इनहिबिटर की तुलना में आठ से दस यूनिट रक्तचाप कम कर सकती है. उन्होंने कहा कि दो सप्ताह तक इस उपकरण को पहनने से हफ्तों या महीनों तक रक्तचाप में सुधार हो सकता है.

गौरीन ने कहा कि बैटरी से चलने वाला उपकरण मोबाइल फोन के आकार का है. इसे जेब में भी रखा जा सकता है. इसे बेल्ट से भी बाँधा जा सकता है. इसकी कीमत बीस डॉलर यानी ₹1900 है.

इंसान को अदृश्य करने वाला कवच तैयार

ब्रिटेन की 'इनविजिबल शील्ड लिमिटेड' कम्पनी ने एक ऐसा शील्ड तैयार किया है, जिसका उपयोग करते ही मनुष्य गायब हो जाता है. यह शील्ड प्लास्टिक का एक कवच है. यह पारदर्शी है. इसे बनाने में ऑप्टिकल लेंस का प्रयोग किया गया है. यह ऑप्टिकल लेंस प्रकाश को परावर्तित करता है. इसके पीछे खड़ा व्यक्ति गायब हो जाता है. यदि शरीर का कुछ भाग इस शील्ड के पीछे रहता है, तो शरीर का वह हिस्सा गायब हो जाता है.

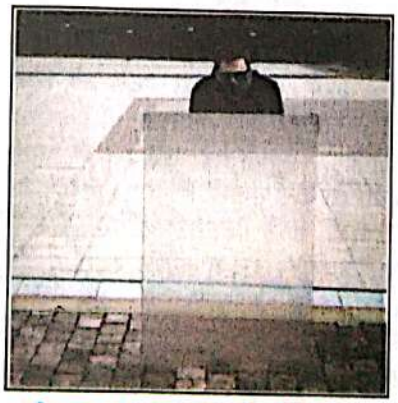

शरीर का जो भाग शील्ड के पीछे है, वह अदृश्य हो गया

इस तकनीक को बनाने वाली कम्पनी ने बताया कि अब तक उसने 25 शील्ड तैयार कर ली हैं. यह पूरी तरह से काम कर रही हैं. शील्ड के पीछे खड़े होते ही इंसान गायब हो जाता है. कम्पनी आने वाले समय में ऐसी और शील्ड तैयार करेगी. इसके अलावा कम्पनी शील्ड को और बेहतर बनाने पर काम कर रही है.

कम्पनी का कहना है कि अभी तक लोग सिर्फ फिल्मों में ऐसा देखते आए हैं. अब हम असल जिन्दगी में भी ऐसा करने जा रहे हैं. कम्पनी का कहना है कि इस शील्ड को बनाने में उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी है. उन्होंने तरह-तरह के उपकरण का इस्तेमाल किया. इसमें कई बार उनकी टीम असफल भी रही, लेकिन बाद में इसमें सफलता मिली.

कम्पनी के अनुसार, छोटी शील्ड की लम्बाई 12 इंच है. वहीं उसकी चौड़ाई करीब आठ इंच है. इसकी कीमत करीब ₹ 5 हजार रखी गई है. इसके अलावा अगर बड़ी शील्ड की बात करें, तो इसकी लम्बाई करीब 37 इंच है और चौड़ाई करीब 25 इंच है. कम्पनी ने बताया कि बड़ी शील्ड की कीमत करीब ₹ 30 हजार रखी गई है.

हर वर्ष मिट रहे हैं एक करोड़ हेक्टेयर जंगल–जलवायु के लिए होंगे घातक

संसार में वन तेजी से घट रहे हैं. वनों के कटने की गति यदि ऐसी ही रही, तो मानवता के लिए बड़ा संकट उत्पन्न हो जाएगा. संयुक्त राष्ट्र संघ की एक रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में प्रति वर्ष एक करोड़ हेक्टेयर के बराबर जंगल काटे जा रहे हैं, जो दक्षिण कोरिया के क्षेत्रफल के बराबर है.

भारत में वनों की स्थिति–भारत सहित दुनिया भर में जंगल तेजी से घट रहे. हालाँकि, केन्द्र सरकार वन क्षेत्र बढ़ाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है, जिससे भारत में वनों के आवरण में 721 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है. भारत का वन क्षेत्र अब 7,13,789 वर्ग किलोमीटर है, यह देश के भौगोलिक क्षेत्र का 21·71% है, जो वर्ष 2019 में 21·67% से अधिक है.

वन पृथ्वी के एक तिहाई भूभाग को कवर करते हैं. दुनिया में लगभग एक अरब 60 करोड़ लोग अपनी आजीविका के लिए जंगलों पर निर्भर हैं. वन भूमि पर सबसे अधिक जैविक रूप से विविध पारिस्थितिक तंत्र हैं, जो जानवरों, पौधों और कीड़ों की 80 प्रतिशत से अधिक स्थलीय प्रजातियों का घर है. इन सभी अमूल्य लाभों के बावजूद, वैश्विक वनों की कटाई खतरनाक दर से जारी है. विश्व के आधे से अधिक जंगल केवल 5 देशों (रूस, ब्राजील, कनाडा, अमरीका और चीन) में पाए जाते हैं और दो-तिहाई (66 प्रतिशत) वन दस देशों में पाए जाते हैं.

●●●

दिव्य दर्पण

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–"सोलोमन द्वीप हाल ही में क्यों चर्चा में रहा है? विवेचना कीजिए.

उत्तर–अमरीका के साथ बढ़ते तनाव और चीन के साथ बढ़ती नजदीकियों के बीच, सोलोमन द्वीप ने नई प्रक्रिया को लागू करने का हवाला देते हुए सभी विदेशी नौसेना के जहाजों को अपने बन्दरगाह में प्रवेश करने से प्रतिबन्धित कर दिया है.

- सोलोमन द्वीप दक्षिण-पश्चिमी प्रशान्त महासागर में स्थित एक देश है.
- ब्रिटेन ने 1976 में सोलोमन द्वीप को आन्तरिक स्वशासन प्रदान किया, इसके बाद 1978 में इसने स्वतन्त्रता प्राप्त की. 90% से अधिक द्वीपवासियों की नृजातीयता मेलनेशियाई है.
- यह द्वीप, पर्वतीय द्वीपों और प्रवाल द्वीपों से मिलकर बना एक फैला हुआ द्वीप समूह है.
- इस द्वीप शृंखला में कई बड़े ज्वालामुखी द्वीप भी शामिल हैं. ये द्वीप शार्टलैण्ड द्वीप से सांताक्रूज द्वीपों तक, दक्षिण-पूर्व की दिशा में लगभग 900 मील तक फैले हुए हैं.
- यहाँ छह प्रमुख द्वीपों चोइसुएल गुआडाकैनाल, मलाइता, मकीरा, न्यू जॉर्जिया और सांता इसाबेल के अलावा, लगभग 992 छोटे द्वीप, प्रवालद्वीप और कोरल रीफ हैं.
- यहाँ की जलवायु उष्णकटिबंधीय है, हालांकि आसपास के समुद्रों से चलने वाली ठंडी हवाओं के कारण यहाँ का तापमान शायद ही कभी चरम पर होता है.

सि.से.प्रा. परीक्षा प्रश्न–निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

(1) सोलोमन द्वीप दक्षिण-पश्चिमी प्रशान्त महासागर में स्थित एक देश है.

(2) ब्रिटेन ने 1981 में सोलोमन द्वीप को आन्तरिक स्वशासन प्रदान किया.

(3) इस द्वीप शृंखला में कई बड़े ज्वालामुखी द्वीप भी हैं.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?

(A) केवल 1 (B) 2 और 3
(C) 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

उत्तर–(C)

स्पष्टीकरण

- सोलोमन द्वीप दक्षिण-पश्चिमी प्रशान्त महासागर में स्थित एक देश है.
- ब्रिटेन ने 1976 में सोलोमन द्वीप को आन्तरिक स्वशासन प्रदान किया, इसके बाद 1978 में इसने स्वतन्त्रता प्राप्त की.
- इस द्वीप शृंखला में कई बड़े ज्वालामुखी द्वीप भी शामिल हैं. ये द्वीप शार्टलैण्ड द्वीप से सांताक्रूज द्वीपों तक, दक्षिण-पूर्व की दिशा में लगभग 900 मील तक फैले हुए हैं.
- सोलोमन द्वीप पापुआ न्यूगिनी के पूर्व में मेलानेसिया में करीब 1000 द्वीपों वाला एक देश है. करीब 28,400 वर्ग किमी में फैले इस देश की राजधानी गुआडलकैनाल द्वीप पर स्थित **होनिआरा** है.

प्राकृतिक आपदा

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–बादल फटना किसे कहते हैं? बादल क्यों फटता है? पहाड़ी इलाकों में बादल फटने की घटनाएँ अधिक क्यों होती हैं?

उत्तर–बादल फटना किसे कहते हैं?

वैज्ञानिकों के मुताबिक यदि किसी स्थान पर एक घण्टे के दौरान 10 सेन्टीमीटर यानी 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश होती है, तो इसे बादल फटने (Cloud burst) की संज्ञा दी जाती है. सामान्य शब्दों में कहें तो किसी जगह पर एक साथ अचानक बहुत अधिक बारिश हो जाना बादल फटना कहलाता है. इसे फ्लैश फ्लड (Flash flood) नाम से भी जानते हैं.

बादल क्यों फटता है?

बादल फटना (Cloud burst) एक ऐसी प्राकृतिक घटना है जो अभी भी मनुष्य के नियन्त्रण से बाहर है. बादल फटना एक बड़ी प्राकृतिक आपदा मानी जाती है. दरअसल, आसमान से किसी एक जगह पर तेज बारिश हो जाने को ही बादल फटना कहते हैं. बादल फटने की घटना उस समय होती है जब भारी मात्रा में नमी वाले बादल एक जगह एकत्र हो जाते हैं और वहाँ मौजूद पानी की बूँदें आपस में मिल जाती हैं. इनके भार से बादल का घनत्व बढ़ जाता है और तेज बारिश होने लगती है. पानी जमीन पर इतनी तेजी से गिरता है कि एक जगह कई लाख टन पानी इकट्ठा हो जाता है और इलाके में बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है. यह पानी अपने साथ मिट्टी मलबा, रास्ते में आने वाले पेड़-पौधे, मकान, जमीन आदि सब कुछ बहाकर ले जाता है. हाल ही में जुलाई 2022 में अमरनाथ यात्रा के दौरान भी कुछ इसी प्रकार का नजारा दिखाई दिया था. इससे पूर्व वर्ष 2013 में केदारनाथ प्रलय में भी हजारों लोगों ने अपनी जान गंवाई थी.

बादल फटने की घटनाएँ पहाड़ी क्षेत्रों में ही ज्यादा क्यों होती है?

अक्सर देखा गया है कि पहाड़ी इलाकों में बादल अधिक फटते हैं. दरअसल पानी से भरे बादल जब हवा के साथ आगे बढ़ते हैं तो पहाड़ों के बीच फंस जाते हैं. पहाड़ों की ऊँचाई इसे आगे नहीं बढ़ने देती है. ऐसे में पहाड़ों के बीच फंसते ही बादलों से गर्म हवा के झोंके टकराते हैं, तो वे अपना वजन नहीं सँभाल पाते हैं और अचानक फट जाते हैं. इस स्थिति में एक सीमित क्षेत्र में कई लाख लिटर पानी एक साथ पृथ्वी पर गिरता है. इससे सम्बन्धित क्षेत्र में तेज बहाव के साथ बाढ़ आ जाती है. आकाश से लगभग 100 मिलीमीटर प्रति घण्टा की दर से बारिश गिरती है. बादल फटने की घटना अक्सर धरती से करीब 15 किलोमीटर की ऊँचाई पर देखने को मिलती है.

सि.से.प्रा. परीक्षा प्रश्न–बादल फटने की घटना अमूमन पृथ्वी से कितने किमी की ऊँचाई पर घटती है?

(A) 40 किमी
(B) 70 किमी
(C) 15 किमी
(D) 420 किमी

उत्तर–(C)

स्पष्टीकरण

- बादल फटने की घटना अमूमन पृथ्वी से **15 किमी की ऊँचाई** पर घटती है.
- इसके कारण होने वाली वर्षा लगभग 100 मिमी प्रति घण्टा की दर से होती है. कुछ मिनट में 2 सेमी से अधिक वर्षा हो जाती है, जिस कारण भारी तबाही होती है.
- बादल फटने ही घटनाएँ अक्सर बरसात में, पहाड़ी क्षेत्रों में अधिक होती है. जब पानी से भरे बादल, पहाड़ों से टकरा कर वहीं फस जाते हैं तो उनमें मौजूद पानी एक साथ एक ही जगह बरस पड़ता है.

सामाजिक न्याय

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–(1) विवाह के लिए अनिवार्य पंजीकरण बाल विवाह, लैंगिक हिंसा जैसी सामाजिक बुराइयों के लिए एक प्रभावी औषधि साबित हो सकता है? परीक्षण कीजिए.

naukritik.com for Dec 2022

उत्तर–विधि आयोग ने जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 के अन्तर्गत विवाह के लिए पंजीकरण को अनिवार्य बनाने की अनुशंसा की है. यदि भारत में विद्यमान सामाजिक बुराइयों पर गौर करें तो यह काफी हद तक विवाह से अन्तर्सम्बन्धित हैं, ऐसे में विधि आयोग का सुझाव काफी दूरदर्शी प्रतीत होता है. विवाह का अनिवार्य पंजीकरण निम्नलिखित रूपों में सामाजिक बुराइयों को नियन्त्रित करने में कारगर साबित हो सकता है. भारत जैसे पितृ-सत्तात्मक समाज वाले देशों में महिलाओं को कमजोर, उपभोग की वस्तु तथा मनोरंजन के साधन के तौर पर देखा जाता है. ऐसे में कम उम्र में विवाह लड़कियों और महिलाओं के विरुद्ध शोषण का एक उपकरण बन जाता है.

विश्व में सर्वाधिक बाल वधुओं की संख्या भारत में पाई जाती है. एक अनुमान के मुताबिक भारत में लगभग 47 प्रतिशत लड़कियों का विवाह 18 वर्ष से पहले ही हो जाता है. एक से अधिक विवाह की प्रथा भारत में काफी मात्रा में विद्यमान है. यद्यपि ये खुले रूप में नहीं होते, लेकिन यह स्थिति महिला के अधिकारों का पूरी तरह से उल्लंघन करती है.

- एक आँकड़ों के मुताबिक 15-49 आयु वर्ग की महिलाओं को घरेलू हिंसा और यौन हिंसा का अधिक शिकार होना पड़ता है.
- अनिवार्य पंजीकरण का महत्व निम्न-लिखित आरेख द्वारा समझ सकते हैं.

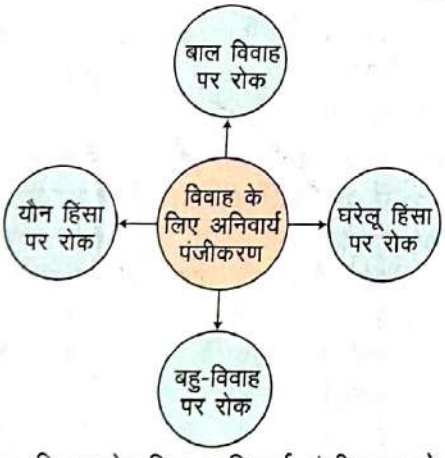

- विवाह के लिए अनिवार्य पंजीकरण के माध्यम से न केवल बाल-विवाह, बहु-विवाह और घरेलू हिंसा पर रोक लगाई जा सकती है, बल्कि यह इन अपराधों में शामिल व्यक्तियों को दंड दिलाने की प्रक्रिया को सरल बनाएगा.
- इसके अतिरिक्त अनिवार्य पंजीकरण के माध्यम से मातृत्व मृत्युदर, शिशु मृत्युदर और लैंगिक हिंसा जैसी अन्य बुराइयों को भी कम किया जा सकता है.
- अतः स्पष्ट है कि विवाह के लिए अनिवार्य पंजीकरण सबला, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं आदि कार्यक्रमों के साथ मिलकर संयुक्त राष्ट्र के सतत् विकास लक्ष्य-5, यानि लैंगिक समानता को साधकर समावेशी भारत के निर्माण को बढ़ावा देगा.

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–(2) क्या आपके विचार में निजी क्षेत्र में आरक्षण सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण उपाय सिद्ध होगा, टिप्पणी कीजिए.

उत्तर–आजादी के बाद से ही किसी-न-किसी रूप में निजी क्षेत्र में आरक्षण की माँग की जाती रही है. स्वयं डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने खुद यह माँग की थी. भारत में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को संविधान लागू होने के साथ ही आरक्षण मिल गया था, वहीं अन्य पिछड़े वर्ग के लिए यह व्यवस्था आजादी के लगभग चार दशक बाद की गई. हालाँकि, उपेक्षित समूहों के लिए निजी क्षेत्र में आरक्षण अभी तक एक दूर का ही सपना रहा है.

हमारा संविधान सभी नागरिकों के लिए अवसर की समानता सुनिश्चित करने पर बल देता है और साथ यह भी सुनिश्चित करता है कि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को वरीयता मिले. अतः संविधान के मौलिक सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए निजी क्षेत्र में आरक्षण एक उत्तम विचार नजर आता है. वर्तमान समय में यह विचार और भी प्रभावपूर्ण तरीके से अपनी जगह बना रहा है, क्योंकि सरकारी क्षेत्र में नौकरियों की संख्या कम होती जा रही है. ध्यातव्य है कि आरक्षण का प्रावधान सरकारी नौकरियों तक सीमित है, लेकिन 1991 में हमारी अर्थव्यवस्था में खुलापन या उदारीकरण आने के बाद सरकारी नौकरियों की संख्या लगातार घटती जा रही है और निजी क्षेत्र की नौकरियों में वृद्धि हुई है. यानी सरकारी नौकरियों के माध्यम से सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के अवसर सिमटते जा रहे हैं. अतः निजी क्षेत्र में आरक्षण देना चाहिए.

इसके अतिरिक्त निजी क्षेत्र में आरक्षण के पक्ष में एक मजबूत तर्क यह भी है कि सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र को कई रियायतें दी गई हैं. अतः इस दृष्टि से निजी क्षेत्र को भी सामाजिक दायित्वों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए.

हालाँकि हमें यह भी समझना होगा कि कमजोर वर्गों का उत्थान केवल नौकरियों में आरक्षण देने से ही नहीं होगा और न ही यह सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने का एकमात्र उपाय है. कमजोर वर्गों के स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा, सभी पक्षों का ध्यान रखना होगा, अन्यथा वंचित वर्ग वंचित ही बना रहेगा.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–हाइड्रोपोनिक तकनीक क्या है? इसे भविष्य की कृषि पद्धति क्यों माना जाता है?

उत्तर–हाइड्रोपोनिक फसल उत्पादन से सम्बन्धित तकनीक है, जिसके तहत नियन्त्रित वातावरण (ताप, दाब, आर्द्रता, पोषक तत्व आदि) में बिना मिट्टी के केवल पानी में फसलों का उत्पादन किया जाता है.

- ग्रीनहाउसनुमा बन्द सिस्टम में इस विधि के अन्तर्गत पौधों की जड़ें एक पाइपनुमा संरचना, जिसमें पोषक तत्वों से युक्त जल प्रवाहित होता है, के सम्पर्क में रहती हैं
- इस तकनीक द्वारा पौधों को पोषण तथा आधार दोनों प्राप्त होता है और मिट्टी की आवश्यकता नहीं होती है.
- हाइड्रोपोनिक्स तकनीक द्वारा आज बड़ी संख्या में सब्जियों, फलों एवं खाद्यान्न फसलों तथा पशुओं हेतु चारे को बिना खेत के कम जगह में उगाया जाना सम्भव हो चला है.
- हाइड्रोपोनिक्स तकनीक की अनेक खूबियों के कारण इसे कृषि क्षेत्र में क्रान्तिकारी माना जा रहा है.

इसे भविष्य की कृषि पद्धति माने जाने के कारण

(i) हाइड्रोपोनिक्स तकनीक में फसल उत्पादन के लिए खेत या मिट्टी की आवश्यकता नहीं होती है. अतः इस तकनीक द्वारा फसलों को वहाँ भी उगाया जा सकता है, जहाँ जमीन कम है या नहीं है.

(ii) इस तकनीक से पौधों को घरों में भी उगाया जा सकता है जिससे न केवल स्थान का अधिकतम उपयोग होगा अपितु उस स्थान का सौंदर्य भी बढ़ेगा.

(iii) इस तकनीक से फसल उत्पादन पर जलवायु का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है. फसलोत्पादन में मौसमी बाधाएँ समाप्त हो जाती हैं तथा हर समय, हर स्थान पर फसलों का उत्पादन किया जा सकता है. इससे किसानों की आय में भी वृद्धि होती है.

(iv) हाइड्रोपोनिक्स तकनीक से फसल उगाने में पानी की लगभग 80 प्रतिशत तक की बचत होती है तथा पानी का पुनः उपयोग भी किया जा सकता है.

(v) इस तकनीक से पौधों के पोषक तत्वों की माँग के अनुरूप पूर्ति पर नियन्त्रण होता है, क्योंकि पानी व उसमें घुले पोषक तत्वों की समय-समय पर जाँच की जा सकती है तथा आवश्यकतानुसार उसे नियन्त्रित भी किया जा सकता है.

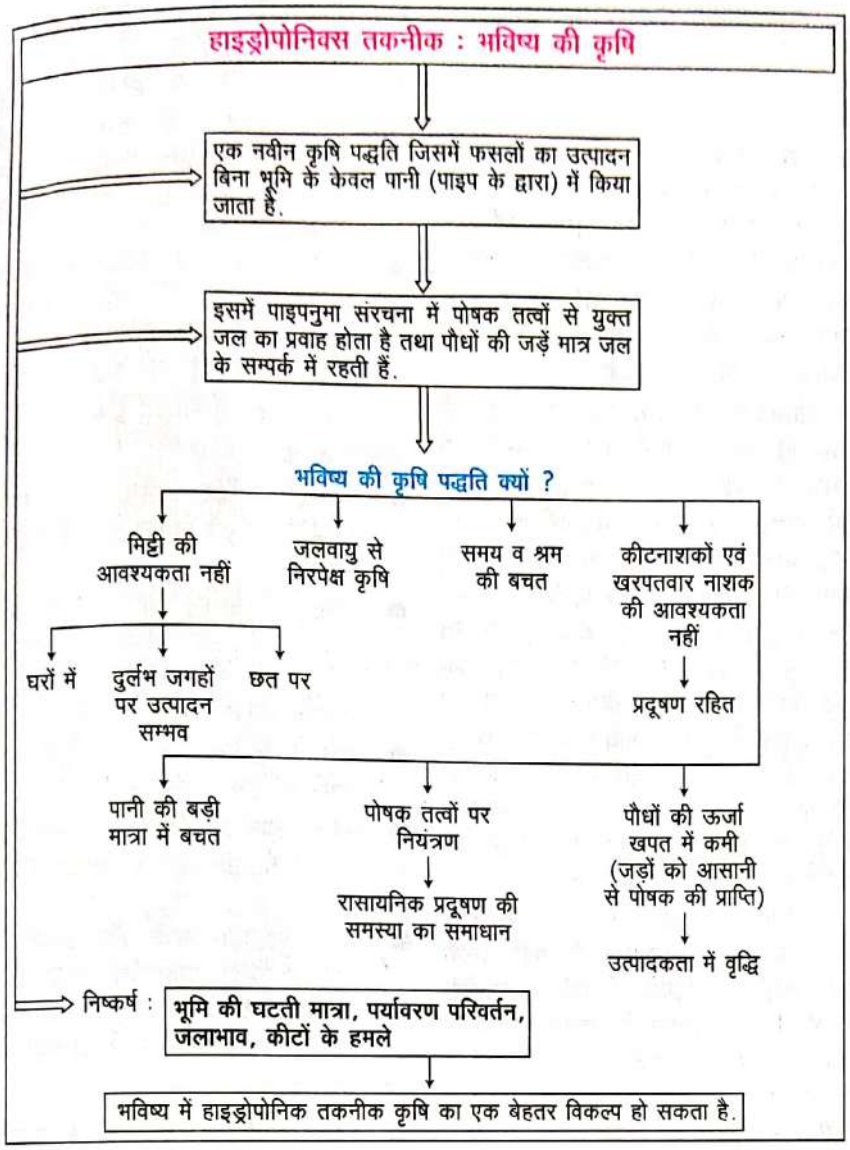

(vi) सामान्य कृषि की स्थिति में मिट्टी में पौधे अपनी अधिकांश ऊर्जा जड़ों के माध्यम से पोषक तत्वों को खोजने में बर्बाद कर देते हैं, लेकिन हाइड्रोपोनिक्स पद्धति में पौधे एक आदर्श वातावरण में रहते हैं.

(vii) इस तकनीक द्वारा फसलों का उत्पादन एक नियन्त्रित सिस्टम में होता है, अतः किसान आसानी से कीट व बीमारियों पर नियन्त्रण पा लेते हैं.

(viii) इस तकनीक से समय व श्रम की बचत होती है, क्योंकि यहाँ मिट्टी नहीं होती है परिणामतः खेत से जुड़े श्रम यहाँ नहीं करने पड़ते हैं.

उपर्युक्त विवेचना से स्पष्ट है कि हाइड्रोपोनिक तकनीक भूमि की घटती मात्रा, पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, जलाभाव, कीट आदि का सामना करने की क्षमता है. इसी कारण इसे भविष्य की कृषि माना जा रहा है.

सि.से.प्रा. परीक्षा प्रश्न–निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

(1) हाइड्रोपोनिक तकनीक को भविष्य की कृषि कहा जाता है.

(2) हाइड्रोपोनिक कृषि के लिए उर्वरा युक्त खेत के साथ स्वच्छ पानी की आवश्यकता होती है.

(3) इस तकनीक से फसल उत्पादन पर जलवायु का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

(A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3

(C) 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

उत्तर–(C)

स्पष्टीकरण

- यह खेती की एक आधुनिक तकनीक है. इस तकनीक में मिट्टी के बगैर, जलवायु को नियन्त्रित करके खेती की जाती है.
- हाइड्रोपोनिक खेती में पाइप का प्रयोग करके पौधों को उगाया जाता है. पाइप में कई छेद बने रहते हैं, जिसमें पौधे लगाए जाते हैं. पौधों की जड़ें पाइप के अन्दर पोषक तत्वों से भरे जल में डूबी रहती हैं.
- इस तकनीक के माध्यम से छोटे पौधों वाली फसलों की खेती की जा सकती है. जिसमें गाजर, शलजम, ककड़ी, मूली, आलू, शिमला मिर्च, मटर, मिर्च, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, तरबूज, खरबूज, अनानास, आजवाइन, तुलसी आदि शामिल हैं.
- परम्परागत खेती की तुलना में इस विधि से खेती करने पर कम जगह में अधिक पौधे उगाए जा सकते हैं.
- करीब 15 से 30 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान और 80 से 85 प्रतिशत आर्द्रता में हाइड्रोपोनिक खेती की जाती है.
- इस तकनीक से खेती करने पर पानी की 90% तक बचत होती है.

कृषि एवं ग्रामीण विकास

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–राष्ट्रीय व राजकीय स्तर पर कृषकों को दी जाने वाली विभिन्न प्रकार की **आर्थिक सहायताएँ** कौन-कौनसी हैं ?

उत्तर–भारत कृषि प्रधान देश की श्रेणी में आता है, जहाँ की लगभग **54·6 प्रतिशत** जनसंख्या की आजीविका का आधार कृषि ही है. कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग **17·4 प्रतिशत** है. भारत में कृषि कार्यों में अनिश्चितता, मौसमी दुश्चिंताओं के साथ-साथ वित्त की अनुपलब्धता एवं फसलों के उचित मूल्य न मिल पाने के कारण कृषकों को राजकीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर **सब्सिडी उपलब्ध** कराई जाती है.

राष्ट्रीय व राजकीय स्तर पर कृषकों को दी जाने वाली सब्सिडियों (आर्थिक सहायताएँ) का विवरण इस प्रकार है–

(1) **उर्वरक सब्सिडी**–कृषकों को सस्ते मूल्य पर, वांछित मात्रा में हर समय उर्वरक सब्सिडी प्रदान की जाती है.

(2) **विद्युत् सब्सिडी**–इस सब्सिडी का उद्देश्य कृषकों को उपेक्षाकृत कम मूल्य पर विद्युत् उपलब्ध करवाना है. इसका उपयोग कृषक सामान्यतः सिंचाई आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए करता है.

(3) **सिंचाई सब्सिडी**–सरकार द्वारा कम मूल्य पर नलकूपों, नहरों आदि के माध्यम से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है.

(4) **बीज सब्सिडी**–इसके अन्तर्गत सरकार कम मूल्य पर किसानों को सस्ते व अच्छे किस्म के बीज की सुविधा उपलब्ध करवाती है.

(5) **निर्यात सब्सिडी**–अन्तर्राष्ट्रीय प्रति-स्पर्द्धा का सामना करने के लिए कृषकों को इस प्रकार की सब्सिडी प्रदान की जाती है.

(6) **ऋण सब्सिडी**–सरकार अपेक्षाकृत कम ब्याज दर पर ऋण सुविधा उपलब्ध करवाती है, ताकि कृषकों को कृषि सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके.

naukaritak.com for Dec 2022

(7) **कृषि उपकरण सब्सिडी**–नवीन प्रकार के कृषि उपकरणों (जैसे–ड्रिप या स्प्रिंकल सिंचाई सिस्टम) के लिए भी सब्सिडी प्रदान करती है.

(8) **कृषि अवसरंचना सब्सिडी**–शीतगृह भंडार जैसी सुविधाओं को सस्ते मूल्य पर प्रदान करना इस प्रकार की सब्सिडी का उदाहरण है.

उपर्युक्त कृषि सब्सिडियों ने जहाँ कृषकों को लाभ पहुँचाकर उनके सामाजिक आर्थिक कारकों में सकारात्मक बदलाव आया है.

सि.से.प्रा. परीक्षा प्रश्न–2020

प्रश्न–भारत में निम्नलिखित में से किन्हें कृषि में सार्वजनिक निवेश माना जा सकता है–

(1) सभी फसलों के कृषि उत्पाद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करना.

(2) प्राथमिक कृषि साख समितियों का कम्प्यूटरीकरण.

(3) सामाजिक पूँजी विकास.

(4) कृषकों को निःशुल्क बिजली की आपूर्ति.

(5) बैंकिंग प्रणाली द्वारा कृषि ऋण की माफी.

(6) सरकारों द्वारा शीतागार सुविधाओं को स्थापित करना.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1, 2 और 5

(B) केवल 1, 3, 4 और 5

(C) केवल 2, 3 और 6

(D) 1, 2, 3, 4, 5 और 6

उत्तर–(C)

स्पष्टीकरण

- सार्वजनिक निवेश के अन्तर्गत बुनियादी ढाँचा या अवसंरचनात्मक परियोजनाओं में सरकार द्वारा निवेश किया जाता है. सरकार बुनियादी ढाँचे में निवेश करके देश की जनता को बेहतर सुविधाएँ और सेवाएँ प्रदान करती है. कृषि में किसी भी तरह की सब्सिडी सार्वजनिक निवेश के अन्तर्गत नहीं आती है.
- प्रश्नगत विकल्पों में कृषि में सार्वजनिक निवेश के अन्तर्गत प्राथमिक कृषि साख समितियों का कम्प्यूटरीकरण, सरकार द्वारा शीतागार सुविधाओं की स्थापना तथा सामाजिक पूँजी विकास यानी कृषि व इससे सम्बन्धित संस्थाओं के मध्य बेहतर समन्वय दीर्घकाल में कृषि के विकास को ही सुनिश्चित करेंगे.

सम्प्रदायवाद

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–"धार्मिक कट्टरता किसी भी लोकतान्त्रिक देश की उन्नति में बाधक रही है." विवेचना कीजिए.

उत्तर–धार्मिक कट्टरता से आशय किसी धर्म द्वारा अपने धर्म के आदर्शों को एकमात्र सत्य मानकर दूसरे धर्मों के प्रति असहिष्णुता का भाव प्रदर्शित करता है. ऐसी स्थिति में सामान्यतः धार्मिक हिंसा को बढ़ावा मिलता है एवं समाज में अशांति फैलती है. वही लोकतन्त्र सभी लोगों को समान अधिकार प्रदान करने वाली ऐसी शासन प्रणाली है जहाँ लोगों के मध्य जाति, धर्म एवं नस्ल के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव स्वीकार नहीं किया जाता है.

लोकतन्त्र समानता एवं स्वतन्त्रता की भावना से युक्त होता है. अगर ऐसे देश में धार्मिक कट्टरता पैदा हो जाती है, तो यहाँ न सिर्फ अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन होगा, बल्कि ऐसे देशों की विविधता भी खत्म होगी, क्योंकि धार्मिक कट्टरता का लक्ष्य ही अपने धर्म की श्रेष्ठता स्थापित करना होता है. ऐसे देशों में विकास के मुद्दे गौण होते जाते हैं स्वयं स्वार्थी नेताओं द्वारा चुनाव में धार्मिक भावनाओं का उन्माद फैलाकर वोट हासिल किए जाते हैं एवं ऐसे चुने गए लोगों का लक्ष्य देश का विकास करना न होकर, एक समुदाय विशेष की भावनाओं को सन्तुष्ट करना होता है.

धार्मिक कट्टरता जहाँ एक ओर देश की शान्ति को भंग करती है, वहीं दूसरी ओर अपनी रूढ़िवादी संकीर्ण धार्मिक विचारों में फाँसे रखती है जिससे समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं महिला अधिकारों का हनन होता है एवं लोकतन्त्र में प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करने में सक्षम नहीं होते, जिससे समाज में जड़ता बढ़ती जाती है एवं उन्नति नष्ट होती जाती है.

वस्तुतः धार्मिक कट्टरता से युक्त देश में लोकतान्त्रिक मूल्यों को प्राप्त करना सम्भव नहीं होता, क्योंकि लोकतन्त्र समानता एवं बन्धुत्व की बात करता है, वहीं कट्टरता एकरूपता एवं धर्मविशेष के लोगों के महत्व की बात करती है, जिससे देश की उन्नति में सभी की भागेदारी सुनिश्चित नहीं हो पाती है एवं इससे देश की शान्ति एवं उन्नति प्रभावित होती है.

शासन व्यवस्था

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–"राजनीति और शासन में सोशल मीडिया की भूमिका का परीक्षण कीजिए".

उत्तर–जनमत (Public Opinion) को 'लोकतन्त्र की मुद्रा' कहा जाता है. यह ऐसा माध्यम है जहाँ लोग दैनिक जीवन के विषयों से लेकर राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों तक बहस और संवाद करने में सक्षम हुए हैं.

सोशल मीडिया भारतीय राजनीति को कैसे लाभ पहुँचाता है ?

- **जनता में जागरूकता का प्रसार**–ऐतिहासिक रूप से लोग कभी भी सरकारी नीतियों को लेकर इतने जागरूक नहीं थे, जितने आज हैं.
- सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग के माध्यम से सरकारी पहुँच बढ़ गई है, जहाँ विभिन्न सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से लोगों में जागरूकता का प्रसार किया जा रहा है.
- उदाहरण के लिए कोविड महामारी के दौरान सतर्कता सम्बन्धी जागरूकता के प्रसार में और चिकित्सा हेतु लोगों के मार्ग दर्शन में सोशल मीडिया अत्यन्त प्रभावी साबित हुआ है.

अन्तराल को दूर करना

- सोशल मीडिया लोगों और उनके प्रतिनिधियों को निकट लाने में सहायक रहा है.
- संचार की बाधाएँ, जो लोगों को अपने नेताओं के साथ संवाद की अनुमति नहीं देती थीं, सोशल मीडिया के कारण पर्याप्त कम हो गई है.
- सोशल मीडिया पर राजनीतिज्ञ अपने समर्थकों तक पहुँच रहे हैं.
- इसने आम नागरिकों की राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने की क्षमता में वृद्धि की है.
- इसके अलावा, भारत और उसके मित्र देशों के बीच राजनयिक सम्बन्धों को प्रभावित करने के लिए सोशल मीडिया का सक्रिय रूप से उपयोग किया गया है.

बाधाओं को कम करना

- सोशल मीडिया मंच जनता-राजनेता संवाद का सस्ता और निम्न बाधाकारी माध्यम है. जहाँ कई व्यक्तियों को राजनीतिक दौड़ में प्रवेश करने की अनुमति देकर राजनीतिक लोकतन्त्र को सम्भावित रूप से गहन किया जा रहा है.

बेहतर विश्लेषणात्मक प्रणाली

- जनमत संग्रह के पारम्परिक तरीकों की तुलना में सोशल मीडिया कम मानवीय प्रयास के साथ समय और लागत प्रभावी डेटा संग्रह और विश्लेषण का अवसर देता है.
- 'डेटा एनालिटिक्स' प्रत्येक चुनाव अभियान का मूल रणनीतिक बनने के लिए स्वयं को विकसित कर चुका है.

सोशल मीडिया के राजनीतिकरण के नकारात्मक प्रभाव

राजनीतिक ध्रुवीकरण

- राजनीतिक अभियान कभी-कभी देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक और सामाजिक तनाव पैदा करते हैं.
- सोशल मीडिया ने लोकलुभावन राजनीति (Populist Politics) की एक शैली को सक्षम किया है, जो अपने नकारात्मक पक्ष में **'हेट स्पीच'**

(Hate Speech) और अतिवादी संभाषण (Extreme Speech) को डिजिटल स्पेस में पनपने की अनुमति देता है जिस पर प्रायः कोई नियन्त्रण नहीं है.

प्रोपेगैंडा का प्रसार

- 'गूगल ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट' के अनुसार, विभिन्न राजनीतिक दलों ने मुख्यतः पिछले दो वर्षों में चुनावी विज्ञापनों पर लगभग 800 मिलियन डॉलर (₹ 5900 करोड़) खर्च किए हैं.

असमान भागीदारी

- सोशल मीडिया जनमत के सम्बन्ध में नीति-निर्माताओं की धारणा को विकृत भी करता है.
- ऐसा इसलिए है, क्योंकि भ्रमित रूप से ऐसा माना जाता है कि सोशल मीडिया, मंच जीवन के हर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन सबकी आवाज एकसमान रूप से नहीं सुनी जाती है.

राजनीतिक रणनीति

- राजनीतिक दल, सोशल मीडिया की मदद से, मतदाताओं की पसंद-नापसंद के बारे में सूचनाएँ प्राप्त करने में सक्षम होते हैं और फिर उन्हें भ्रमित कर अपने पक्ष में मोड़ने का प्रयास करते हैं.
- ऐसे में 'स्विंग वोटर्स' पर विशेष रूप से यह दाँव आजमाया जाता है जिनके विचारों को सूचनाओं के हेरफेर में बदला जा सकता है.
- सोशल के लिए मीडिया ने लोगों को बेहतर सूचना सक्षम तो बनाया है, लेकिन उन्हें बहकाना भी आसान बना दिया है.

सि.से.प्रा. परीक्षा प्रश्न–निम्नलिखित में से किसे 'लोकतन्त्र की मुद्रा' कहा जाता है ?

(A) सांसद की कार्यप्रणाली
(B) जनमत
(C) सोशल मीडिया
(D) प्रिंट मीडिया

उत्तर–(B)

स्पष्टीकरण

- जनमत (Public Opinion) को **'लोकतन्त्र की मुद्रा'** कहा जाता है.
- सोशल मीडिया प्लेटफार्म दिनों दिन सार्वजनिक चर्चा और जनमत निर्माण के प्राथमिक आधार बनते जा रहे हैं.
- अभिव्यक्ति व्यवस्था (Governance of Speech) को लोकतान्त्रिक प्रक्रिया के दायरे में लाने के लिए सोशल मीडिया के शस्त्रीकरण को नियन्त्रित करने के लिए पारदर्शिता और विनियमन लाने की आवश्यकता है.

शासन व्यवस्था में पारदर्शिता एवं जवाबदेही

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–"सूचना का अधिकार क्या है ? यह किस प्रकार सरकार के कामकाज में पारदर्शिता ला सकता है ?

उत्तर–सूचना के अधिकार का अर्थ सरकार के अभिलेखों को सार्वजनिक परीक्षण हेतु खोलना है, जिससे कि नागरिकों को सरकार के कार्यों की जानकारी मिल सके. इससे शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही, पूर्वानुमान व भागीदारी बढ़ती है. भारतीय संविधान में सूचना के अधिकार की अप्रत्यक्ष रूप से गारंटी है, फिर भी वर्ष 2005 में सूचना का अधिकार अधिनियमित किया गया. यह अधिनियम सभी स्तरों पर केन्द्र, राज्य तथा स्थानीय सरकार से अनुदान प्राप्तकर्ता पर लागू है.

सूचना का अधिकार सरकार के कार्यों में पारदर्शिता लाती है, क्योंकि–

- सूचना के अधिकार का प्रयोग करके निर्णय निर्माण को ढंग व निर्णय की प्रभाविता को जानना व उस पर सार्वजनिक चर्चा की जा सकती है, यही संगठन की पारदर्शिता है.
- यदि कोई प्राधिकारी जानबूझ कर सूचना छिपाता है, तो उसके लिए दंडात्मक सजा का प्रावधान है. इस दंड से बचने हेतु सरकार के अंग अपने कार्य को पारदर्शी व जवाबदेह बनाते हैं.
- इस अधिकार के कारण लोक प्राधिकारी सभी अभिलेखों को युक्तियुक्त समय में संसाधनों की उपलब्धता के अधीन रहते हुए कम्प्यूटरीकृत व विभिन्न प्रणालियों पर सम्पूर्ण देश के नेटवर्क से सम्बद्ध करते हैं. इससे जनता को जानकारी प्राप्त करना आसान होता है.
- सूचना का अधिकार लोकतन्त्र में आम नागरिकों की भागीदारी की सुनिश्चितता को सिद्ध करता है.

इस प्रकार सूचना का अधिकार सरकार के कामकाज में पारदर्शिता लाता है.

सि.से.प्रा. परीक्षा प्रश्न–"निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

(1) सूचना का अधिकार विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के अधिकार में अन्तर्निहित है.

(2) सूचना के अधिकार की माँग सर्वप्रथम राजस्थान में हुई थी.

(3) सूचना का अधिकार अधिनियम अक्टूबर 2006 को लागू हुआ.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 (D) 1, 2 और 3

उत्तर–(C)

स्पष्टीकरण

- सूचना का अधिकार एवं 'विचार अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता' के अधिकार में अंतर्निहित है, जिसकी गारंटी संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) में दी गई है.

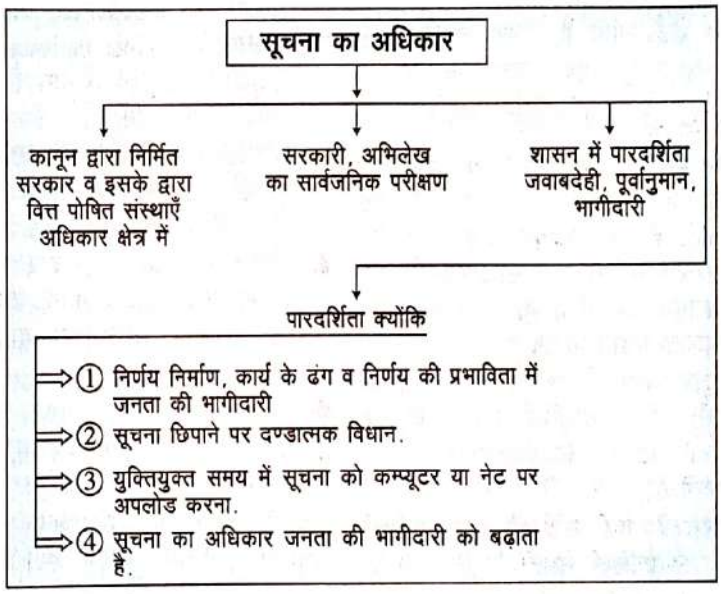

- सूचना के अधिकार की माँग सर्वप्रथम **राजस्थान** से प्रारम्भ हुई. राज्य में सूचना के अधिकार के लिए जनान्दोलन की शुरूआत नब्बे के दशक में 'मजदूर किसान शक्ति संगठन (MKSS) द्वारा **अरुणा राय** की अगुवाई में भ्रष्टाचार के भण्डाफोड़ के लिए जन-सुनवाई कार्यक्रम के रूप में हुई.
- भारतीय संसद ने दिसम्बर 2002 में **'सूचना की स्वतन्त्रता अधिनियम' (Freedom of Information Act 2002)** पारित किया. इससे जनवरी 2003 में राष्ट्रपति की मंजूरी मिली, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया.
- मई 2005 में एक नया सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 (Right to Information Act 2005) संसद ने

पारित किया, जिसे **15 जून 2005 को** राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली और 12 अक्टूबर., 2005 को यह अधिनियम भारत में लागू हुआ.

- विश्व में सर्वप्रथम 246 वर्ष पहले सूचना के अधिकार का कानून बनाने का श्रेय **'स्वीडन'** को जाता है.
- वर्ष 1766 ई. में स्वीडन की सरकार ने 'प्रेस की स्वतन्त्रता नामक कानून (Freedom of Press Act) बनाया.

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–(1) आर्द्रभूमि क्या है? भारत में आर्द्रभूमियों के पर्यावरणीय महत्व की चर्चा हुए इनके समक्ष विद्यमान संकटों को सूचीबद्ध कीजिए.

उत्तर–आर्द्रभूमि नमी या दलदली भूमि वाले वे क्षेत्र हैं, जहाँ भारी मात्रा में नमी पाई जाती है. इसमें तटीय तथा समुद्री (6 मी. की गहराई तक) नदी, झील, तालाब, नहर, बाढ़ के मैदान, दलदल, ज्वारीय दलदल तथा मानव निर्मित आर्द्रभूमियाँ शामिल हैं. इन क्षेत्रों में स्थलीय और जलीय दोनों प्रकार की जैव विविधता पाई जाती है, जिस कारण इन्हें इकोलॉजिकल सुपरमार्केट कहा जाता है.

आर्द्रभूमियों का पर्यावरणीय महत्व

- आर्द्रभूमियाँ हरित गैसों के उत्सर्जन को कम करने में सहायता प्रदान करती हैं तथा कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन तथा नाइट्रस ऑक्साइड जैसी नुकसान देय गैसों के स्थिरीकरण में सहायता प्रदान करती हैं.
- सांभर झील, चिल्का झील, केवलादेव जैसी अन्य आर्द्रभूमियाँ व स्थल प्रतिवर्ष लाखों प्रवासी पक्षियों को आश्रय प्रदान करती हैं.
- भारत के कई आर्द्रभूमि स्थल पर्यटक एवं सांस्कृतिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं, जैसे–सिक्किम की लोकटक झील 'माँ' रूप में तथा सिक्किम की खेचे-ओपलरी झील **'इच्छापूर्ण झील'** के रूप में प्रसिद्ध हैं. इन झीलों में पर्यटक प्रति वर्ष लाखों की संख्या में सैर करने आते हैं.

आर्द्रभूमियों के समक्ष प्रमुख संकट

- धरती के पर्यावरण में नम या आर्द्रभूमि की अहमियत वैसी ही है जैसे शरीर में गुर्दे की. नम भूमि ही धरती के भीतर पीठे पानी के पारिस्थितिक तन्त्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.

सि.से.प्रा. परीक्षा 2014 प्रश्न–'वेटलैंड्स इंटरनेशनल नामक संगठन के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(1) यह रामसर अभिसमय के हस्ताक्षरकर्ता देशों द्वारा बनाया गया एक अंतः सरकारी संगठन है.

(2) यह ज्ञान के विकास और संग्रहण के लिए तथा व्यावहारिक अनुभव का बेहतर नीतियों हेतु पक्ष-समर्थन करने के लिए क्षेत्र स्तर पर कार्य करता है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए--

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर–(B)

स्पष्टीकरण

- वेटलैंड्स इंटरनेशनल, आर्द्रभूमियों के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन को समर्पित एक स्वतन्त्र एवं विश्वसनीय गैर-लाभकारी संगठन (NGO) है. इसका मुख्यालय **नीदरलैंड** में है.
- **वेटलैंड्स इंटरनेशनल** की स्थापना **1937** में इंटरनेशनल वाइल्डफाउल इंक्वायरी (International Wild Fowl Enquiry) के नाम से की जाती थी तथा 1996 में वेटलैंड्स इंटरनेशनल के रूप में नामित हुआ, जबकि रामसर अभिसमय 1971 में हस्ताक्षरित किया गया था.
- वेटलैड्स इंटरनेशनल इस संस्थान के साथ साझेदारी में कार्य करता है न कि रामसर अभिसमय द्वारा सृजित संस्था है.
- यह संगठन जमीनी स्तर पर जाकर आर्द्रभूमियों से सम्बन्धित सूचनाओं एवं आँकड़ों को जुटाता है, उन सूचनाओं को प्रसंस्कृत (Processed) करता है तथा सरकार को आर्द्रभूमियों के संरक्षण सम्बन्धी बेहतर योजनाओं के निर्माण एवं कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करता है.
- यह संगठन सरकार, निजी दानदाताओं तथा कुछ गैर सरकारी संगठनों (NGOs) द्वारा परियोजना आधारित (Project Basis) निधि प्राप्त करता है.

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न (2)–वानिकी से क्या तात्पर्य है ? वानिकी को कितने प्रकारों में विभाजित किया जा सकता है ? विवेचना कीजिए.

उत्तर–वानिकी से तात्पर्य वनों का समावेशी प्रबन्धन करना है अर्थात् मानव लाभ के लिए वनों का प्रबन्धन, सृजन, संरक्षण व उपयोग इस प्रकार करना जिससे सतत् विकास को सुनिश्चित करने में मदद प्राप्त हो.

- प्रायः वानिकी को तीन प्रकारों में विभाजित किया जाता है–

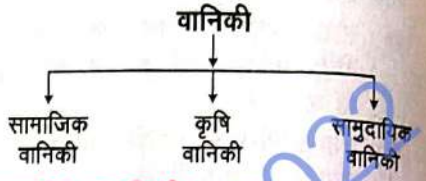

सामाजिक वानिकी

- सामाजिक वानिकी से तात्पर्य पर्यावरणीय सामाजिक व ग्रामीण विकास हेतु वानिकी उत्पादों (लकड़ी, फल, चारा आदि) का वैज्ञानिक उपयोग सुनिश्चित करना है.
- वर्ष 1976 में राष्ट्रीय कृषि आयोग द्वारा इस शब्द को प्रोत्साहित किया गया और माना जा रहा था कि इससे वनों पर निर्भर आदिवासियों, जनजातियों व ग्रामीण लोगों की जीविका को विविधता व स्थिरता प्रदान करने मदद प्राप्त होती है.
- राष्ट्रीय कृषि आयोग द्वारा सामाजिक वानिकी को तीन भागों में विभाजित किया गया है.

सामाजिक वानिकी की उपयोगिता

- जीविका के साधन में स्थिरता एवं विविधता में वृद्धि.
- मृदा अपरदन में कमी.
- जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को न्यून करने में सहायता, क्योंकि इससे ग्रामीण क्षेत्र अधिक प्रभावित हो रहे हैं.
- जल संरक्षण व मृदा उर्वरता में वृद्धि.
- वनों पर अनावश्यक दबाव में कमी.

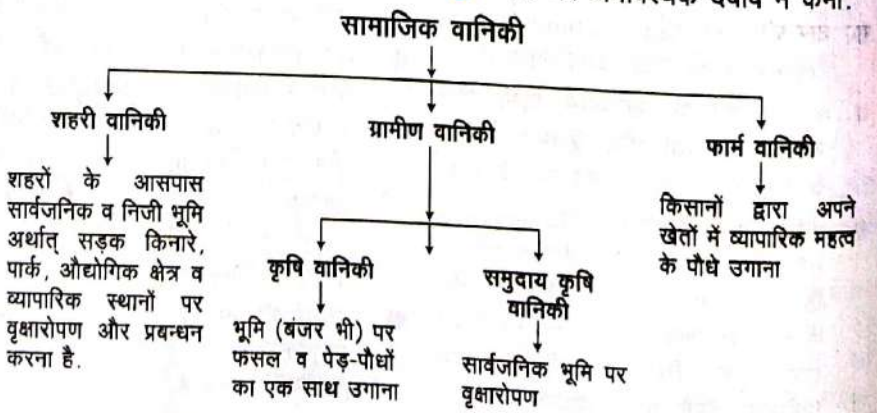

naukaritak.com for RD Jan to Dec 2022

कृषि वानिकी

- कृषि वानिकी मृदा प्रबन्धन की एक ऐसी पद्धति है, जिसमें पर्यावरणीय अनुकूल पेड़-पौधे व वनस्पतियों को क्रमबद्ध तरीक से कृषि फसलों के साथ उगाया जाता है, साथ ही पशुपालन को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाता है.
- कृषि वानिकी से भूमि की उपयोगिता बढ़ जाती है, क्योंकि इससे ईंधन-लकड़ी, चारा, मौसमी फल आदि आसानी से प्राप्त होने लगते हैं.

कृषि वानिकी के लाभ

- खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि.
- वनीय अर्थात् वृक्षों से सम्बन्धित उत्पादों में वृद्धि.
- पशुपालन में वृद्धि.
- जैविक खाद की उपलब्धता
- गाँवों में जीविका के वैकल्पिक साधन होने से गाँवों से शहरों की ओर पलायन में कमी.

सामुदायिकी वानिकी

- सामुदायिक वानिकी के अन्तर्गत सार्वजनिक भूमि पर पौधारोपण किया जाता है अर्थात् सड़क व नहर किनारे, सार्वजनिक परिसरों, शवदाह गृह, विद्यालय/छात्रावास ग्राम समाज भूमि, सार्वजनिक भवनों की बाउंड्री और शासकीय भूमि पर पौधा-रोपण को प्रोत्साहित किया जाता है.

सि.से.प्रा. परीक्षा प्रश्न–भारत में सामुदायिक वानिकी परियोजना किस वर्ष शुरू हुई थी ?

(A) 1952 में (B) 1976 में

(C) 1984 में (D) 1956 में

उत्तर–(B)

स्पष्टीकरण

- सामुदायिक वानिकी सन् 1976 में शुरू की गई एक परियोजना है, जिसके द्वारा वनों का विकास तथा संरक्षण किया जाता है.
- यह परियोजना भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही है इसके प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

(i) वनों उपयोगी वृक्षों को रोपना.

(ii) व्यक्तिगत क्षेत्रों में सहकारी सहयोग से वनों का विकास.

(iii) प्रदूषण से उत्पन्न खतरों को कृत्रिम वनों के विकास द्वारा दूर करना.

(iv) विलुप्त हो रही वन्य जातियों को विशेष संरक्षण प्रदान करना.

प्राचीन भारत

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न–फाह्यान का यात्रा विवरण प्रस्तुतीकरण करते हुए उसके ग्रंथ से प्राप्त साक्ष्यों का तथ्यात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए.

उत्तर–भारत में विभिन्न बौद्ध यात्रियों का समय-समय पर भ्रमण होता रहा है. इनके दृष्टिकोण भले ही एकांकिक रहे हों परन्तु इनके द्वारा प्रदत्त सूचनाएँ महत्वपूर्ण हैं. फाह्यान के विवरण में समकालीन जानकारियाँ प्राप्त होती हैं.

चन्द्रगुप्त द्वितीय का समकालीन फाह्यान उसका नाम उल्लेख नहीं करता है, लेकिन अपनी यात्रा के मुख्य स्थान जैसे खोतान, गान्धार, तक्षशिला, पेशावर, मध्य देश आदि का भ्रमण कर उसने उल्लेख किया है. उसने मध्य देश को ब्राह्मणों का देश कहा है, जहाँ के लोग सुखी व सम्पन्न थे, तथा वहाँ मृत्युदण्ड नहीं दिया जाता था. मध्य देश के निवासी किसी जीवित प्राणी की हत्या नहीं करते थे और न ही पशुओं का व्यापार करते थे और न मांस, मदिरा, प्याज, लहसुन आदि का सेवन करते थे, परन्तु चाण्डाल इसके अपवाद थे तथा समाज से बहिष्कृत थे. इस प्रकार चाण्डालों का विस्तृत वर्णन करने वाला फाह्यान पहला विदेशी यात्री था. फाह्यान ने अपने भाषण के दौरान संकिशा तथा श्रावस्ती में अनेक बौद्ध स्मारक तथा भिक्षु देखे तथा वह यहाँ की धर्मशालाओं का उल्लेख करता है. पाटलिपुत्र की प्रशंसा करते हुए वह कहता है कि "यहाँ का राजप्रासाद इतना वृहद और सुन्दर है कि इसे सामान्य मनुष्यों द्वारा नहीं बल्कि देवताओं द्वारा निर्मित किया गया होगा." वह यहाँ के हीनयानी तथा महायानियों के अलग-अलग मतों का उल्लेख करता है.

बंगाल की आर्थिक अवस्था का वह उल्लेख करते हुए वह कहता है कि यहाँ के निवासी लेन-देन में कौड़ियों का प्रयोग करते थे.

फाह्यान की यात्रा के क्रम में संकिशा, श्रावस्ती, कपिलवस्तु वैशाली, सारनाथ, पाटलिपुत्र, राजगृह आदि सम्मिलित थे. उसका यात्रा वृत्तान्त बौद्ध धर्म पर आधारित होने के बावजूद गुप्तकालीन समाज को वर्णित करने में सक्षम है, परन्तु उसका दृष्टिकोण धार्मिक होने के कारण उसके वृत्तान्त को पूर्ण ऐतिहासिक स्रोत के रूप में सम्मिलित नहीं किया जा सकता है.

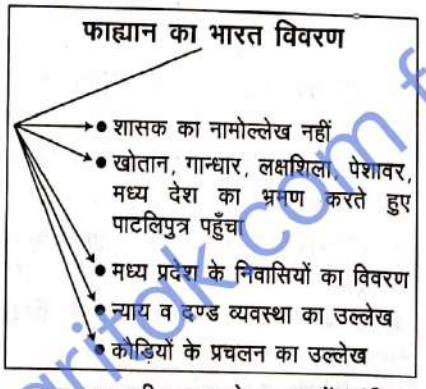

सि.से.मु. परीक्षा प्रश्न 2004–निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

(1) चीनी तीर्थ यात्री फाह्यान ने कनिष्क द्वारा आयोजित की गई चतुर्थ महान् बौद्ध परिषद् में भाग लिया.

(2) चीनी यात्री ह्वेनसांग, हर्ष से मिला और उसे बौद्ध धर्म का प्रतिरोधी पाया.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

(A) केवल 1

(B) केवल 2

(C) 1 और 2

(D) न ही 1 और न ही 2

उत्तर–(D)

स्पष्टीकरण

- चीनी तीर्थ यात्री फाह्यान गुप्तवंशी शासक चन्द्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में भारत आया था तथा 399 ई. से 414 ई. तक उसने भारत के विभिन्न स्थलों की यात्रा की.
- चीनी तीर्थयात्री ह्वेनसांग ने 629 ई. में तांग शासकों की राजधानी चंगन से भारतवर्ष के लिए प्रस्थान किया.
- हर्ष, ह्वेनसांग से मिलने से पूर्व ही बौद्ध धर्म की ओर उन्मुख हो चुका था. ह्वेनसांग से भेंट के बाद उसने बौद्ध धर्म की महायान शाखा को राज्याश्रय प्रदान किया था तथा वह पूर्ण बौद्ध बन गया था.

A Book for
All Candidates
UPKAR
EVER LATEST
GENERAL KNOWLEDGE
(Including Objective Type Questions)
By : Khanna & Verma
Price : ₹ 170/-
UPKAR PRAKASHAN
AGRA–5

naukaritok.com for Dec 2022

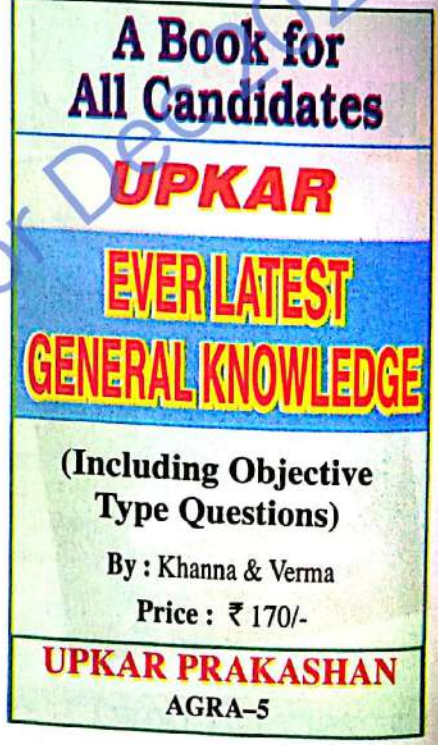

स्मरणीय तथ्य

राष्ट्रीय

1. फीफा अंडर 17 महिला विश्व कप 2022 की मेजबानी किस देश को करनी है ? —भारत
☞ फुटबाल का अंडर 17 महिला विश्व कप 2022 का आयोजन भारत में 11–30 अक्टूबर, 2022 को होगा. इसका आधिकारिक शुभंकर 'इभा' है. इभा एशियाई शेरनी है, जो महिला शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है.
2. सुप्रीम कोर्ट के किस सीनियर जज को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है ?
—जस्टिस डी. वाई. चन्द्रचूड़
☞ सुप्रीम कोर्ट के सीनियर जज जस्टिस डी. वाई. चन्द्रचूड़ 2 सितम्बर, 2022 को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के 31वें कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं. भारत के मुख्य न्यायाधीश यू. यू. ललित नालसा के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष थे.
3. जम्मू-कश्मीर से राज्य सभा के लिए नामित होने वाले पहले गुर्जर मुस्लिम समुदाय के नेता कौन हैं ? —गुलाम अली खटाना
☞ जम्मू-कश्मीर के एक गुर्जर मुस्लिम नेता गुलाम अली खटाना को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 10 सितम्बर, 2022 को राज्य सभा के लिए मनोनीत किया. भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के आदिवासी मोर्चे और अल्पसंख्यक मोर्चे के नेता, जम्मू-कश्मीर के लिए पार्टी प्रवक्ता और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक कार्यकर्ता, 51 वर्षीय गुलाम अली राज्य सभा के लिए मनोनीत होने वाले पहले गुर्जर मुसलमान हैं.
4. भारत में सितम्बर 2022 में लॉन्च हुई भारत में निर्मित घातक बीमारी सर्वाइकल कैंसर (Cervical Cancer) की पहली वैक्सीन (Vaccine) का क्या नाम है ? —सरवावेक (SERVAVAC)
☞ क्वाड्रिवेलेंट ह्यूमन पैपिलोमावायरस वैक्सीन (qHPV) सरवावेक सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और बायो टेक्नोलॉजी विभाग ने साथ मिलकर बनाया है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया भर में हर वर्ष 1·25 लाख महिलाएं इस बीमारी से प्रभावित होती हैं जिनमें से 75,000 से ज्यादा की मौत हर वर्ष हो जाती है.
5. भारत बायोटेक की किस कोविड-19 की भारत की पहली नोजल वैक्सीन को डीसीजीआई (DCGI) से इमरजेंसी इस्तेमाल की अनुमति सितम्बर 2022 में मिल गई है ? —इनकोवॉक (INCOVACC)
☞ डीसीजीआई ने 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के प्राथमिक टीकाकरण के लिए आपातकालीन स्थितियों में प्रतिबंधित उपयोग के लिए इस नाक से दिए जाने वाले रीकॉम्बिनेंट टीके को स्वीकृति दी है.
6. भारत में 8 चीते सितम्बर 2022 में अफ्रीका के किस देश के जंगलों से विशेष विमान से मध्य प्रदेश में लाए गए हैं ? —नामीबिया
☞ नामीबिया से लाए गए चीतों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद 17 सितम्बर, 2022 को मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ा. भारत सरकार ने 1952 में देश में चीतों को विलुप्त करार दे दिया था. छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में 1948 में आखिरी बार चीता देखा गया था.
7. भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा को बढ़ावा देने के लिए, किस कम्पनी के सहयोग से भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा संचालित भारत के उच्च-थ्रूपुट उपग्रह (HTS) ब्रॉडबैंड सेवा के पहले वाणिज्यिक लॉन्च की घोषणा 12 सितम्बर, 2022 को की है ?
—ह्यूजेस कम्युनिकेशंस इंडिया (HCI)
☞ एचसीआई, ह्यूजेस नेटवर्क सिस्टम्स, एलएलसी (ह्यूजेस) और भारती एयरटेल लिमिटेड का एक संयुक्त उपक्रम है, जो ब्रॉडबैंड उपग्रह नेटवर्क और सेवाओं का अग्रणी वैश्विक सेवा प्रदाता कम्पनी है. कम्पनी ने ISRO की जीसैट-11 और जीसैट-29 उपग्रहों की केयू-बैंड क्षमता की मदद से उच्च गति वाली उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाएं पूरे भारत में प्रदान करने का वादा किया है.
8. भारतीय नौसेना की सेवा में किस पहले देश में निर्मित एयरक्राफ्ट कैरियर युद्ध पोत को 2 सितम्बर, 2022 को शामिल किया गया था ?
—आईएनएस विक्रांत (INS Vikrant)
☞ आईएनएस विक्रांत में 76 प्रतिशत कल-पुर्जे स्वदेशी हैं और यह युद्धपोत स्वदेश निर्मित उन्नत किस्म के हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) और हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) के अलावा MIG-29 के लड़ाकू जेट, कामोव-31, एमएच-60आर और मल्टी रोल हेलीकॉप्टरों के साथ 30 विमानों से युक्त एयर विंग के संचालन में सक्षम है.
9. भारतीय नौसेना के प्रोजेक्ट 17ए के तहत् कौनसा तीसरा स्टील्थ फ्रिगेट 11 सितम्बर, 2022 को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), मुम्बई में लॉन्च किया गया ? —तारागिरी
☞ तारागिरी को बनाने की नींव 10 सितम्बर, 2020 को रखी गई थी और इसकी डिलीवरी अगस्त 2025 तक होने की उम्मीद है. तारागिरी को सतह-से-सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली से लैस किया जाएगा.
10. पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में स्थित किस चिड़ियाघर को सर्वश्रेष्ठ चिड़ियाघर 10 सितम्बर, 2022 को घोषित किया गया ?
—पद्मजा नायडू हिमालयन जूलॉजिकल पार्क
☞ पद्मजा नायडू हिमालयन जूलॉजिकल पार्क को 10 सितम्बर को भुवनेश्वर में चिड़ियाघर निदेशकों के सम्मेलन में केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने देश के चिड़ियाघरों की रैंकिंग सूची में प्रथम स्थान प्रदान किया. चेन्नई के अरिग्नार अन्ना जूलॉजिकल पार्क को दूसरा तथा कर्नाटक के मैसूर स्थित श्री चामराजेंद्र जूलॉजिकल गार्डन को तीसरा स्थान मिला.
11. रोमानिया में सितम्बर 2022 में आयोजित विश्व युवा शतरंज चैम्पियनशिप में कौनसा खिलाड़ी भारत का 76वाँ ग्रैंडमास्टर बना ? —प्रणव आनंद
☞ बेंगलूरू के 15 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी प्रणव आनंद भारत के 76वें ग्रैंड मास्टर बन गए हैं. उन्होंने रोमानिया के मामाइया में चल रही विश्व युवा शतरंज चैम्पियन में 2500 ईएलओ रेटिंग की संख्या पार करके यह उपलब्धि हासिल की.
12. कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में डूरंड कप 2022 के फाइनल में 18 सितम्बर, 2022 को विजय प्राप्त कर किस टीम ने पहली बार यह कप जीता ? —बेंगलूरू एफसी
☞ बेंगलूरू एफसी ने फाइनल मैच में मुम्बई सिटी एफसी को 2-1 से हराकर पहली बार भारत के प्रतिष्ठित फुटबाल टूर्नामेंट का डूरंड कप खिताब जीता. बेंगलूरू एफसी के कप्तान सुनील छेत्री थे.

13. उत्तर प्रदेश के किस शहर को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की पहली 'सांस्कृतिक एवं पर्यटन राजधानी' 16 सितम्बर, 2022 को घोषित किया गया ? **—वाराणसी**

☞ शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के नेताओं ने उज्बेकिस्तान के समरकंद शहर में एससीओ शिखर सम्मेलन में वाराणसी को वर्ष 2022-23 के लिए समूह की पहली 'पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी' के रूप में स्वीकार किया.

14. राष्ट्रीय खेल 2022 के किस शुभंकर का अनावरण केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में 4 सितम्बर, 2022 को किया ? **—सावाजी (शेर)**

☞ राष्ट्रीय खेल 2022 का शुभंकर है सावाजी, जिसका अर्थ गुजराती में शेर है. 36वें राष्ट्रीय खेल, जिसकी थीम 'खेल से एकता का उत्सव' (सेलिब्रेटिंग यूनिटी थ्रू स्पोर्ट्स) है, सितम्बर-अक्टूबर 2022 में गुजरात में आयोजित हो रहे हैं.

15. पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह भारतीय जनता पार्टी में अपनी किस पार्टी के साथ 19 सितम्बर, 2022 को शामिल हुए ? **—पंजाब लोक कांग्रेस**

☞ पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अपनी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस का भाजपा में विलय कर दिया है. कैप्टन ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देने के बाद विधान सभा चुनाव से पहले 2021 में ही अपनी पार्टी बनाई थी.

अन्तर्राष्ट्रीय

1. इंटरपोल महासभा की मेजबानी अक्टूबर 2022 में किस देश में आयोजित हो रही है ? **—भारत**

☞ महासभा का आयोजन करने वाले केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) ने कोणार्क सूर्य मंदिर के रथ पहियों से प्रेरित आकृति के इसके लोगों का अनावरण सितम्बर 2022 में किया. इससे पहले भारत में 1997 में अन्तर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन (इंटरपोल) महासभा का आयोजन किया गया था.

2. स्विट्जरलैंड के किस दिग्गज टेनिस खिलाड़ी ने खेल से संन्यास की घोषणा 15 सितम्बर, 2022 को कर दी है. **—रोजर फेडरर**

☞ स्विट्जरलैंड के टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर ने खेल से संन्यास. की घोषणा ट्वीटर के माध्यम से की थी.लंदन में 23–25 सितम्बर में आयोजित लेवर कप उनका आखिरी एटीपी इवेंट था. 41 वर्ष के स्विस टेनिस खिलाड़ी ने 20 बार ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया है.

3. दुबई में खेले गए 2022 एशिया कप क्रिकेट के फाइनल मुकाबले में किस राष्ट्र की टीम ने विजय प्राप्त की ? **—श्रीलंका**

☞ दुबई में सितम्बर में खेले गए 2022 एशिया कप के फाइनल मुकाबले में श्रीलंका ने पाकिस्तान को 23 रनों से हरा कर 8 वर्ष बाद एशिया कप का खिताब जीता है. श्रीलंका ने 6वीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम किया है.

4. तत्कालीन महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने कंजरवेटिव पार्टी की किस नेता को मंगलवार 6 सितम्बर, 2022 को औपचारिक रूप से ब्रिटेन का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया ? **—लिज ट्रस (Liz Truss)**

☞ ब्रिटेन की विदेश मंत्री रहीं लिज ट्रस ने 5 सितम्बर को भारतीय मूल के पूर्व वित्त मंत्री ऋषि सुनक को कंजरवेटिव पार्टी नेतृत्व के लिए हुए मुकाबले में हराया था. उन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर बोरिस जॉनसन का स्थान लिया है. मार्गरेट थैचर और थेरेसा मे के बाद लिज देश की तीसरी महिला प्रधानमंत्री बनीं हैं.

5. ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद कौन ब्रिटेन का राजा बना है ? **—किंग चार्ल्स III**

☞ ब्रिटेन की राजगद्दी पर 70 वर्ष राज्य करने के बाद 8 सितम्बर, 2022 को 96 वर्ष की क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय का निधन हो गया था. 10 सितम्बर को किंग चार्ल्स तृतीय की औपचारिक ताजपोशी हुई.

6. चीन ने चंद्रमा पर एक नए खनिज की खोज की है. इस तत्व को क्या नाम दिया गया है ? **—चेंजसाइट वाई (Changesite-Y)**

☞ चीन ने चंद्रमा पर एक नए फॉस्फेट खनिज की खोज की है. इस तत्व को चेंजसाइट वाई (Changesite-Y) नाम दिया गया है. इसके साथ ही अमरीका और रूस के बाद चीन तीसरा ऐसा देश बन गया है जिसने चाँद पर नए तत्व की खोज की है. मनुष्यों द्वारा चाँद पर खोजा जाने वाला यह 6वाँ नया खनिज है.

7. भारत व जापान ने बंगाल की खाड़ी में कौनसा संयुक्त नौसैनिक अभ्यास सितम्बर 2022 में किया ? **—जिमेक्स (JIMEX)**

☞ भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित जापान-भारत समुद्री अभ्यास जिमेक्स 2022 (JIMEX 22) का छठा संस्करण 11–17 सितम्बर को बंगाल की खाड़ी में सम्पन्न हुआ.

8. शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के अध्यक्ष के रूप में एससीओ के अगले शिखर सम्मेलन की मेजबानी 2023 में कौन करेगा? **—भारत**

☞ 'एससीओ समरकंद शिखर सम्मेलन 2022 के बाद भारत 2023 में संगठन के अध्यक्ष के रूप में एससीओ के अगले शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा. 2001 में शंघाई में स्थापित इसके संस्थापक सदस्य चीन, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान हैं. भारत और पाकिस्तान इसमें 2017 में पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल हुए थे.

9. विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप 2022 प्रतियोगिता 10–18 सितम्बर तक कहाँ आयोजित की गई ? **—सर्बिया के बेलग्रेड में**

☞ इस प्रतियोगिता में भारत के बजरंग पुनिया ने पुरुषों की 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में तथा विनेश फोगाट ने महिलाओं की 53 किग्रा फ्रीस्टाइल में कांस्य पदक जीते.

10. कजाखस्तान की राजधानी नूर सुल्तान का नाम सितम्बर 2022 में पुनः बदलकर क्या कर दिया गया है ? **—अस्ताना**

☞ 1991 में कजाखस्तान की सोवियत संघ से आजादी के समय इसकी राजधानी अलमाती शहर को बनाया गया था. 1995 में राजधानी को बदलकर अकमोला तथा 1998 में अकमोला का नाम बदलकर अस्ताना और 2019 में अस्ताना का नाम बदलकर नूर-सुल्तान रखा गया.

11. अमरीकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट 2022 का महिला एकल खिताब पोलैंड की किस युवा खिलाड़ी ने सितम्बर में जीता ? **—इगा स्वियातेक**

☞ पोलैंड की 21 वर्ष की इगा स्वियातेक ने यूएस ओपन 2022 का महिला एकल खिताब फाइनल में ट्यूनिशिया की ओन्स जाबूर को हराकर जीता. स्वियातेक का यह तीसरा कॅरियर ग्रैंड स्लैम खिताब है, पहले 2 बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीता है.

12. स्पेन के किस 19 वर्षीय खिलाड़ी ने यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट 2022 में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीता ? **—कार्लोस अल्कारेज (Carlos Alcaraz)**

☞ फाइनल मुकाबले में अल्कारेज ने नॉर्व के कैस्पर रूड को हराया. कार्लोस अल्कारेज का यह पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल है. इस जीत के साथ ही कार्लोस अल्कारेज पुरुष सिंगल्स में दुनिया के नम्बर एक खिलाड़ी भी बन गए हैं.

13. संयुक्त राष्ट्र महासभा के सितम्बर 2022 में प्रारम्भ 77वें सत्र का अध्यक्ष कौन है ? **—कसाबा कोरोसी (Csaba Korosi)**

☞ हंगरी के राजनयिक कसाबा कोरोसी संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र के अध्यक्ष के रूप में जून 2022 में चुने गए थे.

14. अटलांटिक महासागर में सितम्बर 2022 में आए कौनसे हरीकेन ने उत्तर अमरीका के तटवर्ती राष्ट्रों में तबाही मचाई ? **—फियोना (Hurricane Fiona)**

☞ कैटेगरी 3 के फियोना तूफान ने उत्तर अमरीकी देश प्यूर्टो रिको, डोमिनिकन रिपब्लिक आदि में तबाही मचाई.

15. चीन में वैज्ञानिकों द्वारा बनाया गया दुनिया का पहला क्लोन जंगली आर्कटिक भेड़िये का क्या नाम है ? **—माया**

☞ इस आर्कटिक वुल्फ को व्हाइट वुल्फ या पोलर वुल्फ के रूप में भी जाना जाता है. ये कनाडा के क्वीन एलिजाबेथ द्वीप समूह के हाई आर्कटिक टुंड्रा का मूल निवासी है. ये नया भेड़िया क्लोन अब 100 दिन का हो चुका है.

naukaritrak.com for PD Jan to Dec 2022

मेरी सफलता का मूल मंत्र है, ''बुलन्द इरादा, गहन अध्ययन, असफलता से सफलता के सृजन की क्षमता एवं पिताजी का शुभ आशीर्वाद''.

– निखिल महाजन

सिविल सेवा परीक्षा–2021 में चयनित (80वाँ स्थान)

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित होकर श्री निखिल महाजन ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण पत्रिका के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री निखिल–धन्यवाद, सर.

प्र. द.–यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री निखिल–यह मेरा छठा प्रयास था.

प्र. द.–आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री निखिल–अपने पिछले पाँच प्रयासों के दौरान, मैंने दो बार मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण की, लेकिन अन्तिम सूची में जगह नहीं बना सका. अपने पाँचवें प्रयास में, मैं बहुत ही कम अन्तर से प्रारम्भिक परीक्षा में चूक गया. इस बार आखिरी मौका होने के कारण, यह एक दुस्साहसिक प्रयास रहा और सौभाग्य से हर स्तर पर चीजें ठीक होती गईं और अंततः मुझे सिविल सेवा परीक्षा 2021 में 80वीं रैंक मिली.

प्र. द.–इस प्रयास में ऐसा क्या रहा जो आप उच्च रैंक प्राप्त कर सके ?

श्री निखिल–इस परीक्षा में सफलता तक पहुँचने के लिए प्रत्येक उम्मीदवार के अलग-अलग तरीके होते हैं. मैंने भी कई रणनीतियाँ आजमाईं. सामान्यतः अभ्यर्थी टॉपर्स की रणनीतियों को देखते हैं और फिर अपनी तैयारी के अपने तरीके पर पहुँचते हैं.

मैं सामान्य अध्ययन और निबन्ध के कोड को क्रैक नहीं कर सका, लेकिन मैंने इस परीक्षा को पास करने की अपनी रणनीति तैयार की, जो मेरे वैकल्पिक विषय गणित पर ध्यान केन्द्रित कर रही थी और यह निश्चित रूप से सफल रही. सामान्य अध्ययन और वैकल्पिक विषय के लिए पाठ्य-पुस्तकों के लिए कोई अलग दृष्टिकोण नहीं रहा, कॉमन पुस्तकें हैं, जो आसानी से ऑनलाइन उपलब्ध हैं.

वांछित सफलता के लिए आपको अपनी ताकत और कमजोरियों का क्षेत्र खुद तय करना होगा और अपनी प्राथमिकताएं स्थापित कर तैयारी करना सदैव हितकर होगा.

प्र. द.–आपका वैकल्पिक विषय क्या था ?

श्री निखिल–मेरा वैकल्पिक विषय गणित था.

प्र. द.–आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

श्री निखिल–मैं गणित में अच्छा था, इसलिए मेरे मन में यह स्पष्ट था कि मैं अपने वैकल्पिक विषय के रूप में गणित को चुनूँगा. यह मेरा अपना विषय भी था.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है ?

श्री निखिल–मुझे भारतीय विदेश सेवा आवंटित की गई है.

naukaritak.com for Dec 2022

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री निखिल–मुझे पता था कि मैंने मुख्य परीक्षा में अच्छा किया है, खासकर मेरे वैकल्पिक विषय गणित में. मेरा इंटरव्यू भी सन्तोषजनक रहा. रिजल्ट आते ही मैंने अपना नाम सर्च किया और इतने वर्षों के संघर्ष के बाद 2 अंकों की रैंक के साथ मेरा नाम था.

व्यक्ति परिचय

नाम–निखिल महाजन
पिता का नाम–श्री सुभाष महाजन
शैक्षिक योग्यता–
10th–2009, Dasmesh Public School, Faridkot, CBSE 95·4%.
12th–2011 , Rose Mary Convent School, Bathinda, CBSE, 92·2%.
B. Tech.–2015, IIT Delhi, CGPA, 7·32/10.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ?

श्री निखिल–मुझे पता है कि सफलता के लिए किसी को कितनी मेहनत करनी पड़ती है, हो सकता है कि असफल लोगों में से कुछ ऐसे लोग भी हों, जो इस सूची में जगह बनाने वाले लोगों की तुलना में अधिक योग्य हों.

वास्तव में, टॉपर के साक्षात्कार बहुत मदद करते हैं, मैंने अपना अन्तिम प्रयास किया, मैं अपने साक्षात्कार से ठीक पहले आत्मविश्वास में कम था. फिर मैंने श्रेयस श्रीवास्तव सर का इंटरव्यू देखा, जिनकी कहानी ऐसी ही थी, लेकिन उन्होंने इंटरव्यू में सबसे ज्यादा अंक प्राप्त किए और वन सेवा प्राप्त की. किसी की कहानी आपके साथ मिलती-जुलती है, तो वह आपको कदम उठाने की प्रेरणा देती है.

प्र. द.–सिविल सेवाओं में जाना आपका निर्णय था या आपके माता-पिता का ?

श्री निखिल–मेरे माता-पिता का मेरे लिए सिविल सेवाओं में आने का एक साझा सपना था. परन्तु जब मैं 8 वर्ष का था, तब एक सड़क दुर्घटना में मैंने अपनी माँ को खो दिया. मेरी माँ के निधन के बाद मेरे पिताजी मुझमें अपनी ऊर्जा का निवेश करने और मेरी माँ के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखने में बहुत केन्द्रित रहे. यू.पी.एस.सी. परीक्षा में एक के बाद एक असफलता के बाद भी अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता मुझमें रही उसका कारण मेरे माता-पिता ही हैं.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री निखिल–मैं आई.आई.टी. दिल्ली से हूँ और यहाँ का माहौल ही कुछ ऐसा है कि आप परीक्षा को अच्छी तरह समझने लगते हैं.

प्र. द.–क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

श्री निखिल–यह मेरा अन्तिम लक्ष्य बन गया था इसलिए इस बारे में मैंने कुछ सोचा ही नहीं था.

प्र. द.–प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

श्री निखिल–

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-1 के लिए : मैंने अपनी तैयारी में 40 से अधिक मॉक टेस्ट का प्रयास किया. जब आप परीक्षा भवन में प्रश्न-पत्र का सामना करते हैं, तो आप शायद ही कभी 30-40 से अधिक प्रश्नों को जानते हैं पर यह काफी नहीं है. अन्त में आपको बहुत सारे ऐसे प्रश्नों का प्रयास करना पड़ता है जिसमें 50-50 सम्भावना है.

इसलिए पर्याप्त आत्मविश्वास हासिल करना और शान्त दिमाग से उन प्रश्नों का प्रयास करना–मॉक टेस्ट के माध्यम से अभ्यास करना एक रणनीति थी.

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-2 (एप्टीट्यूड टेस्ट) के लिए : गणित मेरा वैकल्पिक है इसलिए मैं गणित के प्रश्नों को हल करने के लिए काफी अभ्यस्त हूँ. यह प्रश्न-पत्र मेरे लिए चिन्ता का विषय नहीं था.

प्र. द.–शुरू से ही मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना क्या रही ?

श्री निखिल–मैं सामान्य अध्ययन के कोड को क्रैक नहीं कर सका. मेरी रणनीति अपने वैकल्पिक विषय पर अधिक ध्यान केन्द्रित करने और उच्च अंक प्राप्त करने की थी. पाठ्यक्रम के डायनेमिक पार्ट को कवर करने की मेरी रणनीति विजन आईएएस की मासिक पत्रिका एकल स्रोत पर आधारित थी. स्टेटिक पार्ट के लिए, मैं आधारभूत पुस्तकों और नोट्स बनाने पर निर्भर था. अन्त में, मेरे पास लगभग 1000-1100 टॉपिक्स के नोट्स थे. उसके बाद मैं सिर्फ रिवीजन करता था.

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-4 (नैतिकता) के लिए विशेष रूप से मेरा दृष्टिकोण था

नवीन संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण
उपकार
हिन्दी साहित्य का तथ्यपरक अध्ययन
यू.जी.सी.–नेट/जे.आर.एफ./सेट, असिस्टेंट प्रोफेसर, के.वी.एस., एन. वी.एस., पी.जी.टी., टी.जी.टी., पी-एच.डी., राजभाषा निदेशक, हिन्दी अधिकारी, हिन्दी सहायक, संपादक, समाचार वाचक एवं संघ/राज्य लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं और विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी साहित्य की अनुपम पुस्तक.
लेखक : ओंकार नाथ वर्मा

कोड 2129 ₹ 380/-
विभिन्न परीक्षाओं के विगत् 15 वर्ष के प्रश्नों का भी समावेश.
प्रमुख आकर्षण
➡ आदिकाल ➡ भक्तिकाल ➡ रीतिकाल आधुनिककाल ➡ नाटक ➡ निबंध ➡ कहानी ➡ उपन्यास ➡ आलोचना ➡ हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ ➡ हिन्दी साहित्य की नवीन प्रवृत्तियाँ ➡ हिन्दी के पत्र और पत्रिकाएँ ➡ विविध
उपकार प्रकाशन, आगरा–5
E-mail : care@upkar.in
Website : www.upkar.in

कि मैं जितने उदाहरण रख सकता हूँ, मेरे उत्तर उदाहरणों के साथ भारी रहें.

प्र. द.–आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ?

श्री निखिल–एक बार फिर से मेरा निबन्ध में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा. मैंने निबन्ध उसी प्रकार लिखा था जिस तरह से अन्य टॉपर्स द्वारा चर्चा की जाती रही है. निबन्ध संरचना परिचय, विषय के आस-पास मध्य जिसमें प्रत्येक पैराग्राफ में एक बिन्दु और निष्कर्ष के साथ. अमूर्त विषयों में हमें टॉपिक को परिभाषित करने की आवश्यकता रहती है और यह महत्वपूर्ण बन जाता है कि हम निबन्ध की व्याख्या कैसे करते हैं, दायरा क्या है, हम कैसे तर्क बनाने जा रहे हैं जिसे हम आगे रख रहे हैं और साथ ही यदि आप वास्तविक जीवन के उदाहरण से इसकी पुष्टि करें, तो आपकी प्रस्तुति और आकर्षक बन जाती है.

प्र. द.–साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ?

श्री निखिल–मेरा इंटरव्यू आखिरी हफ्ते में था, इसलिए मेरे पास काफी समय था, तैयारी के लिए मेरे पास लगभग 2 महीने का समय था, मैंने 35 से ज्यादा मॉक इंटरव्यू दिए. कई ऑनलाइन मॉक इंटरव्यू हुए, जिनसे मुझे अंग्रेजी में बात करने और तर्क करने की आदत डालने में मदद मिली.

साक्षात्कार डी.ए.एफ. पर बहुत अधिक फोकस रहता है, आपके लिए सब कुछ महत्वपूर्ण होगा इसलिए यह आपको उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद करता है, जो प्रायः साक्षात्कार के दौरान महत्वपूर्ण होते हैं. साथ ही, मैं समाचार-पत्र पढ़ रहा था. करंट अफेयर्स पढ़ने से मुझे कई प्रश्नों का उत्तर देने में मदद मिली. मेरा इंटरव्यू 23 मई, 2022 को आर. एन. चौबे सर के बोर्ड में था.

मुझसे कई तरह के प्रश्न पूछे गए थे, जैसे–

- पंजाबी कवि शिव कुमार बटालवी के बारे में.
- यू.एफ.ओ. वास्तविक है या कल्पना. अमरीकी सेना द्वारा लगभग 1 वर्ष पहले एक रिपोर्ट थी, जिसमें उन्होंने उल्लेख किया था कुछ हवाई घटनाएं हैं जिन्हें हम नहीं समझते हैं, उन्हें इसकी और जाँच करने की आवश्यकता है.
- भारत-पाकिस्तान सम्बन्ध–पाकिस्तान के साथ हमारे सम्बन्ध अच्छे क्यों नहीं बन पा रहे हैं ?

प्र. द.–सिविल सेवा केवल यही एकमात्र लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री निखिल–मैं एक आई.आई.टी. ग्रेजुएट हूँ. इसलिए मेरे पास निजी क्षेत्र में भी काफी अच्छे अवसर थे. पैसा कभी आकर्षण नहीं था और मेरे सामने मेरा लक्ष्य स्पष्ट था.

प्र. द.–क्या आपने तैयारी के दौरान प्रतियोगिता दर्पण का उपयोग किया ?

श्री निखिल–जब मैं स्कूल में था, मेरे पिताजी प्रतियोगिता दर्पण लाए. तब मैंने प्रतियोगिता दर्पण पढ़ी थी, लेकिन उसके बाद नहीं.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री निखिल–एक ही शब्द है–दृढ़ता और मेरे पिता का आशीर्वाद. यह उनकी सफलता है मैं तो बस एक माध्यम हूँ.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री निखिल–मेरे पिताजी ने बहुत मेहनत की है, उन्होंने मुझे एक अधिकारी बनने के लिए कहा, वे कुछ भी माँग सकते थे, मुझे उन्हें देना था इसलिए इसका पूर्ण श्रेय उनको ही जाता है.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व – *मेरे पिताजी, मुझे पता है कि वह कैसे हैं, उनके दिन का हर मिनट, उनके जीवन का हर दिन मेरे आदर्श हैं.*

सबल पक्ष – *दृढ़ता. अगर मुझे वाकई कुछ चाहिए, तो मैं बहुत त्याग कर सकता हूँ.*

दुर्बल पक्ष – *जिद, कभी-कभी कमजोरी भी हो सकती है.*

रुचियाँ – *औसत दर्जे का गिटार वादक और वास्तव में एक अच्छा भाँगड़ा डांसर.*

प्र. द.–कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे.

श्री निखिल–बहुत स्पष्ट रहें कि आप सिविल सेवाओं में कॅरियर क्यों चाहते हैं, यह एक बहुत ही अप्रत्याशित परीक्षा है.

प्रक्रिया पर ध्यान केन्द्रित करें न कि परिणामों पर. यदि आप वास्तव में कुछ चाहते हैं, तो आपको प्रयास करने में जबरदस्त सन्तुष्टि मिलेगी.

यदि आप 100% आश्वस्त नहीं हैं, तो इस परीक्षा में आगे न बढ़ें और यदि आपकी सोच सकारात्मक है, तो इसे अपना सब कुछ दें.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री निखिल–धन्यवाद.

●●●

नवीन संशोधित संस्करण

उपकार

छत्तीसगढ़ वृहद संदर्भ

(नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित)

लेखकद्वय : संजय त्रिपाठी एवं श्रीमती चंदन त्रिपाठी

कोड नं. : 1437 मूल्य : ₹ 370/-

पुस्तक की विशेषताएँ

पुस्तक का प्रथम खण्ड 'छत्तीसगढ़ : विविध अध्ययन' सामान्य विषयों का है जिसमें छत्तीसगढ़ के भूगोल, जलवायु, कृषि, खनिज, वन, उद्योग, जल संसाधन, अर्थव्यवस्था एवं अन्य विविध विषयों पर प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध कराई गई है.

पुस्तक का द्वितीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ का इतिहास, कला एवं स्थापत्य' का है जिसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास के प्रत्येक काल का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है.

पुस्तक का तृतीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ की संस्कृति' का है जिसमें छत्तीसगढ़ी संस्कृति से सम्बन्धित प्रदेश की संस्कृतिगत विशिष्टताओं से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों का उल्लेख किया गया है.

छत्तीसगढ़ राज्य से सम्बन्धित प्रामाणिक जानकारी अब एक ही पुस्तक में उपलब्ध

उपकार प्रकाशन, आगरा-5
● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in

naukaritalk.com for PD Jan to Dec 2022

मेरी सफलता का मूल मंत्र है, "दृढ़ संकल्प, लक्ष्य-केन्द्रित कठिन परिश्रम असाधारण मार्गदर्शन और सहायक परिवार"

—श्रद्धा शुक्ला

राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा-2021 में चयनित (15वाँ स्थान)

राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित होकर सुश्री श्रद्धा शुक्ला ने अपने जीवन की एक उच्च सार्थकता अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई की पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूल रूप में प्रस्तुत है.

प्रतियोगिता दर्पण में समसामयिक घटनाओं के समालोचनात्मक विश्लेषण स्पष्ट एवं सटीक होते हैं. यह पत्रिका प्रतियोगियों में आत्मविश्वास उत्पन्न कर उनका मार्गदर्शन करती है. वस्तुतः, यह भविष्य-निर्मात्री पत्रिका है.

प्र. द.—राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

सुश्री श्रद्धा—जी, धन्यवाद.

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था ?

सुश्री श्रद्धा—यह मेरा पहला प्रयास था.

प्र. द.—क्या आप उस क्षण को याद कर सकती हैं जब आपने न्यायिक सेवाओं के महत्व को महसूस किया था?

सुश्री श्रद्धा—बचपन से ही विधि (लॉ) ने मुझे हमेशा एक ऐसे उपकरण के रूप में आकर्षित किया, जो हमारे सामाजिक और व्यक्तिगत हितों को एक सामंजस्य में रखता है और जब मैंने इसे कॅरियर के रूप में अपनाने के बारे में सोचा, तब मुझे न्यायपालिका के महत्व के बारे में पता चला.

प्र. द.—आपने किस समय 'न्यायिक सेवाओं' में कॅरियर बनाने का मन बनाया?

सुश्री श्रद्धा—जब मैं 10वीं कक्षा में थी, तभी मैंने निर्णय किया कि मैं लॉ की पढ़ाई करूँगी और कॅरियर के रूप में न्यायिक सेवाओं के लिए जाऊँगी. मेरे परिवार में किसी ने भी लॉ की पढ़ाई नहीं की है और मैं सीनियर सेकेण्डरी परीक्षा (साइंस स्ट्रीम) में स्टेट बोर्ड टॉपर रही हूँ, इसलिए सभी को मुझसे इंजीनियरिंग या मेडिकल की पढ़ाई करने की उम्मीद थी, लेकिन मुझे अपने निर्णय पर पूरा भरोसा था.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थीं और उच्च सफलता के प्रति आशावान थीं? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

सुश्री श्रद्धा—मुझे लग रहा था कि मैं परीक्षा पास कर लूंगी, लेकिन परिणाम से पहले चिंता और भय सभी उम्मीदवारों में एक सामान्य प्रवृत्ति है और नतीजों के बाद सपने के सच होने जैसा था. मैं खुशी से भर गई और मेरी वर्षों की मेहनत आखिरकार रंग लाई.

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचती थीं? क्या इनमें से किसी टॉपर से आप प्रभावित हुईं?

सुश्री श्रद्धा—हाँ, मैं समाचार पत्र/पत्रिकाओं में टॉपर्स के इंटरव्यू पढ़ती रही हूँ और जिस चीज ने मुझे सबसे ज्यादा प्रेरित किया वह था उनका दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत. ऐसी ही एक कहानी जिसने मुझे प्रेरित किया वह थी आकांक्षा तिवारी मैम (रैंक-1, यू.पी. न्यायिक सेवा 2018).

प्र. द.—क्या राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा में शामिल होना आपका निर्णय था या आपके माता-पिता की इच्छा थी?

सुश्री श्रद्धा—यह मेरा निर्णय था जिसके लिए मुझे अपने माता-पिता को समझाना पड़ा, जो शुरू में संदेह में थे, क्योंकि लॉ के क्षेत्र में मेरी कोई पृष्ठभूमि नहीं थी, लेकिन बाद में वे मेरे साथ दृढ़ता से खड़े रहे.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है. शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

सुश्री श्रद्धा—मैंने BA.LL.B (ऑनर्स) के लिए बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया और उसके बाद मैं अपनी तैयारी के लिए एम्बिशन लॉ इंस्टीट्यूट में शामिल हो गई.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

सुश्री श्रद्धा—मैं समय सीमा के बारे में निश्चित नहीं, थी लेकिन मैं हमेशा अपने पहले ही प्रयास में इसे प्राप्त करना चाहती थी.

प्र. द.—समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में कोई कठिनाई हुई ?

सुश्री श्रद्धा—मैं परीक्षा में प्रत्येक विषय को उसके वेटेज के अनुसार समय बांटती थी.

प्र. द.—प्रारम्भिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही?

सुश्री श्रद्धा—'सामान्य अध्ययन' की तैयारी के लिए मैंने प्रतियोगिता दर्पण, इंडियन एक्सप्रेस, द प्रिंट, लाइव लॉ और फ्रंटलाइन का अध्ययन किया. मॉक पेपर्स ने मेन्स लिखने में टाइम मैनेजमेंट की समस्या को दूर करने में मेरी मदद की.

प्र. द.—किसी भी प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करते समय क्या महत्वपूर्ण है और क्या नहीं? अपने विचार और राय साझा करें.

सुश्री श्रद्धा—परिवार का सहयोग और अच्छे दोस्त, कड़ी मेहनत और स्पष्ट ध्यान सबसे महत्वपूर्ण हैं. और असफलताओं का कोई महत्व नहीं है, क्योंकि आप हमेशा इनसे सीखते हैं.

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की?

सुश्री श्रद्धा—साक्षात्कार के लिए, मैं अपने साथी उम्मीदवारों के साथ विधि विषयों, न्याय-शास्त्र और वर्तमान परिदृश्यों पर चर्चा करती थी.

मेरा साक्षात्कार माननीय न्यायमूर्ति संदीप मेहता के पैनल में हुआ. मेरा इंटरव्यू 20–25 मिनट तक चला. उन्होंने मुझसे कानून के विषयों और सामान्य जागरूकता से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए.

प्र. द.—न्यायिक सेवा-केवल यही एक मात्रा लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रही थीं?

naukaritak.com for Dec 2022

सुश्री श्रद्धा–नहीं, मैं कॅरियर के अन्य अवसरों की तैयारी नहीं कर रही थी.

व्यक्ति परिचय

नाम : श्रद्धा शुक्ला
पिता का नाम : श्री एस.के. शुक्ला
माता का नाम : श्रीमती रश्मि शुक्ला
शैक्षिक योग्यता :
बीए.एलएलबी–बी.एच.यू., बनारस हिंदू विश्वविद्यालय 2014–19, 75·8%
12वीं–यू.पी. बोर्ड, बी.एन.एस.डी. शिक्षा निकेतन, कानपुर 2012-13, 92·6%
10वीं–यू.पी. बोर्ड, बी.एन.एस.डी. शिक्षा निकेतन, कानपुर 2010-11, 88·3%

प्र. द.–आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्रा में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप न्यायिक सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगी रहीं. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

सुश्री श्रद्धा–यह मेरे लिए न केवल कॅरियर का अवसर था बल्कि न्यायिक अधिकारी बनना मेरा सपना भी था जिसने मेरे जीवन को उसके अनुसार आकार दिया और इस क्रम में कुछ भी मुझे विचलित नहीं कर सका.

प्र. द.–राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा जैसी परीक्षाओं के लिए परीक्षा के माध्यम का क्या महत्व है?

सुश्री श्रद्धा–राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा दोनों भाषाओं (हिन्दी और अंग्रेजी) में आयोजित की जाती है, इसलिए भाषा कोई बाधा नहीं है, लेकिन वह भाषा चुननी चाहिए जिसमें वह सहज हो.

प्र. द.–क्या एक उम्मीदवार के परिवार की शैक्षिक, वित्तीय और जनसांख्यिकीय स्थिति का तैयारी पर कोई प्रभाव पड़ता है?

सुश्री श्रद्धा–हाँ, ऐसा होता है, जिस वातावरण में आप पले-बढ़े हैं, आपकी सांस्कृतिक चीजें और जनसांख्यिकी आदि आपके चरित्र का हिस्सा बन जाते हैं और आपके साथ रहते हैं.

प्र. द.–क्या आपने तैयारी के दौरान प्रतियोगिता दर्पण का उपयोग किया?

सुश्री श्रद्धा–मुझे प्रतियोगिता दर्पण बहुत जानकारीपूर्ण और सटीक पत्रिका लगी इससे मुझे न्यायिक सेवा परीक्षा के सामान्य अध्ययन वाले पार्ट को तैयार करने में काफी मदद मिली.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है?

सुश्री श्रद्धा–कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प, परिवार का सहयोग और दोस्तों और स्वस्थ प्रतिस्पर्धी भावना.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगी?

सुश्री श्रद्धा–मैं अपनी सफलता का श्रेय ईश्वर, अपने परिवार, दोस्तों और शिक्षकों को देना चाहती हूँ. मैं श्री आलोक कुमार रंजन सर (द हेडमास्टर, एम्बिशन लॉ इंस्टीट्यूट, दिल्ली) का विशेष आभार व्यक्त करना चाहती हूँ.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व	*– मेरी माँ.*
सबल पक्ष	*– लेखन कौशल, समय प्रबंधन, वैचारिक स्पष्टता और सीखने की क्षमता.*
दुर्बल पक्ष	*– धैर्य की कमी.*
रुचियाँ	*– कुकिंग, म्यूजिक, सुनना, पोएट्री, स्टार-गेजिंग और डिजाइनिंग.*

प्र. द.–कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगी?

सुश्री श्रद्धा–पिछले वर्ष के प्रश्नों को हल करें, उत्तर लिखने का अभ्यास करें और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय पढ़ें और सबसे महत्वपूर्ण, अपनी ताकत और कमजोरियों को जानें.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं. ●●●

उपकार

उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

सब-इंस्पेक्टर पुलिस

भर्ती परीक्षा

(समूह 'ग')

अति-विशिष्ट अध्ययन सामग्री के साथ

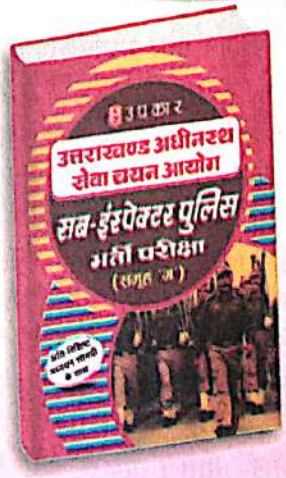

☞ उत्तराखण्ड सामान्य ज्ञान
☞ सामान्य ज्ञान
☞ राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
☞ सामान्य विज्ञान
☞ सामान्य हिन्दी
☞ सामान्य बुद्धि एवं तर्कशक्ति परीक्षा

Code 667 ₹ 280.00

उपकार प्रकाशन, आगरा–5

• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

उपकार पूर्णतया संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

मध्य प्रदेश

सम्पूर्ण अध्ययन

(म.प्र. पी.एस.सी. राज्य सेवा/वन सेवा परीक्षा तथा अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए उपयोगी)

☞ प्रतियोगिता परीक्षा विषयक सभी पक्षों का तथ्यात्मक ज्ञान समाहित
☞ ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक व आर्थिक पहलुओं पर विस्तृत ज्ञान
☞ नवीनतम आँकड़ों का समावेश
☞ परीक्षोपयोगी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश

लेखक
डॉ. शादाब अहमद सिद्दीकी

Code 715 ₹ 370.00

उपकार प्रकाशन, आगरा–5

• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "सकारात्मक दृष्टिकोण, असफलता से सफलता के सृजन की क्षमता, अचूक मार्गदर्शन एवं धैर्य के साथ कठिन परिश्रम."

– श्रीमती बबली कुमारी

66वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित (208वाँ स्थान)

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होकर श्रीमती बबली कुमारी ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई की पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

..... प्रतियोगिता दर्पण सभी सफलताओं की नींव है. इसकी सामग्री में गहराई होती है. समसामयिक घटनाओं पर मजबूत पकड़, इसकी सबसे बड़ी विशेषता है. इसके विश्लेषण तार्किक होते हैं. यह मेरी सफलता की जननी है.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्रीमती बबली–जी, बहुत धन्यवाद.

प्र. द.–किस तरह और कब आपको सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

श्रीमती बबली–मुझे सिविल सेवाओं की समझ स्नातक शिक्षा के दौरान विकसित होनी शुरू हो गई थी, परन्तु वास्तविक महत्व बाद में अनुभव हुआ. सिविल सेवकों के प्रति आदर तथा पद की गरिमा मुझे सिविल सेवा में आने के लिए आकर्षित करने लगी.

प्र. द.–वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कॅरियर की सम्भावनाएं तलाशने का फैसला लिया ?

श्रीमती बबली–सिविल सेवा मेरा एकमात्र लक्ष्य था, परन्तु ग्रामीण पृष्ठभूमि एवं आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहने के कारण विकल्प के रूप में मुझे कोई भी नौकरी की तलाश थी. इस बीच मैंने बिहार पुलिस कॉंस्टेबिल के रूप में कार्य किया.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचती थीं ? क्या आप पिछले वर्षों की परीक्षा के टॉपर्स के साक्षात्कारों का कोई असर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन में अनुभव करती हैं ? इन टॉपर्स में से किसने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

श्रीमती बबली–कई टॉपर्स के साक्षात्कार पढ़ने पर मुझे महसूस हुआ कि टॉपर्स भी सामान्य विद्यार्थी ही होते हैं, परन्तु वे कुशल रणनीति, मार्गदर्शन, कठिन परिश्रम एवं दृढ़ निश्चय से सफलता प्राप्त करते हैं.

प्र. द.–सिविल सेवा–केवल यह ही एक लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रही थीं ?

श्रीमती बबली–सिविल सेवा में जाना मेरा अन्तिम लक्ष्य था.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किन्हें देना चाहेंगी ?

श्रीमती बबली–ईश्वर की कृपा, परिवारजनों का सहयोग एवं आशीर्वाद (विशेषकर बड़े, भईया, श्री चन्द्रशेखर यादव, पति श्री रोहित कुमार) गुरूजनों. श्री संजय सिंह (JNU) सर तथा मित्रों का कुशल मार्गदर्शन एवं सहयोग से यह सफलता प्राप्त हुई. अतः इन्हें मैं अपनी सफलता का श्रेय देना चाहूँगी.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम क्या रहा ? तैयारी हेतु दिशा एवं सही मार्गदर्शन कहाँ से मिला ?

श्रीमती बबली–मैंने सर्वप्रथम सिलेबस एवं पूर्व के प्रश्न-पत्रों का सूक्ष्म अवलोकन किया. मैंने प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी स्वयं की एवं मुख्य परीक्षा की तैयारी CME संस्थान, पटना से (सामान्य अध्ययन की तैयारी) तथा वैकल्पिक विषय की तैयारी संजय पालि सर के कुशल मार्गदर्शन में हुआ. इसके अलावा टेस्ट सीरिज, ग्रुप डिस्कशन से भी लाभ हुआ.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थीं और सफलता के प्रति आशावान थीं ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रया रही ?

श्रीमती बबली–मैंने 64वीं और 65वीं BPSC में हुई गलतियों को सही किया और मैं अपने इस प्रयास में सफलता के प्रति आशान्वित थी.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है ?

श्रीमती बबली–1. BPS, 2. BFS, 3. MEO, 4. BPRO, 5. RO.

प्र. द.–बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में आज सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगी रहीं किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

श्रीमती बबली–सिविल सेवकों को समाज में मिलने वाला सम्मान, पद की गरिमा एवं सिविल सेवा के पदों की अथॉरिटी–आकर्षण के प्रमुख कारण थे. इसके माध्यम से व्यापक स्तर पर समाज हित (बहुजन हिताय/बहुजन सुखाय) में कार्य किया जा सकता है.

प्र. द.–यह सफलता कितने प्रयासों में प्राप्त की और आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखती हैं ?

श्रीमती बबली–यह मेरा तीसरा प्रयास था. मैंने अपने पिछले प्रयासों से प्राप्त असफलताओं को चुनौती समझकर स्वीकार किया.

प्र. द.–समय-प्रबन्धन–चाहे वह तैयारी हो या फिर परीक्षा में उत्तर लिखते समय-समय एक महत्वपूर्ण कारक है, क्या आपने इस दौरान समय को लेकर कोई कठिनाई महसूस की ? यदि हाँ, तो कैसे आपने इसका सामना किया ?

श्रीमती बबली–जी हाँ, समय-प्रबन्धन सफलता हेतु अति आवश्यक है. इसके लिए मैंने प्रतिदिन उत्तर-लेखन का अभ्यास तथा टेस्ट सीरिज के माध्यम से प्रश्नोत्तर का अभ्यास किया.

प्र. द.–आपके ऐच्छिक विषय क्या थे और इनके चुनाव का क्या आधार था ?

श्रीमती बबली–मेरा वैकल्पिक विषय 'पालि भाषा और साहित्य' था. इस विषय में मेरी रुचि, विषय का पर्याप्त एवं गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन, अंकदायी प्रवृत्ति तथा पाठ्यक्रम का छोटा होना–इनके चयन के आधार रहे.

व्यक्ति परिचय

नाम–श्रीमती बबली कुमारी
पिता का नाम–श्री तुलसी प्रसाद
माता का नाम–श्रीमती सुमिला देवी
जन्म तिथि–6 अगस्त, 1995
शैक्षिक योग्यता–
मैट्रिक–हाईस्कूल चेरकी, गया (2010); BSEB, पटना (64·4%)
इण्टर–गया कॉलेज, गया (2012), BSEB, पटना (69·2%)
स्नातक–गया कॉलेज, गया (2015), MU बोधगया (65·75%) (His Hon's)
परास्नातक–IGNOU, दिल्ली (2019), (History Hon's) 60%

प्र. द.–आपने सभी प्रयासों में ऐच्छिक विषय यही रहा या कोई बदलाव रहा ?

श्रीमती बबली–मैंने 64वीं BPSC में ऐच्छिक विषय के रूप में इतिहास को रखा था, परन्तु बाद के प्रयासों में मैंने ऐच्छिक विषय के रूप में पालि भाषा और साहित्य को रखा.

प्र. द.–आपने प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार के लिए क्या योजनाएं बनाईं ?

श्रीमती बबली–सर्वप्रथम, मैंने पाठ्यक्रम एवं विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्नों का सूक्ष्म अध्ययन किया. इसके पश्चात् विषयों की आधारभूत समझ हेतु NCERT की पुस्तकों का विस्तृत अध्ययन किया. एक साथ ही प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार हेतु समय प्रबन्धन किया.

1. प्रारम्भिक परीक्षा के लिए मैंने करेंट अफेयर्स, भारतीय इतिहास, सामान्य विज्ञान एवं बिहार विशेष पर अधिक फोकस किया.
2. मुख्य परीक्षा हेतु अखबार पढ़ना, उत्तर लेखन का अभ्यास करना, दिन-प्रतिदिन की घटनाओं से अवगत रहना आदि का विशेष ध्यान दिया.
3. साक्षात्कार हेतु प्रतिदिन, दिन-प्रतिदिन की घटनाओं से अवगत रहना, व्यक्तित्व निर्माण पर जोर दिया.

प्र. द.–प्रारम्भिक परीक्षा हेतु सामान्य अध्ययन एवं ऐच्छिक विषय में किस प्रकार संतुलन बनाया ?

श्रीमती बबली–जी, BPSC की प्रारम्भिक परीक्षा में सिर्फ सामान्य अध्ययन के ही प्रश्न पूछे जाते हैं.

प्र. द.–नेगेटिव मार्किंग का ध्यान रखते हुए क्या सावधानी एवं रणनीति की जरूरत है ?

श्रीमती बबली–जी, BPSC परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं होती है.

प्र. द.–साक्षात्कार की तैयारी आपने कैसे की और आपका साक्षात्कार कब था, किस बोर्ड में था एवं क्या-क्या प्रश्न पूछे गए ? क्या आप अपने साक्षात्कार से सन्तुष्ट थीं ?

श्रीमती बबली–मेरा साक्षात्कार 7 जून, 2022 को (बोर्ड-अज्ञात) था. साक्षात्कार की तैयारी हेतु सिविल सेवा की तैयारी से जुड़े मित्रों के साथ प्रश्नोत्तर सेशन, मॉक साक्षात्कार में भाग लिया. साक्षात्कार में मेरे स्नातक विषय, वैकल्पिक विषय, सम-सामयिक मुद्दे, पद प्राथमिकता एवं पूर्व में की गई नौकरी (बिहार पुलिस कॉन्स्टेबिल) आदि से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए. जी हाँ, मैं अपने साक्षात्कार से सन्तुष्ट थी.

प्र. द.–किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवाओं की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्रीमती बबली–वस्तुतः यह व्यक्तिगत मामला है. जब भी अभ्यर्थी स्व-प्रेरणा से शत-प्रतिशत सामर्थ्य के साथ तैयारी करने में सक्षम हो, तो तैयारी शुरू की जा सकती है. पूर्णतया समर्पित होकर व्यवस्थित तैयारी करें, तो $1\frac{1}{2}$-2 वर्ष का समय पर्याप्त है. सामान्यतः स्नातक के दौरान तैयारी की शुरूआत उत्तम मानी जाती है.

प्र. द.–आपके अनुसार विज्ञान और मानविकी विषयों में से किस विषय में ज्यादा अंक प्राप्त किए जा सकते हैं ?

श्रीमती बबली–वस्तुतः विषय विशेष से अधिक महत्व, विषय के बेसिक ज्ञान एवं प्रस्तुतीकरण का है.

प्र. द.–आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम को लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

श्रीमती बबली–भाषा अभ्यर्थी के अभि-व्यक्ति का एक माध्यम है. अतः जिस भाषा में सहज एवं सरल रूप से अभिव्यक्ति सम्भव हो, उसी भाषा का चयन करें. वर्तमान में हिन्दी माध्यम में भी पर्याप्त एवं गुणवत्ता-पूर्ण अध्ययन सामग्री व मार्गदर्शन उपलब्ध हैं.

प्र. द.–क्या अभ्यर्थी के परिवार की शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव अध्ययन पर पड़ता है. यदि हाँ, तो कैसे ?

श्रीमती बबली–जी हाँ, बिल्कुल इसका प्रभाव पड़ता है, परन्तु अभ्यर्थी जब लक्ष्य के प्रति दृढ़निश्चयी हो जाता है, तो फिर पृष्ठभूमि कैसी भी हो, मायने नहीं रखती.

प्र. द.–एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखती हैं ?

श्रीमती बबली–परीक्षा के मानक के अनुसार, तथ्यों का त्रुटिहीन एवं सारगर्भित संग्रह ही एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका से अपेक्षा रहती है.

प्र. द.–भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका, प्रतियोगिता दर्पण को इन मानकों के कितने करीब पाते हैं ? इसको और अधिक उपयोगी बनाने के लिए कोई सुझाव देना चाहेंगी ?

श्रीमती बबली–प्रतियोगिता दर्पण इन मानकों के काफी करीब है और मेरी तैयारी में यह काफी सहयोगी रही है. BPSC परीक्षा (मुख्य परीक्षा में) में प्रतियोगिता दर्पण के आलेख के अलावा अतिरिक्तांकों का प्रकाशन काफी उपयोगी रहा.

प्र. द.–क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरीज का उपयोग किया, जो पिछले कई वर्षों से अभ्यर्थियों के बीच बहुत पसन्द की जा रही है ?

श्रीमती बबली–जी हाँ, मैंने अर्थव्यवस्था से सम्बन्धित अतिरिक्तांकों का उपयोग किया.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व–स्वामी विवेकानन्द, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, मेरे बड़े भैया.
सबल पक्ष–कठिन परिश्रम, धैर्य, आत्म-विश्वास.
दुर्बल पक्ष–भावुकता, स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह.
रुचियाँ–बच्चों को पढ़ाना एवं उनके साथ बातें करना.

प्र. द.–प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी कैसी लगी ? इसके प्रकाशन का समय, इसका आकार एवं इसकी सामग्री के बारे में विचार व्यक्त करें.

श्रीमती बबली–प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु मानक पुस्तक है. इसमें वर्ष भर की घटनाओं का बेहतर संकलन उपलब्ध रहता है.

प्र. द.–भविष्य को ध्यान में रखते हुए क्या आपने तैयारी और प्रयासों हेतु कोई समय सीमा निर्धारित की थी ?

शेष पृष्ठ 66 पर

फोकस 1

प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) वित्तीय समावेशन का राष्ट्रीय मिशन

✍ डॉ. मनीष देव

वित्तीय समावेशन की अपनी पहलों के जरिए, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक हाशिए पर रहने वाले और अब तक सामाजिक-आर्थिक रूप से उपेक्षित वर्गों का वित्तीय समावेशन करने और उन्हें सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है. वित्तीय समावेशन (एफआई) के माध्यम से देश में एक समान और समावेशी विकास हासिल किया जा सकता हैं. वित्तीय समावेशन का अर्थ है– कमजोर समूहों जैसे निम्न आय वर्ग और गरीब वर्ग, जिनकी सबसे बुनियादी बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच नहीं है, उन्हें समय पर किफायती दर पर उचित वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराना. वित्तीय समावेशन केवल बैंक या डाकघर में बचत खाता खोले जाने तक सीमित नहीं है वरन् इसमें खाता धारकों को सामजिक सुरक्षा दायरे में लाने के लिए उन्हें कम लगत वाले बीमा उत्पाद भी उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी शामिल है.

यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह गरीबों की बचत को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में लाने का अवसर प्रदान करता है, गाँवों में अपने परिवारों को पैसे भेजने के अलावा उन्हें सूदखोर साहूकारों के चंगुल से बाहर निकालने का मौका देता है. प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) इस प्रतिबद्धता की दिशा में एक अहम् पहल है, जो वित्तीय समावेशन से जुड़ी दुनिया की सबसे बड़ी पहलों में से एक है.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2014 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) की घोषणा की थी. 28 अगस्त, 2014 को इस योजना की शुरूआत करते हुए, प्रधानमंत्री ने इस मौके को गरीबों की एक दुष्चक्र से मुक्ति का उत्सव कहा था.

पीएमजेडीवाई की 8वीं वर्षगाँठ पर केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्तीय समावेशन समावेशी विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के समग्र आर्थिक विकास को सुनिश्चित करता है. 28 अगस्त, 2014 से पीएमजेडीवाई की सफलता 46 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खुलने और उसमें 1·74 लाख करोड़ जमा होने से स्पष्ट पता चलती है. इसका विस्तार 67 प्रतिशत ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों तक हो चुका है और 56 प्रतिशत जन-धन खाताधारक महिलाएं हैं. 2018 से आगे पीएमजेडीवाई के जारी रहने से देश में वित्तीय समावेशन परिदृश्य की उभरती चुनौतियों और आवश्यकताओं को पूरा करने के दृष्टिकोण में उल्लेखनीय बदलाव आया. उन्होंने कहा कि इन खातों के जरिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्रवाह को बढ़ाकर इनके इस्तेमाल पर अतिरिक्त जोर देने के साथ ही, रुपे कार्ड आदि के माध्यम से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देकर 'हर घर' से अब 'हर वयस्क' पर ध्यान केन्द्रित किया गया है.

वित्त मंत्री ने कहा, 'पीएमजेडीवाई के बुनियादी उद्देश्यों जैसे, बैंकिंग सेवा से वंचित लोगों को बैंकिंग सेवा से जोड़ना, असुरक्षित को सुरक्षित बनाना और गैर-वित्तपोषित लोगों का वित्त पोषण करने जैसे कदमों ने वित्तीय सेवाओं से वंचित और अपेक्षाकृत कम वित्तीय सेवा हासिल करने वाले इलाकों को सुविधा प्रदान की है. साथ ही प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए बहु-हितधारकों के सहयोगात्मक दृष्टिकोण को अपनाना सम्भव बनाया है.'

वित्त मंत्री ने अपने संदेश में कहा कि खाताधारकों की सहमति से बैंक खातों को आधार और मोबाइल नंबरों से जोड़कर बनाई गई जेएएम पाइपलाइन (JAM Trinity) ने (जो वित्तीय संस्थान (एफआई) पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है) सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत पात्र लाभार्थियों को तत्काल प्रत्यक्ष लाभ हस्तान्तरण (डीबीटी) के लिए सक्षम बनाया है.' वित्तीय संस्थान (एफआई) पारिस्थितिकी तंत्र के तहत् बनी इस व्यवस्था का लाभ कोविड-19 महामारी के समय देखने को मिला, जब इसने पीएम-किसान के तहत् किसानों को प्रत्यक्ष आय सहायता की सुविधा प्रदान की और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेपी) के तहत् महिला पीएमजेडीवाई खाताधारकों को निर्बाध और समयबद्ध तरीके से अनुग्रह राशि का हस्तांतरण सम्भव हुआ.

वित्तीय समावेशन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में एक है, क्योंकि यह समावेशी विकास के लिए मददगार है. यह कदम गरीबों को अपनी बचत को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में लाने का एक अवसर देता है. यह उन्हें सूदखोर साहूकारों के चंगुल से बाहर निकालने के अलावा अपने परिवारों को धन भेजने का एक विकल्प भी प्रदान करता है.

पृष्ठभूमि

प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) वित्तीय सेवाओं यानी बैंकिंग/बचत और जमा खाते, भेजी गई रकम, जमा, बीमा, पेंशन तक किफायती तरीके से पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में वित्तीय समावेशन का एक राष्ट्रीय मिशन है.

उद्देश्य

- सस्ती लागत पर वित्तीय उत्पादों और सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करना.
- लागत कम करने और पहुँच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना.

योजना के मूल सिद्धांत

- **बैंकिंग सेवा से वंचित लोगों को जोड़ना**–कम-से-कम कागजी कार्रवाई, केवाईसी में छूट, ई-केवाईसी, कैंप मोड में खाता खोलने, शून्य शेष और शून्य शुल्क के प्रावधान के साथ बुनियादी बचत बैंक जमा (बीएसबीडी) खाता खोलना.
- **असुरक्षित को सुरक्षित बनाना**–₹ 2 लाख के मुफ्त दुर्घटना बीमा कवरेज के साथ नकद निकासी और मर्चेंट लोकेशन (दुकानों आदि) पर भुगतान के लिए स्वदेशी डेबिट कार्ड जारी करना.
- **गैर-वित्तपोषित लोगों का वित्त पोषण**–सूक्ष्म-बीमा, ओवरड्राफ्ट की सुविधा, माइक्रो-पेंशन एवं माइक्रो-क्रेडिट जैसे अन्य वित्तीय उत्पाद.

योजना की प्रारंभिक विशेषताएं

यह योजना निम्नलिखित छह स्तम्भों पर शुरू की गई थी–

- **बैंकिंग सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुँच**–शाखा और बैंकिंग कॉरस्पॉण्डेण्ट (बीसी).
- प्रत्येक पात्र वयस्क को ₹ 10,000 की ओवरड्राफ्ट सुविधा के साथ बुनियादी बचत बैंक खाता.
- **वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम**–बचत को बढ़ावा, एटीएम का इस्तेमाल, क्रेडिट के लिए तैयार होने, बीमा एवं पेंशन का लाभ उठाने, बैंकिंग से जुड़े कार्यों के लिए बेसिक मोबाइल फोन के उपयोग को बढ़ावा देना.
- **क्रेडिट गारंटी फंड का निर्माण**–बकाया मामले में बैंकों को कुछ गारंटी प्रदान करने के लिए.
- **बीमा**–15 अगस्त, 2014 से 31 जनवरी, 2015 के बीच खोले गए खातों पर ₹ 1,00,000 तक का दुर्घटना बीमा और ₹ 30,000 का जीवन बीमा.
- असंगठित क्षेत्र के लिए पेंशन योजना.

अतीत के अनुभव के आधार पर पीएमजेडीवाई में अपनाए गए महत्वपूर्ण दृष्टिकोण

- ऑफलाइन खाता खोलने की पहले की पद्धति की जगह, खोले गए नए खाते बैंकों की कोर बैंकिंग प्रणाली में ऑनलाइन खाते हैं.
- रुपे डेबिट कार्ड या आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (एईपीएस) के जरिए अंतर-संचालन.
- फिक्स्ड-प्वाइंट बिजनेस करोस्पोंडेंट.
- केवाईसी से जुड़ी जटिल औपचारिकताओं के स्थान पर सरलीकृत केवाईसी/ई-केवाईसी.

नई सुविधाओं के साथ पीएमजेडीवाई का विस्तार

- सरकार ने कुछ संशोधनों के साथ व्यापक पीएमजेडीवाई कार्यक्रम को 28 अगस्त, 2018 से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया.
- 'हर परिवार' से हटकर अब 'बैंकिंग सेवा से वंचित हर वयस्क' पर ध्यान.
- **रुपे कार्ड बीमा**–28 अगस्त, 2018 के बाद खोले गए पीएमजेडीवाई खातों के लिए रुपे कार्ड पर मुफ्त दुर्घटना बीमा कवर ₹ 1 लाख से बढ़ाकर ₹ 2 लाख कर दिया गया है.

ओवरड्राफ्ट सुविधाओं में वृद्धि

- ओवरड्राफ्ट की सीमा को ₹ 5,000 से दोगुनी करते हुए ₹ 10,000 की गई; ₹ 2,000 तक का ओवरड्राफ्ट बिना शर्तों के मिलेगा.
- ओवरड्राफ्ट के लिए अधिकतम आयु सीमा को 60 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष किया गया.

पीएमजेडीवाई का प्रभाव

पीएमजेडीवाई जन-केन्द्रित आर्थिक पहलों की आधारशिला रही है. चाहे वह प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण हो, कोविड-19 वित्तीय सहायता, पीएम-किसान, मनरेगा के तहत् बढ़ी हुई मजदूरी, जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा कवर हो, इन सभी पहलों का पहला कदम प्रत्येक वयस्क को एक बैंक खाता प्रदान करना है, जिसे पीएमजेडीवाई ने लगभग पूरा कर लिया है.

मार्च 2014 से मार्च 2020 के बीच खोले गए दो में से एक खाता पीएमजेडीवाई खाता था. देशव्यापी लॉकडाउन के 10 दिनों के भीतर लगभग 20 करोड़ से अधिक महिला पीएमजेडीवाई खातों में अनुग्रह राशि जमा की गई.

जन-धन खाता गरीबों को अपनी बचत को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में लाने का एक रास्ता प्रदान करता है और उन्हें गाँवों में अपने परिवारों को पैसे भेजने के अलावा सूदखोर साहूकारों के चंगुल से बाहर निकालने का एक अवसर प्रदान करता है. पीएमजेडीवाई ने बैंकिंग प्रणाली से वंचित रहे लोगों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा है, भारत के वित्तीय ढाँचे का विस्तार किया है और लगभग हर वयस्क के लिए वित्तीय समावेशन को सम्भव बनाया है.

आज के कोविड-19 के काल में, भारत ने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) को तेजी और सहजता के साथ समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाते और वित्तीय सुरक्षा प्रदान करते देखा है. इसका एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रधानमंत्री जन-धन खातों के जरिए डीबीटी ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक रुपया अपने लक्षित लाभार्थी तक पहुँचे और प्रणाली में रिसाव (लीकेज) को रोका जा सके.

पीएमजेडीवाई के तहत् उपलब्धियाँ–14 सितम्बर, 2022 की स्थिति के अनुसार–

(क) पीएमजेडीवाई खाते

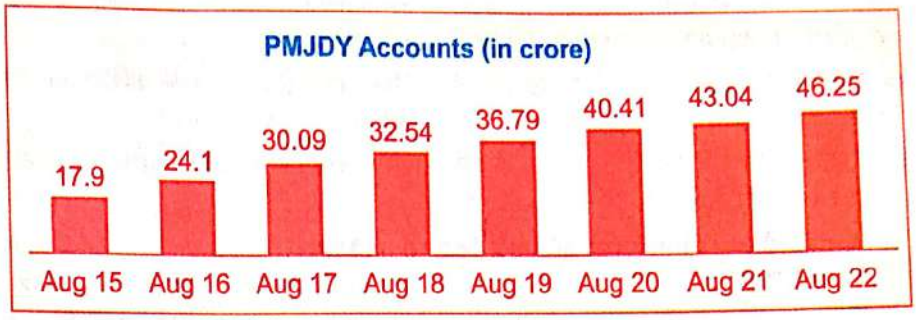

- 14 सितम्बर, 2022 तक पीएमजेडीवाई खातों की कुल संख्या–46·25 करोड़; 55·56 प्रतिशत (25·71 करोड़) जन-धन खाताधारक महिलाएं हैं और 67·27 प्रतिशत (31·18 करोड़) जन-धन खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं.
- इस योजना के पहले वर्ष के दौरान 17·90 करोड़ पीएमजेडीवाई खाते खोले गए.
- पीएमजेडीवाई के तहत् खातों की संख्या में लगातार वृद्धि.
- पीएमजेडीवाई खातों की संख्या मार्च 2015 में 14·72 करोड़ से तीन गुना बढ़कर 14 सितम्बर, 2022 तक 46·65 करोड़ हो गई है. बेशक वित्तीय समावेशन कार्यक्रम की दिशा में यह एक उल्लेखनीय यात्रा है.

(ख) चालू पीएमजेडीवाई खाते

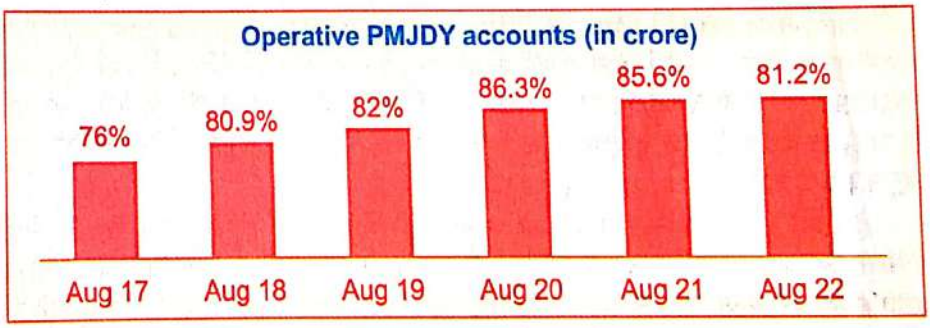

- आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार, यदि किसी पीएमजेडीवाई खाते में 2 वर्ष की अवधि में कोई ग्राहक लेन-देन नहीं करता है, तो उस खाते को निष्क्रिय माना जाता है.
- अगस्त 2022 में कुल 46·25 करोड़ पीएमजेडीवाई खातों में से 37·57 करोड़ खाते (81·2%) चालू हैं.
- केवल 8·2% पीएमजेडीवाई खाते शून्य शेष वाले खाते हैं.

(ग) पीएमजेडीवाई खातों में जमा

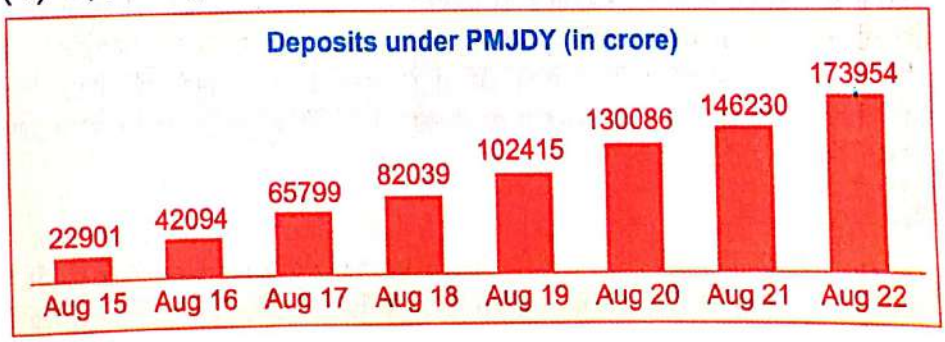

- पीएमजेडीवाई खातों में कुल जमा शेष राशि ₹ 1,73,954 करोड़.
- इन खातों में 2·58 गुना वृद्धि के साथ इनमें जमा होने वाली धनराशि में लगभग 7·60 गुना वृद्धि हुई है (अगस्त 2022/ अगस्त 2015).

(घ) पीएमजेडीवाई खाते में औसत जमा राशि

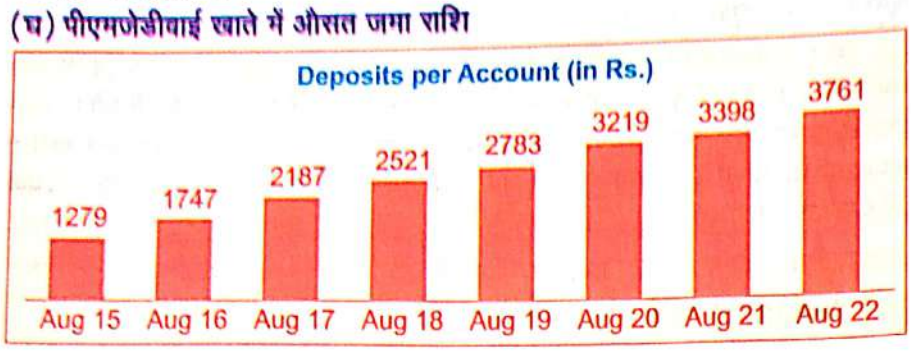

- औसतन हर खाते में जमा राशि ₹ 3,761 है.
- अगस्त 2015 की तुलना में हर खाते में औसत जमा राशि में 2·9 गुना से अधिक बढ़ोतरी हुई है.
- औसत जमा राशि में बढ़ोतरी खातों के बढ़ते उपयोग और खाताधारकों में बचत की आदत का एक और संकेत है.

(ङ) पीएमजेडीवाई खाताधारकों को जारी किए गए रुपे कार्ड

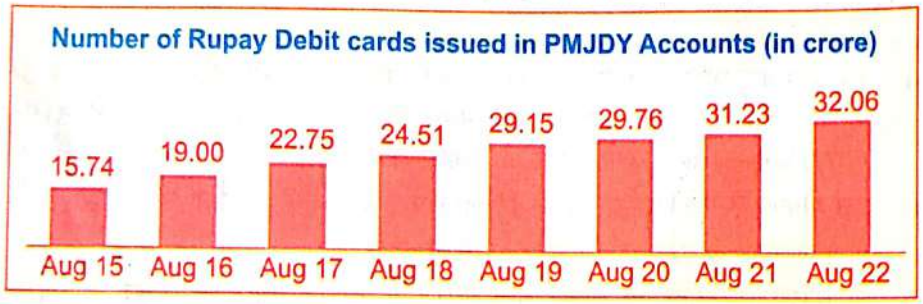

- पीएमजेडीवाई खाताधारकों को जारी किए गए रुपे कार्ड की कुल संख्या—32·06 करोड़.
- समय के साथ रुपे कार्डों की संख्या और उनके उपयोग में बढ़ोतरी हुई है.

जन-धन दर्शक ऐप

देश में बैंक शाखाओं, एटीएम, बैंक मित्रों, डाकघरों आदि जैसे बैंकिंग टच प्वाइंट्स का पता लगाने को एक नागरिक केन्द्रित प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए मोबाइल एप्लिकेशन का शुभारम्भ किया गया. इस जीआईएस ऐप पर 8 लाख से अधिक बैंकिंग टच प्वाइंट्स की मैपिंग की गई है. जन-धन दर्शक ऐप की सुविधाओं का लाभ आम आदमी अपनी जरूरत और सहूलियत के अनुसार उठा सकते हैं.

इस ऐप का उपयोग उन गाँवों की पहचान करने के लिए भी किया जा रहा है, जहाँ 5 किमी के भीतर बैंकिंग टच प्वाइंट्स सेवा नहीं है. इन चिह्नित गाँवों को सम्बन्धित एसएलबीसी द्वारा बैंकिंग आउटलेट खोलने के लिए विभिन्न बैंकों को आवंटित किया जाता है. इन प्रयासों के परिणामस्वरूप बैंकिंग सेवा से वंचित रहने वाले गाँवों की संख्या में काफी कमी आई है.

डीबीटी लेन-देन में सुगमता सुनिश्चित करने की दिशा में

बैंकों द्वारा सूचित किया गया है कि करीब 5·4 करोड़ पीएमजेडीवाई खाताधारक विभिन्न योजनाओं के तहत् सरकार से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्राप्त करते हैं. यह सुनिश्चित करने के लिए कि पात्र लाभार्थियों को उनका डीबीटी समय पर प्राप्त हो, विभाग डीबीटी मिशन, एनपीसीआई, बैंकों और कई अन्य मंत्रालयों के साथ परामर्श कर डीबीटी की राह में आने वाली अड़चनों के टाले जा सकने वाले कारणों की पहचान करने में सक्रिय भूमिका निभाता है. बैंकों और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के साथ नियमित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस सम्बन्ध में सटीक निगरानी से डीबीटी से सम्बन्धित कुल समस्याओं में टाले जा सकने वाले कारणों से आने वाली अड़चनों का हिस्सा 13·5% (वित्त वर्ष 2019-20) से घटकर 9·7% (वित्त वर्ष 2021-22) रह गया है.

डिजिटल लेन-देन

पीएमजेडीवाई के तहत् 31·94 करोड़ रुपे डेबिट कार्ड जारी करने के साथ ही, जून 2022 तक 61·69 लाख पीओएस/एमपीओएस मशीनें लगाई गई और यूपीआई जैसी मोबाइल आधारित भुगतान प्रणाली की शुरूआत के साथ, डिजिटल लेन-देन की कुल संख्या वित्त वर्ष 2016-17 में 978 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 7,195 करोड़ हो गई है. यूपीआई वित्तीय लेन-देन की कुल संख्या वित्त वर्ष 2016-17 में 1·79 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 4,596 करोड़ हो गई है. इसी प्रकार, पीओएस और ई-कॉमर्स में रुपे कार्ड लेन-देन की कुल संख्या वित्त वर्ष 2016-17 में 28·28 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 151·64 करोड़ हो गई है.

आगे की राह

1. सूक्ष्म बीमा योजनाओं के तहत् पीएमजेडीवाई खाताधारकों का कवरेज सुनिश्चित करने का प्रयास. पात्र पीएमजेडीवाई खाताधारकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत् कवर किया जाएगा. इस बारे में बैंकों को पहले ही सूचित कर दिया गया है.
2. देशभर में सम्बन्धित बुनियादी ढाँचा तैयार कर पीएमजेडीवाई खाताधारकों के बीच रुपे डेबिट कार्ड के उपयोग सहित डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना.
3. फ्लेक्सी-आवर्ती जमा आदि जैसे माइक्रो निवेश और माइक्रो-क्रेडिट तक पीएमजेडीवाई खाताधारकों की पहुँच को बेहतर बनाना.

प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) ने 8 वर्ष पूरे कर लिए हैं. वित्तीय समावेशन की यह विश्व की सबसे बड़ी और अनूठी पहल है, यह तेजी से स्पष्ट होता जा रहा है कि राज्य द्वारा शुरू की गई यह एक दुर्लभ और विशिष्ट कल्याणकारी योजना है, जो न केवल पूरी हुई है, बल्कि अपने शुरूआती वादे को निभा पाने में सफल रही है. इस योजना ने वित्तीय समावेशन में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाया है, जैसाकि परिवारों के कवरेज में लगातार वृद्धि से स्पष्ट है, इस योजना के अन्तर्गत खातों की संख्या अगस्त 2015 में 17·9 करोड़ से बढ़कर सितम्बर 2022 में 46·65 करोड़ हो गई है. प्रारंभिक आलोचना के विपरीत कि अधिकांश खाते निष्क्रिय पड़े रहेंगे और बैंकों पर एक मृत भार साबित होंगे, पीएमजेडीवाई खातों में स्वस्थ गतिविधि देखी गई है, निष्क्रिय खाते 2015 में 24 प्रतिशत से घटकर अब 19 प्रतिशत रह गए हैं. इस चिंता के खिलाफ कि कम आय वाले परिवार बचत उत्पादों की तुलना में ऋण के लिए अधिक माँग प्रदर्शित

शेष पृष्ठ 66 पर

फोकस 2

स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर (Clean Coast–Safe Sea)

✍ मधूलिका सिंह

सुधार के लिए 75 दिवसीय नागरिक नेतृत्व वाला अभियान है. यह अभियान 5 जुलाई, 2022 को शुरू हुआ और इसमें 3 रणनीतिक अंतर्निहित लक्ष्य हैं, जो व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण को लक्षित करते हैं.

मछलियों सहित जलीय जीवों के जीवन और मुख्य रूप से लाखों मछुआरों की आजीविका सुनिश्चित करने के लिए समुद्रों और महासागरों को स्वच्छ रखना और समुद्री प्रदूषण को कम करना अत्यधिक महत्वपूर्ण है. समुद्री प्रदूषण को कम करने के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए, क्योंकि समुद्री प्रदूषण एक वैश्विक समस्या है. प्लास्टिक प्रदूषण एक प्रमुख कारण है. प्लास्टिक को सीधे समुद्र में फेंकने के अलावा, जमीन पर मौजूद प्लास्टिक और अन्य प्रदूषक भी समुद्र में मिल जाते हैं. यह समुद्री जैव विविधता, पारिस्थितिक तंत्र और मत्स्य पालन के लिए हानिकारक है. प्रदूषक और माइक्रोप्लास्टिक खाद्य शृंखला के माध्यम से मनुष्यों तक पहुँचते हैं, हालाँकि यह एक वैश्विक मुद्दा है, लेकिन स्थानीय कार्यवाही इसे कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है. इस क्षेत्र में जागरूकता पैदा करना और सामाजिक भागीदारी प्रमुख हैं.

विश्व स्तर पर लगभग 14 मिलियन टन समुद्री कूड़ा महासागरों में गिर रहा है और भारत को समुद्री कूड़े का 12वाँ सबसे बड़ा स्रोत माना जाता है. माइक्रोप्लास्टिक समुद्री खाद्य सुरक्षा के लिए एक सम्भावित खतरा है. पॉली विनाइल क्लोराइड माइक्रो-प्लास्टिक की टॉक्सिकोलॉजिकल प्रोफाइलिंग ने देशी मछली एट्रोप्लस सुरटेन्सिस (करीमीन) में जैव रासायनिक, रुधिर विज्ञान और व्यावहारिक परिवर्तन दिखाया है, जो प्लास्टिक समुद्र में फेंका या छोड़ा जाता है वह अन्ततः मानव, पशुओं, जलीय जीवों के लिए खतरा बनता जा रहा है. समुद्रों, महासागरों, बड़ी झीलों में विभिन्न आकारों का प्लास्टिक कचरा मौजूद है. इसमें से 5 मिमी या इससे कम लम्बे प्लास्टिक को माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है. प्लास्टिक की वस्तुएं समुद्री जल में सूर्य की पराबैंगनी किरणों और अन्य कारणों से सूक्ष्म प्लास्टिक कणों में टूटकर समुद्र की सतह पर तैरती हैं, जिन्हें मछलियों और अन्य जलीय जीवों द्वारा खाया जाता है.

स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर अभियान

स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर/स्वच्छ तट सुरक्षित सागर अभियान सामूहिक कार्यवाही के माध्यम से समुद्र के स्वास्थ्य में

स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर अभियान में शामिल किए गए समुद्र तट

राज्य/सं.शा.क्षे.	समुद्र तट	क्षेत्र/जनपद
दमण	देवका समुद्र तट, जैम्पोर समुद्र तट	दमण
महाराष्ट्र	जुहू समुद्र तट, गिरगाँव चौपाटी,	मुम्बई
	मांडवी समुद्र तट, मालगुण्डा समुद्र तट	रत्नगिरि
	मुरुड	रायगढ़
	चिखाले	पालघर
गोवा	मिरामार	पणजी
	बैना, बोगमालो	वास्को
	वेल्साओ, कोलावा समुद्र तट	दक्षिणी गोवा
कर्नाटक	पनाम्बुर समुद्र तट	मंगलौर
	मालपे समुद्र तट	मालपे
	गोरटी समुद्र तट	भटकल
	अघहनाशिनी समुद्र तट	कुम्ता
केरल	बेपोर समुद्र तट	कोझीकोड
	चेराई समुद्र तट, कुझीपुल्ली समुद्र तट	अर्नाकुलम
	अझीकल समुद्र तट	कोल्लम
	कोवलम समुद्र तट	थिरूवनन्तपुरम
लक्षद्वीप	कचेरी जेटी समुद्र तट	कवाराथी
	मूला समुद्र तट	अन्द्रोथ
	कोडी समुद्र तट	मिनीकॉय
गुजरात	चौपाटी समुद्र तट, माधवपुर समुद्र तट	पोरबंदर
	सोमनाथ समुद्र तट	गिरी सोमनाथ, वेरावल
	घोघला समुद्र तट	दिउ, वेरावल
	झांज्मेर समुद्र तट	भावनगर, पिपावाव
	पिंगलेश्वर समुद्र तट	पश्चिमी भुज, जाखू
	नरारा समुद्र तट	वाडीनार
	मांडवी समुद्र तट	मांडवी, मुंद्रा
	ओखा लाइट हाउस से पवन चक्की	ओखा
	डांडी समुद्र तट	नवसारी, सूरत
आन्ध्र प्रदेश	आर के समुद्र तट, यारादा समुद्र तट, रुशीकोंडा समुद्र तट	विशाखापत्तनम्
	काकीनाडा समुद्र तट, एन टी आर समुद्र तट	काकीनाडा
	धिन्दी समुद्र तट, सूर्य लंका समुद्र तट	निजामपतनम
	कृष्णापटनम समुद्र तट	कृष्णापटनम
तमिलनाडु	मरीना समुद्र तट, बेसंत नगर समुद्र तट, थिरुवनमियूर समुद्र तट	चेन्नई
	आर्यमान समुद्र तट, पीराप्पनवालासई समुद्र तट	मंडपम
	वीओसी समुद्र तट, मुतुनगर समुद्र तट, मुल्लाकाडू समुद्र तट	तूतीकोरिन
पुदुचेरी	गांधी समुद्र तट, औरोविल्ले समुद्र तट	पुदुचेरी
	किलिंजमेदु समुद्र तट, कराइकल समुद्र तट	कराइकल
प. बंगाल	हलदाई रिवर फ्रंट समुद्र तट	हल्दाई
	बक्कहाली समुद्र तट, हेनरी द्वीप समुद्र तट	बक्कहाली
	दिघा समुद्र तट	दिघा
ओडिशा	पारादीप समुद्र तट, नेहरू बंगला समुद्र तट, चन्द्रभग्गा समुद्र तट	पारादीप
	पुरी समुद्र तट,	पुरी
	गोपालपुर समुद्र तट, बटेश्वर समुद्र तट	गंजम
अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह	कालीपुर समुद्र तट	दिग्लीपुर
	कर्मथातंग समुद्र तट	मायाबण्डर
	रमण बगीचा समुद्र तट	रंगत
	कार्विन कोवस समुद्र तट	पोर्ट ब्लेयर
	राधानगर समुद्र तट	स्वराजद्वीप
	चट्टान समुद्र तट	हटवे
	कनक समुद्र तट	कमोर्टक
	गांधीनगर समुद्र तट	कैम्पबेल खाड़ी
	मलाक्का समुद्र तट	कार्निक
	क्लासी समुद्र तट	तेरेस्सा

naukari.com for Dec 2022

अभियान के तीन अंतर्निहित लक्ष्य हैं–

1. जिम्मेदारी से उपभोग करना,
2. घर पर कचरे को अलग करना और
3. जिम्मेदारी से कचरे का निस्तारण.

यह आयोजन देश की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में आजादी का अमृत महोत्सव के उत्सव के साथ भी मेल खाता है; सफाई अभियान देशभर के 75 समुद्र तटों पर चलाया जाएगा, जिसमें समुद्र तट के प्रत्येक किलोमीटर के लिए 75 स्वयंसेवक होंगे. अभियान का समापन 17 सितम्बर, 2022 (अन्तर्राष्ट्रीय तटीय सफाई दिवस) को सबसे बड़े समुद्र तट पर सफाई कार्यक्रम, जिसमें भारत के 7500+ किमी समुद्र तट के 75 समुद्र तटों को शामिल किया गया.

इस अभियान में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES), पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC), शिक्षा मंत्रालय, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय, मत्स्य पालन और पशुपालन मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), भारतीय तटरक्षक बल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), पर्यावरण संरक्षण गतिविधि (पीएसजी), अन्य सरकारी विभाग, सामाजिक संगठन और शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं.

इस कार्यक्रम पर करीब ₹ 10 करोड़ खर्च होने का अनुमान है. पूरे भारत में 75 समुद्र तटों की पहचान की गई है और तमिलनाडु से लगभग 8 समुद्र तटों की पहचान की गई है. प्रमुख समुद्र तट की सफाई गतिविधियाँ 17 सितम्बर, 2022 को प्रारम्भ की गईं. पूर्व अभियान गतिविधियाँ 5 जुलाई, 2022 को शुरू हो गई थीं.

अभियान के मुख्य दर्शकों में स्थानीय समुदाय, जो आजीविका के लिए महासागरों और समुद्र तटों पर निर्भर हैं, स्कूल और कॉलेज के छात्र, युवा और सामान्य नागरिक शामिल रहे हैं. यह अभियान मुख्य संदेश देने के लिए आभासी और भौतिक दोनों स्वरूपों को मिलाकर सम्पन्न हुआ और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने वाली जीवनशैली और व्यवहार परिवर्तनों को अपनाने में लक्षित दर्शकों को शामिल किया गया. आभासी गतिविधियों के उदाहरणों में क्विज प्रतियोगिताएं, प्लास्टिक निवारण/निस्तारण के प्रति प्रतिबद्धता की शपथ और चुनौतियाँ शामिल थीं. भौतिक गतिविधियों में रैलियों, स्किट और प्रतियोगिताओं आदि के साथ वास्तविक समुद्र तट की सफाई शामिल थी.

यह दुनिया में अपनी तरह का पहला और सबसे लम्बे समय तक चलने वाला तटीय सफाई अभियान है, जिसमें सबसे अधिक लोगों ने भाग लिया. इस अभियान के माध्यम से, लोगों के बीच बड़े पैमाने पर व्यवहार परिवर्तन का उद्देश्य इस बारे में जागरूकता बढ़ाना था कि प्लास्टिक का उपयोग हमारे समुद्री जीवन को कैसे नष्ट कर रहा है ? अभियान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए और 17 सितम्बर, 2022 को समुद्र तट की सफाई गतिविधि के लिए स्वैच्छिक पंजीकरण के लिए आम लोगों के लिए एक मोबाइल ऐप 'इको मित्रम' लॉन्च किया गया. कार्यक्रम का लक्ष्य 1500 टन समुद्री कूड़े को हटाना था. समुद्री तट जो समुद्री जीवन और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए एक बड़ी राहत होगी.

●●●

शेष पृष्ठ 61 का

श्रीमती बबली–सिविल सेवा में आना मेरी प्राथमिकता थी. इसके लिए मैंने कोई प्रयास और समय-सीमा निर्धारित नहीं की थी.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्रीमती बबली–सकारात्मकता, धैर्य, आत्मविश्वास, कठिन परिश्रम एवं निरन्तरता ही मेरी सफलता का मूलमंत्र है.

प्र. द.–आपने सामान्य अध्ययन की तैयारी के लिए कौन-कौनसी पत्र-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों का उपयोग किया ?

श्रीमती बबली–**पत्रिकाएं**–प्रतियोगिता दर्पण, योजना, कुरूक्षेत्र.

पुस्तकें–NCERT, बिहार एक परिचय, इम्तियाज अहमद.

प्र. द.–अपनी दैनिक दिनचर्या के कुछ कार्यों के बारे में बताएं जो तैयारी का अनिवार्य अंग रहे.

श्रीमती बबली–प्रतिदिन रात में सोने से पहले अपने सुविधानुसार टॉपिक नोट करना फिर उसे पूरा करने के लिए चाहे मुझे जितना भी समय लगे, मैं पूरी ईमानदारी के साथ तैयारी करती थी. इसके अलावा ग्रुप डिस्कशन, आंसर राइटिंग करना तथा तैयार किए गए टॉपिक को दोहराना.

प्र. द.–कोई सुझाव या संदेश आगामी अभ्यर्थियों को देना चाहेंगी ?

श्रीमती बबली–अपने लक्ष्य को निर्धारित कर पूरी तत्परता के साथ उसे प्राप्त करने की कोशिश करें. स्वयं पर विश्वास रखें. असफलताओं से न घबराएं, बल्कि उनसे सीख लेकर आगे की तैयारी को बेहतर करें. धैर्य के साथ निरन्तर प्रयास से सफलता अवश्य मिलेगी.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्रीमती बबली–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

●●●

शेष पृष्ठ 64 का

करेंगे, इन खातों में उनकी जमा राशि अगस्त 2015 में ₹ 22,900 करोड़ से बढ़कर अगस्त 2022 में ₹ 1·73 लाख करोड़ हो गई है. हालाँकि यह अभी भी भारतीय बैंकों के कुल करेंट एकाउण्ट सेविंग्स एकाउण्ट (CASA) शेष (₹ 150 लाख करोड़ से अधिक) का एक छोटा-सा अंश है, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि खाताधारक कम आय वाले दैनिक वेतन भोगी और अनौपचारिक क्षेत्र के कामगार हैं.

पीएमजेडीवाई के तेजी से विस्तार से उम्मीद है कि जैसे-जैसे परिवारों की आय का स्तर बढ़ेगा, उनके बैंक खातों में बैलेंस बना रहेगा, वित्तीय सेवा उद्योग को पिरामिड के नीचे के ग्राहकों के तैयार कीप (रेडीमेड फनल) के रूप में सामने आएगा. इसलिए अब सरकार इस योजना को उन सभी राज्यों में प्रति एक वयस्क का बैंक में एक खाता के लक्ष्य को लेकर चल रही है जहाँ पीएमजेडीवाई के तहत् 100 प्रतिशत परिवार आच्छादित हो गए हैं.

इन संख्याओं से इतर, पीएमजेडीवाई द्वारा प्रदत्त ऐसे अनेक गुणात्मक लाभ हैं, जो इस योजना को प्रारम्भ करते समय परिकल्पित नहीं किए गए थे, जो अधिक महत्वपूर्ण हैं. इस योजना ने महिला सशक्तिकरण में उल्लेखनीय योगदान दिया है, महिला खाताधारकों का अनुपात 2015 में 15 प्रतिशत से बढ़कर अब 56 प्रतिशत से अधिक हो गया है. पीएमजेडीवाई खाता धारक महिलाओं में स्वावलंबन और स्वाभिमान की भावना उत्पन्न हुई है वे भी अब स्वयं को देश की वित्तीय प्रणाली से जुड़ा हुआ समझाने लगी हैं. जन-धन योजना ने महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों को सूक्ष्म ऋण और महिला उद्यमियों को मुद्रा ऋण देने में मदद की है. ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में 67 प्रतिशत खातों के साथ, इसने बैंकिंग टच पॉइंट्स की जमीनी माँग पैदा की है, जिससे बैंक मित्रों के लिए स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिला है.

पहचान सत्यापन के लिए आधार-सीडिंग की अनुमति के साथ, केन्द्र और राज्य अब कल्याणकारी लाभ जैसे–मनरेगा मजदूरी, पेंशन और अनुग्रह भुगतान सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में अपेक्षाकृत रिसाव-मुक्त मोड में प्रदान करते हैं, कोविड-19 संक्रमण के दौरान भुगतान तत्काल सुरक्षा नेट प्रदान करते हैं. जन-धन खातों की गहरी पैठ भी UPI और डेबिट कार्ड जैसे डिजिटल भुगतान मोड को अपनाने में भारत की तीव्र प्रगति के पीछे प्राथमिक उत्प्रेरक रही है, जिसमें अब 31 करोड़ RuPay कार्ड जारी किए गए हैं. ●●●

फोकस 3

वर्ष 2047 तक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर भारत

✍ डॉ. दीपांकर सिंह

भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्पष्ट आह्वान देश के सतत् विकास एजेंडे के प्रमुख तत्वों में से एक है. ऊर्जा स्वतंत्रता की दिशा में भारत की यात्रा और इसके डीकार्बोनाइजेशन अभियान साथ-साथ चलते हैं और हरित विकास पहल को जन्म देंगे, जो एक महत्वपूर्ण आर्थिक अवसर होगा.

ऊर्जा स्वतंत्रता की महत्वपूर्णता की कल्पना करना कठिन नहीं है और जबकि जलवायु कार्रवाई लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए डीकार्बोनाइजेशन अनिवार्य है, ऐसा करने से आयात बिल में भी काफी कमी आएगी, जिससे अन्य क्षेत्रों के लिए संसाधनों को मुक्त किया जा सकेगा. वर्तमान में, भारत हर वर्ष ऊर्जा आयात पर 160 अरब डॉलर से अधिक खर्च करता है, जोकि अगले 15 वर्षों में दोगुना हो जाएगा यदि इसे बढ़ने से रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो.

2015 के पेरिस समझौते के तहत् अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के हिस्से के रूप में, भारत ने 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से अपनी स्थापित बिजली क्षमता का 40 प्रतिशत हासिल करने का वादा किया था. जलवायु सम्मेलन COP26 में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की कि देश 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन तक पहुँचने का प्रयास करेगा और नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी को भी स्थापित क्षमता के 50 प्रतिशत तक बढ़ा देगा. देश ने 40 प्रतिशत का लक्ष्य नवम्बर 2021 में ही हासिल कर लिया है.

देश की कुल गैर-जीवाश्म आधारित स्थापित ऊर्जा क्षमता 178·067 गीगावाट (GW) थी, जो कुल स्थापित बिजली क्षमता 404·133 GW का 44·07 प्रतिशत है. जुलाई 2022 तक, भारत की स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता में 57·93 GW सौर ऊर्जा, 40·89 GW पवन ऊर्जा, 4·88 GW छोटी जल विद्युत, 10·21 GW जैव-शक्ति और 46·85 GW बड़ी जल विद्युत् शामिल हैं. इसके अलावा, देश में 6.78 गीगावाट परमाणु ऊर्जा आधारित स्थापित बिजली क्षमता है. इस दृष्टि से वर्ष 2030 तक भारत अपनी कुल स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत से अधिक गैर-जीवाश्म आधारित स्रोतों से प्राप्त करने का लक्ष्य सुनिश्चित तौर पर हासिल कर लेगा.

इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम (ईबीपी) कार्यक्रम

इस संदर्भ में, नीतिगत उपायों का पहले से ही सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है. उदाहरण के लिए, 2018 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम में 2030 तक 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण प्राप्त करने की परिकल्पना की गई थी 2022 तक 10 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का स्तर प्राप्त कर लिया गया है. इस उपलब्धि को देखते हुए कुल लक्ष्य अब 2025 तक बढ़ा दिया गया है.

सरकार घरेलू कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने, पर्यावरण लाभ, आयात निर्भरता को कम करने और विदेशी मुद्रा में बचत के व्यापक उद्देश्यों के साथ इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को बढ़ावा दे रही है. सरकार ने जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति–2018 को भी अधिसूचित किया है जिसमें देश में 2030 तक पेट्रोल में इथेनॉल के 20% और डीजल में 5% बायोडीजल के सम्मिश्रण का सांकेतिक लक्ष्य रखा गया है. इथेनॉल की आपूर्ति पक्ष पर उत्साहजनक पहल के आधार पर, सरकार ने 2030 से 2025-26 तक पेट्रोल में इथेनॉल के 20% मिश्रण के लक्ष्य को आगे बढ़ाया है.

इथेनॉल निर्माताओं के लाभ के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों में निम्नलिखित उपाय शामिल हैं–

- अन्य बातों के साथ-साथ इथेनॉल उत्पादन के लिए कई गन्ना और अनाज आधारित फीडस्टॉक की अनुमति देना.
- फीडस्टॉक के अनुसार लाभकारी इथेनॉल खरीद मूल्य तय करना.
- निर्बाध उत्पादन के लिए संशोधित उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 की शुरूआत करना.
- देश भर में इथेनॉल का भंडारण और आवाजाही, ईबीपी कार्यक्रम के लिए इथेनॉल का उत्पादन 5% की न्यूनतम जीएसटी स्लैब दर के तहत् लाना.
- ईबीपी कार्यक्रम को बढ़ावा देना और वृद्धि के लिए 2018, 2019, 2020 और 2021 के दौरान ब्याज सबवेंशन योजनाएं शुरू करना.

देश में इथेनॉल उत्पादन क्षमता तेल विपणन कंपनियों (OMCs) ने घाटे वाले राज्यों में समर्पित इथेनॉल संयंत्र स्थापित करने के लिए सम्भावित परियोजना समर्थकों के साथ दीर्घकालिक इथेनॉल ऑफ-टेक समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए हैं.

पिछले आठ वर्षों में ईबीपी कार्यक्रम का प्रभाव उल्लेखनीय है, क्योंकि इसने न केवल भारत की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाया है, बल्कि इसके परिणामस्वरूप ₹ 41,500 करोड़ की विदेशी मुद्रा की बचत भी हुई है, ग्रीन हाउस गैसों (जीएचजी) के उत्सर्जन में 27 लाख टन की कमी आई है और किसानों को ₹ 40,600 करोड़ से अधिक का भुगतान प्राप्त हुआ है.

हरित विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता इसके हालिया अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) से दिखाई देती है जिसे जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) को सूचित किया गया है. गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा स्रोतों से 50 प्रतिशत बिजली प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ 2005 के स्तर की तुलना में अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को कम करने की प्रतिबद्धता को 2030 तक 45 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है.

हालांकि यह एनडीसी का हिस्सा नहीं है, क्योंकि कार्यान्वयन की समय सीमा 2021–30 है, 2070 तक 'शुद्ध शून्य' हासिल करने का भारत का इरादा ग्लासगो में सीओपी-26 में पीएम मोदी द्वारा प्रतिबद्ध इस तरह की ठोस कार्रवाइयों से स्पष्ट है. जैसे, भारत को अब गैर-कार्बन गहन विकास मॉडल के अग्रणी देश के रूप में देखा जा रहा है जिसे अन्य विकासशील देश एक टेम्पलेट के रूप में उपयोग कर सकते हैं.

राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त, 2021) पर राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन का शुभारम्भ किया. मिशन का उद्देश्य सरकार को अपने जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने और भारत को हरित हाइड्रोजन हब बनाने में सहायता करना है. इससे 2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन के लक्ष्य को पूरा करने और अक्षय ऊर्जा क्षमता के सम्बन्धित विकास में मदद मिलेगी.

जीवाश्म ईंधन को प्रतिस्थापित करने के लिए हाइड्रोजन और अमोनिया को भविष्य के ईंधन के रूप में परिकल्पित किया गया है. अक्षय ऊर्जा से ऊर्जा का उपयोग करके इन ईंधनों का उत्पादन, जिसे हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया कहा जाता है, राष्ट्र की पर्यावरण की दृष्टि से स्थायी ऊर्जा सुरक्षा की प्रमुख आवश्यकताओं में से एक है. भारत सरकार

जीवाश्म ईंधन/जीवाश्म ईंधन आधारित फीड स्टॉक से हरित हाइड्रोजन/हरित अमोनिया में संक्रमण को सुविधाजनक बनाने के लिए विभिन्न उपाय कर रही है. इस नीति की अधिसूचना इस प्रयास के प्रमुख चरणों में से एक है.

नीति के प्रमुख बिन्दु निम्नानुसार हैं–

- ग्रीन हाइड्रोजन/अमोनिया विनिर्माता अक्षय ऊर्जा को पावर एक्सचेंज से खरीद सकते हैं या अक्षय ऊर्जा क्षमता को स्वयं या किसी अन्य, डेवलपर के माध्यम से, कहीं भी स्थापित कर सकते हैं.
- आवेदन प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर ओपन एक्सेस प्रदान की जाती है.
- ग्रीन हाइड्रोजन/अमोनिया विनिर्माता वितरण कम्पनी के साथ 30 दिनों तक अपनी बिना खपत वाली अक्षय ऊर्जा को सुरक्षित जमा रख सकता है और आवश्यकता पड़ने पर इसे वापस ले सकता है.
- वितरण लाइसेंसधारी अपने राज्यों में ग्रीन हाइड्रोजन/ग्रीन अमोनिया के विनिर्माताओं को रियायती कीमतों पर अक्षय ऊर्जा की खरीद और आपूर्ति कर सकते हैं, जिसमें केवल खरीद की लागत, ह्वीलिंग शुल्क और राज्य आयोग द्वारा निर्धारित एक छोटा सा मार्जिन शामिल होगा.
- 30 जून, 2025 से पहले शुरू की गई परियोजनाओं के लिए ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया के विनिर्माताओं को 25 वर्षों की अवधि के लिए अंतर्राज्य संचरण शुल्क की छूट की अनुमति दी जाती है.
- हरित हाइड्रोजन/अमोनिया और नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र के विनिर्माताओं को किसी भी प्रक्रियात्मक विलंब से बचने के लिए प्राथमिकता के आधार पर ग्रिड से कनेक्टिविटी दी जा रही है.
- अक्षय ऊर्जा की खपत के लिए अक्षय ऊर्जा खरीद दायित्व (आरपीओ) का लाभ हाइड्रोजन/अमोनिया विनिर्माता और वितरण लाइसेंसधारी को प्रोत्साहन दिया जाएगा.
- व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करने के लिए नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मन्त्रालय (एमएनआरई) द्वारा समयबद्ध तरीके से वैधानिक मंजूरी सहित सभी गतिविधियों को करने के लिए एक एकल पोर्टल स्थापित किया जाएगा.
- ग्रीन हाइड्रोजन/ग्रीन अमोनिया के विनिर्माण के उद्देश्य से स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता के लिए आईएसटीएस को उत्पादन के अंत और ग्रीन हाइड्रोजन/ग्रीन अमोनिया विनिर्माण अंत में कनेक्टिविटी प्राथमिकता पर दी जाएगी.
- ग्रीन हाइड्रोजन/ग्रीन अमोनिया के विनिर्माताओं को निर्यात/शिपिंग द्वारा उपयोग के लिए ग्रीन अमोनिया के भंडारण के लिए बंदरगाहों के पास बंकर स्थापित करने की अनुमति दी जाएगी. इस प्रयोजन के लिए भंडारण के लिए भूमि सम्बन्धित पत्तन प्राधिकरणों द्वारा लागू शुल्क पर उपलब्ध कराई जाएगी.

इस नीति के लागू होने से देश के आम लोगों को स्वच्छ ईंधन मिलेगा. इससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी और कच्चे तेल का आयात भी कम होगा. सरकार और नीति निर्माताओं का उद्देश्य यह भी है कि भारत हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया के लिए एक निर्यात हब के रूप में उभरे.

यह नीति अक्षय ऊर्जा (आरई) उत्पादन को बढ़ावा देती है, क्योंकि नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) में हरित हाइड्रोजन बनाने में मूल घटक होगा. यह बदले में स्वच्छ ऊर्जा के लिए अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में मदद करेगा.

आर्थिक अवसर

यह कहना अनुचित नहीं होगा कि स्वच्छ ऊर्जा के लिए भारत का संक्रमणकाल जीवन में एक बार आने वाला आर्थिक अवसर है. अन्तर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के अनुसार, भारत में अक्षय बैटरियों और हरित हाइड्रोजन उत्पादन में विश्व में अग्रणी बनने की क्षमता है; भारत अन्य निम्न कार्बन प्रौद्योगिकियों के साथ, 2030 तक $80 बिलियन का बाजार तैयार कर सकता है.

अन्तर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) का यह भी अनुमान है कि 2070 तक 'शुद्ध शून्य' प्राप्त करने के लिए, अब और 2030 के बीच हर वर्ष 160 बिलियन डॉलर के निवेश की आवश्यकता होगी, जो आज के निवेश स्तरों का तीन गुना है. स्पष्ट रूप से, विकसित देशों से हरित जलवायु फंड (जीसीएफ) सहित दीर्घकालिक कम लागत वाली पूँजी की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी. प्रौद्योगिकी तक पहुँच के रूप में यह एक पूर्व-आवश्यकता है. हालांकि, इस रास्ते से नीचे जाना फायदेमंद होगा, क्योंकि यह अनुमान लगाया गया है कि 2036 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 4·7 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है और 2047 तक 1·5 करोड़ नौकरियाँ पैदा हो सकती हैं.

भविष्योन्मुखी नीतियाँ

भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कतिपय अन्य विशिष्ट लाभ हैं, जो विदेशी निवेश को आकर्षित करने का काम करते हैं. स्थिरता, व्यापार करने में आसानी और प्रौद्योगिकी परिवर्तन पर ध्यान देने के साथ पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा शुरू की गई दूरंदेशी नीतियों और योजनाओं के परिणामस्वरूप भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है.

इसके अलावा, गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली क्षमता में निवेश, इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और विनिर्माण-चरण II (FAME II) और उन्नत सेल रसायन विज्ञान (एसीसी) बैटरी के निर्माण के लिए ₹ 18·100 करोड़ उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसी नीतियाँ सही दिशा में सभी कदम हैं. इसके साथ ही, हरित हाइड्रोजन को अपनाना क्रांतिकारी होगा, क्योंकि यह स्वच्छ ऊर्जा विकल्प लौह और इस्पात और भारी परिवहन जैसे हार्ड-टू-एबेट क्षेत्रों को डीकार्बोनाइज करके भारत को 'शुद्ध शून्य' की ओर ले जाने में एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है. हाल ही में नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, हरित हाइड्रोजन को अपनाने से 2020 और 2050 के बीच CO_2 उत्सर्जन में 3·6 गीगा टन संचयी कमी आएगी और इसी अवधि के भीतर ऊर्जा की बचत 246 बिलियन डॉलर से 358 बिलियन डॉलर तक होगी. राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से भारत को हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और निर्यात के लिए एक वैश्विक केन्द्र बनाने का इरादा, जैसाकि पिछले वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा परिकल्पित किया गया था, इससे बेहतर समय नहीं आ सकता था.

जो स्पष्ट है वह यह है कि ऊर्जा स्वतंत्रता के लिए भारत का अभियान जलवायु परिवर्तन से निपटने से सम्बन्धित कार्रवाइयों से जुड़ा हुआ है, जो न केवल 1·3 बिलियन भारतीयों के जीवन को बल्कि वास्तव में पूरे ग्रह के पर्यावरण में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगा. ऐसा करने से विशाल आर्थिक अवसर भी पैदा होंगे, जिसे भारत को एक राष्ट्र के रूप में विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए भुनाना होगा. हालांकि, सरकार इस सम्बन्ध में अपना दृष्टिकोण रखती है और एक सक्षम वातावरण प्रदान करती है, विभिन्न हितधारकों-विशेष रूप से उद्योग–को इस महत्वपूर्ण मिशन में अपनी भूमिका निभाने के लिए न केवल तैयार रहना चाहिए वरन् आगे भी आना चाहिए.

●●●

naukaritak.com for Dec 2022

विश्व परिदृश्य

✍ डॉ. अरुणोदय बाजपेयी

क्वाड, भारत तथा चीन

वर्ष 2017 में औपचारिक रूप से क्वाड (QUAD–Quadrilateral Security Dialogue) का गठन हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण घटना है. क्वाड 4 देशों- अमरीका, भारत, जापान तथा आस्ट्रेलिया का सामरिक सहयोग व विचार-विमर्श संगठन है. हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र का सम्बन्ध हिन्द महासागर तथा उससे जुड़े पश्चिमी प्रशान्त सागर से है. इसका प्रमुख उद्देश्य हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में एक नियम-आधारित ऐसी व्यवस्था की स्थापना करना है, जो इस क्षेत्र में स्वतंत्र व खुले आवागमन को सुनिश्चित कर सके. वैसे तो अन्तर्राष्ट्रीय कानून में सभी देशों को आवागमन की स्वतंत्रता प्राप्त है, लेकिन हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख तथा अन्तर्राष्ट्रीय कानून का सम्मान न करने के कारण, आवागमन की स्वतंत्रता को खतरा उत्पन्न हो गया है. उदाहरण के लिए, चीन 1982 के समुद्री अन्तर्राष्ट्रीय कानून के विपरीत लगभग सम्पूर्ण दक्षिण चीन सागर में अपने स्वामित्व का दावा करता है. इसी तरह चीन ने हिन्द महासागर में भी अपने सामरिक प्रभाव का विस्तार किया है. चीन ने अरब सागर में पाकिस्तान के ग्वादर बन्दरगाह का विकास किया है तथा हिन्द महासागर के तटीय अफ्रीकी देश जिबूती में अपना नौसैनिक अड्डा भी स्थापित कर लिया है.

इसी के साथ वर्ष 2007 से समुद्री डकैती से सुरक्षा के नाम पर चीन की सेनाएं अरब सागर में विद्यमान हैं. चीन द्वारा उक्त आक्रामक दृष्टिकोण व इस क्षेत्र में सामरिक पहुँच के कारण क्वाड के सदस्य देशों की सामरिक चिन्ताएं बढ़ गई हैं. इसका कारण है कि क्वाड के सदस्य देशों के इस क्षेत्र में सामरिक व सुरक्षा सम्बन्धी हित निहित है. वर्तमान में क्वाड के औपचारिक गठन तथा इसकी निरन्तर सक्रियता का प्रमुख कारण यही है. वास्तविकता यह है कि जहाँ एक ओर चीन की आक्रामकता क्वाड के गठन का प्रमुख कारण है, वहीं चीन भी क्वाड के गठन से सर्वाधिक चिन्तित भी है. इसीलिए चीन निरन्तर क्वाड की आलोचना करता रहता है. यहाँ तक कि चीन ने क्वाड को **एशियन नाटो** की भी संज्ञा दे दी है. अतः क्वाड की विवेचना भारत व चीन दोनों के सन्दर्भ में ही की जानी चाहिए.

क्वाड का विकास तथा उद्देश्य—क्वाड का विकास वास्तव में हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र के चार प्रमुख देशों के सामरिक हितों में मेल का परिणाम है. क्वाड का विचार सबसे पहले जापान के प्रधानमंत्री शिंजो अबे ने 2007 में दिया था. इसका तात्कालिक कारण इस क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामक नीतियाँ थीं. पृष्ठभूमि यह थी कि क्वाड के 4 देशों ने 2004 में आई सुनामी के दौरान राहत कार्यों में मिलजुल कर काम किया था. फिर भी 2007 के क्वाड के प्रस्ताव पर चारों देशों में व्यापक सहमति का अभाव था. इसका कारण यह था कि उस समय भारत व आस्ट्रेलिया के चीन के साथ व्यापारिक सम्बन्ध बहुत घनिष्ठ थे तथा दोनों ही देश क्वाड में शामिल होकर चीन के साथ राजनीतिक तनावों को बढ़ाना नहीं चाहते थे. यही वह दौर है जब भारत व चीन के बीच सम्बन्धों के सामान्यीकरण की प्रक्रिया भी चल रही थी. इसी कारण से भारत तथा आस्ट्रेलिया ने क्वाड के प्रस्ताव के प्रति अधिक उत्साह नहीं दिखाया, लेकिन जब चीन की आक्रामक नीतियाँ निरन्तर बढ़ने लगीं, तो भारत ने क्वाड के प्रस्ताव को 2017 में गंभीरता से लिया.

जून 2017 में चीन ने अचानक ही भूटान व भारत के सिक्किम राज्य से सटे क्षेत्र डोकलम पर अपनी सेनाएं भेजकर इस क्षेत्र पर अपना दावा जताया. करीब 2 महीने से अधिक समय तक चीन व भारत के बीच डोकलम पर तनातनी चलती रही. इस पृष्ठभूमि में जब अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2017 में क्वाड के विचार को पुनर्जीवित करने का प्रस्ताव रखा, तो भारत व आस्ट्रेलिया दोनों देशों ने उसे स्वीकार कर लिया. इस प्रकार 2017 में क्वाड के वर्तमान स्वरूप का उदय हुआ.

क्वाड के उद्देश्य—क्वाड कोई औपचारिक संगठन नहीं है और नही इसका कोई अपना संविधान है, फिर भी इसके सदस्य देशों के नेताओं के वक्तव्यों तथा इसके शिखर सम्मेलनों में की गई घोषणाओं के आधार पर इसके कतिपय प्रमुख उद्देशों का पता लगाया जा सकता है, जो निम्नलिखित हैं–

1. क्वाड एक खुले व स्वतंत्र हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र की स्थापना का पक्षधर है. दूसरे शब्दों में इसका प्रमुख उद्देश्य हिन्द प्रशान्त क्षेत्र में एक ऐसी नियम-आधारित व्यवस्था की स्थापना करना है, जिसमें आवागमन की स्वतंत्रता हो.

2. क्वाड के शिखर सम्मेलनों में हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में वैकल्पिक वैश्विक आपूर्ति शृंखला का विकास, सदस्य देशों के मध्य उभरते हुए आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में सहयोग, कोविड महामारी के रोकथाम के उपाय आदि विषयों पर सदस्य देशों के बीच सहयोग व समन्वय करने की सहमति बनी है.

क्वाड के शिखर सम्मेलन

वर्ष 2017 से 2020 तक क्वाड इन चार देशों के शीर्ष अधिकारियों के बीच सामरिक विचार-विमर्श के मंच के रूप में कार्य करता रहा. वर्ष 2021 में 24 मार्च को क्वाड देशों का **पहला शिखर सम्मेलन** अमरीका की राजधानी वाशिंगटन में सम्पन्न हुआ. यह सम्मेलन ऑनलाइन मोड में सम्पन्न हुआ था जिसमें भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने भी भाग लिया था. इन शिखर सम्मेलनों को औपचारिक रूप से लीडर्स समिट (Leaders Summit) के नाम से जाना जाता है. सम्मेलन में 'स्प्रिट ऑफ क्वाड' नामक संयुक्त वक्तव्य भी जारी किया गया था, जिसमें एक खुले तथा स्वतंत्र हिन्द-प्रशान्त की स्थापना का लक्ष्य दोहराया गया था. इसके साथ ही कोविड महामारी के वैश्विक प्रबन्धन में भी सहयोग का आह्वान किया गया था. इस शिखर सम्मेलन में 4 सदस्य देशों के अतिरिक्त दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड तथा वियतनाम के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया था, जिसे **क्वाड प्लस** के नाम से जाना जाता है.

क्वाड देशों का **दूसरा शिखर सम्मेलन** 24 सितम्बर, 2021 को वाशिंगटन स्थित ह्वाइट हाउस में सम्पन्न हुआ था. यह सम्मेलन भी अमरीकी राष्ट्रपति बिडेन द्वारा बुलाया गया था. यह पहला फेस-टू-फेस शिखर सम्मेलन था. इस सम्मेलन में भी क्वाड नेताओं ने कोविड महामारी के प्रबन्धन के प्रति अपना सहयोग व्यक्त करते हुए हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में एक खुली व स्वतंत्र व्यवस्था की स्थापना के लक्ष्य को दोहराया.

क्वाड देशों का **तीसरा शिखर सम्मेलन** 4 मार्च, 2022 को ऑनलाइन मोड में अमरीका के राष्ट्रपति बिडेन द्वारा आयोजित किया गया था. यह सम्मेलन रूस-यूक्रेन युद्ध के मध्य आमंत्रित किया गया था. सम्मेलन में भारत को छोड़कर अन्य 3 नेताओं ने यूक्रेन के विरुद्ध रूस के हमले की तीखी आलोचना की. भारत

ने इस युद्ध से उत्पन्न मानवीय संकट के प्रति अपनी चिन्ता व्यक्त की, लेकिन रूस के आक्रमण की आलोचना नहीं की, इस सम्मेलन में सदस्य देशों ने विचार-विमर्श के बाद निम्न बिन्दुओं पर अपनी सहमति व्यक्त की–

1. खुले व स्वतंत्र हिन्द-प्रशान्त की स्थापना–पूर्व की ही तरह हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में स्थायित्व तथा खुली व स्वतंत्र व्यवस्था का समर्थन किया गया.

2. कोविड-19 महामारी के प्रबन्धन में साझेदारी–सम्मेलन में कोविड महामारी से निबटने के लिए आपसी सहयोग व समन्वय बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई.

3. नई व संवेदनशील तकनीकि के विकास में क्वाड साझेदारी–क्वाड नेताओं के इसके कार्यक्षेत्र का विस्तार करते हुए सदस्य देशों के मध्य नई व संवेदनशील तकनीकि के विकास में सहयोग पर बल दिया गया. इस प्रकार की तकनीकि में 5जी तकनीकि का विकास प्रमुख है.

4. हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में ढाँचागत सुविधाओं के विकास में साझेदारी–चीन द्वारा हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में बीआरआई परियोजना से उत्पन्न चुनौती का सामना करने के लिए एक विकल्प के तौर पर क्वाड द्वारा ढाँचागत सुविधाओं के विकास पर बल दिया गया.

5. जलवायु प्रबन्धन की चुनौती के समाधान में साझेदारी–इसी तरह जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने के लिए सदस्य देशों ने कार्बन कटौती के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से प्राप्त करने पर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई.

6. अफगानिस्तान में आतंकवाद की समस्या पर चिन्ता–क्वाड सदस्यों ने अफगानिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति पर चिन्ता व्यक्त की. नेताओं ने अफगानिस्तान में मानवीय सहायता पहुँचाने, आतंकवाद को रोकने तथा मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अपने प्रयासों में समन्वय तथा सहयोग पर बल दिया.

7. शिक्षा तथा जनता के बीच आपसी मेलजोल–नेताओं ने सदस्य देशों के बीच शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग तथा उनका जनता के बीच आपसी मेल-मिलाप बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला गया. इस सम्बन्ध में सम्मेलन में क्वाड फेलोशिप की स्थापना का निर्णय भी लिया गया, जिसका संचालन किसी स्वयंसेवी संस्था द्वारा किया जाएगा.

क्वाड का चौथा शिखर सम्मेलन जापान के प्रधानमंत्री फूमियों किशिदा द्वारा 24 मई, 2022 को राजधानी टोकियो में आयोजित किया गया था. क्वाड का यह दूसरा फेस-टू-फेस शिखर सम्मेलन था जिसमें भारत के प्रधानमंत्री मोदी सहित चारों देशों के शासनाध्यक्षों ने भाग लिया था. क्वाड नेताओं ने यूक्रेन युद्ध तथा हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र पर उसके प्रभाव की चर्चा की. इस सम्मेलन में निम्न बिन्दुओं पर सहमति व्यक्त की गई–

1. हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में शांति व स्थिरता–क्वाड नेताओं ने हिन्द-प्रशान्त में खुलापन व स्वतंत्रता के लक्ष्य को दोहराते हुए हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में आसियान की केन्द्रीय भूमिका पर बल दिया. नेताओं ने ऐसी सभी दबावकारी नीतियों का विरोध किया जिससे इस क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है. यह भी निर्णय लिया गया कि क्वाड के देश व्यक्तिगत व सामूहिक रूपों में प्रशान्त सागर स्थित छोटे द्वीपीय देशों का सहयोग करेंगे तथा उनकी आर्थिक व राजनीतिक स्थिति को मजबूत करेंगे. इसके साथ ही, नेताओं ने आतंकवाद के प्रत्येक रूप को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया. यह भी निर्णय लिया गया कि सदस्य देश संयुक्त राष्ट्र सहित सभी बहुपक्षीय मंचों पर आपसी सहयोग को बढ़ाएंगे.

2. कोविड का प्रबन्धन तथा वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा–नेताओं ने कोविड महामारी के प्रबन्धन में वैश्विक प्रयासों को मजबूत बनाने पर सहमति व्यक्त की. भविष्य में इस प्रकार की महामारियों से निपटने के लिए क्वाड नेताओं ने वैश्विक स्वास्थ्य ढाँचे को मजबूत बनाने पर बल दिया.

3. हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में ढाँचागत सुविधाओं का विकास–उल्लेखनीय है कि क्वाड के सदस्य देश, चीन द्वारा अपनी बीआरआई परियोजना के अन्तर्गत ढाँचागत सुविधाओं के नाम पर इस क्षेत्र में सामरिक प्रभाव बढ़ाने के प्रयासों से, अत्यधिक चिन्तित है. इसके प्रत्युत्तर के रूप में क्वाड देशों ने इस क्षेत्र में ढाँचागत सुविधाओं के विकास की पहल करने तथा उसमें आपसी सहयोग बढ़ाने पर बल दिया. आरम्भिक प्रयास के तौर पर अमरीका ने इसके लिए अगले 5 वर्षों में 50 बिलियन डॉलर की राशि व्यय करने की घोषणा भी कर दी है.

4. वैश्विक जलवायु प्रबन्धन में सहयोग–जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र की नवीनतम रिपार्ट के आलोक में जलवायु परिवर्तन के निरन्तर भयावह हो रहे संकट पर सम्मेलन में चिन्ता व्यक्त की गई. सम्मेलन में इस बात पर सहमति व्यक्त की गई कि पेरिस समझौता 2015 तथा जलवायु परिवर्तन के 26वें शिखर सम्मेलन, 2021 के प्रस्तावों को गम्भीरतापूर्वक लागू किया जाएगा. इस अवसर पर जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करना के लिए क्वाड की ओर से एक स्पेशल पैकेज की घोषणा भी की गई.

5. अन्य विषय–क्वाड नेताओं ने इस शिखर सम्मेलन में कतिपय अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की. इनमें साइबर सुरक्षा, समुद्री क्षेत्र की जागरूकता, नई तकनीकि का विकास, आदि पर भी आपसी सहयोग को मजबूत बनाने पर बल दिया गया.

इस प्रकार स्पष्ट है कि गत 5 वर्षों में क्वाड ने निरन्तर सक्रियता व अपने कार्य-क्षेत्र में विस्तार का परिचय दिया है. गत 2 वर्षों में इसकी सक्रियता में तेजी से वृद्धि हुई है. इन 2 वर्षों में क्वाड के 4 शिखर सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं, जो इसकी सक्रियता व गतिशीलता का संकेत है. जहाँ तक इनके आपसी सहयोग की बात है, तो इसमें भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है. अभी तक चारों देशों ने एक दूसरे के साथ लॉजिस्टिक समझौतों पर भी हस्ताक्षर कर लिए हैं. इन समझौतों से ये देश एक-दूसरे के सैन्य बलों को रुकने व साथ काम करने की सुविधा प्रदान कर सकते हैं. इसके साथ ही, इन चारों देशों के बीच मालाबार नामक नौसैनिक अभ्यास का नियमित दौर भारत द्वारा आयोजित किया जाता है.

क्वाड तथा चीन–भले ही क्वाड के देश इस बात को स्वीकार न करें, लेकिन यह एक अघोषित तथ्य है कि क्वाड की स्थापना हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में चीन की आक्रामकता व विस्तारवादी नीतियों के विरुद्ध हुई. चीन के बढ़ते प्रभाव को अमरीका अपनी वैश्विक शक्ति की स्थिति के लिए एक खतरा मानता है. वहीं दूसरी ओर भारत, जापान तथा आस्ट्रेलिया चीन के व्यवहार से अपनी सुरक्षा को लेकर चिन्तित है. चीन भी इस बात को समझता है कि क्वाड की स्थापना उसके बढ़ते प्रभाव को सन्तुलित करने के लिए की गई है. चीन का मानना है कि क्वाड के रूप में इन देशों की गुटबन्दी शीत युद्ध की शुरूआत है. जब भी क्वाड के देशों की बैठक होती है चीन की आलोचना मुखर हो जाती है. चीन ने यहाँ तक कहा है कि क्वाड एशिया के नाटो की तरह है. चीन के अनुसार क्वाड की स्थापना से हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में गुटबन्दी व तनाव को बढ़ावा मिला है. दूसरी तरफ रूस ने भी चीन का साथ देते हुए क्वाड की आलोचना की है.

क्वाड तथा भारत–जब 2007 में क्वाड का विचार आया था, तो भारत उसमें इच्छुक नहीं था, क्योंकि इसकी सदस्यता से भारत व चीन के बीच तनाव बढ़ने की आशंका थी, जिससे दोनों देशों के बीच सम्बन्धों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया बाधित हो सकती थी, लेकिन चीन ने भारत की संवेदनशीलता को महत्व नहीं दिया तथा भारत के प्रति भी उसने आक्रामक व विस्तारवादी नीति का प्रदर्शन किया. अतः चीन की आक्रामकता व विस्तारवादी नीति का सामना करने के लिए भारत को क्वाड में शामिल होना आवश्यक हो गया था. चीन की आक्रामकता का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि चीन ने मई 2020 से नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति को समाप्त कर भारतीय क्षेत्र पर कब्जे का प्रयास किया है. इसके पहले जून 2017 में डोकलम पर दोनों

देशों के बीच सैनिक तनातनी हो चुकी है. आज भी दोनों देशों के बीच लद्दाख में नियंत्रण रेखा पर सैनिक तनातनी बनी हुई है, लेकिन क्वाड में भारत का प्रमुख हित हिन्द महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकना है. भारत ने अभी तक प्रशान्त महासागर में चीन व उसके पड़ोसियों को लेकर कोई सक्रियता का प्रदर्शन नहीं किया है. यदि भविष्य में चीन तथा भारत के बीच तनातनी बढ़ती है, तो क्वाड में भारत की सक्रियता का भी विस्तार होगा.

भारत व मालदीव-सामरिक सहयोग की राह पर

हिन्द महासागर में मालदीव की सामरिक स्थिति, उसे सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बना देती है. वस्तुतः, मालदीव हिन्द महासागर में पूरब से पश्चिम की ओर जाने वाले महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के अत्यंत निकट स्थित है. इसके अलावा भारत की सामुद्रिक सुरक्षा की दृष्टि से भी मालदीव भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है. स्वाभाविक तौर पर चीन हिन्द महासागर में अपने प्रभाव को बढ़ाने तथा भारत को घेरने के लिए मालदीव में अपनी सामरिक स्थिति को मजबूत करने का प्रयास करता रहता है. गत दशक में उसे इस दिशा में काफी सफलता भी मिली है, लेकिन 2018 में मालदीव में सोलिह सरकार के आने के बाद चीन के प्रयासों को झटका लगा है. इब्राहीम सोलिह सरकार ने गत चार वर्षों से वैदेशिक मामलों में **'भारत प्रथम'** अर्थात् **'इण्डिया फर्स्ट'** की नीति अपनाई हुई है. अतः इस अवधि में भारत व मालदीव के सामरिक सम्बन्धों को पुनः पटरी पर लाने को अवसर प्राप्त हुआ है. दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय आदान-प्रदान के क्रम में 1-2 अगस्त, 2022 को मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहीम सोलिह ने भारत की महत्वपूर्ण यात्रा सम्पन्न की है. यह यात्रा जहाँ एक ओर भारत व मालदीव के द्विपक्षीय सम्बन्धों को मजबूत बनाने के लिहाज से महत्वपूर्ण है वहीं दूसरी ओर, यह चीन के विरुद्ध हिन्द महासागर में भारत की क्षेत्रीय नीति के लिए भी महत्वपूर्ण है. भारत ने इस सम्बन्ध में 2014 से पड़ोस पहले की नीति का क्रियान्वयन किया है.

मालदीव के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहीम सोलिह ने 1-2 अगस्त, 2022 को भारत की 2 दिन की राजकीय यात्रा सम्पन्न हुई है. नवम्बर 2018 में राष्ट्रपति बने सोलिह को भारत समर्थक माना जाता है, जबकि उसके पहले मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति अबदुल्लाह यामीन ने चीन समर्थक नीतियों को क्रियान्वित किया था. इस के विपरीत सोलिह ने 2018 से भारत प्रथम की विदेश नीति को अपनाया है. 17 नवम्बर, 2018 को उनके शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदीव की यात्रा की थी. तभी से दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय यात्राओं व विचारों का आदान-प्रदान होता रहा है.

राष्ट्रपति सोलिह की अगस्त 2022 की भारत यात्रा उनकी तीसरी भारत यात्रा थी. इस यात्रा के दौरान इन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ विभिन्न द्विपक्षीय, क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया. दोनों नेताओं ने भारत की **पड़ोस पहले की नीति** तथा मालदीव की **भारत पहले की नीति** के अन्तर्गत हाल के वर्षों में दोनों देशों के सम्बन्धों में हुई उल्लेखनीय प्रगति पर सन्तोष व्यक्त किया. विचार-विमर्श के बाद दोनों देशों ने एक **संयुक्त वक्तव्य** भी जारी किया, जिससें दोनों देशों के सम्बन्धों की वर्तमान स्थिति का पता चलता है. इस संयुक्त वक्तव्य की मुख्य बातें निम्नलिखित हैं–

(अ) आर्थिक सहयोग तथा लोगों के बीच सम्पर्क–वर्तमान में दोनों देशों के जनता के बीच भी घनिष्ठ सम्बन्धों का विश्वास हो रहा है. मालदीव आने वाले पर्यटकों में भारतीयों की संख्या सर्वाधिक है. दोनों देशों के बीच बीसा मुक्त आवागमन की सुविधा, समुचित वायु यातायात की सुविधा तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के कारण तेजी से सांस्कृतिक तथा आर्थिक सम्बन्धों का विकास हो रहा है. भारत के शिक्षक, नर्सें, डॉक्टर तथा अन्य प्रोफेसनल कामगर मालदीव की अर्थव्यस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं.

संयुक्त वक्तव्य में आर्थिक क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों ने मछली उत्पादन, ढ़ाँचागत सुविधाओं का विकास, पर्यटन, स्वास्थ्य तथा दूरसंचार को प्रमुख क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया है. सितम्बर 2020 से दोनों देशों के बीच सीधी कार्गो सेवा का आरम्भ किया गया है. इस पर दोनों नेताओं ने आशा व्यक्त की कि इससे दोनों देश के बीच व्यापार व निवेश को बढ़ावा मिल सकेगा.

(ब) विकास साझेदारी का विस्तार–मालदीव सहित दक्षिण एशिया के सभी देशों में भारत की विकास साझेदारी भारत की पड़ोस पहले की नीति का आवश्यक अंग है. हाल के वर्षों में भारत व मालदीव के बीच साझेदारी का तेजी से विकास हुआ है. मालदीव के साथ भारत की विकास साझेदारी में ढाँचागत सुविधाओं का विकास, मानव क्षमता विकास, सामुदायिक परियोजनाएं आदि सभी शामिल हैं. ये सभी विकास कार्यक्रम मालदीव की आवश्यकताओं पर आधारित होते हैं. इस यात्रा के दौरान भारत द्वारा 500 मिलियन डॉलर की सहायता से चलाए जा रहे **माले सम्पर्कता परियोजना** की समीक्षा की गई. इस परियोजना के द्वारा मालदीव की राजधानी माले को आस-पास के द्वीपों से यातायात मार्ग से जोड़ा जा रहा है. इसी तरह भारत द्वारा मालदीव में 4,000 आवासों का भी निर्माण कराया जा रहा है. इसके अलावा भारत की विकास सहायता से मालदीव में कई विकास परियोजनाओं जैसे अड्डू रोड प्रोजेक्ट, 34 द्वीपों में जल व सीवर सुविधाओं का विकास, **हुकूरू मिसकी मस्जिद** का जीर्णोद्धार, हनीमाधू एयरपोर्ट का विकास, लामू में कैंसर अस्पताल का निर्माण आदि का क्रियान्वयन किया जा रहा है.

इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने 100 मिलियन डॉलर की एक नई लाइन ऑफ क्रेडिट की घोषणा की. इसका प्रयोग मालदीव में ढ़ाँचागत सुविधाओं के विकास में किया जाएगा.

(स) प्रतिरक्षा सहयोग–हिन्द महासागर में शांति व स्थिरता की स्थापना के उद्देश्य से भारत व मालदीव प्रतिरक्षा साझेदारी को भी मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं. दोनों नेताओं ने सुरक्षा के सम्बन्ध में एक-दूसरे की सवेदनशीलता का सम्मान करने पर तथा एक दूसरे की सुरक्षा विरोधी किसी गतिविधि से दूर रहने पर सहमति व्यक्त की. इसके साथ ही दोनों देश समुद्री सुरक्षा, समुद्री क्षेत्र जागरूकता, आपदा प्रबन्धन तथा आपदा राहत सहायता आदि के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए. इसके लिए दोनों देश पहले से चले आ रहे कार्यक्रमों को मजबूत करेंगे तथा अपनी क्षमताओं का विकास करेंगे. भारत की सहयता से मालदीव के सिफावारू स्थान पर बन रहे कोस्टगार्ड बन्दरगाह की कार्य प्रगति पर दोनों नेताओं ने सन्तोष व्यक्त किया. इस बन्दरगाह के निर्माण से मालदीव के राष्ट्रीय सुरक्षा बल की क्षमता का विकास होगा तथा उसे अपने समुद्री आर्थिक क्षेत्र की देख-रेख व सुरक्षा में मदद मिलेगी.

इस यात्रा के दौरान भी भारत ने 50 मिलियन डॉलर की प्रतिरक्षा सहायता के साथ 24 प्रतिरक्षा उपयोगी गाड़ियाँ तथा दूसरा लैंडिग असालट एयरक्राफ्ट देने की घोषणा की. उल्लेखनीय है कि मालदीव समुद्र में आपदा प्रबन्धन के लिए श्रीलंका व भारत के साथ एक त्रिपक्षीय सहयोग कार्यक्रम में भी भाग ले रहा है. इसके साथ ही दोनों नेताओं ने आतंकवाद के प्रत्येक रूप की भर्त्सना की तथा इसके प्रत्येक रूप को अस्वीकार्य बताया. दोनों ने आतंकवाद तथा साइबर सुरक्षा के मामलों में एक-दूसरे की सुरक्षा एजेन्सियों में अधिक समन्वय तथा सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया. इस प्रकार हम कह सकते हैं कि गत कुछ वर्षों में भारत व मालदीव के बीच तेजी से सुरक्षा सहयोग का विकास हो रहा है.

(द) सहयोग के नए क्षेत्र—2 नेताओं ने उभरते हुए निम्नांकित दो क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत बनाने पर सहमति व्यक्त की—

1. पर्यावरण तथा नवीनीकृत ऊर्जा
2. खेलकूद तथा युवा विकास

इस सम्बन्ध में दोनों देशों ने भारत द्वारा किए गए नए प्रयासों जैसे अन्तर्राष्ट्रीय सोलर एलायन्स तथा आपदा रोधी ढाँचा गठबन्धन तथा जलवायु परिवर्तन प्रबन्धन में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की. दोनों नेताओं ने अपने अधिकारियों को नवीनीकृत ऊर्जा तथा बिजली ग्रिड सम्पर्कता में सहयोग को तेजी से आगे बढ़ाने हेतु निर्देशित किया. इसी के साथ दोनों नेताओं ने 2020 के समझौते के अन्तर्गत युवाओं के आदान-प्रदान तथा खेलकूद के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया.

(य) बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग—दोनों नेताओं ने आपसी लाभ के वैश्विक मामलों पर भी विचार-विमर्श किया. दोनों ने संयुक्त राष्ट्र की संस्थाओं, विशेषकर सुरक्षा परिषद् में, तत्काल सुधार की आवश्यकता पर बल दिया. प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता के दावे के लिए मालदीव के निरन्तर समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया. दूसरी ओर मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहीम सोलिह ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें अधिवेशन की अध्यक्षता के दावे के लिए भारत के समर्थन हेतु आभार व्यक्त किया.

(र) नए समझौते—मालदीव के राष्ट्रपति सोलिह की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग को मजबूत करने के लिए 6 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए. ये समझौते निम्नलिखित हैं—

1. भारत में मालदीव की स्थानीय संस्थाओं के कार्मिकों तथा महिला विकास कमेटियों के सदस्यों के प्रशिक्षण हेतु समझौता.
2. समूद्री वैज्ञानिक शोध तथा मछली उत्पान के नए क्षेत्रों के पता लगाने के सम्बन्ध में आपसी सहयोग का समझौता.
3. भारत व मालदीव के बीच साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग हेतु समझौता.
4. आपदा प्रबन्धन के सम्बन्ध में दोनों देशों की एजेन्सियों के बीच समझौता.
5. मालदीव में पुलिस की ढाँचागत सुविधाओं के विकास के लिए वित्तीय सुविधा हेतु समझौता.
6. मालदीव के हुलहुमाले द्वीप में भारत की सहायता से 2,000 अतिरिक्त आवासों के निर्माण के लिए समझौता.

भारत-मालद्वीव सम्बन्धों में चीन फैक्टर

गत दशकों में चीन ने दक्षिण एशिया तथा हिन्द महासागर में अपने सामरिक प्रभाव का तेजी से विकास किया है. 1990 के दशक की चीन की भारत को सामरिक दृष्टि से घेरने के लिए अपनाई गई **मोतियों की माला की रणनीति** (String of Pearls Strategy) तथा वर्तमान में चल रही बीआरआई परियोजना चीन की इसी ग्रांड रणनीति का अंग है. मालदीव भी इससें अछूता नहीं है. मालदीव में चीन का सामरिक प्रभाव भारत के लिए हिन्द महासागर में नई चिन्ताएं उत्पन्न करता रहा है.

गत दशक में मालदीव की घरेलू राजनीति में बदलाव के कारण चीन को वहाँ अपना सामरिक प्रभाव बढ़ाने का अवसर प्राप्त हो गया था. 2008 में मालदीव में बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के अन्तर्गत पहली बार स्वतंत्र चुनाव सम्पन्न हुए. इन चुनावों में नवगठित मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता मोहम्मद नशीद राष्ट्रपति चुने गए. भारत ने मालदीव में बहुदलीय लोकतंत्र के आगमन का स्वागत किया. नशीद शासन के दौरान भारत व मालदीव के सम्बन्धों में तेजी से विस्तार हुआ तथा नशीद को भारत समर्थक राजनेता माना जाने लगा, लेकिन इस्लाम को बचाने के नाम पर मालदीव में नशीद सरकार के विरुद्ध जन-विरोध का क्रम शुरू हुआ. परिणामस्वरूप, प्रशासन तथा सेना के असहयोगात्मक रुख के कारण फरवरी 2012 में नशीद ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया. नई सरकार ने नशीद के विरुद्ध आतंकवाद के समर्थन का आरोप लगाकर उन्हें 13 वर्ष की सजा सुना दी. नशीद अपना इलाज कराने के बहाने इंगलैंड चले गए. 2013 के चुनावों में **अब्दुल्ला यामीन** को विवादास्पद जीत हासिल हुई.

यामीन शासन चीन समर्थक तथा भारत विरोधी था. 2013 से 2018 तक इस शासन काल में चीन को मालदीव में अपने पैर पसारने का अवसर प्राप्त हो गया. 2013 में भारत की कम्पनी जी.एम.आर. को माले एअरपोर्ट के संचालन का ठेका निरस्त कर सरकार ने यह ठेका चीन की कम्पनी को दे दिया. इसके अलावा चीन ने माले एअरपोर्ट से माले शहीर तक फ्रेण्डशिप ब्रिज का निर्माण किया तथा चीन की कम्पनियों को अन्य ढाँचागत सुविधाओं के विकास का काम सौंपा गया. 2015 में यामीन सरकार ने संविधान में संशोधन कर यह व्यवस्था कर दी कि किसी विदेशी कम्पनी को निश्चित शर्तों पर, मालदीव की जमीन, लम्बे समय के पट्टे पर दी जा सकती है. इसका फायदा उठाकर चीन ने कई महत्वपूर्ण द्वीपों पर पट्टे पर अधिकार कर लिया. 2014 में चीन के राष्ट्रपति शी झिंगपिंग ने मालदीव की यात्रा की तथा मालदीव ने चीन के मैरीटाइम सिल्क रूट परियोजना में भाग लेने पर सहमति व्यक्त कर दी. इस परियोजना के अन्तर्गत चीन हिन्द महासागर के तटीय देशों में पोर्ट व ढाँचागत सुविधाओं का विकास कर रहा है तथा इस क्षेत्र में अपना सामरिक प्रभाव बढ़ा रहा है. 2017 में मालदीव के नेता यामीन ने चीन की यात्रा की तथा मालदीव ने चीन के साथ अपने पहले मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षरित किए. संसद में इस समझौते को विवादास्पद तरीके से पारित कराया गया. चीन ने मालदीव में, जो धन निवेश किया है वह कठिन शर्तों में ऋण के रूप में है. कर्ज के कारण मालदीव की वित्तीय स्थिति खराब हो गई है. उल्लेखनीय है कि मालदीव में चीन का बढ़ता हुआ सामरिक प्रभाव भारत की सुरक्षा की दृष्टि से घातक है, क्योंकि मालदीव भारत के लक्षद्वीव से केवल 700 किमी तथा भारत की मुख्य भूमि से केवल 1200 किमी की दूरी पर स्थित है. पश्चिम की ओर जाने वाले भारत के व्यापार मार्ग भी मालदीव के पास से ही गुजरते हैं. अतः मालदीव में चीन की सामरिक उपस्थिति को लेकर भारत चिन्तित था.

कुल मिलाकर भारत व मालदीव के द्वि-पक्षीय सम्बन्धों में अब चीन एक बड़ा फैक्टर है. यदि भविष्य में मालदीव में घरेलू राजनीति में बदलाव के चलते पुनः चीन समर्थित सरकार का गठन होता, तो भारत की सामरिक चुनौतियाँ बढ़ जाएंगी. यह भारत के लिए चिन्ता का मुख्य विषय है. भारत इस तथ्य को ध्यान में रखकर ही हिन्द महासागर में अपनी रणनीति का विकास कर रहा है.

निष्कर्ष

भारत व मालदीव के बीच ऐतिहासिक व घनिष्ठ बहुपक्षीय सम्बन्ध रहे हैं. 1965 में मालदीव की आजादी के बाद से ही भारत वहाँ विकास साझेदारी को मजबूत करता रहा है. मालदीव भारत के साथ दक्षिण एशिया सहयोग संगठन का भी सदस्य है तथा मालदीव ने सदैव वैश्विक मंचों पर भारत का समर्थन किया है. प्रतिरक्षा तथा सामरिक क्षेत्र में भी दोनों के मध्य अत्यंत घनिष्ठ सम्बन्धों का विकास हुआ है. सन् 1988 में जब सरकार का तख्ता पलटने के लिए बड़ा आतंकवादी हमला हुआ था, तो भारत ने अपनी वायु सेना भेजकर इस हमले को नाकाम कर सरकार की रक्षा की थी. इसके साथ ही, भारत ने मालदीव में ढाँचागत सुविधाओं के विकास तथा क्षमता निर्माण में निरन्तर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. भारत ने सदैव मालदीव की स्थिरता सम्पन्नता तथा वहाँ लोकतंत्र का समर्थन किया है, लेकिन हाल के वर्षों में मालदीव में चीन के बढ़ते हुए प्रभाव से भारत को वहाँ नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. यद्यपि वर्तमान में मालदीव की भारत समर्थित सरकार के कारण दोनों देशों में सामरिक व अन्य सम्बन्धों का तेजी से विकास हो रहा है. मालदीव की सामरिक स्थिति महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पूरब से पश्चिम जाने वाले प्रमुख समुद्री मार्गों के निकट स्थित है. अतः मालदीव भारत के सामरिक व आर्थिक दोनों हितों की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है.

●●

वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

कला एवं संस्कृति

मोहनजोदड़ो

सुर्खियों में क्यों?

16 और 26 अगस्त, 2022 के बीच, सिंधु नदी के तट के समीप अवस्थित मोहनजोदड़ो के पुरातात्विक खंडहरों में रिकॉर्ड 779·5 मिमी वर्षा हुई, जिसके परिणामस्वरूप स्थल को काफी नुकसान हुआ और स्तूप गुंबद की सुरक्षा दीवार सहित कई दीवारें आंशिक रूप से गिर गई हैं. पाकिस्तान के पुरातत्व विभाग ने चेतावनी दी है कि सिंध प्रांत में भारी वर्षा से मोहनजोदड़ो के विश्व धरोहर का दर्जा खतरे में पड़ गया है.

प्रमुख तथ्य

- मोहनजोदड़ो, सिंधु घाटी सभ्यता का प्रमुख स्थल है. मोहनजोदड़ो का सिंधी भाषा में शाब्दिक अर्थ होता है—'मृतकों का टीला'. यह वर्तमान पाकिस्तान में सिंध के लरकाना जिले में स्थित है. यह स्थल सिंधु नदी के तट पर स्थित है. इस स्थल की खोज एवं उत्खनन कार्य 1922 ईस्वी में श्री राखाल दास बनर्जी के नेतृत्व में हुआ था.
- सिंधु घाटी सभ्यता के स्थल पाकिस्तान-ईरान सीमा के पास बलूचिस्तान में सुत्कागेनडोर से लेकर उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के आलमगीरपुर तक और जम्मू के मांडा से लेकर महाराष्ट्र के दाइमाबाद तक फैले एक बड़े क्षेत्र में पाए गए है.
- हड़प्पा के साथ-साथ मोहनजोदड़ो भी कांस्ययुगीन (3300 ईसा पूर्व से 1200 ईसा पूर्व) शहरी सभ्यता का सबसे प्रसिद्ध स्थल है. यह लगभग 3,300 ईसा पूर्व और 1,300 ईसा पूर्व के बीच सिंधु घाटी में विकसित हुआ, इसका 'परिपक्व' चरण 2,600 ईसा पूर्व से 1,900 ईसा पूर्व तक था.
- दूसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व के मध्य में सभ्यता का पतन जलवायु परिवर्तन जैसे कारणों से माना जाता है.
- मोहनजोदड़ो की खुदाई वर्ष 1920 में शुरू हुई थी और वर्ष 1964-65 तक चरणों में जारी रही, अभी भी केवल एक छोटे से हिस्से की खुदाई की गई है.
- इस स्थल से हमें एक विशाल स्नानागार के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं. यहाँ सड़कों का जाल बिछा हुआ था. यहाँ पर सड़कें ग्रिड प्रारूप में बनी हुई थीं. यहाँ से मिली सबसे बड़ी इमारत विशाल अन्नागार है.
- सर्वाधिक मुहरें मोहनजोदड़ो से प्राप्त हुई हैं. उल्लेखनीय है की हड़प्पा स्थल से सर्वाधिक अभिलेख युक्त मुहरें प्राप्त हुई हैं.
- यहाँ से प्राप्त हुए अन्य प्रमुख अवशेषों में शामिल हैं—कांसे की नर्तकी की मूर्ति, मुद्रा पर अंकित पशुपति नाथ की मूर्ति, सूती कपड़ा, अलंकृत दाढ़ी वाला पुजारी, इत्यादि.
- अपने चरमोत्कर्ष और अत्यधिक विकसित सामाजिक संगठन के साथ इसके अनुमानित निवासियों की संख्या 30,000 से 60,000 के मध्य थी.
- कराची से 510 किमी उत्तर-पूर्व और सिंध में लरकाना से 28 किमी दूर बिना पकी ईंट के विशाल शहर के खंडहरों को वर्ष 1980 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई थी.

वल्लियप्पन उलगनाथन चिदंबरम पिल्लई (Valliyappan Olaganathan Chidambaram Pillai)

सुर्खियों में क्यों ?

प्रधानमंत्री ने 5 सितम्बर, 2022 को महान् स्वतंत्रता सेनानी वी.ओ. चिदंबरम पिल्लई को उनकी 151वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की. वह कप्पलोटिया थमिजान (तमिल खेवनहार) और 'चेक्किलुथथा चेम्मल' के रूप में भी जाने जाते थे.

प्रमुख तथ्य

- वल्लियप्पन उलगनाथन चिदंबरम पिल्लई (चिदंबरम पिल्लई) का जन्म 5 सितम्बर, 1872 को तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले के ओट्टापिडारम् में एक प्रख्यात वकील उलगनाथन पिल्लई और परमी अम्माई के घर हुआ था.
- 14 वर्ष की आयु में चिदम्बरम अपने पढ़ाई चालू रखने के लिए तूत्तुक्कुडि गए. वे सेंट जेवियर हाईस्कूल, काल्ड्वेल हाईस्कूल तूत्तुक्कुडि और हिन्दू कॉलेज हाईस्कूल तिरुनेल्वेली में पढ़ें.
- चिदम्बरम के पिताजी ने उन्हें कानून की पढाई करने के लिए तिरुचिरापल्ली

यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल

- *यूनेस्को के अनुसार विश्व विरासत स्थल ऐसे खास स्थानों (जैसे—वन क्षेत्र, पर्वत, झील, मरुस्थल, स्मारक, भवन या शहर इत्यादि) को कहा जाता है, जो विश्व विरासत स्थल समिति द्वारा चयनित होते हैं. यह समिति इन स्थलों की देखरेख यूनेस्को के तत्वावधान में करती है. इस कार्यक्रम का उद्देश्य विश्व के ऐसे स्थलों को चयनित एवं संरक्षित करना होता है, जो विश्व संस्कृति की दृष्टि से मानवता के लिए महत्वपूर्ण है. इसके 167 सदस्य देशों में लगभग 1,100 यूनेस्को सूचीबद्ध स्थल हैं.*
- *कुछ खास परिस्थितियों में ऐसे स्थलों को स्थल समिति द्वारा आर्थिक सहायता भी दी जाती है. प्रत्येक विरासत स्थल उस देश विशेष की सम्पत्ति होती है, जिस देश में वह स्थल स्थित हो, परन्तु अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय का हित भी इसी में होता है कि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए और मानवता के हित के लिए इनका संरक्षण करें.*

विश्व धरोहरों को यूनेस्को की सूची में शामिल करने की प्रक्रिया

- *किसी भी देश को पहले चरण में किसी स्थल की अस्थायी सूची तैयार करना होता है.*
- *कोई भी देश ऐसे किसी सम्पदा को नामांकित नहीं कर सकता है जिसका नाम उस सूची में पहले ही सम्मिलित नहीं हुआ हो.*
- *दूसरे चरण में विश्व धरोहर केन्द्र द्वारा धरोहर सूची बनाने में सलाह देता है और सहायता प्रदान करता है.*
- *तीसरे चरण में नोमिनेशन फाइल को दो स्वतंत्र संगठनों द्वारा आकलित किया जाता है, ये हैं—अन्तर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल परिषद् और विश्व संरक्षण संघ. यह संस्थाएं फिर विश्व धरोहर समिति से सिफारिश करती हैं.*
- *चौथे चरण में विश्व धरोहर समिति के निर्णय की बारी आती है.*
- *विश्व धरोहर समिति वर्ष में एक बार बैठक करती है और उसी बैठक में तय होता है कि नामांकित सम्पदा को विश्व धरोहर सूची में शामिल करना है या नहीं.*
- *पाँचवें चरण में यूनेस्को के दस मानदंडों की कसौटी पर स्थलों की जाँच की जाती है.*
- *2004 से पहले 6 सांस्कृतिक और चार प्राकृतिक मानदंडों को पूरा करना जरूरी था, लेकिन अब 10 मानदंडों का एक ही सेट तय किया गया है.*

वैश्विक धरोहरों की तीन श्रेणियाँ बाँटी गई हैं—

- *प्राकृतिक धरोहर स्थल*
- *सांस्कृतिक धरोहर स्थल*
- *मिश्रित धरोहर स्थल*

भेजा. इसके पहले वे तालुका ऑफिस में क्लर्क के पद पर कुछ समय तक काम किए. वे 1894 में वकालत की परीक्षा पास की. 1895 में ओट्टिपडारम लौट आए और वकालत शुरू कर दी.

- चेन्नई में उनकी मुलाकात संत रामकृष्णान्तर से हुई, जो स्वामी विवेकानन्द आश्रम से सम्बन्धित थे, जिन्होंने उन्हें देश के हित में कुछ करने की प्रेरणा दी. यह चिदम्बरम को राजनीति की तरफ मोड़ा. सन 1900 के बाद चेन्नई में वे तमिल कवि भारतीयार से मिले और दोनों लोग एक-दूसरे के अभिन्न मित्र बन गए.
- चिदंबरम पिल्लई ने 1905 में बंगाल के विभाजन के बाद राजनीति में प्रवेश किया. वर्ष 1905 के अंत में चिदंबरम पिल्लई ने मद्रास का दौरा किया और बाल गंगाधर तिलक तथा लाला लाजपत राय द्वारा शुरू किए गए स्वदेशी आंदोलन से जुड़े.
- चिदंबरम पिल्लई रामकृष्ण मिशन की ओर आकर्षित हुए और सुब्रमण्यम भारती तथा मांडयम परिवार के सम्पर्क में आए.
- तूतीकोरिन (वर्तमान थूथुकुडी) में चिदंबरम पिल्लई के आने तक तिरुनेलवेली जिले में स्वदेशी आंदोलन ने गति प्राप्त करना शुरू नहीं किया था. चिदम्बरम ने स्वदेशी प्रचार सभा, धर्म संघ नेसवु सालै, नेशनल गोडौन, मद्रास अग्रो इन्डिस्ट्रियल लिमिटेड और देशाभिमान संगम जैसी संस्थाओं का निर्माण किया.
- 1906 तक चिदंबरम पिल्लई ने स्वदेशी स्टीम नेविगेशन कम्पनी (SSNCO) के नाम से एक स्वदेशी मर्चेंट शिपिंग संगठन स्थापित करने के लिए तूतीकोरिन और तिरुनेलवेली में व्यापारियों एवं उद्योगपतियों का समर्थन हासिल किया.
- चिदंबरम पिल्लई और शिवा को उनके प्रयासों हेतु तिरुनेलवेली स्थित कई वकीलों द्वारा सहायता प्रदान की गई, जिन्होंने स्वदेशी संगम या 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक' नामक एक संगठन का गठन किया.
- तूतीकोरिन कोरल मिल्स की हड़ताल (1908) की शुरूआत के साथ राष्ट्रवादी आंदोलन ने एक द्वितीयक चरित्र प्राप्त कर लिया.
- गांधीजी के चंपारण सत्याग्रह (1917) से पहले भी चिदंबरम पिल्लई ने तमिलनाडु में मजदूर वर्ग का मुद्दा उठाया था और इस तरह वह इस सम्बन्ध में गांधीजी के अग्रदूत रहे.
- चिदंबरम पिल्लई ने अन्य नेताओं के साथ मिलकर 9 मार्च, 1908 की सुबह बिपिन चंद्र पाल की जेल से रिहाई का जश्न मनाने और स्वराज का झंडा फहराने के लिये एक विशाल जुलूस निकालने का संकल्प लिया.
- उन्होंने मेयाराम (1914), मेयारिवु (1915), एंथोलॉजी (1915), आत्मकथा (1946), थिरुकुरल के मनकुदावर के साहित्यिक नोट्स के साथ (1917), टोल्कपियम के इलमपुरनार के साहित्यिक नोट्स के साथ (1928) आदि कृतियों की रचना की.
- चिदंबरम पिल्लई की मृत्यु 18 नवम्बर, 1936 को तूतीकोरिन में हुई.

पर्यावरण एवं प्रदूषण

क्लाउड सीडिंग (Cloud seeding)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (UAE) जो पृथ्वी पर सबसे गर्म और सबसे शुष्क क्षेत्रों में से एक में स्थित है, क्लाउड सीडिंग और वर्षण को बढ़ाने के प्रयास का नेतृत्व कर रहा है, जहाँ प्रतिवर्ष औसतन 100 मिलीमीटर से कम वर्षा होती है.

प्रमुख तथ्य

- दरअसल कृत्रिम बारिश कराना एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है. दुनिया के तमाम देशों में कृत्रिम बारिश कई तरीकों से होती रही है. पुरानी और सबसे ज्यादा प्रचलित तकनीक में विमान या रॉकेट के जरिए ऊपर पहुँचकर बादलों में सिल्वर आयोडाइड मिला दिया जाता है.
- सिल्वर आयोडाइड प्राकृतिक बर्फ की तरह ही होता है. इसकी वजह से बादलों का पानी भारी हो जाता है और बरसात हो जाती है. इसे क्लाउड सीडिंग कहा जाता है. किसानों की आम बोलचाल की भाषा में इसे 'सरकारी वर्षा' भी कहा जाता है.
- कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि कृत्रिम बारिश के लिए बादल का होना जरूरी है. बिना बादल के क्लाउड सीडिंग नहीं की जा सकती. बादल बनने पर सिल्वर आयोडाइड का छिड़काव किया जाता है. इसकी वजह से भाप पानी की बूँदों के रूप में परिवर्तित हो जाती है. इनमें भारीपन आ जाता है और ग्रैविटी की वजह से ये धरती पर गिरती है.
- गौरतलब है कि मॉनसून से पहले और इसके दौरान कृत्रिम बारिश कराना आसान होता है, लेकिन सर्दियों के मौसम में ये आसान नहीं होती, क्योंकि इस दौरान बादलों में नमी की मात्रा ज्यादा नहीं होती.
- क्लाउड सीडिंग का सबसे पहला प्रदर्शन फरवरी 1947 में आस्ट्रेलिया के बाथुर्स्ट में हुआ था. भारत में क्लाउड सीडिंग का पहला प्रयोग वर्ष 1951 में हुआ था. भारत में क्लाउड सीडिंग का प्रयोग सूखे से निपटने और डैम का वाटर लेवल बढ़ाने में किया जाता रहा है.

क्लाउड सीडिंग के तरीके :

1. **हाइग्रोस्कोपिक क्लाउड सीडिंग :** बादलों के निचले हिस्से में ज्वालाओं या विस्फोटकों के माध्यम से नमक को फैलाया जाता है, और जैसे ही यह पानी के सम्पर्क में आता है नमक कणों का आकार बढ़ने लगता है.
2. **स्टेटिक क्लाउड सीडिंग :** इसमें सिल्वर आयोडाइड जैसे रसायन को बादलों में पफैलाया जाता है. सिल्वर आयोडाइड एक क्रिस्टल का उत्पादन करता है जिसके चारों ओर नमी संघनित हो जाती है. वातावरण में उपस्थित जलवाष्प को संघनित करने में सिल्वर आयोडाइड अधिक प्रभावी है.
3. **डायनेमिक क्लाउड सीडिंग :** इसका उद्देश्य ऊर्ध्वाधर वायु राशियों को बढ़ावा देना है, जो बादलों से गुजरने हेतु अधिक जल को प्रोत्साहित करता है, जिससे वर्षा की मात्रा बढ़ जाती है. प्रक्रिया को स्थिर, क्लाउड सीडिंग, की तुलना में अधिक जटिल माना जाता है, क्योंकि यह अनुकूल घटनाओं के अनुक्रम पर निर्भर करता है.

क्लाउड सीडिंग के अनुप्रयोग

- इसके द्वारा सूखाग्रस्त क्षेत्रों में कृत्रिम वर्षा के माध्यम से राहत प्रदान की जाती है. उदाहरण के लिए, वर्ष 2017 में कर्नाटक में 'वर्षाधारी परियोजना' के अन्तर्गत कृत्रिम वर्षा कराई गई थी.
- क्लाउड सीडिंग के अनुप्रयोग द्वारा तस्मानिया (आस्ट्रेलिया) में पिछले 40 वर्षों के दौरान जलविद्युत् उत्पादन में वृद्धि देखी गई है.
- क्लाउड सीडिंग गर्मियों के दौरान नदियों के न्यूनतम प्रवाह को बनाए रखने में मदद कर सकती है और नगर पालिकाओं तथा उद्योगों से उपचारित अपशिष्ट जल के निर्वहन के प्रभाव को भी कम कर सकती है.
- सर्दियों के दौरान क्लाउड सीडिंग का उपयोग पर्वतों पर बर्फ की परत का क्षेत्रफल बढ़ाया जाता है, ताकि बसंत के मौसम में बर्फ के पिघलने के दौरान अतिरिक्त अपवाह प्राप्त हो सके.
- कोहरा के प्रसार, ओला वर्षण और चक्रवात की स्थिति में परिवर्तन के उद्देश्य से क्लाउड सीडिंग के माध्यम से मौसम में परिवर्तन के लिए वर्ष 1962 में अमरीका में 'प्रोजेक्ट स्काई वाटर' का परिचालन किया गया था.
- वर्षा के माध्यम से जहरीले वायु प्रदूषकों को कम करने के लिए 'क्लाउड सीडिंग' का सम्भावित रूप से उपयोग किया जा सकता है. उदाहरण—हाल ही में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अन्य शोधकर्ताओं के साथ दिल्ली में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए क्लाउड सीडिंग के उपयोग पर विचार किया.
- क्लाउड सीडिंग द्वारा शुष्क क्षेत्रों को अनुकूलित कर पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है.

क्लाउड सीडिंग में विद्यमान चुनौतियाँ

- क्लाउड सीडिंग में इस्तेमाल होने वाले रसायन पौधों, जानवरों और लोगों या पर्यावरण के लिए सम्भावित रूप से हानिकारक हो सकते हैं.
- यह अंततः ग्रह पर जलवायु प्रतिरूप में बदलाव ला सकता है. वर्षा को प्रोत्साहित करने के लिए वातावरण में रसायनों को छिड़कने की कृत्रिम प्रक्रिया के कारण सामान्य रूप से वर्षा वाले प्राप्त स्थानों पर सूखे जैसी घटनाओं को बढ़ावा दे सकता है.
- इसमें रसायनों को आकाश में छिड़कने और उन्हें फ्लेयर शॉट्स या हवाई जहाज द्वारा हवा में छोड़ने जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं, जिसमें भारी लागत और लॉजिस्टिक शामिल है.
- कृत्रिम वर्षा के दौरान सिल्वर आयोडाइड, शुष्क बर्फ या लवण जैसे सीडिंग तत्त्व भी धरातल पर आएंगे. क्लाउड-सीडिंग परियोजनाओं के आस-पास के स्थानों में खोजे गए अवशिष्ट चाँदी को विषाक्त माना जाता है. शुष्क बर्फ के लिए यह ग्रीनहाउस गैस का एक स्रोत भी हो सकता है, जो ग्लोबल वार्मिंग में योगदान देता है, क्योंकि यह मूल रूप से कार्बन डाइऑक्साइड होता है.

द ब्रेकथ्रू एजेंडा रिपोर्ट 2022 (The Break-through Agenda Report 2022)

सुर्खियों में क्यों ?

सितम्बर 2022 में अन्तर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA), अन्तर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी (IRENA) और संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन के उच्चस्तरीय अभिकर्ताओं द्वारा द ब्रेक थ्रू : एजेंडा रिपोर्ट 2022 जारी की गई, जिसमें ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में तेजी से कमी लाने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग पर ध्यान केन्द्रित किया गया है. यह प्रत्येक निर्णायक लक्ष्य की दिशा में प्रगति का आकलन और भविष्य में प्रगति पर नजर रखने के लिए एक रूपरेखा है. साथ ही, यह वर्ष 2030 तक समन्वित अन्तर्राष्ट्रीय कार्रवाइयों का मार्ग और अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए सबसे जरूरी और उच्च प्रभाव वाले अवसरों पर विशिष्ट सिफारिशों का एक चार्टर प्रदान करता है.

प्रमुख तथ्य

- यह रिपोर्ट पाँच प्रमुख क्षेत्रों—विद्युत, हाइड्रोजन, सड़क परिवहन, इस्पात और कृषि में उत्सर्जन को कम करने की प्रगति का आकलन करता है.
- यह अपनी तरह की पहली वार्षिक प्रगति रिपोर्ट है, जिसका अनुरोध विश्व नेताओं द्वारा नवम्बर 2021 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन COP 26 में ब्रेकथ्रू एजेंडा के शुभारम्भ के हिस्से के रूप में किया गया था.
- ब्रेकथ्रू एजेंडा वर्तमान में वैश्विक अर्थव्यवस्था के दो-तिहाई से अधिक को कवर करता है, जिसे G7, चीन और भारत सहित 45 विश्व के देशों का समर्थन प्राप्त है.

परिणाम

- हाल के वर्षों में व्यावहारिक तौर पर अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग में वृद्धि के साथ ही आवश्यक प्रौद्योगिकियों को तैनात करने में प्रगति हुई है, जिसमें वर्ष 2022 में वैश्विक नवीकरणीय क्षमता में 8% की वृद्धि का पूर्वानुमान शामिल है, जो पहली बार 300GW के साथ लगभग 225 मिलियन घरों को विद्युत् उपलब्ध कराने के बराबर है.
- रिपोर्ट में विश्लेषण किए गए पाँच क्षेत्रों में वैश्विक ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन का लगभग 60% हिस्सा है, और वर्ष 2030 तक आवश्यक उत्सर्जन में कमी कर सकता है, जो ग्लोबल वार्मिंग को अधिकतम 1·5 डिग्री सेल्सियस, पेरिस समझौते के लक्ष्यों के अनुरूप तक सीमित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा.
- विश्व सही मायने में पहले से ही वैश्विक ऊर्जा संकट के दौर में है, विश्व अर्थव्यवस्था में विशेष रूप से विकासशील देशों को इस संकट के अधिक घातक प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है.
- तेल, गैस और बिजली से जुड़े बाजारों में ऊर्जा संकट उभर कर सामने आया है तथा महामारी, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव व रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण यह संकट और बढ़ गया है.
- ऊर्जा और जलवायु संकट ने 20वीं शताब्दी की उस प्रणाली की कमजोरियों एवं सुभेद्यताओं को उजागर किया है, जो ईंधन पर बहुत अधिक निर्भर है.

अनुशंसाएं

- समाधानों की सीमा का विस्तार करने और परिवर्तनीय नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए लचीली कम कार्बन वाली विद्युत् प्रणालियों का प्रदर्शन और परीक्षण करना.
- कम कार्बन युक्त ऊर्जा में व्यापार बढ़ाने, उत्सर्जन को कम करने, ऊर्जा सुरक्षा में सुधार और तंत्र में लचीलापन बढ़ाने के लिए इस दशक में नए क्रॉस-बॉर्डर सुपरग्रिड का निर्माण करना.
- कोयला उत्पादक देशों के स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के रूपांतरण में मदद करने के लिए वित्त और तकनीकी सहायता के चैनल के लिए विशेषज्ञता के नए अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र स्थापित करना.
- एक सामान्य परिभाषा और लक्ष्य तिथियों पर सहमत होना जिसके द्वारा सभी नए वाहनों के शुद्ध शून्य उत्सर्जक होने के लक्ष्य को वर्ष 2035 तथा भारी वाहनों के लिए वर्ष 2040 के दशक को लक्षित करना.
- विकासशील देशों के लिए प्राथमिक सहायता सहित चार्जिंग बुनियादी ढाँचे के लिए निवेश जुटाना और निवेश को बढ़ावा देने तथा वैश्विक स्तर पर अपनाने में तेजी लाने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय चार्जिंग मानकों में सामंजस्य स्थापित करना.
- कोबाल्ट और लीथियम जैसी कीमती धातुओं पर निर्भरता को कम करने के लिए बैटरी निर्माण हेतु रसायन विज्ञान में वैकल्पिक बैटरी और सुपरचार्जिंग अनुसंधान को बढ़ावा देना चाहिए.
- वैश्विक व्यापार को सक्षम बनाने के लिए मानकों के साथ-साथ कम कार्बन और नवीकरणीय हाइड्रोजन की माँग तथा तैनाती हेतु सरकारी नीतियाँ एवं निजी क्षेत्र की खरीद प्रतिबद्धताएं तय हों.
- कृषि प्रौद्योगिकियों और कृषि पद्धतियों में निवेश, जोकि पशुधन एवं उर्वरकों से उत्सर्जन में कटौती कर सकते हैं, वैकल्पिक प्रोटीन की उपलब्धता का विस्तार कर सकते हैं और जलवायु अनुकूल फसलों के विकास में तेजी ला सकते हैं.

आर्थिक एवं वित्तीय अवधारणाएं

राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (National Logistics Policy–NLP) 2022

सुर्खियों में क्यों ?

*हाल ही में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विज्ञान भवन में **नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी** (NLP) का शुभारम्भ किया. यह भारत को विकसित देश बनाने की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. वाणिज्य मंत्रालय ने वर्ष 2019 में परामर्श के लिए एक मसौदा लॉजिस्टिक्स नीति जारी की थी, **किन्तु कोविड-19 महामारी** के कारण इसमें देरी हुई. वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में एक बार पुनः राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति की घोषणा की गई.*

प्रमुख तथ्य

- मसौदा नीति में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए लागत को अगले 5 वर्षों में 10% तक कम करने का प्रावधान है, जो वर्तमान में सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 13 से 14% होने का अनुमान है.
- यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (ULIP) परिवहन क्षेत्र से सम्बन्धित सभी डिजिटल सेवाओं को एक ही पोर्टल पर लाएगा, जिससे निर्यातक लम्बी एवं बोझिल प्रक्रियाओं से मुक्त हो सकेंगे.

- इस नीति के तहत् एक नया डिजिटल प्लेटफॉर्म 'ईज ऑफ लॉजिस्टिक्स सर्विसेज' (E-Logs) भी शुरू किया गया है. इसके माध्यम से उद्योग संघ ऐसे किसी भी मामले को सरकारी एजेंसियों के समक्ष उठा सकते हैं जिसके कारण उनके संचालन तथा प्रदर्शन में समस्या आ रही है.

लॉजिस्टिक्स

लॉजिस्टिक्स शब्द संसाधनों के अधिग्रहण, भंडारण और वितरण को उनके इच्छित स्थान पर नियंत्रित करने की संपूर्ण प्रक्रिया का वर्णन करता है. लॉजिस्टिक्स में संसाधनों, लोगों, कच्चे माल, सूची, उपकरण आदि को एक स्थान से दूसरे स्थान पर अर्थात् उत्पादन बिंदुओं से उपभोग, वितरण या अन्य उत्पादन बिंदुओं तक ले जाने के साथ नियोजन, समन्वय, भंडारण प्रक्रिया शामिल हैं. इसमें सम्भावित वितरकों और आपूर्तिकर्ताओं का पता लगाना तथा ऐसी पार्टियों की व्यवहार्यता एवं पहुँच का मूल्यांकन करना शामिल है.

उद्देश्य

- इस नीति का उद्देश्य वस्तुओं की निर्बाध आवाजाही को बढ़ावा देना और उद्योग में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना है.
- अंतिम छोर तक शीघ्र वितरण सुनिश्चित करने, परिवहन सम्बन्धी चुनौतियों से निपटने, समय और धन की बचत करने, कृषि उत्पादों की बर्बादी रोकने के लिए किए गए ठोस प्रयासों में से एक राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति है.
- यह नीति ईंधन लागत और रसद लागत को कम करने के लिए एक रोडमैप प्रदान करने के अलावा सम्बन्धित नियमों को सुव्यवस्थित करेगी. साथ ही, आपूर्ति-पक्ष की बाधाओं को भी दूर करेगी.

लॉजिस्टिक्स सम्पर्क के लिए किए गए प्रयास

परियोजनाएं

- व्यवस्थित बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी में सुधार करने के उद्देश्य से सागरमाला और भारतमाला जैसी योजनाओं को लागू किया गया. समर्पित माल ढुलाई गलियारे के कार्य में तेजी लाने का प्रयास किया जा रहा है.
- निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 40 एयर कार्गो टर्मिनलों का निर्माण किया गया तथा 30 हवाई अड्डों पर शीत भण्डारण की सुविधा मुहैया कराई गई. साथ ही, देशभर में 35 मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स हब तैयार किए जा रहे हैं.
- जलमार्ग के जरिए पर्यावरण अनुकूल और कम व्यय में परिवहन किया जा सकता है, इसके लिए देश में कई नए जलमार्ग बनाए जा रहे हैं.
- **कोविड-19** के दौरान 'किसान रेल' और 'किसान उड़ान' जैसी पहलें शुरू की गईं और वर्तमान में 60 हवाई अड्डों पर कृषि उड़ान सुविधा उपलब्ध है. इन समन्वित प्रयासों से भारत अब दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है.

डिजिटल अनुप्रयोग

- लॉजिस्टिक क्षेत्र को मजबूत करने के लिए तकनीक के उपयोग, जैसे- ई-संचित के माध्यम से पेपरलेस एग्जिम व्यापार प्रक्रिया, कस्टम्स में फेसलेस कर निर्धारण, ई-वे बिल का प्रावधान, फास्टैग आदि ने लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की क्षमता में वृद्धि की है.
- लॉजिस्टिक्स क्षेत्र से सम्बन्धित मामलों को सुगम बनाने में जी.एस.टी. (GST) जैसी एकीकृत कर प्रणाली और ड्रोन नीति में बदलाव तथा इसे पी.एल.आई. योजना से जोड़ने से लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में ड्रोन के प्रयोग को बढ़ावा मिल रहा है.

नीति की आवश्यकता

लॉजिस्टिक्स व्यय को कम करना

- भारत में अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में लॉजिस्टिक्स व्यय का बहुत अधिक होना.
- घरेलू और निर्यात दोनों प्रकार के बाजारों में भारतीय सामानों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार के लिए लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने की अनिवार्यता.
- लॉजिस्टिक्स व्यय में कमी से अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में दक्षता सुधरती है और मूल्यवर्धन तथा उद्यम को प्रोत्साहन मिलता है.
- वैश्विक बाजारों में भारत में निर्मित उत्पादों की पहुँच के लिए समर्थन प्रणाली की मजबूती की आवश्यकता.
- राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति इस समर्थन प्रणाली को आधुनिक बनाने में मदद करेगी.
- निर्यात में वृद्धि तथा छोटे उद्योगों और उनमें कार्यरत् लोगों के लिए लाभकारी.

बुनियादी ढाँचे का विकास

- बुनियादी ढाँचे के विकास, कारोबार के विस्तार और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने की सम्भावनाएं.
- संपूर्ण पारितंत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण.
- यह नीति विभिन्न विषयों और क्षेत्रों तथा बहु-क्षेत्राधिकार ढाँचे को निर्धारित कर अधिक लागत एवं दक्षता में कमी के मुद्दों के समाधान के लिए एक व्यापक प्रयास है.
- इस नीति से पी.एम. गतिशक्ति को अधिक बढ़ावा.
- विगत वर्ष प्रारम्भ की गई पी.एम. गतिशक्ति (मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान) इस दिशा में एक अग्रणी कदम था.

विंडफॉल टैक्स (Windfall Tax)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में वित्त मंत्रालय ने जुलाई 2022 में घरेलू कच्चे तेल उत्पादकों पर विंडफॉल टैक्स/अप्रत्याशित कर लगाए जाने को उचित ठहराते हुए कहा है कि यह तदर्थ (अचानक बनाया या लिया गया) कदम नहीं है, बल्कि उद्योग के साथ पूर्ण परामर्श के बाद उठाया गया है. भारत के अलावा यूनाइटेड किंगडम, इटली और जर्मनी सहित कई देशों ने पहले ही ऊर्जा कम्पनियों के सुपर नॉर्मल प्रॉफिट पर अप्रत्याशित लाभ कर (Windfall Profit Tax) लगा दिया है या ऐसा करने पर विचार कर रहे हैं.

प्रमुख तथ्य

- विंडफॉल टैक्स, बस, उन कंपनियों पर लगाया जाने वाला कर है, जिनकी वित्तीय स्थिति पूरी तरह से किस्मत की वजह से बढ़ी है, या ऐसी घटनाएं जिनके लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं. उदाहरण के लिए– यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के कारण ऊर्जा की कीमतों में वैश्विक उछाल से ऊर्जा कम्पनियों को लाभ हुआ है.
- ऊर्जा फर्मों को अपने तेल और गैस के लिए पिछले वर्ष की तुलना में बहुत अधिक पैसा मिल रहा है, और आंशिक रूप से माँग में वृद्धि हुई है, क्योंकि दुनिया कोविड महामारी से उबरने का प्रयास कर रही है और आंशिक रूप से यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के कारण आपूर्ति में बाधा कड़ी हुई है.
- यह पहली बार नहीं है जब भारत विंडफॉल टैक्स पर विचार कर रहा है. नीति निर्माताओं ने 2018 में इस पर विचार किया था, और उससे पहले 2008 में, जब तेल की कीमतें उच्च स्तर पर थीं, और कई भारतीय तेल उत्पादकों ने खूब धन कमाया था. दोनों बार, इस विचार को छोड़ दिया गया था, क्योंकि निजी तेल कम्पनियों द्वारा इसका कड़ा विरोध किया गया था.
- सरकारें आमतौर पर इस तरह के मुनाफे पर कर की सामान्य दरों के ऊपर पूर्वव्यापी रूप से एकमुश्त कर लगाती हैं, जिसे विंडफॉल टैक्स कहा जाता है.
- एक क्षेत्र जहाँ इस तरह के करों पर नियमित रूप से चर्चा की जाती है, वह है तेल बाजार, जहाँ कीमतों में उतार-चढ़ाव से उद्योग को अस्थिर या अनिश्चित लाभ होता है.

देशों द्वारा विंडफॉल टैक्स लगाने का कारण

- पिछले वर्ष के अंत से और चालू वर्ष की पहली दो तिमाहियों में तेल, गैस एवं कोयले की कीमतों में तेज वृद्धि देखी गई है, हालाँकि हाल ही में इनमें कमी आई है.

naukaritok.com for Dec 2022

- यह वृद्धि कारकों के संयोजन से उत्पन्न हुई है, जिसमें कोविड-19 का सामना करने हेतु आर्थिक सुधार के दौरान ऊर्जा की माँग और आपूर्ति के बीच असंतुलन जैसे कारक शामिल हैं, जो यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण और अधिक बढ़ गया है.
- रूस-यूक्रेन संघर्ष के परिणामस्वरूप महामारी से उबरने और आपूर्ति के मुद्दों ने ऊर्जा की माँग को बढ़ा दिया, जिससे वैश्विक कीमतें बढ़ गईं.
- बढ़ती कीमतों का अर्थ ऊर्जा कम्पनियों के लिए भारी और रिकॉर्ड मुनाफा था, जिसका कारण बड़ी एवं छोटी अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू बिलों हेतु बढ़े गैस और बिजली के बिल थे.
- यह कर ऐसे समय में लगाया गया है जब रिफाइनरों ने यूरोप जैसे घाटे में फँसे देशों को ईंधन निर्यात बढ़ाकर बड़ा लाभ कमाया है, जिसने अब रूस से तेल आयात का बहिष्कार किया है.
- राष्ट्र (United Nations–UN) के प्रमुख ने सभी सरकारों से इन अत्यधिक मुनाफे पर कर लगाने का आग्रह किया "और इस कठिन समय में सबसे कमजोर लोगों का समर्थन करने के लिए धन का उपयोग करने को कहा."
- अप्रत्याशित करों को लागू करने के आह्वान को IMF जैसे संगठनों में भी समर्थन मिला, जिसने इस प्रकार के करों को आरोपित करने के विषय/तरीकों पर एक परामर्श-पत्र जारी किया.

औचित्य

- विश्व भर में सरकारों के लिए अप्रत्याशित करों को लागू करने हेतु अलग-अलग तर्क हैं, जैसे–

1. अप्रत्याशित लाभ का पुनर्वितरण जब उपभोक्ताओं की कीमत पर उच्च कीमतों से उत्पादकों को लाभ प्राप्त होता है,
2. सामाजिक कल्याण योजनाओं का वित्त पोषण, एवं
3. सरकार के लिए अनुपूरक राजस्व स्रोत.

विंडफॉल टैक्स से सम्बन्धित मुद्दे

- कर व्यवस्था में निश्चितता और स्थिरता होने पर कम्पनियाँ किसी क्षेत्र में निवेश करने में विश्वास रखती हैं. चूँकि अप्रत्याशित कर पूर्वव्यापी रूप में लगाए जाते हैं और प्रायः अप्रत्याशित घटनाओं से प्रभावित होते हैं, ये भविष्य के करों के बारे में बाजार में अनिश्चितता पैदा कर सकते हैं.
- ऐसा माना जाता है कि इस तरह के कर अल्पावधि में लोकलुभावन और राजनीतिक रूप से उपयुक्त होते हैं.
- एक अस्थायी अप्रत्याशित लाभ कर का परिचय भविष्य के निवेश को कम करता है, क्योंकि सम्भावित निवेशक निवेश निर्णय लेते समय सम्भावित करों की सम्भावना का आकलन करेंगे.
- यदि कीमतों में तीव्र वृद्धि से एकतरफा लाभ में वृद्धि होती है, तो इसे वास्तविक रूप में अप्रत्याशित कहा जा सकता है, लेकिन यह तर्क दिया जा सकता है कि ये ऐसे लाभ हैं जिसे कम्पनियों ने अंतिम उपयोगकर्ता को अंतिम उत्पाद प्रदान करने के क्रम में जोखिम लेने वाले उद्योगों के लिये एक पुरस्कार के रूप में अर्जित किया है.
- यह परिभाषित नहीं है कि यह कर किस पर लगाया जाना चाहिए, उच्च-मूल्य वाली बिक्री या छोटी कम्पनियों के व्यापार के लिए जिम्मेदार बड़ी कम्पनियाँ, यह सवाल उठाती हैं कि क्या एक निश्चित सीमा से नीचे के राजस्व या लाभ वाले उत्पादकों को छूट दी जानी चाहिए अथवा नहीं.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

ई-सिम प्रौद्योगिकी (eSIMs Technology)

सुर्खियों में क्यों ?

फोन निर्माता कम्पनी एप्पल के अनुसार, आईफोन 14 (iPhone 14) अमरीका में पूरी तरह से ई सिम (eSIM) पर आधारित है. इसमें भौतिक सिम कार्ड का प्रयोग नहीं किया जा रहा है. हालाँकि, अन्य देशों के आईफोन में अभी भौतिक सिम का प्रयोग जारी रहेगा.

प्रमुख तथ्य

ई-सिम

- ई-सिम एक प्रकार से इम्बेडेड सिम (Embedded SIM) है. वस्तुतः इसका हार्डवेयर किसी नियमित सिम कार्ड चिप की तरह ही होता है, किन्तु यह किसी स्मार्टफोन या स्मार्टवॉच के मदरबोर्ड का स्थायी रूप से अंतर्निहित भाग (Permanently Embedded Part) होता है.
- पारम्परिक सिम कार्ड की तरह ई-सिम में भी सामान घटक मौजूद होते हैं, जो फोन के आंतरिक अंगों का एक हिस्सा होता है. इसके अलग करना सम्भव नहीं है.
- उल्लेखनीय है कि ई सिम कोई नई तकनीक नहीं है. यह लम्बे समय से प्रचलन में है. इन्हें सर्वप्रथम एक दशक पूर्व वर्ष 2012 में स्थापित किया गया था.
- वर्तमान में इसे स्वास्थ्य-उन्मुख स्मार्टवॉच और स्मार्टफोन आदि में जोड़ा जा रहा है. मुख्यतः गूगल पिक्सल सीरीज, सैमसंग गैलेक्सी सीरीज में इसका प्रयोग किया जा रहा है.
- ये पूर्णतः पारम्परिक सिम कार्ड की तरह ही कार्य करते हैं. कॉल या टेक्स्ट के नियत स्मार्टफोन तक पहुँचने के लिए ई-सिम दूरसंचार ऑपरेटरों और अन्य उपभोक्ताओं के लिए एक विशिष्ट पहचानकर्ता के रूप में कार्य करते हैं.
- उल्लेखनीय है कि इसमें उपभोक्ताओं को रि-प्रोग्रामिंग की सुविधा भी प्रदान की जाती है. उपभोक्ता बिना किसी भौतिक सिम कार्ड को बदले अपने नेटवर्क ऑपरेटर को स्विच (परिवर्तन) करने में सक्षम हैं.

ई-सिम के लाभ

- नियमित रूप से एक ही सिम कार्ड का उपयोग कर रहे या बार-बार मोबाइल अथवा सिम न बदलने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए लाभदायक.
- किसी अन्य राज्य या देश की यात्रा की स्थिति में किसी स्टोर या सेंटर के बिना ही ऑपरेटर बदलने की सुविधा.
- एक ई-सिम में एक से अधिक सिम प्रोफाइल को संग्रह करना सम्भव.
- यह उपभोक्ताओं को बिना किसी विशेष प्रक्रिया या सिम परिवर्तन के सिम प्रोफाइल परिवर्तन का विकल्प सुलभ कराता है.
- किसी पारम्परिक सिम कार्ड वाले फोन के चोरी होने या गायब होने की स्थिति में फोन प्राप्तकर्ता सिम को निकलकर अन्य माध्यमों से इसका दुरूपयोग या धन निकासी कर सकता है.
- फोन को अनलॉक किए बिना ई-सिम का प्रयोग सम्भव नहीं है तथा इसे एक उपकरण से निकालकर किसी अन्य उपकरण में नहीं प्रयोग किया जा सकता है.
- पारम्परिक सिम कार्ड की तुलना में यह वायु, धूल या जल से सुरक्षित रहता है. सिद्धांत रूप में स्लॉट कम होने से धूल और पानी जैसे तत्वों के फोन में प्रवेश करने की सम्भावना कम हो जाती है.
- इसके लिए फोन में सिम कार्ड के लिए अतिरिक्त आरक्षित स्थान की आवश्यकता नहीं होती है.

ई-सिम की हानियाँ

आपात स्थिति

- यदि आपका फोन काम करना बंद कर देता है या गिर जाता है और स्क्रीन टूट जाती है, बैटरी खत्म हो जाती है, तो आपका संचार e-SIM के साथ पूरी तरह से ठप हो जाता है, जबकि ऐसे में पारम्परिक सिम को टूटे फोन से निकालकर दूसरे बैकअप डिवाइस या सेकण्डरी फोन में जल्दी से लगाया जा सकता है.
- e-SIM फोन का उपयोग उस देश में नहीं किया जा सकता है जहाँ दूरसंचार ऑपरेटर अभी तक तकनीक का समर्थन नहीं करते हैं.
- उस स्थिति में कोई समस्या नहीं उत्पन्न होती है यदि आपका फोन e-SIM और

पारम्परिक सिम दोनों का समर्थन करता है, लेकिन यूएस-संस्करण iPhone 14 जो केवल e-SIM का समर्थन करता है जैसे उपकरणों में यह समस्या देखी गई है.

- एक e-SIM दूरसंचार ऑपरेटर के स्टोर से प्राप्त किया जा सकता है, लेकिन किसी को अपना फोन स्विच करते समय ऑपरेटर पर निर्भर रहना पड़ता है.
- भविष्य में ऑपरेटर e-SIM प्लान या फोन स्विच करने के लिए अतिरिक्त शुल्क ले सकते हैं.

सिकल सेल एनीमिया (Sickle Cell Disease)

सुर्खियों में क्यों ?

भारत ने वर्ष 2021 में सिकल सेल एनीमिया के निदान हेतु क्लस्टर्ड रेग्युलरली इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पैलिनड्रॉमिक रिपीट्स (Clustered Regularly Interspaced Short Palindromic Repeats–CRISPR) विकसित करने के लिए 5 वर्ष की परियोजना को मंजूरी दी.

प्रमुख तथ्य

- सिकल सेल एनीमिया लाल रक्त कोशिकाओं (आरबीसी) की असामान्यता है. इसे सिकल सेल रोग (एससीडी) के रूप में भी जाना जाता है और यह आनुवंशिक है.
- आमतौर पर आरबीसी का आकार डिस्क जैसा होता है, जो इसे सबसे छोटी रक्त वाहिकाओं के भीतर यात्रा करने के लिए लचीला बनाता है. इस बीमारी को सिकल सेल एनीमिया के रूप में जाना जाता है, क्योंकि असामान्य लाल रक्त कोशिकाओं का आकार एक दरांती (सिकल) जैसा दिखता है. इस स्थिति में सूजन, दर्द के साथ-साथ ऊतकों को नुकसान भी शामिल है.

सिकल सेल एनीमिया के प्रकार

1. **हीमोग्लोबिन एसएस रोग :** सिकल सेल रोग के सबसे सामान्य प्रकारों में से एक होने के नाते, यह तब होता है जब रोगी को माता-पिता दोनों से हीमोग्लोबिन एस जीन प्रतियाँ विरासत में मिलती हैं. इसे एचबी एसएस के रूप में भी जाना जाता है और यह एससीडी का सबसे गम्भीर रूप है. एचबी एसएस वाले मरीजों में सबसे खराब लक्षण होते हैं.
2. **हीमोग्लोबिन एससी रोग :** इस रोग को सामान्य प्रकार का सिकल सेल रोग माना जा सकता है. एक मरीज को इस बीमारी से तभी पीड़ित होगा जब उसे एक माता-पिता से एचबी एस जीन और दूसरे से एचबी सी जीन विरासत में मिलेगा. उल्लेखनीय है कि जो मरीज एचबी एससी से पीड़ित हैं, उनमें एचबी एसएस वाले लोगों के समान लक्षण होंगे.
3. **हीमोग्लोबिन एसबी (बीटा) थैलेसीमिया :** इस प्रकार में, कम बीटा प्रोटीन का उत्पादन होता है जिसके कारण आरबीसी का आकार कम हो जाता है, क्योंकि यह बीटा ग्लोबिन जीन उत्पादन को प्रभावित करता है. यदि यह स्थिति एचबी एस जीन के साथ विरासत में मिली है, तो व्यक्ति के हीमोग्लोबिन एस बीटा थैलेसीमिया से पीड़ित होने की सम्भावना बढ़ जाती है.
4. **हीमोग्लोबिन एसबी ओ (बीटा-शून्य) थैलेसीमिया** : यह एससीडी का चौथा प्रकार है जिसमें बीटा-ग्लोबिन जीन शामिल होता है. इस प्रकार के लक्षण एचबी एसएस एनीमिया के समान होते हैं, लेकिन अधिक गम्भीर होते हैं.
5. **हीमोग्लोबिन एसडी, एसई, एसओ :** वे बहुत ही दुर्लभ प्रकार के एससीडी हैं और इनमें गम्भीर लक्षण नहीं होते हैं.
6. **सिकल सेल विशेषता :** रोगी को सिकल सेल विशेषता कहा जाता है यदि उसे एक माता-पिता से एक उत्परिवर्तित जीन (हीमोग्लोबिन एस) विरासत में मिलता है.

सिकल सेल एनीमिया के लक्षण

सिकल सेल एनीमिया के लक्षण आमतौर पर एक ऐसे रोगी में देखे जाते हैं, जो अपनी उम्र के 6 महीने से ऊपर है. कई लक्षण हैं, जिनमें शामिल हैं–

- थकान
- चिड़चिड़ापन
- रक्ताल्पता
- उतावलापन
- बिस्तर गीला
- पीलिया
- हाथ और पैरों में सूजन और दर्द
- संक्रमणों
- सीने में दर्द
- पीठ दर्द
- पैर या हाथ दर्द

सिकल सेल एनीमिया कैसे विरासत में मिलता है?

- सिकल सेल एनीमिया या एससीडी एक ऑटोसोमल रिसेसिव बीमारी है और यह माता-पिता दोनों से विरासत में मिल सकती है. दूसरे शब्दों में यदि कोई रोगी अपनी माता या पिता से दोषपूर्ण एचबीबी जीन की केवल एक प्रति प्राप्त करता है, तो उसे सिकल सेल एनीमिया और सिकल सेल विशेषता नहीं होगी. एक बच्चा सिकल एनीमिया से पीड़ित हो सकता है यदि:
- माता-पिता दोनों में सिकल सेल के लक्षण पाए जाते हैं.
- दोनों को सिकल सेल एनीमिया है.
- एक माता-पिता को SCT और दूसरे को सिकल सेल एनीमिया है.

सिकल सेल एनीमिया का निदान

- एक रक्त परीक्षण हीमोग्लोबिन एस-सिकल सेल एनीमिया में असामान्य हीमोग्लोबिन का पता लगा सकता है. आप इसी तरह एक वंशानुगत प्रशिक्षक के लिए संकेत कर सकते हैं. बच्चों में, एक उंगली या एड़ी से रक्त का नमूना लिया जाता है. हीमोग्लोबिन के लिए नमूने की जाँच की जाती है.
- मामले में, स्क्रीनिंग नकारात्मक है, कोई सिकल सेल जीन उपलब्ध नहीं है, हालांकि यदि परीक्षण सकारात्मक है, तो यह तय करने के लिए और परीक्षणों की आवश्यकता है कि क्या सिकल सेल जीन उपलब्ध हैं या नहीं ?
- यदि सिकल सेल जीन का पता लगाया जाता है, तो आपका एनीमिया के लिए परीक्षण किया जा सकता है. रोग की जटिलताओं की जाँच के लिए आगे के परीक्षण किए जा सकते हैं. आपको आनुवंशिकी विशेषज्ञ के पास भी भेजा जा सकता है.
- सिकल सेल जीन के लिए एमनियोटिक द्रव का नमूना लेकर सिकल सेल रोग का भी निदान किया जा सकता है. जब माता-पिता या दोनों में से किसी को भी इस बीमारी का पता चलता है, तो यह जाँच कराने लायक हो सकता है. इसके अलावा, परिदृश्य से निपटने के तरीके को समझने के लिए आनुवंशिक परामर्शदाता के लिए रेफरल आवश्यक है.

CRISPR तकनीक

यह एक जीन एडिटिंग तकनीक है, जो Cas9 नामक एक विशेष प्रोटीन का *उपयोग करके वायरस के हमलों से लड़ने के लिए बैक्टीरिया में प्राकृतिक रक्षा तंत्र की प्रतिकृति का निर्माण करती है. यह आमतौर पर जेनेटिक इंजीनियरिंग के रूप में वर्णित प्रक्रिया के माध्यम से आनुवंशिक सामग्री को जोड़ने, हटाने या बदलने में सहायक होती हैं. CRISPR तकनीक में बाहर से किसी नए जीन को जोड़ना शामिल नहीं है.*

CRISPR-CAS9 तकनीक को अक्सर 'जेनेटिक कैंची' के रूप में वर्णित किया जाता है. इस तकनीक की तुलना अकसर सामान्य कम्प्यूटर प्रोग्रामों के 'कट-कॉपी-पेस्ट' या 'ढूंढें-बदलें' कार्यात्मकताओं से की जाती है. डीएनए अनुक्रम में गड़बड़ी, जो बीमारी या विकार का कारण होती है, को काटकर हटा दिया जाता है और फिर एक 'सही' अनुक्रम से बदल दिया जाता है. इसे प्राप्त करने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण जैव रासायनिक यानी विशिष्ट प्रोटीन और आरएनए अणु हैं. प्रौद्योगिकी कुछ बैक्टीरिया में एक प्राकृतिक रक्षा तंत्र की नकल करती है, जो स्वयं को वायरस के हमलों से बचाने के लिए एकसमान विधि का उपयोग करती है.

●●●

ऐतिहासिक स्थल एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व

ऐतिहासिक स्थल

नवदाटोली

नवदाटोली एक प्रागैतिहासिक स्थान है, जो नर्मदा नदी के दोनों ओर स्थित है. इस स्थान का अनोखापन इस बात से जाहिर होता है कि यहाँ पर पुरा प्रस्तर कालीन से लेकर 18वीं सदी की संस्कृतियाँ रहीं हैं. यहाँ के निवासी गोल, आयताकार या वर्गाकार झोंपड़ियाँ बनाते थे व उनमें निवास करते थे.

प्रमुख तथ्य

- मध्य प्रदेश में नर्मदा की घाटी में नवदाटोली की खुदाई 1957-1958 में की गई थी.
- खुदाई के दौरान विस्मृत काल के रंग-बिरंगे बर्तनों के साथ-साथ कई सूक्ष्म पत्थर भी मिले थे.
- अवशेषों में पाए गए प्राचीनकालीन घर या तो आयताकार थे या फिर 3 मीटर की परिधि वाले वृत्ताकार आकार में थे.
- इन घरों की दीवारें बाँस की और छत मिट्टी की बनी हुई थी.
- ऐसा माना जाता है कि नवदाटोली संस्कृति का तीसरा युग लगभग 1500 ई. पूर्व से लेकर 1200 ई. पूर्व तक था.
- प्राचीन अवशेषों से यह ज्ञात होता है. यहाँ निवास स्थान आकार में निवास छोटे थे. सबसे बड़ा निवास स्थान भी लम्बाई में साढ़े चार मीटर है और चौड़ाई में तीन मीटर से अधिक नहीं है. इनकी दीवारें बाँस की टट्टियों पर मिट्टी 'ल्हेस' कर बनाई जाती थीं.
- झोंपड़ियों में अनाज रखने के लिए बड़े मटके भी मिले हैं. यहाँ से प्राप्त मृद्भाण्डों को मालवा मृद्भाण्ड भी कहते हैं. इनकी विशेषता यह है कि इनमें पीले रंग पर लाल सतह है और उन पर काले रंग की चित्रकारी है.
- कुछ मृद्भाण्ड जोर्वे टाइप के हैं. इनकी विशेषता यह है कि इनकी किनारी बहुत पक्की है और वे लाल रंग के हैं. इन पर भी काले रंग की चित्रकारी है.
- इनका काल 1600 ई.पू निर्धारित किया गया है. यहाँ के निवासी पहले 200 वर्षों में मुख्य रूप से गेहूँ खाते थे. बाद में वे चावल, मसूर, मूँग, मटर, आदि खाने लगे. भारत में सबसे प्राचीन चावल यहीं से मिला है.
- सम्भवतः ये लोग अनाज को पत्थर की हँसियों से काटते थे. अनाज को सम्भवतः गीला करके ओखली में पीसा जाता था. गाय, बैल, सूअर, भेड़, बकरी आदि का मांस खाया जाता था. घोड़े के कोई भी अवशेष इस स्थान से नहीं मिले हैं.
- यहाँ के लोग से अनभिज्ञ थे. ये ताँबे का भी प्रयोग कम करते थे. ताँबे की कुल्हाड़ी मछली मारने के हुक पिन और छल्ले बनाए जाते थे. अधिकतर औजार पत्थर के लघु–अश्म थे, जिनमें लकड़ी या हड्डी के दस्ते लगते थे. ये लोग शवों को मृद्भाण्डों में रखकर दफनाते थे.
- सम्भवतः यह प्रथा दक्षिण भारत की उत्तर प्रस्तर-युग की संस्कृति के लोगों से सीखी थी. कार्बन-14 की वैज्ञानिक विधि के आधार पर इस संस्कृति का काल 1600-1300 ई.पू निर्धारित किया गया है.
- तीन बार आग से नष्ट होने पर भी ये लोग 700 ई.पू तक यहाँ रहते रहे, जबकि लोहे का प्रयोग जानने वाली किसी अन्य जाति ने, जो उज्जैन से यहाँ आई थी, इन्हें नष्ट कर दिया.

ओदन्तपुरी

ओदन्तपुरी प्राचीन काल का प्रमुख ऐतिहासिक स्थान है. इसके पर्याय 'उदंतपुर' अथवा 'उदंडपुर' भी हैं. यह बिहार में नालन्दा से 10 किमी की दूरी पर स्थित है. पाल नरेश धर्मपाल ने यहीं एक अत्यत भव्य विहार का निर्माण कराया था.

प्रमुख तथ्य

- ओदन्तपुरी (जिसे ओदंतपुरा या उदंदपुरा भी कहा जाता है), भारत में बौद्ध **महाविहार** था.
- यह 8वीं शताब्दी में **पाल सम्राट् गोपाल प्रथम द्वारा स्थापित** किया गया था.
- यह नालंदा विश्वविद्यालय के बाद भारत का सबसे बड़ा और प्राचीन विश्वविद्यालय था और यह महाविहार भारत के मगध क्षेत्र के अंतर्गत **हिरण्य प्रभात पर्वत** नामक पहाड़ पर और पंचानन नदी के किनारे स्थित था.
- अरब के लेखकों ने इसकी चर्चा **'अदबंद'** के नाम से की है, वहीं 'लामा तारानाथ' ने इस 'उदंतपुरी महाविहार' को **'ओडयंतपुरी महाविद्यालय'** कहा है.
- ऐसा कहा जाता है कि नालंदा विश्वविद्यालय जब अपने पतन की ओर अग्रसर हो रहा था, उसी समय इस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी.
- तिब्बती रिकॉर्ड के मुताबिक ओदन्तपुरी में लगभग 12,000 छात्र थे और आधुनिक युग में, यह नालंदा जिले के मुख्यालय बिहार शरीफ में स्थित है.
- विक्रमशिला के आचार्य **श्री गंगा** इस महाविहार में छात्र थे. यहाँ के मुख्य विद्यार्थी **दीपंकर** थे जो कालान्तर में **विक्रमशिला विद्यालय** के प्रधान आचार्य बन गए.
- तिब्बती इतिहासकार **तारानाथ** के अनुसार, राजा महापाल ने इस मठ के साथ एक समझौते के रूप में, उरुवास नामक एक मठ बनाया, ओदन्तपुरी में 500 बौद्ध भिक्षुक के रहने और खाने का इंतजाम कराया था.
- राजा रामपाल के शासनकाल के दौरान, हिनयान और महायान दोनों के हजारों भिक्षु ओदन्तपुरी में रहते थे और कभी-कभी बारह हजार भिक्षु वहाँ एकत्र होते थे.
- प्राचीन बंगाल और मगध में पाल काल के दौरान कई मठ बड़े हुए. तिब्बती सूत्रों के मुताबिक, पाँच महान् महाविहार खड़े हुएः **विक्रम शिला, नालंदा, सोमापुरा, ओदन्तपुरी** और **जगद्दाला**. पाँच मठों ने एक नेटवर्क बनाया; 'वे सभी राज्य पर्यवेक्षण के अधीन थे' और वहाँ 'समन्वय की एक प्रणाली' मौजूद थी. यह सबूतों से लगता है कि पाल के तहत् पूर्वी भारत में कार्यरत बौद्ध शिक्षा की विभिन्न सीटों को एक नेटवर्क बनाने के रूप में माना जाता था.
- 1193 के आसपास **मुहम्मद बिन बख्तियार खिलजी** के हाथों नालंदा के साथ यह विश्वविद्यालय भी नष्ट हो गया.

पत्तदकल

कर्नाटक में पत्तदकल उद्धारक कला का उत्कृष्ट नमूना है. इनका निर्माण चालुक्य वंश के दौरान 7वीं और 8वीं शताब्दी में कराया गया था. इसमें उत्तर एवं दक्षिण भारत की वास्तुकला का सामंजस्य देखने को मिलता है. पत्तदकल कर्नाटक में मालप्रभा नदी के किनारे स्थित एक विश्व धरोहर स्थल है. यह स्थान ऐतिहासिक स्मारक समूहों के लिए प्रसिद्ध है. पत्तदकल

naukaritak.com for Dec 2022

बेंगलुरू चालुक्य वंश की राजधानी रहे बदामी नगर से 22 किलोमीटर दूर है. यहाँ चालुक्य वंश के राजाओं ने सातवीं और आठवीं शताब्दी में कई मंदिर बनवाए थे. वहीं, कई मंदिर 2000 वर्ष पुराने हैं.

प्रमुख तथ्य

- राज्य के बागलकोट जिले में मालयप्रभा नदी के उत्तर की ओर स्थित पत्तदकल के 65 हेक्टेयर क्षेत्रफल में छोटे-बड़े करीब 150 मंदिर देखने को मिलते हैं, जिन्हें घेरे हुए ढेरों चौत्य, पूजा स्थल एवं अपूर्ण शिलाएं दिखाई देती हैं. जिनमें से शिल्प और वास्तुकला में अद्‌भुत 10 मंदिरों की निर्माण शैली की श्रेष्ठता की वजह से इन्हें 1987 ई. में यूनेस्को की विश्व विरासत में शामिल कर इनके महत्व को दुनिया के सामने प्रकाशमान किया.
- इनकी प्रमुख विशेषता थी स्थापत्य के क्षेत्र में बेसर शैली का उदय. इस शैली का उदय उत्तर भारत की नागर शैली और दक्षिण भारत की द्रविड़ शैली के मिश्रित निर्माण से हुआ. यह मंदिरों के वास्तुकला के विकास का अनूठा प्रयोग था.
- भारत में यह वास्तु शैली केवल पत्तदकल के मंदिरों में ही देखी जा सकती हैं.
- विशेषता यह भी है कि सभी मंदिर अलग-अलग देवताओं के न होकर केवल भगवान शिव को ही समर्पित हैं.
- चालुक्य वंश के राजा विक्रमादित्य प्रथम ने 659 ई. में शैव मत अपना लिया तब से इस वंश के आगे के शासक भी शैव धर्म के पाशुपत मत के अनुयायी बन गए जो शारीरिक रूप से शक्तिशाली बने रहने की कामना के लिए आलोकिक क्रियाकलापों को महत्व प्रदान कर आलौकिक शक्ति की उपासना करते थे.
- इससे पूर्व 650 ई. तक के चालुक्य राजा वैष्णव मत को मान कर विष्णु को आराध्य मानते थे.
- बताया जाता है यहाँ एक शिला पर **पट्टाडाकिसोबुलाल** नामक राजा का राज्याभिषेक किया गया था और तब से ही इस स्थान का नाम पत्तदकल पड़ गया.
- मध्यकाल में **चालुक्यों की राजधनी** यहाँ से 22 किलोमीटर दूर **वादामी में** थी और पत्तदकल सांस्कृतिक राजधानी थी. यहाँ राज्याभिषेक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जाते थे.
- मालप्रभा नदी यहाँ से उत्तर की और मुड़ती है. इसे शुभ मानकर यहाँ मंदिरों का निर्माण कराया गया. मंदिरों के उत्तर में ही छोटी सी जगह पत्तदकल मध्य काल में एक समृद्ध नगर था. इस का प्राचीन नाम किसुअडल बताया जाता है. इसका अर्थ था लाल शहर. चूँकि यहाँ आस-पास लाल-पीले पत्थरों के बड़े-बड़े पहाड़ हैं, शायद इसी लिए इस का नाम **लाल शहर** अर्थात **किसुअडल** था.
- 18वीं शताब्दी के ग्रन्थों में इसका नाम पत्तदकल मिलता है.
- बादामी को मंदिरों की वजह से वास्तुकला का महाविद्यालय एवं पत्तदकल को विश्वविद्यालय की उपाधि प्रदान की गई है.
- **पत्तदकल मंदिर समूह** के प्रमुख 10 मंदिरों में मल्लिकार्जुन एवं विरुपाक्ष मंदिरों को विक्रमादित्य द्वितीय की दो रानियों ने पल्लवों पर चालुक्यों की विजय के फलस्वरूप बनवाया था.
- **विरुपाक्ष मंदिर** इस समूह में वास्तुकला की दृष्टि से श्रेष्ठ और आदर्श प्रतीक है. रानी लोक महादेवी द्वारा बनवाए गए इस मंदिर का विशाल प्रवेश द्वार और वृहद क्षेत्र है. अनेक शिलालेखों युक्त मंदिर का निर्माण एलोरा के कैलाश मंदिर के समान कलात्मक रूप से करवाया गया है.
- **विरुपाक्ष मंदिर** पत्तदकल मंदिर समूह में बृहद क्षेत्र में विशाल मंदिर है. यह मंदिर विरुपक्ष एवं उनकी पत्नी **देवी पम्पा को समर्पित** है.
- विरुपक्ष भगवान शिव का ही एक स्वरूप है. यहाँ आज भी शिव की पूजा की जाती है.
- इस मंदिर को विरुपक्ष विक्रमादित्य द्वितीय की रानी लोकमहादेवी ने 745 ई. में कांचीपुरम पल्लवों के राज्य की विजय के उपलक्ष्य में बनवाया था.
- मंदिर नौ स्तरों में बना है एवं जिसका गोपुरम आधार से 50 मीटर ऊँचा है. **द्रविड़ शैली में निर्मित** मंदिर अत्यंत कारीगरी पूर्ण है. मंदिर का वास्तुशिल्प कांची एवं राष्ट्रकूट के एलोरा के कैलाशनाथ मंदिरों से काफी समानता रखता है.
- मंदिर की शिल्पकृतियों में लिंगोद्‌भव, नटराज, रावनानुग्रह एवं उग्रनृसिंह प्रमुख हैं. त्रिपुरारी, वराह, त्रिविक्रम, छत पर की गई शिल्पकारी, रामायण, महाभारत, भगवत गीता एवं पंच तंत्र के कुछ कथानकों का शिल्पांकन भी देखते ही बनता है.
- **मल्लिकार्जुन मंदिर** की बनावट भी विरुपाक्ष मंदिर से मिलती-जुलती है.
- यहाँ मंदिर समूह में चार द्रविड़ शैली, चार नागर शैली और एक मिश्रित शैली के मंदिर हैं.
- विरुपाक्ष, मल्लिकार्जुन, संगमेश्वर एवं गलगनाथ श्रेष्ठ चालुक्य वास्तु कला के प्रमुख मंदिर हैं.
- **विजयादित्य** द्वारा 697 से 733 ई. के मध्य बनवाया गया **संगमेश्वर** यहाँ बने मंदिरों में सब से प्राचीन मंदिर है.
- **गलगनाथ** पिरामिड आकार में बनाया इस काल का आखिरी मंदिर माना जाता है. इसमें शिव को अन्धकासुर का मर्दन करते हुए दिखाया गया है और मंदिर के हाल में विशाल शिवलिंग बनाया गया है.
- **कदासिधेश्वर मंदिर** चौकोर आकर के गर्भगृह के आसपास बना है. इसकी बाहरी दीवारों पर अर्धनारीश्वर की प्रतिमाएं बनाई गई हैं तथा शिव, नन्दी एवं पार्वती का अंकन भी किया गया है.
- **जम्बू लिंगेश्वर मंदिर** वर्गाकार गर्भगृह में पीठ पर शिवलिंग स्थित है. गर्भगृह के सामने अंतराल और मंडप बनाए गए हैं. इस मंदिर को भी दर्शक रुचिपूर्वक देखते हैं और काफी पसंद करते हैं.
- **चंद्रशेखर मंदिर** के गर्भगृह में शिवलिंग एवं एक बंद हाल है. इसकी छत का समतल होना इसका आकर्षण है. मंदिर की दीवारें और स्तम्भों पर की गई शिल्पकारी लुभावनी है.
- विरुपाक्ष मंदिर के दक्षिण में स्थित **पापनाथ मंदिर** की विशेषता उसकी छत के मध्य वाले भाग में शिव नटराज की सज्जा और **बेसर शैली में** बना होना है.
- पहले यह नागर शैली में बनाना शुरू हुआ और बाद में द्रविड़ शैली में बदल गया. मिश्रित शैली को ही वेसर शैली कहा गया.
- मंदिर में रामायण और महाभारत के कथानकों का अंकन किया गया है.

खानदेश

खानदेश महाराष्ट्र के दक्षिणी पठार के उत्तरी-पश्चिमी कोने पर स्थित प्रसिद्ध ऐतिहासिक क्षेत्र है, जो मुम्बई से लगभग 300 किमी उत्तर-पश्चिम है.

प्रमुख तथ्य

- खानदेश **ताप्ती नदी** घाटी क्षेत्र में स्थित खानदेश के स्वतंत्र मुस्लिम राज्य की स्थापना मलिक राजा फारुकी ने 1399 ई. में की.
- मलिक राजा फारुकी वंश के नाम पर इस वंश का नाम फारुकी वंश पड़ा.
- खानदेश की राजधानी बुरहानपुर थी तथा असीरगढ का किला एक शक्तिशाली सैनिक स्कन्धवार (सैनिक अड्डा) था.
- इस वंश का प्रसिद्ध शासक आदिल खान द्वितीय था. उसने गोंडवाना और

गढमण्डेला के हिन्दू शासकों पर अपनी प्रभुसत्ता स्थापित की थी.

- इस वंश के सभी सुल्तानों ने खान की उपाधि धारण की. इसलिए फारुकी साम्राज्य को खानदेश (खानों का देश) कहा जाने लगा.
- 1601ई. में मुगल सम्राट **अकबर** ने खानदेश को मुगल साम्राज्य में शामिल कर लिया.

ऐतिहासिक व्यक्तित्व

अवाबाई वाडिया

दुनियाभर में काफी लम्बे समय से एक बड़ी चिंता और चर्चा का विषय रही है, 'आबादी'. भारत और दुनिया के अन्य देशों में बढ़ती आबादी को रोकने के लिए कई बार ठोस कदम उठाने की कोशिश की गई. साथ ही भारत के इतिहास में भी कई ऐसे लोग हुए, जिन्होंने इस क्षेत्र में काम किया. उन्हीं नामों में एक नाम शामिल है, 'पद्म श्री अवाबाई वाडिया' का.

प्रमुख तथ्य

- 18 सितम्बर, 1913 को कोलम्बो के एक प्रगतिशील पारसी परिवार में जन्मीं अवाबाई वाडिया के पिता दोशबजी मुंचेरजी एक शिपिंग अधिकारी थे और उनकी माँ पिरोजबाई अर्सेवाला मेहता गृहिणी थीं. 19 वर्ष की उम्र में अवाबाई वाडिया यूनाइटेड किंगडम में 'बार परीक्षा' पास करने वाली सीलोन (अब श्रीलंका) की पहली महिला बनीं. उनकी सफलता ने सीलोन सरकार को महिलाओं को देश में कानून की पढ़ाई करने की अनुमति देने के लिए मजबूर कर दिया. वकालत की डिग्री हासिल करने के बाद, उन्होंने लैंगिक भेदभाव के बावजूद लंदन और कोलम्बो दोनों जगहों पर काम किया.
- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वह बॉम्बे (अब मुम्बई) आ गईं और खुद को सामाजिक कार्यों में लगा दिया, लेकिन उनके काम को असली पहचान तब मिली, जब उन्होंने परिवार नियोजन पर काम करना शुरू किया.
- अवाबाई ने अपनी आत्मकथा 'द लाइट इज आवर' में लिखा, मैं बॉम्बे में एक महिला डॉक्टर से बहुत प्रभावित हुई, जिन्होंने कहा कि मौजूदा समय में महिलाएं गर्भावस्था और स्तनपान के बीच तब तक झूलती रहती हैं, जब तक उनकी मृत्यु नहीं हो जाती. 'बस यही वह समय था, जब सामाजिक बहिष्कार के खतरे के बावजूद, वाडिया इस मुद्दे में खो सी गईं और परिवार नियोजन की दिशा में काम करने का फैसला लिया.
- अवाबाई ने 26 अप्रैल, 1946 को बोमनजी खुरशेदजी वाडिया से शादी की. 1949 में, उन्होंने फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (FPAI) की स्थापना में मदद की और 34 वर्षों तक इसका नेतृत्व किया. एफपीएआई का काम गर्भनिरोधक विधियों को बढ़ावा देने से लेकर प्रजनन सेवाएं प्रदान करने तक था.
- यह वाडिया के प्रयासों का ही नतीजा था कि भारत सरकार, 1951-52 में परिवार नियोजन नीतियों को आधिकारिक रूप से बढ़ावा देने वाली दुनिया की पहली सरकार बन गई.
- वाडिया के नेतृत्व में, एफपीएआई (FPAI) ने भारत के कुछ सबसे गरीब क्षेत्रों के लोगों के साथ काम करते हुए एक समुदाय-आधारित दृष्टिकोण अपनाया. उनका मानना था कि कुछ भी करो, लेकिन परिवार नियोजन तो होना ही चाहिए. FPAI ने लोगों तक अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए, काफी बड़ी संख्या में पेड़ लगाकर जंगल तैयार करने से लेकर सड़क निर्माण तक की परियोजनाएं शुरू कीं.
- एफपीएआई की नई कार्यशैली ने जनता के विश्वास को बढ़ावा दिया और इसका परिणाम यह रहा कि कर्नाटक के मलूर में 1970 के दशक में शुरू हुई एक परियोजना के परिणामस्वरूप शिशु मृत्यु दर में कमी आई. विवाह की औसत आयु को बढ़ाया गया और साक्षरता दर दोगुनी हो गई. परियोजना को इतना लोकप्रिय समर्थन मिला कि एफपीएआई एक बार जहाँ से काम करके हटती थीं, वहाँ ग्रामीण इसके आगे का काम अपने हाथों में ले लिया करते थे, लेकिन 1975–77 के दौरान इसे लोगों पर जबर्दस्ती थोपे जाने के कारण यह पूरा कार्यक्रम बदनाम हो गया.
- 1980 के दशक की शुरूआत में, वाडिया को आईपीपीएफ के अध्यक्ष के रूप में एक और विकट चुनौती का सामना करना पड़ा. तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने ऐसे किसी भी संगठन की फंडिंग में कटौती की, जो गर्भपात सेवाएं प्रदान करता है या उसका समर्थन करता है.
- हालाँकि, आईपीपीएफ ने आधिकारिक तौर पर गर्भपात को कभी बढ़ावा नहीं दिया, लेकिन इसके कुछ सहयोगियों ने उन देशों में गर्भपात सेवाएं प्रदान कीं, जहाँ यह कानूनी था. IPPF ने इस व्यवस्था को बदलने के लिए अमरीकी दबाव में आने से इनकार कर दिया और इसका नतीजा यह हुआ कि उनके कार्यक्रमों को नुकसान हुआ.
- अवाबाई भारत में परिवार नियोजन आंदोलन के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थीं. अवाबाई का मानना था कि परिवार नियोजन को समग्र सामाजिक आर्थिक विकास से अलग नहीं किया जा सकता है.
- अवाबाई वाडिया को उनके कार्यों के लिए वर्ष 1971 में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया. वर्ष 2005 में जब उनकी मृत्यु हुई, तब तक वह परिवार नियोजन आंदोलन के कारण विश्व स्तर पर सम्मानित महिला बन चुकी थीं.

मुगल बादशाह बहादुर शाह प्रथम

बहादुर शाह प्रथम का जन्म 14 अक्टूबर, 1643 को बुरहानपुर में हुआ था. बहादुर शाह प्रथम मुगल सम्राट औरंगजेब और नवाब बाई का सबसे बड़ा पुत्र था, जिसका वास्तविक नाम कुतुब उद-दीन मुहम्मद मुअज्जम था और औरंगजेब उसे शाह आलम भी कहकर बुलाता था. उसे 'शाहे बेखबर' के नाम से भी जाना जाता है.

प्रमुख तथ्य

- बहादुर शाह प्रथम को सन् 1663 ई. में दक्षिण के दक्कन पठार क्षेत्र और मध्य भारत में पिता का प्रतिनिधि बनाकर भेजा गया. सन् 1683-1684 ई. में उसने दक्षिण बम्बई (वर्तमान मुंबई) गोवा के पुर्तगाली इलाकों में मराठों के खिलाफ सेना का नेतृत्व किया था.
- औरंगजेब की 1707 में मृत्यु के बाद बहादुर शाह और उसके तीन भाइयों में मुगल बादशाह बनने के लिए उत्तराधिकार का युद्ध हुआ था. जिसमे बहादुर शाह प्रथम विजयी हुआ.
- उसने मई 1707 में लाहौर के उत्तर में स्थित शाहदौला नामक पुल पर अपने को बहादुर शाह के नाम से भारत का सम्राट घोषित कर दिया था.
- बहादुर शाह ने गद्दी पर बैठते ही मुनीम खाँ को अपना वजीर नियुक्त किया औरंगजेब के समय के वजीर, असद खाँ को 'वकील-ए-मुतलक' का पद दिया और साथ ही उसके बेटे जुल्फिकार खाँ को उसने मीर बख्शी बनाया.
- बहादुर शाह प्रथम ने जिस तरह से अपने दरबार में पदों और ओहदों का वितरण

किया उससे उसके दरबार में षड्यंत्र का सिलसिला शुरू हो गया था. दरबार में दो दल बन गए थे ईरानी दल और तूरानी दल, ईरानी दल 'शिया मत' को मानने वाले थे, जिसमें असद खाँ तथा उसके बेटे जुल्फिकार खाँ जैसे सरदार थे, जबकि तुरानी दल 'सुन्नी मत' के समर्थक थे, जिसमें 'चिनकिलिच खाँ तथा फिरोज गाजीउद्दीन जंग जैसे लोग थे.

- बहादुर शाह प्रथम ने जजिया कर को समाप्त नहीं किया था पर इसे उदार जरूर बना दिया था. अपने छोटे से शासनावधि के दौरान बहादुर शाह ने संगीत को नए सिरे से समर्थन भी दिया. ऐसा कहा जाता है कि बहादुर शाह प्रथम के शासन-काल के दौरान मंदिरों को नहीं तोड़ा गया था.
- बहादुर शाह प्रथम के विषय में प्रसिद्ध लेखक 'असर सिडनी ओवन' ने लिखा है कि, "यह अन्तिम मुगल सम्राट था, जिसके विषय में कुछ अच्छे शब्द कहे जा सकते हैं. इसके पश्चात् मुगल साम्राज्य का तीव्रगामी और पूर्ण पतन मुगल सम्राटों की राजनीतिक तुच्छता और शक्तिहीनता का द्योतक था."
- 27 फरवरी, 1712 को लाहौर में शालीमार बाग का पुनर्निर्माण करते समय बहादुर शाह की मौत हो गई थी. उसकी कब्र मेहरौली में 13 वीं शताब्दी की, सूफी संत, कुतबुद्दीन बख्तियार काकी की दरगाह के निकट शाह आलम द्वितीय और अकबर द्वितीय के साथ मोती मस्जिद में है.

महादेव गोविंद रानाडे

महादेव गोविन्द रानाडे एक प्रसिद्ध भारतीय राष्ट्रवादी, विद्वान, समाज सुधारक और न्यायविद थे. रानाडे ने सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वासों का कड़ा विरोध किया और समाज सुधार के कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया. समाज सुधारक संगठनों जैसे प्रार्थना समाज, आर्य समाज और ब्रह्म समाज ने रानाडे को बहुत प्रभावित किया था.

प्रमुख तथ्य

- महादेव गोविंद रानाडे का जन्म 18 जनवरी, 1842 में महाराष्ट्र के नासिक के एक छोटे से कस्बे निफाड़ में हुआ था.
- ब्रिटिश शासन में सरकारी नौकरी में काम करते हुए गोविन्द रानाडे ने आम जनता से लगातार संपर्क बनाए रखते थे और उन्हें देशहित के कार्यों के लिए प्रेरित करते रहते थे.
- वे मानते थे कि मनुष्य की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और धार्मिक प्रगति एक दूसरे पर आश्रित है.
- रानाडे को 'महाराष्ट्र का सुकरात' कहा जाता है.
- रानाडे ने स्त्रियों की परतंत्रता, बाल विवाह, विधवा विवाह का निषेध, जातिगत संकीर्णता के आधार पर सजातीय विवाह, स्त्रियों में अशिक्षा और उपेक्षा, विदेश यात्रा निषेध आदि का विरोध किया.
- उन्होंने स्त्री शिक्षा का प्रचार किया और वे बाल विवाह के कट्टर विरोधी और विधवा विवाह के समर्थक थे.
- रानाडे ने शुद्धि आंदोलन को प्रारम्भ किया, जिसे अखिल भारतीय स्वरूप प्राप्त हुआ.
- रानाडे ने 'एक आस्तिक की धर्म में आस्था' नाम 39 अनुच्छेदों वाली पुस्तक लिखी.
- कर्वे के सहयोग से इन्होंने 1867 में विधवा आश्रम संघ की स्थापना की.
- महागोविन्द रानाडे ने पूना में 1871 ई. में पूना सार्वजनिक सभा की स्थापना की जिसका मुख्य उद्देश्य जनता में राजनीतिक चेतना जागृत करना तथा महाराष्ट्र में समाज सुधार करना था.
- भारतीयों में शिक्षा के प्रसार व अज्ञानता के विनाश के उद्देश्य से 1884 में दक्कन एजुकेशन सोसायटी की स्थापना की. डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी को ही कालांत्कार में पूना फर्ग्यूसन कॉलेज का नाम दिया गया.
- महादेव गोविंद रानाडे ने 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' की स्थापना का समर्थन किया था और 1885 ई. के उसके प्रथम मुंबई अधिवेशन में भाग भी लिया.
- वे स्वदेशी के समर्थक थे और देश में निर्मित वस्तुओं के उपयोग पर बल देते थे.
- रानाडे ने विधवा पुनर्विवाह, मालगुजारी कानून, राजा राममोहन राय की जीवनी, मराठों का उत्कर्ष, धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आदि रचनाएं लिखी.
- उन्होंने एक एंग्लो–मराठी पत्र 'इन्दुप्रकाश' का सम्पादन भी किया.
- देश सेवा में पूरा जीवन देने वाले रानाडे का निधन 16 जनवरी, 1901 को हो गया.

सरला देवी चौधरानी

19वीं सदी के बंगाल में समाज-सुधार से जुड़े उस टैगोर परिवार में 9 सितम्बर, 1872 को सरला देवी का जन्म हुआ, जो बंगाल का निर्विवाद सबसे अधिक गरिमाशाली परिवार था. सरला देवी की माँ स्वर्ण कुमारी स्वयं एक प्रतिष्ठित लेखिका थीं, जो महर्षि देवेन्द्रनाथ ठाकुर (टैगोर) की बेटी तथा रविन्द्रनाथ ठाकुर की बड़ी बहन थीं. सरला के पिता जानकीनाथ घोषाल भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस के प्रारम्भिक काल के समर्थक एक स्थानीय जमींदार के पुत्र थे.

प्रमुख तथ्य

- विपुल और समृद्ध परिवार में पली-बढ़ी सरला देवी में बचपन से ही बंगाली होने की गजब स्वाभीमानी चेतना थी, जो बाद में राष्ट्र चेतना में तब्दील हुई जब उन्होंने स्वयं को स्वदेशी आंदोलन से जोड़ा.
- सरला देवी ने तब शादी की जब वह 33 वर्षीय रामभुज दत्त चौधरी की वकील-सह-पत्रकार थीं. शादी के बाद, वह उसके साथ पंजाब चली गईं और वहाँ राजनीतिक गतिविधियों को अंजाम दिया.
- उन्होंने संगीत के माध्यम से राजनीति में अपना सक्रिय प्रवेश किया. उनका मिशन केवल गाने के लिए नहीं था, बल्कि विदेशी आकाओं से गुलामी की गहरी नींद से एक राष्ट्र को जगाने के लिए भी था.
- यद्यपि रवींद्रनाथ टैगोर ने बंदे मातरम् 'की पहली दो पंक्तियों के लिए धुन तैयार की, लेकिन यह सरला देवी थीं, जिन्होंने बाकी संगीत प्रस्तुत किया.
- उन्होंने इस आत्मा प्रेरक गीत को कांग्रेस के बनारस सत्र में गाया और इस गीत की देशव्यापी लोकप्रियता में व्यापक योगदान दिया, जो बाद में राष्ट्रीय गीत बन गया.
- उन्होंने अच्छी संख्या में राष्ट्रीय गीतों की रचना की. सरला देवी हिंदू-ब्रह्म समुदाय से ताल्लुक रखती थीं, जिन्होंने बंगाल में 19वीं सदी के सुधार आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई थी.
- जलियाँवाला बाग नरसंहार के दौरान जब गांधी लाहौर आए, तब सरला देवी के अतिथि बने. यहीं पर वह गांधी के निकट आई और उनकी अनुयाई बन गईं.
- पंजाब में रहकर सरला देवी ने महिलाओं की शिक्षा के प्रसार के लिए कई छोटे-छोटे केन्द्र खोले. इन्हीं केन्द्रों को चलाते हुए उनके मन में महिला संगठन की कल्पना उभरी. 'वीमेंस इंडिया एसोसिएशन', 'ऑल इंडिया वीमेंस कॉन्फ्रेंस' की स्थापना से पहले उन्होंने 1910 में एक अखिल भारतीय संगठन के रूप में 'भारतीय स्त्री महामंडल' की स्थापना इलाहाबाद में की.
- सरला देवी ने बंगाली साहित्य को भी मूल्यवान सेवा प्रदान की.
- सरला देवी ने दुर्गा पूजा के दूसरे दिन बीरश–तमी उत्सव (नायकों का त्यौहार) की शुरूआत की, जिसमें बंगाल के युवाओं को वीरता के आदर्शों के साथ प्रेरित करने की दृष्टि से देखा गया.

शेष पृष्ठ 84 पर

pdfkamlak.com for Dec 2022

राष्ट्रीय लॉजिस्टिक (रसद) नीति 2022 : आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सार्थक पहल

✍ डॉ. श्याम सुन्दर सिंह चौहान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अनावरण की गई राष्ट्रीय लॉजिस्टिक (रसद) नीति (एनएलपी) एक प्रमुख संरचनात्मक रूप से परिवर्तनकारी पहल है, जो पूरी आपूर्ति शृंखला में लेनदेन की लागत को काफी हद तक कम कर देगी. यह भारत को वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में शामिल होने में सुविधा प्रदान करेगा, क्योंकि अब भारत @ 100 (अमृत काल) की दिशा में आगे बढ़ रहा है. विभिन्न तकनीकों द्वारा सक्षम, राष्ट्रीय लॉजिस्टिक (रसद) नीति सड़कों, रेल, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और वेयरहाउसिंग सहित विभिन्न लॉजिस्टिक्स मोड में एकीकृत उपायों पर ध्यान केन्द्रित करती है, जो भारत में कारोबारी सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस–ईओडीबी) को एक निर्णायक बढ़त प्रदान करेगा.

अर्थव्यवस्था की रीढ़

लॉजिस्टिक्स को अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 14·4 प्रतिशत का योगदान देता है और सभी उद्योगों, विशेष रूप से कृषि, विनिर्माण और सेवाओं को प्रभावित करती है. यह 22 मिलियन से अधिक लोगों को रोजगार भी प्रदान करती है. देश और दुनिया भर में सभी ने महामारी के दौरान इस क्षेत्र के प्रभाव के परिमाण को महसूस किया है.

विडंबना यह है कि यह एक अत्यधिक असंगठित क्षेत्र भी है, जिसके 80 प्रतिशत उद्यम छोटे या मध्यम आकार की कम्पनियों के रूप में पाए जाते हैं, जिस पर सरकार लगाम लगाने की कोशिश कर रही है और सुधार और उनको विनियमित करने के लिए कई उपाय कर रही है. पिछले वर्ष, भारत सरकार ने निर्बाध मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के माध्यम से आर्थिक परिवर्तन और लॉजिस्टिक्स दक्षता हासिल करने के लिए पीएम गति शक्ति-राष्ट्रीय मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) की शुरुआत की, जिसमें सड़क, रेल, समुद्र और हवाई परिवहन शामिल हैं. यह डिजिटलीकरण को तेजी से अपनाने और कार्यान्वयन की सुविधा भी देता है. राष्ट्रीय लॉजिस्टिक (रसद) नीति इस क्षेत्र को सुव्यवस्थित करने और दक्षता बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री गतिशक्ति-राष्ट्रीय मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) के तहत् किए जा रहे इस कार्य का लाभ उठाएगी.

वर्तमान में, भारत की लॉजिस्टिक्स लागत अमरीका, जर्मनी और जापान जैसी परिपक्व अर्थव्यवस्थाओं की 8-11 प्रतिशत की तुलना में सकल घरेलू उत्पाद का 14 प्रतिशत है. लॉजिस्टिक्स लागत में कटौती से न केवल देश के निर्यात में वृद्धि होगी, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के मुद्दे को भी हल किया जाएगा.

वैश्विक मूल्य शृंखलाओं के साथ स्थानीय आपूर्ति शृंखलाओं को एकीकृत करने से भारत को एक प्रमुख सोर्सिंग बाजार के रूप में चुनने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय निवेशकों और उद्यमियों से और अधिक रुचि और निजी निवेश प्राप्त होगी. विदेशी व्यापार, विशेष रूप से देश के निर्यात को बढ़ावा देने से निजी निवेश पर असर पड़ेगा.

राष्ट्रीय लॉजिस्टिक (रसद) नीति घरेलू कम्पनियों को परिवहन के माध्यम से न केवल सुदृढ़ सम्पत्तियों को भुनाने में मदद करती हैं, बल्कि डिजिटलीकरण और दस्तावेजीकरण के लिए सॉफ्ट सम्पत्ति भी हैं, जो कम्पनियाँ पहले ही मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को अपना चुकी है, उन्हें इसका फायदा मिल रहा है. अन्य आकर्षण यूलिप (यूनाइटेड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म) के माध्यम से डिजिटलीकरण है, जो ग्राहकों के लिए दृश्यता के मामले में परिवहन के सभी साधनों को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाता है.

नए प्रवेश द्वार के लिए गुंजाइश

नीति का सिंगल-विंडो लॉजिस्टिक्स ई-मार्केट न केवल इस क्षेत्र को डिजिटल रूप से एकजुट करता है, बल्कि चोक पॉइंट को खत्म करने और पूरे देश में विशेष रूप से उत्तर-पूर्व में कनेक्टिविटी बढ़ाने में मदद करेगा. ऐसा माल और सेवाओं को वितरित करने के लिए परिवहन के सभी चार साधनों को आपस में जोड़ने के साथ सम्भव हो सकेगा. यह बंदरगाहों के साथ नए गेटवे की पहचान करने और विकसित करने में भी मदद करेगा, जिनमें से कुछ का पिछले 5 वर्षों में उपयोग नहीं किया गया है. बाधाओं को दूर करने, इन्वेंट्री लागत को कम करने और त्वरित सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए इन गेटवे को खोलना आवश्यक है.

राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति 2022

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितम्बर, 2022 को राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति का शुभारम्भ किया. राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं–

- लॉजिस्टिक्स दक्षता बुनियादी ढाँचे, सेवाओं (डिजिटल सिस्टम/प्रक्रियाओं/नियामक ढाँचे) और मानव संसाधन का एक फलन है.
- लॉजिस्टिक्स लागत, जिसमें परिवहन, भंडारण, सूची और आदेश प्रसंस्करण लागत शामिल है, तीव्र और त्वरित आर्थिक विकास की एक प्रमुख कमजोरी बनी हुई है.
- विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों हेतु मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी अधोरचना के लिए पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) 2021 में शुरू किया जा चुका है. राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति 2022 इस महत्वकांक्षी पहल की दूसरी कड़ी है.
- यह लोगों और सामानों की निर्बाध आवाजाही के लिए, पहले और अन्तिम मील कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए, विभिन्न एजेंसियों की मौजूदा और प्रस्तावित बुनियादी ढाँचा विकास पहल को एकीकृत करने पर ध्यान देने के साथ, लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है.
- जबकि सेवाओं (प्रक्रियाओं, डिजिटल सिस्टम, नियामक ढाँचे) और मानव संसाधन में दक्षता के लिए, एकीकृत बुनियादी ढाँचे और नेटवर्क योजना के विकास को पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के माध्यम से सम्बोधित करने की परिकल्पना की गई है, राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति तार्किक रूप से अगला कदम है.
- यह नीति सम्पूर्ण लॉजिस्टिक्स पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए एक व्यापक एजेंडा प्रदान करेगी.
- नीति का दृष्टिकोण त्वरित और समावेशी विकास के लिए देश में तकनीकी रूप से सक्षम, एकीकृत, लागत-कुशल, लचीला, टिकाऊ और विश्वसनीय रसद पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है.

- नीति भारत में लॉजिस्टिक्स की लागत को 2030 तक वैश्विक बेंचमार्क के बराबर लाने पर लक्षित है. यह नीति भारत को लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स रैंकिंग में 2030 तक शीर्ष 25 देशों में शामिल करने के प्रयासों पर केन्द्रित है और एक कुशल लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम के लिए डेटा संचालित निर्णय समर्थन तंत्र का निर्माण करती है.
- इस नीति के माध्यम से, सात मंत्रालयों और विभागों में 30 मौजूदा लॉजिस्टिक्स डिजिटल सिस्टम, जैसे फास्टैग, पोर्ट, कम्युनिटी सिस्टम, डिजिलॉकर को अब यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूलिप) नामक एक सिस्टम के साथ एकीकृत किया गया है और लॉजिस्टक्स कम्पनियाँ अब आसानी से अलग-अलग पोर्टलों में लॉग इन किए बिना भी डेटा प्राप्त करने में सक्षम होंगी.
- नीति एक व्यापक लॉजिस्टिक्स कार्य योजना (CLAP) के माध्यम से लागू की जाएगी.
- CLAP के तहत् प्रस्तावित हस्तक्षेपों को आठ प्रमुख कार्य क्षेत्रों में विभाजित किया गया है–
  1. एकीकृत डिजिटल लॉजिस्टिक्स प्रणाली.
  2. भौतिक सम्पत्तियाँ और बेंचमार्किंग सेवा गुणवत्ता जैसे मानकों का मानकीकरण
  3. लॉजिस्टिक्स मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण
  4. राज्यों को शामिल करना
  5. एक्जिम (निर्यात-आयात) लॉजिस्टिक्स
  6. सेवा सुधार ढाँचा
  7. कुशल लॉजिस्टिक्स के लिए क्षेत्रीय योजना
  8. लॉजिस्टिक्स पार्कों के विकास की सुविधा.

चूँकि लॉजिस्टिक्स उपाय और नीतियाँ काफी हद तक बहु-मॉडल कनेक्टिविटी पर केन्द्रित हैं, इसलिए नीति से परिवहन साधन–मिश्रण को ठीक करने की भी उम्मीद है, जिसमें सड़कों का कुल परिवहन में 60 प्रतिशत हिस्सा है, इसके बाद रेलवे का 30 प्रतिशत और जलमार्ग लगभग 5 प्रतिशत है. परिवहन साधन–मिश्रण को संतुलित करने और उसे सही करने की आवश्यकता है. परिवहन संकेन्द्रण को सड़कों से रेलवे और जलमार्गों में स्थानांतरित करने से लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में लागत कम होगी, देश के आर्थिक विकास को बल मिलेगा और इसके पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन (ईएसजी) लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी.

एनएलपी के लिए इतना कुछ करने के साथ, देश इस नीति से लेस सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और अपने कई लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए तैयार है–चाहे वह $ 5-ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के आकार को प्राप्त करना हो या इसकी शुद्ध-शून्य उत्सर्जन स्तर को प्राप्त करना. ●●●

शेष पृष्ठ 82 का

मेघनाद साहा

मेघनाद साहा का जन्म 6 अक्टूबर, 1893 बांग्लादेश की राजधानी ढाका के करीब एक गाँव शाओराटोली में हुआ था. साहा ने भारत की विज्ञान प्रौद्योगिकी का गौरव बढ़ाने के लिए कई कार्य किए. खगोल विज्ञान में 'साहा समीकरण' को वर्षों से प्रयोग में लाया जा रहा है. यह उनकी खास देन है. भारत के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिको में से एक मेघनाद साहा अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के खगोलविद थे. उनकी इस ख्याति का सर्वप्रमुख आधार है– साहा समीकरण. साहा समीकरण तारों में भौतिक एवं रासायनिक स्थिति की व्याख्या करता है.

प्रमुख तथ्य

- मेघनाद साहा की आरम्भिक शिक्षा ढाका कॉलेजिएट स्कूल में हुई और बाद में उन्होंने ढाका महाविद्यालय से शिक्षा ग्रहण की. इसके बाद वर्ष 1917 में क्वांटम फिजिक्स के प्राध्यापक के तौर पर उनकी नियुक्ति कोलकाता के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस में हो गई.
- अपने सहपाठी सत्येन्द्रनाथ बोस के साथ मिलकर प्रोफेसर साहा ने आइन्सटाइन और मिंकोवस्की के शोधपत्रों का अनुवाद अंग्रेजी भाषा में किया.
- वर्ष 1919 में अमरीका के एक खगोल भौतिकी जर्नल में साहा का एक शोध-पत्र छपा. यह वही शोध पत्र था, जिसमे उन्होंने 'आयनीकरण फार्मूला' प्रतिपादित किया था. यह फॉर्मूला खगोलशास्त्रियों को सूर्य और अन्य तारों के आंतरिक तापमान और दबाव की जानकारी देने में सक्षम है. एक प्रसिद्ध खगोलशास्त्री ने इस खोज को खगोल विज्ञान की 12वीं बड़ी खोज कहा है. यह समीकरण खगोल भौतिकी के क्षेत्र में एक नई ऊर्जा और दूरगामी परिणाम लाने वाला सिद्ध हुआ. उनके इस सिद्धांत पर बाद में भी कई शोध किए गए.
- तत्वों के थर्मल आयनीकरण के जरिये सितारों के स्पेक्ट्रा की व्याख्या करने के अध्ययन में साहा समीकरण का प्रयोग किया जाता है. यह समीकरण खगोल भौतिकी में सितारों के स्पेक्ट्रा की व्याख्या के लिए बुनियादी उपकरणों में से एक है. इसके आधार पर विभिन्न तारों के स्पेक्ट्रा का अध्ययन कर कोई भी उनके तापमान का पता लगा सकता है. प्रोफेसर साहा के समीकरण का उपयोग करते हुए तारों को बनाने वाले विभिन्न तत्वों के आयनीकरण की स्थिति निर्धारित की जा सकती है.
- प्रोफेसर साहा ने सौर किरणों के वजन और दबाव को मापने के लिए एक उपकरण का भी आविष्कार किया.
- प्रोफेसर मेघनाद साहा ने कई वैज्ञानिक संस्थानों, समितियों जैसे नेशनल अकादमी ऑफ साइंस, इंडियन फिजिकल सोसाइटी, इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस के साथ इलाहाबाद विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग और कलकत्ता में परमाणु भौतिकी संस्थान का निर्माण करने में मदद की.
- वर्ष 1947 में साहा द्वारा स्थापित इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स का नाम उनके नाम पर 'साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स' रख दिया गया. इसके अलावा उन्होंने विज्ञान और संस्कृति पत्रिका की स्थापना की और 16 फरवरी, 1956 यानी अपनी मृत्यु तक इसके संपादक रहे.
- प्रोफेसर मेघनाद साहा का सम्पूर्ण जीवन भारतीय विज्ञान, भौतिकी और देश की उन्नति को समर्पित रहा. प्रोफेसर मेघनाद साहा के एक सिद्धांत 'ऊँचे तापमान पर तत्वों के व्यवहार' को यूरोप के प्रमुख वैज्ञानिक आइंस्टाइन ने संसार को एक विशेष देन कहा.
- एक महान वैज्ञानिक होने के साथ-साथ प्रोफेसर साहा एक स्वतंत्रता सेनानी भी रहे. उन्होंने देश की आजादी में भी योगदान दिया. प्रेसीडेंसी कॉलेज में पढ़ते हुए ही मेघनाद क्रांतिकारियों के संपर्क में आए. इसके बाद उनका संपर्क नेताजी सुभाष चंद्र बोस और राजेंद्र प्रसाद से भी रहा.
- भारत और उसकी समृद्धि में विज्ञान के महत्व को रेखांकित करने वाले प्रोफेसर मेघनाद साहा का आधुनिक और सक्षम भारत के निर्माण में अप्रतिमा योगदान है. यह भी एक रोचक तथ्य है कि वैज्ञानिक होने के साथ-साथ प्रोफेसर साहा आम जनता में भी लोकप्रिय थे. वह वर्ष 1952 में भारत के पहले लोक सभा के चुनाव में कलकत्ता से भारी बहुमत से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीतकर आए. ●●●

भारतीय स्टॉक एक्सचेंज में प्रयुक्त अद्यतन शब्दावली

✍ डॉ. ओ.पी. शर्मा एवं अर्पणा जोशी

जीरो कूपन-जीरो प्रिंसिपल बॉण्ड (Zero Coupon—Zero Principal Bond —ZCZP Bond)

भारत सरकार द्वारा **जुलाई 2022** में प्रतिभूति (Security) के रूप में घोषित 'जीरो-कूपन—जीरो प्रिंसिपल बॉण्ड' (Zero Coupon—Zero Principal Bond—ZCZP Bond) को फेस वेल्यू पर जारी किया जाता है और ऐसे बॉण्ड्स पर ब्याज और मूलधन नहीं मिलता है. ऐसे बॉण्ड्स का निर्गमन केवल गैर-लाभकारी संगठनों (Non-Profit Organisations—NPOs) द्वारा ऐसे **'सामाजिक स्कन्ध विनिमय केन्द्र'** (Social Stock Exchange—SE) के माध्यम से ही किया जा सकता है, जो किसी मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के सेगमेंट के रूप में पंजीकृत होगा. एक स्कन्ध विनिमय उपकरण के रूप में ऐसे बॉण्ड्स सेबी द्वारा बनाए गए नियमों द्वारा शासित होंगे.

देश में दान (Donation) से सम्बन्धित लेन-देनों को सरल एवं सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से **'जेड सी-जेड पी'** नामक नवीन बॉण्ड/उपकरण लाया गया है. इस बॉण्ड के आने से उन लोगों को फायदा होगा, जो आयकर की छूट प्राप्त करने के मकसद से दान करना चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर, ऐसे संगठन/संस्थान जो सामाजिक कार्यों के लिए कोष एकत्रित करना चाहते हैं, भी लाभान्वित होंगे.

₹ 1 करोड़ की न्यूनतम निर्गमित साईज वाले 'जेड सी-जेड पी बॉण्ड' की परिपक्व अवधि उस सम्बन्धित परियोजना के पूर्ण होने की अवधि पर निर्भर करेगी जिसके लिए फंडिंग की गई है. परियोजना अवधि समाप्त होने के पश्चात् ऐसे बॉण्ड स्वतः राइट ऑफ हो जाएंगे.

उल्लेखनीय है कि 'जेड सी-जेड पी बॉण्ड' के माध्यम से किसी भी निजी या सार्वजनिक पंजीकृत संस्था को दान करने पर दानदाता को शत-प्रतिशत कर की छूट (अर्थात् बॉण्ड की राशि के बराबर) प्राप्त होगी, जबकि अन्य निजी संगठन को प्रदत्त दान पर केवल 50 प्रतिशत की दर से ही कर की छूट मिलती रही है.

गौरतलब तथ्य यह भी कि पूर्व में गैर-लाभकारी संस्थानों द्वारा वैयक्तिक स्तर पर या निगम स्तर पर ही कोष संग्रहित किया जाता था, किन्तु अब हमारे देश की ऐसे संस्थान 'सामाजिक स्कन्ध विनिमय केन्द्र' (SSE) पर अपने जेड सी-जेड पी बॉण्ड को सूचीबद्ध कराकर भी कोष एकत्रित कर सकती हैं.

सामाजिक स्कन्ध विनिमय केन्द्र (Social Stock Exchange—SSE)

भारत सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2019-20 के बजट में सामाजिक स्कन्ध विनिमय केन्द्र (एसएसई) के गठन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था जिसे सेबी द्वारा **सितम्बर 2021** में स्वीकार कर लिया गया.

भारतीय परिप्रेक्ष्य में एसएसई की अवधारणा एकदम अद्यतन अवधारणा है, जबकि वैश्विक स्तर पर सात राष्ट्रों में ऐसे सामाजिक स्टॉक एक्सचेंज संचालित किए जा रहे हैं. सामाजिक कल्याण एवं संवर्द्धन के क्षेत्र में कार्य करने वाले गैर-लाभार्जक संगठनों के लिए धन जुटाने में ऐसे सामाजिक स्कन्ध विनिमय केन्द्र अत्यन्त ही सहायक सिद्ध होंगे.

किसी भी मान्यता प्राप्त भारतीय स्टॉक एक्सचेंज के एक सेगमेंट के रूप में पंजीकृत **'एसएसई'** द्वारा गैर-लाभकारी संगठनों की निम्नलिखित प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध करते हुए उन्हें धन जुटाने में सहयोग किया जाएगा—

- ★ Zero Coupon-Zero Principal Bonds
- ★ Development Impact Bonds
- ★ Social Impact Bonds
- ★ Mutual Funds
- ★ Alternative Investment Funds

उल्लेखनीय है कि भारत में एसएसई की अवधारणा को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान करने के लिए सेबी द्वारा **26 जुलाई, 2022** को 'सामाजिक शेयर बाजार' की रूपरेखा को अधिसूचित कर दिया गया है. अधिसूचना के अनुसार 'सामाजिक शेयर बाजार' वर्तमान मान्यता प्राप्त भारतीय स्कन्ध विनिमय केन्द्र के एक खण्ड (Segment) के रूप में कार्य करेगा. सेबी के अनुसार देश के गैर-लाभार्जक संगठन कुछ प्रमुख **सामाजिक गतिविधियों** यथा—महिला सशक्तीकरण, गरीबी न्यूनीकरण, भुखमरी उन्मूलन, कुपोषण, असमानता, स्वास्थ्य सेवा संवर्द्धन, शिक्षा सेवा संवर्द्धन, रोजगार प्रधान कार्यक्रम, आजीविका कार्यक्रम आदि से जुड़कर ही सामाजिक शेयर बाजार से अपने बॉण्ड्स या उपकरण सूचीबद्ध करा सकेंगे. इनके अलावा ये संस्थान/संगठन पर्यावरण संरक्षण, वन और वन्यजीव संरक्षण, जलवायु संरक्षण, लैंगिक समानता, गैर-कृषि क्षेत्र में लघु और सीमान्त किसानों/श्रमिकों की आय बढ़ाना आदि कार्यों से जुड़कर सामाजिक शेयर बाजार से धन जुटा सकते हैं.

आशा है कि **कोविड-19** के पश्चात् सृजित हुई अवांछित परिस्थितियों से उत्पीड़ित लोगों तथा अभावों व गरीबी से त्रस्त जनसाधारण के आर्थिक-सामाजिक स्तर को ऊँचा उठाने में ऐसे सामाजिक शेयर बाजार अत्यन्त ही सहायक सिद्ध होंगे.

जमानत बन्ध-पत्र (Surety Bond)

भारत सरकार द्वारा **बजट 2022-23** में स्वर्ण आयात करने या सरकारी खरीद करने की दशा में 'बैंक गारण्टी' के स्थान पर एक श्रेष्ठ विकल्प के बतौर 'जमानत बीमा बन्ध-पत्र' (Surety Insurance Bond) का उपयोग करने की स्वीकृति प्रदान की गई. इस सन्दर्भ में 'भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण' (IRDA) द्वारा भी दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं, जोकि **1 अप्रैल, 2022** से प्रभावी हैं.

वस्तुतः 'जमानत बीमा बॉण्ड' एक प्रकार का त्रिपक्षीय अनुबन्ध/समझौता है जो इस बात की व्याख्या करता है कि ठेकेदार द्वारा परियोजना का कार्य समझौते में उल्लिखित शर्तों व नियमों की अनुपालना करते हुए निष्पादित किया जाएगा और यदि वह दायित्व निर्वहन में विफल रहता है, तो सम्पूर्ण दायित्व बीमा कम्पनी का होगा.

ऐसे 'जमानत बीमा बॉण्ड' के कारण जहाँ एक ओर कार्यशील पूँजी की तरलता को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर आधारिक संरचना क्षेत्र से जुड़े कारोबारियों को राहत मिलेगी और देश में आधारित संरचना सुविधाओं का तीव्रगति से विकास और विस्तार होगा. पूर्व में ऐसे कारोबारियों को बैंक गारण्टी के लिए बैंक के पास नकद राशि या परिसम्पत्ति रखनी पड़ती थी, किन्तु अब बीमा कम्पनियों द्वारा ऐसी समपार्श्विक जमानत की माँग नहीं की जाती है.

उल्लेखनीय है कि 'आईआरडीए' द्वारा सभी सामान्य बीमा कम्पनियों को 'जमानत बीमा बॉण्ड' लॉन्च करने के लिए अधिकृत कर दिया गया है. ये बीमा कम्पनियाँ अनुबन्ध बॉण्ड बोली बॉण्ड, प्रतिधारण रकम, प्रदर्शन बॉण्ड, अदालत बॉण्ड, अग्रिम भुगतान बॉण्ड आदि जारी कर सकती हैं. आशा है ऐसे बॉण्ड्स के निर्गमन के कारण बीमा कम्पनियों के व्यवसाय में अभिवृद्धि होगी, वहीं दूसरी

naukridk.com for Dec 2022

ओर बैंकों और बीमा कम्पनियों के मध्य एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी सृजित होगी.

विषय विशेषज्ञों के मतानुसार 'जमानत बीमा बॉण्ड' परियोजना प्रदाता कम्पनियों के लिए बैंक गारण्टी के स्थान पर एक उत्तम विकल्प सिद्ध होगा तथा साथ ही परियोजना लागत को न्यून करने में भी सहायक सिद्ध होगा और दोषपूर्ण कार्यों से उत्पन्न होने वाली जोखिम को कम करने में भी मदद करेगा. स्वर्ण-आयातकों की दृष्टि से भी 'जमानत बीमा बॉण्ड' को मितव्ययी और सुरक्षित विकल्प के रूप में उपयोगी माना जा रहा है.

विषयगत निवेश (Thematic Investment)

निवेश या विनियोग का ऐसा स्वरूप जो परम्परागत निवेश संघटकों (स्टॉक, ईक्विटी आदि) के स्थान पर किसी विषय या थीम से समर्थित होता है. विषयगत निवेश या थिमेटिक निवेश कहलाता है. विकास सम्भावनाओं से ओत-प्रोत विषयगत निवेश के प्रमुख उदाहरण हैं–ग्रीन ऊर्जा क्षेत्र, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण संरक्षण, वन-संवर्द्धन, कृत्रिम बुद्धिमता, डिजिटलाइजेशन, ई-वाहन, एफएमसीजी, फिनटेक, क्लीन एनर्जी, रोबोट तकनीक आदि.

वस्तुतः, स्कन्ध बाजार में परम्परागत ढंग से निवेश करने वाले निवेशकों को किसी कम्पनी विशेष की पूरी जानकारी करना अति आवश्यक होता है, किन्तु विषयगत या थीम इन्वेस्टमेंट के लिए निवेशक को कम्पनी की जानकारी जुटाने की आवश्यकता नहीं होती है, बल्कि वह अपने पसंदीदा विषय/विचार से सम्बन्धित क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए निवेश कर सकते हैं. क्षेत्रीय कोष निवेश (Sectoral Fund Investment) की तुलना में विषयगत कोष निवेश का दायरा व्यापक होता है, क्योंकि इसमें विषय/विचार का समर्थन करने वाले सभी क्षेत्रों में निवेश किया जा सकता है. अतः यह कहा जा सकता है कि विषयगत निवेश का दायरा किसी कम्पनी विशेष या क्षेत्र विशेष तक ही सीमित नहीं रहता है. विषयगत निवेश मूलतः दीर्घकालीन विकास सम्भावनाओं और लाभप्रद अवसरों वाले पोर्टफोलियो के सृजन में सहायक सिद्ध होता है.

भारतीय सन्दर्भ में 'विषयगत निवेश की अवधारणा', विकास की शैशव अवस्था से गुजर रही है, किन्तु आगामी समय में जैसे-जैसे शोध और अनुसन्धान आधारित गतिविधियाँ बढ़ेंगी, वैसे-वैसे विषयगत या विचार समर्थित निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा. वैश्विक महामारी **कोविड-19** द्वारा सृजित कठिनाईयों और चुनौतियों के कारण भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में स्वास्थ्य जागरूकता, स्वास्थ्य सेवा आदि विचारगत या विषयगत निवेश की ओर निरन्तर रुझान बढ़ता जा रहा है.

पैसिव मल्टी-एसेट फण्ड (Passive Multi-Asset Fund)

परिसम्पत्ति प्रबन्धन कम्पनियों (Asset Management Companies–AMCs) द्वारा प्रस्तावित ऐसा विनियोग–विकल्प, जिसमें अनेक प्रकार या वर्ग की परिसम्पत्तियों यथा–ईक्विटी, डेट उपकरण, गोल्ड, इण्डेक्स फण्ड, इंटरनेशनल, ईक्विटी आदि का समावेश होता है. इस योजनान्तर्गत फण्ड मैनेजर द्वारा केवल परिसम्पत्ति आवंटन में ही परिवर्तन किया जाता है, ताकि निवेशकों को अधिकतम प्रतिफल प्राप्त होता रहे.

उल्लेखनीय है कि पैसिव मल्टी-एसेट फण्ड में परिसम्पत्तियों के नियमित सन्तुलन से निवेशक को आयकर में राहत प्राप्त होती है, वहीं दूसरी ओर एक्टिव फण्ड्स की तुलना में पैसिव मल्टी-एसेट फण्ड की लागत भी कम होती है.

प्रमुख उदाहरण–

- ★ ICICI Prudential Mutual Fund
- ★ Axis Triple Advantage Fund
- ★ HDFC Multi-Asset Fund
- ★ Quant Multi-Asset Fund
- ★ SBI Multi-Asset Fund
- ★ UTI Multi-Asset Fund

व्यापारिक अंकुश/ट्रेडिंग कर्ब (Trading Curb)

स्कन्ध बाजार में आने वाले अचानक उतार-चढ़ाव से उत्पन्न घबराहट के दौरान प्रतिभूतियों के विक्रय को कम करने के लिए अस्थायी रूप से रोक लगाई जाती है, जिसे ट्रेडिंग कर्ब कहा जाता है. इस अस्थायी व्यापारिक पड़ाव को **सर्किट ब्रेकर** भी कहा जाता है.

मूलतः, व्यापारिक अंकुश लगाने का प्रमुख उद्देश्य स्कन्ध बाजार को सामान्य स्थिति में लाना तथा कीमतों को स्थिर करना होता है. वैश्विक स्तर पर सर्वप्रथम 1987 में अमरीका में 'ब्लैक मण्डे' के बाद ट्रेडिंग कर्ब को अस्थायी रूप से लागू किया गया था. ट्रेडिंग कर्ब प्रायः तीन प्रकार का होता है–

1. ऑर्डर-असन्तुलन सर्किट ब्रेकर
2. वॉल्यूम-प्रेरित सर्किट ब्रेकर, और
3. मूल्य-सीमा सर्किट ब्रेकर.

इनसाइडर ट्रेडिंग (Insider Trading)

प्रतिभूतियों के क्रय-विक्रय का वह स्वरूप, जिसमें सम्बन्धित कम्पनी के कर्मचारियों/अधिकारियों द्वारा गोपनीय सूचनाओं व तथ्यों के माध्यम से अधिकाधिक लाभार्जन का प्रयास किया जाता है. ऐसी सूचनाएं केवल सम्बन्धित कम्पनी के लोगों को ही ज्ञात होती है, जिनके आधार पर उनके द्वारा कम्पनियों की प्रतिभूतियों का बड़े पैमाने पर क्रय/विक्रय करते हुए अत्यधिक लाभ अर्जित कर लिया जाता है.

भारत में 'इनसाइडर ट्रेडिंग' को अवैध घोषित किया गया है, क्योंकि इसके कारण सामान्य निवेशकों को भारी नुकसान हो सकता है.

लॉर्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कम्पनियाँ (Large Cap, Mid Cap and Small Cap Companies)

स्कन्ध बाजार में कम्पनियों का वर्गीकरण उनकी प्रतिभूतियों की पूँजीकरण की स्थिति के आधार पर भी किया जाता है. निवेशकों द्वारा निवेश करने से पूर्व कम्पनी की वैल्यू अर्थात् **कैपिटलाइजेशन पोजिशन** पर अवश्य विचार किया जाता है.

कम्पनी की वैल्यू ज्ञात करने के लिए उसके अंशों की संख्या को वर्तमान प्रति अंश बाजार मूल्य से गुणा किया जाता है. इसी वैल्यू या कैपिटलाइजेशन को कम्पनी का **'Market Cap'** कहा जाता है.

1. **लॉर्ज कैप कम्पनी**–हमारे देश में यदि किसी कम्पनी का 'मार्केट कैप' ₹ 20,000 करोड़ या उससे अधिक है, तो उसे लॉर्ज कैप कम्पनी के नाम से पुकारा जाता है. बाजार में सुदृढ़ स्थिति प्रदर्शित करने वाली ऐसी कम्पनियों पर मंदीकाल का कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता है, जो निवेशक अल्प जोखिम वाली कम्पनियों में विनियोग करना चाहते हैं, वे लॉर्ज कैप वाली कम्पनियों को ही प्राथमिकता देते हैं.

प्रमुख उदाहरण– Dabour India, Bajaj Finance, HDFC, Bata India, Cipla, SBI, Dr. Reddy Lab, Infosys, JSW Steel, Whirlpool of India, MRF, Lupin, ONGC, Reliance Industries, Tata Power, Shree Cement, Tata Steel आदि.

2. **मिड कैप कम्पनी**–ऐसी कम्पनी जिसका मार्केट कैप ₹ 5000 करोड़ से अधिक, किन्तु ₹ 20,000 करोड़ से कम है, मिड कैप कम्पनी कहलाती हैं. लॉर्ज कैप कम्पनियों की तुलना में इन कम्पनियों में जोखिम की मात्रा थोड़ी अधिक होती है. एक लम्बे अन्तराल के बाद ये कम्पनियाँ लॉर्ज कैप कम्पनियों में परिवर्तित होने की क्षमता रखती हैं. इन कम्पनियों में प्रतिफल (Return) अधिक होने के कारण ज्यादातर निवेशक इनमें निवेश करने के लिए आतुर रहते हैं.

प्रमुख उदाहरण–LIC Housing Finance, Bajaj Electricals, MRPL, Exide Industries, Godrej Industries आदि.

3. **स्मॉल कैप कम्पनी**–₹ 5000 करोड़ से कम मार्केट कैप वाली कम्पनियों को इस श्रेणी में सम्मिलित किया जाता है. अधिक जोखिम धारित करने वाली ऐसी कम्पनियों की सफलता या विफलता कुशल प्रबन्धन पर निर्भर करती है. मंदीकाल की दशा में ऐसी कम्पनियाँ बाजार से बाहर भी हो सकती हैं. बाजार की उतार-चढ़ाव प्रवृत्तियाँ ऐसी कम्पनियों को बहुत जल्दी प्रभावित करती हैं.

प्रमुख उदाहरण–Bajaj Consumer Care, Delta Corp. Ltd., VST Industries, Mishra Dhatu Nigam Ltd., J. K. Paper Ltd., Dhanuka Agritech. Ltd., Justdial Ltd., CARE Ratings, Can Fin Homes Ltd., L&T Technology, Oracle Fin. Serv., IDFC First Bank, Indian Energy Exchange, NESCO Ltd.

निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (Investor Education and Protection Fund—IEPF)

भारतीय कम्पनी अधिनियम, 2013 में उल्लिखित प्रावधानों की अनुपालना में हमारे देश में 'निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष' अर्थात् आईईपीएफ की स्थापना की गई है. इसका मूल उद्देश्य नवीन निवेशकों को स्कन्ध बाजार की गहन सूचनाएं प्रदान करते हुए उसे शिक्षित करना तथा पुराने और नए निवेशकों के शोषण, अत्याचार, भेदभाव आदि को समाप्त करते हुए उनका संरक्षण करना है.

वस्तुतः इस कोष में ऐसी राशि एकत्रित होती है जो विगत सात वर्षों से अनिश्चितता के भँवर में लावारिश स्थिति में पड़ी हुई है. प्रायः ऐसी राशि अवितरित लाभांश, परिपक्व धनराशि, आवेदन राशि आदि से सम्बन्धित होती है और उनका भुगतान 7 वर्ष तक उनके वास्तविक प्रापक या लाभार्थी को नहीं किया गया है. 7 वर्ष बाद ऐसी अवितरित राशि का अन्तरण अनिवार्य रूप से ऐसे कोष में करना होता है.

कोष में एकत्रित राशि भारत की सचित निधि के बतौर रखी जाती है तथा इसका उपयोग केवल निवेशकों को शिक्षा प्रदान करने या उन्हें निवेश हेतु प्रोत्साहित करने तथा उनकी सुरक्षा के लिए ही किया जाता है.

प्रभाव लागत (Impact Cost)

वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण परिवर्तित परिस्थितियों में स्कन्ध में 'प्रभाव लागत' एक प्रमुख चर्चा का विषय बना हुआ है वर्तमान संकटग्रस्त दशा में यदि कोई निवेशक अपनी परिसम्पत्ति बेचना चाहता है, तो बाजार में तरलता की कमी और माँग में कमी के कारण उस परिसम्पत्ति के विक्रय से प्राप्त राशि उसकी उचित कीमत से काफी कम हो सकती है. इस कम कीमत को वह निवेशक 'प्रभाव लागत' समझकर हानि के रूप में वहन करता है.

वस्तुतः ऐसी प्रभाव लागत आर्थिक संकट में ही उत्पन्न होती है और इसे परिसम्पत्ति के वास्तविक बाजार मूल्य (Actual Market Price) और क्रेताओं तथा तरलता की कमी के कारण उस परिसम्पत्ति को प्राप्त कम कीमत के बीच के अन्तर के रूप में परिभाषित किया जाता है.

सूत्र रूप में–

प्रभाव लागत = परिसम्पत्ति का बाजार मूल्य – वास्तविक विक्रय मूल्य.

योग्यता प्राप्त संस्थागत क्रेता (Qualified Institutional Buyers — QIBs)

जब कोई कम्पनी 'निजी आधार पर प्रतिभूतियों का प्रस्ताव' (Private Placement of Securities) प्रस्तुत करती है, तो वह ऐसा प्रस्ताव अधिकतम 200 व्यक्तियों के समक्ष ही प्रस्तुत कर सकती है. इस अधिकतम संख्या में योग्यता प्राप्त संस्थागत क्रेताओं (QIBs) और कम्पनी की 'स्टॉक विकल्प योजना' (Employees Stock Option Scheme—ESOS) से जुड़े कर्मचारियों को सम्मिलित नहीं किया जाता है. हमारे देश में निम्नलिखित को मुख्य रूप से क्यूआई बीज में माना जाता है–

- ★ Venture Capital Fund (VCF)
- ★ Mutual Fund (MF)
- ★ Alternative Investment Fund (AIF)
- ★ Scheduled Commercial Banks
- ★ State Industrial Development Corporation
- ★ Insurance Companies Registered under IRDA
- ★ Public Financial Institutions
- ★ National Investment Fund
- ★ Pension Fund and Provident Fund having minumum fund of ₹ 25 crore.

अन्तर्निहित अस्थिरता (Implied Volatility)

किसी कम्पनी के अंश या प्रतिभूति की सम्भावित दिशा के बारे में स्कन्ध बाजार की राय को प्रकट करने की निधि या स्वरूप को ही 'अन्तर्निहित अस्थिरता' कहा जाता है, किन्तु यह अस्थिरता दिशा के पूर्वानुमान को इंगित नहीं करती है.

मूलतः 'अन्तर्निहित अस्थिरता' एक ऐसा आधार या तरीका स्पष्ट करती है जो पूर्वानुमान की जाँच करने के साथ-साथ निवेश या निकास अवसरों को पहचानने में भी मदद करता है. यह ऑप्शन ट्रेडिंग का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो पूर्वानुमान/सम्भावना के आकलन में सहायता प्रदान करता है. साथ ही यह स्कन्ध बाजार की अनिश्चितता को मापने में भी मदद करता है.

●●●

उपकार

नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

बिहार पॉलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा

(गत वर्षों के प्रश्न-पत्र हल सहित)

सॉल्वड् पेपर्स
Code 1454 ₹ 90/-

Code 282
₹ 340.00

डॉ. लाल एवं जैन

उपकार प्रकाशन, आगरा–5 • E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

भारतीय संविधान में राष्ट्र चेतना का समावेश

—बहादुर सिंह रावत 'चंचल'

- भारतीय संविधान तैयार होने के साथ ही इतिहास के चुनिंदा महात्माओं, गुरुओं, शासकों एवं पौराणिक पात्रों को दर्शाते हुए संविधान के अलग-अलग भागों में सजाया. प्रत्येक चित्र भारत की अनन्त विरासत से एक सन्देश और उद्देश्य को व्यक्त करता है.
- संविधान सभा में जब भारत के नए संविधान की रचना अन्तिम चरण में थी, तब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा प्रस्तुत ड्राफ्ट के पारित होते ही संविधान की मुख्य प्रतिलिपि (Original Copy) में कला-कृतियों के चित्रण पर चर्चा हुई.
- इस कार्य हेतु सर्वसम्मति से उस समय के प्रसिद्ध चित्रकार श्री नन्दलाल बोस, शान्ति निकेतन को अधिकृत किया गया. बोस एवं उनकी टीम ने भारतीय इतिहास के चुनिंदा महात्माओं, गुरुओं, शासकों एवं पौराणिक पात्रों के चित्रों को संविधान के अलग-अलग भागों में चित्रित किया. प्रत्येक चित्र अपने स्थान पर भारत वर्ष की अनन्त विरासत से एक सन्देश और उद्देश्य को व्यक्त करते हुए अपनी महत्ता को प्रतिपादित करता है और संविधान को महान् गौरव से विभूषित करता है.
- अनादिकाल से भारत राष्ट्र की आत्मा तथा उसकी संस्कृति आज भी जीवित है. अनेक कुठाराघातों को झेलकर भी फल-फूलती रही है. आने वाली पीढ़ियों के लिए उसका यही चरित्र प्रेरणा-स्रोत है. जीवन के मूल्यों और सिद्धान्तों की जिन्हें हमारे महापुरुषों, सन्तों व ऋषियों ने पोषित किया और हिन्दू धर्म संस्कृति से उद्‌बोधित किया, आज भी पल्लवित है.
- भारतीय संविधान में भारत की प्राचीन संस्कृति, भारत के मानबिन्दु और भारत के सांस्कृतिक मूल्यों का समावेश मिलता है. संविधान निर्माताओं ने इसी भाव से संविधान में राष्ट्र चिन्तन की दिशा का स्पष्ट संकेत दिया है.
- सर्वप्रथम संविधान के मुख पृष्ठ पर हमारे राष्ट्र-चिह्न 'अशोक स्तम्भ' का चित्र है. सम्राट् अशोक भगवान राम के बाद महान् आदर्श राजा हुए. एक चित्र 'कमल' का दिया है. कमल इस बात का प्रतीक है कि 'निर्मल' हृदय एवं व्यक्तित्व व्यक्ति का होना चाहिए. 'नन्दी' का चित्र है, जो 'गौ' वंश का प्रतीक है. यह संकेत कराता है कि भारत की इस प्राचीन संस्कृति में हमने अपनी धरती को 'माँ' के रूप में देखा है.
- वैदिक युग के ऋषि कुल और ऋषियों के निवास स्थान के चित्र दर्शाए गए हैं. ये चित्र भारत के वैदिक साहित्य, वेद, पुराण, उपनिषद् और इतिहास की ओर संकेत करते हैं.
- एक अत्यन्त महत्वपूर्ण चित्र है—मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम, लक्ष्मण और सीताजी का, जो लंका विजय के पश्चात् पुष्पक विमान पर विराजमान हैं. यह दृश्य लंका विजय के उपरान्त भगवान राम द्वारा सीता को वापस लाने का, रामायण से लिया गया है.
- संविधान के चतुर्थ अध्याय में महाभारत से लिया गया चित्र है जिसमें भगवान श्रीकृष्ण हतोत्साहित अर्जुन को गीता का उपदेश देते हुए 'कर्मयोग' का पाठ पढ़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं. गीता—उपदेश देना एक ऐतिहासिक घटना थी, जिसे संविधान सभा ने स्वीकार करते हुए संविधान में स्थान दिया है.
- अध्याय पाँच में भगवान गौतम बुद्ध का चित्र है. भगवान महावीर भारत के मान्य महापुरुष थे, उनके द्वारा प्रवर्तित मत भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों के विकसित रूप थे और भारतीय संस्कृति के अंग के रूप में उन्हें संविधान सभा द्वारा स्वीकार किया गया. उनकी जड़ें भारत-भूमि में गड़ी हैं.
- सम्राट् अशोक द्वारा किए गए बौद्ध धर्म के प्रचार एवं प्रसार का दृश्य है. स्वर्ण मुद्रिका को हाथ में लिए हुए सीता की खोज में उड़ते हुए अंजनी पुत्र हनुमान को दर्शाया गया है. यह चित्र भारत के हर सेवक को सन्देश देता है कि वह राष्ट्रहित को 'राम' हित समझकर अपने कर्त्तव्य का पालन करे. उपर्युक्त चित्र इस बात का सबूत है कि भारत की संविधान सभा ने भगवान राम, हनुमान (समस्त रामायण), भगवान कृष्ण द्वारा गीता का उपदेश (महाभारत), भगवान नटराज, भगवान बुद्ध एवं भगवान महावीर स्वामी को भारत के इतिहास एवं राष्ट्रीय महापुरुषों के रूप में स्वीकार किया गया है.
- महाराजा विक्रमादित्य का चित्र भी है उनके नाम काम से कौन परिचित नहीं है, भारत में विक्रम संवत् उन्हीं के नाम से चलता है. विक्रमादित्य ने भारत की संस्कृति एवं इतिहास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है. उन्होंने विदेशी आक्रमणकारियों को भारत से बाहर भगाकर इतना महत्व प्राप्त किया कि उनके नाम से 'विक्रम संवत्सर' प्रारम्भ हुआ और अपने मौलिक संविधान में उनको स्थान व उनके दरबार को दर्शाया गया, जिस पर भारतीय मनीषियों के हस्ताक्षर हैं.
- भारत के प्राचीन विश्वविद्यालयों में 'तक्षशिला' एवं 'नालन्दा' अत्यधिक प्रसिद्ध थे जिनमें से नालन्दा विश्वविद्यालय का चित्र मौलिक संविधान में है. उड़ीसा (ओडिशा) की स्थापत्य कला का भी एक दृश्य चित्रित है.
- संविधान के अध्याय 12 के प्रथम पृष्ठ पर चित्र में भगवान शंकर नटराज के रूप में चित्रित हैं. भगवान शिव समस्त भारत वर्ष में पूर्व से पश्चिम एवं उत्तर से दक्षिण तक सर्वव्यापी रूप में प्रतिष्ठित हैं. भगीरथ के प्रयास का चित्र जिसमें तपस्या के फलस्वरूप गंगाजी धरती पर तीन रूपों में आईं तथा भगवान शिव ने उन्हें अपनी जटाओं में धारण किया. गंगा के ये तीनों रूप सिन्धु गंगा, भगीरथ गंगा एवं गंगा चित्रित हैं.
- अध्याय 14 में हमें चित्र मिलता है, उस मुस्लिम राजा के दरबार का, जिसे 'अकबर महान्' के नाम से जाना जाता है. अकबर अपने आचरण में अन्य यवन राजाओं से भिन्न था. तलवार के बल पर शासन करने के बजाय जनमानस को अपनी ओर खींचने का उन्होंने, जो प्रयास किया, उनका वही प्रयास उन्हें महान् सम्राटों की श्रेणी में रखता है. अकबर ने 'जजिया' नामक कुत्सित कृत्य पर रोक लगाई और 'जजिया' को हटाया. अकबर ने दीन-ए-इलाही चलाने के अतिरिक्त अकबर हिन्दू त्यौहारों एवं अन्य उत्सवों को भी मानता था. हिन्दू मन्दिरों का रहनुमा था.

शेष पृष्ठ 92 पर

हिन्दी विश्व पटल पर

—गिरीश चन्द्र पांडे

संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी—भारत को हाल ही में संयुक्त राष्ट्र संघ में बड़ी सफलता हासिल हुई, जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 12 जून, 2022 को बहुभाषावाद पर भारत के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए हिन्दी भाषा को अपनी भाषाओं में समाहित कर लिया. इसका तात्पर्य यह है कि आगे से संयुक्त राष्ट्र (यूएन) अपने संचार और संदेशों के प्रसार के लिए हिन्दी भाषा का भी उपयोग करेगा. संयुक्त राष्ट्र के इस प्रस्ताव से विश्व समुदाय को समस्त कार्यों और उसके उद्देश्यों की जानकारी हिन्दी में उपलब्ध होगी और उससे निश्चित तौर पर हिन्दी के वैश्विक प्रसार को एक नया आयाम और गति मिलेगी. इसे हिन्दी की बेहतर स्वीकार्यता और ताकतवर होने का एक पहलू भी कहा जा सकता है. करीब अस्सी देशों के सहयोग से पारित इस प्रस्ताव में स्वाहिली, पुर्तगाली, बांग्ला, उर्दू तथा फारसी को भी हिन्दी के समान ही दर्जा दिया गया है.

उल्लेखनीय है कि 1945 में गठित संयुक्त राष्ट्र महासभा की अभी तक सिर्फ 6 आधिकारिक भाषाएं हैं—अंग्रेजी, अरबी, चीनी, फ्रेंच, रूसी तथा स्पेनिश. उसमें भी संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय ज्यादातर सिर्फ अंग्रेजी और फ्रेंच में ही काम करते हैं. भारत पिछले दो दशक से इस दिशा में प्रयासरत् था जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2018 में संयुक्त राष्ट्र में 'हिन्दी @ यूएन' परियोजना का आगाज हुआ और हिन्दी में ट्विटर अकाउंट और न्यूज पोर्टल शुरू कर दिया गया था. इस पर प्रत्येक सप्ताह हिन्दी समाचार की शुरूआत हुई. इस परियोजना का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र संघ की तमाम सूचनाओं को दुनिया भर में फैले हिन्दी भाषी लोगों तक पहुँचाना और वैश्विक समस्याओं से जुड़ी चर्चाओं में उन्हें शामिल करना था. इसी कड़ी में भारत सरकार द्वारा संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी भाषा के व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए 8 लाख अमरीकी डॉलर भी सहयोग के रूप में दिए गए थे. अभी भारत के समक्ष संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक 7वीं भाषा बनने की राह में संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मुताबिक दो बड़ी बाधाएं हैं और उन्हें पार करना थोड़ा कठिन प्रतीत होता है. वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों की कुल संख्या 193 है. हिन्दी तभी संयुक्त राष्ट्र की 7वीं आधिकारिक भाषा बन सकती है, जब इसके दो-तिहाई यानी कम-से-कम 123 देश हिन्दी के प्रस्ताव को मंजूरी दें.

अगर यह प्रस्ताव पारित भी हो जाता है, तो उसके बाद हिन्दी को आधिकारिक भाषा बनाने पर होने वाले खर्च को सभी सदस्य देशों को आनुपातिक रूप से वहन भी करना मंजूर करना होगा, लेकिन यह भी सच्चाई है कि जब बड़े लक्ष्य हासिल होने में कठिनाई हो, तो व्यावहारिकता का तकाजा है कि उसकी तरफ जाने वाले छोटे-छोटे लक्ष्यों को हासिल किया जाए, क्योंकि बूँद-बूँद से ही घड़ा भरता है और हिन्दी अपने छोटे-छोटे लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए इसी तरह आगे बढ़ेगी और अपने मुकाम तक पहुँचेगी. यहाँ पर हिन्दी प्रेमियों को भी अपनी तरफ से बराबर हिन्दी को आगे बढ़ाने की कोशिशों का भागीदार बने रहना चाहिए.

उल्लेखनीय है कि भारत में एक भाषा के तौर पर हिन्दी न सिर्फ देश की पहचान है, बल्कि यह हमारे सिद्धांतों, मूल्यों और संस्कृति से भी अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है और हमारे जीवन के विभिन्न आयामों को काफी हद तक प्रभावित करती है. आज यद्यपि दुनिया में बोली जाने वाली 6,500 से अधिक भाषाओं के मध्य मंदारिन और स्पेनिश के बाद किसी तीसरी भाषा का स्थान आता है, तो वह हिन्दी ही है. भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसकी 5 भाषाएं विश्व की 16 प्रमुख भाषाओं की सूची में शामिल है. 160 देशों के लोग भारतीय भाषाएं बोलते हैं. विश्व के 93 देश ऐसे हैं जिनमें हिन्दी जीवन के बहुआयामों से जुड़ी हुई है. भले ही चीनी भाषा मंदारिन बोलने वालों की संख्या हिन्दी बोलने वालों से ज्यादा है, किन्तु अपनी चित्रात्मक जटिलता के कारण इसे बोलने वालों का क्षेत्र चीन तक ही सीमित है. विश्व पटल पर हिन्दी बोलने वालों की संख्या दूसरे स्थान पर होने के बावजूद इसे संयुक्त राष्ट्र में अब जाकर शामिल किया गया है. यही नहीं भारतीय और अनिवासी भारतीयों को जोड़ दिया जाए, तो हिन्दी पहले स्थान पर आकर खड़ी हो जाती है. जाहिर है हिन्दी संयुक्त राष्ट्र की अग्रिम पंक्ति में खड़ी होने का वैध अधिकार रखती है.

वैश्विक मंच पर हिन्दी को एक सम्मानजनक स्थान दिलाने का श्रेय भूतपूर्व प्रधानमंत्री (स्व.) अटल बिहारी वाजपेयी को जाता है. 1977 में जनता पार्टी की सरकार में तत्कालीन विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 32वें अधिवेशन को हिन्दी में सम्बोधित किया था. संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपनी सरकार का मत और नीतियाँ हिन्दी भाषा में बताने वाले वे भारत के पहले नेता थे. उस समय संयुक्त राष्ट्र जैसे अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर भारत की राजभाषा हिन्दी का गूँजना अपने आप में ऐतिहासिक था. उनसे पहले और उनके बाद के राजनीतिज्ञ और कूटनीतिज्ञ संयुक्त राष्ट्र तथा अन्य अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर अपना भाषण अंग्रेजी में ही देते रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अनेक बार अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर अपने उद्‌बोधनों में हिन्दी को ही प्राथमिकता दी है.

मौजूदा निर्णय के निहितार्थ—संयुक्त राष्ट्र के मौजूदा निर्णय के दो महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस वजह से भारत को सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता मिलने की उम्मीद भी बढ़ जाती है. 2005 से जी-4 के तहत् जापान, जर्मनी, ब्राजील तथा भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यता के लिए एक-दूसरे की उम्मीदवारी का समर्थन करते आ रहे हैं. दूसरा, जो अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठन हैं, उनमें भी हिन्दी के माध्यम से संवाद व हस्तक्षेप करने का अधिकार भारत को मिल जाएगा. ये संगठन हैं—अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, अन्तर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी, अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ, संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन, विश्व स्वास्थ्य संगठन, संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन और संयुक्त राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीय बाल-आपात निधि (यूनिसेफ). इन विश्व मंचों पर हमारे प्रतिनिधि यदि हिन्दी भाषा में बातचीत करेंगे, तो स्वाभाविक है कि देश का आत्मगौरव तो बढ़ेगा ही, भारत के लोगों का यह भ्रम भी टूटेगा कि हिन्दी में अन्तर्राष्ट्रीय संवाद कायम करने की सामर्थ्य नहीं है.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और हिन्दी—यहाँ पर हम यह नहीं भूल सकते कि किसी भी भाषा को ताकतवर बनाने में राजनीतिक और आर्थिक शक्तियाँ ही मददगार होती हैं और खुशी की बात है कि राजभाषा हिन्दी के सम्बन्ध में देश और विदेश में ऐसा अभी हो रहा है. राजनीतिक तौर पर जहाँ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश और विदेश में हिन्दी का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है, आज मोदी बेधड़क होकर न केवल संयुक्त राष्ट्र महासभा में, बल्कि वैश्विक शिखर सम्मेलनों में और विश्व नेताओं से आपसी बातचीत में हिन्दी को धार दे रहे हैं और उनकी बातों को विश्व समुदाय न केवल ध्यान से सुन रहा है, बल्कि उस पर अमल भी कर रहा है,वह अपने में अनूठा है और मोदी का यह प्रयास हर भारतवासी की आन-बान-शान में चार चाँद लगा रहा है. आज विदेशों से हमारे सम्बन्ध न केवल सौहार्दपूर्ण बन रहे हैं, बल्कि उनके साथ आपसी कारोबार में भी तेजी आई है और जिसका लाभ भारत की आर्थिक तरक्की को मिल रहा है. उल्लेखनीय है कि 27 सितम्बर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र ने प्रतिवर्ष 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस मनाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया, तो उसके पीछे की सोच और पहल प्रधानमंत्री मोदी की ही थी.

भारत के बड़े बाजार से विश्व समुदाय भली-भाँति वाफिक है. वैश्वीकरण के बाद आज जब पूरी दुनिया एक वैश्विक गाँव में तब्दील होने लगी है और बाजार की पैठ बढ़ने लगी है, तो विश्व समुदाय भी भारत के बाजार में कारोबारी हित के लिए हिन्दी की

ताकत पहचानने लगा है और स्वाभाविक है कि इससे हिन्दी की स्वीकार्यता भी बढ़ने लगी है. प्रधानमंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' का नारा देकर ग्रामीण उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की आज ऐतिहासिक पहल हो रही है, तो हमें ध्यान में रखना होगा कि वहाँ हमें अंग्रेजी के बजाय हिन्दी या सम्बद्ध राज्य की आम बोलचाल की भाषा को ही प्रोत्साहन देना होगा, क्योंकि यह सर्वमान्य तथ्य है कि भाषा के माध्यम से बाजार का विस्तार होता है और बाजार के द्वारा भाषा का प्रचार-प्रसार होता है. खुशी की बात है कि हिंदी भाषा ने इंटरनेट में अपनी बढ़त बनानी शुरू कर दी है. गाँव में फैलती मोबाइल क्रांति और ई-कॉमर्स का जाल हम सभी देख रहे हैं. भाषा और बाजार दोनों आपस में अभिन्न रूप से गूँथे हुए हैं. इसीलिए हिन्दी का इतना विकास और विस्तार हो रहा है. यहाँ अन्य भारतीय भाषाएं भी देवनागरी लिपि के माध्यम से हिन्दी के साथ जुड़कर न सिर्फ सांस्कृतिक रूप से समृद्ध हो सकती हैं, बल्कि रोजगार, व्यापार और पर्यटन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकती हैं. इसका एक सुखद पहलू यह भी है कि बड़े बाजार की भाषा होने से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भाषा की पहचान और पूछ तो बढ़ती ही है, आगे जाकर वह अन्तर्राष्ट्रीय कूटनीति को प्रभावित करते हुए विदेश-नीति निर्धारण में भी निर्णायक हस्तक्षेप कर सकती है.

वैश्विक स्तर पर हिन्दी—आज दुनिया भर में 150 से ज्यादा देशों के 200 विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जा रही है. अमरीका के 30 से ज्यादा विश्वविद्यालयों व शैक्षणिक संस्थानों में हिन्दी की पढ़ाई हो रही है. इसी तरह जर्मनी के 15 संस्थानों में हिन्दी भाषा और साहित्य का अध्ययन हो रहा है. ब्रिटेन की लंदन, कैम्ब्रिज और यार्क यूनिवर्सिटी में भी हिन्दी पढ़ाई जाती है. चीन, जापान, हंगरी, रूस आदि देशों में भी हिन्दी की पढ़ाई हो रही है. यही नहीं, भारत की बेहतर जानकारी के लिए दुनिया भर में करीब सवा सौ संस्थानों में हिन्दी का अध्ययन-अध्यापन हो रहा है.

आज पूरे विश्व में लगभग 25 देशों की करीब एक अरब आबादी ऐसी है, जो हिन्दी बोल या समझ सकती है. आज भारत के अलावा नेपाल, पाकिस्तान, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार, इंडोनेशिया, श्रीलंका, मालदीव, थाइलैंड, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, अमरीका, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मॉरिशस, यमन, युगाडा और त्रिनाड एंड टोबैगो जैसे कई देशों में हिन्दी भाषा का चलन है. हिन्दी को यह सम्मान उसकी अपनी सरलता और सुगमता के साथ जहाँ कहीं आवश्यक हो,बेहचिक दूसरी भाषाओं के शब्दों को अपने में आत्मसात् करने की वजह से भी है. हिन्दी का कभी भी भारतीय भाषाओं और विदेशी भाषाओं के शब्दों को अपनाने से परहेज नहीं रहा. यही कारण है कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भाँति हिन्दी भी सारी भाषाओं को 'भाषा कुटुम्बकम्' के तौर पर ही मानती है.

आधुनिक मराठी, गुजराती, पंजाबी और यहाँ तक कि बांग्ला और असमिया पर भी हिंदी का प्रभाव साफ देखा जा सकता है, लेकिन यह भाषाओं का साहचर्य है. यह बात विशेष रूप से दक्षिण राज्यों के संशयग्रस्त राजनेताओं और प्रशासकों तथा आमजनों की समझ में आनी चाहिए ताकि भाषाई विवाद की समस्या उत्पन्न न हो. उन्हें इस वास्तविकता को स्वीकार करना होगा कि भारतीय भाषाओं का दायरा मुख्य रूप से सम्बन्धित राज्यों तक ही सिमटा है, जबकि हिन्दी की स्वीकार्यता बढ़ने के पीछे सबसे बड़ा कारण है, उसका अपेक्षाकृत सरल और सर्वग्राही होना. इसीलिए गृह मंत्री अमित शाह का स्पष्ट मत है कि हिन्दी का विकास और विस्तार भारतीय भाषाओं की कीमत पर नहीं, बल्कि अंग्रेजी के बरक्स होना चाहिए. यहाँ ध्यान देने योग्य है कि अंग्रेजी ने पहले ही हिन्दी को कमजोर बनाने में अहम् भूमिका निभाई है. इसलिए अब हिन्दी की स्थिति को मजबूत करने के लिए की जाने वाली कोशिशें सकारात्मकता के भाव से आगे बढ़ रही हैं, तो उसमें हर्ज क्या है? हमें गम्भीरतापूर्वक इस वास्तविकता को ध्यान में रखना होगा कि हिन्दी भारत की न केवल राजभाषा है बल्कि यह लोकभाषा है, मातृभाषा है और राष्ट्रभाषा भी है. उसके इन विभिन्न रूपों में ही उसका सौन्दर्य छिपा है. चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने कहा, 'हिन्दी का शृंगार राष्ट्र के सभी लोगों ने किया है, वह हमारी राष्ट्रभाषा है.'

दृष्टिकोण—हमें संयुक्त राष्ट्र की 7वीं भाषा के रूप में हिन्दी को मान्यता दिलाने के लिए अपने अथक् प्रयास जारी रखने होंगे. इसके लिए हमें भारतीय भाषाओं में अनुवाद तथा शोध की प्रक्रिया तेज करनी होगी. हमें अपने शोधों के व्यावहारिक मॉडल भी विकसित करने होंगे. हिन्दी का चाहे जितना भी वैश्विक विस्तार हो, जब तक वह उच्च शिक्षा के माध्यम के रूप में स्थापित नहीं होगी, विमर्श और प्रशासनिक नीति निर्धारण की भाषा नहीं बन सकती. यह कड़वी सच्चाई है कि नीति निर्धारकों और प्रशासनिक तंत्र की भाषा अभी अंग्रेजी है और जब तक यह स्थिति रहेगी, तब तक हिन्दी विमर्श का माध्यम नहीं बन पाएगी. अब भी प्रशासनिक तंत्र का मुख्य कार्य अंग्रेजी में होता है और हिन्दी में उसका अनुवाद भर होता है.

हिन्दी के वैश्विक विस्तार और प्रसार के साथ इस तथ्य की ओर भी ध्यान दिया जाना चाहिए. इसलिए देश में हिन्दी को और अधिक ऊँचाई देने के लिए विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में इसे बढ़ावा देने की जरूरत है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं नए भारत की आवश्यकताओं के अनुरूप कुछ विश्वविद्यालयों ने मेडिकल एवं इंजीनियरिंग जैसे तकनीकी विषयों को भी हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में पढ़ाना शुरू भी किया है. यह सही है कि पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं के अनुरूप मातृभाषा अथवा स्थानीय भाषाओं में सामग्री उपलब्ध करवाना एक बड़ी चुनौती होगी, किन्तु संकल्प से उसमें भी सफलता मिलेगी.

खुशी की बात है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 की शिक्षा व्यवस्था बहुभाषा और मातृभाषा पर केन्द्रित है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने मातृभाषा में सीखने के रास्ते खोल दिए हैं. हमें सिविल सेवा परीक्षा में औपनिवेशिक भाषा अंग्रेजी के प्रभुत्व एवं जकड़न को भी खत्म करना जरूरी है. यदि अंग्रेजी इतनी ही जरूरी है, तो इसे सिविल सेवा परीक्षा में चयनित युवाओं को ट्रेनिंग के दौरान सिखाया भी जा सकता है जैसे कि कैडर मिलने पर उस अधिकारी को उस राज्य की भाषा सिखाई जाती है. इसके अलावा, हिन्दी माध्यम वाले परीक्षार्थियों के समक्ष प्रश्न-पत्रों का मशीनी हिन्दी अनुवाद भी आड़े आता है, जो बेहद क्लिष्ट होता है क्योंकि प्रश्न-पत्र मूल रूप से हिन्दी में तैयार ही नहीं किया जाता. इसलिए परीक्षा में व्याप्त इस भाषाई अन्याय को दूर करना परमावश्यक है. हिन्दी के सामने अभी एक बड़ी चुनौती वर्तनी की भी रही है. एक ही शब्द अलग-अलग ढंग से लिखे जाने से यह समस्या बढ़ती रही है. सामान्यत: भाषा में उपलब्ध अनेक विकल्पों में से एक को मानक मानने की प्रक्रिया को मानकीकरण कहा जाता है. इस ओर भी ध्यान देना जरूरी है.

हिन्दी के प्रचार-प्रसार और प्रोत्साहन में भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन जहाँ राजभाषा विभाग अपने दायित्व को बखूबी निभा रहा है, वहीं हिन्दी के वैश्विक प्रसार के लिए भारतीय विदेश मंत्रालय की भूमिका भी महत्वपूर्ण है. मंत्रालय द्वारा हर वर्ष 'विश्व हिन्दी सम्मेलन', 'प्रवासी भारतीय दिवस' जैसे कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है. यहाँ उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि देश के सांस्कृतिक विस्तार से जब हम हिन्दी को जोड़ने की बात करते हैं और राजभाषा के रूप में कार्यालयीन कार्य के साथ-साथ उसके देश की सभ्यता-संस्कृति और साहित्य से जुड़ने की बात करते हैं तो यहाँ पर **संस्कृति मंत्रालय को हिन्दी के प्रयोग के सम्बन्ध में एक रोल मॉडल की भूमिका अदा करनी होगी.** यह खुशी की बात है कि संस्कृति मंत्रालय में अभी एक काबीना मंत्री के तहत् दो राज्यमंत्री कार्य कर रहे हैं. निश्चित तौर पर इस व्यवस्था से संस्कृति मंत्रालय अपनी भूमिका को बेहतर तरीके से करने में सफल होगा. हमें यह याद रखना होगा कि हिन्दी सहित सभी भारतीय भाषाओं के विकास में ही भारतीय संस्कृति का सनातन प्रवाह अक्षुण्ण होगा और उसमें हिन्दी एक सेतु का काम करेगी. यह भी विचारणीय है कि भाषा एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर पूरी सावधानी से आगे बढ़ना होगा, क्योंकि यह महज सम्पर्क का मसला नहीं है. यह एक भावनात्मक मुद्दा भी है, जो पहचान से जुड़ा है. इसलिए भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में 'विविधता में एकता' के मूलमंत्र को हमें भाषा के सन्दर्भ में भी याद रखना होगा. ●●●

सामाजिक लेख

भारत में जन-आन्दोलन

✍ प्रो. नन्द लाल

गतांक से आगे :

महिला आन्दोलन
(Women's Movement)

भारतीय समाज के लगभग सभी वर्गों में महिलाओं की स्थिति प्रारम्भ से ही दोयम दर्जे की रही है. समाज की आधी आबादी होने के बावजूद हमेशा से व्यावहारिक धरातल पर आधारभूत अधिकारों से वंचित रही हैं. पुरुष-वर्चस्व हर काल में समाज की स्थायी सच्चाई रही है. इस पुरुष-वर्चस्व न महिलाओं को लगभग गुलामी का जीवन जीने को बाध्य किया है. महिला या नारीवादी आन्दोलन मूलरूप से पुरुष-वर्चस्व के सन्दर्भ में समानता का आन्दोलन है.

19वीं शताब्दी के प्रारम्भ से ही महिलाओं की परिस्थितियों और समस्याओं ने समाज-सुधारकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना शुरू कर दिया था. पितृ-सत्तात्मक समाज तथा धार्मिक एवं सामाजिक परम्पराओं के कारण महिलाओं के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार होता रहा.

महिला आन्दोलन की वैचारिकी का नारीवाद (Feminism) के रूप में सैद्धान्तीकरण किया गया है. नारीवाद की मुख्य मान्यता यह है कि पुरुषों द्वारा हमेशा ही महिलाओं का शोषण किया गया है. यह आन्दोलन **पितृतन्त्र** (Patriarchy) को सामाजिक व्यवस्था का प्रधान लक्षण मानता है. इसकी मान्यता है कि स्त्रियाँ ऐसा समूह हैं, जिनके हित पुरुषों के विरुद्ध हैं.

पुरुष की तुलना में महिलाओं की हीनतर स्थिति तो हमेशा से रही है, परन्तु प्राचीन और मध्यकालीन युग में इस हीनतर स्थिति के विरुद्ध महिला आन्दोलन का कोई संकेत नहीं मिलता है. ऐतिहासिक कारणों से, भारत का महिला आन्दोलन इस कदर पुरुष विरोधी नहीं रहा जैसाकि पश्चिम में देखने को मिलता है.

19वीं शताब्दी के प्रारम्भ में महिलाओं की स्थिति बहुत निम्न थी. वे कुरीतियों, पारम्परिक मान्यताओं और अन्धविश्वासों को झेलने के लिए विवश थीं. इन मान्यताओं में प्रमुख थी—बाल-विवाह, जौहर, सती प्रथा, देवदासी प्रथा, पर्दा प्रथा, पति के निधन पर सिर मुँड़वाना, साध्वी जीवन व्यतीत करना आदि. 19वीं शताब्दी में भारत में कई समाज-सुधार आन्दोलन हुए. इन आन्दोलनों में महिलाओं से सम्बन्धित मुद्दों को प्रमुख स्थान दिया गया. भारत के प्रमुख समाज सुधारक **राजा राममोहन राय** सबसे पहले समाज में व्याप्त कुरीतियों यथा बाल-विवाह, बहु-विवाह, धार्मिक कर्मकाण्ड, सती प्रथा आदि के विरुद्ध आवाज उठायी. **ईश्वर चन्द्र विद्यासागर** के प्रयासों के फलस्वरूप सन् 1856 में विधवा-पुनर्विवाह अधिनियम पारित हुआ. **ज्योति सावित्री बाई फूले** ने सत्य-साधक समाज की स्थापना की, जिससे समाज में दलितों और उच्च वर्ग की महिलाओं के बीच सम्पर्क बढ़ाया जा सके. आर्य समाज के संस्थापक **दयानन्द सरस्वती** ने धार्मिक कुरीतियों, जाति-प्रथा, बाल-विवाह, बहु-विवाह का विरोध किया.

उस समय की कुछ महिलाओं के कार्य भी उल्लेखनीय हैं, जिनमें प्रमुख रूप से पंडिता रमाबाई सरस्वती, सरला देवी चौधरानी, मुक्ताबाई, ताराबाई शिन्दे, सरोजनी नायडू आदि महिलाओं के नाम उल्लेखनीय हैं. **पण्डित रमाबाई** ने बम्बई प्रान्त के विभिन्न शहरों में अनेक महिला संस्थाओं की स्थापना की. रोजगार और शिक्षा की दृष्टि से **शारदा सदन** की शुरूआत की. **सरला देवी चौधरानी** ने **भारत स्त्री महामण्डल** की शुरूआत की. इन भारतीय महिलाओं के अतिरिक्त **एनी बेसेण्ट** तथा **सिस्टर निवेदिता** जैसी विदेशी मूल की महिलाओं ने भी महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया.

राष्ट्रीय आन्दोलन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही. इस सन्दर्भ में गांधीजी की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण रही. उन्होंने पहली बार महिलाओं की घर की चौखट से बाहर निकाला और उन्हें राष्ट्रीय आन्दोलन का हिस्सा बनाया. गांधीजी ने अहयोग, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आन्दोलन जैसे अहिंसक कार्यक्रम बनाए, जिनमें शामिल होना महिलाओं के लिए कठिन नहीं था.

सन् 1950 और 1960 के दशक में महिला आन्दोलन में कोई खास जीवन्तता देखने को नहीं मिलती. पहली बार 1970 के दशक में महिला आन्दोलन में मुखरता परिलक्षित होती है. इस अवधि में महिलाओं के आन्दोलन के स्वरूप में परिवर्तन देखने को मिलता है. यद्यपि इस बात पर विद्वान् एकमत नहीं हैं कि क्या इस परिवर्तन को आन्दोलन की संज्ञा दी जा सकती है ? फिर भी इस अवधि में महिलाओं पर हिंसा का जोर-शोर से उठाया जाने लगा तथा स्त्री-पुरुष समानता पर विमर्श होने लगा. **सुश्री इलाभट्ट** के नेतृत्व में सन् 1972 में **'महिला स्व-रोजगार संस्था'** 'SEWA' का निर्माण हुआ. इस संस्था का उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा, बाल सुरक्षा, स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ-साथ उन्हें स्व-रोजगार में सहायता करना था.

सन् 1973 में सुश्री **मृणाल गोरे** के नेतृत्व में **'महिला मोर्चे'** की स्थापना हुई, जिसने महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक जन-आन्दोलन का रूप ले लिया. गुजरात के 'नव-निर्माण आन्दोलन' और बिहार के **'जे.पी. आन्दोलन'** में महिलाओं की प्रभावशाली भागीदारी रही. इन सबसे बढ़ कर था, महाराष्ट्र के धुलिया जिले का **'शाहदा आन्दोलन'** जो भूमिहीन भील-जनजाति की महिला श्रमिकों द्वारा प्रारम्भ किया गया था. इसके तत्वावधान में महिलाओं ने अपने मुद्दों के सन्दर्भ में जनमानस को उद्वेलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह किया. सन् 1977 में महिलाओं द्वारा **'महिला दक्षता समिति'** की स्थापना की गई, जिसका मुख्य कार्य नव-विवाहित युवतियों की असामयिक मृत्यु की जाँच-पड़ताल करना था.

सन् 1980 के दशक की शुरूआत से ही महिला आन्दोलन ने महिलाओं के कल्याण के निमित्त समग्र तरीकों को अपनाना शुरू किया. केवल सामाजिक न्याय के मुद्दे से हटा कर महिलाओं से सम्बन्धित मुद्दों जैसे—स्वास्थ्य, रक्षा, परिवार नियोजन, बाल-विकास आदि की चर्चा की जाने लगी. सन् 1980 के बाद भारतीय महिला आन्दोलन को हिंसा के विरुद्ध सुरक्षा कवच के रूप में देखा जाने लगा. महिला समूहों के संघर्ष के परिणामस्वरूप एक कानूनी प्रावधान बनाया जाए, जिसमें महिलाओं के प्रति हिंसा को एक गम्भीर अपराध माना गया और इस अपराध के लिए भारतीय दण्ड संहिता की धारा 498-A के तहत् कार्यवाही करने का अधिकार दिया गया.

महिलाओं की माँग रही है कि स्त्री अधिकारों को मानवाधिकारों की सामान्य श्रेणी में स्थान दिया जाए. अवसर की समानता, लिंग के आधार पर हर प्रकार के भेदभाव की समाप्ति, समान कार्य के लिए समान वेतन आदि महिला आन्दोलन के परम्परागत मुद्दे रहे हैं. हाल के वर्षों में महिला आन्दोलन के लिए **महिलाओं के विरुद्ध हिंसा** का मुद्दा सर्वाधिक महत्वपूर्ण रहा है. महिलाओं के प्रति हिंसा हमारे समाज का शर्मनाक पहलू है. महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के कई रूप हैं—दहेज हत्या, भ्रूण हत्या, बलात्कार, कार्य-स्थल पर यौन-उत्पीड़न, छेड़छाड़ आदि.

naukaritak.com for Dec 2022

वर्तमान में महिला संगठन व्यवस्थापिका में 33% स्थान आरक्षित करने की बात कर रहे हैं. 73वें और 74वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा स्थानीय स्व-शासन की संस्थाओं में पहले ही 33% स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित किए जा चुके हैं.

राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन (Establishment of National Commission for Women)–राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम के तहत् सन् 1990 में राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन किया गया. इसमें अध्यक्ष, पाँच सदस्य तथा सदस्य-सचित होते हैं. ये सभी केन्द्र-सरकार द्वारा नामित होते हैं. इनका कार्यकाल 3 वर्ष होता है.

महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार द्वारा चलाई गई योजनाएं

स्वतन्त्रता के पश्चात् सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं चलाई गई हैं. इनमें से कुछ निम्नवत् हैं–

महिला शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम–*कस्तूरबा गांधी शिक्षा योजना (1997), मौलाना आजाद राष्ट्रीय छात्रवृत्ति (2003), कस्तूरबा गांधी विद्यालय योजना (2004) आदि.*

ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम–*काम के बदले अनाज योजना (1977), अन्त्योदय कार्यक्रम (1978), समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम (1980), महिलाओं हेतु प्रशिक्षण और रोजगार कार्यक्रम (1987), किशोरी शक्ति योजना (2001), महिला स्वयंसिद्ध योजना (2001), राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना (2005) आदि.*

महिला स्वास्थ्य सम्बन्धी योजनाएं–*राष्ट्रीय मातृत्व लाभ योजना (1997), स्वास्थ्य सखी योजना, किशोरी शक्ति योजना (2001), जननी सुरक्षा योजना (2003), जीवन भारती महिला सुरक्षा योजना (2003), राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (2005), भारत-निर्माण योजना (2006) आदि.*

आयोग के मुख्य कार्य एवं शक्तियाँ निम्नवत् हैं–

1. संविधान और विधियों के तहत् महिलाओं से सम्बन्धित समस्त मामलों का अन्वेषण और परीक्षण करना;

2. महिलाओं की दशा सुधारने हेतु उपायों के क्रियान्वयन हेतु सरकार को सुझाव देना;

3. संविधान एवं महिलाओं से सम्बन्धित विधियों के उल्लंघनकर्ताओं को सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत करना;

4. महिलाओं के प्रति विभेद एवं अत्याचार के मामलों का अन्वेषण करना;

5. महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक विकास हेतु योजनाओं में सहभागिता;

6. महिलाओं की प्रगति से सम्बन्धित उपायों की समीक्षा करना;

7. जेल, रिमाण्ड गृह, नारी निकेतन आदि में रहने वाली महिलाओं की स्थिति का अन्वेषण करना तथा उनका निरीक्षण करना;

8. महिलाओं से सम्बन्धित किसी मामले पर सरकार को रिपोर्ट देना; तथा

9. केन्द्र द्वारा सौंपे गए किसी अन्य मामले का अन्वेषण करना.

आयोग द्वारा अपनी वार्षिक रिपोर्ट केन्द्र सरकार को प्रेषित की जाती है. अधिनियम की धारा 16 के अनुसार महिलाओं से सम्बन्धित समस्त नीतिगत मसलों पर सरकार अवश्य आयोग से अनिवार्यतः परामर्श करती है.

भारत सरकार द्वारा सन् 1985 में **'महिला एवं बाल-विकास मंत्रालय'** (Ministry of Women and Child Development) की स्थापना की गई. जैसा कि नाम से भी स्पष्ट है, इस मंत्रालय का प्रमुख उद्देश्य महिलाओं और बच्चों का समग्र विकास करना है. इस मंत्रालय में इस उद्देश्य से 6 स्वायत्त संगठनों को शामिल किया गया है. ये हैं–राष्ट्रीय जन-सहयोग एवं बाल-विकास संस्थान, राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, केन्द्रीय दत्तक संसाधन एजेन्सी, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड और राष्ट्रीय महिला कोष.

जन-आन्दोलन प्रमुख रूप से राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन लाना होता है. सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन का आशय समाज की उस संरचना (व्यवस्था) अर्थात् मूल्य-व्यवस्था के साथ-साथ संस्थाओं, शक्ति-सम्बन्धों व सम्पत्ति-सम्बन्धों में गुणात्मक परिवर्तन लाने से है, जो प्रायः असमानता अन्य एवं शोषण पर आधारित होते हैं. **गेल ओमवेट** (Gail Omvet) ने अपनी पुस्तक 'रीइन्वेंन्टिंग रिव्युलेशन' (Re-inventing Revolution) में दर्शाया है कि सामाजिक असमानता, शोषण तथा संसाधनों का असमान वितरण जन-आन्दोलन के लिए विशेष चिन्ता के विषय होते हैं.

●●●

शेष पृष्ठ 88 का

- छत्रपति शिवाजी महाराज एवं सिख पंथ के दशम् गुरु एवं खालसा पंथ के संस्थापक गुरू गोविन्द सिंह जी, दोनों ही महापुरुषों को मौलिक संविधान में चित्रित किया गया है. दोनों ही महापुरुष भारत के मध्यकालीन इतिहास की अति महान् विभूतियाँ थीं. शिवाजी ने हिन्दू स्वराज की घोषणा की थी और गुरु गोविन्द सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना कर पंच ककार (केश, कच्छ, कड़ा, कंघा, कृपाण) के माध्यम से हिन्दू धर्म की रक्षा की थी. इन दोनों ही महान् पुरुषों का समय औरंगजेब के शासनकाल समय में था. खालसा पंथ को गुरु गोविन्द सिंह ने हिन्दू धर्म का ही एक अंग बताया था.
- दो चित्र टीपू सुल्तान और भारत की नारी शक्ति का प्रतीक वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के हैं. ये दोनों शक्तियाँ ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ खड़ी हुई थीं.
- अध्याय-17 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी का चित्र है, जो दाण्डी यात्रा के समय का है. अध्याय-18 पर महात्मा गांधीजी का नोवाखली में दंगाग्रस्त क्षेत्रों में शान्ति स्थापना के लिए भ्रमण करते हुए दर्शाया गया है.
- भारत की स्वतंत्रता हेतु क्रान्तिकारी आन्दोलन से सम्बन्धित और अगुवा नेताजी सुभाषचन्द्र बोस व अन्य के भी चित्र हैं, जिनमें तिरंगे झण्डे को नमन करते हुए नेताजी को दिखाया गया है. कुछ चित्र संविधान निर्माताओं की राष्ट्र भक्ति और उदार चरित्र को प्रदर्शित करते हैं,जिसमें स्वतंत्रता संग्राम की दो धाराओं के प्रति सम्मान का भाव प्रदर्शित होता है, जिनके प्रयास से हम ब्रिटिश दासता से मुक्त हुए और देश के लिए दिए जाने वाले बलिदान के भाव को चित्रित कर दर्शाया गया है.
- भारत के सुदूर उत्तरी भू-स्थल पर हिमालय के उत्तुंग शिखर हैं, जहाँ हमारे अगणित तीर्थस्थल कैलाश मानसरोवर, अमरनाथ आदि स्थित हैं. हिमालय का चित्र उस भू-स्थल की उत्तरी सीमा को भी प्रदर्शित करता है, जो हिमालय व हिन्दू कुश पर्वत से लेकर अरुणाचल की पूर्वी सीमा तक फैला हुआ है. भारत के मूल संविधान में अंकित ये चित्र राष्ट्रीय तत्व ज्ञान से प्रेरित हैं, जो आज भी राष्ट्रीय चेतना को जाग्रति करने में संलग्न हैं.

●●●

नवीन संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

उपकार

प्रेरक निबन्ध

Code No. 627
₹ 100·00

संकलन प्रतियोगिता दर्पण

उपकार प्रकाशन, आगरा–5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

भारतीय अपने देश की नागरिकता छोड़कर क्यों जा रहे हैं?

—रंजना मिश्रा

हाल ही में गृह मंत्रालय ने कुछ आँकड़े जारी किए थे. जिनमें बताया गया था कि वर्ष 2021 में करीब 1·6 लाख से अधिक भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ दी थी. वहीं वर्ष 2020 में लगभग 85 हजार, 256 लोगों ने नागरिकता छोड़ी थी और वर्ष 2019 में करीब 1·4 लाख से अधिक लोगों ने अपनी नागरिकता छोड़ दी थी. यानी हर वर्ष एक लाख से ज्यादा लोग भारत छोड़कर दूसरे देशों के नागरिक बनते जा रहे हैं. वैसे तो किसी भी देश के नागरिक को अपने देश पर गर्व होता है और भारत के नागरिकों को भी अपने भारतीय होने पर गर्व है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में लोगों में विदेशों की तरफ भागने का जुनून सवार हुआ है. वर्ष 2019, 2020 और 2021 में कुल 3,92,643 भारतीयों ने अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ दी है. भारत छोड़कर जाने वाले लोगों की पहली पसंद अमरीका है. 1,70,795 लोगों ने अमरीका जाकर वहाँ की नागरिकता ले ली है, यानी लगभग 40 प्रतिशत से अधिक लोगों ने अमरीका की नागरिकता प्राप्त कर ली है.

वहीं भारत छोड़कर जाने वालों की दूसरी पसंद कनाडा है. 64,071 लोगों ने कनाडा की नागरिकता ले ली है. इसके अलावा 58,391 लोगों ने ऑस्ट्रेलिया की, 35,435 लोगों ने यूनाइटेड किंगडम, 12,131 लोगों ने इटली की, 8,882 लोगों ने न्यूजीलैंड की, 7,046 लोगों ने सिंगापुर की, 6,690 लोगों ने जर्मनी की और 3,754 लोगों ने स्वीडन की नागरिकता ले ली है. नागरिकता किसी देश के नागरिक और उस देश के बीच वह औपचारिक सम्बन्ध है, जिसके कारण ही वह नागरिक अपने देश के प्रति और देश अपने नागरिक के प्रति उत्तरदायी होता है, किन्तु नागरिकता कोई स्थायी चीज नहीं है. कुछ विशेष परिस्थितियों के कारण लोग अपनी नागरिकता छोड़ भी सकते हैं या सरकार द्वारा उनकी नागरिकता छीनी भी जा सकती है. अलग-अलग देशों में नागरिकता छोड़कर पलायन करने के पीछे उन देशों की सामाजिक, आर्थिक स्थितियों के आधार पर भिन्न-भिन्न कारण हो सकते हैं. दुनिया भर के विकासशील और अल्प विकसित देशों के धनी लोग अवसरों की कमी के कारण और देश में बढ़ती आपराधिक दर के कारण अपने देश की नागरिकता छोड़ रहे हैं. क्योंकि बढ़ती अपराध दर के कारण उन्हें व्यापार करने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसकी वजह से वे अपने देश की नागरिकता छोड़कर दूसरे देशों में चले जाते हैं. विभिन्न देशों से लोगों के पलायन का एक प्रमुख कारण जलवायु परिवर्तन भी है. जलवायु सम्बन्धी आपदाओं में बढ़ोत्तरी होने के कारण लोग एक बेहतर स्थान की तलाश में रहते हैं. इसी के चलते लोग अपने देश की नागरिकता छोड़कर दूसरे देशों में चले जाते हैं.

लोगों के अपने देश की नागरिकता छोड़कर विदेशों में जाने का एक प्रमुख कारण 'गोल्डन वीजा' कार्यक्रम भी है. इस कार्यक्रम के तहत विदेशी नागरिक निश्चित मात्रा में किसी देश में निवेश करते हैं और इसी निवेश के आधार पर उन लोगों को नागरिकता प्रदान की जाती है. इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य धनी विदेशी लोगों को अपने देश में आकर्षित करना होता है. मौजूदा समय में दुनिया के कुछ देश गोल्डन वीजा कार्यक्रम को संचालित कर रहे हैं और इस आधार पर नागरिकता प्रदान कर रहे हैं. बीते कुछ समय में इस कार्यक्रम के तहत नागरिकता प्राप्त करने वाले लोगों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है.

अब सवाल उठता है कि आखिर ऐसा क्या है कि भारतीय अपने देश की नागरिकता छोड़ रहे हैं? भारत में स्वतंत्रता से पूर्व जो पलायन होता था, वो मुख्य तौर पर भारतीय नागरिकों को बंधुआ मजदूरी और गुलामी में फंसाकर औपनिवेशिक सरकार द्वारा अन्य देशों में भेजे जाने के कारण होता था और इसी कारण मॉरीशस, फिजी, दक्षिण अफ्रीका, त्रिनिदाद और सूरीनाम जैसे देशों में आज भी भारतीय नागरिकों यानी भारतीय प्रवासियों की संख्या काफी ज्यादा है. स्वतंत्रता के पश्चात यदि हम भारतीय नागरिकता को छोड़ने और पलायन के कारणों की बात करें तो उन कारणों में बेहतर नौकरी की तलाश और बेहतर काम की तलाश सबसे प्रमुख कारण माने जा सकते हैं. लोग भारतीय नागरिकता को छोड़कर विकसित देशों की नागरिकता ग्रहण कर रहे हैं, क्योंकि ये विकसित देश उन्हें बेहतर नौकरी के अवसर और बेहतर जीवन शैली प्रदान करते हैं. पलायन का एक कारण सुरक्षा को भी माना जाता है.

जानकारों का मानना है कि लोग भारत के माहौल से घबरा रहे हैं. उनमें अपने और अपने बच्चों के भविष्य को लेकर डर है. ये सुरक्षा की भावना सड़क पर चलने वाली बच्चियों के साथ हो रही बेहूदा घटनाओं से लेकर, नागरिकों के रोड एक्सीडेंट तक है. साथ ही नौकरियों का बड़ी संख्या में जाना और रोजगार की उचित व्यवस्था का न होना भी इसके प्रमुख कारण हैं. बिजनेस करने वाले छोटे और बड़े व्यापारियों को भी देश में अपने बिजनेस लायक माहौल व सुविधाओं की कमी खल रही है और इसीलिए वे विदेशों में जाकर व्यापार करने के इच्छुक रहते हैं. जानकारों का मानना है कि रहन-सहन या कहें कि जीवनशैली भी पलायन का एक मुख्य कारण है. असल में धनी लोगों को अमरीका, कनाडा, इंगलैण्ड, आस्ट्रेलिया और इटली जैसे देशों का लिविंग स्टैंडर्ड बेहतर दिखाई देता है और इसीलिए वे अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए, एक नए विकल्प के रूप में ऐसे देशों को चुन रहे हैं.

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था भी भारत से पलायन का एक बड़ा कारण है. भारत की शिक्षा व्यवस्था अभी उतनी अच्छी नहीं है, जितनी कि उन देशों में है, जहाँ भारतीय जाना ज्यादा पसंद करते हैं. अमरीका में भारतीय छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ रही है. 2020 के मुकाबले 2021 में इनकी संख्या 12 प्रतिशत बढ़ी और भविष्य में और भी बढ़ने का अनुमान है. जानकारों का मानना है कि बेहतर पढ़ाई, कॅरियर और आर्थिक सम्पन्नता के कारण भारत से लोग विदेशों का रुख करते हैं. पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले छात्रों में से करीब 70, 80 प्रतिशत युवा वापस भारत नहीं लौटते. कॅरियर और अच्छे भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए वे विदेशों में ही बस जाते हैं.

अधिकतर माँ-बाप एजुकेशन लोन लेकर अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए विदेश भेजते हैं और बच्चों की वहाँ पढ़ाई पूरी होने पर बेहतर जॉब लग जाती है, जिससे वे जल्द से जल्द एजुकेशन लोन चुका देते हैं और एक बड़ी सैलरी के साथ विदेश में बेहतर लाइफस्टाइल के साथ जीवन गुजारते हैं. ऐसे में वे अपने देश वापस नहीं आना चाहते और विदेशों में ही बस कर रह जाते हैं. भारत की स्वास्थ्य सेवाएं भी अभी उतनी बेहतर नहीं हैं, जितनी इन बड़े देशों की हैं. इलाज के लिए धनी लोग ही बाहर जा पाते हैं, लेकिन यदि कोई व्यक्ति उन देशों की नागरिकता ग्रहण कर लेता है तो उसे बढ़िया इलाज की व्यवस्था सुलभ हो जाती है. इसीलिए

लोग ऐसे देशों में रहना पसंद करते हैं, जहाँ की स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हों. भारत में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी का है. पंजाब, दिल्ली, हरियाणा के ज्यादातर लोग कनाडा का रुख करते हैं, जबकि यूपी-बिहार के लोग खाड़ी देशों में जाना ज्यादा पसंद करते हैं. 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी' के मुताबिक पिछले 6 वर्ष में से 5 वर्ष देश की बेरोजगारी दर अन्तर्राष्ट्रीय दर से ज्यादा रही है, इसमें कोरोना की भी बड़ी भूमिका रही है और वैसे भी बेरोजगारी तो हमारे देश की एक बड़ी समस्या है ही. लेकिन इन सभी समस्याओं के बावजूद देश की सरकार और देश के नागरिकों को मिलकर ही इन समस्याओं का समाधान ढूँढ़ना है. केवल अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपना देश छोड़ना कतई सही नहीं है. फिर भी यदि वे किसी कारणवश विदेशों में भी रहते हैं, तो भी यही प्रयास रहना चाहिए कि किस तरह से अपने देश को अधिक-से-अधिक लाभ पहुँचाया जा सके. देश को विकासशील बनाने में देश की सरकार के साथ-साथ देश के नागरिकों की भी अहम भूमिका होती है.

यदि हमारे देश की अच्छी-अच्छी प्रतिभाएं देश से बाहर ही चली जाएंगी तो हमारा देश किस बल पर उन्नति कर पाएगा. इसलिए सरकारों को भी इसके लिए देश में युवाओं को उचित अवसर और अच्छी शिक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने का प्रयास करना चाहिए. अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं देना, नागरिकों को देश में भय रहित माहौल देना और उनके अच्छे जीवन और अच्छे भविष्य के लिए अधिक से अधिक व्यवस्थाएं करना प्रत्येक सरकार की जिम्मेदारी होती है. साथ ही नागरिकों को भी अपने दायित्वों को कभी नहीं भूलना चाहिए. उन्हें अपने निजी स्वार्थों को छोड़कर देश के बारे में सोचना चाहिए. हम सब के समुचित प्रयास से ही भारत फिर से अपना पुराना गौरव प्राप्त करने में सफल होगा.

भारतीय संविधान में दोहरी नागरिकता की व्यवस्था नहीं की गई है, यानी भारतीय संविधान के अनुच्छेद 9 के मुताबिक, यदि कोई व्यक्ति अपनी स्वेच्छा से किसी दूसरे देश की नागरिकता प्राप्त कर लेता है तो उस व्यक्ति की भारतीय नागरिकता स्वचालित तरीके से समाप्त हो जाती है. हालांकि भारत सरकार द्वारा भारतीय प्रवासियों की दिक्कतों को देखते हुए 'ओवरसीज सिटीजनशिप ऑफ इंडिया' यानी ओसीआई कार्ड की व्यवस्था शुरू की गई है. ओसीआई कार्ड उन लोगों को जारी किया जा सकता है जो लोग 15 अगस्त, 1947 को या तो भारतीय नागरिक थे या फिर भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए पात्र थे, लेकिन इस व्यवस्था के तहत पाकिस्तान और बांग्लादेश के लोगों को ओसीआई कार्ड जारी नहीं किया जा सकता. आमतौर पर ओसीआई कार्ड दोहरी नागरिकता जैसी व्यवस्था है लेकिन कानूनी तौर पर इसे दोहरी नागरिकता नहीं माना जा सकता, क्योंकि ओसीआई कार्ड धारकों को भारतीय नागरिकों की तुलना में कम अधिकार प्राप्त होते हैं. उदाहरण के तौर पर, ओसीआई कार्ड धारक भारत में वोट देने के अधिकारी नहीं होते. नागरिकता अधिनियम 1955 के तहत नागरिकता छोड़ने या नागरिकता समाप्त होने की तीन विधियाँ प्रदान की गई हैं. जिसमें पहली विधि है स्वैच्छिक त्याग, यानी कोई व्यक्ति अपनी वैध आयु प्राप्त कर लेने पर अपनी इच्छा के अनुसार भारतीय नागरिकता को छोड़ सकता है, लेकिन यदि कोई व्यक्ति अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ता है तो उसके नाबालिग बच्चों की नागरिकता भी अपने आप समाप्त हो जाएगी. हालांकि जब वे नाबालिग बच्चे अपनी वैध आयु प्राप्त कर लेंगे तो वे भारत की नागरिकता के लिए अप्लाई कर सकते हैं.

दूसरी विधि है स्वचालित समाप्ति, यानी यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से किसी दूसरे देश की नागरिकता ग्रहण करता है तो उसकी भारतीय नागरिकता अपने आप समाप्त हो जाएगी. तीसरी विधि है सरकार द्वारा वंचित. सरकार द्वारा किसी व्यक्ति को नागरिकता से वंचित किए जाने के बारे में इस अधिनियम में स्थितियों का जिक्र किया गया है. अगर कोई व्यक्ति धोखे से नागरिकता प्राप्त कर लेता है तो सरकार उसकी नागरिकता को समाप्त कर सकती है. यदि कोई व्यक्ति भारतीय संविधान का अनादर करता है तो सरकार उसकी नागरिकता छीन सकती है. यदि कोई व्यक्ति युद्ध के दौरान दुश्मन देश के साथ व्यापार या संचार करता है तो भी सरकार उस व्यक्ति की नागरिकता समाप्त कर सकती है. यदि किसी व्यक्ति को नागरिकता पाने के 5 वर्ष के भीतर कम से कम 2 वर्ष की सजा हो जाए तो भी सरकार उस व्यक्ति की नागरिकता को समाप्त कर सकती है. इसके अलावा यदि कोई व्यक्ति लगातार 7 वर्ष से ज्यादा भारत से बाहर रहे, तब भी सरकार उस व्यक्ति की नागरिकता छीन सकती है. ●●●

उपकार

उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

सब-इंस्पेक्टर पुलिस

भर्ती परीक्षा

(समूह 'ग')

अति-विशिष्ट अध्ययन सामग्री के साथ

☞ उत्तराखण्ड सामान्य ज्ञान
☞ सामान्य ज्ञान
☞ राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
☞ सामान्य विज्ञान
☞ सामान्य हिन्दी
☞ सामान्य बुद्धि एवं तर्कशक्ति परीक्षा

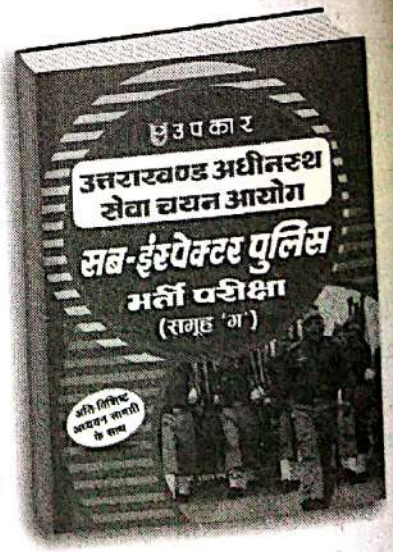

Code 667 ₹ 280.00

उपकार प्रकाशन, आगरा-5 | • E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.i

बायोडीजल पादप-जैव ईंधन

–डॉ. नवीन कुमार बौहरा

जीवाश्म ईंधन की बढ़ती खपत से राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर पर्यावरणीय समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं. (एएएमए 1998) 21वीं शताब्दी में तेजी बढ़ते औद्योगिकीकरण, शहरीकरण एवं जनसंख्या वृद्धि के कारण भारत में ही नहीं, विश्व भर में माँग एवं सप्लाई के बीच अन्तर लगातार बढ़ रहा है. (बीपी 2005) नीति निर्माता, औद्योगिक प्रतिनिधि, शिक्षाविद् एवं नागरिक सभी एक स्वर में इस समस्या के निदान हेतु जैव ईंधन के उपयोग हेतु सहमत हैं. वे जैव ईंधन को उच्च मूल्य वाले पेट्रोलियम के विकल्प के रूप में समर्थन देते हुए तर्क देते हैं कि यह ऊर्जा आपूर्ति के स्रोत की विविधता देने के साथ उपभोक्ताओं के बोझ को कम करने में सहायक है.

परिचय–भारत पेट्रोलियम की सांख्यकीय समीक्षा के अनुसार वर्तमान में दुनिया में 86 मिलियन बैरल तेल प्रतिदिन उपभोग करती है तथा 2030 तक तरल ईंधन की माँग वर्तमान दर के अनुसार बढ़कर 1118 मिलियन बैरल तक हो जाएगी (बीपी 2008) कुल ऊर्जा खपत के मामले में भारत दुनिया में 5वाँ सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है (डेविस एससी 1997) कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के मामले में भारत का उत्सर्जन आज लगभग 1·1 टन प्रति वर्ष है, जोकि विश्व की औसत का लगभग 1/6 वाँ भाग है. इन सभी आँकड़ों के बीच 2001 के आँकड़ों के अनुसार यह सत्य है कि भारत की 50% जनसंख्या आज भी बिजली से महरूम है (सर्वे 2001) इन सभी तथ्यों को मद्देनजर रखते हुए तथा गरीबों तक ऊर्जा पहुँचाने के लक्ष्य के साथ-साथ भारत में बड़े अक्षय संसाधनों की उपलब्धता को ध्यान में रखकर एक नियोजित तरीके से कार्य करने की आवश्यकता है. (एमओसी 2004).

दुनिया गैर-अक्षय ऊर्जा संसाधनों जिसे लोकप्रिय रूप में 'पीक ऑयल' कहते है, को कम करने की दिशा में कार्यरत् है, जबकि ऊर्जा की माँग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. इस प्रकार लगातार बढ़ते ऊर्जा संकट के कारण सरकार एवं निजी ऊर्जा संकट के कारण सरकार एवं निजी उद्योग, वैकल्पिक ऊर्जा संसाधनों की तलाश में है. कोयला एवं यूरेनियम जैसे ऊर्जा के गैर-अक्षय स्रोत सीमित मात्रा में है तथा भविष्य में इनके भण्डार में लगातार कमी आएगी. इस परिस्थिति में जैव ईंधन वर्तमान युग में एक सरल एवं आसान विकल्प के रूप में आता है. यह पौधे, तेल, शैवाल आदि स्रोतों से प्राप्त हो सकता है.

जैव ईंधन–सन् 1885 में रूडोल्फ डीजल ने सर्वप्रथम डीजल ईंधन का निर्माण किया था. बायोडीजल वस्तुतः डीजल के विकल्प या योजक के रूप में प्रयुक्त किया जा सकता है तथा यह विभिन्न पादपों से यथा सूरजमुखी, केनोला, जेट्रोफा आदि से प्राप्त तेल एवं वसा से प्राप्त किया जा सकता है. यह एक वैकल्पिक ईंधन है जिसका उपयोग डीजल इंजन में किया जा सकता है तथा इससे पारम्परिक डीजल की तरह बिजली/ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है. जैव ईंधन तेल/बीज वाले पौधों तथा सरसों, सुरजमुखी, केनोला, जेट्रोफा आदि से उत्पादित किया जा सकता है.

नवीन शोध तकनीकों तथा अग्रिम शोध प्रयोगों द्वारा दूसरी पीढ़ी के जैव ईंधन का विकास किया जा रहा है जिसमें लागत कम हो तथा उत्पादन अधिक हो सके. कुछ जैव ईंधन स्रोत हैं–शैवाल, केमोलिना (केलोफिलम इनोफिलम), कास्टर बीज/अरण्डी (रिसिनस कोम्युनिस), तुम्बा (सिट्रूलस कोलोसिन्थिस), फ्लैक्स, जोजोबा (साइमोनडिया चाइनेनसिस), जीरस ऐलम आरटीचोक (टैलिएन्थस ट्यूबरोसस), केनाफ, करंज (पोंगामिया पिन्नेटा), कोकम (गारसीनिया इंडिका), सहजन (मौरिंगा ओलीफेरा), महुआ (मधुका इंडिका), नीम (ऐजाडिरेक्टा इंडिका) एवं सिमारूबा (सिमारूबा ग्लुएका) आदि. इस प्रकार प्राप्त जैव ईंधन पेट्रोलियम ईंधन के सम्भावित नवीकरणीय एवं कार्बन निष्क्रिय विकल्प के रूप में प्रयुक्त हो सकता है. वस्तुतः तेलीय फसलों तथा अवशिष्ठ खाना पकाने वाले तेल तथा पशु वसा से प्राप्त ईंधन, मौजूदा माँग के एक छोटे से भाग को सन्तुष्ट करने में भी सक्षम नहीं है अतः पेट्रोलियम के विकल्पों की महत्ता बढ़ती जा रही है.

शैवाल जैव ईंधन के रूप में–शैवाल को जैव ईंधन के अक्षय स्रोत के रूप में वैश्विक स्तर पर महत्व मिला है तथा ये देश के आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं. विभिन्न प्रकार के नील हरित एवं हरे शैवाल बायोडीजल के रूप में प्रयुक्त हो सकते हैं. सूक्ष्म शैवाल का बायोडीजल के रूप में दोहन करने हेतु कार्य किया जा रहा है.

सूक्ष्म शैवाल सूरज की रोशनी से संचालित कोशिका कारखाने हैं, जो कार्बन डाइऑक्साइड को सम्भावित जैव ईंधन खाद्य, जानवरों के खाद्य एवं उच्च क्षमता के जैव सक्रिय पदार्थों में बदल देते हैं. इसके अतिरिक्त ये बायोरेमिडिएशन एवं नत्रजन स्थिरीकरण जैव उर्वरक के रूप में भी सहायक होते हैं. सूक्ष्म शैवाल विभिन्न प्रकार के अक्षय जैव ईंधन प्रदान करते हैं. वे शैवाल के अनोक्सी पाचन द्वारा मेथेन उत्पन्न करते हैं. (स्पोलेओर एवं अन्य 2006)

सूक्ष्म शैवाल कई प्रकार के अक्षय जैव ईंधन उत्पादित करते हैं तथा मेथेन जिसका उत्पादन शैवाल के जैव भार के अनॉक्सी पाचन द्वारा होता है. जैव ईंधन सूक्ष्म शैवाल के तेल द्वारा तथा प्रकाशीय जैविक रूप से प्राप्त जैव हाइड्रोजन के रूप में भी प्राप्त होते हैं.

सूक्ष्म शैवालों से प्राप्त तेल की मात्रा

क्र. सं.	सूक्ष्म शैवाल	तेल की मात्रा (प्रतिशत शुष्क भार)
1.	ब्रोट्रियोकोकस बाऊनी	25–75
2.	क्लोरेला प्रजाति	28–32
3.	क्रिप्थाकोडिनियम चन्नी	20
4.	सिलेन्ड्रोथिका प्रजाति	16–37
5.	डूनलिएला प्रिमोलेक्टा	23
6.	आइसोक्राइसिस प्रजाति	25–33
7.	मोनालैथस सेलिन	20 से अधिक
8.	नेनोक्लोरिस प्रजाति	20–35
9.	निओक्लोरोपासिस प्रजाति	31–68
10.	निओक्लोरिस ओलिओएबुएनडेन्स	35–54
11.	निट्जशिआ प्रजाति	45–47
12.	फिओडेक्आईलम ट्राइकोरनुटम	20–30
13.	साइजोकाइट्रियम प्रजाति	50–77
14.	ट्रेटासेलामिस सुईस	15–23

जैव डीजल उत्पादन में प्रयोग किए जाने वाले शैवाल आमतौर पर जलीय एक कोशिका हरे शैवाल होते हैं. ये शैवाल प्रकाश संश्लेषक होते है तथा उच्च वृद्धि पर एवं उच्च आबादी घनत्व वाले होते हैं. अनुकूल परिस्थितियों में यह हरे शैवाल 24 घण्टे से भी कम समय में अपने जैव भार को दोगुना कर सकते हैं. इन शैवालों की वार्षिक उत्पादकता एवं तेल की मात्रा, बीजीय फसलों से कही अधिक होती है. एक अनुमान के अनुसार सोयाबीन से 450 लिटर तेल प्रति हेक्टेयर प्राप्त कर सकते हैं, जबकि केनोल से 1,200 लिटर/हेक्टेयर एवं पाम से 6,000 लिटर/हेक्टेयर तेल प्राप्त कर सकते हैं. इनकी अपेक्षा शैवाल से 90,000 लिटर तेल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त किया जा सकता है.

शैवाल से जैव ईंधन प्राप्त करने के अनेक लाभ हैं. इनकी खेती हेतु कृषि भूमि की आवश्यकता नहीं होती है तथा न ही वे कृषि भूमि की फसलों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं शैवाल के कृषिकरण हेतु शुद्ध पानी/नमकीन

पानी अथवा समुद्री पानी से 2 गुणा तक लवण वाला पानी प्रयुक्त किया जा सकता है. शैवालों से तेल निकालने के पश्चात् शेष जैवभार अंश का उपयोग जानवरों हेतु उच्च प्रोटीन मात्रा वाले खाद्य के रूप में प्रयुक्त किया जा सकता है.

जैव ईंधन में जैव भार/शैवाल—जैव भार से जैव ईंधन प्राप्त करने में कई समस्याएं भी हैं. जैव भार के स्रोतों तथा अपशिष्ठ तेल, जानवरों की चर्बी तथा वनस्पति तेलों की मात्रा सीमित है तथा ये स्रोत खाद्य एवं कॉस्मेटिक उत्पादों में भी प्रयुक्त होते हैं. इन स्रोतों की अन्य उपयोगों से प्रतिस्पर्धा भी है तथा कृषि भूमि पर उगाए जाने के कारण महँगे साबित हुए हैं. हरित शैवाल से प्राप्त ईंधन से अधिक मात्रा/आयतन के कारण इनकी प्रभावी कीमत कम आती है. यह कार्बन तटस्थ है तथा अपेक्षाकृत कम क्षेत्र में उगाए जा सकते हैं.

1. करंज (पोंगामिया पिलाटा) से बायोडीजल—करंज जिसे वानस्पतिक भाषा में पोंगामिया पिलाटा अथवा डेरिस इंडिका कहते हैं, कुल लैग्युमिनेसी का पादप है जिसके बीजों में तेल तथा वसीय अम्ल होते हैं जिनसे जैव ईंधन प्राप्त कर सकते हैं. यह 40 फीट की ऊँचाई तक का हो सकता है तथा तेजी से बढ़ने वाला हमेशा हरा रहने वाला वृक्ष है. इसकी शीर्ष व्यापक फैलाव लिए होती है. इसके पुष्प बैंगनी या गुलाबी रंग के होते हैं तथा वर्ष-भर आते हैं. इसके फलों में भूरे रंग के बीज होते हैं. यह 0 डिग्री से.ग्रे. से 50 डिग्री से.ग्रे. तक तापमान एवं 50–250 मिली तक वर्षा वाले क्षेत्रों में हो सकता है. इस वृक्ष को रेतीली एवं चट्टानी मिट्टी वाले क्षेत्रों में उगाया जा सकता है. यह एक नत्रजन स्थिरीकरण वाला वृक्ष है तथा इसके बीजों में 38–42 प्रतिशत तक तेल होता है. इसके तेल का उपयोग साबुन बनाने में, दीपक के तेल के रूप में तथा स्नेहक के रूप में कई वर्षों से प्रयुक्त किया जा रहा है. यह सीमांत तथा अपक्षरित भूमि पर भी उगाया जा सकता है. इसका तेल, अन्य फसलों की तुलना में अधिक गुणवत्ता वाला होता है. यह एक अखाद्य तेल स्रोत है तथा इसकी अन्य खाद्य तेल वाली फसलों से प्रतिस्पर्धा नहीं है. स्वयं नत्रजन स्थिरीकरण वृक्ष होने के कारण इसके लिए उर्वरकों की न्यूनतम मात्रा आवश्यक होती है. पोंगामिया पिन्नेटा को इसी कारण दूसरी पीढ़ी का जैव ईंधन के रूप में दोहन किया जा सकता है.

2. मोरिंगा ओलिफेरा (सहजन) जैव ईंधन के रूप में—यह बहुत तेजी से बढ़ने वाला वृक्ष है तथा पौधरोपण के 1 वर्ष में 4 मीटर तक ऊँचाई तक पहुँच सकता हैं. इसमें पहले वर्ष से ही फल आने लगते हैं. इसके काले एवं पंखयुक्त बीजों में पाए जाने वाले तेल का उपयोग जैव ईंधन के रूप में हो सकता है.

सहजन से 3 टन तेल/हेक्टेयर तक प्राप्त किया जा सकता है. जिसे भोजन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है. इसके बीजों में 30-40 प्रतिशत तक तेल होता है जिसमें ओलिइक अम्ल की अधिकता होती है. सहजन से प्राप्त बायोडीजल से अन्य फसलों से बने बायोडीजल की अपेक्षा अधिक स्थिर ऑक्सीकरण होता है. बहुउद्देशीय होने के कारण यह किसानों को आकर्षित करता है. इससे बहुत अधिक मात्रा में जीव उत्पन्न होते हैं जिसके कारण इनका उपयोग बायोडीजल के अतिरिक्त पौष्टिक खाद्य के रूप में भी किया जा सकता है. इसके अतिरिक्त इसके औषधीय उपयोग भी हैं तथा इसका सत्व डाई (रंजक) के रूप में प्रयुक्त होता है. मोरिंगा ओलीफेरा (सहजन) एक कठोर वृक्ष है तथा यह विपरीत परिस्थितियों को सहन कर सकता है. इसका प्रयोग खाद्य फसल से साथ-साथ बायोडीजल के लिए भी किया जा सकता है. इसका अन्य खाद्य स्रोत एवं ईंधन के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा नहीं है.

3. सीमारूबा ग्लूएका—यह एक तेजी से बढ़ने वाला एवं विभिन्न प्रकार की जलवायु में पाए जाने वाला वृक्ष है. यह मध्य तथा दक्षिण अमरीका के वनों में पाई जाने वाली महत्वपूर्ण पादप प्रजाति है. राष्ट्रीय पादप आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो द्वारा महाराष्ट्र के अमरावती जिले में 1960 में इसे लगाया गया था. इसे 1986 में कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय बंगलौर में लगाया गया तथा 1992 से इस पादप पर व्यवस्थित अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम शुरू किया गया. सीमायूऐवा ग्लूएका डीसी (स्वर्ग का वृक्ष, लक्ष्मीतरू आदि उपनाम) एक बहुउद्देशीय वृक्ष है, जो विभिन्न प्रकार की विपरीत पारिस्थितिक स्थितियों में उग सकता है. दीर्घकालीन लाभ के लिए अक्षय जैव ईंधन स्रोत के रूप में तथा विश्व की खाद्य, औद्योगिक तथा जैव ईंधन की जरूरतों को पूर्ण करने के लिए इस उच्च उत्पादकता वाले तेलीय बीज पादप की खेती की जा सकती है. यह सीमान्त, बंजर भूमि में भी उगाया जा सकता है तथा इसकी खेती द्वारा किसानों, कारीगरों, फार्मासिस्ट आदि को रोजगार मिल सकता है. यह एक बेहतर जैव ईंधन पादप है.

4. सिदूलस कोलोसिन्थिस (तुम्बा)—सामान्य रूप से तुम्बा एक वानस्पतिक नाम सिदूलस कोलोसिन्थिस पादप उष्णकटिबंधीय अफ्रीका एवं भारतीय मूल का पादप है. यह अत्यधिक सूखा सहिष्णु, वर्षक या बहुवर्षी पादप है. हर पादप 15–30 फल पैदा करता है, जो हरे होते हैं तथा शुष्क होने पर पीले हो जाते है. इसके बीज परिपक्व होने पर छोटे एवं भूरे रंग के होते है. इसका बीज तेल एवं प्रोटीन से समृद्ध होता हैं. इसका प्रयोग तेलीय पादप के रूप में किया जा सकता है तथा इसका तेल सूरजमुखी के तेल के समान गुणों वाला होता है. इसका उपयोग भविष्य में दूसरी पीढ़ी के जैव ईंधन के रूप में किया जा सकता है.

5. रिसिनस कम्युनिस (अरंडी)—जैव ईंधन के रूप में सामान्य भाषा में अरंडी एवं वानस्पतिक रूप में रिसिनस कम्युनिस नामक पादप को शुष्क एवं अर्द्धशुष्क क्षेत्रों में उगाया जा सकता है. इससे 350–900 किलोग्राम तक तेल प्रति हेक्टेयर प्राप्त किया जा सकता है. इसका उपयोग औषधीय रूप में, सौन्दर्य प्रसाधनों के साथ-साथ पेट्रोलियम पदार्थों के विकल्प के रूप में किया जा सकता है. अन्य खाद्य फसलों की तुलना में उच्च एवं निम्न दोनों प्रकार के तापमान को सहन करने की इसकी क्षमता इसको महत्वपूर्ण पादप बनाती है. इसे उपजाऊ भूमि पर उगाया जा सकता है तथा कार्य लागत खर्च में इससे अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है. इसका उपयोग भविष्य में जैव ईंधन के वैकल्पिक स्रोत के रूप में किया जा सकता है.

6. जोजोबा (साइमोन्डसिया चाइनेनसिस)—यह एक नवीन तेलीय औद्योगिक रूप से महत्वपूर्ण फसल है. इसे जोजोबा (वानस्पतिक नाम—साइमोन्डसिया चाइनेनसिस) के नाम से जाना जाता है. इससे जोजोबा तेल निकलता है जिसका उपयोग सौन्दर्य प्रसाधनों में, औषधीय रूप में एवं खाद्य उत्पादों के साथ-साथ मोटर वाहन उद्योग में स्नेहक के रूप में होता है. इसके अतिरिक्त यह अक्षय ऊर्जा स्रोत के रूप में भी प्रयुक्त किया जा सकता है. जोजोबा के बीजों में आयतन के अनुसार 50 प्रतिशत तक तेल होता है.

यह मूलतः दक्षिणी कैलिफोर्निया एवं मैक्सिको के अर्द्धशुष्क क्षेत्रों का पादप है तथा वर्तमान में भारत में राजस्थान तथा इजरायल में इसका कृषिकरण किया जा रहा है. यह सूखा प्रतिरोधी फसल है तथा सीमांत भूमि में किसी भी मौजूदा फसलों को बदले बिना उगाया जा सकता है. इसकी परिपक्व झाड़ी 15 फीट तक ऊँची हो सकती है तथा इसका जीवनकाल 100–150 वर्ष तक हो सकता है व जैव ईंधन के रूप में यह एक उपयोगी स्रोत है. यह जलाने पर बहुत अधिक ऊर्जा उत्पन्न करता है. भविष्य में जैव ईंधन के वैकल्पिक रूप में इसका उपयोग किया जा सकता है.

7. महुआ (मधुका इंडिका)—महुआ (वानस्पतिक नाम मधुका इंडिका) एक उपयोगी अखाद्य तेल स्रोत वाला वृक्ष है. यह मध्य भारत के कबाइली क्षेत्रों में विशेषकर मिलता है. इसके पुष्प मीठे एवं स्वादिष्ट होते हैं जिन्हें खाया जाता है. इसके बीजों से प्राप्त वसा जिसे महुआ मक्खन कहते हैं, का उपयोग खाने में एवं घी (मिलावटी) बनाने में होता है. इसके अतिरिक्त यह गठिया एवं कब्ज में इलाज में प्रयुक्त होता है. महुआ का केक कीटाणुनाशक होता है तथा मछली पकड़ने में भी काम आता है. फरवरी-अप्रैल के मध्य में इसके फूल आते हैं तथा यह ऐल्कोहॉल के किण्वन के लिए प्रयुक्त होता है. महुआ के फलों में से प्राप्त बीजों में लगभग 50 प्रतिशत तक तेल होता है तथा इसका उपयोग जैव ईंधन के रूप में किया जा सकता है. ●●●

आईएनएस विक्रांत : समुद्री सीमाओं का स्वदेशी रक्षा कवच

—योगेश कुमार गोयल

इतिहास के पन्नों पर 2 सितम्बर की तारीख भारतीय नौसेना के लिए स्वर्णाक्षरों में अंकित हो जाएगी, क्योंकि 2 सितम्बर, 2022 को नौसेना को स्वदेश में निर्मित देश का अपना पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर मिल गया है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के इस पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत को नौसेना को सौंप दिया गया है. इस मौके पर उन्होंने नए नौसेना ध्वज का भी अनावरण किया, जो छत्रपति वीर शिवाजी को समर्पित है, जिनकी समुद्री ताकत से दुश्मन काँपते थे. नए ध्वज के बारे में प्रधानमंत्री का कहना है कि नौसेना के झंडे पर अभी तक गुलामी की तस्वीर थी, जिसे अब हटा दिया गया है और नया ध्वज नौसेना के बल और आत्मसम्मान को बल देगा. इसमें पहले नौसेना के ध्वज में लाल क्रॉस का निशान होता था, जिसे हटाते हुए ध्वज में अब बाईं ओर तिरंगा तथा दाईं ओर अशोक चक्र का चिह्न अंकित किया गया है और इसके नीचे लिखा है 'शं नो वरुण:' यानी वरुण हम सबके लिए शुभ हों.

आईएनएस विक्रांत के समुद्र में जलावतरण के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी का इस विमानवाहक पोत के बारे में कहना था कि यह सशक्त भारत की शक्तिशाली तस्वीर है और यह बताता है कि मन में ठान लो तो कुछ भी असम्भव नहीं है. दरअसल एक ओर जहाँ भारत का चीन के साथ लम्बे समय से सीमा विवाद जारी है, वहीं दूसरी ओर रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से वैश्विक स्तर पर तेजी से समीकरण बदल रहे हैं, ऐसे में भारत के लिए रक्षा के हर मोर्चे पर ताकतवर बनना आज समय की सबसे बड़ी माँग है और कहना गलत नहीं होगा कि नौसेना के बेड़े में आईएनएस विक्रांत के शामिल होने के बाद समंदर में भारत की ताकत में कई गुना वृद्धि हो गई है. विक्रांत को लेकर प्रधानमंत्री का कहना है कि आईएनएस विक्रांत ने भारत को नए भरोसे से भर दिया है और यह न केवल भारत के लिए खास है, बल्कि गौरवमयी भी है और यह केवल एक वारशिप नहीं है, बल्कि समंदर में तैरता शहर है, जो 21वीं सदी के भारत के कठिन परिश्रम, कौशल और कर्मठता का प्रमाण है.

स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत का निर्माण कर भारत आज उन देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो अपनी तकनीक से ऐसे बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर बना सकते हैं. भारत से पहले यह क्षमता दुनिया के केवल 5 देशों अमरीका, रूस, चीन, फ्रांस और इंगलैण्ड में ही थी. भारत के पहले विमानवाहक पोत का नाम आईएनएस विक्रांत था और उसी को श्रद्धांजलि देने के लिए ही भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत का नाम भी 'आईएनएस विक्रांत' ही रखा गया है. पुराना आईएनएस विक्रांत ब्रिटेन से खरीदा गया युद्धपोत था, जिसे भारतीय नौसेना में 4 मार्च, 1961 में कमीशन किया गया था, जिसने 1971 की जंग में अपने सीहॉक लड़ाकू विमानों से बांग्लादेश के चिटगाँव, कॉक्स बाजार और खुलना में दुश्मन के ठिकानों को तबाह कर दिया था. 31 जनवरी, 1997 को उसे नौसेना से रिटायर कर दिया गया था और 25 वर्ष से भी ज्यादा लम्बे अंतराल के बाद एक बार फिर से आईएनएस विक्रांत का पूर्ण स्वदेशी अवतार में पुनर्जन्म हुआ है.

आईएनएस विक्रांत वास्तव में स्वदेशी सामर्थ्य, स्वदेशी संसाधन और स्वदेशी कौशल का प्रतीक है. ₹ 20,000 करोड़ की लागत से 76 प्रतिशत स्वदेशी उपकरणों से निर्मित दो फुटबाल ग्राउंड के बराबर आईएनएस विक्रांत मौजूदा समय में देश का दूसरा एयरक्राफ्ट कैरियर है. इससे पहले विदेश से खरीदा गया आईएनएस विक्रमादित्य नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल है. आईएनएस विक्रांत 20 मिग-29 फाइटर जेट्स ले जाने में सक्षम है और यह हिन्द महासागर में भारतीय नौसेना का दबदबा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. इस एयरक्राफ्ट कैरियर की स्ट्राइक रेंज 1,500 किलोमीटर है, जबकि इसकी सेलिंग रेंज 15,000 किलोमीटर है. यह दुश्मन के एयरक्राफ्ट्स, मिसाइलों और फाइटर जेट्स को मार गिराने की अद्भुत क्षमता रखता है. 1·1 लाख हॉर्सपावर की ताकत देने के लिए इसमें जनरल इलेक्ट्रिक टरबाइन लगाए गए हैं. आईएनएस विक्रांत में 14 डेक्स का निर्माण किया गया है, जिनमें विमानों के साथ ही 1,700 से ज्यादा क्रू मेंबर्स की तैनाती की जा सकती है. इस एयरक्राफ्ट कैरियर में मैस, जिम, अस्पताल के अलावा विमानों में होने वाली छोटी-मोटी मरम्मत किए जाने जैसी सुविधाएं भी हैं. इसमें जितनी बिजली पैदा होती है, जिससे 5,000 घरों को रोशन किया जा सकता है. इसमें 76 एमएम की 4 ओटोब्रेडा ड्यूल पर्पज कैनन और 4 एके630 प्वाइंट डिफेंस सिस्टम गन लगाई गई हैं.

चीन के फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर को चीन का सबसे ताकतवर एयरक्राफ्ट कैरियर माना जाता है और अगर भारत के आईएनएस विक्रांत की उससे तुलना करें तो यह चीनी एयरक्राफ्ट कैरियर को कड़ी टक्कर देने में सक्षम है. फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर की लम्बाई 300 मीटर और चौड़ाई 78 मीटर है, जबकि उसका डिस्प्लेसमेंट 80 हजार टन है, जो चीन के पुराने एयरक्राफ्ट कैरियर्स लियाओनिंग और शैनडोंग के मुकाबले बड़ा है. इन एयरक्राफ्ट कैरियर में डीजल गैस टरबाइन इंजन लगे हैं. अमरीकी युद्धपोतों की तर्ज पर फुजियान में कैटापॉल्ट एसिस्टेड टेक ऑफ अरेस्टेड रिकवरी का इस्तेमाल किया गया है. फुजियान पर एक समय में 36 से ज्यादा विमानों को तैनात किया जा सकता है, जबकि आईएनएस विक्रांत पर भी 30 से 35 विमान तैनात किए जा सकते हैं. यूएस गेराल्ड आर फोर्ड अमरीका का सबसे आधुनिक विमानवाहक पोत है, जिसे 22 जुलाई, 2017 को अमरीकी नौसेना में कमीशन किया गया था. गेराल्ड आर फोर्ड 337 मीटर लम्बा है, जो समुद्र में 56 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से चल सकता है.

विमानवाहक पोत वास्तव में समुद्र में चलता-फिरता एक हवाई अड्डा होता है, जहाँ से विमानों को ऑपरेट किया जा सकता है और अलग-अलग तरीके के विमान इस पोत के डेक पर उतर सकते हैं, उड़ सकते हैं, ईंधन भर सकते हैं. विमानों को विमानवाहक पोत पर हथियारों से लैस किया जा सकता है और समुद्र में काफी दूर तक हवाई क्षमता को बनाए रखा जा सकता है. दुश्मन के इलाके में नेवल ब्लॉकेज लगाने में भी विमानवाहक पोत बड़ा योगदान देते हैं.

जहाँ तक आईएनएस विक्रांत की बात है तो 2009 में इसका निर्माण शुरू हुआ था और 29 अगस्त, 2011 को इसका ढाँचा बनकर तैयार हुआ. 12 अगस्त, 2013 को इसे लॉन्च किया गया और 4 अगस्त, 2021 को इसे पहली बार समुद्र में उतारा गया, जिसके बाद जुलाई 2022 तक इसके सी-ट्रायल हुए. भारतीय नौसेना में हालाँकि आईएनएस विक्रांत को 2 सितम्बर, 2022 को कमीशन कर लिया गया है, लेकिन इसे पूरी तरह ऑपरेशनल होने में अभी जून 2023 तक का समय लग सकता है.

वैसे तो भारत के पास पहले भी एयरक्राफ्ट कैरियर रहे हैं, लेकिन वे ब्रिटिश या रूसी ही थे. देश के इतिहास में यह पहली बार है, जब भारत तमाम अत्याधुनिक तकनीकों, स्वचालित यंत्रों और सुविधाओं से सम्पन्न अपना खुद का विमानवाहक पोत बनाने में सफल हुआ है. भारत ने 2 विमानवाहक पोत 'एचएमएस हरक्यूलीस' (आईएनएस विक्रांत-1) तथा 'एचएमएस हर्मीस' (आईएनएस विराट) ब्रिटेन से खरीदे थे, जबकि रूस से सोवियत काल का युद्धपोत 'एडमिरल गोर्शकोव' (आईएनएस विक्रमादित्य) खरीदा था, जो अभी भारतीय नौसेना के जंगी बेड़े का हिस्सा है. रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक भारत द्वारा अब स्वयं का एयरक्राफ्ट कैरियर बनाना नौसैनिक क्षेत्र में उसकी क्षमताओं को स्पष्ट परिलक्षित करता है. हालाँकि आईएनएस विक्रांत के लिए कुछ कलपुर्जे विदेशों से भी मँगाए गए, लेकिन नौसेना के मुताबिक इसका करीब 76 प्रतिशत हिस्सा देश में मौजूद संसाधनों से ही निर्मित हुआ है और यह भारत में बना सबसे बड़ा युद्धपोत है. कम्युनिकेशन सिस्टम, नेटवर्क सिस्टम, शिप डाटा नेटवर्क, गन्स, कॉम्बेट मैनेजमेंट सिस्टम इत्यादि इसमें ये सब स्वदेशी ही हैं.

भारतीय नौसेना के संगठन 'युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो' (डब्ल्यूडीबी) द्वारा डिजाइन किए गए और बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय के तहत् सार्वजनिक क्षेत्र के शिपयार्ड 'कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड' द्वारा निर्मित आईएनएस विक्रांत युद्धपोत के निर्माण में इस्तेमाल 23,000 टन स्पेशल वारशिप ग्रेड स्टील, 2,500 किलोमीटर इलेक्ट्रिक केबल, 150 किलोमीटर के बराबर पाइप, 2000 वाल्व, एयरक्राफ्ट कैरियर में शामिल हल बोट्स, एयर कंडीशनिंग से लेकर रेफ्रिजरेशन प्लांट्स और स्टेयरिंग से जुड़े कलपुर्जे देश में ही बने हैं. भारतीय नौसेना और रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) की मदद से युद्धपोत स्तर का स्टील 'सेल' (स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया) द्वारा तैयार किया गया. 13 वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद करीब ₹ 20,000 करोड़ की लागत से निर्मित इस युद्धपोत के निर्माण के दौरान प्रतिदिन 2,000 लोगों को सीधे तौर पर जबकि 40,000 अन्य को परोक्ष रूप से रोजगार मिला. भारत इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, किर्लोस्कर, एलएंडटी, केल्ट्रॉन, जीआरएसई, वार्टसिला इंडिया तथा कई अन्य बड़े औद्योगिक निर्माता इस एयरक्राफ्ट कैरियर के निर्माण कार्य से जुड़े रहे और 100 से भी ज्यादा मध्यम और लघु उद्योगों ने भी इस पोत पर लगे स्वदेशी उपकरणों तथा मशीनरी के निर्माण में मदद की. आईएनएस विक्रांत का आदर्श वाक्य 'जयेम सम युधि स्पृधा' ऋग्वेद से लिया गया है, जिसका अर्थ है, यदि कोई मुझसे लड़ने आया, तो मैं उसे परास्त करके रहूँगा.

विक्रांत का अर्थ है विजयी एवं वीर और भारत में बने पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत का नाम 'आईएनएस विक्रांत' ही इसीलिए रखा गया है, क्योंकि इससे पहले ब्रिटेन से खरीदे गए भारत के पहले विमानवाहक पोत 'एचएमएस हरक्यूलीस' का नाम 'आईएनएस विक्रांत' ही रखा गया था, जिसने 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर विजय में अहम् भूमिका के अलावा 1997 में सेवा से बाहर किए जाने से पहले विभिन्न अवसरों पर पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय नौसेना को मजबूत रखने में अहम भूमिका निभाई थी. उसी के प्रति प्यार और गौरव की भावना प्रदर्शित करने के लिए स्वदेशी विमानवाहक पोत का नाम 'आईएनएस विक्रांत' रखा गया है.

आईएनएस विक्रांत की अधिकतम गति 28 नॉट्स (51 किलोमीटर प्रति घण्टा) तक है, जो समुद्र में उसकी असली ताकत है, जबकि इसकी सामान्य गति 18 नॉट्स यानी करीब 33 किलोमीटर प्रतिघंटा है. एक बार में यह युद्धपोत 7,500 नॉटिकल मील यानी 13,000 किलोमीटर से भी ज्यादा दूरी तय कर सकता है अर्थात् एक बार में भारत से निकलकर यह ब्राजील तक पहुँच सकता है और इस पर तैनात फाइटर जेट्स भी एक से 2,000 मील की दूरी तय कर सकते हैं. यह युद्धपोत एक बार में 30 एयरक्राफ्ट को ले जा सकता है, जिनमें मिग-29के फाइटर जेट्स के अलावा कामोव-31 अर्ली वॉर्निंग हेलीकॉप्टर, एमएच-60आर सीहॉक मल्टीरोल हेलीकॉप्टर तथा एचएएल द्वारा निर्मित एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर भी शामिल हैं.

नौसेना के लिए भारत में ही निर्मित लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट 'एलसीए तेजस' भी इस विमानवाहक युद्धपोत से आसानी से उड़ान भर सकते हैं. आईएनएस विक्रांत की विमानों को ले जाने की क्षमता और इसमें लगे अत्याधुनिक और खतरनाक हथियार इसे दुनिया के कुछ खतरनाक पोतों में शामिल करते हैं. यही कारण है कि आईएनएस विक्रांत को भारतीय सेना की शान और नए भारत का अभिमान माना जा रहा है.

विमानवाहक युद्धपोत समुद्र में एक चलते-फिरते किले अथवा तैरते हुए हवाई क्षेत्र (फ्लोटिंग एयरफील्ड) के तौर पर कार्य करता है और किसी भी विमानवाहक युद्धपोत की असली ताकत उस पर तैनात किए जाने वाले लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर ही होते हैं, जो सैकड़ों किलोमीटर दूर तक समुद्र की निगरानी तथा सुरक्षा करते हैं. उस पर तैनात खतरनाक एयरक्राफ्ट के कारण ही दुश्मन के किसी भी युद्धपोत या पनडुब्बी में उसके आसपास फटकने की हिम्मत नहीं होती. विमानवाहक पोत एक प्रकार से उस पर तैनात तमाम लड़ाकू जहाजों और विध्वंसक पोतों के लिए छतरी की भाँति काम करते हैं ताकि ये लड़ाकू विमान अपने मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम दे सकें. आईएनएस विक्रांत पर 20 लड़ाकू विमान होंगे और 10 हेलीकॉप्टर तैनात किए जाएंगे. फिलहाल नवम्बर माह से इस पर मिग-29के फाइटर जेट तैनात होने शुरू हो जाएंगे और उसके बाद डीआरडीओ तथा एचएएल द्वारा तैयार किए जा रहे टीईडीबीएफ (ट्विन इंजन डेक बेस्ड फाइटर जेट) की तैनाती होगी, जिसे तैयार होने में अभी कुछ वर्ष लग सकते हैं. राफेल या अमरीका के एफ-18ए सुपर होरनेट की भी आईएनएस विक्रांत पर तैनाती हो सकती है, जिनके ट्रायल शुरू हो चुके हैं और ट्रायल के बाद ही यह सुनिश्चित होगा कि इनमें से कौनसा लड़ाकू विमान आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाएगा.

विदेश में बने बोइंग और लॉकहीड मार्टिन के एयरक्राफ्ट्स की लैंडिंग और टेकऑफ को लेकर भी विक्रांत पर परीक्षण किए जाएंगे. दुश्मन की पनडुब्बियों पर खास नजर रखने के लिए विक्रांत पर 6 एंटी-सबमरीन हेलीकॉप्टर तैनात होंगे. तैनात किए जाने वाले कुल 30 एयरक्राफ्ट्स में से 10 एक समय में फ्लाइट-डेक पर होंगे और शेष 20 एयरक्राफ्ट्स विक्रांत के अंदर बने एक बड़े से हैंगर में होंगे. फाइटर जेट्स और हेलीकॉप्टरों को इस हैंगर से फ्लाइट-डेक तक लाने के लिए 2 विशालनुमा लिफ्ट बनाई गई हैं. विक्रांत पर 32 मीडियम रेंज सर्फेस टू एयर मिसाइल (एमआरएसएएम) तथा एके630 गन (तोप) भी तैनात होंगी.

कोचिन शिपयार्ड में बने करीब 40,000 टन वजनी, 262 मीटर लम्बे, 62 मीटर चौड़े, 59 मीटर ऊँचे, 62 मीटर की बीम वाले आईएनएस विक्रांत युद्धपोत में 14 डेक तथा 1700 से ज्यादा क्रू को रखने के लिए 2300 कंपार्टमेंट्स हैं. इसमें वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं से लेकर आईसीयू सहित चिकित्सा से जुड़ी सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध हैं. आसपास आने वाले किसी भी खतरे से निपटने में सक्षम बनाने के लिए इसमें एंटी सबमरीन वॉरफेयर से लेकर एंटी सर्फेस, एंटी एयर वॉरफेयर तथा अत्याधुनिक वार्निंग सिस्टम लगा है. फ्लाई-डेक (रनवे) किसी भी एयरक्राफ्ट कैरियर की महत्वपूर्ण ताकत होता है और आईएनएस विक्रांत का फ्लाई-डेक 2 फुटबाल मैदानों से भी बड़ा करीब 262 मीटर लम्बा है, जिस पर

शेष पृष्ठ 141 पर

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध लेख

अमरीका-सऊदी अरब सम्बन्ध और भारत की चुनौतियाँ

—विजन कुमार पाण्डेय

अमरीका के राष्ट्रपति जो बाइडेन 4 दिन के एक महत्वपूर्ण दौरे पर थे. इस दौरे में वे इजरायल और फिलिस्तीन गए. इस दौरे पर दुनिया की नजर रही. 2021 में राष्ट्रपति पद सँभालने के बाद यह उनका पहला मध्य पूर्व दौरा था. यह पहला मौका है जब राष्ट्रपति जो बाइडेन और सऊदी अरब प्रिंस आमने-सामने थे. सऊदी अरब के साथ अमरीका के दशकों से चले आ रहे रिश्तों में परम्परागत रूप से अमरीकी सिद्धांतों और राजनीतिक हितों के बीच समझौता देखने को मिला है, लेकिन राष्ट्रपति बाइडेन अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में मानवाधिकार पर काफी जोर देते रहे हैं. हालांकि मौजूदा राजनीतिक स्थितियों में उनके सऊदी दौरे से मूल्य आधारित विदेश नीति की विश्वसनीयता पर खतरा मंडरा रहा है.

आपको याद होगा तुर्की में सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में जमाल खाशोज्जी की हत्या कर दी गई थी. उन्हें सऊदी क्राउन प्रिंस का बड़ा आलोचक माना जाता था. बाइडेन ने अपने चुनावी प्रचार के दौरान कसम खाई थी कि वह सऊदी अरब को खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड के चलते 'अलग-थलग' कर देंगे. उन्होंने इस दौरान संकेत दिए थे कि पत्रकार खाशोज्जी की हत्या के लिए सऊदी की जिम्मेदारी तय करेंगे. उन्होंने इन बयानों से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की क्राउन प्रिंस से करीबी के उलट अपनी छवि बनाई थी, लेकिन अब जो बाइडेन सऊदी अरब के दौरे पर गए हैं. दौरे से पहले पहले उन्होंने संकेत दिए थे कि वह सऊदी क्राउन प्रिंस से नहीं बल्कि सिर्फ सऊदी किंग से मुलाकात करेंगे, लेकिन बाद में व्हाइट हाउस ने क्राउन प्रिंस से मुलाकात की पुष्टि कर दी थी.

अमरीका का उद्देश्य क्या है

जो बाइडेन मानवाधिकारों का उल्लंघन के मामले में भी सऊदी अरब का विरोध करते आए हैं. आखिर सऊदी क्राउन प्रिंस और सऊदी अरब पर सख्त रहने वाले जो बाइडेन क्यों जा रहे हैं सऊदी अरब. दरअसल अमरीकी राष्ट्रपति का उद्देश्य साफ है, वह किसी भी तरह सऊदी को कम कीमतों पर अपना तेल बेचने के लिए मजबूर करना चाहते हैं. ऐसा देखने में आ रहा है कि पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस के तेल और गैस राजस्व पर कोई खास असर नहीं पड़ा है. अमरीका जानता है कि सऊदी के समर्थन के बिना रूस की अर्थव्यवस्था पर चोट करना मुश्किल है. बाइडेन की यात्रा की दूसरी प्रमुख वजह मध्यपूर्व एशिया के दो गुटों में बढ़ रहा तनाव भी है. पिछले काफी समय से मध्यपूर्व में ईरान और अमरीकी खेमे वाले देशों के बीच तनातनी जारी है. गुटों का विभाजन फिर से गंभीर होने के संकेत दे रहा है. जब से अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने अमरीका को JCPOA (वो समझौता जिसने ईरान की परमाणु क्षमता को सीमित कर दिया) से बाहर निकाला तब से संकट और गहराता जा रहा है.

गौरतलब हो कि जब ट्रंप ने नए अमरीकी प्रतिबंध लगाए तो ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को तेज कर दिया. अब ईरान ने इतना यूरेनियम जमा कर लिया है कि आगे आने वाले दिनों में वह खुद परमाणु उपकरण बनाने में सक्षम होगा. दरअसल ईरान अपनी परमाणु योजनाओं पर लगे प्रतिबंधों का पालन तो कर रहा है, लेकिन हमेशा इस बात पर जोर देता रहा है कि इनमें हथियार शामिल नहीं हैं. ईरान की बढ़ती परमाणु ताकत से इजरायल और अरब देशों की सतर्कता बढ़ी है. ईरान के प्रति इन मुल्कों के साझा विरोध के कारण ही अब्राहम एकॉर्ड जैसा शांति समझौता प्रासंगिक बना हुआ है. अब्राहम एकॉर्ड ट्रंप प्रशासन की मुख्य उपलब्धियों में से एक था. 2020 में हुए इस शांति समझौते के तहत् यूएई और बहरीन ने इजराइल में अपने दूतावास स्थापित करने के साथ ही साथ पर्यटन, व्यापार, स्वास्थ्य और सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग को बढ़ाने का संकल्प लिया था.

दूसरी तरफ मध्य पूर्व में नाटो की तर्ज पर एक संगठन बनाने की भी चर्चा हो रही है. इसमें इजराइल और अरब राज्य शामिल होंगे जो अमरीका के अनुकूल होगा, लेकिन अरब राज्यों और इजराइल के बीच एक औपचारिक सैन्य गठबंधन, वास्तविकता से काफी दूर नजर आता है. इधर इजरायल ने ईरान के विरूद्ध अपना गुप्त अभियान तेज कर दिया है. इनमें हत्या, रहस्यमयी आग की घटनाएं और परमाणु सुविधाएं और साइबर युद्ध जैसी चीजें शामिल हैं. ऐसे में बाइडेन इजराइल से संयम बरतने की अपील कर सकते हैं, क्योंकि बाइडेन ये बिल्कुल नहीं चाहते कि इजराइल और ईरान के बीच स्थिति तनावपूर्ण हो और अमरीका को इसमें घसीटा जाए.

दरअसल जो बाइडेन सरकार को अब लगने लगा है कि सऊदी से रिश्ते खराब करने का यह सही वक्त नहीं है. अमरीकी राष्ट्रपति का कहना है इस यात्रा में पेट्रोल से ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दा सुरक्षा का है. अमरीकी राष्ट्रपति का इजराइल से सीधे सऊदी अरब जाना भी एक ऐतिहासिक महत्व रखता है. इसके मायने यह है कि इजराइल और सऊदी अरब देशों के बीच दोस्ती बढ़ रही है. 2018 में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने येरुशलम में अमरीकी दूतावास को बंद कर दिया था और 2017 में येरूशलम को इजराइल की राजधानी की मान्यता दे दी थी. जब से बाइडेन सत्ता में आए हैं सहयोगी देशों के साथ सम्बन्धों में उतार चढ़ाव रहा है.

इजराइल और फिलिस्तीनियों के बीच संघर्ष का असर

इजराइल और फिलिस्तीनियों के बीच का मसला सुलझते हुए अभी भी नहीं दिख रहा है. फिलिस्तीनियों और इजराइल के बीच जारी संघर्ष अब वैश्विक मुद्दा बन गया है. दोनों देशों के बीच चल रहे संघर्ष को रोकने की कोशिशें भी जारी है और इसी कड़ी में कई देश अलग-अलग धाराओं में बँट गए हैं. अधिकतर इस्लामिक देश फिलिस्तीनियों के समर्थन में दिखते हैं, जबकि इजराइल के प्रधानमंत्री का दावा है कि उन्हें 25 देशों का समर्थन हासिल है. ऐसे में यह देखना होगा कि फिलिस्तीनी और इजराइल के संघर्षों के बीच कौन से देश कहाँ खड़े हैं. सबसे पहले हम अमरीका से शुरू करें तो इजराइल से उसकी दोस्ती किसी से छिपी नहीं है. अमरीका हमास को चरमपंथी संगठन मानता है और संयुक्त राष्ट्र में हमास के खिलाफ निंदा का प्रस्ताव भी ला चुका है जो कि खारिज हो गया था. हालांकि अमरीका ने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की है और राजनयिक स्तर पर इसकी कोशिशें भी हो रही है. अमरीका ने फिलिस्तिनियों के राकेट के हमले के जवाब में इजरायल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया है. हालांकि फिलिस्तीन में मानवाधिकार हनन का मसला जो बाइडेन के लिए जरूर आत्मसम्मान का मसला बना हुआ है. यूरोपीय देश भी हमास को चरमपंथी संगठन मानते हैं और प्रमुख यूरोपीय देश ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने भी इजराइल के प्रति समर्थन व्यक्त किया है. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यों में अमरीका, ब्रिटेन और फ्रांस तीनों शामिल हैं जिनके पास वीटो पावर है. अगर सुरक्षा परिषद् में इजरायल

और फिलिस्तीन के बीच वीटो पावर की जरूरत पड़ी तो ऐसे में इजराइल को फायदा मिल सकता है. आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने भी दोनों पक्षों से संयम बरतने की बात कही है. उनका कहना है कि इजराइल को भले ही आत्मरक्षा करने का अधिकार है, लेकिन फिलिस्तीनी का भी सुरक्षित रहना जरूरी है. वहीं इस्लामिक देशों की बात करें तो उन्होंने इजराइल का कड़ा विरोध किया है और वहाँ हो रही हिंसा को तुरन्त रोकने की अपील की है. इसमें पाकिस्तान भी शामिल है. वही संयुक्त अरब अमीरात ने भी इजराइल की कड़ी निंदा की है और इजराइल द्वारा किए गए हमले को तुरन्त रोकने की अपील की है. भारत दोनों तरफ झुकता दिख रहा है. उसने दोनों को युद्ध से बचने की सलाह दी है. भारत के इजरायल और फिलिस्तीनियों से अच्छे सम्बन्ध रहे हैं. ऐसे में अमरीकी राष्ट्रपति की अरब यात्रा पर बहुत सारे प्रश्न किए जा रहे हैं. इस यात्रा के बीच उनके सामने कई चुनौतियाँ भी हैं–

- उपचुनावों की चिंता, यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण खड़ा वैश्विक संकट और अब ईरान.
- अमरीका ने दशकों से जिन सहयोगियों को पोषित किया है, विशेष रूप से इजरायल और सऊदी अरब को, उनके मन में अमरीका के प्रति कृतज्ञता की कोई भावना नहीं है. ऐसे में मुमकिन है कि एक बार फिर अमरीका को निराशा हाथ लगे और मध्य पूर्व में अपनी घटती साख की हकीकत को स्वीकारना पड़े.
- अमरीका ने सऊदी अरब के साम्राज्य को लगातार अशांत मध्य पूर्व में एक सामरिक साझेदार के रूप में और ईरान के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ एक बांध के रूप में देखा है.
- सऊदी अरब, अमरीका का सबसे बड़ा विदेशी सैन्य बिक्री (एफएमएस) ग्राहक है, जो सक्रिय मामलों में 129 बिलियन डॉलर से अधिक है. एफएमएस के माध्यम से, संयुक्त राज्य अमरीका ने सऊदी अरब में 3 प्रमुख सुरक्षा सहायता संगठनों–रक्षा मंत्रालय, नेशनल गार्ड और आंतरिक मंत्रालय का समर्थन किया है.
- मई 2017 में राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा पर सऊदी अरब का दौरा किया था जो उनके प्रशासन में अमरीका की विदेश नीति में उस क्षेत्र की प्राथमिकता का द्योतक था.
- इस यात्रा को राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा हस्ताक्षरित ईरान परमाणु समझौते (2015) को लेकर मतभेदों को देखने वाले सम्बन्धों के पुनर्जीवन करने के अवसर के रूप में देखा गया.
- इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ट्रम्प ने सम्राट् सलमान बिन अब्द अल-अजीज अल सऊद के साथ एक संयुक्त सामरिक दृष्टि वक्तव्य पर हस्ताक्षर किए जिसमें हिंसक उग्रवाद का मुकाबला करने, आतंकवाद के वित्त पोषण को बाधित करने और रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए घनिष्ठ सहयोग का वादा किया गया है.
- उन्होंने लगभग 110 अरब डॉलर मूल्य की रक्षा क्षमताओं के लिए रक्षा पैकेज पर भी हस्ताक्षर किए. रक्षा उपकरणों और सेवाओं का यह पैकेज ईरानी प्रभाव और ईरानी सम्बन्धित खतरों को बदनाम करने के मामले में सऊदी अरब और खाड़ी क्षेत्र की दीर्घकालिक सुरक्षा का समर्थन करता है.

भारत की दृष्टि में सऊदी अरब

भारतीय स्वतंत्रता के तुरन्त बाद ही सऊदी अरब के साथ भारत के राजनयिक सम्बन्धों की शुरूआत हुई. दोनों देशों के सम्बन्धों को मजबूत करने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू एवं इंदिरा गांधी ने सऊदी अरब की यात्रा भी की, लेकिन सऊदी शासन का झुकाव पाकिस्तान की ओर होने तथा कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के पक्ष का समर्थन करने आदि के कारण भारत-सऊदी सम्बन्ध सदैव एक क्रेता-विक्रेता से आगे नहीं बढ़ सके. तत्कालीन बाजपेयी सरकार तथा सऊदी अरब के किंग अब्दुल्ला ने दोनों देशों के मध्य उपजे मतभेदों को दूर करने का प्रयास किया तथा किंग अब्दुल्ला की भारत यात्रा को द्विपक्षीय सम्बन्धों की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना गया. इसके बावजूद वर्तमान भारत-सऊदी सम्बन्धों को हाल के वर्षों में सऊदी शासन की नीतियों में आए बदलाव के रूप में रेखांकित करना अधिक उचित होगा. मोहम्मद बिन सलमान के सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस बनने के बाद सऊदी अरब की नीतियाँ व्यावहारिक हुई हैं. अब इन नीतियों में आर्थिक हित महत्वपूर्ण हुए हैं, जिसने परम्परागत मतभेदों को गौण कर दिया है.

भारत सदैव ऊर्जा के लिए प्रमुख रूप से आयात पर निर्भर रहा है. भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का 70 प्रतिशत आयात करता है. साथ ही भविष्य में आर्थिक विकास के साथ-साथ भारत की ऊर्जा आवश्यकता भी लगातार बढ़ने वाली है. यह स्थिति तब तक बनी रहेगी जब तक कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर ना हो जाए. भारत पिछले कुछ वर्षों से ईरान तथा इराक से सर्वाधिक तेल खरीदता रहा है, लेकिन अस्थिर इराक एवं कूटनीतिक एवं आर्थिक प्रतिबंधों को झेल रहा ईरान भारत के लिए समस्या पैदा कर रहे हैं. ऐसे में दक्षिण-पश्चिम एशिया में स्थित सऊदी अरब भारत के लिए एक बेहतर विकल्प उपलब्ध करता है. यह न सिर्फ तेल की दृष्टि से बल्कि भारतीय कामगारों की दृष्टि से भी पश्चिम एशिया में महत्व रखता है. संयुक्त अरब अमीरात के साथ-साथ सऊदी अरब में भी भारतीय प्रवासी बड़ी संख्या में विद्यमान हैं. सिर्फ सऊदी अरब में ही यह संख्या 2·6 मिलियन है. गौरतलब हो कि भारत विश्व में सर्वाधिक रेमिटेंस प्राप्त करता है, इसमें प्रमुख भूमिका पश्चिम एशिया में रह रहे लोगों की है. इस दृष्टि से न सिर्फ भारत सऊदी अरब बल्कि सम्पूर्ण पश्चिम एशिया के देशों के साथ अपने सम्बन्ध बेहतर करना चाहता है.

सऊदी अरब की नजर भी भारत पर

द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात् तेल का अत्यधिक महत्व बढ़ने तथा दक्षिण पश्चिम एशिया में तेल के अकूत भंडारों का पता चलने के बाद से ही अमरीका ने इस क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने का लगातार प्रयास करता रहा है. लेकिन सऊदी अरब की नजर अब भारत पर ज्यादा है, इसके कुछ कारण निम्नलिखित हैं–

- सऊदी अरब पर अमरीका का सर्वाधिक प्रभाव रहा है. बाहरी खतरों तथा आंतरिक अस्थिरता से बचाने में अमरीका ने काफी सहायता की और अमरीका की ऊर्जा जरूरतों को सऊदी अरब पूर्ण करता रहा.
- इस समय अमरीका स्वयं इतनी मात्रा में तेल का उत्पादन कर रहा है कि वह अपनी जरूरतें पूरी कर सकता है, थोड़ी बहुत जो कमी रह जाती है उसकी पूर्ति वह कनाडा तथा मेक्सिको की सहायता से कर लेता है. ऐसे में अमरीका पश्चिम एशिया पर अपनी निर्भरता सीमित कर रहा है.
- ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि चीन के बाद भारत भविष्य में सर्वाधिक तेल आयातक देश बनकर उभरेगा. इस स्थिति में सऊदी अरब अमरीका को किए जाने वाले तेल निर्यात को भारत में स्थानांतरित करना चाहता है. इसी परिप्रेक्ष्य में सऊदी अरब भारत के ऊर्जा क्षेत्र में भारी भरकम निवेश करने पर विचार कर रहा है.
- भारत ईरान से बड़ी मात्रा में तेल आयात करता रहा है, लेकिन अमरीकी प्रतिबंधों के कारण इसने ईरान से तेल आयात करना लगभग बंद कर दिया है. अतः सऊदी अरब भारत के तेल व्यापार में ईरान को प्रतिस्थापित करना चाहता है.

शेष पृष्ठ 103 पर

naukaritak.com for Dec 2022

दार्शनिक-लेख

शान्ति के लिए विश्व का मार्ग प्रशस्त करना बौद्ध दर्शन

—मोनिका राज

प्राचीन भारत में जन्म लेने वाले जिस बौद्ध धर्म के दर्शन ने विश्व के तत्कालीन समय में शांति का पाठ पढ़ाया था, वही दर्शन वर्तमान विश्व में भी शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है. विश्व के प्राचीन इतिहास का अगर अध्ययन किया जाए, तो हम पाएंगे कि सभी जगह समाज के अन्दर समाजिक, आर्थिक व राजनीतिक कुछ न कुछ समस्याएं थीं. मानवता, मूल्यों, आदर्शों व नैतिकता का स्तर नित्य-प्रतिदिन गिर रहा था. उस काल, समय, परिस्थिति एवं वातावरण की माँग के अनुरूप एशिया महाद्वीप में 563 ई.पू. भारत में तथागत महात्मा भगवान बुद्ध का जन्म हुआ. उन्होंने विश्व की समस्याओं का बारीकी से अध्ययन किया तथा उनके समाधान के लिए तत्परता दिखाई और नए नियम तैयार किए, जिनको आदर्श मानकर विश्व के अनेक देशों ने उन्हें अपना लिया, इसी आधार पर डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ने तथागत बुद्ध को 'दुनिया का प्रथम समाज सुधारक' भी कहा है.

बौद्ध धर्म ऐसे नियमों का संग्रह है, जो हमें यथार्थ के सही स्वरूप को पहचान कर अपनी पूरी मानवीय क्षमताओं को विकसित करने में सहायता करता है. 2,500 वर्ष पहले भारत में सिद्धार्थ गौतम, जो बुद्ध के नाम से विख्यात हैं, का आविर्भाव हुआ. बौद्ध धर्म का प्रसार एशिया भर में हुआ और आज यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा धर्म है. बौद्ध दर्शन में परस्पर निर्भरता, सापेक्षता और कारण-कार्य सम्बन्ध जैसे विषयों के बारे में चर्चा की जाती है. इसमें समुच्चय सिद्धांत और तर्क-वितर्क पर आधारित तर्कशास्त्र की एक विस्तृत व्यवस्था है, जो हमें अपने चित्त की दोषपूर्ण कल्पनाओं को समझने में सहायता करती है. बौद्ध नीतिशास्त्र स्वयं अपने लिए और दूसरों के लिए हितकर और हानिकारक बातों के बीच भेद करने की योग्यता पर आधारित है. महात्मा बुद्ध ने अपने धर्म में सामाजिक, आर्थिक, बौद्धिक, राजनीतिक, स्वतंत्रता एवं समानता की शिक्षा दी है. बौद्ध धर्म मूलतः अनीश्वरवादी और अनात्मवादी है अर्थात् इसमें ईश्वर और आत्मा की सत्ता को स्वीकार नहीं किया गया है, किन्तु इसमें पुनर्जन्म को मान्यता दी गई है. बुद्ध ने सांसारिक दुःखों के सम्बन्ध में 4 आर्य सत्यों का उपदेश दिया तथा मध्यम मार्ग बता कर पथ प्रशस्त किया है.

विश्व के कोने-कोने में हिंसा के साथ-साथ सामाजिक भेदभाव भी बढ़ रहा है. इंसानों के विचार का हिंसात्मक होना आतंकवाद, नक्सलवाद या फिर 2 देशों के बीच लड़ाइयों को जन्म दे रहा है. ऐसी विकट स्थिति में बौद्ध दर्शन काफी उपयुक्त होगा और जिस तरह से गौतम बुद्ध ने समाज के साथ संसार में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया था, वैसा ही वर्तमान में भी लाया जा सकता है. आदमी के विनाशकारी विचारों को बदलना और उन पर नियंत्रण रखना बहुत जरूरी है. आज से लगभग 2,558 वर्ष पहले बुद्ध ने मानवीय प्रवृत्तियों का विश्लेषण करते हुए कहा था कि मनुष्य का मन ही सभी कर्मों का नियंता है. अतः मानव की गलत प्रवृत्तियों को नियंत्रित करने के लिए उसके मन में सद्-विचारों का प्रवाह करके उसे सन्मार्ग पर ले जाना आवश्यक है. उन्होंने यह सन्मार्ग बौद्ध धर्म के रूप में दिया था. अतः आज मानव-मात्र की कुप्रवृतियों, जैसे—हिंसा, शत्रुता, द्वेष, लोभ आदि से मुक्ति पाने के लिए बौद्ध धर्म व बौद्ध दर्शन को अपनाने की बहुत जरूरत है.

महात्मा बुद्ध ने अपने धर्म में सामाजिक, आर्थिक, बौद्धिक, राजनीतिक, स्वतंत्रता एवं समानता की शिक्षा दी है. बौद्ध धर्म मूलतः अनीश्वरवादी और अनात्मवादी है अर्थात् इसमें ईश्वर और आत्मा की सत्ता को स्वीकार नहीं किया गया है, किन्तु इसमें पुनर्जन्म को मान्यता दी गई है. बुद्ध ने सांसारिक दुःखों के सम्बन्ध में चार आर्य सत्यों का उपदेश दिया. ये आर्य सत्य बौद्ध धर्म का मूल आधार हैं, जो इस प्रकार हैं—

1. दुःख—संसार में सर्वत्र दुःख है. जीवन दुःखों व कष्टों से भरा है. संसार को दुःखमय देखकर ही बुद्ध ने कहा था—'सब्बम् दुःखम्'.

2. दुःख समुदाय—दुःख समुदाय अर्थात् दुःख उत्पन्न होने के कारण हैं. प्रत्येक घटना का कोई न कोई कारण अवश्य होता है. अतः दुःख का भी कारण है. सभी कारणों का मूल अविद्या तथा तृष्णा है. दुःखों के कारणों को 'प्रतीत्य समुत्पाद' कहा गया है. इसे 'हेतु परम्परा' भी कहा जाता है.

'प्रतीत्य समुत्पाद' बौद्ध दर्शन का मूल तत्व है. अन्य सिद्धान्त इसी में समाहित हैं. बौद्ध दर्शन का 'क्षण-भंगवाद' भी प्रतीत्य समुत्पाद से उत्पन्न सिद्धान्त है. प्रतीत्य समुत्पाद का अर्थ है कि 'संसार की सभी वस्तुएं कार्य और कारण पर निर्भर करती हैं'. संसार में व्याप्त हर प्रकार के दुःख का सामूहिक नाम 'जरामरण' है. जरामरण के चक्र (जीवन चक्र) में बारह क्रम हैं—जरामरण, जाति (शरीर धारण करना), भव (शरीर धारण करने की इच्छा), उपादान (सांसारिक विषयों में लिपटे रहने की इच्छा), तृष्णा, वेदना, स्पर्श, षडायतन (5 इंद्रियाँ तथा मन), नामरूप, विज्ञान (चैतन्य), संस्कार व अविद्या. प्रतीत्य समुत्पाद में इन कारणों के निदान की अभिव्यंजना की गई है.

3. दुःख निरोध—दुःख का अन्त सम्भव है. अविद्या तथा तृष्णा का नाश करके दुःख का अन्त किया जा सकता है.

4. दुःख-निरोधगामिनी प्रतिपदा—अष्टांगिक मार्ग ही दुःख-निरोधगामिनी प्रतिपदा है.

अष्टांगिक मार्ग

सांसारिक दुःखों से मुक्ति हेतु बुद्ध ने अष्टांगिक मार्ग पर चलने की बात कही है. अष्टांगिक मार्ग के साधन हैं—

1. सम्यक दृष्टि, 2. सम्यक संकल्प, 3. सम्यक वाक, 4. सम्यक कर्मान्त, 5. सम्यक आजीव, 6. सम्यक व्यायाम, 7. सम्यक स्मृति, 8. सम्यक समाधि.

बुद्ध ने मध्यम मार्ग अथवा मध्यम प्रतिपदा का उपदेश देते हुए कहा कि—'मनुष्य को सभी प्रकार के आकर्षण एवं कायाक्लेश से बचना चाहिए' अर्थात न तो अत्यधिक इच्छाएं करनी चाहिए और न ही अत्यधिक तप (दमन) करना चाहिए, बल्कि इनके बीच का मार्ग अपनाकर दुःख निरोध का प्रयास करना चाहिए.

सम्यक का अर्थ दो अतियों के बीच माध्यमिक प्रतिपद है. दोनों तरह की अतियाँ बुरी हैं. बीच का रास्ता ही ठीक है. बुद्ध का कहना है जो व्यक्ति अपनी जीवन-परिदृष्टि ठीक (सम्यक) रखेगा, जो सही संकल्प या इरादा रखेगा, जिसके बोलचाल दुरुस्त होंगे, जिसके अच्छे कर्म होंगे, जिन्होंने जीविका के लिए बेहतर अर्थात भ्रष्टाचार-मुक्त साधन चुने होंगे, जो अपनी इन्द्रियों को नियंत्रण में रखने के लिए ठीक व्यायाम करते रहेंगे, जिनकी स्मृति ठीक होगी और जो उचित समाधि का अनुसरण करेंगे वे दुःखमुक्त होंगे. इन अष्टांगिक मार्ग में शील, समाधि और प्रज्ञा का समावेश है. सम्यक दृष्टि और सम्यक संकल्प 'प्रज्ञा' है. सम्यक वाणी, सम्यक कर्म और सम्यक जीविका 'शील' है और सम्यक प्रयत्न, सम्यक स्मृति व सम्यक समाधि को 'समाधि' कहते हैं. विभिन्न बौद्ध ग्रंथों में इसकी विवेचना की गई है. जैसे शील 5 हैं; जिन्हे 'पंचशील' कहा जाता है. कोई व्यक्ति संघ में शामिल होने के पूर्व इन पंचशील की शपथ लेता है. ये 5 शील हैं—प्राणियों को न मारना अर्थात् अहिंसा, चोरी न करना, झूठ न

बोलना, काम सम्बन्धी व्यभिचार न करना और नशा आदि नहीं करना. ये 5 शील आम जनों के लिए है, लेकिन जो पूर्णकालिक कार्यकर्ता यानी भिक्षु हैं, उनके लिए 5 और शील हैं. भिक्षुओं के लिए दिन में कई दफा भोजन, आभूषण या कीमती चीजें शरीर पर धारण करना, संगीत, स्वर्ण-रजत छूना और गद्देदार बिस्तर की मनाही है. इसी तरह सूक्ष्म से सूक्ष्मतम चीजों पर बौद्धों ने पर्याप्त विमर्श किया है.

'प्रतीत्यसमुत्पाद' का यह सिद्धांत ढाई हजार वर्ष से अधिक पुराना है. तब से विज्ञान और तकनीक ने बहुत उन्नति कर ली है. आज के नजरिए से देखने पर कुछ मामलों में यह अजीबोगरीब लग सकता है, लेकिन सापेक्ष-कारणतावाद युक्त प्रतीत्यसमुत्पाद का सिद्धांत ही आधुनिक विज्ञान का आधार है, यह स्पष्ट दिखता है. 'सांख्य दर्शन' का सत्कार्यवादी विचार कि 'कार्य अपनी उत्पत्ति के पूर्व कारण में मौजूद होता है और वैशेषिक के इस विचार कि कार्य अपने कारण से सर्वथा भिन्न एवं पृथक् है', से हट कर 'प्रतीत्यसमुत्पाद' का सिद्धांत कहता है कि 'कार्य न तो कारण में पूरी तरह विद्यमान है न ही पूरी तरह भिन्न है, बल्कि कार्य अपनी उत्पत्ति के लिए कारण पर आश्रित है'.

प्रतीत्यसमुत्पाद की व्याख्या लगातार होती रही है, आगे भी होगी. बौद्ध दर्शन का यही केन्द्रक है. इसके कारण ही बौद्ध दर्शन का वैशिष्ट्य है. आश्चर्य यह होता है कि इतने पुराने जमाने में बुद्ध ने विज्ञान की बारीकियों को इस तरह समझा था. उनके अनुसार यह विश्व एक नैरंतर्य में बिना किसी स्थिरता के साथ है. कोई भी चीज यहाँ स्थिर नहीं है, न नाम और न ही रूप. मनुष्य को प्रज्ञा, शील और समाधि के सहयोग से इस निरन्तरता के बीच ही दुःख-निरोध के प्रयास करने हैं. यह प्रयास बुद्ध को नहीं, व्यक्ति अथवा जातक को ही करने हैं–

तुम्हेहि किच्चं आतप्पं अक्खातारो तथागता.
पटिपन्ना पमोक्खन्ति झाइनो मारबंधना।
–धम्मपद (मग्गवग्ग 20/4)

शिक्षापाद (दस शील)

बौद्ध धर्म में निर्वाण प्राप्ति के लिए सदाचार तथा नैतिक जीवन पर अधिक बल दिया गया. 10 शीलों का पालन सदाचारी तथा नैतिक जीवन का आधार है. इन शीलों को 'शिक्षापाद' भी कहा जाता है, जो निम्नलिखित हैं–

1. अहिंसा, 2. सत्य, 3. अस्तेय, 4. समय से भोजन ग्रहण करना, 5. मद्य का सेवन न करना, 6. ब्रह्मचर्य का पालन करना, 7. अपरिग्रह (धन संचय न करना), 8. आराम दायक शैय्या का त्याग करना, 9. व्यभिचार न करना, 10. आभूषणों का त्याग करना.

गृहस्थ बौद्ध अनुयायियों को केवल प्रथम 5 शीलों का अनुशीलन आवश्यक था. गृहस्थों के लिए बुद्ध ने जिस धर्म का उपदेश दिया, उसे 'उपासक धर्म' कहा गया.

बौद्ध दर्शन के मूल सिद्धांत

बौद्ध दर्शन तीन मूल सिद्धांत पर आधारित माना गया है–

1. अनीश्वरवाद, 2. अनात्मवाद, 3. क्षणिकवाद.

यह दर्शन पूरी तरह से यथार्थ में जीने की शिक्षा देता है. बौद्ध नीतिशास्त्र स्वयं अपने लिए और दूसरों के लिए हितकर और हानिकारक बातों के बीच भेद करने की योग्यता पर आधारित है. दलाई लामा ने कहा है– 'हम आस्तिक हों या अनीश्वरवादी, ईश्वर को मानते हों या कर्म में विश्वास रखते हों, हममें से प्रत्येक नैतिक नीतिशास्त्र का अनुशीलन कर सकता है.'

बौद्ध धर्म में कर्म, विगत और भविष्य के जन्मों, पुनर्जन्म की प्रक्रिया, पुनर्जन्म से मुक्ति, और ज्ञानोदय की प्राप्ति जैसे विषयों के बारे में चर्चा की जाती है. इसमें जाप, ध्यान, साधना और प्रार्थना जैसे अभ्यास शामिल होते हैं. बौद्ध धर्म की प्रत्येक परम्परा के अपने अलग-अलग ग्रंथ हैं, जो बुद्ध की मूल शिक्षाओं पर आधारित हैं. यही कारण है कि बौद्ध धर्म में 'बौद्ध बाइबल' जैसा कोई एक पवित्र ग्रंथ नहीं है. साधक किसी भी समय और कहीं भी पूजा करने के लिए स्वतंत्र हैं, हालाँकि बहुत से लोग इसके लिए मंदिरों या अपने घरों में बने पूजा स्थलों का चुनाव करते हैं. प्रार्थना का उद्देश्य मनोकामनाओं की पूर्ति करना नहीं होता, बल्कि हमारे आत्मबल, विवेक और करुणा को जाग्रत करना होता है.

आज संसार में हिंसा, धर्मिक उन्माद और नस्लीय टकराव जैसी गम्भीर समस्यायों का बोलबाला है. चारों तरफ मानव अस्तित्व को गम्भीर खतरे दिखाई दे रहे हैं. एक ओर मानव ने विज्ञान, तकनीकी और यांत्रिकी में विकास एवं उसका उपयोग करके अपार समृद्धि प्राप्त की है, वहीं दूसरी ओर मानव ने स्वार्थ, लोभ, हिंसा आदि भावनाओं के वशीभूत होकर आपसी कलह, लूट-खसोट, अतिक्रमण आदि अकल्याणकारी और विनाशकारी मार्ग को भी अपनाया है. अतः आज की दुनिया में भौतिक सम्पदा के साथ-साथ मानव अस्तित्व को भी बचाना आवश्यक हो गया है. अतः आदमी के विनाशकारी विचारों को बदलना और उस पर नियंत्रण रखना बहुत जरूरी है. आज से लगभग 2,558 वर्ष पहले बुद्ध ने मानवीय प्रवृत्तियों का विश्लेषण करते हुए कहा था, 'मनुष्य का मन ही सभी कर्मों का नियंता है.' अतः मानव की गलत प्रवृत्तियों को नियंत्रित करने के लिए उसके मन में सद्-विचारों का प्रवाह करके उसे सन्मार्ग पर ले जाना आवश्यक है. उन्होंने यह सन्मार्ग बौद्ध धम्म के रूप में दिया था. अतः आज मानव-मात्र की कुप्रवृत्तियों जैसे–हिंसा, शत्रुता, द्वेष, लोभ आदि से मुक्ति पाने के लिए बौद्ध धम्म व बौद्ध दर्शन को अपनाने की बहुत जरूरत है.

आपसी शत्रुता के बारे में बुद्ध ने कहा था, "वैर से वैर शांत नहीं होता. अवैर से ही वैर शांत हो सकता है." यह सुनहरा सूत्र हमेशा से सार्थक रहा है. डॉ. अम्बेडकर ने भी कहा था, 'हिंसा द्वारा प्राप्त की गई जीत स्थायी नहीं होती, क्योंकि उसे प्रतिहिंसा द्वारा हमेशा पलटे जाने का डर रहता है.' वैर को जन्म देने वाले कारकों को बुद्ध ने पहचान कर उनको दूर करने का मार्ग बहुत पहले ही प्रशस्त किया था. उन्होंने मानवमात्र के दुःखों को कम करने के लिए पंचशील और अष्टांगिक मार्ग के नैतिक एवं कल्याणकारी जीवन-दर्शन का प्रतिपादन किया था. यह ऐतिहासिक तौर पर प्रमाणित है कि बौद्ध काल में जब 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' के बौद्ध मार्ग का शासकों और आम जन द्वारा अनुसरण गया तो वह काल सुख एवं समृद्धि के कारण भारत के इतिहास का 'स्वर्ण युग' कहलाया. उस समय शांति और समृद्धि फैली. इसके साथ ही दुनिया के जिन देशों में बौद्ध धर्म फैला, उन देशों में भी सुख, शांति तथा समृद्धि फैली. अतः बौद्ध धम्म का पंचशील और अष्टांगिक मार्ग आज भी विश्व में शांति और कल्याण हेतु बहुत सार्थक है.

आज भारत तथा विश्व में, जो धार्मिक कट्टरवाद व टकराव दिखाई दे रहा है, वह हम सब के लिए बहुत बड़ी चिंता और चुनौती का विषय है. भारत में साम्प्रदायिक दंगों और जातीय-जनसंहारों में जितने निर्दोष लोगों की जानें गई हैं, वे भारत द्वारा अब तक लड़ी गई सभी लड़ाइयों में मारे गए सैनिकों से कहीं अधिक है. अतः अगर भारत में धार्मिक-स्वतंत्रता और धर्म-निरपेक्षता के संवैधानिक अधिकार को बचाना है तो बौद्ध धर्म के धार्मिक सहिष्णुता, करुणा और मैत्री के सिद्धांतों को अपनाना जरूरी है. आज सांस्कृतिक फासीवाद जैसी विघटनकारी विचारधारा को रोकने के लिए बौद्ध धम्म के मानवतावादी और समतावादी दर्शन को जन-जन तक ले जाने की जरूरत है.

दुनिया में धार्मिक टकरावों का एक कारण इन धर्मों को विज्ञान द्वारा दी जा रही चुनौती भी है. जैसा कि ऊपर अंकित किया गया है कि विभिन्न ईश्वरवादी धर्मों के अनुयायियों की संख्या कम होती जा रही है, क्योंकि वे विज्ञान की तर्क और परीक्षण वाली कसौटी पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं. अतः वे स्वयं को बचाए रखने के लिए तरह-तरह के प्रलोभनों द्वारा, चमत्कारों का प्रचार एवं अन्य हथकंडों का इस्तेमाल करके अपने अनुयायियों को बांध कर रखना चाहते हैं. उनमे अपने धर्म की अवैज्ञानिक और अंध-विश्वासी धारणाओं को

बदलने की स्वतंत्रता एवं इच्छाशक्ति का नितांत अभाव है. इसके विपरीत बौद्ध धर्म विज्ञानवादी, परिवर्तनशील तथा प्रकृतवादी होने के कारण विज्ञान के साथ चलने तथा जरूरत पड़ने पर बदलने में सक्षम है. इन्हीं गुणों के कारण डॉ. अम्बेडकर ने भविष्यवाणी की थी, 'यदि भविष्य की दुनिया को धर्म की जरूरत होगी तो इसको केवल बौद्ध धर्म ही पूरा कर सकता है.' उनका भारत को पुनः बौद्धमय बनाने का सपना भी था. अतः हम निस्संकोच कह सकते हैं कि वर्तमान परिस्थितियों में बौद्ध धर्म एवं बौद्ध दर्शन पूर्णतया प्रासंगिक है.

बुद्ध के समय में भारतीय समाज के अंदर बहुत सारी सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक समस्याएं थीं. समाज में भयंकर असमानता व्याप्त थी. लोग स्वार्थ, जाति, पंथ, हिंसा आदि में लिप्त हो रहे थे. महिलाओं की दशा भी दयनीय थी. धार्मिक आडम्बर, कर्मकांड, ऊँच-नीच, छुआ-छूत, चोरी आदि की वजह से नैतिकता, आदर्श मूल्य और मानवता का स्तर गिर चुका था. अमीर-गरीब के बीच अंतर तथा राजनीतिक वैमनस्यता व्याप्त थी. बुद्ध ने उस समय समाज में व्याप्त भेद भाव असमानता व वैर-भाव के खिलाफ समानता, स्वतंत्रता एवं बन्धुता के विचार को उस समय के समाज में जन्म दिया और समानता, स्वतन्त्रता व बंधुत्व की बात प्राचीन समय में कर दी थी. उन समस्याओं ने बुद्ध का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया. आगे चलकर इन्हीं समस्याओं के समाधान के रूप में महात्मा बुद्ध के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक दर्शन का विकास हुआ. आधुनिक विचारक अरविन्द घोष, विवेकानंद ने भी सेनफ्रांसिस्को में भगवान बुद्ध को 'प्रथम हिन्दू धर्म सुधारक' कहा है. उसी तरह से महात्मा गांधी ने भी श्रीलंका में अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन में उन्हें 'हिन्दू धर्म सुधारक' माना. यह बात सही है कि बुद्ध से प्रभावित होकर हिन्दू धर्म में बहुत से सुधार हुए. गुरु रबीन्द्रनाथ टैगोर पर भी उनके अध्यात्मिक, भौतिकता एवं प्रकृति-प्रेम के विचारों का प्रभाव पड़ा. भगवान बुद्ध ने डॉ. अम्बेडकर एवं अनेक ऐसे विचारकों के लिए मार्ग प्रशस्त किया, जिन्होंने अपने विचारों में आध्यात्मिकता एवं भौतिकता को एक साथ जोड़कर विश्व के कल्याण की बात कही है. इसीलिए डॉ. अम्बेडकर ने भी कहा था, 'मैंने समानता, स्वतन्त्रता एवं बंधुत्व का विचार आधुनिक यूरोप की क्रांति के विचार से नहीं लिया है. मैंने ये प्राचीन भारतीय इतिहास में बुद्ध के विचारों से लिया है.'

भगवान बुद्ध ने लगभग सभी प्रश्नों का बारीकी से तार्किक एवं मानव मूल्यों के आधार पर अध्ययन किया और उनका समाधान खोजने की कोशिश की. जिस अंधविश्वास के अंधकार ने वैराग्य तथा निवृत्ति की सुन्दरता को ढंक लिया था, उसे बुद्ध ने पुनः स्थापित किया. बुद्ध के धर्म का आधार है—शील, समाधि एवं प्रज्ञा, ये बौद्ध धर्म के 3 तत्व हैं. शील से काया की शुद्धि, समाधि से चित्त की शुद्धि तथा प्रज्ञा से अज्ञानता का नाश होता है "बुद्ध ने एक ऐसे धर्म को प्रतिष्ठित किया, जो युक्ति व तर्क पर आधारित था, जिसमें व्यक्ति बिना पुरोहित व देवता के अपना मोक्ष स्वयं प्राप्त करने में सक्षम होता है."

भगवान बुद्ध ने दुनिया के लोगों को अहिंसा, दया, करुणा का संदेश दिया है. डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ने बुद्ध के विचारों को स्पष्ट करते हुए कहा था, "सभी मानव प्राणी समान हैं. मनुष्य का मापदंड उसका गुण होता है, जन्म नहीं. जो चीज महत्वपूर्ण है, वह है उच्च आदर्श न कि उच्च कुल में जन्म. सबके प्रति मैत्री का साहचर्य व भाईचारे का कभी भी परित्याग नहीं करना चाहिए. प्रत्येक व्यक्ति को विद्या प्राप्त करने का अधिकार है. मनुष्य को जीवित रहने के लिए विद्या की उतनी ही आवश्यकता है, जितनी भोजन की. अच्छा आचारणविहीन ज्ञान खतरनाक होता है. युद्ध यदि सत्य तथा न्याय के लिए न हो, तो वह अनुचित है."

किसी भी व्यक्ति का विचार उस काल के वातावरण, समय एवं परिस्थितियों की उपज होता है, ठीक वैसे ही भगवान बुद्ध की विचारधारा भी साबित हो रही है. डॉ. अम्बेडकर अपने विचार प्रकट करते हुए आगे कहते हैं, "मानवता के लिए केवल आर्थिक मूल्यों की ही आवश्यकता नहीं होती, उसके लिए आध्यात्मिक मूल्यों को बनाए रखने की आवश्यकता भी होती है. स्थायी तानाशाही ने आध्यात्मिक मूल्यों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया और वह उनकी ओर ध्यान देने की इच्छुक भी नहीं है. मनुष्य का विकास भौतिक रूप के साथ-साथ आध्यात्मिक रूप से भी होना चाहिए."

बुद्ध द्वारा अपने अनुयायियों को दिया गया 'पंचशील सिद्धांत' आज समाज के लिए बहुत आवश्यक है. देश में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ने कई कानून बनाए, लेकिन वह समाज में बढ़ रही अपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने में नाकाम साबित हो रही है. यदि समाज में भगवान बुद्ध के पंचशील सिद्धांत का प्रचार-प्रसार किया जाए, तो देश और समाज में हो रही अपराधिक-घटनाओं में कमी आएगी. महात्मा बुद्ध ने समाज में बढ़ती अपराधिक प्रवृत्ति को रोकने के लिए ही पंचशील सिद्धांत की स्थापना की थी.

आज विश्व में अशांति, आतंक, हिंसा, भय एवं युद्ध का वातावरण, महामारी, असमानता, गरीबी, मानवीय मूल्यों का ह्रास, अनैतिकता, लालच, वैमनस्यता एवं चोरी इत्यादि समस्याएं हैं "बुद्ध के समय में भी ये समस्याएं थीं. बुद्ध ने उस समय उन समस्याओं के समाधान के लिए कार्य किए, समाज के सामने नए सिद्धान्त दिए थे. आज भी ये समस्याएं हैं. अतः बुद्ध के विचारों को अपने आचरण में लाकर हम एक बार फिर से शांतिपूर्ण मानवता, नैतिकता एवं मूल्यों पर आधारित समाज की कल्पना कर सकते हैं तथा अहिंसा पर आधारित विश्व में शांति, सद्भावना एवं कल्याण की कामना कर सकते हैं." ●●●

शेष पृष्ठ 100 का

- भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है तथा जल्दी ही अमरीका और चीन के बाद तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है, इस कारण भी सऊदी अरब भारत को लम्बे समय तक विदेश सम्बन्धों में दरकिनार नहीं कर सकता.
- भारत का श्रम बाजार सस्ता होने के कारण सऊदी अरब अपने श्रम प्रतिष्ठानों को भारत में स्थानांतरित करना चाहता है. इससे वह अपने देश में बढ़ रहे श्रमिकों के भार को कम करके अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सके.

निष्कर्ष

भारत जिस तरह सऊदी अरब से लगातार जुड़ा हुआ है, उसका फायदा उसे राजनीतिक मोर्चे पर सऊदी की ओर से सकारात्मक रवैये के तौर पर मिला है. जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को खत्म करने के भारत सरकार के फैसले पर भी सऊदी की प्रक्रिया तुर्की और मलेशिया के उलट सकारात्मक रही. सऊदी अरब ने कश्मीर मुद्दे पर बढ़ते संकट को लेकर पाकिस्तान को चेताया था. पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने खुद रियाद का दौरा किया था. पाकिस्तान के सऊदी अरब के साथ पारम्परिक रिश्ते भी रहे हैं, लेकिन इन सबके बावजूद सऊदी ने यह संकेत दिया कि वह कश्मीर मुद्दे पर भारत की चिंताओं और संवेदनशीलता को समझता है. भारत और सऊदी अरब दोनों ही वैश्विक और क्षेत्रीय संकट के दौर में अपनी विदेश नीति और प्राथमिकताओं को नई परिभाषा दे रहे हैं. भारत के लिए सऊदी अरब और खाड़ी देश मध्य-पूर्व के प्रमुख आकर्षण बन रहे हैं. वहीं, सऊदी अरब के लिए भारत विश्व की 8 बड़ी शक्तियों में से एक है, जिसके साथ वह अपने 'विजन 2030' के तहत रणनीतिक साझेदारी करना चाहता है. इसलिए अगर भारत और सऊदी अरब के रिश्तों में नई ऊर्जा आती दिख रही है तो इसे लेकर हैरान नहीं होना चाहिए. ●●●

पारिस्थितिकी लेख

हाथियों के संरक्षण के लिए उठाने होंगे ठोस कदम

—सुधीर कुमार

भारत में आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और सामरिक महत्ता रखने वाले शक्ति और शांति के प्रतीक हाथियों की संख्या लगातार कम हो रही है. 1992 की हाथी परियोजना (प्रोजेक्ट एलीफेंट) के तहत्, 2002 से देश में हर 5 वर्ष में एक बार हाथियों की जनगणना कराई जाती है. 2017 की पिछली 'राष्ट्रीय हाथी जनगणना' के अनुसार देश में 27,312 हाथी ही शेष बचे हैं. इससे पहले हाथियों की गणना का काम 2012 में हुआ था, तब हाथियों की संख्या तकरीबन 30 हजार थी. एशियाई हाथियों की 60 प्रतिशत आबादी केवल भारत में पाई जाती है, लेकिन 2012 से 2017 के बीच हाथियों की संख्या में 10% तक की कमी दर्ज की गई. देश में गज-संरक्षण में बरती जा रही कोताही की पुष्टि केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की गत वर्ष आई रिपोर्ट भी करती है, जिसके मुताबिक देश में 2014 से 2019 के बीच 500 हाथियों की अकाल मौतें हुईं. इनमें से ज्यादातर मौतों की वजह मानव-हाथी टकराव,बिजली की हाइटेंशन तार की चपेट में आना,रेल दुर्घटना, हाथी दाँत के लिए शिकार, जहर देना, भूस्खलन और बीमारियाँ रहीं. हाथियों के संरक्षण के लिए केन्द्र सरकार ने 13 अक्टूबर, 2010 को हाथी को 'राष्ट्रीय विरासत पशु' घोषित किया था, जबकि देश के 3 राज्यों—झारखण्ड, कर्नाटक और केरल सरकार द्वारा हाथी को 'राजकीय पशु' के रूप में मान्यता दी गई है. बावजूद इसके, हाथियों की घटती तादाद में मानव जनित कारकों की बढ़ती भूमिका कई सवाल खड़े करती है. अगर यही आलम रहा तो वह समय दूर नहीं जब हम हाथी की दो अन्य प्रजातियों की तरह एशियाई हाथी को भी विलुप्त होने की कगार पर देखेंगे.

अन्तर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आइयूसीएन) के मुताबिक दुनिया में हाथी की दो प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा बढ़ गया है. इस स्विस संस्था द्वारा जारी 2021 की 'लाल सूची' (रेड लिस्ट) में अफ्रीकी जंगली हाथी को 'गम्भीर रूप से संकटग्रस्त' तथा अफ्रीकी सवाना हाथी को 'लुप्त प्राय' घोषित किया गया है. इससे पहले इन दोनों प्रजातियों को 'सुभेद्य' श्रेणी में वर्गीकृत किया गया था. पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से देखें तो यह एक गंभीर चेतावनी है. जाहिर है, धरातल पर शेष बचे हाथियों के संरक्षण के प्रति अब भी हम सचेत नहीं हुए तो इस सूची में एशियाई हाथी को शामिल होने में अधिक वक्त नहीं लगेगा.

बीते दिनों मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व पर जारी वर्ल्ड वाइड फंड और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया कि मानव-वन्य जीव टकराव का सर्वाधिक प्रभाव भारत पर पड़ेगा, क्योंकि जैव-विविधता के मामले में समृद्ध होने के साथ-साथ भारत दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश भी है. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मानव-वन्य जीव टकराव से सबसे ज्यादा प्रभावित एशियाई हाथी होंगे. मनुष्यों और हाथियों के टकराव में धरती का सबसे विशालकाय जीव असमय मारा जाता है,जिस पर रोक लगनी ही चाहिए.

कोरोना काल में सार्वजनिक उत्सवों को मनाए जाने के तरीकों में आए बदलाव, सर्कस और शादी जैसे सामूहिक आयोजनों पर सीमित छूट दिए जाने के कारण हाथी के मालिकों की आय प्रभावित हुई, जिसका प्रत्यक्ष असर हाथियों को दी जाने वाली भोजन की गुणवत्ता और मात्रा तथा उन्हें मिलने वाली सुख-सुविधाओं पर भी पड़ा है. आज धरती का बलशाली जीव उपेक्षित जीवन व्यतीत कर रहा है. दूसरी तरफ वर्षा ऋतु में बाढ़ के कारण वन्यजीव अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यानों में पानी भर जाने से हाथी समेत अनेक जानवरों को काफी नुकसान पहुँचता है. इस दौरान कई जानवर मारे जाते हैं. कई बार तो बाढ़ के पानी में हाथी बह जाते हैं. बाढ़ के समय हाथी एक-दूसरे से बिछड़ जाते हैं. ऐसे हालात में उनको देखभाल और सहारे की जरूरत होती है, जो उन्हें सामान्यत: नसीब नहीं होती है.इससे उनकी आबादी घटती है. यह भी सच्चाई है कि उजड़ते जंगलों के कारण भोजन, पानी और आवास की खोज में उन्हें पहले से अधिक दूरी तय करनी पड़ रही है.

अस्तित्व की लड़ाई बनता मानव-हाथी टकराव

बढ़ती मानव आबादी, शहरीकरण, वनोन्मूलन, जलवायु परिवर्तन, वन्यजीव पर्यावास के विखंडन की प्रक्रिया तथा अनियंत्रित खनन गतिविधियाँ, रेलवे लाइन बिछाने, सड़क और नहर आदि के निर्माण में तेजी के कारण हाथियों के प्राकृतिक पर्यावास में कमी आई है. इसके समानांतर जल, भोजन एवं सुरक्षित पर्यावास की खोज में हाथियों का पलायन मानव बस्ती की ओर तेजी से हो रहा है. इस प्रक्रिया ने मानव-हाथी टकराव को जन्म दिया है. प्राकृतिक गलियारे (एलीफेंट कॉरिडोर) से छेड़छाड़ के कारण जंगली हाथियों का गुस्सा इंसानों, खेतों और घरों पर निकलता है.

केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार 2014 से 2019 अवधि के दौरान इंसानों और हाथियों के संघर्ष में हाथी तो मारे ही गए, लेकिन 2361 लोगों की जानें भी गई हैं. इसका तात्पर्य यह हुआ कि मानव-हाथी टकराव के कारण हर वर्ष 400 से अधिक इंसानों की जानें जा रही हैं. मानव-हाथी टकराव से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, असम, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु हैं. टकराव की 85 प्रतिशत घटनाएं इन्हीं 6 राज्यों में होती है. वास्तव में मानव-हाथी टकराव अपने-अपने अस्तित्व की लड़ाई है. हालाँकि इसके पीछे दोनों पक्षों के बीच एक-दूसरे के प्रति व्याप्त डर और असुरक्षा की भावना होती है, लेकिन समझना होगा कि स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के लिए दोनों का अस्तित्व जरूरी है. इस टकराव को रोकना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इससे दोनों पक्षों को केवल नुकसान ही पहुँचता है. इस प्रवृति का पारितंत्र और जैव-विविधता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है.

हाथियों और मनुष्य के बीच टकराव की स्थिति मानव जनित है और इससे हाथियों की संख्या कम हो रही है तथा उनके संरक्षण का कार्य भी प्रभावित हो रहा है. लिहाजा इस टकराव को रोके बिना विलुप्त होने की कगार पर खड़े हाथियों के कुनबे को बचाना कतई मुमकिन नहीं होगा. मानव-हाथी टकराव की अनेकों घटनाएं देश के विभिन्न हिस्सों से सामने आती रहती हैं. हाथियों के आक्रमण का प्रमुख कारण इनके प्राकृतिक आवासों में मानव का हस्तक्षेप है. जंगलों में मानव हस्तक्षेप में वृद्धि के कारण जहाँ एक ओर हाथियों को ग्रामीण क्षेत्रों में जाने तथा वनावरण में कमी ने इन्हें अपने प्राकृतिक आवास से पलायन हेतु मजबूर किया है. मनुष्यों ने अपने स्वार्थ के लिए हाथियों के प्राकृतिक रास्ते और आवास को खत्म किया है, जिससे धरती की 2 महत्वपूर्ण संतानों के बीच टकराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है. समझना होगा कि हाथियों को भी जीने और रास्ता पाने का अधिकार प्राप्त है.

हाथी दाँत के लिए बढ़ा अवैध शिकार

मानव-हाथी टकराव के अलावा हाथियों की संख्या में कमी आने की एक और प्रमुख वजह उसके कीमती और बहुउपयोगी दाँत के लिए उसका शिकार किया जा रहा है, जिसकी वजह से आज एक जीव का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है. प्राचीन समय में राजा-महाराजा

शानो-शौकत के प्रदर्शन के लिए हाथियों को उपयोग में लाते थे. शयनकक्ष और राजमहल की शोभा बढ़ाने के लिए हाथी दाँत की आवश्यकता होती थी. उस समय हाथियों का शिकार करना गौरव की बात होती थी, जिसका प्रतिकूल प्रभाव हाथियों के जीवन पर पड़ा. बाद में हाथियों के संरक्षण के निमित्त कानून भी बनाए गए, लेकिन विडंबना है कि गिनती भर हाथी के बचे होने तथा सख्त कानून की उपस्थिति के बावजूद देश में हाथी दाँत (आइवरी) की प्राप्ति के लिए हाथियों की क्रूरता से हत्या करने का सिलसिला थमा नहीं है. इसके लिए ऐसे-ऐसे अमानवीय और क्रूर तरीके अपनाए जाते हैं कि जिसे सुनने मात्र से ही रूह काँप जाती है.

सामान्यतः, तस्करों द्वारा हाथियों को करंट लगाकर,जहर देकर और गोली के जरिए मारा जाता है और जब हाथी मर जाता है तो उसके दाँतों को वे काटकर ले जाते हैं. मालूम हो कि 'वन्य जीवों एवं वनस्पतियों की लुप्त प्राय प्रजातियों के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन' (CITES) द्वारा 18 जनवरी, 1990 से ही हाथी दाँत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है, लेकिन आज भी कई देशों में ठोस कानून और सख्ती के अभाव के कारण यह व्यापार घरेलू स्तर पर धड़ल्ले से जारी है. हालांकि भारत सहित दुनिया के अनेक देशों ने घरेलू स्तर पर भी हाथी दाँत के व्यापार को गैर-कानूनी घोषित किया है. सिंगापुर 1 सितम्बर, 2021 से देश में बिकने वाले हाथी दाँत और उससे बने उत्पादों की बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा चुका है. जबकि चीन, जो दुनिया का सबसे बड़ा हाथी दाँत से बने सामानों को बेचने वाला बाजार है, वहाँ 31 दिसम्बर, 2017 से हाथी दाँत से जुड़ी समस्त व्यावसायिक गतिविधियाँ प्रतिबंधित हैं. इसी तरह इंगलैंड ने 6 अक्टूबर, 2017, फ्रांस ने 17 अगस्त, 2016 और संयुक्त राज्य अमरीका ने 6 जुलाई, 2016 को ही हाथी दाँत के व्यापार के विरुद्ध कानून बना चुका है. वहीं भारत में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम-1972 के तहत् हाथी दाँत या इससे निर्मित वस्तुओं का क्रय-विक्रय प्रतिबंधित है.

हाथी का शिकार या उसके दाँत का व्यापार करने पर देश में 7 साल जेल के सश्रम कारावास तथा न्यूनतम ₹ 25 हजार के आर्थिक दंड का प्रावधान है, लेकिन इसके बावजूद देश में चोरी-छिपे यह कारोबार चल रहा है. बीते दिनों झारखण्ड के गढ़वा में तस्करों ने एक हाथी की गोली मारकर हत्या कर दी और उसकी बेशकीमती दाँतों को लेकर फरार हो गए. इससे महीने भर पहले पटना वन प्रमंडल की टीम ने 35 किलो हाथी दाँत के साथ एक डॉ. समेत 3 लोगों तथा सोनभद्र में उसी महीने पुलिस ने ₹ 2·50 करोड़ की कीमत के दस किलो हाथी दाँत के साथ 3 तस्करों को गिरफ्तार किया था.अगर तस्करी की इन घटनाओं को रोका न गया तो गजराज के संरक्षण का कार्य और भी मुश्किल हो जाएगा.

बीमारी ने भी हाथियों को किया है परेशान

सभी जीवों की तरह हाथी भी बीमार पड़ते हैं. लेकिन हाथियों को कुछ घातक बीमारियों जैसे 'पाश्चुरेलौसिस' (Pasteurellosis), 'एंथ्रेक्स' (Anthrax) और टीबी (ट्यूबरक्लोसिस) ने खासा परेशान किया है. ये कुछ ऐसी बीमारियाँ हैं, जो हाथियों को असमय काल-कवलित कर देती हैं. 14 फरवरी, 2021 को ओडिशा के कालाहांडी के कारलापात वन्यजीव अभयारण्य में 6 हथिनी की मृत्यु 'पाश्चुरेलौसिस' नामक बीमारी की वजह से हो गई थी. इस बीमारी के कारण हाथियों में मृत्यु दर काफी अधिक है. इस बीमारी में संक्रमण इतनी तेजी से फैलता है कि संक्रमित होने के 3 से 36 घण्टे या फिर 15 दिनों के भीतर ही पीड़ित हाथी की मृत्यु हो जाती है. वहीं 13 जुलाई, 2021 को 'एंथ्रेक्स' नामक बीमारी की वजह से एक मादा हाथी की मृत्यु कोयंबटूर वन क्षेत्र में हो गई.

एक रिपोर्ट बताती है कि ओडिशा के सिमलीपाल बाघ अभयारण्य में 2016 से 2019 के बीच 25 हाथियों की मृत्यु की वजह 'एंथ्रेक्स' नामक बीमारी ही रही. फेफड़ों को संक्रमित करने वाली यह बीमारी पीड़ित हाथी की 2 दिनों के भीतर जान ले लेता है. मूक होने के कारण हाथी अपनी बीमारियों और शरीर की तकलीफों को दूसरों से साझा नहीं कर पाते. अस्वस्थता की स्थिति में उसका जीवन उसके मालिक और पशु चिकित्सक के व्यवहार पर टिका होता है. कई बार इंफेक्शन और ट्यूमर भी बड़ी बीमारी का रूप धारण कर लेने से भी हाथी की जान चली जाती है. 2010 में देश में 'हाथी संरक्षण और उपचार केन्द्र' की शुरूआत की गई है, जिसका मकसद हाथियों के स्वास्थ्य का देखभाल करना है. यह अच्छी बात है कि 2018 में मथुरा में देश के पहले और इकलौते एक विशेष 'हाथी अस्पताल' की स्थापना ने बीमार हाथियों के सही से उपचार को सुनिश्चित किया है. इस तरह के अत्याधुनिक 'हाथी अस्पताल' देश के अन्य शहरों में भी खोले जाने चाहिए, ताकि बीमारी की वजह से किसी हाथी को असमय दम न तोड़ना पड़े.

बीमारी के अलावा, आकाशीय बिजली गिरने से भी हाथियों की अकाल मृत्यु हो जाती है. याद होगा, 14 मई, 2021 को असम के नगांव में आकाशीय बिजली गिरने से 18 हाथियों की जान चली गई थी. इसके अलावे रेल दुर्घटना की वजह से भी हाथियों की जानें जाती रही हैं. दरअसल रेल मार्गों के विस्तार तथा जंगलों से रेलमार्गों का गुजरना हाथियों के मौत का कारण बन गया है. 4 फरवरी, 2021 झारखंड में चक्रधरपुर रेल मंडल के महीपानी रेलवे क्रासिंग के पास पार्सल एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से दो हाथियों की मौत हो गई. उसके कुछ दिन बाद देहरादून के लच्छीवाला में रेलवे ट्रैक के बीच नंदा देवी एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक शिशु हाथी की मौत हो गई. मानव को परिवहन की सुविधा देने वाला रेल हाथियों की आकस्मिक मौत की वजह बन गई है. जंगल से रेल के गुजरने के समय गति का विशेष ध्यान रखना होगा, ताकि इंसानों की सुविधा किसी भी जंगली जानवर के लिए दुविधा न बन जाए.

गज-संरक्षण के लिए उठाए गए कुछ कदम

हालाँकि देश में हाथियों के संरक्षण के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं. इसे निम्नलिखित तथ्यों से समझा जा सकता है–

- हाथी संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए देश के कई शहरों और राष्ट्रीय उद्यानों में जयपुर की तर्ज पर 'हाथी महोत्सव' का आयोजन किया जाता है.
- हाथी परियोजना (प्रोजेक्ट एलीफेंट) 17 दिसम्बर, 1992 को झारखण्ड के सिंहभूम जिले से प्रारम्भ की गई. इस परियोजना के अंतर्गत 32 हाथी संरक्षण क्षेत्र घोषित किए गए हैं, जो लगभग 70,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तृत हैं. भारत के प्रमुख हाथी संरक्षित क्षेत्र हैं–पेरियार अभयारण्य (केरल),मानस अभयारण्य एवं काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (असम), राजाजी एवं जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखंड).
- भारत में हाथियों के संरक्षण हेतु एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान 'हाथी मेरे साथी' की शुरूआत की गई.
- राजस्थान के जयपुर के आमेर में केन्द्र और राज्य की सहायता से एशिया का तीसरा तथा भारत का पहला 'एलीफेंट विलेज' बनाया गया है.
- भारत में पहला हाथी पुनर्वास केन्द्र कोट्टूर (केरल) में बनाया गया है.
- इसके अलावा हाथी संरक्षण के लिए वर्ल्ड वाइड फंड इंडिया द्वारा 2003-04 में विकसित 'सोनितपुर मॉडल' के तहत् सामुदायिक स्तर पर हाथियों से खेतों को नष्ट होने से बचाने तथा उसे मारने के बजाय भगाने और वन विभाग को सूचित करने के लिए प्रेरित किया जाता है.

शेष पृष्ठ 128 पर

ड्रोन, किसानों की आय बढ़ाने में उपयोगी

—डॉ. आर. एस. सेंगर

भारत में हरित क्रांति के माध्यम से खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्राप्त कर विगत वर्षों में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है. इस सफलता का पूरा श्रेय देश के किसानों और वैज्ञानिकों को जाता है, क्योंकि वैज्ञानिकों ने जो आधुनिक तकनीकी की खोज की, उन तकनीकों का समावेश अपने खेतों में किसानों के द्वारा किया गया और आज उसका परिणाम है कि हमारा देश अनाज उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो गया है. देश के किसानों ने उन्नत किस्म के बीज, मशीनों आदि का का प्रयोग करते हुए खेती में अपेक्षित बदलाव लाकर बढ़ती हुई जनसंख्या को पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराने तथा उत्पादन लक्ष्य को समय पर प्राप्त करने में अपनी अहम भूमिका निभाई है. इस उत्पादकता को और अधिक बढ़ाने श्रम को कम करने के लिए ड्रोन टेक्नोलॉजी में एक नई क्रांति ला सकती है.

समय व जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ खेती में जहाँ समस्याओं का आकार व स्वरूप बदला है, वही किसानों पर लागत में कमी लाते हुए अधिक उत्पादन का दबाव भी लगातार बढ़ता जा रहा है, साथ ही, कृषि में आय को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे किसानों की आय दुगनी हो सके. किसानों की आय को दोगुनी करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक खेती के नए तौर-तरीके अपनाए जा रहे हैं.

इनमें अत्याधुनिक कृषि मशीनों तथा अन्य उपकरणों का विशेष तौर पर जिक्र किया जा सकता है क्रमिक विकास के फलस्वरूप अन्य मशीनों और यंत्रों की भाँति ड्रोन भी विकास के इस मुकाम पर पहुँच चुका है जहाँ उसे खेती के प्रयोग में भी लाया जा सकता है और कृषि के क्षेत्र में ड्रोन की उपयोगिता को देखते हुए इसकी लगातार माँग बढ़ रही है. इस बार बजट 2022-23 में ड्रोन के जरिए कृषि क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाएगा इससे फसल मूल्यांकन भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण कीटनाशकों व पोषक तत्वों के छिड़काव में मदद मिलेगी.

खाद्यान्न उत्पादन में निरन्तर वृद्धि जारी है आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2020 और 21 के दौरान देश में खाद्यान्न उत्पादन बीते 5 वर्ष में सर्वाधिक रहा. सोचने और समझने की बात है कि देश में विगत कई वर्षों से जो हमारे खेती का क्षेत्रफल है वह सीमित है, लेकिन किसानों और वैज्ञानिकों की मदद से हाईटेक खेती को अपनाते हुए खाद्यान्न उत्पादन लगातार बढ़ रहा है जिसके लिए देश के किसान और वैज्ञानिक बधाई के पात्र हैं, 50% योगदान कृषि क्षेत्र स्वतंत्रता के पश्चात् 10 वर्ष तक जीडीपी में करता रहा है. वर्ष 2015 और 16 में यह 15·4% रह गया 54·6% आबादी वर्ष 2011 की जनसंख्या के अनुसार कृषि क्षेत्र से जुड़ी है 17·8% योगदान 2019 और 20 में देश के सकल मूल्य संवर्धन जीबीए में कृषि सम्बन्धित गतिविधियों का रहा है. 3·6% की दर से कृषि क्षेत्र ने वर्ष 2020 और 21 में देश की अर्थव्यवस्था महामारी के कठिन समय में सँभाला है. 6,000 किसान सम्मान निधि योजना में प्रति वर्ष 3 किस्तों में किसानों को दिए जा रहे हैं जिसका सीधा लाभ किसानों को मिला है इसके अलावा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 2016 में शुरू की गई है जिससे भी देश के किसान लाभान्वित हो रहे हैं.

क्या है ड्रोन?

ड्रोन एक ऐसा मानवरहित विमान है, जिसे दूर से ही नियंत्रित तरीके से उड़ाया जा सकता है. इसके खेती में प्रयोग की अपार संभावनाएं हैं. एक सामान्य ड्रोन की संरचना चार विंग यानि पंखोवाला होता है. इसलिए इसे क्वाड कॉप्टर भी कहा जाता है. असल में यह नाम इसके उड़ने के कारण इसे मिला. यह बिलकुल एक मधुमक्खी की तरह उड़ता है और एक जगह पर स्थिर भी रह सकता है. ड्रोन को कई तरीकों से वर्गीकृत किया जा सकता है. जैसे उसके उड़ने की ऊँचाई के आधार पर, उसके आकार के आधार पर, उसके वजन उठाने के क्षमता के आधार पर, उसके पहुँच क्षमता के आधार पर इत्यादि, परन्तु मुख्य रूप से इसके वायु गतिकीय के आधार पर वर्गीकृत किया गया है.

किसानों के लिए ड्रोन लाभकारी

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आज ड्रोन के माध्यम से खेतों में कीटनाशकों व खरपतवार नाशक रसायनों का छिड़काव करने का प्रदर्शन किया गया.

ड्रोन एक तकनीक से परिपूर्ण होने के कारण युवा पीढ़ी को अवश्य ही आकर्षित करेगा और खेती की तरफ कदम बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेगा इसकी भविष्य में अति आवश्यकता है इस समय बहु आयामी क्षमता से परिपूर्ण ड्रोन कृषि उत्पादन में प्रबंधन के लिए बहुत योगी और लाभप्रद साबित होगा भारत पर भारत के साथ-साथ कई अन्य देशों में गहन अध्ययन जारी है इसको कृषि के विभिन्न कार्यों में दक्षता व सरलता से प्रयोग में लाया जा सकेगा उन्होंने कहा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश के किसान भी इसको खरीद कर अपनी खेती किसानी में प्रयोग कर सकेंगे अब वह दिन दूर नहीं है जब ड्रोन का रिमोट किसानों के हाथ में होगा. इसके लिए कृषि विश्वविद्यालय प्रयास कर रहा है और आज परिसर में इसका प्रदर्शन करके इसकी सम्भावनाएं और बढ़ा दी है.

समय व जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ खेती में जहाँ समस्याओं का आकार व स्वरूप बदला है वहीं किसानों पर लागत में कमी लाते हुए अधिक उत्पादन का दबाव भी बढ़ा है. ऐसे में किसानों की आय को दोगुनी करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक खेती के नए तौर तरीके अपनाए जाने होंगे. इसमें आधुनिक कृषि मशीनों तथा अन्य उपकरणों का विशेष तौर पर उपयोग करना होगा. उन्होंने बताया कि ड्रोन एक बहुत ही महत्वपूर्ण मशीन है, जो खेती के लिए काफी उपयोगी है.

यह किसानों के स्वास्थ्य के साथ-साथ उनके समय को बचाएगा वहीं उनके खर्चे में भी कमी आएगी और नैनो फर्टिलाइजर आदि का समान रूप से छिड़काव अपने खेत में किसान बहुत ही कम समय में कर सकेंगे.

कृषि में ड्रोन की बढ़ सकेगी भूमिका

ड्रोन कृषि प्रबंधन के संचालन के लिए पारम्पारिक हवाई वाहनों की अपेक्षा उच्च परिशुद्धता और कम ऊँचाई की उड़ान भरकर छोटे आकार के खेतों में कार्य करने की क्षमता रखता है. ड्रोन खेतों के हालात जानने के लिए डाटा उत्तरण और उनका विश्लेषण करने ऐसे कार्यों में विभिन्न अवयवों व घटकों के उचित और सटीक रूप से प्रबंधन में सहायक सिद्ध हो सकता है.

ड्रोन की कीमत लगभग ₹ 6,00,000 आती है इसके टैंक की क्षमता 10 लिटर तक की गुल को लेकर आसानी से खेत बिछड़ा सकता है 15 मिनट में लगभग 1 एकड़ क्षेत्रफल में अच्छी तरह से छिड़काव करने पर समय की बचत के साथ-साथ लेबर की भी बचत होती है.

ऐसी परिस्थितियाँ जहाँ परम्परागत मशीनों का उपयोग करना चुनौतीपूर्ण है वहाँ पर इसका उपयोग किया जा सकता है जब किसानों के खेत गीले हों उसमें चलने में कठिनाई हो रही हो इसके अलावा गीले धान का खेत हो गन्ना हो मक्का व कपास की फसल नारियल और चाय बागान लीची के बागान आम के बागान इत्यादि में विभिन्न ऊँचाइयों पर जाकर ड्रोन

की सहायता से आसानी से छिड़काव किया जा सकता है.

ड्रोन कृषि प्रबंधन के संचालन के लिए पारम्पारिक हवाई वाहनों की अपेक्षा उच्च परिशुद्धता और कम ऊँचाई की उड़ान भरकर छोटे आकार के खेतों में कार्य करने की क्षमता रखता है. ड्रोन खेतों के हालात जानने के लिए डाटा उत्तरण और उनका विश्लेषण करने ऐसे कार्यों में विभिन्न अवयवों व घटकों के उचित और सटीक रूप से प्रबंधन में सहायक सिद्ध हो सकता है. कृषि विश्वविद्यालय में ड्रोन के द्वारा किए गए छिड़काव को देखकर किसानों ने प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह तकनीक भविष्य में किसानों के लिए काफी लाभकारी होगी. इस अवसर पर प्रेमपाल सिंह अखिल कुमार प्रमोद आदि लोग मौजूद रहे.

सीड कॉप्टर ड्रोन से बीजारोपण

कोरोना काल में मानव संक्रमण के खतरे को देखते हुए एआई i40 जैसी तकनीक काफी कारगर साबित हुई है ड्रोन ने बुजुर्गों एवं क्वारंटाइन किए गए लोगों तक दवाइयों की इमरजेंसी डिलीवरी कराने लोगों के मूमेंट पर निगरानी रखने में भी अहम भूमिका निभाई है ड्रोन तकनीक से एक सीमित समय में एक क्षेत्र में 50 गुना अधिक गति से सैनिटाइज किया जा सकता है इससे क्रॉप इंफेक्शन का खतरा नहीं रहता जिससे संक्रमण पर भी काबू पाया जा सकता है देश में कई प्रकार के ड्रोन विकसित हो चुके हैं जिससे पब्लिक मॉनिटरिंग वार्निंग ड्रोन आदि के लिए उपयोग किया जा रहा है.

आज ड्रोन के माध्यम से तेजी से बीजारोपण भी किया जा सकता है. यदि बुवाई में ड्रोन का उपयोग तेजी से बड़ा तो निश्चित रूप से देश में एक ड्रोन क्रांति अवश्य कुछ ही वर्षों में दिखाई देगी कम्पनियों के द्वारा कई ऐसे ड्रोन विकसित किए गए हैं जिससे 20 से 25 एकड़ खेत की बुवाई कम समय में आसानी से की जा सकती है इन ड्रोन में एक बार में 25 से 30 किलो बीज रखकर आसानी से बुवाई की जा सकती है पूर्णता स्वचालित यह ड्रोन 1 घंटे में 10 एकड़ खेत में बुवाई कर सकते हैं ड्रोन से दवा के छिड़काव के लिए किसानों को खुद खेत में नहीं जाना पड़ेगा इसे भारत में निर्मित सबसे बड़ा डॉन माना जा रहा है जिसे भारत के किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है.

खेती में ड्रोन की उपयोगिता

- कीटनाशक व खरपतवार नाशक रसायनों के छिड़काव में.
- फसल में रोगों व कीटों के स्तर की जाँच व उपचार में खेतों की भौगोलिक स्थिति का आकलन करने में.
- तरल और ठोस उर्वरकों का छिड़काव करने में.
- फसल अवशेषों के अपघटन के लिए जैविक रसायनों का छिड़काव करने में.
- सिंचाई व हाइड्रोजेल का छिड़काव करने में.
- खेतों एवं जंगलों में बीजों का छिड़काव करने में.
- फसल को कीटों एवं टिड्डियों के आक्रमण से बचाने में.
- मवेशियों व जंगली जानवरों से फसल को बचाने में.
- मृदा के 3D मानचित्र के विश्लेषण में.

युवाओं को कृषि में देगा रोजगार

ड्रोन रोजगार का एक ऐसा क्षेत्र है इसमें ड्रोन का परिचालन पायलटिंग सीख कर ऐसी युवा जिनकी आयु 18 वर्ष से अधिक है. लगभग 20 से ₹ 30,000 प्रति माह की कमाई आसानी से कर सकेंगे इसके लिए पायलट के पास प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र होना आवश्यक है. देशभर में कई सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं ने ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ कर दिए हैं युवाओं में ड्रोन के प्रति नया उत्साह देखने को मिल रहा है.

नगर विमानन महानिदेशालय के अनुसार ड्रोन को टेक ऑफ वेट के अनुसार 5 भागों में वर्गीकृत किया गया है.

- नैनो 250 ग्राम से कम या बराबर (सूक्ष्म).
- 250 ग्राम से बड़ा और 2 किलोग्राम से कम या बराबर (मिनी).
- 2 किलोग्राम से बड़ा और 25 किलोग्राम से कम या बराबर (बड़ा).

150 किलोग्राम से बड़ा व्यवसायिक क्षेत्र में इनको उड़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा बनाए गए मापदंडों व नियमों का पालन करना अनिवार्य है.

ड्रोन कृषि प्रबंधन के संचालन के लिए पारम्परिक हवाई वाहनों की अपेक्षा उच्च परिशुद्धता और कम ऊँचाई की उड़ान भरकर छोटे आकार के खेतों में कार्य करने की क्षमता रखता है. ड्रोन खेतों के हालात जानने के लिए डाटा एकत्र और उनका विश्लेषण करने व ऐसे कार्यों में विभिन्न आवेदन वाह घटकों के उचित और सटीक रूप से प्रबंधन में सहायक सिद्ध हो सकता है ऐसी परिस्थितियाँ जहाँ परम्परागत मशीनों का उपयोग करना चुनौतीपूर्ण साबित हुआ है वहाँ पर ड्रोन काफी सफल साबित हो सकते हैं. इनके उपयोग से खेती की उत्पादकता को आसानी से बढ़ाया जा सकता है उदाहरण के लिए गिरे धान का खेत गन्ना मक्का व कपास की फसल नारियल और चाय बागान बागवानी के क्षेत्र में आम के पेड़ों, लीची के पेड़ों आड़ू इत्यादि के पेड़ों में ड्रोन की उपयोगिता बहुत महत्वपूर्ण व उपयोगी है, क्योंकि इस टेक्नोलॉजी से इन बड़े-बड़े वृक्षों पर आसानी से समान रूप से दवाइयों का छिड़काव करके रोग नियंत्रण अथवा कीट नियंत्रण में सफलता हासिल की जा सकती है.

टेक्नोलॉजी के विकास के साथ-साथ ड्रोन के कलपुर्जे सस्ते और दक्ष पूर्ण होंगे. इनसे लम्बे अंतराल के लिए हवा में सस्ती उड़ान भरी जा सकेगी. इनका उपयोग कृषि प्रबंधन में आर्थिक रूप से भी फायदेमंद साबित होगा. कृषि कार्यों में उपयोग करके इसे कम आमदनी का जरिया मानकर युवा पीढ़ी का खेती से मोहभंग हो रहा था, लेकिन अब नई टेक्नोलॉजी और डॉन जैसी टेक्नोलॉजी के आ जाने से लोगों का आकर्षण इस ओर बढ़ेगा और युवा अब गाँव में ही रहकर खेती की ओर आकर्षित होंगे और नई टेक्नोलॉजी का समावेश कर उच्च गुणवत्ता युक्त फलों एवं फल फूलों का उत्पादन कर सकेंगे. यह एक अच्छी सुख सुविधाओं और ऊँची पगार की नौकरी के लिए भी शहरों की ओर विस्थापित हो रहे युवाओं को रोकने में काफी सफल साबित होगी ड्रोन नई तकनीकी से परिपूर्ण होने के कारण युवा पीढ़ी को अवश्य ही आकर्षित करेगा और खेती की तरफ कदम बढ़ाने के लिए युवाओं को प्रेरित करेगा इसकी भविष्य में अति आवश्यकता है इस तरह विभिन्न क्षमताओं से परिपूर्ण ड्रोन कृषि उत्पादन में प्रबंधन के लिए बहुत लाभप्रद साबित होगा.

ड्रोन पर भारत के साथ-साथ कई अन्य देशों में गहन अनुसंधान लगातार जारी है इसको कृषि के विभिन्न कार्यों में दक्षता व सरलता से प्रयोग में लाया जा सकेगा. वह दिन दूर नहीं है जब ड्रोन का रिमोट किसान के हाथ में होगा और मोबाइल की तरह इसे अपने जीवन में तेजी से अपना कर इससे भरपूर फायदे के लिए खेतों पर चलते हुए नजर आएंगे. सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में ड्रोन टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन और इसका लॉन्चिंग की गई. इस दौरान देखा गया कि कृषि विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र में आने वाले विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों के किसानों ने इस टेक्नोलॉजी को बहुत पास से इसके प्रदर्शनों को देखा और इसको किसानों के लिए काफी उपयोगी बताया. किसानों का मानना है कि यदि ड्रोन की कीमत कम हो जाती है या फिर सरकारी स्तर पर खरीद कर किसानों को न्यूनतम दर पर छिड़काव के लिए ड्रोन उपलब्ध होते हैं तो निश्चित रूप से कृषि के क्षेत्र में ड्रोन एक परिवर्तन लाने में सफल साबित होंगे हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आने वाले समय में किसान ड्रोन के रिमोट

शेष पृष्ठ 128 पर

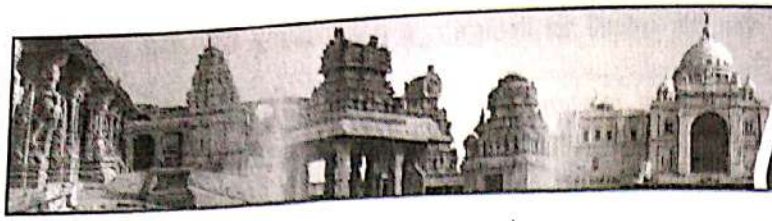

सार संग्रह

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. किस बौद्ध भिक्षु के प्रभाव में अशोक ने बौद्ध धर्म ग्रहण किया ? —उपगुप्त
2. 'बणावली' एक प्राचीन स्थल हैं, जहाँ 1973-74 ई. की खुदाई में सिन्धु सभ्यता के अवशेष मिले, यह स्थल भारत के किस राज्य में स्थित है ? —हरियाणा में
3. कौनसा मुगल शासक 'शाहीदरवेश' एवं 'जिन्दापीर' के नाम से जाना जाता था ? —औरंगजेब
4. किस गुप्त शासक ने हूणों को पराजित किया था ? —स्कन्दगुप्त
5. किस गुफा में त्रिमूर्ति (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) के मुखमण्डल की मूर्ति स्थित है ? —एलिफेंटा
6. किस सिख गुरु ने फारसी भाषा में जफरनामा लिखा था ? —गुरु गोविंद सिंह
7. मृगदाब (सारनाथ) में बुद्ध द्वारा दिया गया प्रथम उपदेश किस नाम से जाना जाता है ? —धम्मचक्र प्रवर्तन
8. गुप्त वंश का कौनसा शासन 'देवराज' तथा 'देवगुप्त' के नाम से भी जाना जाता है ? —चन्द्रगुप्त द्वितीय
9. किस राष्ट्रकूट शासक ने ऐलोरा के पर्वतों को कटवाकर प्रसिद्ध कैलाश मन्दिर का निर्माण करवाया ? —कृष्णा प्रथम ने
10. भारत का अंतिम मुगल सम्राट् बहादुरशाह जफर (द्वितीय) का मकबरा कहाँ स्थित है ? —रंगून (यंगून), म्यांमार

भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

11. दक्षिण अफ्रीका में रहने की अवधि में महात्मा गांधी ने किस पत्रिका का प्रकाशन किया था ? —इंडियन ओपीनियन
12. 30 मई, 1919 को अपना अलंकरण (नाइटहूड) भारत सरकार को लौटाने वाले व्यक्ति कौन थे ? —रवीन्द्रनाथ टैगोर
13. 'अभिनव भारत' नामक अंग्रेज विरोधी संगठन की स्थापना किसने की थी ? —वी. डी. सावरकर ने
14. वर्ष 1909 के इंडियन काउंसिल एक्ट में किस बात की व्यवस्था की गई थी ? —साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व
15. आनंदमठ उपन्यास की कथावस्तु किस पर आधारित है ? —संन्यासी विद्रोह पर
16. किसके काल में इंडियन पीनल कोड, सिविल प्रोसीजर कोड और क्रिमिनल प्रोसीजर कोड पारित किए गए थे ? —लॉर्ड कैनिंग
17. सुभाषचंद्र बोस के त्यागपत्र देने के बाद किसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया ? —राजेंद्र प्रसाद
18. वर्ष 1919 में अखिल भारतीय खिलाफत सम्मेलन का अध्यक्ष किसे चुना गया ? —महात्मा गांधी
19. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सन् 1905 ई. के बनारस अधिवेशन के अध्यक्ष कौन थे ? —गोपाल कृष्ण गोखले
20. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्ति का लक्ष्य किस वर्ष में घोषित किया था ? —वर्ष 1929

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

21. मुख्यमंत्री की नियुक्ति संविधान के किस अनुच्छेद के तहत् की जाती है ? —अनुच्छेद 163
22. किस अनुच्छेद के तहत् राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के निर्वाचन से सम्बन्धित विवाद का निर्णय उच्चतम न्यायालय द्वारा करने का प्रावधान संविधान में किया गया है ? —अनुच्छेद 71
23. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद व्यक्ति के विदेश यात्रा के अधिकार को संरक्षण प्रदान करता है ? —अनुच्छेद 21
24. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में प्रयुक्त 'समाजवाद' शब्द को किस अनुच्छेद/अनुच्छेदों के साथ मिलाकर पढ़ने से सर्वोच्च न्यायालय को समान कार्य के लिए समान वेतन का मौलिक अधिकार परिभाषित करने की शक्ति प्राप्त हुई है ? —अनुच्छेद 14, 15, 16
25. लोक सभा चुनाव में कोई प्रत्याशी अपनी जमानत खो देता है यदि उसे प्राप्त न हो सके —1/6 से कम मत प्राप्त हो
26. किसी विशेष दिन लोक सभा में अधिकतम कितने तारांकित प्रश्न पूछे जा सकते हैं ? —20
27. लोक सभा में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों का आरक्षण संविधान के किस अनुच्छेद में उपबन्धित है ? —अनुच्छेद 330
28. "प्राकृतिक अवस्था में मानव जीवन सूना, निर्बल, निकृष्ट और अल्पजीवी था." यह कथन है —हाब्स का
29. संसद का चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशी की न्यूनतम आयु कितनी होनी चाहिए ? —25 वर्ष
30. राज्य सभा द्वारा लोक सभा को धन विधेयक कितने समय में लौटा दिए जाने चाहिए ? —14 दिन

भारत एवं विश्व का भूगोल

31. नदियों के ज्वारनदमुख में कीचड़ वाले किनारे के साथ-साथ हल्की-हल्की जैतून रंग की वनस्पति और श्वसन मूल वाले ज्वारीय वन को क्या कहा जाता है ? —गरान (मैंग्रोव)
32. 'वेस्ट बैंक' नामक क्षेत्र किस नदी के पश्चिम में स्थित भू-क्षेत्र है ? —जॉर्डन
33. वृहत ज्वार उस समय आता है, जब —पृथ्वी, चन्द्रमा और सूर्य एक सीधी रेखा में होते हैं
34. 'भैसा सिंगी' नामक जनजाति भारत के किस राज्य में पाई जाती है ? —नगालैण्ड

35. ब्राजील स्थित अमेजन बेसिन के वन क्या कहलाते हैं ?
—सेल्वास (Selvas)

36. मंगल और बृहस्पति की कक्षाओं के बीच सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करने वाले शैल के छोटे टुकड़ों के समूह को क्या कहते हैं ?
—क्षुद्र ग्रह (Asteroids)

37. अलमाटी बाँध किस नदी पर है ? *—कृष्णा नदी पर*

38. ब्लैक हिल, ब्लू पर्वत तथा ग्रीन पर्वत नामक पहाड़ियाँ किस देश में स्थित है ?
—अमरीका में

39. किस तिथि को सूर्य मकर रेखा पर होता है, जिससे दक्षिणी गोलार्द्ध में सबसे बड़ा दिन तथा उत्तरी गोलार्द्ध में सबसे बड़ी रात होती है ?
—22 दिसम्बर

40. क्यूरोशिवो कैसी जलधारा है ?
—गर्म जलधारा

पर्यावरण एवं जैव विविधता

41. पर्यावरण और वन मंत्रालय ने राष्ट्रीय जलीय जीव पशु के रूप में मीठे पानी की डॉलफिन (गंगा डॉलफिन) को कब अधिसूचित किया ?
—18 मई, 2010 को

42. व्यापक जैवविधता के कारण किसे 'समुद्री वर्षावन' (Rainforests of the Sea) कहा जाता है ?
—प्रवाल भित्तियों को

43. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत् सर्वप्रथम किस वर्ष पहले पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) मानदंडों को अधिसूचित किया गया ?
—1994 में

44. दक्षिण भारत में किस स्थान पर तितलियों का वार्षिक प्रवास देखने को मिलता है ?
—पूर्वी घाट की पहाड़ियों से पश्चिमी घाट की ओर

45. क्षोभमण्डल में मिलने वाली ग्राउंड लेवल ओजोन क्या कहलाती है ?
—बैड ओजोन

46. भारत का पहला समुद्री जैव विविधता के लिए राष्ट्रीय केन्द्र (NCMB) कहाँ है ?
—जामनगर

47. इकोटोन में जो प्रजातियाँ प्रचुर मात्रा में पाई जाती हैं, क्या कहलाती हैं ?
—एज प्रजातियाँ

48. एक सर्वाधिक भंगुर पारिस्थितिक तंत्र है, जो वैश्विक तापन द्वारा सबसे पहले प्रभावित होगा
—आर्कटिक एवं ग्रीनलैंड हिमचादर

49. क्योटो प्रोटोकॉल के तहत् पर्यावरण में कार्बन उत्सर्जनों को कम करने के लिए लागू की गई थी
—कार्बन क्रेडिट प्रणाली

50. जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र संघ का कन्वेंशन ढाँचा सम्बन्धित है
—ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी से

भारतीय अर्थव्यवस्था

51. प्रत्येक पूर्ति अपनी माँग स्वयं पैदा करती है. यह नियम किसने प्रतिपादित किया था ?
—जे.बी. से (J.B. Say) ने

52. भारत में शेयर बाजारों के लिए मुख्य नियंत्रक का कार्य कौनसा संगठन करता है ?
—भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI)

53. मुद्रा के अवमूल्यन का क्या अर्थ है ?
—अन्य मुद्राओं की तुलना में देशी मुद्रा के मूल्य में कमी

54. ओपेक (Organisation of Petroleum Exporting Countries) का मुख्यालय कहाँ है ?
—वियना में

55. भारत सरकार ने पहली बार बैंकों का (14 बैंकों का) राष्ट्रीकरण कब किया था ?
—19 जुलाई, 1969 को

56. केन्द्रीय राजस्व बोर्ड का विभाजन करके 'केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सीमा शुल्क बोर्ड' एवं 'केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड' का गठन किस वर्ष किया गया था ?
—1963 ई. में

57. नफेड (NAFED) की स्थापना किस उद्देश्य की पूर्ति हेतु की गई है ?
—कृषि उपजों के विपणन के लिए

58. 'इकोनोमिक एण्ड सोशल कमीशन फॉर एशिया एण्ड पैसिफिक' (ESCAP) का मुख्यालय कहाँ है ?
—बैंकॉक

59. राष्ट्रीय महिला कोष की स्थापना किस योजना में की गई ?
—8वीं योजना में

60. राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (NABARD) की स्थापना किस समिति की सिफारिश के आधार पर की गई थी ?
—शिवारमन समिति की

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

61. राइफल चलाने पर लगने वाला झटका किसके संरक्षण का उदाहरण है ?
—रेखीय संवेग के संरक्षण (Conservation of linear momentum) का

62. चन्द्रमा पर वायुमण्डल न होने का क्या कारण है ?
—वहाँ सभी गैसों का वर्ग माध्य मूल वेग (Root Mean Square Velocity) उनके पलायन वेग (Escape Velocity) से अधिक है

63. किस एक कोशिकीय शैवाल (Unicellular Algae) का उपयोग अन्तरिक्ष में खाद्य की समुचित पूर्ति के लिए किया जाता है ?
—क्लोरेला (Chlorela)

64. प्रत्यावर्ती धारा की माप किस यंत्र से की जाती है ?
—तप्त तार अमीटर (Hot Wire Ammeter) से

65. हाइड्रोजन बम किस सिद्धान्त पर आधारित है ?
—नाभिकीय संलयन (Nuclear Fusion) पर

66. मानव शरीर में विटामिन K का निर्माण किस अंग में होता है ?
—कोलन में बैक्टीरिया द्वारा

67. 'मेनिनजाइटिस' (तानिका शोध) नामक रोग में शरीर का कौनसा अंग प्रभावित हो जाता है ?
—मस्तिष्क

68. हाइपोग्लाइसेमिया (Hypoglycemia) नामक रोग रक्त में किसकी कमी से होता है ?
—ग्लूकोस

69. टेट्रा इथाइल लैड (TEL) पेट्रोल में क्यों मिलाया जाता है ?
—एण्टीनॉकिंग रेटिंग (अपस्फोटन की दर) को बढ़ाने के लिए

70. कैलोमल क्या होता है ?
—मरक्यूरस क्लोराइड (Hg_2Cl_2)

naukaritak.com for Dec 2022

शिक्षा एवं बाल मनोविज्ञान

71. मानसिक विकास के लिए अध्यापक का कार्य है
—बालकों को सीखने के पूरे-पूरे अवसर प्रदान करें. छात्र-छात्राओं के शारीरिक स्वास्थ्य की ओर पूरा-पूरा ध्यान दें. व्यक्तिगत भेदों की ओर ध्यान देते हुए उनके लिए समुचित वातावरण की व्यवस्था करें

72. "अवस्था विशेष के आधार पर ही हमें किसी को बालक, युवा या वृद्ध कहना चाहिए." यह कथन है *—फ्रॉबेल का*

73. शिक्षक मनोविज्ञान के ज्ञान द्वारा बालकों की
—बुद्धि तथा रुचियों की जानकारी करके शिक्षा देता है, प्रकृति को जान कर शिक्षा देता है और आर्थिक स्थिति तथा पारिवारिक स्थिति की जानकारी लेकर शिक्षा देता है

74. "वंशानुक्रम माता-पिता से सन्तान को प्राप्त होने वाले गुणों का नाम है." यह परिभाषा है *—रूथ बैंडिक्ट की*

75. "विकास के परिणामस्वरूप व्यक्ति में नवीन विशेषताएं और नवीन योग्यताएं प्रस्फुटित होती है." यह कथन है
—हरलॉक का

76. "वातावरण वह प्रत्येक वस्तु है, जो व्यक्ति के जीन्स के अतिरिक्त प्रत्येक वस्तु को प्रभावित करती है." यह कथन है
—एनास्टासी का

77. "वंशानुक्रम हमें विकसित होने की क्षमता प्रदान करता है." यह कथन है *—लेण्डिस का*

78. जीवन की प्रत्येक घटना को वंशानुक्रम एवं वातावरण से किस विद्वान् ने सम्बन्धित किया है ? *—पेज एवं मैकाइवर ने*

79. यह मत किसका है "शिक्षक को अपने कार्य के सफल सम्पादन के लिए व्यावहारिक मनोविज्ञान का ज्ञान होना चाहिए."
—माण्टेसरी का

80. स्किनर के अनुसार शिक्षा मनोविज्ञान के विशिष्ट उद्देश्य हैं
—बालकों के वांछनीय व्यवहार के अनुरूप शिक्षा के स्तर एवं उद्देश्यों को निश्चित करने में सहायता करना

सम्प्रेषण/संचार

81. किसी समूह या संगठन में सम्प्रेषण के प्रमुख प्रकार्य है
—सदस्यों के व्यवहार को नियन्त्रित करना, भावनाओं को संवेगात्मक अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करना, अभिप्रेरणा को बढ़ावा देना, निर्णय लेने को सहज बनाना

82. जटिल समस्याओं की स्थिति में समूह निष्पादन उच्चतर होता है *—समस्योन्मुख नेटवर्क में*

83. 'सम्प्रेषण अन्तःक्रिया के रूप में' परिप्रेक्ष्य के अनुसार प्रतिपुष्टि
—कभी-कभी गैर-इरादतन होती है

84. संचार की वह विधि जिसमें एक ही स्रोत को बड़ी संख्या में रिसीवर को एक साथ सूचना प्रेषित करना शामिल है, कहा जाता है *—जन संचार*

85. संचार में, संदेशों के स्वागत में एक बड़ी बाधा है
—दर्शकों का रवैया

86. जनप्रवाद (ग्रेप्वाइन) सम्प्रेषण की विशेषता है
—समूह सदस्यों की सामाजिक आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करने को उद्यत, किसी भी दिशा में जाने की छूट, शामिल लोगों के स्व-हितों को पूरा करने के लिए व्यापक रूप से प्रयुक्त

87. दूसरों के साथ प्रभावी सम्प्रेषण करने की किसी व्यक्ति की क्षमता कहलाती है *—अन्तर्वैयक्तिक दक्षता*

88. सम्प्रेषण संजालों में से किसमें समूह का प्रत्येक सदस्य केवल अपने से निकटतम सदस्य से ही सम्प्रेषण कर सकता है ?
—शृंखला संजाल

89. आमने-सामने के सम्प्रेषण का सन्दर्भ होता है
—समकालिक

90. विभिन्न मुद्दों और विमर्शों पर उनके लिए कारण प्रस्तुत करते हुए बच्चों को अपनी व्यक्तिगत राय को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करने वाले प्रश्न किसको बढ़ावा देते है ?
—विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक चिंतन

खेलकूद

91. 'क्ले कोर्ट' तथा 'हार्ड कोट' शब्द किस खेल से सम्बन्धित है ?
—लॉन टेनिस

92. टी, पु, कैडी आदि शब्दावली किस खेल से सम्बन्धित है ?
—गोल्फ

93. हॉकी में कितनी दूरी से पेनाल्टी स्ट्रोक मारा जाता है ?
—8 गज

94. राष्ट्रीय खेल दिवस किस दिन मनाया जाता है ?
—29 अगस्त

95. सवाई मानसिंह स्टेडियम कहाँ स्थित है ? *—जयपुर*

96. अन्तर्राष्ट्रीय वनडे क्रिकेट में सर्वप्रथम दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज कौन थे ? *—सचिन तेंदुलकर*

97. खो-खो में कितनी क्रॉस लेन्स होती है ? *—8*

98. वाटर पोलो में एक पक्ष में खिलाड़ियों की संख्या कितनी होती है ? *—7*

99. पोलो में प्रत्येक पक्ष में खिलाडियों की संख्या कितनी होती है ?
—4

100. बेसबाल में प्रत्येक पक्ष में खिलाड़ियों की संख्या कितनी होती है ? *—9*

कृषि

101. बिना बीज के फलों को विकसित करने की क्रिया को क्या कहते है ? *—टिशू-कल्चर*

102. देश का 'प्रथम' राज्य कृषि विश्वविद्यालय कौनसा है ?
—पं. गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय पंतनगर

103. भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ की स्थापना कब की गई थी ? *—2 अक्टूबर, 1958 को*

104. देश का 'प्रथम' कृषि विज्ञान केन्द्र कहाँ पर स्थित है ?
—पुदुचेरी

105. गाजर किस विटामिन का अच्छा स्रोत है ?
—विटामिन 'A' का

106. आम की 'रूमानी' प्रजाति कौनसी है ?
—ऑफ सीजन वैराइटी

107. 'सोडियम बेन्जोएट' किसके संरक्षण हेतु प्रयुक्त होता है ?
—फलों के रस एवं जेली

108. आलू (Potato) की कौनसी प्रजाति 'चिप्स' (Chips) के लिए उपयुक्त है ?
—चिप्सोना-1, 2 व 3

109. भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की स्थापना कब हुई थी ?
—1905 में

110. भारत में 'हरित क्रान्ति' का आगमन किस योजना के अन्तर्गत हुआ ?
—तृतीय पंचवर्षीय योजना

कम्प्यूटर ज्ञान

111. कम्प्यूटर की स्मृति का मापन किया जाता है
—बिट या बाइट में

112. कम्प्यूटर के सन्दर्भ में ALU का तात्पर्य किससे होता है ?
—अरिथमेटिक लॉजिक यूनिट

113. कम्प्यूटर की अस्थायी स्मृति क्या कहलाती है ?
—RAM (Random Access Memory)

114. कम्प्यूटर की भाषा में RAM का अर्थ क्या है ?
—रैंडम एक्सेस मैमोरी

115. कम्प्यूटर के सभी भागों के बीच सामंजस्य स्थापित करता है
—कंट्रोल यूनिट

116. कम्प्यूटर चिप का दूसरा नाम क्या होता है ? *—माइक्रोचिप*

117. कम्प्यूटर भाषा में WWW का अर्थ क्या है ?
— World Wide Web

118. कम्प्यूटर में जाने वाले डेटा को कहते हैं *—इनपुट*

119. कम्प्यूटर में डेटा किसे कहा जाता है ?
—चिह्न व संख्यात्मक सूचना को

120. वैसे कम्प्यूटर प्रोग्राम जो डाटा फाइल को नष्ट कर देते है तथा प्रोग्राम फाइल को खराब कर देते है, साथ ही हार्ड डिस्क का बूट सेक्टर भी खराब कर देते है, क्या कहलाते है ?
—वाइरस

विविध

121. 'देशेर कथकली' कहाँ का प्रमुख शास्त्रीय नृत्य है ? *—केरल*

122. 'गरबा नृत्य' का सम्बन्ध किस राज्य से है ? *—गुजरात*

123. 'गायत्री मंत्र' का उल्लेख किस ग्रंथ में है ? *—ऋग्वेद*

124. 'गोल्डेन थ्रेशहोल्ड' नामक कविता संग्रह की रचयिता कौन हैं ?
—सरोजनी नायडू

125. 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' किस कार्य के लिए दिया जाता है ?
—साहित्य

126. 'ब्लैक पैगोडा' के नाम से प्रसिद्ध सूर्य मन्दिर कहाँ स्थित है ?
—कोणार्क (ओडिशा)

127. 'भरतनाट्यम' कहाँ का प्रमुख शास्त्रीय नृत्य है ?
—तमिलनाडु

128. 'मंदिरों की पूण्यभूमि' भारत के किस राज्य को कहा जाता है ?
—तमिलनाडु

129. 'मोहिनी अट्टम्' किस राज्य का शास्त्रीय नृत्य है ? *—केरल*

130. 'यक्ष गान' कहाँ का लोकप्रिय नृत्य है ? *—कर्नाटक*

●●●

उपकार

RRB ASM PSYCHOLOGICAL & APTITUDE TEST

रेलवे भर्ती बोर्ड
सहायक स्टेशन मास्टर
मनोवैज्ञानिक एवं अभिरुचि परीक्षण

(गत वर्षों के हल प्रश्न-पत्रों सहित)

कोड 2455 मूल्य: ₹ 195/-

बी. के. सिंह

English Edition
Code 1914 ₹ 230.00

उपकार प्रकाशन, आगरा-5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

उपकार पूर्णतया संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

मध्य प्रदेश
सम्पूर्ण अध्ययन

(म.प्र. पी.एस.सी. राज्य सेवा/वन सेवा परीक्षा तथा अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए उपयोगी)

☞ प्रतियोगिता परीक्षा विषयक सभी पक्षों का तथ्यात्मक ज्ञान समाहित
☞ ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक व आर्थिक पहलुओं पर विस्तृत ज्ञान
☞ नवीनतम आँकड़ों का समावेश
☞ परीक्षोपयोगी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश

लेखक
डॉ. शादाब अहमद सिद्दीक़ी

Code 715 ₹ 370.00

उपकार प्रकाशन, आगरा-5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

सामान्य अध्ययन-II

(तृतीय प्रश्न-पत्र)

प्रश्न 1. बुनियादी ढाँचागत परियोजनाओं में सार्वजनिक निजी साझेदारी (पीपीपी) की आवश्यकता क्यों है ? भारत में रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास में पीपीपी मॉडल की भूमिका का परीक्षण कीजिए. (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–बुनियादी ढाँचे में पीपीपी की आवश्यकता और महत्व–सड़कों, पानी और स्वच्छता नेटवर्क और परिवहन प्रणालियों जैसे भौतिक बुनियादी ढाँचे में बड़े निवेश शामिल हैं, जो राजकोष पर दबाव डालते हैं. यह दबाव भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से बहुत अधिक होता है, जिनकी अर्थ-व्यवस्थाएं तेजी से विकास और शहरीकरण के दौर से गुजर रही हैं और उन्हें विस्तारित बुनियादी ढाँचे की बहुत अधिक आवश्यकता है. सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) का उपयोग दुनिया भर में सरकारों और सार्व-जनिक क्षेत्र के अधिकारियों द्वारा तेजी से अपनाया जा रहा है. यह राजकोष पर कम बोझ डाले नागरिकों और अर्थव्यवस्थाओं के लिए बुनियादी ढाँचा सेवाओं तक पहुँच बढ़ाने का एक बेहतर तरीका है.

भारतीय रेल ने निजी भागीदारी के माध्यम से स्टेशनों के भीतर और आसपास अलग-अलग भूमि और हवाई क्षेत्र की अचल सम्पत्ति क्षमता का लाभ उठाकर स्टेशन पुनर्विकास की योजना बनाई गई है. इन पुनर्विकास केन्द्रों को इस नीति के तहत् 90 रेलवे स्टेशनों को सार्वजनिक निजी भागीदारी के आधार पर भारतीय रेलवे की नोडल एजेंसी–भारतीय रेलवे स्टेशन विकास निगम के माध्यम से स्टेशन पुनर्विकास किया जा रहा है. इन पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों को 'रेलोपोलिस' नाम दिया गया है. हबीब-गंज (भोपाल), गांधीनगर, नई दिल्ली, सीएसएम टर्मिनस मुम्बई, सूरत एमएम-टीएस, उधना, ग्वालियर, नागपुर, अमृतसर, साबरमती रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास पीपीपी मोड के तहत् किया जा रहा है.

प्रश्न 2. क्या बाजार अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत समावेशी विकास सम्भव है ? भारत में आर्थिक विकास की प्राप्ति के लिए वित्तीय समावेश के महत्व का उल्लेख कीजिए. (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–बाजार अर्थव्यवस्था के तहत् समावेशी विकास–बाजार अर्थव्यवस्था एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें उत्पादों और सेवाओं का उत्पादन बाजार सहभागियों की बदलती माँगों और क्षमताओं के आधार पर निर्धारित होता है. समावेशी विकास बिना किसी भेदभाव के सभी को समान अवसर सुनिश्चित करता है. समावेशी विकास यह सुनिश्चित करता है कि राष्ट्रीय आय की उच्च वृद्धि के लाभ नीचे की ओर फैले और समाज के अन्तिम व्यक्ति तक पहुँचे. चूँकि बाजार अर्थव्यवस्था माँग और आपूर्ति के सिद्धान्त पर काम करती है, इसलिए सवाल उठता है कि क्या बाजार अर्थव्यवस्था की ताकतें समावेशी विकास सुनिश्चित करती हैं ? बाजार अर्थव्यवस्था में उत्पादक अपने लाभ को अधिकतम करना चाहता है, जबकि उपभोक्ता अपनी सन्तुष्टि या उपयोगिता को अधिकतम करना चाहता है. इस प्रकार, दोनों विपरीत दिशा में चलते हैं. उस स्थिति में समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए राज्य का हस्तक्षेप अपरिहार्य हो जाता है.

भारत में समावेशी विकास की अवधारणा को बारहवीं योजना के दौरान प्रमुखता मिली. भारत सरकार और आरबीआई ने वित्तीय समावेशन के माध्यम से समावेशी विकास को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए. वित्तीय समावेशन का मतलब है कि व्यक्तियों और व्यवसायों के पास उपयोगी और किफायती वित्तीय उत्पादों और सेवाओं तक पहुँच है, जो उनकी जरूरतों को पूरा करते हैं– लेन-देन, भुगतान, बचत, क्रेडिट और बीमा–एक जिम्मेदार और टिकाऊ तरीके से वितरित किए जाते हैं. पीएम जन धन योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए दुनिया में सबसे बड़ी पहलों में से एक है.

प्रश्न 3. भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं? इसे किस प्रकार प्रभावी तथा पारदर्शी बनाया जा सकता है ? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस)–पीडीएस को खाद्यान्नों के रिसाव और डायवर्जन, समावेश/बहिष्करण त्रुटियों, नकली और फर्जी राशन कार्ड, पारदर्शिता की कमी, कमजोर शिकायत निवारण और सामाजिक लेखा परीक्षा तंत्र, उचित मूल्य की दुकानों की व्यवहार्यता, आदि जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है. सार्व-जनिक वितरण प्रणाली के सामने आज मुख्य चुनौती वास्तविक लाभार्थियों तक बिना रिसाव और जमीनी स्तर तक मार्ग में परिवर्तन के बिना खाद्यान्न की पहुँच सुनिश्चित करना है. इसके लिए बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण अभियान की जरूरत है. लाभार्थियों के डेटा बेस का डिजिटलीकरण और सम्पूर्ण खाद्य आपूर्ति शृंखला का कम्प्यूटरीकरण मुख्य कदम है, जिस पर पीडीएस को सफल बनाया जा सकता है.

निम्नलिखित उपायों को अपनाकर पीडीएस को प्रभावी और पारदर्शी बनाया जा सकता है–

- राशन कार्डों का निरन्तर आधार पर संशोधन और डिजिटलीकरण,
- राशन कार्ड को आधार से जोड़ना,
- पीडीएस आपूर्ति शृंखला की जियो टैगिंग,
- उचित मूल्य की दुकानों का सोशल ऑडिट,
- समावेशन/बहिष्करण त्रुटियों को ठीक करना,
- शिकायत निवारण प्रणाली को सुदृढ़ बनाना,
- खाद्यान्न और अन्य वस्तुओं के वितरण का आवधिक मूल्यांकन.

प्रश्न 4. भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के कार्यक्षेत्र और महत्व का सविस्तार वर्णन कीजिए. (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र–एक मजबूत और गतिशील खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र शीघ्र नाशवान कृषि जिंसों की बर्बादी में कमी लाने, खाद्य उत्पादों के शेल्फ जीवन को बढ़ाने, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन, कृषि के विविधीकरण और व्यावसायीकरण, रोजगार सृजन, किसानों की आय बढ़ाने और कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात के लिए अधिशेष सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. आर्थिक उदारीकरण के दौर में, निजी, सार्वजनिक और सहकारी क्षेत्रों सहित सभी ने परिभाषित भूमिकाएं निभाई हैं और सरकार ने उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा दिया है. यह क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, खाद्य मुद्रास्फीति के महत्वपूर्ण मुद्दों को सम्बोधित करने और जनता को पौष्टिक भोजन प्रदान करने में भी सक्षम है. 2019-20 को समाप्त पिछले 5 वर्षों के दौरान, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र, कृषि क्षेत्र में लगभग 4·19 प्रतिशत (2011-12 की कीमतों पर) की वार्षिक वृद्धि दर की तुलना में लगभग 11·18 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर (एएजी-आर) से बढ़ रहा है. खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र जीडीपी, रोजगार और निवेश में योगदान के मामले में भारतीय अर्थव्यवस्था के एक महत्व-पूर्ण खण्ड के रूप में उभरा है. 2019-20 में (2011-12 की कीमतों पर) इस क्षेत्र का विनिर्माण और कृषि क्षेत्र में जीवीए में हिस्सा क्रमशः 9·87 प्रतिशत और 11·38 प्रतिशत रहा है.

naukaritak.com for Dec 2022

प्रश्न 5. देश में आयु सम्भाविता में आई वृद्धि से समाज में नई स्वास्थ्य चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं. यह नई चुनौतियाँ कौन-कौनसी हैं और उनके माध्यम हेतु क्या-क्या कदम उठाए जाने आवश्यक हैं ? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–आयु सम्भावित में वृद्धि और उससे जुड़ी चुनौतियाँ–डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा 1970 में 47·7 वर्ष से बढ़कर 2020 में 69·6 वर्ष हो गई है, ऐसा स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार से सम्भव हुआ है. 1970 और 2016 के बीच भारतीय महिलाओं में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा में 24 वर्ष की वृद्धि हुई, जबकि अवधि में पुरुषों में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा में 20 वर्ष की वृद्धि हुई. इसके अलावा, 60 वर्ष की आयु में, पुरुषों की औसत जीवन प्रत्याशा 15 वर्ष तथा महिलाओं के लिए औसत जीवन प्रत्याशा 17 वर्ष है.

इसने नीति निर्माताओं के सामने निम्न-लिखित चुनौतियाँ प्रस्तुत की हैं–

- जनसंख्या की वयोवृद्धि (एजिंग ऑफ पॉपुलेशन) आसन्न है
- निर्भरता अनुपात के बढ़ने की सबसे अधिक सम्भावना है
- वृद्ध और दुर्बल व्यक्तियों के लिए उच्च बजटीय प्रावधान करने होंगे
- वृद्धावस्था पेंशन और चिकित्सा देखभाल के लिए उच्च बजटीय परिव्यय

इन चुनौतियों का सामना निम्नलिखित कार्यनीति बना कर और लागू करके किया जा सकता है–

- स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाओं में अधिक निवेश करना और रोग की रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन को सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में मान्यता देना.
- 60+ आयु लोगों के लिए स्वरोजगार कार्यक्रम तैयार करना
- शहरों के साथ-साथ गाँवों में वृद्धाश्रमों का निर्माण एवं संचालन
- सेवा वितरण की प्रक्रिया में सुधार के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत किया जाए.
- साक्ष्य, उत्कृष्टता और समानता पर ध्यान केन्द्रित करना.
- सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा को बदलने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना.

प्रश्न 6. पृथ्वी की सतह पर प्रति वर्ष बड़ी मात्रा में वनस्पति पदार्थ, सेलुलोस, जमा हो जाता है. यह सेलुलोस किन प्राकृतिक प्रक्रियाओं से गुजरता है जिससे कि वह कार्बन डाइऑक्साइड, जल तथा अन्य अंत्य उत्पादों में परिवर्तित हो जाता है ? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–सेलूलोज को एंजाइम सेल्युलोज सिंथेज द्वारा संश्लेषित किया जाता है, जो एक कोशिका कला की प्रोटीन है, जो सब्सट्रेट यूडीपी-ग्लूकोज से सेल्यूलोज उत्पाद में ग्लूकोज के प्रत्यक्ष बहुलकीकरण को उत्प्रेरित करता है. सेल्युलोज सेल्युलोलिसिस द्वारा विघटित होता है, जो सेल्यूलोज को हाइड्रोलिसिस प्रतिक्रिया के माध्यम से सेलो-डेक्सट्रिन या ग्लूकोज इकाइयों के अन्य रूप जैसे छोटे पॉलीसेकेराइड में तोड़ने की प्रक्रिया है. सेल्युलोलिसिस अन्य पॉलीसेकेराइड के टूटने की तुलना में अपेक्षाकृत कठिन है, क्योंकि सेल्यूलोज अणु ग्लाइकोसिडिक बन्धन द्वारा एक-दूसरे से मजबूती से बँधे होते हैं.

350 डिग्री सेल्सियस से ऊपर के तापमान पर, सेल्यूलोज थर्मोलिसिस से गुजरता है, ठोस चार, वाष्प, एरोसोल और कार्बन डाइऑक्साइड में विघटित होता है. वाष्प की अधिकतम उपज, जो जैव-तेल (तरल) में संघनित होती है, 500 डिग्री सेल्सियस पर प्राप्त की जाती है. अर्ध-क्रिस्टलीय सेलुलोज पॉलिमर कुछ सेकण्ड में पायरोलिसिस तापमाप (350–600 डिग्री सेल्सियस) पर प्रतिक्रिया करते हैं; यह परिवर्तन एक ठोस-से-तरल-से-वाष्प संक्रमण के माध्यम से होने के लिए दिखाया गया है, मध्यवर्ती तरल सेलूलोज या पिघला हुआ सेलूलोज केवल एक सेकण्ड के एक अंश के लिए मौजूद है. पिघला हुआ सेलूलोज का निरन्तर अपघटन प्राथमिक प्रतिक्रियाओं के माध्यम से फ्यूरान, पाइरान, प्रकाश ऑक्सीजन और गैसों सहित अस्थिर यौगिकों का उत्पादन करता है.

प्रश्न 7. इसके निर्माण, प्रभाव और शमन को महत्व देते हुए फोटोकेमिकल स्मॉग की विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए. 1999 के गोथेनबर्ग प्रोटोकॉल को समझाइए. (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–फोटोकेमिकल स्मोग का निर्माण स्मोक तथा फोग, जिन्हें हिन्दी में कोहरा कहते हैं, के मिलन से होता है. ये कृत्रिम बादल जैसा वातावरण प्रस्तुत कर देते हैं, जिसके चलते दूर की छोरें कई बार कदमों में पड़ी वस्तु भी स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं पड़ती है. स्मोग का मुख्य कारण धूल, जल-वाष्प तथा कई विषैली गैसों का मिश्रण होता है, उस तरह के वातावरण में इंसानों को श्वास लेने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ता है.

विष भरे इस प्रदूषण के वातावरण में जलवाष्प तथा धूल के कणों के साथ नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाईऑक्साइड और कुछ अन्य कार्बनिक यौगिकों का असंगामी मिश्रण के रूप ले लेते हैं तथा प्रकाश की उपस्थिति में ओजोन का निर्माण करते हैं.

लाखों की संख्या में सड़कों पर दौड़ती गाड़ियाँ, शहरों के कूड़े-कचरे को जलाने से निकलने वाला हानिकारक धुआँ, कारखाने तथा कोयला आधारित बिजली उत्पादन स्टेशन, डीजल और पेट्रोल वाहन, सॉल्वैंट्स, क्लीनर और तेल, पेंट, कीटनाशकों और प्रदूषक हवाएं, फोटो रासायनिक स्मोग का कारण बनती हैं.

एक ऋतु की फसल लेने के बाद किसान अपने खेतों के घास फूस को जलाकर आगामी फसल के लिए खेत तैयार करते हैं, जिससे बड़े स्तर पर प्रदूषण फैलता है, इसके अलावा भी दिवाली जैसे पर्व के अवसर पर पटाखे तथा आतिशबाजी इस माहौल को बद-से-बदत्तर बना देती हैं. स्मोग न केवल इंसानों, जानवरों एवं पेड़ पौधों के लिए हानिकारक है, बल्कि यह भूमि-प्रदूषण को भी बढ़ावा देता है, पूरे शहर को घेर लेता है, जो बेहद हानिकारक है. इससे न केवल विजिबिलिटी कम होती हैं, बल्कि चर्म, दमा रोगों का कारण भी बनती है, समूचा शहर मानो रैंग कर चल रहा हो, गाड़ियाँ देर से चलने के कारण हमारे समूचे सिस्टम पर इसका बड़ा प्रभाव पड़ता है.

गोथेनबर्ग प्रोटोकॉल-1999–इस प्रोटोकॉल का अधिकारिक नाम है–UNECE Protocol to Abate Acidification Eutrophication and Ground-level Ozone. इस प्रोटोकॉल का उद्देश्य उन प्रदूषकों से निपटना या जो अम्लीकरण और भूतल के समीप के ओजोन के आधारभूत कारण हैं.

प्रश्न 8. भारतीय उपमहाद्वीप के संदर्भ में बादल फटने की क्रियाविधि और घटना को समझाइए. हाल के दो उदाहरणों की चर्चा कीजिए. (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–बादल फटने की एक बहुत ही विशिष्ट परिभाषा होती है–यदि लगभग 10 किमी × 10 किमी क्षेत्र में लगभग 10 सेमी या प्रति घण्टे से अधिक की वर्षा दर्ज की जाती है, तो इसे बादल फटने की घटना के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और इस परिभाषा के अनुसार आधे घण्टे में 5 सेंटीमीटर वर्षा को भी बादल फटने की श्रेणी में रखा जाएगा. यह भारतीय परिस्थितियों के लिए एक विसंगति ही है. बादल फटना मैदानी इलाकों, रेगिस्तानों और पहाड़ी क्षेत्रों में हो सकता है, लेकिन पर्वतीय क्षेत्रों में उनके होने की सम्भावना अधिक होती है.

बादल फटना तब होता है जब हवा का बहुत गर्म प्रवाह ऊपर की और तेज गति से जाने के कारण संतृप्त बादल बनाते हैं, लेकिन जो बारिश पैदा करने में असमर्थ होते हैं. वर्षा की बूँदें नीचे गिरने की बजाय वायु धारा द्वारा ऊपर की ओर ले जाती हैं. ऊपर जाने के क्रम में जैसे-जैसे बादल कम तापमान वाले क्षेत्र में ऊपर उठते हैं, नई बूँदें बनती हैं और मौजूदा बारिश की बूँदों का आकार बढ़ जाता है. एक बिन्दु के बाद, बारिश की बूँदें इतनी भारी हो जाती हैं कि बादल में वे बूँदें टिकी नहीं रह पाती

और वे एक साथ अचानक गिरना शुरू कर देती हैं. सामान्य परिस्थितियों में अवरोध, जैसे किसी पर्वत की उपस्थिति, बादल फटने की घटनाओं को बढ़ा देती हैं, उन्हें और तेज कर देती है.

हाल ही में हिमालय में बादल फटने की अधिकांश घटनाएं इसी कारण से हुई है. यहाँ बादल फटना तब हुआ जब गर्म नम और जलवाष्प से लदी हवाएं हिमालय की ठंडी हवाओं के साथ मिल गईं, जिसके परिणामस्वरूप अचानक संघनन हुआ. पहाड़ी इलाके गर्म हवा की धाराओं को लम्बवत् ऊपर की ओर बढ़ने में सहायता करते हैं और यह दो तरह से होता है–पानी से भरी हवाओं को गीली तराई क्षेत्र से अधिक नमी अवशोषित करने की अनुमति देकर और फिर पानी से भरी हवाओं को हिमालय की ढलान के साथ उठने की अनुमति देकर. अत्यधिक वर्षा का ऐसा तंत्र हिमालयी क्षेत्र के लिए असामान्य नहीं है, न ही इस प्रकार की बाढ़ असामान्य है, क्योंकि इस तरह की घटना हिमालय में हमेशा एक या दूसरे क्षेत्र में होती ही रहती हैं. यह आवश्यक नहीं है कि बादल फटना तभी होगा जब बादल पहाड़ जैसे ठोस पिण्ड से टकराएंगे.

ऐसा ही एक बादल हिमालय क्षेत्र में तब फटा जब 2013 में हिमालय की ढलान के साथ मानसूनी हवाएं ऊपर उठ रही थीं. जब मानसून की धाराएं दक्षिण में उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ती हैं तो वह हिमालय के दक्षिणी ढाल के सहारे ऊपर उठती हैं और जेट धारा द्वारा लाए गए पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत में पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ आए थे. मानसून हवाएं और निम्न दबाव प्रणाली पहले ही बंगाल की खाड़ी से आगे बढ़ चुकी थी और पश्चिमी विक्षोभ हिमालय के ऊपर अपने आप को स्थापित कर गोल-गोल घूमते हुए ऊपर की ओर जा रहा था.

जब मानसून हवाओं ने जेट धारा द्वारा लाए हुए पछुआ हवाओं का सामना किया, तो यह नम हवाएं गोल-गोल तेज गति से ऊपर उठने लगीं जैसे जेट धारा ने उसे चूस लिया हो, पछुआ हवाएं वस्तुतः मानसून प्रणाली से जुड़ी हुई थीं, दोनों प्रणालियों ने एक-दूसरे को नमी प्रदान करने के कारण गहन अंतः क्रिया को जन्म दिया. मानसून के साथ-साथ पश्चिमी हवाओं के असामान्य संयोजन के कारण नमी से लदी हवा का तीव्र उत्थान हुआ, जो ऊपर उठती जेट धाराओं द्वारा चूसा गया था, जिसके परिणाम-स्वरूप बहुत ही प्रलयकारी बारिश हुई, जिससे बादल फट गए और यही जिससे जून 2013 में अत्यधिक अपवाह और भूस्खलन बाढ़ का कारण बना.

भारत के मरुस्थलीय भागों में बादल फटने की घटना नम हवा के स्थानीयकृत ताप द्वारा सहायता प्राप्त संवहन में वृद्धि या उनके उत्थान के कारण होता है और यही कारण है कि रेगिस्तान में भी बादल फट सकते हैं.

2006 की बाड़मेर एक ऐसा ही मामला था जो असामान्य रूप से भारी बारिश के कारण उत्पन्न हुआ था. 2020 की बाँसवाड़ा बाढ़ एक और उदाहरण जोड़ती है और इन सबसे ऊपर 2010 में आई लेह की बाढ़ है. इसका अर्थ यह है कि मरुस्थलीय भागों के ऊपर नम हवाएं थीं और तपती भूमि ने इन्हें गर्म कर तेजी से उठा दिया, तो वृष्टि प्रस्फोट का कारण बना.

वर्ष 2020 में प्रकाशित एक अध्ययन ने केदारनाथ क्षेत्र में बादल फटने के पीछे के मौसम सम्बन्धी कारकों की जाँच की, जहाँ बादल फटने से वर्ष 2013 की विनाशकारी बाढ़ आई.

प्रश्न 9. संगठित अपराधों के प्रकारों की चर्चा कीजिए. राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मौजूद संगठित अपराध और आतंकवादियों के बीच सम्बन्धों का वर्णन कीजिए (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–संगठित अपराध–संगठित अपराधों को आमतौर पर निम्नलिखित चार प्रमुख प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है–

- संगठित गिरोह अपराध : बैंक डकैती, अपहरण, हत्या, अपहरण, ऑटोमोबाइल और आभूषणों की चोरी.
- रैकेटियरिंग : वेश्यावृत्ति, जुआ और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे वैध या नाजायज व्यवसाय से धन की उगाही करना.
- सिंडिकेट अपराध : अवैध वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति, तस्करी, शराब का अवैध आसवन एवं बिक्री, जुआ, वेश्यावृत्ति और विदेशी मुद्रा उल्लंघन.
- तस्करी : यह भारत जैसे विकसित देशों में अत्यधिक प्रचलित आपराधिक गतिविधि है जहाँ आधिकारिक स्थिति स्थानीय उत्पादों और उद्योगों को प्रोत्साहित करने और अधिकतम विदेशी मुद्रा के संरक्षण के लिए है.

संगठित अपराध आपराधिक गिरोहों, पुलिस, नौकरशाही और राजनेताओं के बीच गठजोड़ का परिणाम है, जो देश के विभिन्न हिस्सों में व्याप्त है. पॉपुलर फ्रंट ऑफ इण्डिया जैसे संगठनों, जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकवादियों, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों एवं पूर्वोत्तर राज्यों में सक्रिय अतिवादियों को सीमा पार से फंडिंग और हथियार व गोला बारूद मिलती है. देश भर में उनके स्लीपिंग मॉड्यूल को जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), तहरीक उल-फुरकान, अल कायदा, हरकत-उल-मुजाहिदीन आदि से वित्तीय और सैन्य सहायता मिल रही है. नशीले पदार्थों की तस्करी, सोने की तस्करी और अन्य सामान, मानव व्यापार संगठित अपराध सिंडिकेट और आतंकवादी समूहों के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है. मौजूदा आपराधिक न्याय प्रणाली, जिसे अनिवार्य रूप से व्यक्तिगत अपराधों/संगठित अपराधों से निपटने के लिए डिजाइन किया गया था, माफिया की गतिविधियों से निपटने में असमर्थ है. आर्थिक अपराधों के सम्बन्ध में कानून के प्रावधान कमजोर हैं; माफिया गतिविधियों के माध्यम से अर्जित सम्पत्ति को कुर्क करने में दुर्गम कानूनी कठिनाइयाँ हैं.

प्रश्न 10. भारत में समुद्री सुरक्षा चुनौतियाँ क्या हैं ? समुद्री सुरक्षा में सुधार के लिए की गई संगठनात्मक, तकनीकी और प्रक्रियात्मक पहलों की विवेचना कीजिए. (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–भारत में समुद्री सुरक्षा चुनौतियाँ–भारत की मुख्य भूमि, लक्षद्वीप द्वीप समूह और अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह की तटरेखा की कुल लम्बाई 7,516·6 किमी है. कई अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री मार्ग हिन्द महासागर से होकर गुजरते हैं. भारत को पाकिस्तान से अपने पश्चिमी तट पर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जबकि चीन बंगाल की खाड़ी और श्रीलंका के आसपास अक्सर अपनी ताकत दिखाता है. भारत की समुद्री सुरक्षा के प्रमुख मुद्दे निम्नलिखित हैं–

- भारत के समुद्री सीमा प्रबन्धन के लिए खंडित दृष्टिकोण.
- समुद्री सीमाओं की सुरक्षा भारतीय तट-रक्षक बल का प्राथमिक कर्तव्य नहीं है.
- बेसलाइन के अलावा, सुरक्षा, तटीय सुरक्षा, अपतटीय सुरक्षा और तटरेखा की शर्तों को नौसेना अधिनियम 1957 या तटरक्षक अधिनियम 1978 जैसे किसी भी वैधानिक दस्तावेज में परिभाषित नहीं किया गया है.
- समुद्री/तटीय सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता को मापने के लिए साधनों की कमी.
- सब-20 मीटर वेसल की सकारात्मक पहचान और ट्रैकिंग.
- अन्य गैर-पारम्परिक सुरक्षा चुनौतियाँ, जिनमें समुद्र में दुष्ट तत्व और अपराधी शामिल हैं, समुद्री डकैती, फिरौती के लिए बंधक बनाना, सशस्त्र डकैती, नशीली दवाओं का कारोबार और मानव तस्करी से लेकर महासागरों के पर्यावरण प्रदूषण तक, साथ ही अवैध, अप्रतिबन्धित और अनियमित (IUU) मछली पकड़ना.

समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में, समुद्री विषयक जागरूकता (एमडीए) में तटस्थ नौवहन की उपस्थिति के साथ एक अनिश्चित और अप्रत्याशित समुद्री क्षेत्र से सम्भावित शत्रुतापूर्ण लक्ष्यों की उपस्थिति का प्रभावी ढंग से पता लगाने, ट्रैक करने और पहचान करने की क्षमता शामिल है. एमडीए के प्रमुख तत्वों में निम्नलिखित शामिल हैं–

- समुद्री टोही और AEW विमान और लम्बी दूरी के यूएवी द्वारा विधिवत् समर्थित उपग्रह आधारित निगरानी तंत्र.

- दुश्मन को पहचानने के लिए संयुक्त सेवा पहचान प्रणाली.
- भारतीय समुद्री क्षेत्र के भीतर महत्वपूर्ण सहूलियत बिन्दुओं पर उपसतह निगरानी प्रणाली.
- आवश्यक अंतर्निर्मित गोपनीयता के साथ मजबूत, उच्च गति वाली लॉर्ज-बैंडविड्थ नेटवर्किंग-इन्फ्रास्ट्रक्चर.
- प्रभावी साइबर स्पेस निगरानी क्षमता.

समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में 'मिशन आधारित तैनाती' पर भारतीय नौसेना के जहाजों और विमानों को नियमित रूप से तैनात किया जाता है. भारत भारतीय समुद्री क्षेत्र में समुद्री विषयक जागरूकता पैदा करने के लिए मित्र देशों के साथ समुद्री सूचना का द्विपक्षीय रूप से आदान-प्रदान भी करता है.

प्रश्न 11. "हाल के दिनों का आर्थिक विकास श्रम उत्पादकता में वृद्धि के कारण सम्भव हुआ है." इस कथन को समझाइए. ऐसे संवृद्धि प्रतिरूप को प्रस्तावित कीजिए, जो श्रम उत्पादकता से समझौता किए बिना अधिक रोजगार उत्पत्ति में सहायक हो. (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–श्रमिक उत्पादकता जनित स्थायी दीर्घकालिक आर्थिक विकास–यह तथ्य स्व प्रमाणित है कि स्थायी दीर्घकालिक आर्थिक विकास श्रम उत्पादकता में वृद्धि से आता है. श्रम उत्पादकता वह उत्पादन है, जो प्रत्येक नियोजित कामगार अपने समय की प्रति इकाई से उत्पादित करता है. भौतिक पूँजी, बुनियादी ढाँचे और प्रौद्योगिकी की उपलब्धता से श्रम उत्पादकता में सुधार होता है. औद्योगिक, कृषि और सेवा क्षेत्र में तकनीकी प्रगति के परिणामस्वरूप उच्च श्रम उत्पादकता और इसके परिणामस्वरूप आर्थिक विकास की उच्च वृद्धि हासिल हुई है. श्रम उत्पादकता में कई गुना वृद्धि के कारण उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण के युग के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में 7+ प्रतिशत की वृद्धि दर देखी गई. उत्पादकता में वृद्धि फर्मों को समान स्तर के इनपुट के लिए अधिक उत्पादन करने, उच्च राजस्व अर्जित करने और अंततः उच्च सकल घरेलू उत्पाद उत्पन्न करने के अवसर प्रदान करती है श्रम उत्पादकता वृद्धि आमतौर पर उच्च मजदूरी और बेहतर काम करने की स्थिति से जुड़ी होती है. लम्बी अवधि में, बढ़ी हुई उत्पादकता आर्थिक विकास की कुंजी है.

बेहतर और अधिक रोजगार सृजित करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए, विशेष रूप से वे जो काम करने वाले कामगारों की गरीबी की उच्च सांद्रता को अवशोषित कर सकते हैं. ऐसी नौकरियों के सृजन के लिए आवश्यक तत्वों में श्रम प्रधान उद्योगों, विशेष रूप से कृषि में निवेश करना, रोजगार की संरचना में उच्च उत्पादकता वाले व्यवसायों और क्षेत्रों में बदलाव को प्रोत्साहित करना और अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में नौकरी की गुणवत्ता का उन्नयन करना शामिल है. इसके अलावा, गरीब लोगों को आवश्यक कौशल और सम्पत्ति प्रदान करने पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए, जो उन्हें रोजगार क्षमता में किसी भी विस्तार का पूरा लाभ उठाने में सक्षम बनाए. हालाँकि, ऐसी रणनीतियाँ अक्सर रोजगार की मात्रा को सम्बोधित करती हैं, जबकि गुणात्मक आयाम, जैसे कि ईक्विटी, सुरक्षा, गरिमा और स्वतंत्रता अक्सर अनुपस्थित या न्यूनतम होते हैं. सामान्य तौर पर, गरीबी घटाने की रणनीतियों सहित राष्ट्रीय गरीबी कम करने की रणनीतियाँ रोजगार कार्यक्रमों, सामाजिक सुरक्षा या काम पर अधिकारों पर टिप्पणी नहीं करती हैं. न ही वे गरीबी उन्मूलन पर नीतियों के प्रभावों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं.

प्रश्न 12. क्या आपके विचार में भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकता का 50 प्रतिशत भाग, वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त कर लेगा. अपने उत्तर के औचित्य को सिद्ध कीजिए. जीवाश्म ईंधनों से सब्सिडी हटाकर उसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में लगाना उपर्युक्त उद्देश्य पूर्ति में किस प्रकार सहायक होगा ? समझाइए (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–भारत में नवीकरणीय ऊर्जा की सम्भाव्यता–केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण द्वारा जारी नवीनतम आँकड़ों के अनुसार 31 अगस्त, 2022 को भारत में बिजली उत्पादन की कुल स्थापित क्षमता 405773 मेगावाट थी. इसमें से 116078 मेगावाट अक्षय ऊर्जा स्रोतों (सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायोमास बिजली, लघु पनबिजली और अपशिष्ट से ऊर्जा) एवं 46850 मेगावाट हाइड्रो पॉवर से था, इस प्रकार 162928 मेगावाट स्थापित क्षमता अक्षय स्रोतों से है, जो कुल स्थापित क्षमता का 40.15 प्रतिशत है. भारत ने नवम्बर 2021 में 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से अपनी स्थापित बिजली क्षमता का 40% हासिल करने का लक्ष्य हासिल कर लिया है. भारत ने अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के हिस्से के रूप में सीओपी 21 (यूएनएफसीसीसी पेरिस समझौता) में इस लक्ष्य के लिए प्रतिबद्धता प्रदर्शित की थी. भारत के नवीकरणीय स्रोतों का विकास पथ उल्लेखनीय है. अब यह निश्चित प्रतीत होता है कि बिजली उत्पादन में वर्ष 2030 तक अक्षय स्रोतों का हिस्सा 50 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा.

एक 'स्वैप' स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को निधि देने के लिए सब्सिडी सुधार से कुछ बचत को पुनः आवंटित करना–दीर्घकालिक, स्थायी उत्सर्जन में कमी, अर्थव्यवस्था, नौकरियों, सार्वजनिक स्वास्थ्य और लैंगिक समानता में योगदान को बढ़ा सकता है. वैश्विक स्तर पर ऐसे प्रयास पहले से ही हो रहे हैं, जीवाश्म ईंधन सब्सिडी में गिरावट आई है, जबकि नवीकरणीय निवेश अब जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा उत्पादन में निवेश से अधिक है. लेकिन परिवर्तन की गति में काफी तेजी लाने की जरूरत है– 2022 में कुल ऊर्जा माँग वृद्धि का लगभग 70 प्रतिशत अभी भी जीवाश्म ईंधन के माध्यम से पूरा किया गया था. आगे बढ़ते हुए सरकारों के लिए बड़े पैमाने पर ऑन-ग्रिड नवीकरणीय ऊर्जा का समर्थन करके और स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में निजी वित्त को जुटाने वाले तंत्र को लागू करके उच्च-प्रभाव वाले स्वैप पर ध्यान केन्द्रित करने के अवसर हैं. सब्सिडी सुधारों के बाद, सरकारें कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा के लिए राजकोषीय संसाधन उत्पन्न करना जारी रखने के लिए जीवाश्म ईंधन पर कर बढ़ा सकती हैं.

प्रश्न 13. भारत में कृषि उत्पादों के विपणन की ऊर्ध्वमुखी और अधोमुखी प्रक्रिया में मुख्य बाधाएं क्या हैं ? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–कृषि उत्पादों के विपणन में ऊर्ध्वमुखी एवं अधोमुखी प्रक्रिया में मुख्य बाधाएं–ऊर्ध्वमुखी विपणन (अपस्ट्रीम मार्केटिंग) दो सवालों के जवाब देने का प्रयास करते हुए नवाचार पर केन्द्रित है– 1. बाजार कहाँ बढ़ रहा है, 2. ग्राहक आगे क्या चाहेंगे ? यह भी ध्यान रखने योग्य है कि किसी भी नए चलन में नए विपणन और बिक्री के अवसर पैदा करने की क्षमता होती है.

अधोमुखी विपणन (डाउनस्ट्रीम मार्केटिंग) गतिविधियाँ आमतौर पर अल्पकालिक बिक्री पर ध्यान केन्द्रित करती हैं और किसी भी मौजूदा बिक्री कार्यों का सीधे समर्थन करती हैं.

यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि शब्द 'अपस्ट्रीम' और 'डाउनस्ट्रीम' एक ही मार्केटिंग स्ट्रीम के विभिन्न हिस्सों को संदर्भित करते हैं, इसलिए अपस्ट्रीम गतिविधियों को डाउनस्ट्रीम संचालन में निर्बाध रूप से प्रवाहित होना चाहिए.

जहाँ तक कृषि विपणन का सम्बन्ध है, अपस्ट्रीम प्रक्रिया में निम्नलिखित तत्व शामिल हैं–

- कृषि उत्पादों का खेत से मंडी तक लाने के लिए परिवहन की सुविधा.
- भंडारण सुविधाएं–कोल्ड स्टोरेज के साथ-साथ गोदाम भी.
- अच्छी गुणवत्ता वाली शॉर्टिंग (छंटने फटकने और साफ करने), ग्रेडिंग और परीक्षण सुविधाएं

इसी तरह डाउनस्ट्रीम प्रक्रिया में लिखित तत्व शामिल हैं–

- अपस्ट्रीम चरण के दौरान एकत्रित सामग्री का बिक्री के लिए तैयार उत्पाद के रूप में से प्रसंस्करण.
- व्यवसायों, सरकारों या व्यक्तियों जैसे ग्राहकों को उत्पाद की वास्तविक बिक्री.
- व्यापार सुगमकर्ताओं का सुव्यवस्थित नेटवर्क.
- सुविकसित आधुनिक सूचना प्रणाली.

कृषि विपणन की अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम प्रक्रिया में मुख्य बाधाएं निम्नलिखित हैं–

- बड़ी संख्या में विक्रेता खासतौर पर सीमांत और छोटे किसान–जिन्हें कीमतों में उतार-चढ़ाव की कम या अपर्याप्त जानकारी है.
- खराब परिवहन सुविधाएं
- खराब भण्डारण सुविधाएं विशेष रूप से शीघ्र नाशवान वस्तुओं के लिए बाध्यतापूर्ण बिक्री.
- व्यापारियों, आढ़तियों, दलालों और एपीएमसी के पदाधिकारियों के बीच उच्च स्तर की साँठगाँठ एवं कुत्सित गठजोड़.
- किसान की सहमति लिए बिना गुप्त सौदे
- अवैध कटौतियाँ.
- कोल्ड स्टोरेज या गोदाम की रसीद प्रस्तुत करने पर किसानों को अल्पकालीन ऋण उपलब्ध नहीं होना.

प्रश्न 14. समेकित कृषि प्रणाली क्या है ? भारत में छोटे और सीमांत किसानों के लिए यह कैसे लाभदायक हो सकती है ? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–समेकित कृषि प्रणाली (Integrated Farming)–समेकित कृषि प्रणाली (Integrated farming) खेती की आधुनिक तकनीक है, जिसमें किसान अपने मुख्य फसल के साथ-साथ मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, रेशम, सब्जी-फल, मशरूम की खेती को एक साथ एक ही जमीन पर करते हैं. इसमें एक घटक दूसरे घटक के उपयोग में लाया जाता है. जिससे किसान एक फसल पर निर्भरता कम करते हुए अथवा उसके घाटे की सम्भावनाओं को भी कम कर सकते हैं. इसमें किसानों की आमदनी बढ़ाने में काफी मदद मिलती है. समेकित कृषि में खेती के सभी घटकों को शामिल किया जाता है. जिससे किसानों को साल भर आमदनी होती रहती है.

1. जब एक-दूसरे के पूरक एवं पारस्परिक लाभों के संयोग को अपनाकर कई तरीके की कृषि उपायों का उत्पादन किया जाता है, तो इसे समेकित कृषि प्रणाली का नाम दिया जाता है.

2. मछली के तालाबों के साथ सुअर पालन और कुक्कुट पालन का संयोग मछली उत्पादन हेतु एक उल्लेखनीय पूरक संसाधन निर्मित करता है, जो मछली के आहार तथा तालाब को उर्वर बनाने की 50 प्रतिशत से अधिक लागत को कम करता है.

3. एक स्थानीय और प्रणाली-जनित व्यर्थों के संयोग पर टिकी रह सकती है, जिसमें कुक्कुट बीट, पशु गोबर व सुअरों के बचे हुए आहार तथा पोषाक-समृद्ध मछली तालाब जल, लागत मूल्यों में कमी लाते हुए वापस सीधे खेत में पहुँचा दिया जाता है.

4. मछली पालन, कृषि, कुक्कुट पालन, सुअर पालन, खरगोश पालन, बकरी पालन, सिंचाई साधन इत्यादि उपयुक्त कृषि उपांगों के संयोग को एक-दूसरे के साथ समेकित किया जा सकता है, जोकि उनकी स्थानीय उपलब्धता सम्भावना और लोगों की आवश्यकता पर निर्भर करता है.

समेकित कृषि तंत्र के लाभ

1. खाद्य उत्पादन में वृद्धि एवं जनसंख्या का भरण-पोषण.

2. कार्बनिक अपशिष्ट रूपांतरण के द्वारा मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बनाए रखना.

3. समेकित कृषि व्यवस्था से मिट्टी क्षरण को भी रोका जा सकता है, क्योंकि यह व्यवस्था कृषि वानिकी को बढ़ावा देती है.

उपर्युक्त समेकित गैर-रोजगार के साधनों से ग्रामीण जनता की आय में वृद्धि होती है, जिसके फलस्वरूप उनका जीवन स्तर ऊँचा उठता है.

प्रश्न 15. 25 दिसम्बर, 2021 को छोड़ा गया जेम्स वेब अंतरिक्ष टेलीस्कोप तभी से समाचारों में बना हुआ है. उसमें ऐसी कौन-कौनसी अनन्य विशेषताएं हैं, जो उसे इससे पहले के अंतरिक्ष टेलीस्कोपों से श्रेष्ठ बनाती हैं. इस मिशन के मुख्य ध्येय क्या हैं? मानव जाति के लिए इसके क्या सम्भावित लाभ हो सकते हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–क्या है नासा का जेम्स वेब टेलीस्कोप ?–जेम्स वेब अब तक का सबसे बड़ा और ताकतवर टेलिस्कोप है. NASA ने इसे यूरोपीयन स्पेस एजेंसी और कनाडियन स्पेस एजेंसी के साथ मिलकर विकसित किया है. इसे बनाने में 10 हजार वैज्ञानिक लगे थे और पूरा 10 अरब डॉलर का खर्च आया. बनने के बाद इस टेलिस्कोप को 25 दिसम्बर, 2021 को रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया था. इसमें एक गोल्डन मिरर लगा हुआ है. इसकी चौड़ाई है करीब 21·32 फीट. यह मिरर बेरिलियम से बने 18 षटकोण टुकड़ों को जोड़कर बनाया गया है. हर टुकड़े पर 48·2 ग्राम सोने की परत चढ़ी हुई है.

इस समय अंतरिक्ष में जिस जगह पर है, वह बिन्दु सन-अर्थ L 2 लैंगरेंज पॉइंट कहलाता है. यह जगह सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करती पृथ्वी के कक्ष से 15 लाख किमी दूर है. सन-अर्थ सिस्टम वह जगह है, जहाँ सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल एक-दूसरे को काट देता है. इस कारण इस सतह पर रखी गई चीजें तुलनात्मक रूप से स्थिर रहती हैं. उन्हें उस जगह पर रखने के लिए ज्यादा एनर्जी या फ्यूल नहीं झोंकना पड़ता.

हबल टेलिस्कोप से कैसे अलग है जेम्स वेब ?–जेम्स वेब ने 30 वर्ष पुराने हबल टेलिस्कोप की जगह ली है. हबल से यह लगभग 100 गुना ज्यादा ताकतवर है. इसके प्रकाश सोखने की क्षमता कहीं अधिक है. इस कारण यह ज्यादा दूर स्थित चीजों को भी देख पाता है और नतीजा हमारे सामने है. पुराने टेलिस्कोप के मुकाबले जेम्स वेब कई मायनों में एडवांस है. यह धूल भरे धुंधले बादलों के बीच भी देख सकता है. हबल यह काम नहीं कर सकता था. इसके अलावा जेम्स वेब में ऐसे कैमरे और दूसरे इंस्ट्रूमेंट फिट किए गए हैं, जो इंफ्रारेड लाइट में भी काम कर सकते हैं.

लेकिन वैज्ञानिकों ने इस टेलिस्कोप से मुख्यत: चार मकसद पूरा होने की उम्मीद लगाई है. पहला है, इस टेलिस्कोप के जरिए 13·5 अरब वर्ष पहले जाकर यह पता लगाना कि ब्रह्माण्ड में बने पहले तारे और गैलेक्सी का निर्माण आखिर हुआ कैसे? दूसरा मकसद है, शुरूआत के समय की आकाशगंगाओं की आज की गैलेक्सी से तुलना करना. तीसरा है, यह पता करना कि तारे और ग्रह मण्डल आखिर बन कहाँ रहे हैं. चौथा और आखिरी मकसद है, हमारे सौरमण्डल को छोड़कर अन्य सौर ग्रहों पर वातावरण के बारे में पता करना या यूँ कह लीजिए कि हमारे सौरमण्डल के इतर दूसरी जगह पर जीवन होने की सम्भावना तलाशना. यह टेलिस्कोप हमारे अपने सौरमण्डल में मौजूद चीजों का भी अध्ययन करेगा.

प्रश्न 16. वैक्सीन विकास का आधारभूत सिद्धान्त क्या है ? वैक्सीन कैसे कार्य करती है? कोविड-19 टीकों के निर्माण हेतु भारतीय वैक्सीन निर्माताओं ने क्या-क्या पद्धतियाँ अपनाई हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–वैक्सीन शरीर को किसी वायरस या संक्रमण से लड़ने के लिए तैयार करती है. यह शरीर की 'इम्यून सिस्टम' यानी प्रतिरक्षा प्रणाली को संक्रमण (आक्रमणकारी वायरस) की पहचान करने के लिए प्रेरित करती है और उनके खिलाफ शरीर में एंटीबॉडी बनाती है, जो बाहरी हमले से लड़ने में हमारे शरीर की मदद करती है. अमरीका के सेंटर ऑफ कन्ट्रोल एण्ड प्रिवेंशन (सीडीसी) का कहना है कि वैक्सीन बहुत ज्यादा शक्तिशाली होती है, क्योंकि यह अधिकांश दवाओं के विपरीत, किसी बीमारी का इलाज नहीं करती है, बल्कि बीमारियों से व्यक्तियों का बचाव करती है.

naukaritok.com for Dec 2022

सीडीसी का कहना है कि बाजार में लाए जाने से पहले वैक्सीन की गम्भीरता से जाँच की जाती है, पहले प्रयोगशालाओं में और फिर जानवरों पर इनका परीक्षण किया जाता है. उसके बाद ही मनुष्य पर वैक्सीन का ट्रायल होता है.

Live attenuated वैक्सीन–यह पारम्परिक प्लेटफॉर्म है, जिस पर पहले ही बड़ी संख्या में वैक्सीन उपलब्ध है. इस प्रक्रिया में पैथोजन को नॉन-पैथोजनिक बनाने के लिए कमजोर किया जाता है, लेकिन इम्यूनोजेनिसटी बचा ली जाती है. चूँकि पूरा वायरस पूर्ण विकसित बीमारी का बन सकता है, इसलिए वायरस को रोग पैदा करने में असमर्थ होने के लिए म्यूटेशन पेश किया जाता है, लेकिन प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को प्रेरित करने की क्षमता होती है. भारत की सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और इंडियन इम्यूनॉलॉजिक्स इसी तरीके से SARS-CoV-2 वैक्सीन विकसित कर रही हैं.

जो पैथोजन्स बहुगुणित नहीं हो सकते, वे बीमारी नहीं फैला सकते. ऐसे में फोर्मालिन जैसे कैमिकल का इस्तेमाल कर वायरस या बैक्टीरिया को निष्क्रिय कर उन्हें सुरक्षित इम्यूनोजन में बदला जा सकता है, चूँकि, निष्क्रिय वायरस या बैक्टीरिया मल्टिप्लाय नहीं कर सकता, तो हमें एक से ज्यादा डोज की जरूरत होती है और इम्यून प्रतिक्रिया को सुधारने के लिए अलग पदार्थ की भी जरूरत होती है. इसे एड्जुवेंट कहा जाता है.

प्रश्न 17. ग्लोबल वार्मिंग (वैश्विक तापन) की चर्चा कीजिए और वैश्विक जलवायु पर इसके प्रभावों का उल्लेख कीजिए. क्योटो प्रोटोकॉल, 1997 के आलोक में ग्लोबल वार्मिंग का कारण बनने वाली ग्रीनहाउस गैसों के स्तर को कम करने के लिए नियंत्रण उपायों को समझाइए. (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–ग्लोबल वार्मिंग का अर्थ है **'पृथ्वी के तापमान में वृद्धि और इसके कारण मौसम में होने वाले परिवर्तन'** पृथ्वी के तापमान में हो रही इस वृद्धि के परिणामस्वरूप बारिश के तरीकों में बदलाव, हिमखण्डों और ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्र के जल स्तर में वृद्धि और वनस्पति तथा जन्तु जगत् पर प्रभावों के रूप में सामने आ सकते हैं.

तापमान की इस वृद्धि से विश्व के सारे जीव-जन्तु बेहाल हो जाएंगे और उनका जीवन खतरे में पड़ जाएगा. पेड़-पौधों में भी इसी तरह का बदलाव आएगा. सागर के आस-पास रहने वाली आबादी पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ेगा. जल स्तर ऊपर उठने के कारण सागर तट पर बसे ज्यादातर शहर इन्हीं सागरों में समा जाएंगे. हाल ही में कुछ वैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि जलवायु में बिगाड़ का सिलसिला इसी तरह जारी रहा तो कुपोषण और विषाणु जनित रोगों से होने वाली मौतों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हो सकती है.

माना जा रहा है कि इसकी वजह से उष्णकटिबंधीय रेगिस्तानों में नमी बढ़ेगी. मैदानों इलाकों में भी इतनी गर्मी पड़ेगी जितनी कभी इतिहास में नहीं पड़ी. इस वजह से विभिन्न प्रकार की जानलेवा बीमारियाँ पैदा ग्रीन हाउस गैसों में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण गैस कार्बन डाइऑक्साइड है, जिसे हम जीवित प्राणी अपने साँस के साथ उत्सर्जित करते हैं. पर्यावरण वैज्ञानिकों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों से पृथ्वी पर कार्बन डाइऑक्साइड गैस की मात्रा लगातार बढ़ी है. वैज्ञानिकों द्वारा कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन और तापमान वृद्धि से गहरा सम्बन्ध बताया जाता है.

सारणी में विभिन्न कारणों से एवं विभिन्न क्षेत्रों द्वारा उत्सर्जित ग्रीन हाउस गैसों का विवरण दिया गया है.

ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन	
पॉवर स्टेशन से	21·3 प्रतिशत
इंडस्ट्री से	16·8 प्रतिशत
यातायात और गाड़ियों से	14 प्रतिशत
खेती-किसानों के उत्पादों से	12·5 प्रतिशत
जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल से	11·3 प्रतिशत
रिहायशी क्षेत्रों से	10·33 प्रतिशत
बॉयोमास जलने से	10 प्रतिशत
कचरा जलाने से	3·4 प्रतिशत

क्योटो प्रोटोकॉल 1997 के प्रमुख सुझाव

- ऊर्जा दक्षता में वृद्धि
- सतत् वन प्रबन्धन, वनीकरण और पुनर्वनीकरण के माध्यम से ग्रीन हाउस गैसों के सिंक और जलाशयों का संवर्धन.
- सतत् कृषि को बढ़ावा देना.
- नवीन और नवीनकरणीय ऊर्जा, कार्बन पृथक्करण पर अनुसंधान और विकास.
- ग्रीन हाउस उत्सर्जक क्षेत्रों के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन कम करना और हटाना.
- GHG (ग्रीन हाउस गैसों) के उत्सर्जन मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल में कमी का उल्लेख नहीं किया गया है.
- अपशिष्ट प्रबन्धन और ऊर्जा प्रबन्धन के माध्यम से मीथेन उत्सर्जन को सम्मिलित करना.

प्रश्न 18. भारत में तटीय अपरदन के कारणों एवं प्रभावों को समझाइए. खतरे का मुकाबला करने के लिए उपलब्ध तटीय प्रबन्धन तकनीकें क्या हैं ? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–**भारत में तटीय अपरदन**–समुद्र की घटनाओं के विभिन्न हाइड्रोडायनामिक प्रभावी जैसे लहरों, ज्वार, महासागरीय धाराओं, तलछट की कमी और अपस्फीति आदि के कारण समुद्र तट का क्षरण होता है. इस हाइड्रोडायनामिक प्रभाव के परिणामस्वरूप तलछट की काफी गति होती है, जो अंततः तट के आकारिकी में परिवर्तन का कारण बनती है. लहर प्रमुख कारकों में से एक है, जो तट के किनारे कटाव और अभिवृद्धि का कारण बनती है.

तटीय क्षेत्र में संरचनाओं के अनियोजित निर्माण के कारण भी समुद्र तटों का क्षरण होता है. तट के किनारे कई कारखानों, आवास और पर्यटन की स्थापना के कारण समुद्री संसाधनों का दोहन होता है. इसके परिणामस्वरूप वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए तटीय इनलेट्स का भूमि सुधार हुआ है या निर्माण के लिए समुद्र तट की रेत को हटा दिया गया है, जिसने समुद्र के पारिस्थितिकी तंत्र को अस्थिर कर दिया है. अनियोजित संरचनाओं के निर्माण के परिणामस्वरूप आसन्न तट में परिवर्तन हुआ है, जिससे कटाव में वृद्धि हुई है.

तटीय सुरक्षा के तरीके–तटीय सुरक्षा विधियों को मोटे तौर पर नरम समाधान और कठोर समाधान के रूप में वर्गीकृत किया जाता है.

- **कृत्रिम समुद्र तट पोषण (नरम समाधान)**
  - ❑ **रेत को मौजूदा समुद्र तट में जोड़ना**
  - ❑ **तटीय कटाव से निपटने के लिए प्राकृतिक पर्यावरण के अनुकूल तरीका अपनाना-यह वनस्पति जीवों को संरक्षित करता है, मनोरंजन के अवसर, बाढ़ को नियंत्रित करता है.**
- **सुरक्षात्मक संरचनाएं (कठिन समाधान)**

(क) समुद्री दीवार खड़ी करना–
- ❑ अपेक्षाकृत विशाल संरचनाएं, तटरेखा के समान्तर
- ❑ मलबे का टीला या ऊर्ध्वाधर अखण्ड संरचनाएं

(ख) पुनरीक्षण–
- ❑ तटरेखा के समानान्तर और इस तरह से ढलान किया गया कि तटरेखा प्रोफाइल के प्राकृतिक ढलान से मेल खा सके.
- ❑ समुद्र की दीवारों के समान, लहरों के जुड़ाव के निचले स्तर के सम्पर्क में.
- ❑ रब्बलमाउंड संरचनाएं और बैक-स्लोप कवच की सुविधा नहीं है.

(ग) अन्य सुरक्षात्मक संरचनाएं–
- ❑ बल्कहेड मुख्य रूप से भूमि को बनाए रखते हैं.
- ❑ डाइक मुख्य रूप से बाढ़ को रोकते हैं.
- ❑ तलछट चलन को शामिल करते हुए संरचनाएं

(a) ग्रोयन्स–
- ❑ आमतौर पर एक शृंखला में निर्मित, तटरेखा के लम्बवत्-लम्बे किनारे के बहाव को बाधित या कम करके तलछट को शामिल करता है.

(b) अपतटीय ब्रेकवाटर/अलग सीवॉल–

- ❑ आमतौर पर एक शृंखला में निर्मित, तटरेखा तक पहुँचने से पहले लहरों को तोड़ देता है.
- ❑ लीसाइड पर शांत क्षेत्र प्रदान करके तलछट को शामिल करता है.

(घ) कृत्रिम चट्टानें/बैठे समुद्र तट/मिलें–

- ❑ जलमग्न, अलग-अलग संरचनाएं, तटरेखा के समानान्तर निर्मित, तरंग क्रिया द्वारा लाई गई या मनुष्य द्वारा लाई गई रेत को रोक कर रखती हैं.

- अन्य तरीके–
  - (i) कृत्रिम समुद्र तट पोषण और संरचनाओं का संयोजन.
  - (ii) हल्की ढलान वाली समुद्री दीवार
  - (iii) समुद्र तट भूजल तालिका या समुद्र तट निर्जलीकरण प्रणाली का नियंत्रण
  - (iv) वनस्पति रोपण
  - (v) जियो-सिंथेटिक ट्यूब/बैग का उपयोग

प्रश्न 19. साइबर सुरक्षा के विभिन्न तत्व क्या हैं ? साइबर सुरक्षा की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए समीक्षा कीजिए कि भारत ने किस हद तक एक व्यापक राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति सफलतापूर्वक विकसित की है. (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–साइबर सुरक्षा के विभिन्न तत्व–साइबर सुरक्षा के विभिन्न तत्व निम्नलिखित हैं–

- अनुप्रयोगात्मक सुरक्षा
- सूचना सुरक्षा
- आपदा बहाली योजना
- नेटवर्क सुरक्षा
- अन्तिम उपयोगकर्ता सुरक्षा
- परिचालन सुरक्षा

साइबर सुरक्षा व्यक्तियों, उद्यमों और सरकारों के लिए समान रूप से एक गम्भीर मुद्दा बनता जा रहा है. साइबर सुरक्षा चुनौतियाँ कई रूपों में आती हैं, जैसे रैंसमवेयर, फिशिंग हमले, मैलवेयर हमले और अन्य बहुत कुछ. भारत स्थानीय साइबर हमलों के मामले में वैश्विक स्तर पर 11वें स्थान पर है और 2020 की पहली तिमाही में भारत में साइबर हमलों की 2,299,682 घटनाएं पहले ही देखी जा चुकी हैं.

सामान्य प्रकार के साइबर हमले निम्नवत् प्रकार के हो सकते हैं–

1. रैंसमवेयर हमले
2. इन्टरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) हमले
3. क्लाउड हमले
4. फिशिंग हमले
5. ब्लॉकचैन और क्रिप्टोक्यूरेंसी हमले
6. सॉफ्टवेयर कमजोरियाँ
7. मशीन लर्निंग और कृत्रिम मेधा (एआई) हमले
8. बीओओडी नीतियाँ
9. अंदरूनी हमले
10. पुराना हार्डवेयर

भारत की साइबर सुरक्षा रणनीति, जो साइबर स्पेस के लिए एक अलग विधायी ढाँचा और खतरों, प्रतिक्रियाओं और शिकायतों को दूर करने के लिए एक शीर्ष निकाय के निर्माण का प्रस्ताव करती है, केन्द्र सरकार के पास एक वर्ष से अधिक समय से लम्बित है. लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पंत की अध्यक्षता में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् सचिवालय द्वारा परिकल्पित रणनीति पर, पिछले दो वर्षों से काम चल रहा है. राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति 2021 प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक विधायी ढाँचे की आवश्यकता पर बल देती है. रणनीति का उद्देश्य एक व्यापक प्रणाली बनाना है, जिसमें राज्य के स्वामित्व वाली और निजी दोनों कम्पनियों को साइबर सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा. यह एक आवधिक साइबर ऑडिट के लिए एक मंच प्रदान करता है और शीर्ष निकाय द्वारा वार्षिक समीक्षा की सिफारिश करता है.

प्रश्न 20. नक्सलवाद एक सामाजिक, आर्थिक और विकासात्मक मुद्दा है, जो एक हिंसक आन्तरिक सुरक्षा खतरे के रूप में प्रकट होता है. इस संदर्भ में उभरते हुए मुद्दों की चर्चा कीजिए और नक्सलवाद के खतरे से निपटने की बहुस्तरीय रणनीति का सुझाव दीजिए. (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उत्तर–नक्सलवाद एक सामाजिक, आर्थिक और विकासात्मक मुद्दा–नक्सली शब्द 1967 में पश्चिम बंगाल के एक छोटे से गाँव नक्सलबाड़ी से आया है. नक्सलियों को वामपंथी कट्टरपंथी कम्युनिस्ट माना जाता है, जो माओवादी राजनीतिक भावना और विचारधारा के समर्थक हैं. प्रारम्भ में इस आन्दोलन का केन्द्र पश्चिम बंगाल में था. बाद के वर्षों में, यह सीपीआई (एम) जैसे भूमिगत समूहों की गतिविधियों के माध्यम से कम विकसित छत्तीसगढ़, ओडिशा और आन्ध्र प्रदेश में फैल गया. पिछले 20 वर्षों में, नक्सली ज्यादातर विस्थापित आदिवासी और मूल निवासी हैं, जो प्रमुख भारतीय शासन तंत्र और अर्द्ध-सैन्य बलों, निगमों और स्थानीय अधिकारियों, जिन्हें वे भ्रष्ट मानते हैं से शोषण के खिलाफ लड़ रहे हैं. अब वे अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हिंसा का सहारा लेते हैं. इस प्रकार, नक्सलवाद एक हिंसक आन्तरिक सुरक्षा खतरे के रूप में प्रकट होने वाला एक सामाजिक, आर्थिक और विकासात्मक मुद्दा बन गया है.

ऑपरेशन 'समाधान' (Operation 'SAMADHAN') नक्सल समस्या से निपटने के लिए गृह मंत्रालय (एमएचए) की नई रणनीति है. The acronym SAMADHAN Stands for Smart leadership, Aggresive strategy Motivation and training, Actionable intelligence, Dashboard Based key performance indicators-KPI and key result areas-KRAs, Harnessing technology, Action plan for each theater and N- access to financing. संक्षिप्त नाम का अर्थ स्मार्ट नेतृत्व, आक्रामक रणनीति, प्रेरणा और प्रशिक्षण, कार्यवाही योग्य बुद्धिमत्ता, डैशबोर्ड आधारित प्रमुख प्रदर्शन संकेतक-केपीआई और प्रमुख परिणाम क्षेत्र-केआरए, हार्नेसिंग तकनीक, प्रत्येक थिएटर के लिए कार्य योजना और वित्त पोषण तक कोई पहुँच नहीं है.

इस रणनीति में निम्नलिखित शामिल हैं–

- गृह मंत्रालय ने हथियारों के लिए ट्रैकर्स और स्मार्ट गन में बायो-मेट्रिक्स के उपयोग का सुझाव दिया है.
- जिलेटिन स्टिक्स और विस्फोटकों के लिए विशिष्ट पहचान संख्या (यूआईडी).
- माओवादियों के गढ़ में तैनात केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की प्रत्येक बटालियन के लिए कम-से-कम एक यूएवी या मिनी यूएवी.
- संचालन के लिए अधिक हेलीकॉप्टर सहायता. आपूर्ति और सुदृढ़ीकरण में तेजी लाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले हेलीकॉप्टर. उड़ान के घंटों की संख्या में वृद्धि.
- अन्तर्राज्यीय सीमाओं के साथ संचालन के लिए संयुक्त कार्यदलों का गठन किया जाएगा. बेहतर अंतर-राज्य समन्वय और खुफिया जानकारी साझा करना.
- नक्सल क्षेत्र में 400 फोर्टिफाइड पुलिस थाने स्थापित करना.
- वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) विशिष्ट योजनाओं की बहाली–जैसे कि एसआरई, एसआईएस, आईएपी/एसीए, सीआईएटी स्कूलों.
- धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की समीक्षा करना ताकि वामपंथी उग्रवाद समूहों के लिए निधि प्रवाह को प्रभावी ढंग से रोका जा सके.
- सोलर लाइट, 3जी कनेक्टिविटी वाले मोबाइल टॉवर और रोड-रेल कनेक्टिविटी पर फोकस के साथ बिल्डिंग इंफास्ट्रक्चर फास्ट ट्रैकिंग.
- भारतीय सेना या विशेष बल–जैसे ग्रेहाउंड-नक्सलियों से निपटने के लिए बलों को प्रशिक्षित करने के लिए.
- बलों को प्रतिक्रियाशील होने के बजाय, संचालन के स्वामित्व में अधिक सक्रिय और आक्रामक होना चाहिए.

उपर्युक्त उपायों के साथ-साथ वामपंथी आतंकवाद प्रभावित जिलों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है. ●●●

एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय (प्रथम चरण) परीक्षा, 2021 (18-4-2022) का हल प्रश्न-पत्र

(प्रथम पाली)

सामान्य बुद्धिमत्ता एवं तर्कशक्ति

1. जब दर्पण को निम्नांकित चित्र के अनुसार 'PQ' पर रखा गया हो, तब दिए गए संयोजन का दर्पण में निर्मित सही प्रतिबिम्ब चयनित कीजिए–

(A) (B) (C) (D)

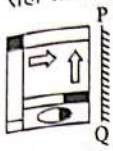

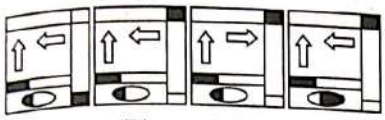

2. दिए गए विकल्पों में से वह संख्या चुनिए जो निम्नलिखित श्रेणी में प्रश्न-वाचक चिह्न (?) को प्रतिस्थापित कर सकती है–

58, 67, 83, 108, ?

(A) 139 (B) 157
(C) 178 (D) 144

3. यदि '@' का अर्थ 'जोड़' है, '%' का अर्थ 'गुणा' है, '$' का अर्थ 'भाग' है, और '#' का अर्थ 'घटाना' है, तो निम्न-लिखित व्यंजक का मान ज्ञात कीजिए.

23 @ 105 $ 15% 6 # 29

(A) 23 (B) 36
(C) 40 (D) 28

4. दिए गए कथनों और निष्कर्षों को ध्यानपूर्वक पढ़िए. यह मानते हुए कि कथनों में दी गई जानकारी सत्य है, भले ही वह सामान्य रूप से ज्ञात तथ्यों से भिन्न प्रतीत होती हो, तय कीजिए कि दिए गए निष्कर्षों में से कौनसा/से निष्कर्ष कथनों का तार्किक रूप से अनुसरण करता है/करते हैं ?

कथन : सभी चमगादड़, पक्षी हैं.
कुछ चूहे, चमगादड़ हैं.

निष्कर्ष : I. कुछ चूहे, पक्षी हैं.
II. कुछ पक्षी, चमगादड़ हैं.
III. सभी चूहे, चमगादड़ हैं.

(A) केवल निष्कर्ष I और II अनुसरण करते हैं
(B) केवल निष्कर्ष II अनुसरण करता है
(C) केवल निष्कर्ष I और III अनुसरण करते हैं
(D) केवल निष्कर्ष I अनुसरण करता है

5. चार अक्षर-समूह दिए गए हैं, जिनमें से तीन किसी-न-किसी रूप में समान हैं और एक असंगत है. उस असंगत अक्षर-समूह का चयन कीजिए–

(A) BEG (B) LOQ
(C) GJM (D) TWY

6. छह अक्षर A, B, C, D, E और F एक पांसे के विभिन्न फलकों पर लिखे हुए हैं. एक ही पांसे की दो स्थितियाँ दर्शाई गई हैं. वह अक्षर चुनें जो 'C' अक्षर वाले फलक के विपरीत फलक पर आएगा–

(A) F (B) D
(C) E (D) B

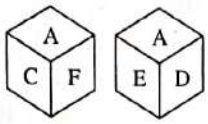

7. यदि A 'जोड़' को, B 'गुणा' को, C 'घटाना' को और D 'भाग' को दर्शाता है, तो निम्नलिखित व्यंजक का मान कितना होगा ?

66 A (132 D 12) C (4 A 3) B (15 D 5) A 16 B (– 3)

(A) 56 (B) 6
(C) 10 (D) 8

8. एक निश्चित कूट भाषा में, यदि ESTEEM को HVWHHP के रूप में लिखा जाता है, तो उसी कूट भाषा में DOCTOR को किस रूप में लिखा जाएगा ?

(A) FQEVQT (B) GRFWRU
(C) GRGVST (D) HSGXSV

9. उस विकल्प का चयन कीजिए जिसमें दी गई आकृति सन्निहित है (घुमाने की अनुमति नहीं है).

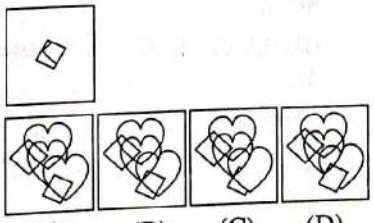

(A) (B) (C) (D)

10. वर्गों के उस समुच्चय का चयन कीजिए, जिसके बीच का सम्बन्ध दिए गए वेन आरेख द्वारा सर्वोत्तम रूप से दर्शाया गया है.

(A) पुरुष, स्त्रियाँ, बेटियाँ
(B) उद्यमी, महिला, परोपकारी
(C) महिलाएं, स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर
(D) भोज्य, आलूबुखारे, फल

11. उस सही विकल्प का चयन कीजिए जो नीचे दिए गए शब्दों को एक तार्किक और अर्थपूर्ण क्रम में दर्शाता है.

1. क्रोड 2. वायुमण्डल
3. ब्रह्माण्ड 4. सतह
5. आकाश गंगा

(A) 1, 3, 4, 5, 2 (B) 1, 4, 2, 5, 3
(C) 1, 4, 2, 3, 5 (D) 4, 3, 5, 2, 1

12. एक पांसे के विभिन्न फलकों पर छह अक्षर D, d, E, e, F और f लिखे गए हैं. इस पांसे की दो स्थितियाँ दिखाई गई हैं. उस अक्षर का चयन कीजिए, जो D अक्षर वाले फलक के विपरीत फलक पर होगा–

(A) E (B) e
(C) d (D) f

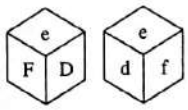

13. उस विकल्प का चयन कीजिए, जो तीसरी संख्या से उसी प्रकार सम्बन्धित है जैसे दूसरी संख्या पहली संख्या से सम्बन्धित है और छठी संख्या पाँचवीं संख्या से सम्बन्धित है–

21 : 112 : : 36 : ? :: 51 : 272

(A) 252 (B) 192
(C) 198 (D) 72

14. दिए गए विकल्पों में से वह संख्या चुनिए, जो निम्नलिखित श्रेणी में प्रश्न-वाचक चिह्न (?) के स्थान पर आ सकती है.

3, 11, 31, 69, 131, ?

(A) 198 (B) 163
(C) 152 (D) 223

15. निम्नांकित मैट्रिक्स का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और दिए गए विकल्पों

naukaritak.com for Dec 2022

में से उस संख्या का चयन कीजिए, जो इसमें प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर आ सकती है.

12 8 100
18 6 111
15 4 ?

(A) 102 (B) 78
(C) 62 (D) 108

16. अक्षरों के उस संयोजन का चयन कीजिए, जो दी गई शृंखला में रिक्त स्थानों पर क्रमिक रूप से रखे जाने पर शृंखला को पूर्ण करेगा.

g_o_d k_m_f_o_kk_gfo_d_k m

(A) f o k g o d f o k
(B) f o k g o d m o k
(C) f o k g o d m o m
(D) f o k d o d m o k

17. एक निश्चित कूट भाषा में 'ROUBST' को 61 के रूप में कूटबद्ध किया जाता है. उसी भाषा में 'FORTUNATE' को कैसे कूटबद्ध किया जाएगा ?

(A) 124 (B) 114
(C) 142 (D) 141

18. निम्नांकित आकृतियों में कागज के एक टुकड़े को मोड़ने का क्रम और मुड़े हुए कागज को काटने का तरीका दिखाया गया है. यह कागज खोलने पर कैसा दिखेगा ?

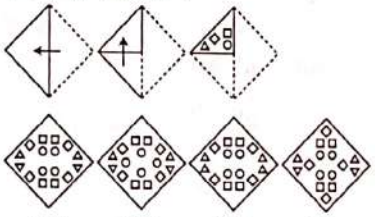

(A) (B) (C) (D)

19. एक निश्चित कूट में, 6218 का अर्थ 'Laptop is a computer' है और 8217 का अर्थ 'Computer is a machine' है. 'Machine makes our life easy' के लिए निम्नलिखित में से कौनसे कूट का प्रयोग किया जाएगा ?

(A) 75894 (B) 76834
(C) 58795 (D) 75344

20. 'A + B' का अर्थ है कि 'A, B की बेटी है'.

'A $ B' का अर्थ है कि 'A, B का पति है'.

'A @ B' का अर्थ है कि 'A, B का भाई है'.

'A & B' का अर्थ है कि 'A, B की माँ है'.

'A % B' का अर्थ है कि 'A, B का बेटा है'.

यदि 'W @ S % K $ G & U & T @ R + C' है, तो निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

(A) G, R की नानी है
(B) C, U की पत्नी है
(C) C, K का ससुर है
(D) G, W के पिता है

21. उस विकल्प का चयन कीजिए, जो तीसरे पद से उसी प्रकार सम्बन्धित है जैसे दूसरा पद पहले पद से सम्बन्धित हैं.

HARMONY : BMLGUDK : : RESOLVE : ?

(A) VEOIVHU (B) EVOJHVU
(C) OVEJUHV (D) VOEIUVH

22. एक कॉलेज में पूरे शिक्षण स्टाफ का औसत वेतन ₹ 2,000 प्रतिदिन है. पुरुष शिक्षकों का औसत वेतन ₹ 2,500 है और महिला शिक्षकों का औसत वेतन ₹ 1,200 है. यदि पुरुष शिक्षकों की संख्या 16 है, तो कॉलेज में महिला शिक्षकों की संख्या ज्ञात कीजिए–

(A) 12 (B) 10
(C) 18 (D) 14

23. दिए गए विकल्पों में से उस अक्षर-समूह को चुनिए जो निम्नलिखित शृंखला में प्रश्नवाचक चिह्न (?) को प्रतिस्थापित कर सकता है–

RSX, NQW, JOV, FMU, ?

(A) BKT (B) DKS
(C) CJS (D) BLT

24. नौ कर्मचारी K, L, M, N, O, P, Q, R और S कार्यालय में एक सीधी पंक्ति में पूर्व दिशा की ओर अभिमुख होकर बैठे हैं. O, M के दाएं तीसरे स्थान पर है. K, P के बाएं तीसरे स्थान पर है. Q ठीक P और S के बीच में है. N, M के दाएं चौथे स्थान पर है. P, N के ठीक दाएं पड़ोस में है. R, O के बाएं चौथे स्थान पर है. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?

(A) L, O के बाएं तीसरे स्थान पर बैठा है
(B) Q, K के दाएं चौथे स्थान पर बैठा है
(C) R और S छोर पर बैठे हैं
(D) O ठीक K और N के बीच में बैठा है

25. दिए गए विकल्पों में से उस आकृति का चयन कीजिए जो अग्रलिखित शृंखला में प्रश्नवाचक चिह्न (?) के स्थान पर आ सकती है.

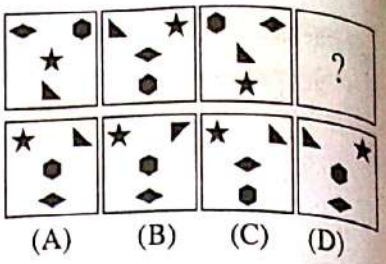

(A) (B) (C) (D)

सामान्य जागरूकता

26. संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित होने और·····द्वारा सहमति के बाद कोई विधेयक संसद का अधिनियम बन जाता है.

(A) राष्ट्रपति
(B) प्रधानमंत्री
(C) लोक सभा अध्यक्ष
(D) उपराष्ट्रपति

27. निम्नलिखित में से कौनसी एक प्राय-द्वीपीय नदी है ?

(A) नर्मदा (B) सिंधु
(C) गंगा (D) ब्रह्मपुत्र

28. आर्थिक सर्वेक्षण-2020-21 के अनुसार, वित्त वर्ष 2021 की दूसरी छमाही में आयत में ····· तक गिरावट आने की उम्मीद है.

(A) 11·3% (B) 8·2%
(C) 6·3% (D) 5·4%

29. निम्नलिखित में से कौनसी भौतिक राशि, व्यंजक चाप/त्रिज्या के लिए है ?

(A) तल कोण (B) वेग
(C) पृष्ठ तनाव (D) रेखीय संवेग

30. स्वच्छ भारत मिशन (SBM) स्वच्छ भारत लक्ष्य को पूरा करने के लिए महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि के रूप में वर्ष ····· में शुरू किया गया था.

(A) 2016 (B) 2014
(C) 2017 (D) 2015

31. फेरम (Ferrum), ····· का लैटिन नाम है.

(A) जस्ता (B) निकल
(C) लोहा (D) ताँबा

32. प्राचीन भारत में गोत्र प्रथा के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?

(A) प्रत्येक गोत्र का नाम एक प्रसिद्ध राजा के नाम पर रखा गया था
(B) समान गोत्र के लोग उस व्यक्ति के वंशज माने जाते थे जिसके नाम पर गोत्र का नाम रखा गया था
(C) पुरुषों और महिलाओं से समान गोत्र में विवाह करने की अपेक्षा की जाती थी
(D) महिलाओं ने शादी के बाद अपने पिता के गोत्र को बरकरार रखा

33. निम्नलिखित में से कौनसा एक जल प्रदूषक नहीं है ?
(A) आर्सेनिक
(B) क्रोमियम
(C) गाद
(D) हिमनद

34. निम्नलिखित में से कौनसा, भारत का पहला पेपरलेस बजट है ?
(A) केन्द्रीय बजट 2021-22
(B) केन्द्रीय बजट 2018-19
(C) केन्द्रीय बजट 2019-20
(D) केन्द्रीय बजट 2020-21

35. राजा अजातशत्रु ..... वंश के शासक थे.
(A) मौर्य (B) शिशुनाग
(C) हर्यक (D) नंद

36. एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में, भारत सरकार का हिस्सा..... होता है.
(A) 20% (B) 50%
(C) 60% (D) 40%

37. लॉस एंजिल्स क्लिपर्स और पोर्टलैंड ट्रेल ब्लेजर्स ..... टीमें हैं.
(A) महिला टेनिस
(B) पुरुष बास्केटबाल
(C) महिला हॉकी
(D) पुरुष वॉलीबाल

38. सिक्किम के ..... त्योहार को भूमि पूजा या चंडी पूजा के नाम से भी जाना जाता है.
(A) साकेवा (B) बाराहिमिजोंग
(C) लोसर (D) इंद्र जात्रा

39. भारत के संविधान का अनुच्छेद..... संविधान में परिवर्तन करने की प्रक्रिया बताता है.
(A) 351 (B) 374
(C) 342 (D) 368

40. संसद में धन विधेयकों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है ?
(A) यह केवल एक मंत्री द्वारा पेश किया जा सकता है, न कि एक निजी सदस्य द्वारा
(B) लोक सभा राज्य सभा की सभी या किसी भी सिफारिश को स्वीकार या अस्वीकार कर सकती है
(C) इसे केवल लोक सभा में पेश किया जा सकता है
(D) इसे राज्य सभा द्वारा अस्वीकार या संशोधित किया जा सकता है

41. निम्नलिखित में से कौन 'कामायनी' महाकाव्य के लेखक/लेखिका हैं ?
(A) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(B) महादेवी वर्मा
(C) गोपाल सरना सिन्हा
(D) जयशंकर प्रसाद

42. 1932 का पूना पैक्ट महात्मा गांधी और..... के बीच एक समझौता था.
(A) बाल गंगाधर तिलक
(B) लॉर्ड इरविन
(C) अरबिंदो घोष
(D) बी. आर. अम्बेडकर

43. त्वरण के SI मात्रक में 'सेकण्ड' का घातांक क्या होता है ?
(A) + 1 (B) 0
(C) – 2 (D) – 1

44. 'द ग्रेट गैट्सबी' नामक उपन्यास निम्न में से किसने लिखा है ?
(A) चिनुआ अचेबे
(B) एफ. स्कॉट फिट्जगेराल्ड
(C) हार्पर ली
(D) ऐलिस वाकर

45. नाम बदलने से पहले, माउंट एवरेस्ट को केवल ..... के रूप में जाना जाता था.
(A) पीक VI (B) पीक IX
(C) पीक XV (D) पीक XII

46. 'टू लाइव्स (Two Lives)' नामक पुस्तक के/की लेखक/लेखिका कौन हैं ?
(A) चेतन भगत
(B) विक्रम सेठ
(C) अरुंधति रॉय
(D) सुधा मूर्ति

47. 'पोंग' और 'तापु' ..... राज्य के लोकप्रिय नृत्य हैं.
(A) गोवा
(B) अरुणाचल प्रदेश
(C) बिहार
(D) छत्तीसगढ़

48. संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या प्रभाग द्वारा संकलित सूची के अनुसार, ... 2015 और 2020 के बीच जनसंख्या में 44% की वृद्धि के साथ दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला शहर है.
(A) कोझीकोड
(B) जयपुर
(C) मलप्पुरम
(D) सूरत

49. .....द्रव की सापेक्ष निर्मलता (Relative clarity) का माप है.
(A) कंपोस्टिंग
(B) आविलता
(C) चालकता
(D) अपचयन

50. मध्य प्रदेश सरकार द्वारा करिश्मा यादव को ..... के लिए विक्रम पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया गया था.
(A) हॉकी (B) तीरंदाजी
(C) तैराकी (D) निशानेबाजी

संख्यात्मक अभियोग्यता

51. वह सबसे बड़ी संख्या कौनसी है, जिससे 126, 224 और 608 को विभाजित करने पर शेषफल क्रमशः 2, 7 और 19 प्राप्त होता है ?
(A) 21 (B) 27
(C) 31 (D) 37

52. एक दुकानदार ने ₹ 4,600 में एक मेज और ₹ 1,800 में एक कुर्सी खरीदी. वह मेज को 10% लाभ और कुर्सी को 6% लाभ पर बेचता है, तो कुल प्रतिशत लाभ ज्ञात कीजिए–
(A) $7\frac{3}{4}$ (B) 8
(C) $8\frac{7}{8}$ (D) 16

53. यदि $\left(x^2+\frac{1}{x^2}\right)=23$ है जहाँ $x>0$ है, तो $\left(x^3+\frac{1}{x^3}\right)$ का मान ज्ञात कीजिए–
(A) 110 (B) 140
(C) – 140 (D) – 110

54. निम्नांकित हिस्टोग्राम का अध्ययन कीजिए और उसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए–

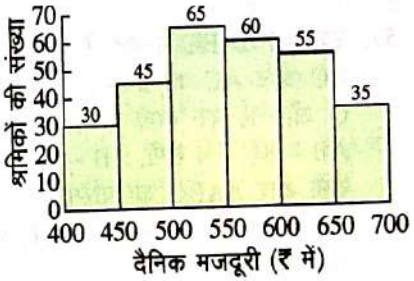

₹ 450 से कम दैनिक मजदूरी वाले श्रमिकों की कुल संख्या तथा ₹ 650 और उससे अधिक दैनिक मजदूरी वाले श्रमिकों की कुल संख्या के बीच का अंतर कितना है ?
(A) 4 (B) 10
(C) 5 (D) 8

55. दिया गया पाई चार्ट पाँच स्कूलों में विद्यार्थियों का प्रतिशत और तालिका प्रत्येक स्कूल में लड़कों और लड़कियों के अनुपात को दर्शाती है.

पाई चार्ट और तालिका का अध्ययन कीजिए और उसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए–

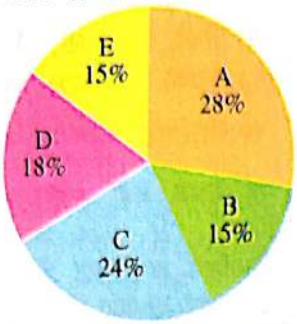

निम्नांकित तालिका पाँच स्कूलों में लड़कियों और लड़कों का अनुपात दर्शाती है.

स्कूल	लड़कियाँ, लड़के
A	3 : 4
B	2 : 3
C	5 : 3
D	1 : 2
E	4 : 1

स्कूल C में लड़कों की संख्या का स्कूल E में लड़कियों की संख्या से अनुपात कितना है ?

(A) 4 : 3 (B) 3 : 4
(C) 2 : 1 (D) 1 : 2

56. यदि $\sec^2\theta + \tan^2\theta = 3\frac{1}{2}$, $0° < \theta < 90°$ है, तो $(\cos\theta + \sin\theta)$ का मान इनमें से किसके बराबर है ?

(A) $\frac{1+\sqrt{5}}{6}$ (B) $\frac{1+\sqrt{5}}{3}$
(C) $\frac{2+\sqrt{5}}{3}$ (D) $\frac{9+2\sqrt{5}}{6}$

57. एक वृत्त ΔABC में बना है और AB, BC और AC को क्रमशः बिंदुओं P, Q और R पर स्पर्श करता है. यदि AB – BC = 4 सेमी, AB – AC = 2 सेमी और ΔABC का परिमाप = 32 सेमी है, तो AC (सेमी में) की लम्बाई ज्ञात कीजिए–

(A) $\frac{38}{3}$ (B) $\frac{26}{3}$
(C) $\frac{32}{3}$ (D) $\frac{35}{3}$

58. एक वस्तु की कीमत 20% कम हो जाती है. जिसके चलते, ग्राहक ₹ 360 में 2 किग्रा अधिक वस्तु खरीद सकते हैं. वस्तु का प्रारम्भिक मूल्य (₹ में) प्रति किग्रा ज्ञात कीजिए–

(A) 36 (B) 48
(C) 45 (D) 40

59. 10 मी और 17 मी ऊँचाई वाले दो स्तंभ, भू-तल में स्थापित हैं. स्तंभों के आधारों (Bottom) के बीच की दूरी 24 मी है. उनके शीर्ष के बीच की दूरी (मी में) ज्ञात कीजिए–

(A) 24 (B) 25
(C) 27 (D) 30

60. निम्नांकित बार चार्ट 2014 से 2019 तक दो समर कैंपों A और B में नामांकित छात्रों की संख्या को दर्शाता है. चार्ट का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए.

2014 से 2019 तक समर कैम्प A और B में नामांकित छात्रों की संख्या

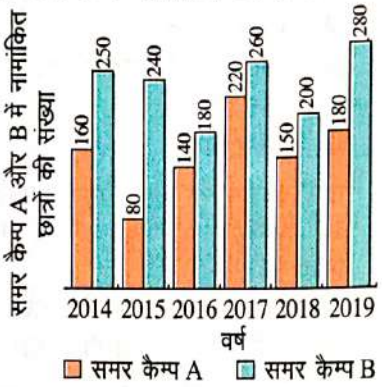

2014, 2016 और 2017 में कैंप A में नामांकित छात्रों का 2015, 2018 और 2019 में कैंप B में नामांकित छात्रों से अनुपात कितना है ?

(A) 13 : 18 (B) 15 : 22
(C) 18 : 13 (D) 22 : 15

61. 10 सेमी भुजाओं वाले एक घन के प्रत्येक फलक से 4 सेमी व्यास का एक अर्धगोलाकार गड्ढा काटा जाता है. शेष ठोस का पृष्ठीय क्षेत्रफल (सेमी^{2} में) ज्ञात कीजिए–

$\left(\pi = \frac{22}{7}$ लीजिए$\right)$

(A) $713\frac{1}{7}$ (B) $675\frac{3}{7}$
(C) $900\frac{4}{7}$ (D) $112\frac{4}{7}$

62. एक पुरुष, एक महिला और एक लड़का एक काम को क्रमशः 3, 4 और 12 दिनों में पूरा कर सकते हैं. उसी काम को एक दिन में पूरा करने के लिए कितने लड़कों को एक पुरुष और एक महिला की सहायता करनी चाहिए ?

(A) 9 (B) 5
(C) 4 (D) 7

63. ₹ 32,000 की राशि त्रैमासिक आधार पर चक्रवृद्धि की जाने वाली 20% वार्षिक दर पर 9 महीने में कितनी (₹ में) हो जाएगी ?

(A) 30,876 (B) 37,044
(C) 32,000 (D) 35,087

64. यदि $a + b - c = 5$ और $ab - bc - ac = 10$ है, तो $a^2 + b^2 + c^2$ का मान ज्ञात कीजिए–

(A) 5 (B) 40
(C) 15 (D) 45

65. दो मीनारों P और Q के पाद के ठीक बीच से उनके शीर्षों के उन्नयन कोण क्रमशः 45° और 60° हैं. P और Q की ऊँचाई का अनुपात क्या है ?

(A) 3 : 1 (B) 1 : $\sqrt{3}$
(C) 1 : 3 (D) $\sqrt{3}$: 1

66. $\frac{46+\frac{3}{4}\text{of}\,32-6}{37-\frac{3}{4}\text{of}\,(34+6)}$ का मान क्या है ?

(A) $\frac{54}{7}$ (B) $\frac{44}{7}$
(C) $\frac{34}{7}$ (D) $\frac{64}{7}$

67. यदि A = 60° है, तो

$$\frac{[8\cos A + 7\sec A - \tan^2 A]}{10\sin\frac{A}{2}}$$

का मान ज्ञात कीजिए–

(A) 3 (B) 10
(C) 5 (D) 15

68. सबसे बड़ी संख्या 234a5b ज्ञात कीजिए, जो 22 से विभाज्य है, लेकिन 5 से विभाज्य नहीं है–

(A) 234751 (B) 234652
(C) 234058 (D) 234850

69. एक दुकानदार किसी वस्तु के अंकित मूल्य पर 28% की छूट देता है और फिर भी 30% का लाभ कमाता है. यदि उसे वस्तु की बिक्री पर ₹ 39·90 का लाभ होता है, तो वस्तु का अंकित मूल्य (निकटतम ₹ तक पूर्णांकित) क्या है ?

(A) 240 (B) 173
(C) 133 (D) 200

70. श्याम अपनी कार को 30 किमी, 45 किमी/घण्टा की चाल से चलाता है और अगले 1 घण्टे 20 मिनट के लिए वह इसे 51 किमी/घण्टा की चाल से चलाता है. पूरी यात्रा के लिए उसकी औसत चाल (किमी/घण्टा में) ज्ञात कीजिए–

(A) 48·5 (B) 49
(C) 48 (D) 47

71. ΔABC में, $\angle A$ का समद्विभाजक BC पर बिन्दु D पर मिलता है. यदि AB = 9·6 सेमी, AC = 11·2 सेमी और BD = 4·8 सेमी है, तो ΔABC का परिमाप (सेमी में) क्या होगा ?
(A) 28·6 (B) 31·2
(C) 30·4 (D) 32·8

72. निम्नांकित आकृति में P और Q दो वृत्तों के केन्द्र हैं. वृत्त बिन्दु A और B पर प्रतिच्छेद करते हैं. PA को दोनों ओर आगे बढ़ाने पर यह वृत्तों से C और D बिन्दुओं पर मिलती है. यदि $\angle CPB = 100°$ है, तो x का मान ज्ञात कीजिए–

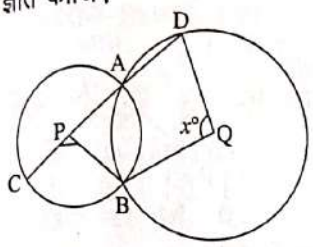

(A) 120 (B) 100
(C) 110 (D) 115

73. दिया गया बार चार्ट 2015 में निर्मित टेलीविजन सेटों (TV) की संख्या (हजार में) और पाँच अलग-अलग कम्पनियों A, B, C, D और E द्वारा 2015 में बेचे गए टीवी सेटों के प्रतिशत को प्रदर्शित करता है.

चार्ट का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए

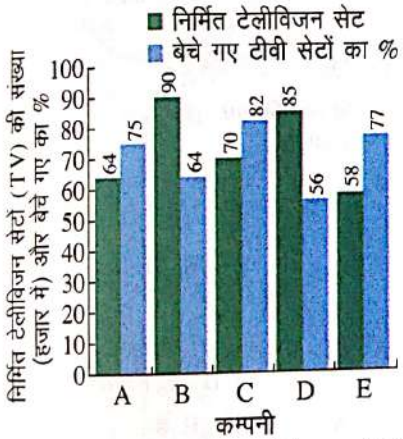

2015 में कम्पनी A द्वारा बेचे गए टीवी सेटों की संख्या का, कम्पनी B द्वारा बेचे गए टीवी सेटों की संख्या से अनुपात कितना है ?
(A) 5 : 6 (B) 4 : 5
(C) 6 : 5 (D) 5 : 4

74. तीन संख्याओं का योग 98 है. यदि पहली संख्या का दूसरी से अनुपात 2 : 3 है और दूसरी संख्या का तीसरी संख्या से अनुपात 5 : 8 है, तो तीसरी संख्या कौनसी है ?
(A) 48 (B) 30
(C) 20 (D) 49

75. एक नाव धारा की दिशा में 56 किमी की दूरी 3·5 घण्टे में तय कर सकती है. स्थिर जल में नाव की चाल और धारा की चाल का अनुपात 3 : 1 है. नाव धारा की दिशा में 41·6 किमी की दूरी तय करने में कितना समय (घण्टों में) लेगी ?
(A) 1·5 (B) 1·8
(C) 2·6 (D) 2·1

English Comprehension

76. The following sentence has been divided into parts. One of them may contain an error. Select the part that contains the error from the given options. If you don't find any error, mark 'No error' as your answer.
Every Saturday,/the workers gets/ their weekly wages.
(A) the workers gets
(B) every Saturday
(C) No error
(D) their weekly wages

77. Select the most appropriate option that can substitute the **Bold** segment in the given sentence. If there is no need to substitute it, select 'No substitution required'.
Which movie **have you watched** on television when I called you ?
(A) did you watched
(B) were you watching
(C) No substitution required
(D) are you watching

78. Select the most appropriate ANTONYM of the given word.
Exonerate
(A) Exempt (B) Engage
(C) Absolve (D) Acquit

79. The following sentence has been split into four segments. Identify the segment that contains a grammatical error.
The contrast between/Britain and other countries/or Europe/are striking
(A) The contrast between
(B) Britain and other countries
(C) of Europe
(D) are striking

80. Select the most appropriate meaning of the given idiom.
Cool as a cucumber
(A) Calm and composed
(B) Irritated and annoyed
(C) Happy and excited
(D) Nervous and fidgety

81. Select the most appropriate synonym of the given word.
Squawk
(A) Suggest (B) Explore
(C) Scream (D) Connote

82. Select the most appropriate option that can substitute the **Bold** segment in the given sentence. If there is no need to substitute it, select 'No substitution required'.
This TV channel has a larger viewership **from another channel**.
(A) than any other channel
(B) No substitution required
(C) from any other channel
(D) from the other channel

83. Select the most appropriate option to fill in the blank.
You will find it difficult ..... but later you will get used to wearing a mask.
(A) at first (B) at the first
(C) firstly (D) on first

84. Select the option that expresses the given sentence in indirect speech.
Ajay says, "There is going to be a snowfall."
(A) Ajay says that there is going to be a snowfall
(B) Ajay says that there was going to be a snowfall
(C) Ajay said that there is going to be a snowfall
(D) Ajay said that there was going to be a snowfall

85. Select the most appropriate synonym of the given word.
FINAL
(A) Allowed (B) Forbidden
(C) Former (D) Concluding

86. Select the most appropriate meaning of the given idiom.
A hair in the butter
(A) A slippery road
(B) Easy to handle
(C) Sinking in debt
(D) A challenging situation

87. The following sentence has been divided into parts. One of them contains an error. Select the part that contains the error from the given options.
It has/been raining/since/two hours.
(A) It has
(B) since
(C) been raining
(D) two hours

88. Select the option that expresses the given sentence in passive voice.
Who is creating this mess ?
(A) By whom is this mess being created ?
(B) Who has created this mess ?
(C) By whom this mess being created ?
(D) By whom has this mess been created ?

89. Select the correctly spelt word.
(A) Convect (B) Conect
(C) Convert (D) Concent

90. Select the option that can be used as a one-word substitute for the given group of words.
One who can read and write
(A) Illiterate (B) Eligible
(C) Illegible (D) Literate

91. Select the most appropriate option that can substitute the **Bold** segment in the given sentence. If there is no need to substitute it, select 'No substitution required'.
In spite of my niece's dog Casper is very mischievous, he is lovable.
(A) Nevertheless my niece
(B) However my nieces
(C) No substitution required
(D) Although my niece's

92. Select the option that expresses the given sentence in passive voice.
The judge found the prisoner guilty.
(A) The judge was found guilty by the prisoner
(B) The prisoner had been found guilty by the judge
(C) The prisoner has been found guilty by the judge
(D) The prisoner was found guilty by the judge

93. Select the option that can be used as a one-word substitute for the given group of words.
Drawings or writing on a wall in a public place
(A) Graffiti (B) Caricature
(C) Collage (D) Portrait

94. Sentences of a paragraph are given below in jumbled order. Arrange the sentences in the correct order to form a meaningful and coherent paragraph.
(a) Firstly, it provides air for respiration, serves the sense of smell and conditions the air by filtering, warming and moistening it.
(b) The nose is the prominent structure between the eyes that serves as the entrance to the respiratory tract.
(c) For inhalation it has two cavities, separated from one another by a wall of cartilage called the septum.
(d) Apart from filtering the air, it also cleans itself of foreign debris extracted from inhalations.
(A) (b) (a) (d) (c)
(B) (d) (b) (c) (a)
(C) (b) (a) (c) (d)
(D) (a) (c) (d) (b)

95. Select the most appropriate ANTONYM of the given word.
Obscure
(A) Veiled (B) Cloudy
(C) Apparent (D) Biurred

Directions—(Q. 96-100) In the following passage, some words have been deleted. Read the passage carefully and select the most appropriate option to fill in each blank.

The camel and the fox were very good friends and very good thieves. One day, the two friends (1).....to cross the river so that they could travel to a (2)..... farm to steal food. The small fox (3).....swim, so the camel said to his friend, 'Climb (4)..... onto my back and I will swim across the (5)..... .

96. Select the most appropriate option to fill in blank number 1.
(A) will decide
(B) are decide
(C) decided
(D) deciding

97. Select the most appropriate option to fill in blank number 2.
(A) nearly (B) nearby
(C) nearest (D) near

98. Select the most appropriate option to fill in blank number 3.
(A) ought to (B) may not
(C) might (D) could not

99. Select the most appropriate option to fill in blank number 4.
(A) over (B) above
(C) across (D) up

100. Select the most appropriate option to fill in blank number 5.
(A) ocean (B) river
(C) sea (D) lake

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B)

2. (D) 58, 67, 83, 108, 144
+9 +16 +25 +36
3^2 4^2 5^2 6^2

3. (B) दिया है,
@ = +, % = ×, $ = ÷, # = –
तो, 23@105 $ 15% 6 # 29
= 23 + 105 ÷ 15 × 6 – 29
= 23 + 7 × 6 – 29
= 42 – 6
= 36

4. (A) कथन के अनुसार,

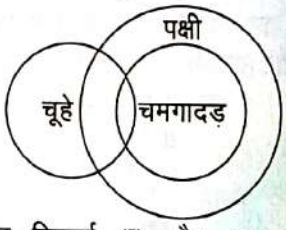

केवल निष्कर्ष (I) और (II) अनुसरण करते हैं.

5. (C) B E G L O Q
+3 +2 +3 +2
G J M T W Y
+3 +3 +3 +2

6. (C) A – F – C फलक
A – D – E विपरीत फलक
'C' के विपरीत 'E' है.

7. (D) दिया है,
A = +, B = ×, C = –, D = ÷
तो, 66 A (132 D12) C (4 A3) B (15 D5) A 16B (– 3)
= 66 + (132 ÷ 12) – (4 + 3) × (15 ÷ 5) + 16 × (– 3)
= 66 + 11 – 7 × 3 – 48
= 77 – 21 – 48
= 77 – 69 = 8

8. (B) जिस प्रकार,

E S T E E M
+3 +3 +3 +3 +3 +3
H V W H H P

उसी प्रकार,

D O C T O R
+3 +3 +3 +3 +3 +3
G R F W R U

9. (B)

10. (B) उद्यमी, महिला, परोपकारी के बीच का सम्बन्ध वेन आरेख द्वारा सर्वोत्तम रूप से दर्शाया गया है.

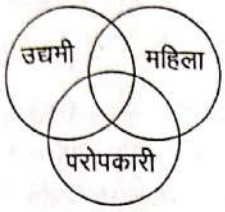

11. (B) 1. क्रोड 4. सतह
2. वायुमण्डल 5. आकाश गंगा
3. ब्रह्माण्ड

12. (D) e – D – F फलक
e – f – d विपरीत फलक
'D' का विपरीत 'f' है.

13. (B) 21 : 112 :: 36 : 192 :: 51 : 272
3×7 16×7 3×12 16×12 3×17 16×17

14. (D) श्रेणी

3, 11, 31, 69, 131, 223
+8 +20 +38 +62 +92
+12 +18 +24 +30

15. (C) प्रश्नानुसार,

$12 \times 8 = 96 + 4 = 100$

$18 \times 6 = 108 + 3 = 111$

$15 \times 4 = 60 + 2 = \boxed{62}$

16. (B) शृंखला,

g f o o d k k m/g f o o d k k m/ g f o o d k k m

f o k g o d m o k

17. (B) जिस प्रकार,

R O U B S T = 6 वर्ण
↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ विपरीत
I L F Y H G

9 + 12 + 6 + 25 + 8 + 7 = 67

67 – 6 = 61

इसी प्रकार,

F O R T U N A T E = 9 वर्ण
↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ विपरीत
U L I G F M Z G V

21+12+9+7+6+13+26+7+22 = 123

123 – 9 = 114

18. (A)

19. (D) जिस प्रकार,

$6218 = \frac{\text{Laptop}}{6}\ \frac{\text{is}}{2}\ \frac{\text{a}}{1}\ \frac{\text{Computer}}{8}$

तथा

$8217 = \frac{\text{Computer}}{8}\ \frac{\text{is}}{2}\ \frac{\text{a}}{1}\ \frac{\text{Machine}}{7}$

उसी प्रकार,

$\frac{\text{Machine}}{7}\ \frac{\text{Makes}}{5}\ \frac{\text{Our}}{3}\ \frac{\text{life}}{4}\ \frac{\text{easy}}{4}$

= 75344

20. (A) प्रश्नानुसार,

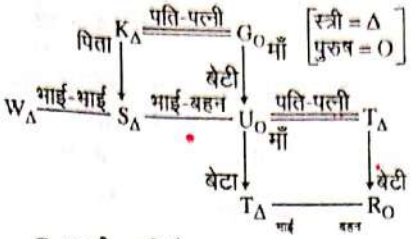

G, R की नानी है.

21. (A) प्रश्नानुसार,

+3 +3 +3 –6 op op op
H A R M O N Y
B M L G U D K

इसी प्रकार,

+3 +3 +3 –6 op op op
R E S O L V E
V E O I V H U

(op – opposite)

22. (B) दिया है,

पुरुष शिक्षकों का औसत वेतन = ₹ 2500

पुरुष शिक्षकों की संख्या = 16

पुरुष शिक्षकों का कुल वेतन

$= 2500 \times 16$

= ₹ 40000

महिला शिक्षकों का औसत वेतन

= ₹ 1200

माना महिला शिक्षकों की संख्या = x

तो शिक्षण स्टाफ का औसत वेतन

= 2000

$\Rightarrow \frac{40000 + 1200x}{16 + x} = 2000$

$\Rightarrow 40000 + 1200x = 32000 + 2000x$

$\Rightarrow 800x = 8000$

$\boxed{x = 10}$

23. (A)

RSX, NQW, JOV, FMU, BKT
-1 -1 -1 -1
-2 -2 -2 -2
-4 -4 -4 -4

24. (A) प्रश्नानुसार,

R M L K O N P Q S

25. (A)

26. (A) राष्ट्रपति, वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हैं.

27. (A) नर्मदा, एक प्रायद्वीपीय नदी है.

28. (A)

29. (A) तल कोण, चाप/त्रिज्या के व्यंजक की भौतिक राशि है.

30. (B) 2014 स्वच्छ भारत मिशन भारत का अब तक का सबसे बड़ा स्वच्छता अभियान है.

31. (C) फेरम लोहे के लिए लैटिन शब्द है और इसके रासायनिक प्रतीक Fe का स्रोत है.

32. (B) समान गोत्र के लोग उस व्यक्ति के वंशज माने जाते थे, जिसके नाम पर गोत्र का नाम रखा गया था.

33. (D) हिमनद जल प्रदूषक नहीं है, बल्कि यह ताजे पानी का स्रोत है.

34. (A) 1 फरवरी, 2021 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पहला पेपरलेस बजट पेश किया.
केन्द्रीय बजट 2021-2022

35. (C) अजातशत्रु पूर्वी भारत में मगध के हर्यक वंश के सबसे महत्वपूर्ण राजाओं में से एक थे.

36. (B) 37. (B)

38. (A) साकेवा त्योहार को भूमि पूजा या चंडी पूजा के रूप में जाना जाता है.

39. (D)

40. (D) राज्य सभा के पास धन विधेयक को खारिज करने का अधिकार नहीं होता.
सही विकल्प (D) इसे राज्य सभा द्वारा अस्वीकार या संशोधित किया जा सकता है.

41. (D) जयशंकर प्रसाद की महाकाव्य कविता.

42. (D) बी आर अम्बेडकर और महात्मा गांधी के बीच 24 सितम्बर, 1932 को पुणे की यरवदा जेल में.

43. (d)

44. (B) एफ. स्कॉट फिट्जगेराल्ड ने 1925 में द ग्रेट गैट्सवी उपन्यास लिखा.

45. (C) 46. (B)

47. (B) अरुणाचल प्रदेश के लोकप्रिय नृत्य है, यह आदि जनजाति के अंतर्गत आता है.

48. (C) मलप्पूरम, जिसने 2015 से 2020 तक अपनी जनसंख्या में 44% की वृद्धि दर्ज की.

49. (B)

50. (A) अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी करिश्मा यादव को खेलों में उत्कृष्टता के लिए मध्य प्रदेश सरकार से विक्रम पुरस्कार दिया है.

51. (C) दिया है,
126, 224 और 608 तीन संख्याओं को सबसे बड़ी संख्या से विभाजित करने पर शेषफल 2, 7, 19 प्राप्त होता है.

तो, (126 – 2) = 124, (224 – 7)
= 217

और (608 – 19) = 589 का म. स. प.

$\Rightarrow 124 = 31 \times 4$

$\Rightarrow 217 = 31 \times 7$

$\Rightarrow 589 = 31 \times 19$

इसलिए, महत्तम समापवर्तक = 31

तो संख्या = 31

52. (C) मेज का विक्रय मूल्य

$= 4600 + \frac{4600 \times 10}{100}$

= ₹ 5060

naukaritak.com for Dec 2022

कुर्सी का विक्रय मूल्य

$= 1800 + \frac{1800 \times 6}{100}$

$= ₹\ 1908$

कुल विक्रय मूल्य

$= 5060 + 1908$

$= ₹\ 6968$

कुल क्रय मूल्य $= 4600 + 1800$

$= ₹\ 6400$

इसलिए, लाभ $= 6968 - 6400$

$= ₹\ 568$

लाभ % $= \frac{568}{6400} \times 100$

$= \frac{71}{8} \Rightarrow 8\frac{7}{8}\%$

53. (A) दिया है,

$\left(x^2 + \frac{1}{x^2}\right) = 23$

दोनों तरफ 2 जोड़ने पर–

$x^2 + \frac{1}{x^2} + 2 = 23 + 2$

$\left(x + \frac{1}{x}\right)^2 = 25$

$\because \left[\left(x + \frac{1}{x}\right)^2 = x^2 + \frac{1}{x^2} + 2\right]$

$x + \frac{1}{x} = 5$

अब,

$\left(x^3 + \frac{1}{x^3}\right) = \left(x + \frac{1}{x}\right)^3 - 3\left(x + \frac{1}{x}\right)$

$\left(x^3 + \frac{1}{x^3}\right) = (5)^3 - 3(5)$

$\left(x^3 + \frac{1}{x^3}\right) = 125 - 15$

$\Rightarrow \left(x^3 + \frac{1}{x^3}\right) = 110$

54. (C) कुल श्रमिकों की संख्या जिनकी दैनिक मजदूरी 450 से कम $= 30$

कुल श्रमिकों की संख्या जिनकी दैनिक मजदूरी 650 और उससे अधिक $= 35$

अंतर $= 35 - 30$

$= 5$ श्रमिक

55. (B) माना छात्रों की कुल संख्या $= 100$

इसलिए, स्कूल C में छात्र

$= \frac{100 \times 24}{100} = 24$

तो स्कूल C में लड़कों की संख्या

$= \frac{24}{5+3} \times 3$

$= \frac{24}{8} \times 3 = 9$

स्कूल E में छात्र $= \frac{100 \times 15}{100} = 15$

और स्कूल E में लड़कियों की संख्या

$= \frac{15}{4+1} \times 4$

$= \frac{15}{5} \times 4 = 12$

तो अनुपात $= 9 : 12$

$= 3 : 4$

56. (C) दिया है,

$\sec^2\theta + \tan^2\theta = 3\frac{1}{2}$ ...(i)

हम जानते हैं,

$\sec^2\theta - \tan^2\theta = 1$ ...(ii)

समी. (i) और (ii) को जोड़ने पर–

$2\sec^2\theta = \frac{9}{2}$

$\sec^2\theta = \frac{9}{4}$

$\sec\theta = \frac{3}{2} = \frac{H}{B}$

इसलिए, $H^2 = P^2 + B^2$

$\Rightarrow 9 = P^2 + 4$

$\Rightarrow P = \sqrt{5}$

अब, $\cos\theta + \sin\theta = \left(\frac{B}{H}\right) + \left(\frac{P}{H}\right)$

$\Rightarrow \frac{2}{3} + \frac{\sqrt{5}}{3}$

$\Rightarrow \frac{2+\sqrt{5}}{3}$

57. (C) दिया है,

$AB - BC = 4$ सेमी

$BC = AB - 4$

$AB - AC = 2$ सेमी

$AC = AB - 2$

ΔABC का परिमाप $= 32$ सेमी

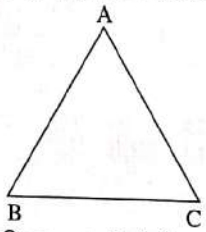

Δ का परिमाप $= \Delta$ की तीनों भुजाओं का योग

$32 = AB + BC + AC$

$\Rightarrow 32 = AB + AB - 4 + AB - 2$

$\Rightarrow 32 = 3AB - 6$

$\Rightarrow AB = \frac{38}{3}$

तो, $AC = AB - 2$

$= \frac{38}{3} - 2$

$AC = \frac{32}{3}$ सेमी

58. (C) प्रश्नानुसार,

वस्तु की कीमत 20% कम $= \frac{1}{5}$

माना वस्तु का वास्तविक मूल्य $= 5x$

इसलिए, कमी के बाद मूल्य $= 4x$

वस्तु में कमी के बाद ग्राहक इसे ₹ 360 में 2 किग्रा अधिक प्राप्त करेगा.

इसलिए, $\frac{360}{4x} - \frac{360}{5x} = 2$

$\Rightarrow \frac{90}{x} - \frac{72}{x} = 2$

$\Rightarrow 90 - 72 = 2x$

$\Rightarrow x = \frac{18}{2}$

$\Rightarrow x = 9$

इसलिए वास्तविक मूल्य $= 5 \times 9 = ₹\ 45$

59. (B) माना AB = 10 मी और CD = 17 मी

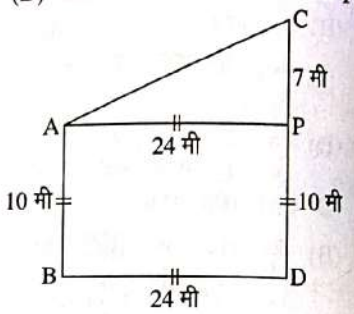

AP $=$ BD $= 24$ मी

AB $=$ PD $= 10$ मी

इसलिए CP $= 7$ मी

Δ ACP में पाइथागोरस प्रमेय लगाने पर

$AC^2 = AP^2 + CP^2$

$\Rightarrow AC^2 = (24)^2 + (7)^2$

$\Rightarrow (AC)^2 = 576 + 49$

$\Rightarrow AC = \sqrt{625}$

$\Rightarrow AC = 25$ मी

60. (A) प्रश्नानुसार,

2014, 2016 और 2017 में कैंप A के कुल छात्र $= 160 + 140 + 220$

$= 520$

2015, 2018 और 2019 में कैंप B में कुल छात्र $= 240 + 220 + 280$

$= 720$

अतः अनुपात $= 520 : 720$

$= 13 : 18$

61. (B) दिया है,

अर्ध गोलाकार भाग का व्यास $= 4$ सेमी

तो त्रिज्या $(r) = 2$ सेमी

घन के प्रत्येक फलक का व्यास $= 10$ सेमी

प्रश्नानुसार,

अभीष्ट पृष्ठीय क्षेत्रफल = घन का सम्पूर्ण पृष्ठीय क्षेत्रफल – 6 × घन के प्रत्येक फलक के शीर्ष पर वृत्त का क्षेत्रफल + 6 × घन के प्रत्येक फलक पर बने अर्धगोले का वक्र पृष्ठीय क्षेत्रफल

$= 6 \times 10^2 - 6 \times \pi \times 2^2 + 6 \times 2 \times \pi \times 2^2$

$\Rightarrow 600 + 6\pi \times 4$

$\Rightarrow \quad 600 + 24 \times \frac{22}{7}$

$\Rightarrow \quad 600 + \frac{528}{7}$

$\Rightarrow \quad 600 + 75\frac{3}{7}$

$\Rightarrow \quad 675\frac{3}{7}$

62. (B) 3, 4 और 12 का LCM = 12
माना कुल कार्य = 12 इकाई
इसलिए, पुरुष की दक्षता

$= \frac{12}{3} = 4$ इकाई/दिन

महिला की दक्षता $= \frac{12}{4} = 3$ इकाई/दिन

लड़के की दक्षता $= \frac{12}{12} = 1$ इकाई/दिन

पूरे कार्य को एक दिन में पूरा करने के लिए प्रभावी दक्षता 12 होनी चाहिए.
इसलिए, पुरुष और महिला की प्रभावी दक्षता $= 4 + 3 = 7$ इकाई
अब शेष $= 12 - 7$
$= 5$ इकाई

इसलिए लड़कों की संख्या $= \frac{5}{1} = 5$

63. (B) दिया है,

$P = ₹ 32000$

त्रैमासिक ब्याज दर $R = \frac{20}{4} = 5\%$

समय $t = \frac{4 \times 9}{12} = 3$

इसलिए $A = P\left(1+\frac{R}{100}\right)^t$

$A = 32000\left(1+\frac{5}{100}\right)^3$

$A = 32000\left(\frac{21}{20}\right)^3$

$A = \frac{32000 \times 21 \times 21 \times 21}{20 \times 20 \times 20}$

$A = 37044$

64. (A) दिया है,

$a + b - c = 5$
$ab - bc - ac = 10$
हम जानते हैं,
$(a+b-c)^2 = a^2 + b^2 + c^2 + 2(ab - bc - ac)$

$\Rightarrow \quad (5)^2 = a^2 + b^2 + c^2 + 2(10)$
$\Rightarrow 25 - 20 = a^2 + b^2 + c^2$
$\Rightarrow a^2 + b^2 + c^2 = 5$

65. (B) दिया है, P और Q के शीर्षों के उन्नयन कोण 45° और 60°
माना मीनार P और Q की ऊँचाई AB और CE है.

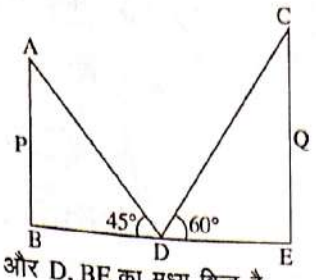

और D, BE का मध्य बिन्दु है.
BD = DE
Δ ABD में,

$\tan 45° = \frac{AB}{BD}$

$\Rightarrow \quad 1 = \frac{AB}{BD}$

$\Rightarrow \quad BD = AB$

Δ CDE में,

$\tan 60° = \frac{CE}{DE}$

$\Rightarrow \quad \sqrt{3} = \frac{CE}{DE}$

$\Rightarrow \quad CE = \sqrt{3}\ BD \quad [DE = BD]$

तो P और Q की ऊँचाई का अनुपात
$= AB : CE$
$= BD : \sqrt{3}\ BD$
$\Rightarrow \quad 1 : \sqrt{3}$

66. (D) प्रश्नानुसार,

$$\frac{46+\frac{3}{4}\text{of}\,32-6}{37-\frac{3}{4}\text{of}(34+6)}$$

$$\Rightarrow \quad \frac{46+\frac{3}{4}\times 32-6}{37-\frac{3}{4}\times 40}$$

$$\Rightarrow \quad \frac{46+24-6}{37-30}$$

$$\Rightarrow \quad \frac{64}{7}$$

67. (A) $A = 60°$

तो $\frac{8\cos A + 7\sec A - \tan^2 A}{10\sin\frac{A}{2}}$

$\Rightarrow \quad \frac{8\cos 60° + 7\sec 60° - \tan^2 60°}{10\ \sin 30°}$

$\Rightarrow \quad \frac{8\times\frac{1}{2}+7\times 2-\left(\sqrt{3}\right)^2}{10\times\frac{1}{2}}$

$\Rightarrow \quad \frac{4+14-3}{5}$

$\Rightarrow \quad 3$

68. (B) 234 $a5b$, 22 से विभाज्य है, लेकिन 5 से नहीं तो संख्या 11 और 2 से भी विभाज्य होगी.
इसलिए b का संभावित मान 2, 4, 6, 8 होंगे 0 नहीं.
प्रश्नानुसार,
सबसे बड़ी संख्या के लिए $a > b$
अब, $(2+4+5) - (3+a+b) = 0$
या 11 का गुणज
$\Rightarrow 11 - 3 - a - b = 0$ या 11 का गुणज
$\Rightarrow \quad 8 - a - b = 0$ या 11 का गुणज
$\Rightarrow \quad a + b = 8$
$\therefore\ a$ और b का संभावित मान
(8, 0), (7, 1), (6, 2), (5, 3) $[a > b]$
$b = 2$ के लिए $a = 4$
इसलिए a और b के मान रखने पर 234652

69. (A) प्रश्नानुसार,
वस्तु का लाभ 30% = ₹ 39·90
तो क्रय मूल्य 100% $= \frac{39\cdot 9}{30}\times 100$
$= ₹ 133$
विक्रय मूल्य 130% $= \frac{39\cdot 9}{30}\times 130$
$= ₹ 172\cdot 9$
तो वस्तु का अंकित मूल्य

$= \frac{172\cdot 9}{(100-28)}\times 100$

$= \frac{172\cdot 9\times 100}{72}$

$= 240\cdot 133$

या $= ₹ 240$

70. (B) प्रश्नानुसार,
श्याम 60 मिनट में 45 किमी जाता है
तो वह 40 मिनट में 30 किमी जाएगा.
अगले 1 घण्टे 20 मिनट में वह 51 किमी/घण्टा की गति से चलता है, तो वह
$\frac{51}{60}\times 80 = 68$ किमी जाएगा.
इसलिए,
कुल दूरी $= 68 + 30 = 98$ किमी
कुल समय = 40 मिनट + 1 घण्टा 20 मिनट
= 2 घण्टे

औसत गति $= \frac{98}{2} = 49$ किमी

71. (B) दिया है,
AB = 9·6 सेमी
AC = 11·2 सेमी
BD = 4·8 सेमी

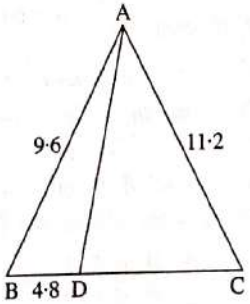

कोण समद्विभाजक प्रमेय के अनुसार,

$$\frac{BD}{CD} = \frac{AB}{AC}$$

$$\Rightarrow \frac{4\cdot8}{CD} = \frac{9\cdot6}{11\cdot2}$$

$$\Rightarrow \frac{1}{CD} = \frac{2}{11\cdot2}$$

$$\Rightarrow CD = 5\cdot6$$

इसलिए, BC = 4·8 + 5·6
= 10·4 सेमी

अब ΔABC का परिमाप
= 9·6 + 11·2 + 10·4
= 31·2 सेमी

72. (B) दिया है,

$\angle CPB = 100°$

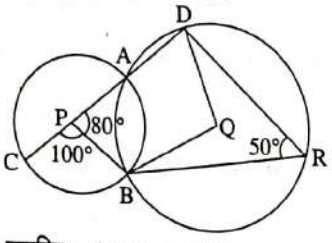

इसलिए $\angle APB = 80°$

[$\angle APB = \angle CPB$ का संपूरक कोण]

अब, ΔAPB में

AP = PB
= छोटे वृत्त की त्रिज्या

इसलिए, $\angle PAB = \angle PBA$

$$\angle PAB = \left[\frac{(180° - 80°)}{2}\right]$$

$\Rightarrow \angle PAB = 50°$

अब, $\angle DAB = 180° - 50° = 130°$

[$\angle DAB = \angle PAB$ का संपूरक कोण]

चूँकि ABRD एक चक्रीय चतुर्भुज है
इसलिए $\angle BRD = 180° - 130° = 50°$
अब वृत्त की परिधि पर बना कोण केन्द्र पर बने कोण का आधा होता है.

$\angle BQD = 50 \times 2$
$= 100°$

73. (A) 2015 में कम्पनी A द्वारा बेचे गए टीवी सेटों की संख्या

$$= \frac{64 \times 75}{100}$$
$$= 48$$

2015 में कम्पनी B द्वारा बेचे गए टीवी सेटों की संख्या $= \frac{90 \times 64}{100}$
$= 57\cdot6$

अनुपात = 48 : 57·6
= 5 : 6

74. (A) तीन संख्याओं का योग = 98
माना तीन संख्या = A, B और C
तो, A : B = 2 : 3 ...(i)
B : C = 5 : 8 ...(ii)

सभी (i) में 5 और सभी (ii) में 3 से गुणा करके प्राप्त अनुपात

A : B : C = 10 : 15 : 24

अब $C = \frac{98}{10+15+24} \times 24$

$C = \frac{98}{49} \times 24$

$C = 48$

75. (C) धारा के अनुकूल नाव की गति

$= \frac{56}{3\cdot5}$
= 16 किमी/घण्टा

स्थिर जल में नाव की गति और धारा की गति का अनुपात = 3 : 1

धारा के अनुकूल 41·6 किमी तय करने में लगने वाला समय $= \frac{41\cdot6}{16}$
= 2·6 घण्टा

76. (A) "The workers get" should be used instead of "The workers gets".
77. (B) "Were you watching" should be used instead of "have you watched".
78. (B) "Engage" is the most appropriate antonym of the "Exonerate".
79. (D) "are striking" is incorrect, "is striking" should be used.
80. (A) "Calm and Composed" is the appropriate meaning.
81. (C) "Scream" is the most appropriate synonym of the "Squawk".
82. (A) "Than any other Channel" should be used instead of "from another Channel".
83. (A)
84. (A) Indirect Speech—
Ajay says that there is going to be a snowfall.
85. (D) "Concluding" is the most appropriate synonym of the final.
86. (D) "A Challenging situation" is the appropriate meaning.
87. (B) 'Since' is grammatically Incorrect "for" should be used instead of since.
88. (A) Passive Voice—
By whom this mess being created.
89. (C) 'Convert' is correctly spelt.
90. (D) 91. (D)
92. (D) Passive Voice—
"The prisoner was found guilty by the judge".
93. (A) 'Graffite' is the most appropriate word for the group of words.
94. (A)
95. (C) 'Apparent' is the most appropriate antonym of the 'obscure'.
96. (C) 97. (B) 98. (D) 99. (D) 100. (B)

●●●

शेष पृष्ठ 105 का

- गौरतलब है कि 2017-2031 की अवधि के बीच देश में तीसरी 'राष्ट्रीय वन्य जीव कार्य योजना' लागू है, जो वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करती है और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने पर बल देती है. इसके पहले यह योजना 2 बार 2002-2016 और पहली बार 1983-2001 के बीच लागू की जा चुकी है.
- वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम-1972 की अनुसूची-एक में हाथी को संरक्षण प्राप्त है. इसे किसी तरह का नुकसान पहुँचाना कानूनन जुर्म है. साथ ही, संविधान के अनुच्छेद 48-(क) और अनुच्छेद 51-(क) का 7वाँ उपबंध भी पर्यावरण संरक्षण तथा सभी जीवधारियों के प्रति दयालुता प्रकट करने का कर्तव्य बोध कराता है.

मालूम हो कि भारत दुनिया के 17 वृहद् जैव विविधता वाले देशों में शामिल है.ऐसे में हाथी ही नहीं किसी भी जीव-जन्तु के अस्तित्व पर मंडराता खतरा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अहितकर साबित हो सकता है. बहरहाल हाथियों के संरक्षण के लिए देशवासियों में 'सह-अस्तित्व' की भावना जाग्रत करनी होगी.

●●●

शेष पृष्ठ 107 का

को अपने हाथ में लेकर अपनी खेती में एक क्रांति लाएगा, जोकि सदाबहार क्रांति को लाने में एक नई दिशा प्रदान करेगा.

देश में ड्रोन हब बनाने के लिए बढ़ते कदम

नई ड्रोन नीति 2021 के अनुसार वर्ष 2030 तक भारत को वैश्विक ड्रोन हब के रूप में विकसित करने की योजना भारत सरकार ने बनाई है स्कूलों कॉलेजों के विद्यार्थी भी इसमें खूब रुचि ले रहे हैं. आज हम सभी लोग यह देख रहे हैं कि ड्रोन का सफल प्रयोग वैक्सीन दवाइयाँ खाना पहुँचाने से लेकर आपदा प्रबंधन सुरक्षा देश के बॉर्डरों की निगरानी कृषि कार्यों में दवाई छिड़कने तथा कीट नियंत्रण के लिए इसके अलावा बीजारोपण आदि में किया जा रहा है.

यह कहना कतई अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आने वाले समय में भारतीय कृषि परिदृश्य में ड्रोन टेक्नोलॉजी को बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करते हुए देखा जाएगा. कृषकों की आय बढ़ाने में भी इसकी अहम भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता है और यह कहा जा सकता है कि आने वाली सदी में यह टेक्नोलॉजी किसानों के गाँव में बहुत तेजी से दस्तक देगी. ●●●

naukaritak.com for Dec 2022

बिहार बी.एड. संयुक्त प्रवेश परीक्षा, 6-7-2022 का हल प्रश्न-पत्र

Section - I
General English Comprehension

Directions—(Q 1-5) Read the following passage and answer the questions given below—

Teaching, more even than most other professions, has been transformed during the last hundred years from a small, highly skilled profession concerned with a minority of the population, to a large and important branch of the public service. The profession has a great and honourable tradition, extending from the dawn of history recent times, but any teacher in the modern world, who allows himself to be inspired by the ideals of his predecessors, is likely to be made sharply aware that it is not his function to teach what he thinks, but to instill such beliefs and prejudices as are thought useful by his employers.

1. The modern teacher is not able to follow the ideals of his predecessors because—
   (A) of tremendous advancements in professional skills
   (B) of social and financial constraints
   (C) the students are not serious about studies
   (D) the modern teacher has more interest in politics than in academic activity
2. The author seems to—
   (A) be against the current trend in the teaching profession
   (B) approve the recent developments in the mode of teaching
   (C) be a traditionalist in his views
   (D) consider education as a part of public service
3. In ancient times, the teaching profession was—
   (A) reserved for the upper class
   (B) reserved for a privileged few
   (C) open to all
   (D) limited to a highly skilled minority
4. What has transformed teaching into an important branch of public service is—
   (A) teaching skills
   (B) technical developments
   (C) utilitarian philosophy
   (D) the demand of the employing industry
5. According to this passage, in modern times, a successful teacher is primarily supposed to—
   (A) impart knowledge
   (B) impart new and the latest skills
   (C) the lines preferred by those in authority
   (D) instill values he cherished the most

Directions—(Q. 6 and 7) Choose the word opposite in meaning to the word given—

6. **Chronic**
   (A) pathetic
   (B) mild
   (C) temporary
   (D) characteristic
7. **Myth**
   (A) reality (B) belief
   (C) contrast (D) idealism

Directions—(Q. 8-10) Complete the sentences with suitable alternatives—

8. We eat so that we ..... live.
   (A) may
   (B) might
   (C) can
   (D) None of these
9. ..... I have your permission to leave the office early ?
   (A) Would (B) Wouldn't
   (C) Can (D) May
10. Do you ..... to work on Sunday ?
    (A) have (B) need
    (C) must (D) has

Directions—(Q. 11-13) For each of the following sentences four alternatives are given. You are required to choose the correct meaning of the idioms given in capital letter in the sentences—

11. His promotion is ON THE CARDS
    (A) due (B) evident
    (C) certain (D) probable
12. His speech FELL SHORT on the audience—
    (A) had no effect
    (B) moved the audience
    (C) impressed the audience
    (D) was quite short
13. The project advanced by LEAPS AND BOUNDS—
    (A) simply (B) sharply
    (C) slowly (D) rapidly

Directions—(Q. 14 and 15) Out of four alternatives, select the word or group of words that is most similar in meaning—

14. Contradict
    (A) request politely
    (B) deny emphatically
    (C) talk abusively
    (D) contempt
15. Solitude
    (A) musical composition
    (B) aloofness
    (C) true statement
    (D) single mindedness

खण्ड - II
सामान्य हिन्दी

निर्देश–(प्रश्न 16 से 20 तक) निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए–

"शील हृदय की यह स्थायी स्थिति है, जो सदाचार की प्रेरणा आपसे आप करती है. सदाचार ज्ञान द्वारा प्रवर्तित होता है या भक्ति द्वारा, इसका पता यूँ लग सकता है कि ज्ञान द्वारा प्रवर्तित जो सदाचार होगा, उसका साधन बड़े कष्ट से हृदय को पत्थर के नीचे दबाकर किया जाएगा, पर भक्ति द्वारा प्रवर्तित

जो सदाचार होगा उसका अनुष्ठान बड़े आनन्द से, बड़ी उमंग के साथ, हृदय से होता हुआ दिखाई देगा. उसमें मन को मारना न होगा, उसे और सजीव करना होगा. कर्तव्य और शील का वही आचरण सच्चा है जो आनन्दपूर्वक हर्षपुलक के साथ हो."

16. ज्ञान द्वारा प्रवर्तित सदाचार का पता कैसे लगता है ?
(A) हृदय को साथ लेकर
(B) कष्टपूर्वक हृदय को दबाकर
(C) प्रेमपूर्वक हृदय को दबाकर
(D) बुद्धि के प्रयोग द्वारा

17. कर्तव्य और शील का कौनसा आचरण सच्चा है ?
(A) जो ज्ञान और बुद्धि से युक्त हो
(B) जो हृदय और बुद्धि से युक्त हो
(C) जो आनन्द और हर्ष से युक्त हो
(D) जो कर्तव्य ज्ञान से युक्त हो

18. हृदय की वह कौनसी स्थायी दशा है जो सदाचार को प्रेरित करती है ?
(A) प्रेम दशा (B) शील दशा
(C) ज्ञान दशा (D) भक्ति दशा

19. सदाचार किनसे प्रवर्तित होता है ?
(A) प्रेम और भक्ति द्वारा
(B) भक्ति और धर्म द्वारा
(C) धार्मिक भावना द्वारा
(D) ज्ञान और भक्ति द्वारा

20. भक्ति द्वारा प्रवर्तित सदाचार का अनुष्ठान कैसे होता है ?
(A) आनन्द से और हृदय से
(B) कष्ट से किन्तु हृदय से
(C) ज्ञान और हृदय से
(D) भक्ति और ज्ञान से

निर्देश–(प्रश्न 21 से 23 तक) निम्नलिखित के लिए सही विलोम शब्द का चयन कीजिए–

21. प्राचीन
(A) समीचीन (B) वर्तमान
(C) अर्वाचीन (D) नवयुग

22. सुधा
(A) कोलाहल (B) हलाहल
(C) अमृत (D) मुथा

23. उपेक्षा
(A) परीक्षा (B) लौकिक
(C) अपेक्षा (D) उठोक्षा

निर्देश–(प्रश्न 24 से 27 तक) निम्नलिखित का सही उत्तर चुनिए–

24. 'सर्कस' (उपन्यास) के रचनाकार हैं–
(A) डॉ. देवराज
(B) यशपाल
(C) अमृत लाल नागर
(D) संजीव

25. 'गिरि' शब्द का शुद्ध बहुवचन है–
(A) गिरियाँ (B) गिरी
(C) गिरि (D) गिरिएं

26. व्याकरण क्या है ?
(A) भाषा का नियम
(B) भाषा का उद्‌भव
(C) भाषा का विकास
(D) इनमें से कोई नहीं

27. जयशंकर प्रसाद की काव्य-भाषा कौनसी है ?
(A) अवधी
(B) मगही
(C) मैथिली
(D) खड़ीबोली हिन्दी

निर्देश–(प्रश्न 28 से 30 तक) निम्नलिखित में प्रयुक्त संधि का सही नाम चुनिए–

28. सन्मार्ग :
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

29. निराधार :
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

30. ज्ञानोदय :
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

खण्ड - III
तार्किक एवं विश्लेषणात्मक चिन्तन

31. उस शब्द का चयन कीजिए जो अन्यों से भिन्न है–
(A) मुर्गी (B) साँप
(C) मगरमच्छ (D) स्वान

32. दी गई आकृति में त्रिभुजों की संख्या ज्ञात कीजिए–

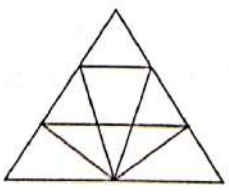

(A) 12 (B) 18
(C) 22 (D) 21

33. एक घड़ी नौ बजकर चौदह मिनट (9 बजकर 14 मिनट) का समय दिखाती है. घड़ी की घंटे वाली सूई तथा मिनट वाली सूई की स्थितियों में एक-दूसरे से तथ्यतः अदला-बदली कर दी जाती है. घड़ी द्वारा दिखाया जाने वाला नया समय निम्नलिखित में से किस एक के निकटतम है ?
(A) तीन बजने में बारह मिनट
(B) तीन बजने में तेरह मिनट
(C) तीन बजने में चौदह मिनट
(D) तीन बजने में पन्द्रह मिनट

34. अंग्रेजी वर्णमाला के कितने अक्षर (बड़े अक्षर) दर्पण में देखने पर समान दिखते हैं ?
(A) 9 (B) 10
(C) 11 (D) 12

35. इस शृंखला को देखें–
2, 1, (1/2), (1/4), ...
आगे कौनसी संख्या आनी चाहिए ?
(A) (1/3) (B) (1/8)
(C) (2/8) (D) (1/16)

36. इस शृंखला को देखें–
12, 11, 13, 12, 14, 13, ...
आगे कौनसी संख्या आनी चाहिए ?
(A) 10 (B) 16
(C) 13 (D) 15

37. छः पुस्तकों A, B, C, D, E और F को एक के पार्श्व में एक कर रखा जाता है. B, C और E नीले आवरण की हैं और अन्य पुस्तकें लाल आवरण की हैं. केवल D और F नई पुस्तकें हैं और शेष सभी पुरानी हैं. A, C और D कानूनी रिपोर्ट हैं और अन्य गजेटियर हैं. कौनसी पुस्तक, नई लाल आवरण वाली रिपोर्ट है ?
(A) A (B) B
(C) C (D) D

38. एक व्यक्ति 12 किमी उत्तर की ओर चलता है, फिर 15 किमी पूर्व की ओर, उसके बाद 15 किमी पश्चिम की ओर फिर 18 किमी दक्षिण की ओर चलता है. आरम्भिक स्थल से वह कितनी दूरी पर है ?
(A) 6 किमी (B) 12 किमी
(C) 33 किमी (D) 60 किमी

39. नीचे दी गई आकृति में कौनसी संख्या 'X' के स्थान पर आती है ?

7	370	3
6	224	2
X	730	1

(A) 2 (B) 9
(C) 11 (D) 12

40. यदि 5 – 5 = 24 और 7 – 7 = 48, तो 10 – 10 का मान ज्ञात कीजिए–
(A) 80 (B) 99
(C) 91 (D) 56

41. ऐसे त्रिभुजों की संख्या क्या है जिनके शीर्ष एक अष्टभुज के शीर्ष हैं, लेकिन अष्टभुज के साथ केवल एक ही भुजा उभयनिष्ठ है ?
(A) 64 (B) 32
(C) 24 (D) 16

42. इन शृंखला को देखें–
80, 10, 70, 15, 60, ...
आगे कौनसी संख्या आनी चाहिए ?
(A) 20 (B) 25
(C) 30 (D) 50

43. एक क्लब में 118 सदस्य हैं. उनमें से दो-तिहाई पुरुष हैं तथा शेष महिलाएँ हैं. 9 (नौ) महिला सदस्यों को छोड़कर शेष सभी सदस्य विवाहित हैं. क्लब में विवाहित महिलाएँ कितनी हैं ?
(A) 20 (B) 24
(C) 27 (D) 30

निर्देश–(प्रश्न 44 और 46) इन शृंखलाओं में, आप अक्षर पैटर्न और संख्या पैटर्न दोनों को देख रहे होंगे. शृंखला के मध्य या शृंखला के अन्त में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

44. बीसीबी, डीईडी, एफजीएफ, एचआईएच .....
(A) जेकेजे (B) एचजेएच
(C) आईजेआई (D) जेएचजे

45. सीएमएम, ईओओ, जीक्यूक्यू, ..., केयूयू
(A) जीआरआर (B) जीएसएस
(C) आईएसएस (D) आईटीटी

46. जेएके, केबीएल, एलसीएम, एमडीएन, ...
(A) ओईपी (B) एनइओ
(C) एमईएन (D) पीएफक्यू

निर्देश–(प्रश्न 47 से 50 तक) नीचे दी गई सूचना के आधार पर उसके नीचे दिए गए चार प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए–

गोपाल, हर्ष, इन्दर, जय और कृष्णन के स्वनगर अहमदाबाद, भोपाल, कटक, दिल्ली तथा एर्नाकुलम (अनिवार्यतः इसी क्रम में नहीं) हैं. वे इंजीनियरिंग, चिकित्सा, वाणिज्य, अर्थशास्त्र तथा इतिहास कॉलेजों में पढ़ रहे हैं (अनिवार्यतः इसी क्रम में नहीं). पाँचों लड़कों में से कोई भी अपने स्वनगर में नहीं पढ़ रहा है, परन्तु प्रत्येक लड़का उपर्युक्त नगरों में से एक में पढ़ रहा है. निम्नलिखित में भी दिया गया है–

1. गोपाल का स्वनगर एर्नाकुलम है.
2. हर्ष अहमदाबाद अथवा भोपाल में नहीं पढ़ रहा है.
3. अर्थशास्त्र कॉलेज भोपाल में है.
4. इन्दर का स्वनगर कटक है.
5. कृष्णन दिल्ली में पढ़ रहा है.
6. जय एर्नाकुलम में पढ़ रहा है तथा इतिहास कॉलेज उसके स्वनगर अहमदाबाद में स्थित है.
7. इंजीनियरिंग कॉलेज एर्नाकुलम में स्थित है.

ऊपर दी गई सूचना के आधार पर अगले चार प्रश्नांशों के उत्तर दीजिए–

47. भोपाल में कौन पढ़ रहा है ?
(A) गोपाल
(B) हर्ष
(C) गोपाल अथवा इन्दर
(D) इन्दर अथवा हर्ष

48. यदि इन्दर अहमदाबाद में पढ़ रहा हो, तब निम्नलिखित व्यक्ति-स्वनगर तथा पढ़ने का स्थान, समूहों में कौनसा सही सुमेलित है ?
(A) गोपाल-एर्नाकुलम-दिल्ली
(B) जय-अहमदाबाद-एर्नाकुलम
(C) कृष्णन-दिल्ली-एर्नाकुलम
(D) हर्ष-भोपाल-दिल्ली

49. कृष्णन का स्वनगर कौनसा है ?
(A) भोपाल
(B) अहमदाबाद
(C) कटक
(D) नहीं जाना जा सकता

50. इन्दर के स्वनगर में कौनसा कॉलेज स्थित है ?
(A) वाणिज्य कॉलेज
(B) चिकित्सा कॉलेज
(C) अर्थशास्त्र कॉलेज
(D) वाणिज्य अथवा चिकित्सा कॉलेज

निर्देश–(प्रश्न 51 से 55 तक) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न में चार शब्द दिए गए हैं, जिनमें से तीन किसी-न-किसी रूप में एक जैसे हैं, जबकि चौथा शब्द भिन्न है. उस शब्द का चयन कीजिए जो अन्य से भिन्न है–

51. (A) विनम्र (B) विनीत
(C) नागरिक (D) ईमानदार

52. (A) ग्रेनाइट (B) बिटुमिनस
(C) एन्थ्रासाइट (D) लिग्नाइट

53. (A) प्लासी (B) हल्दीघाटी
(C) पानीपत (D) सारनाथ

54. (A) उपरिकेन्द्र (B) भूकम्प विज्ञान
(C) केन्द्र (D) गड्ढा

55. (A) वाल्व (B) तंत्रिकाएँ
(C) धमनी (D) महाधमनी

खण्ड - IV
सामान्य जानकारी

56. कम्प्यूटर का जनक कौन है ?
(A) जेम्स गोस्लिंग
(B) चार्ल्स बैबेज
(C) डेनिस रिची
(D) बर्जने स्ट्रास्ट्रप

57. 'JPG' एक्सटेंशन आमतौर पर किस तरह की फाइल को संदर्भित करता है ?
(A) सिस्टम फाइल
(B) एमिनेशन/मूवी फाइल
(C) एमएस एनकार्टा दस्तावेज
(D) छवि फाइल (Image File)

58. प्रो-कबड्डी लीग की शुरुआत कब हुई थी ?
(A) 2002 (B) 2004
(C) 2008 (D) 2014

59. निम्नलिखित में से किसकी सघनता में वृद्धि से अधिकतम ग्लोबल वार्मिंग हो सकती है ?
(A) ऑक्सीजन
(B) नाइट्रोजन
(C) कार्बन डाइऑक्साइड
(D) जलवाष्प

60. ..... से भरपूर आहार में प्रोटीन और वसा में भरपूर आहार की तुलना में कम पानी की आवश्यकता होती है.
(A) विटामिन (B) खनिज पदार्थ
(C) कार्बोहाइड्रेट (D) कैल्सियम

61. एथलेटिक या शारीरिक प्रशिक्षण की व्यवस्थित योजना को कहा जाता है–
(A) अवधिकरण (Periodization)
(B) विशिष्टता (Specificity)
(C) आवृत्ति (Frequency)
(D) भिन्नता (Variance)

62. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कब मनाया जाता है ?
(A) 20 जून (B) 21 जून
(C) 22 जून (D) 23 जून

63. मानव शरीर के कौनसे अंग में लसिका कोशिकाएँ (Lymphocyte) बनती हैं ?
(A) यकृत (Liver)
(B) दीर्घ अस्थि (Long bone)
(C) अग्न्याशय (Pancreas)
(D) तिल्ली (Spleen)

64. निम्नलिखित में से 'द ऑडेसिटी ऑफ होप' (The Audacity of Hope) पुस्तक का लेखक कौन है ?
(A) एल गोर
(B) बराक ओबामा

naukaritok.com for Dec 2022

(C) बिल क्लिंटन
(D) हिलेरी क्लिंटन

65. निम्नलिखित युग्मों में से कौनसा एक सही सुमेलित नहीं है ?

	खिलाड़ी	खेल
(A)	बारबोरा स्पोटाकोया	जेवलिन थ्रो
(B)	पामेला जेलीमो	भारोत्तोलन
(C)	सान्या रिचर्ड्स	स्प्रिंट
(D)	येलेना इसिनवायेवा	पोल वॉल्ट

66. एक पारिस्थितिकी तंत्र के जैविक घटकों में शामिल हैं—
(A) पौधे और जानवर
(B) शैवाल और कवक
(C) उत्पादक, उपभोक्ता और डीकंपोजर
(D) हवा, पानी, मिट्टी

67. सौरमंडल की सबसे बाहरी कक्षा में स्थित ग्रह है—
(A) शनि ग्रह (Saturn)
(B) वरुण (Nepture)
(C) बुध (Mercury)
(D) अरुण ग्रह (Uranus)

68. गुणसूत्र शब्द ..... द्वारा गढ़ा गया था.
(A) सटन (B) बोवेरी
(C) वालडेयर (D) हॉफमेस्टर

69. जब भारतीय न्यायिक पद्धति में लोकहित मुकदमा (PIL) लाया गया, तब भारत के मुख्य न्यायमूर्ति कौन थे ?
(A) एम. हिदायतुल्लाह
(B) ए.एम. अहमदी
(C) ए.एस. आनन्द
(D) पी.एन. भगवती

70. प्रथम लोक सभा के अध्यक्ष कौन थे ?
(A) हुकुम सिंह
(B) जी.वी. मावलंकर
(C) के.एम. मुंशी
(D) यू.एन. ढेबर

71. ददाब (Dadaab) नामक एक बहुत बड़ा शरणार्थी शिविर जो समाचारों में था, कहाँ स्थित है ?
(A) इथियोपिया (B) केन्या
(C) सोमालिया (D) सूडान

72. यात्री इब्नबतूता कहाँ से आया था ?
(A) मोरक्को (B) फारस
(C) तुर्की (D) मध्य एशिया

73. निम्नलिखित में से कौनसा जोड़ा गलत है ?
(A) ह्वेनसांग–चीन
(B) इब्नबतूता–मोरक्को
(C) मैगस्थनीज–ग्रीस
(D) फाह्यान–गलेशिया

74. प्रसिद्ध कथन किसने दिया था–
"मनुष्य स्वतंत्र पैदा होता है, लेकिन वह हर जगह जंजीरों में जकड़ा होता है."
(A) जॉन लॉक (B) मिराब्यू
(C) वोल्टेयर (D) रूसो

75. हमारे शरीर में यूरिया का निर्माण कहाँ होता है ?
(A) अग्न्याशय (Pancreas)
(B) गुर्दा (Kidney)
(C) जिगर (Liver)
(D) फेफड़े (Lungs)

76. बिहार के पानी में किस रसायन का सांद्रण है ?
(A) नमक (B) लवणता
(C) फ्लोराइड (D) आर्सेनिक

77. सिलिकॉन वैली कहाँ स्थित है ?
(A) न्यूयॉर्क के पास
(B) मॉन्ट्रियल के पास
(C) सैन फ्रांसिस्को के पास
(D) बोस्टन के पास

78. अंगूर की खेती को क्या कहते हैं ?
(A) रेशम उत्पादन
(B) विटिकल्चर
(C) फूलों की खेती
(D) बागवानी

79. निम्नलिखित पर विचार कीजिए–
1. जलियांवाला बाग हत्याकांड
2. असहयोग आन्दोलन की वापसी
3. खिलाफत आन्दोलन की शुरूआत
4. स्वराज पार्टी का गठन
उनका सही कालानुक्रमिक क्रम है—
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 1, 3, 4, 2
(C) 1, 3, 2, 4 (D) 3, 2, 4, 1

80. एस आई प्रणाली में स्थितिज ऊर्जा की इकाई है—
(A) न्यूटन
(B) जूल
(C) वाट
(D) मीटर प्रति सेकण्ड

81. एल पी जी के मुख्य घटक क्या हैं ?
(A) मीथेन, हेक्सेन, ईथेन
(B) मीथेन, ब्यूटेन, प्रोपेन
(C) ईथेन, पेंटेन, हेक्सेन
(D) ईथेन, मीथेन, पेंटेन

82. निम्नलिखित में से किस एक देश ने, ईमेल का आविष्कार किया था ?
(A) नॉर्वे (B) स्पेन
(C) अमरीका (D) कनाडा

83. ऊर्जा का अनवीकरणीय स्रोत कौनसा है ?
(A) हाइड्रल (B) सौर
(C) थर्मल (D) पवन

84. WTO का पूर्ववर्ती नाम था—
(A) UNCTAD (B) GATT
(C) UNIDO (D) OECD

85. "वर्ल्ड डेवलपमेन्ट रिपोर्ट" एक वार्षिक प्रकाशन है—
(A) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम
(B) अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक का
(C) विश्व व्यापार संगठन का
(D) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का

86. मनुष्य में टाइफाइड बुखार किसके कारण होता है ?
(A) *प्लाज्मोडियम वाइवैक्स*
(B) *साल्मोनेला टाइफी*
(C) *राइनोवायरस*
(D) *ट्राइकोफाइटन*

87. तिरुपुर विश्व के अनेक क्षेत्रों को निम्नलिखित वस्तुओं में से किसके निर्यात के लिए प्रसिद्ध है ?
(A) रत्न और आभूषण
(B) चमड़े का सामान
(C) बुने हुए वस्त्र
(D) दस्तकारी का सामान

88. निम्नलिखित में से किसने सबसे पहले यह कहा कि 'पृथ्वी गोलाकार' है ?
(A) अरस्तू (B) कॉपरनिकस
(C) टॉलमी (D) स्ट्रैबो

89. ज्वालामुखी उद्गार (Volcanic Eruptions) नहीं होते हैं—
(A) बाल्टिक सागर में
(B) काला सागर में
(C) कैरेबियन सागर में
(D) कैस्पियन सागर में

90. क्वार्ट्जाइट कायान्तरित (Metamorphous) होता है—
(A) चूना-पत्थर से
(B) ऑक्सीडियन से
(C) बलुआ पत्थर से
(D) शैल से

91. निम्नलिखित प्राकृतिक तथ्यों पर विचार कीजिए—
1. स्थलीय तापन
2. प्रकाश परावर्तन
3. प्रकाश अपवर्तन
4. प्रकाश विवर्तन
इनमें से किस तथ्य के कारण मरीचिका बनती है ?

(A) 1 और 2 (B) 2, 3 और 4
(C) 2 और 3 (D) केवल 4

92. निम्नलिखित पर विचार कीजिए—
1. हाइड्रोजन के ऑक्साइड
2. नाइट्रोजन के ऑक्साइड
3. सल्फर के ऑक्साइड
उपर्युक्त में से कौनसा/कौनसे अम्लीय वर्षा के कारक हैं ?
(A) 1 और 2 (B) केवल 3
(C) 2 और 3 (D) 1, 2 और 3

93. हेपेटाइटिस-बी का संक्रमण होता है—
(A) छींकने से
(B) मादा एनोफिलीज से
(C) खांसने से
(D) रक्त चढ़ाने से

94. टमाटर किस अम्ल का प्राकृतिक स्रोत है ?
(A) एसिटिक एसिड
(B) सिट्रिक एसिड
(C) टार्टरिक एसिड
(D) ऑक्जैलिक एसिड

95. सोडियम हाइड्रॉक्साइड का उपयोग किया जाता है ?
(A) एंटासिड के रूप में
(B) क्षारीय बैटरी में
(C) साबुन के निर्माण में
(D) सफाई कारक के रूप में

खण्ड - V
विद्यालयों में शिक्षा एवं ज्ञान का वातावरण

96. प्रधानाध्यापक का प्रशासनिक गुण है—
(A) कुशल योजनाकार
(B) कुशल प्रशासक
(C) कुशल आयोजक
(D) आधिकारिक

97. शिक्षक का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है—
(A) शिक्षण कार्य को व्यवस्थित करना
(B) कक्षा में व्याख्यान देना
(C) बच्चों की देखभाल करना
(D) छात्रों का मूल्यांकन करना

98. चरित्र का विकास होता है—
(A) इच्छा शक्ति द्वारा
(B) आचरण और व्यवहार द्वारा
(C) नैतिकता द्वारा
(D) उपर्युक्त सभी

99. छात्रों को स्कूल में खेल क्यों खेलना चाहिए ?
(A) यह उन्हें शारीरिक रूप से मजबूत बनाएगा
(B) इसमें शिक्षक आसान हो जाएगा
(C) टाइम पास करने में मददगार साबित होगा
(D) यह सहयोग और भौतिक संतुलन विकसित करेगा

100. स्वयम् क्या है ?
(A) गैर-सरकारी संगठन
(B) शिक्षा के सिद्धान्तों को प्राप्त करने के लिए डिजिटल कार्यक्रम
(C) ऑनलाइन प्लेटफॉर्म
(D) एक वेबसाइट का नाम

101. कक्षा में शिक्षक की भूमिका होनी चाहिए—
(A) एक लोकतांत्रिक नेता
(B) एक निर्देशक
(C) एक तानाशाह
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

102. टीएलएम का उपयोग ..... के लिए किया जाना चाहिए.
(A) शिक्षण को अधिक उपयोगी बनाने
(B) शिक्षण को प्रभावशाली बनाने
(C) ठोस उदाहरण प्रदान करने
(D) सीखने की सुविधा

103. सबसे प्रभावी शिक्षण सहायता है—
(A) गैर-अनुमान (अप्रक्षेपित)
(B) प्रत्यक्ष अनुभव
(C) अनुमान (प्रक्षेपित)
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

104. एक सशक्त विद्यालय अपने शिक्षकों में निम्नलिखित में से किस गुण को सबसे अधिक बढ़ावा देगा ?
(A) स्मृति
(B) अनुशासित स्वभाव
(C) योग्यता
(D) प्रयोग करने की प्रवृत्ति

105. नैतिकता किसका विज्ञान है ?
(A) सौन्दर्य (B) सच्चाई
(C) आचरण (D) दिमाग

106. निम्नलिखित में से कौनसा एक रचनात्मक बच्चे का गुण (क्षमता) नहीं है ?
(A) मौलिकता (B) विस्तार
(C) नवीनता (D) शुद्धता

107. निम्नलिखित शिक्षण विधियों में से कौनसी एक प्रगतिशील सिद्धान्त पर आधारित है ?
(A) पूछताछ
(B) वियोजक
(C) अधिष्ठापन
(D) समस्या-समाधान

108. शिक्षक मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस विधि द्वारा विद्यार्थियों के समूह व्यवहार का अध्ययन करता है ?
(A) अवलोकन
(B) केस अध्ययन (इतिहास)
(C) प्रयोग
(D) साक्षात्कार

109. निम्नलिखित में से कौनसा सामाजिक व्यवहार का उदाहरण नहीं है ?
(A) दूसरों का उपकार करने का सिद्धान्त
(B) शेयरिंग
(C) भीड़भाड़
(D) सहयोग

110. लक्ष्य-निर्देशित व्यवहार को अवरुद्ध करना है—
(A) निराशा
(B) विस्थापन
(C) विच्छेदन (Disarticulation)
(D) वृद्धि

111. इनमें से कौन कक्षा की गतिविधि से सम्बन्धित है ?
(A) सिद्धान्त (B) तरीका
(C) दर्शन (D) तकनीक

112. अनुशासनात्मक शब्द ..... को "प्रबन्धन तकनीक" कहा जाता है.
(A) संचालन (B) नियंत्रण
(C) आयोजन (D) योजना

113. सही प्रतिक्रियाओं और उचित व्यवहार को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित में से किसका उपयोग किया जाना चाहिए ?
(A) इनाम (B) सख्ती
(C) अज्ञानता (D) स्तुति

114. पाठ्यक्रम का एक हिस्सा है—
(A) पाठ्यचर्या (B) कक्षा
(C) गतिविधियाँ (D) समाज

115. यशपाल समिति रिपोर्ट (1993) का नाम है—
(A) शिक्षक-कक्षा में ICT
(B) बिना बोझ के सीखना
(C) प्रसारण के माध्यम से सीखना
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

116. सीखने के उद्देश्य का अर्थ है—
(A) अनुभव प्राप्त करना
(B) संक्षिप्त परिणाम
(C) शैक्षिक उपलब्धि
(D) इच्छित सीखने के परिणाम

117. माइक्रो टीचिंग के भारतीय मॉडल में लिया गया कुल समय है—
(A) 30 मिनट (B) 40 मिनट
(C) 36 मिनट (D) 45 मिनट

naukaritak.com for PD Jan to Dec 2022

118. विकास का अर्थ है—
(A) गुणात्मक परिवर्तन
(B) नकारात्मक परिवर्तन
(C) गुणवत्ता में वृद्धि
(D) साधारण परिवर्तन

119. निम्नलिखित में से किस विद्वान् के मानव विकास की अवधारणा की शुरुआत की ?
(A) प्रो. अमर्त्य सेन
(B) ऐलेन सी. सेन पाई
(C) डा. महबूब-उल-हक
(D) रत्जेल

120. शब्द 'शिक्षाशास्त्र' का 'अध्यापन-विज्ञान' का अर्थ है—
(A) बच्चे के मार्गदर्शन के लिए
(B) बच्चे का नेतृत्व करने के लिए
(C) बच्चे को शिक्षित करने के लिए
(D) बच्चे को समझाने के लिए

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) 2. (A) 3. (C) 4. (A) 5. (C)
6. (C) 7. (A) 8. (A) 9. (D) 10. (A)
11. (C) 12. (A) 13. (D) 14. (B) 15. (B)
16. (B) 17. (C) 18. (B) 19. (D) 20. (A)
21. (C) 22. (B) 23. (C)

24. (D) संजीव (जन्म 6 जुलाई, 1947) हिन्दी साहित्य की जनवादी धारा के प्रमुख कथाकारों में से एक हैं. 'सर्कस' उपन्यास में समाज की मुख्य जीवनधारा से भिन्न रूप में जीने वाले वर्ग की जीवन शैली तथा आदिवासी जीवन की विषमताओं-विडंबनाओं का चित्रण किया है.

25. (A)

26. (A) भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य बोलकर, सुनकर, लिखकर व पढ़कर अपने मन के भावों या विचारों का आदान-प्रदान करता है. दूसरे शब्दों में–जिसके द्वारा हम अपने भावों को लिखित अथवा कथित रूप से दूसरों को समझा सकें और दूसरों के भावों को समझ सकें उसे भाषा कहते हैं. सार्थक शब्दों के समूह या संकेत को भाषा कहते हैं.

27. (D)

28. (B) किसी व्यंजन का व्यंजन से अथवा किसी स्वर से मेल होने पर जो परिवर्तन होता है उसे व्यंजन संधि कहते हैं.

29. (A) जब दो स्वर के मिलने से या आपस में जुड़ने से जो परिवर्तन आता है, वह स्वर संधि कहलाती है.

30. (C) विसर्ग संधि विसर्ग के साथ स्वर या व्यंजन मेल से जो विकास होता है उसे विसर्ग संधि कहते हैं.

31. (A) शेष अन्य जल और थल दोनों स्थानों पर रह सकते हैं.

32. (B) त्रिभुजों की अभीष्ट संख्या = 18.

33. (C) अभीष्ट समय = 11 : 60 – 9 : 14
= 2 : 46
= तीन बजने में चौदह मिनट
($\because 60 - 46 = 14$)

34. (C) दर्पण में समान दिखने वाले अक्षर = A, H, I, M, O, T, U, V, W, X, Y
= कुल 11 अक्षर

35. (B) 2 1 1/2 1/4 [1/8]
$\div\frac{1}{2}$ $\div\frac{1}{2}$ $\div\frac{1}{2}$ $\div\frac{1}{2}$

36. (D) 12 11 13 12 14 13 15
+1 +1 (ऊपर); +1 +1 +1 (नीचे)

37. (D)

पुरानी	पुरानी	पुरानी	नई	पुरानी	नई
↑	↑	↑	↑	↑	↑
A	B	C	D	E	F
↓	↓	↓	↓	↓	↓
कानूनी रिपोर्ट (लाल)	गजेटियर (नीला)	कानूनी रिपोर्ट (लाल)	कानूनी रिपोर्ट (लाल)	गजेटियर (नीला)	गजेटियर (नीला)

38. (A)

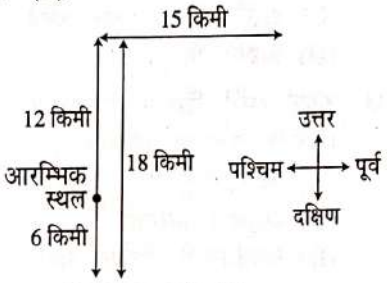

आरम्भिक स्थल से दूरी
= 18 – 12 = 6 किमी

39. (B)

$$7 + 3 = 10 \Rightarrow \frac{370}{10} = 37$$
$$6 + 2 = 8 \Rightarrow \frac{224}{8} = 28$$
$$(X = 9) + 1 = 10 \Rightarrow \frac{730}{10} = 73$$

पूर्व विभाजित

40. (B) $5 - 5 \Rightarrow (5 \times 5 - 1)$
$= (25 - 1) = 24$
$7 - 7 \Rightarrow (7 \times 7 - 1)$
$= (49 - 1) = 48$
$10 - 10 \Rightarrow (10 \times 10 - 1)$
$= (100 - 1) = 99$

41. (B) त्रिभुजों की अभीष्ट संख्या
$= 8 \times 4 = 32$

42. (A) 80 10 70 15 60 [20]
+5 +5 (ऊपर); –10 –10 (नीचे)

43. (C) पुरुषों की संख्या
$$= 108 \times \frac{2}{3} = 72$$
महिलाओं की संख्या
$= 108 - 72 = 36$
विवाहित महिलाओं की संख्या
$= 36 - 9 = 27$

44. (A)
BCB DED FGF HIH [JKJ]
+2 +2 +2 +2 (ऊपर); +2 +2 +2 +2 (नीचे)

45. (C)
CMM EOO GQQ ISS KUU
+2 +2 +2 +2 (ऊपर); +2 +2 +2 +2 (नीचे)

46. (B)
JAK KBL LCM MDN [NEO]
+1 +1 +1 +1; +1 +1 +1 +1; +1 +1 +1 +1

प्रश्न 47 से 50 तक के लिए–

नाम	स्वनगर	स्वनगर कॉलेज	पढ़ने का शहर
गोपाल	एर्नाकुलम	इंजीनियरिंग	भोपाल/अहमदाबाद
हर्ष	दिल्ली	चिकित्सा/वाणिज्य	कटक
इन्दर	कटक	वाणिज्य/चिकित्सा	भोपाल/अहमदाबाद
जय	अहमदाबाद	इतिहास	एर्नाकुलम
कृष्णन	भोपाल	अर्थशास्त्र	दिल्ली

47. (C) 48. (B) 49. (A) 50. (D)

51. (C) शेष अन्य व्यक्ति के व्यवहार हैं.

52. (A) शेष अन्य कोयले के प्रकार हैं, जबकि ग्रेनाइट एक पत्थर या चट्टान है.

53. (D) शेष अन्य ऐतिहासिक युद्ध क्षेत्रों के नाम हैं.

54. (D) शेष अन्य भूकम्प से सम्बन्धित हैं.

55. (B) शेष अन्य हृदय से सम्बन्धित हैं.

56. (B) वर्ष 1822 में चार्ल्स बैबेज ने 'डिफरेंस इंजन' का आविष्कार किया था तथा वर्ष 1837 में वैश्लेषिक इंजन का आविष्कार किया. तभी से आधुनिक कम्प्यूटर युग की शुरुआत हुई इसलिए चार्ल्स बैबेज को 'कम्प्यूटर का जनक' कहा जाता है.

57. (D) 58. (D)

59. (C) वायुमण्डल का तापन करने वाली प्रक्रियाओं को सामूहिक रूप से ग्रीनहाउस प्रभाव कहा जाता है. ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन मुख्यतः जीवाश्म ईंधनों से होता है. ग्रीनहाउस प्रभाव के लिए सर्वाधिक उत्तरदायी गैस कार्बन डाइऑक्साइड है.

60. (C) 61. (A)

62. (B) 11 दिसम्बर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र के 69वें अधिवेशन द्वारा 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली थी.

63. (B) 64. (B)

65. (B) पामेला जेलीमो एक केन्याई मध्यम दूरी की धावक हैं, जो 800 मीटर में

विशेषज्ञता रखती है. वह पहली केन्याई महिला हैं, जिन्होंने ओलंपिक स्वर्ण पदक (2008 में) जीता था.

66. (C) 67. (B) 68. (C)

69. (D) जस्टिस पी.एन. भगवती भारत के 17वें मुख्य न्यायाधीश थे. आप जुलाई 1985 से दिसम्बर 1986 तक भारत के सबसे बड़े न्यायिक पद पर रहे.

70. (B) स्वतंत्रता के उपरांत भारत की प्रथम निर्वाचित लोक सभा के पहले अध्यक्ष गणेश वासुदेव मावलंकर थे. उनका कार्यकाल 15 मई, 1952 से 27 फरवरी, 1956 के मध्य था.

71. (B)

72. (A) इब्नबतूता, मोरक्को का निवासी था. वह 1333 ई. में मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में भारत आया. सुल्तान ने इसे दिल्ली का काजी नियुक्त किया था. इसने 'रेहला' नामक ग्रंथ में अपने यात्रा संस्मरणों का संकलन किया.

73. (D) चन्द्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में चीनी यात्री फाह्यान (399 ई.–412 ई.) भारत की यात्रा पर आया था.

74. (D) 75. (C) 76. (D)

77. (C) सिलिकॉन वैली, अमरीका के सैन फ्रांसिस्को के खाड़ी क्षेत्र के दक्षिणी भाग में है. यहाँ दुनिया की प्रमुख आईटी कम्पनीज हैं.

78. (B)

79. (C) जलियांवाला बाग हत्याकांड—1919, खिलाफत आन्दोलन की शुरूआत—1920, असहयोग आन्दोलन की वापसी—1922 व स्वराज पार्टी का गठन—1923 में हुआ था.

80. (B)

81. (B) LPG के मुख्य घटक हैं : प्रोपेन, प्रोपाइलिन, ब्यूटेन एवं ब्यूटाइलिन.
अतः कोई भी विकल्प सही नहीं है.

82. (C) ई-मेल के आविष्कार का श्रेय भारतीय अमरीकी वी.ए. शिवा अय्यादुराई को जाता है.

83. (C)

84. (B) विश्व व्यापार संगठन (WTO) अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है, जो विश्व व्यापार के लिए नियम बनाता है.

85. (B)

86. (B) 87. (C) 88. (A) 89. (A) 90. (C)

91. (C) 92. (C) 93. (D) 94. (D) 95. (C)

96. (B) प्रधानाध्यापक को कुशल प्रशासक होने के लिए उसमें प्रशासकीय योग्यता होनी चाहिए.

97. (A) 98. (D) 99. (D)100. (B)

101. (A) शिक्षक को कक्षा में एक लोकतांत्रिक वातावरण बनाना चाहिए ताकि प्रत्येक छात्र को सीखने और खुद को बेहतर बनाने का समान अवसर मिले. अतः शिक्षक को कक्षा में तानाशाह न होकर नेता होना चाहिए.

102. (D)

103. (B) प्रत्यक्ष अनुभव या तत्काल अनुभव आम तौर पर तत्काल इंद्रिय बोध के माध्यम से प्राप्त अनुभव को दर्शाता है.

104. (C) किसी व्यक्ति के कार्य करने के कौशल को उसकी योग्यता समझा जाता है. कोई भी व्यक्ति हर उस काम में आनन्द ले सकता है, जिस काम की योग्यता उसके पास होती है. शास्त्रों में उल्लेख किया गया है कि योग्यता का विकास शिक्षा से होता है.

105. (C) पारस्परिक क्रियाएं, जिनका सम्बन्ध भावना, संवेग, इच्छा आदि से न होकर विशुद्ध विवेक से होता है और ये क्रियाएं प्रत्यक्ष या परोक्ष, तत्काल या तदोपरांत, अच्छे या बुरे रूप में व्यक्तित्व को प्रभावित करती हैं, जिन्हें आचरण कहा जाता है.

106. (D)

107. (D) समस्या समाधान विधि शिक्षण की महत्वपूर्ण विधि है. इसे वैज्ञानिक विधि के नाम से भी जाना जाता है. इस विधि में विद्यार्थियों के समक्ष किसी समस्या को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है जिससे वे उद्देश्यपूर्ण गहन चिन्तन कर सकें तथा अपने पूर्व ज्ञान व अनुभवों के आधार पर समस्या समाधान सम्बन्धी विकल्प प्रस्तुत कर सकें.

108. (A) अवलोकन अध्ययन की वह विधि है जिसमें अध्ययन विषय एवं घटना का अति सूक्ष्म तथा गहन अध्ययन किया जाता है. इसमें घटनाओं की वास्तविक प्रकृति, उनकी गम्भीरता, विस्तार एवं परस्पर सम्बन्धों का सूक्ष्म अवलोकन करके ही वास्तविक तथ्यों का संकलन किया जाता है.

109. (C)110. (A) 111. (B)

112. (D) योजना–किसी भी काम को करने से पहले उसका भौतिक या गैर-भौतिक रूप से उसकी रूपरेखा तैयार कर लेना ही योजना कहलाती है.

113. (D)

114. (A) पाठ्यचर्या द्वारा शिक्षा के उद्देश्यों की पूर्ति होती है. यह एक ऐसा साधन है जो छात्र तथा अध्यापक को जोड़ता है. अध्यापक पाठ्यचर्या के माध्यम से छात्रों के मानसिक, शारीरिक, नैतिक, सास्कृतिक, संवेगात्मक, आध्यात्मिक तथा सामाजिक विकास के लिए प्रयास करता है. पाठ्यचर्या द्वारा छात्र को जीवन जीने की शिक्षा प्राप्त होती है.

115. (B)116. (D) 117. (C)

118. (A) गुणात्मक परिवर्तन तब होते हैं जब कोई व्यक्ति अपने सोचने और व्यवहार करने के तरीके में प्रगति करता है. यह गर्भ से मृत्यु तक एक सतत् प्रक्रिया है और इसके अधिकतम विकास तक पहुँचने तक धीरे-धीरे जारी रहती है.

119. (C)120. (B) ●●●

Read Upkar's

LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH

(English-Hindi Medium)

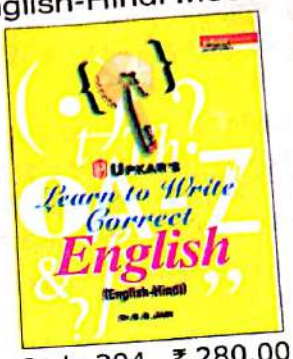

Code 394 ₹ 280.00

CORRECT ENGLISH: HOW TO WRITE IT

(English Medium)

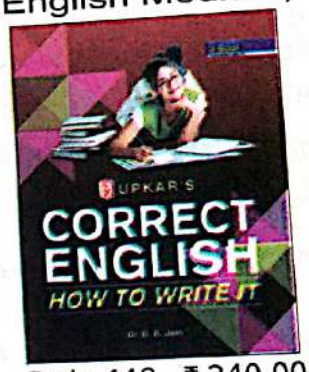

Code 448 ₹ 240.00

LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH

(English-Bangla)

Code 481 ₹ 275.00

As the Latest and All Comprehensive Books for All Competitive Examinations.

Purchase from nearest bookseller or get the copy by V.P.P. sending M. O. of ₹100/- on the following address

UPKAR PRAKASHAN, AGRA–5

आगामी बैंक पी.ओ., एम.बी.ए. आदि परीक्षाओं के लिए विशेष हल प्रश्न

उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

1. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) की वर्ष 2021-22 की रिपोर्ट में किस देश को मानव विकास की दृष्टि से सर्वोच्च रैंकिंग प्रदान की गई है ?
(A) नॉर्वे
(B) नीदरलैण्ड्स
(C) स्विट्जरलैण्ड
(D) न्यूजीलैण्ड

2. यूएनडीपी की उपर्युक्त रिपोर्ट के अनुसार 191 देशों में भारत को कौनसी रैंकिंग प्रदान की गई है ?
(A) 48 (B) 102
(C) 132 (D) 148

3. भारत में निम्नलिखित में से किस उपज का उत्पादन खरीफ के तहत् नहीं होता है ?
(A) चना (B) बाजरा
(C) अरहर (D) मूँग

4. भारत में निम्नलिखित में से किस उपज का उत्पादन रबी के तहत् नहीं होता है ?
(A) मूँग (B) बाजरा
(C) जौ (D) अरहर

5. भारत का 17वाँ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन किस शहर में जनवरी 2023 में प्रस्तावित है ?
(A) नई दिल्ली (B) इंदौर
(C) भोपाल (D) प्रयागराज

6. विदेश यात्रा पर जाने वाले भारतीय नागरिकों में से सर्वाधिक ने किस देश की यात्रा 2021 के दौरान की.
(A) अमरीका
(B) ब्रिटेन
(C) सिंगापुर
(D) संयुक्त अरब अमीरात

7. देश के 'सर्वश्रेष्ठ स्टैण्ड एलोन कन्वेंशन सेंटर का पुरस्कार निम्नलिखित में से किस सेंटर को पर्यटन मन्त्रालय के राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कारों के तहत् सितम्बर 2022 में प्रदान किया गया है.
(A) होटल जेपी पैलेस, आगरा
(B) बॉम्बे कन्वेंशन एण्ड एक्जिहिवीशन सेंटर, मुम्बई
(C) इंडिया एक्सपो सेंटर एण्ड मार्ट, ग्रेटर नोएडा
(D) हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर

8. वित्त मन्त्रालय के ताजा आँकड़ों के अनुसार जून 2022 के अन्त में भारत पर कुल विदेशी ऋण लगभग कितना था ?
(A) 320 अरब डॉलर
(B) 420 अरब डॉलर
(C) 520 अरब डॉलर
(D) 617 अरब डॉलर

9. जून 2022 के अन्त में भारत पर कुल विदेशी ऋण में अल्पकालिक ऋण का भाग लगभग कितने प्रतिशत था ?
(A) 10 प्रतिशत (B) 21 प्रतिशत
(C) 30 प्रतिशत (D) 40 प्रतिशत

10. वित्त मंत्रालय की स्थिति रिपोर्ट के अनुसार जून 2022 के अन्त में भारत पर कुल विदेशी ऋण देश के जीडीपी का कितने प्रतिशत था ?
(A) 9 प्रतिशत (B) 19·4 प्रतिशत
(C) 29 प्रतिशत (D) 39 प्रतिशत

11. मत्स्य क्षेत्र के विकास के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के कितने वर्ष सितम्बर 2022 में पूरे हुए हैं ?
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 5

12. डेयरी क्षेत्र से सम्बन्धित विश्व डेयरी सम्मेलन भारत में किस शहर में सितम्बर 2022 में सम्पन्न हुआ ?
(A) मोहाली (B) गुरुग्राम
(C) ग्रेटर नोएडा (D) शिमला

13. दुग्ध के उत्पादन में भारत का विश्व में अब कौनसा स्थान है ?
(A) पहला (B) दूसरा
(C) तीसरा (D) चौथा

14. चीनी उत्पादन में विश्व में भारत का अब कौनसा स्थान है ?
(A) पहला (B) दूसरा
(C) तीसरा (D) चौथा

15. गेहूँ उत्पादन के मामले में पहला स्थान किस देश का है ?
(A) भारत (B) चीन
(C) रूस (D) यूक्रेन

16. विश्व में गेहूँ का सबसे बड़ा निर्यातक देश कौनसा है ?
(A) भारत (B) चीन
(C) यूक्रेन (D) रूस

17. निम्नलिखित में से किस दिन को विश्व पर्यटन दिवस के रूप में मनाया जाता है ?
(A) 1 सितम्बर (B) 14 सितम्बर
(C) 21 सितम्बर (D) 27 सितम्बर

18. कोरोना के लिए देश में ही निर्मित पहली नेज़ल वैक्सीन (नाक के रास्ते से ली जाने वाली वैक्सीन) का विनिर्माण किस कम्पनी द्वारा किया गया है ?
(A) सन फार्मा
(B) एल्केन लैबोरेटरीज
(C) भारत बायोटेक
(D) ग्लेन मार्क फार्मा

19. वर्ल्ड इन्वेस्टमेन्ट रिपोर्ट निम्नलिखित में से किसके द्वारा प्रतिवर्ष जारी की जाती है ?
(A) विश्व आर्थिक मंच (WEF)
(B) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)
(C) अंकटाड (UNCTAD)
(D) विश्व व्यापार संगठन (WTO)

20. प्रसिद्ध उद्यमी सायरस पूनावाला, जिनका एक कार दुर्घटना में निधन सितम्बर 2022 में हुआ है, निम्नलिखित में से किस कॉर्पोरेट ग्रुप के चेयरमैन रह चुके थे ?
(A) हिन्दुस्तान यूनी लिवर
(B) बजाज ग्रुप
(C) टाटा संस
(D) अडानी ग्रुप

21. प्रसिद्ध अभिनेता शेखर कपूर फिल्म एण्ड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के चेयरमैन हैं. यह संस्थान कहाँ स्थित है ?
(A) मुम्बई (B) पुणे
(C) कोलकाता (D) ग्रेटर नोएडा

22. निम्नलिखित में से कौनसी फिल्म वर्ष 2023 के ऑस्कर पुरस्कारों के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि है–
(A) छेलो शो
(B) कश्मीर फाइल्स
(C) आरआरआर
(D) कूझंगल

23. चण्डीगढ़ हवाई अड्डे का नामकरण निम्नलिखित में से किसके नाम पर सितम्बर 2022 में किया गया है ?
(A) लाला लाजपत राय
(B) शहीद भगत सिंह

शेष पृष्ठ 141 पर

समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में से किस देश से 8 चीतों को 17 सितम्बर, 2022 को शिवपुरी (मध्य प्रदेश) में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में बसाया गया है ?
(A) ईरान
(B) दक्षिण अफ्रीका
(C) नामीबिया
(D) मोजाम्बिक

2. शंघाई सहयोग संगठन का 22वाँ शिखर सम्मेलन (2022) निम्नलिखित में से किस शहर में आयोजित किया गया ?
(A) समरकन्द (उज्बेकिस्तान)
(B) सेन्टपीटर्सबर्ग (रूस)
(C) ताशकन्द (उज्बेकिस्तान)
(D) नई दिल्ली (भारत)

3. हैदराबाद मुक्ति दिवस कब मनाया गया?
(A) 15 अगस्त, 2022
(B) 1 सितम्बर, 2022
(C) 17 सितम्बर, 2022
(D) 25 सितम्बर, 2022

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए उत्तर का सही विकल्प चुनिए–
I. डार्क मैटर आकाशगंगाओं को आकर्षित करते हैं तथा एक साथ जोड़े रखते हैं.
II. डार्कमैटर को प्रत्यक्ष रूप से खोजने के लिए XENON1T जैसे बड़े स्तर के प्रयोगों को अभिकल्पित किया गया है.
(A) केवल I सही है
(B) केवल II सही है
(C) I एवं II दोनों सही हैं
(D) न I सही है और न II

5. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) केन्द्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC) किसी केन्द्रीय बैंक द्वारा डिजिटल रूप से जारी एक विधि ग्राह्य करेंसी है
(B) सीबीडीसी सामान्य रूप से जारी करेंसी की भाँति ही है, लेकिन इसका विनिमय सामान्य करेंसी के साथ एक-पर-एक रूप से नहीं किया जा सकता
(C) डिजिटल करेंसी या सीबीडीसी को ब्लॉक चैन द्वारा समर्थित बुटआ (Wallets) के माध्यम से प्रयुक्त किया जा सकता है
(D) सीबीडीसी से घरेलू एवं अन्तर्राष्ट्रीय दोनों ही बाजारों में लेन-देन किया जा सकता है

6. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है ?
(A) हैण्ड-फुट-एण्ड माउथ रोग – Coxsackievirus A-6
(B) लम्पी त्वचा रोग – Enterovirus 71
(C) कोरोना वाइरस – SARS-Cov.-2 Virus
(D) चिकिन पॉक्स – Varicella-Zoster Virus

7. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है ?
(A) हायबूसा (Hayabusa) – Ryugu
(B) नियर शूमेकर (NEAR-Shoemaker) – Mathilde
(C) ओसिरिस रेक्स (OSIRIS-RE$_X$) – Bennu
(D) रोसेट्टा (Rosetta) – Gaspara

8. निम्नलिखित में से कौनसा आपदा जोखिम में कमी लाने के प्रधानमंत्री के 10 सूत्रीय एजेण्डा में शामिल हैं ?
I. आपदाओं के प्रति अन्तर्राष्ट्रीय अनुक्रिया में अधिक सामंजस्य स्थापित करना.
II. आपदा जोखिम प्रबन्धन हेतु महिलाओं का नेतृत्व और अधिक-से-अधिक भागीदारी केन्द्रित होना चाहिए.
III. आपदा जोखिम में कमी लाने के लिए सोशल मीडिया तथा मोबाइल प्रौद्योगिकियों द्वारा प्रदान किए जाने वाले अवसरों का प्रयोग किया जाना चाहिए.
उपर्युक्त में से सही हैं–
(A) केवल I एवं II
(B) केवल II एवं III
(C) केवल I एवं III
(D) I, II, III सभी

9. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) NAFIS परियोजना अपराध और आपराधिक सम्बन्धित उंगलियों के निशानों का एक देशव्यापी खोजने लायक डेटाबेस है
(B) NATGRID देश भर में अपराध के वार्षिक व्यापक सांख्यिकी – भारत में अपराध पर रिपोर्ट प्रकाशित करता है
(C) CCTNS गृह मंत्रालय की राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (NeGP) के तहत् एक मिशन मोड़ परियोजना है
(D) स्वचालित फिंगरप्रिन्ट प्रणाली (AFIS) के भारतीय संस्करण को FACTS के नाम से जाना जाता है

10. 10 वर्षीय जनगणना निम्नलिखित में से किसके द्वारा करायी जाती है ?
(A) भारत निर्वाचन आयोग
(B) कार्यक्रम क्रियान्वयन एवं सांख्यिकी मंत्रालय
(C) गृह मंत्रालय
(D) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

11. सोवियत संघ के राष्ट्रपति रहे मिखाइल गोर्बाचोव का 91 वर्ष की आयु में 30 अगस्त, 2022 को निधन हो गया. उनके बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?
I. उनकी नीतियों को संयुक्त राज्य अमरीका तथा सोवियत संघ के बीच वर्षों से चले आ रहे शीत युद्ध को समाप्त कराने का श्रेय दिया जाता है.
II. उन्होंने पेरीस्त्रोइका के द्वारा अर्थव्यवस्था की पुनर्संरचना की तथा ग्लास्नोस्त के द्वारा मुक्त अर्थव्यवस्था के मॉडल को अपनाया.
III. वे सोवियत संघ के अन्तिम राष्ट्रपति थे.
सही कथन हैं–
(A) केवल I एवं II
(B) केवल II एवं III
(C) केवल I एवं III
(D) I, II एवं III

12. संयुक्त राज्य अमरीकी अन्तरिक्ष एजेन्सी (NASA) ने अपने चन्द्रमा मिशन को आर्टेमिस (Astemis) नाम दिया है. आर्टेमिस के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?
I. आर्टेमिस प्राचीन ग्रीस में पूजा की जाने वाली देवी का नाम है.
II. आर्टेमिस ओलम्पस पर्वत से सारे विश्व पर शासन करने वाले ओलम्पियन के मुख्य भगवान जेउस की बेटी थी.
III. आर्टेमिस अपोलों की जुड़वाँ बहन थी.
उपर्युक्त में से सही हैं–
(A) केवल I
(B) केवल II

(C) केवल I एवं II

(D) I, II एवं III सभी

13. मैगसेसे पुरस्कारों 2022 के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कितने युग्म सुमेलित हैं–

I. सोथिएरा छिम – कोलम्बिया के मानसिक रोग विशेषज्ञ

II. तदासी हैत्तोरी – जापान के नेत्र विशेषज्ञ

III. बर्नाडेटे जे. मैड्रिड – फिलीपीन्स के बाल रोग विशेषज्ञ एवं बाल अधिकारों के समर्थक

IV. गैरी बेन्चेगिन – फ्रांस/इण्डोनेशिया के प्लास्टिक प्रदूषण के विरुद्ध कार्य करने वाले योद्धा

(A) एक युग्म सही है

(B) दो युग्म सही हैं

(C) तीन युग्म सही हैं

(D) चारों युग्म सही हैं

14. 'जोम्बी आइस' के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?

(A) जोम्बी आइस को मृत या मरणोन्मुख आयस कहा जाता है

(B) मूल आइस शीट का भाग होते हुए भी जोम्बी आइस पर ताजी बर्फ नहीं जमती

(C) जोम्बी आइस का पिघलना सुनिश्चित है और यदि ऐसा होता है, तो समुद्रों का जल स्तर बढ़ जाएगा

(D) जोम्बी आइस हिमालयी हिमानियों में से एक है

15. अगस्त 2022 में विश्व प्रसिद्ध चिनूक हेलीकॉप्टर समाचारों की सुर्खियों में रहा. निम्नलिखित में से कौनसा कथन इस बारे में सही नहीं है ?

(A) संयुक्त राज्य अमरीका की सेना ने CH-47 चिनूक हेलीकॉप्टरों के सम्पूर्ण बेड़े का प्रयोग बन्द कर दिया है.

(B) भारतीय नौ सेना के लिए 50 नए चिनूक हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति का आदेश निर्गत किया गया है

(C) अनेक चिनूक हेलीकॉप्टरों के इंजनों में आग लगने की घटनाएँ हुईं

(D) वायुयान विनिर्माता बोइंग द्वारा मीडियम-लिफ्ट, मल्टीरोल चिनूक हेलीकॉप्टरों का विनिर्माण किया जाता है तथा इनका प्रयोग सेनाओं के अनेक आप्रेशनों में किया जाता है

16. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 सितम्बर, 2022 को भारतीय नौ सेना के नए ध्वज का अनावरण कोचीन शिपयार्ड में किया. इस बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?

I. नवीन ध्वज के ऊपर के बाईं ओर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा तथा दाईं ओर बीच में नेवी ब्लू गोल्ड अष्ठकोण है.

II. अष्ठकोण के भीतर भारतीय नौ सेना का मोटों 'शं नो वरुणः' अंकित है.

III. सन् 1950 के बाद से नौसेना की पताका में किया गया यह पाँचवाँ परिवर्तन है.

IV. अष्ठभुज के भीतर राष्ट्रीय चिह्न के नीचे सत्यमेव जयते अंकित है तथा सुनहरे रंग की पट्टियाँ हैं

V. अष्ठभुज के आठ कोण भारतीय नौ सेना के बहुआयामी उपागम को दर्शाते हैं.

उपर्युक्त में से सही हैं–

(A) केवल I, III एवं IV

(B) केवल II, IV एवं V

(C) केवल I एवं V

(D) I, II, III, IV तथा V सभी

17. भारतीय नौ सेना की नई पताका (Naval Ensign) निम्नलिखित में से किससे प्रेरित है–

(A) छत्रपति शिवाजी महाराज

(B) राज राजा चोला प्रथम

(C) कुलशेखर राजा भास्कर रविवर्मन

(D) गुप्त सम्राट समुद्र गुप्त

18. आईएनएस विक्रान्त के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?

(A) यह भारत का पहला स्वदेश में विनिर्मित एयरक्राफ्ट कैरियर है

(B) आईएनएस विक्रान्त को एक वर्ष के सतत् परीक्षण के बाद 2 सितम्बर, 2022 को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया गया

(C) 45000 टन के युद्धपोत आईएनएस विक्रान्त का विनिर्माण ₹ 20,000 करोड़ की लागत से हुआ है

(D) आईएनएस विक्रान्त रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा विशाखापत्तनम में नौसेना को विधिवत सौंपा गया

19. प्रायः समाचारों में रहने वाले शब्द TINA का निम्नलिखित में से क्या अर्थ है ?

(A) These is no alternative

(B) This is not advisable

(C) That is not admissible

(D) That is no articulate

20. 'नाइट स्काई अभ्यारण्य' के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. नव प्रस्तावित नाइट स्काई रिजर्व लद्दाख में हैनले में चांगथांग वन्यजीव अभयारण्य के भीतर स्थित होगा.

II. यह भारत में एस्ट्रो पर्यटन को बढ़ावा देगा.

III. यह विश्व में सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित एक ऑप्टीकल, इन्फ्रारेड एवं गामा रे टेलिस्कोप है.

उपर्युक्त में से सही हैं–

(A) केवल I एवं II

(B) केवल I एवं III

(C) केवल II

(D) I, II तथा III सभी

21. लिज ट्रुस निम्नलिखित में से किसे पराजित करके कंजरवेटिव पार्टी की नेता तथा ब्रिटेन की नई प्रधानमंत्री 5 सितम्बर, 2022 को चुनी गई–

(A) यू.के. के पूर्व वित्तमंत्री ऋषी सुनक (Chancellor of the Exchequer)

(B) यू.के. की पूर्व गृहमंत्री प्रीति पटेल

(C) यू.के. की पूर्व संस्कृति मंत्री नैडिन डोरी

(D) यू.के. के पूर्व उद्योग, व्यापार एवं क्षेत्रीय विकासमंत्री एडवर्ड ही थे

22. 'PM-SHRI' के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?

I. इसे Prime Minister Schools for Rising India के रूप में जाना जाता है.

II. यह एक केन्द्र प्रायोजित योजना है.

III. इसके अन्तर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख तत्वों को परिलक्षित करने वाले 14500 विद्यालयों को सारे देश में पुनर्विकसित किया जाएगा.

IV. PM SHRI राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रयोगशाला के रूप में कार्य करेंगी.

सही कूट हैं–

(A) I, II, III एवं IV सभी

(B) केवल II एवं III

(C) केवल I, III एवं IV

(D) केवल I एवं II

23. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?

I. नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास जिस मार्ग पर स्थित है, उसका नाम वर्ष 2015 में रेस कोर्स रोड से बदलकर लोक कल्याण मार्ग कर दिया गया.

II. 5 सितम्बर, 2022 को केन्द्र सरकार ने राजपथ का नाम बदलकर 'कर्त्तव्य पथ' करने का निर्णय लिया.

उपर्युक्त में से सही हैं–

(A) केवल I (B) केवल II

(C) I एवं II दोनों (D) न I और न II

naukaridiary.com for PD Jan to Dec 2022

24. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. माइक्सोमा (Myxoma) एक घातक वायरस तथा कैंसर ट्यूमर का नाम है.

II. औटोसिस (Autosis) एक प्रकार की कोशिका विखण्डन प्रक्रिया है, जो उपचार प्रतिरोधी ठोस ट्यूमरों के उपचार में उपयोगी है.

उपर्युक्त में से सही हैं–

(A) केवल I
(B) केवल II
(C) I एवं II दोनों
(D) न I और न II

25. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

I. 'GRACE Follow-on' संयुक्त राज्य अमरीका की अन्तरिक्ष एजेन्सी NASA का एक मिशन है, जो 2018 से लगातार अण्टार्कटिका और ग्रीनलैण्ड में बर्फ की सतहों के बारे में आँकड़े एकत्रित कर रहा है.

II. 'GRACE Follow-on' उपग्रहों ने पाया है कि अण्टार्कटिका और ग्रीनलैण्ड दोनों ही में भूबर्फ सतहें 2002 के बाद से छोटी होती जा रही हैं.

उपर्युक्त में से सही हैं–

(A) केवल I
(B) केवल II
(C) I एवं II दोनों
(D) न I और न II

26. निम्नलिखित में से किन देशों की सेनाओं ने रूस में 'VOSTAK-2022' अभ्यास में हिस्सा लिया ?

I. चीन II. भारत
III. लाओस IV. मंगोलिया
V. सीरिया

उपर्युक्त में से सही हैं–

(A) केवल I, II, III एवं IV
(B) केवल I, II एवं V
(C) केवल II, III, IV एवं V
(D) I, II, III, IV एवं V सभी

27. जापोरिझिझिया (Zaporizhzhia) नाभिकीय संयन्त्र अगस्त/सितम्बर 2022 में समाचारों की सुर्खियों में रहा. यह निम्नलिखित में से किस देश में हैं ?

(A) फ्रांस (B) रूस
(C) यूक्रेन (D) इटली

28. यू.के की नई प्रधानमंत्री लिज ट्रुस के मन्त्रिमण्डल में शामिल सुएला ब्रेवर्मन के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?

(A) भारतीय मूल की बैरिस्टर सुएला ब्रेवर्मन को यू.के. की नई गृहमंत्री नियुक्त किया गया है
(B) सुएला ब्रेवर्मन बोरिस जॉनसन सरकार में एटोर्नी जनरल थी
(C) वे तमिल माँ उमा तथा गोवा पूल के पिता क्रिस्टी फर्नांडीज की पुत्री हैं
(D) ब्रेवर्मन एक हिन्दू हैं और नियमित रूप से मन्दिर जाती हैं

29. ब्रिटेन के संसदीय लोकतन्त्र के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. यू.के. में अब तक केवल तीन महिलाएँ प्रधानमंत्री बनीं हैं और तीनों ही कंजरवेटिव पार्टी से हैं.

II. ऐसा पहली बार है, जब यू.के. के मन्त्रिमण्डल के चार शीर्ष पदों पर एक भी श्वेत पुरुष नहीं है.

III. क्वासी क्वार्टेंग यू.के. के पहले अश्वेत वित्तमंत्री हैं.

IV. जेम्स क्लेवर्ली यू.के. के पहले अश्वेत विदेश मंत्री हैं.

V. भारतीय मूल की बौद्ध धर्म अनुयायी सुएला ब्रेवर्मन नई गृहमंत्री तथा थेरेसे कोफी उपप्रधानमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री हैं.

उपर्युक्त में से सही हैं–

(A) केवल I एवं II
(B) केवल III एवं IV
(C) केवल II, III एवं V
(D) I, II, III, IV तथा V सभी

30. निम्नलिखित में से कौनसी भारत में विकसित और विनिर्मित कोविड से बचाव की पहली और एकमात्र इन्ट्रानेजल (नाक से ली जाने वाली) वैक्सीन है ?

(A) Sinovac
(B) Covovax
(C) Covaxin
(D) iNCOVACC

31. SARS-Cov के विरुद्ध सुई रहित वैक्सीन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. CanSino Biologics (चीन) द्वारा विकसित नई वैक्सीन को एरोसोलाइज्ड मिस्ट के रूप में नाक और मुँह से साँस के साथ कोविड से बचाव हेतु बूस्टर खुराक के रूप में लिया जा सकता है.

II. भारत बायोटेक द्वारा विकसित इण्टरानेजल iNCOVACC वैक्सीन नाक में बूँदें डालकर ली जाने वाली दो प्राथमिक खुराकों वाली वैक्सीन है.

उपर्युक्त में से सही हैं–

(A) केवल I
(B) केवल II
(C) I एवं II दोनों
(D) न I और न II

32. सिंगापुर सरकार द्वारा प्रदत्त प्रतिष्ठित मेडल 'Pingat Jasa Gemilang (Tentera) (उत्कृष्ट सेवा मेडल (सेना) निम्नलिखित में से किसे प्रदान किया गया ?

(A) भारत के पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल (सेवानिवृत्त) सुनील लाम्बा
(B) भारत के पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल (सेवानिवृत्त) करमवीर सिंह
(C) भारत के नौसेना प्रमुख एडमिरल सुनील आर. हरीकुमार
(D) भारत के पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल रॉबिन के धवन

33. जूरिख में 8 सितम्बर, 2022 को सम्पन्न प्रतिष्ठित डायमण्ड लीग फाइनल टाइटिल (2022) निम्नलिखित में से किस खिलाड़ी ने जीता ?

(A) नीरज चोपड़ा (भारत)
(B) जैकब वाडालेजच (चेक गणराज्य)
(C) जूलियन वेबर (जर्मनी)
(D) एण्डर्सन पीटर्स (ग्रेनेडा)

34. भारत के नीरज चोपड़ा ने निम्नलिखित में से कौनसे पदक जीता हैं ?

I. टोकियो ओलम्पिक 2021 में स्वर्ण पदक.

II. विश्व चैम्पियनशिप (यूगेन) 2022 में रजत पदक.

III. डाइमण्डलीग चैम्पियनशिप 2022

सही कूट हैं–

(A) केवल I
(B) केवल I एवं II
(C) केवल I एवं III
(D) I, II तथा III सभी

35. निम्नलिखित में से किस देश की संसद ने आत्मरक्षार्थ नाभिकीय हमला करने का अधिकार प्राप्त करने का कानून पारित किया है ?

(A) ईरान (B) पाकिस्तान
(C) उत्तर कोरिया (D) जापान

36. निम्नलिखित में से किसने विश्व में सर्वाधिक अवधि तक राजा/सम्राट/साम्राज्ञी (Monarch) के रूप में कार्य किया है ?

(A) हस्सानाल बोलकिया (ब्रूनेई)
(B) महारानी एलिजाबेथ द्वितीय (ब्रिटेन)
(C) महारानी मार्गेध द्वितीय (डेनमार्क)
(D) कार्ल मुस्ताफ षष्ठम (स्वीडन)

37. मानव विकास सूचकांक 2021 में भारत का रैंक कौनसा है ?
(A) 130वाँ (B) 131वाँ
(C) 132वाँ (D) 133वाँ

38. गम्भीर धोखाधड़ी जाँच कार्यालय (SFIO) धोखाधड़ी के उन मामलों की जाँच-पड़ताल करता है, जो उसे ..... द्वारा सन्दर्भित किए जाते हैं.
(A) भारतीय रिजर्व बैंक
(B) भारतीय प्रतिभूतियाँ एवं विनिमय बोर्ड
(C) कार्पोरेट मामलों का मंत्रालय
(D) बीमा विनियामक एंव विकास प्राधिकरण

39. ब्रिटेन का महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मृत्योपरान्त उनके पुत्र किंग चार्ल्स द्वितीय को 10 सितम्बर, 2022 को ब्रिटेन का नया सम्राट बनाया गया है. इसके साथ वे निम्नलिखित में से किस देश के भी राष्ट्राध्यक्ष हैं–
I. आस्ट्रेलिया II. कनाडा
III. न्यूजीलैण्ड
सही कूट हैं–
(A) किसी भी देश के नहीं
(B) केवल I एवं II के
(C) केवल II एवं III के
(D) I, II, III सभी देशों के

40. 'पालन 1000' का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे है ?
(A) जन्म से लेकर पहले 1000 दिनों तक बच्चों की बेहतर देखभाल से
(B) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत् प्री-प्राइमरी शिक्षा से
(C) प्रत्येक शहर में पालनाघर बनाए जाने से
(D) प्रत्येक आँगनबाड़ी केन्द्र पर कामकाजी महिलाओं के बच्चों की देखभाल हेतु पालनाघर बनाए जाने से

41. पेन-प्लस-रणनीति का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे है ?
(A) निर्भीक पत्रकारिता से
(B) दीर्घकालिक और गम्भीर गैर-संचारी रोगों के निवारण से
(C) प्राथमिक कक्षाओं में आधारभूत बच्चों के लेखन सुधार से
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

42. मिथिला मखाना के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
I. अभी हाल ही में मिथिला मखाना को भौगोलिक संकेतक टैग प्रदान किया गया है.
II. मिथिला मखाना अथवा मखान (Botanical Name : Euryale Flrox Salisb) बिहार के मिथिला-आंचल एवं नेपाल में पानी में उगाए जाने वाला एक दाना है.
उपर्युक्त में से सही हैं–
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) I एवं II दोनों
(D) न I और न II

43. भारत की पहली वाणिज्यिक 'स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस (SSA) बेधशाला कहाँ स्थापित की जा रही है ?
(A) माउण्ट आबू (राजस्थान)
(B) चांगथांग वन्यजीव अभ्यारण्य (लद्दाख)
(C) गढ़वाल (उत्तराखण्ड)
(D) अमरकण्टक (मध्य प्रदेश)

उत्तर व्याख्या सहित

1. (C) सन् 1952 में भारत में चीता को विलुप्त प्रजाति घोषित कर दिया गया था.
2. (A) दस सदस्यीय शंघाई सहयोग संगठन का 22वाँ शिखर सम्मेलन 16-17 सितम्बर, 2022 को उज्बेकिस्तान के समरकन्द शहर में आयोजित हुआ, जिसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, ईरान के राष्ट्रपति इब्राहीम रईसी सहित अन्य शासनध्यक्षों ने भाग लिया.
3. (C) 17 सितम्बर, 1948 को आप्रेशन पोलों के तहत् दक्षिण की एक बड़ी रियासत हैदराबाद को वहाँ के शासक निजाम तथा उनके सैनिकों-रजाकारों से मुक्त कराया गया था. इसी की स्मृति में गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाया गया.
4. (C) 5. (B)
6. (B) लम्पी त्वचा रोग मुख्य रूप से गायों में फैला वायरल रोग है, जो लम्पी स्किन डिसीज वायरस (LSDV) से फैलता है.
7. (D) हायबूसा (जापान), नियर शूमेकर (NASA), ऑरिरिसरेक्स (यूरोपीय स्पेस एजेन्सी) के अन्तरिक्ष मिशन हैं, जो उनके सम्मुख अंकित एस्टेरॉइड या अन्तरिक्ष में स्थित घटकों पर लक्षित है. रोसेट्टा यूरोपीय अन्तरिक्ष एजेन्सी का अन्तरिक्ष मिशन है, जो Comet 67P/Churyumov -Gerasimenko पर लक्षित है.
8. (D)
9. (B) NAFIS–नेशनल ऑटोमेटेड फिंगरप्रिन्ट आइडेन्टीफिकेशन सिस्टम; NATGRID–नेशनल इंटेलीजेन्स ग्रिड; CCTNS–क्राइम एण्ड क्रिमनल ट्रैकिंग नेटवर्क एण्ड सिस्टम्स; FACTS–फिंगरप्रिन्ट एनालिसिस एण्ड क्रिमनल ट्रेसिंग सिस्टम है.
10. (C) भारत में पहली जनगणना ब्रितानी शासनकाल में सन् 1872 में कराई गई थी. उसके बाद प्रति 10 वर्ष के अन्तराल पर दशक के पहले वर्ष जनगणना कराई जाती है. जनगणना गृह मंत्रालय के अधीन भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय (गृह मंत्रालय) द्वारा कराई जाती है.
11. (D) 12. (D) 13. (D)
14. (D) नासा के वैज्ञानिकों ने एक हवाई सर्वेक्षण के दौरान पूर्वी ग्रीनफील्ड में जोग्बी आइस को देखा है.
15. (B) 16. (D) 17. (A)
18. (D) 2 सितम्बर, 2022 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कोचीन शिपयार्ड में औपचारिक रूप से वह नौ सेना में शामिल किया.
19. (A) 20. (D)
21. (A) 5 सितम्बर, 2022 को ऋषि सुनक को पराजित कर कंजरवेटिव पार्टी की नेता लिज ट्रुस यू.के. की तीसरी महिला प्रधानमंत्री हैं.
22. (A) 23. (C) 24. (C)
25. (C) NASA के 'ग्रेविटी रिकवरी एण्ड क्लाइमेट एक्सपेरीमेण्ट (GRACE) उपग्रहों द्वारा अण्टार्कटिक बर्फ मास में होने वाले परिवर्तनों का मापन गीगाटनों में किया जा रहा है.
26. (D) रूस द्वारा 1 सितम्बर, 2022 को प्रारम्भ किया गया. 'VOSTAK-2022' अभ्यास दो चरणों में सम्पन्न हुआ, जिसमें क्लैक्टिव सिक्योरिटी ओर्गनाइजेशन, शंघाई सहयोग संगठन के पर्यवेक्षक देशों सहित अल्जीरिया, अर्मीनिया, अजरवाइजान, बेलारूस, भारत, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, चीन, लाओस, मंगोलिया, निकारागुआ, सीरिया तथा ताजिकिस्तान ने भाग लिया
27. (C) जापोरिझिझिया नाभिकीय संयन्त्र यूरोप में स्थित सबसे बड़ा नाभिकीय संयन्त्र है. मार्च 2022 के बाद से ही इस पर रूसी सेनाओं का नियन्त्रण बना हुआ था, लेकिन अगस्त 2022 को इस संयन्त्र के आस-पास के क्षेत्रों में भारी गोलीबारी किए जाने से इस में नाभिकीय आपदा उत्पन्न होने की आशंका बढ़ गई है.
28. (D) सुएला ब्रेवर्मन त्रिरत्ना बौद्ध समुदाय की सदस्य हैं तथा नियमित रूप से लंदन बौद्ध केन्द्र जाती हैं.
29. (D) मारग्रेट थैचर, थेरेसा मे तथा लिज ट्रुस ब्रिटेन की प्रधानमंत्री रही हैं.ये तीनों ही कंजरवेटिव पार्टी की सदस्य रही हैं.
30. (D) भारत की पहली इण्टरानेजल वैक्सीन iNCOVACC को 6 सितम्बर, 2022 को भारत के औषधि महानियन्त्रक द्वारा 18+ आयु वर्ग में आपातकाल में उपयोग की अनुमति प्रदान की गई. इसे भारत बायोटेक द्वारा चिंपांजी एडिनोवाइरस वेक्टर्ड (ChAd36-SARS-CoV-s CoViD-19) रि कॉम्बीनेन्ट नेजल वैक्सीन के रूप में विकसित किया गया है.
31. (C) 32. (A) 33. (A) 34. (D)

35. (C) 2013 के मूल कानून में कहा गया है कि उत्तर कोरिया एक शत्रुतापूर्ण परमाणु राष्ट्र से आक्रमण या हमले को रोकने के लिए परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकता है और जवाबी हमला कर सकता है. यदि सामूहिक विनाश के हथियारों द्वारा इसके नेतृत्व सहित देश के 'रणनीतिक लक्ष्यों' के खिलाफ एक आसन्न हमले का पता चलता है, तो नया कानून पूर्व परमाणु हमलों की अनुमति देता है.

36. (B) महारानी एलिजाबेथ 70 वर्षों तक ब्रिटिश की साम्राज्ञी रहीं. उनका निधन 8 सितम्बर, 2022 को हो गया. ब्रूनेई के शाह हस्सानाल बोलकिया सर्वाधिक समय तक शासन करने वाले दूसरे मोनार्क हैं.

37. (C)

38. (C) कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार, गम्भीर धोखाधड़ी जाँच कार्यालय की स्थापना की गई है. यह कार्पोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत् एक बहु-अनुशासनात्मक संगठन है, जो कम्पनियों में होने वाली धोखाधड़ी की जाँच की जाती है.

39. (D) उपर्युक्त सभी देश 'राष्ट्रमण्डल क्षेत्र' (Commonwealth Realm) का हिस्सा हैं. यह यू.के. को छोड़कर 14 देशों का समूह है, जो ब्रिटिश सम्राट को अपने राज्य प्रमुख के रूप में मान्यता देता है–इस समूह में कनाडा, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैण्ड के अलावा एंटीगुआ और बारबूडा, बहामास, बेलीज, ग्रेनाडा, जमैका, पापुआ न्यू गिनी, सेंट किट्स एण्ड नेविस सेंट लूसिया, सेंट विसेंट और ग्रेनेडा इंस, सोलोमन द्वीप तथा टुवालु शामिल हैं.

40. (A)

41. (B) लोमे, टोगो में अफ्रीकी देशों के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की क्षेत्रीय समिति के 70वें सत्र में 'पेन-प्लस रणनीति (PEN-PLUS-Strategy) को अपनाया गया. इसके अन्तर्गत प्रथम स्तर की रेफरल स्वास्थ्य सुविधाओं पर गम्भीर गैर-संचारी रोगों को सम्बोधित करने के लिए एक क्षेत्रीय रणनीति के रूप में लागू किया जाएगा. यह रणनीति गम्भीर गैर-संचारी रोगों के निदान और प्रबन्धन के लिए जिला अस्पतालों और अन्य प्रथम स्तरीय रेफरल सुविधाओं की क्षमता निर्माण का समर्थन करती है.

42. (C)

43. (C) अन्तरिक्ष स्थितिजन्य जागरूकता वेधशाला भारत को अन्तरिक्ष में किसी भी गतिविधि पर नजर रखने में मदद करेगी, जिसमें अन्तरिक्ष मलबे और इस क्षेत्र में मडराने वाले सैन्य उपग्रह भी शामिल हैं. अन्तरिक्ष क्षेत्र की स्टार्टअप 'दिगंतरा' द्वारा विनिर्मित यह वेधशाला उत्तराखण्ड के गढ़वाल क्षेत्र में स्थापित की जा रही है. ●●●

शेष पृष्ठ 98 का

ओलम्पिक के 10 स्विमिंग-पूल बनाए जा सकते हैं. इस फ्लाई-डेक को स्कीइंग तकनीक पर तैयार किया गया है, जिसे 'शॉर्ट टेकऑफ बट अरेस्टेड रिकवरी' (स्टोबार) भी कहा जाता है अर्थात् छोटे रनवे से स्कीइंग के जरिए टेकऑफ. इस पर अरेस्टेड रिकवरी तकनीक से फाइटर जेट्स को लैंड कराया जाएगा.

आईएनएस विक्रांत की प्रमुख विशेषताओं पर नजर डालें तो करीब 53 एकड़ में फैले इस विशालकाय विमानवाहक युद्धपोत की ऊँचाई 15 मंजिला इमारत के बराबर है. इस स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर में इतनी सारी इलेक्ट्रिक केबिल लगी हैं कि यदि इसमें लगी केबिल को सड़क पर बिछाया जाए, तो वह कोच्चि से दिल्ली तक पहुँच सकती है. इसमें 150 किलोमीटर लम्बे पाइप और 2,000 वॉल्व लगे हैं. आईएनएस विक्रांत के कुल 3 रसोईघरों में एक दिन में 4,800 लोगों का खाना तैयार किया जा सकता है और एक दिन में 10,000 तक रोटियाँ सेंकी जा सकती हैं. युद्धपोत पर कम-से-कम 3 महीने का दवाइयों और सर्जरी में उपयोग आने वाले उपकरणों का स्टॉक सदैव उपलब्ध रहेगा. विक्रांत में नवीनतम चिकित्सा उपकरण सुविधाओं से लैस एक पूर्ण अत्याधुनिक चिकित्सा परिसर है, जिसमें प्रमुख मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, आपातकालीन मॉड्यूलर ओटी, फिजियोथेरेपी क्लीनिक, आईसीयू, प्रयोगशालाएं, सीटी स्कैनर, एक्स-रे मशीन, दंत चिकित्सा परिसर, आइसोलेशन वार्ड और टेलीमेडिसिन जैसी तमाम सुविधाएं शामिल हैं.

स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत के नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल हो जाने के बाद भारत की नौसैनिक क्षमताओं में फर्क आने के बारे में नौसेना का कहना है कि इससे इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम करने में बड़ी मदद मिलेगी. हाल ही में भारत के 'आईएनएस विराट' के रिटायर हो जाने के बाद भारत को आईएनएस विक्रांत जैसे अत्याधुनिक विमानवाहक पोत की सख्त जरूरत थी. दरअसल भारत की करीब 7,000 किलोमीटर लम्बी समुद्री सीमाएं एक ओर पूर्व में बंगाल की खाड़ी से और दूसरी तरफ पश्चिम में अरब सागर से सटी है, इसलिए भारत को दो अलग-अलग मोर्चों पर दो विमानवाहक युद्धपोतों की जरूरत है. हिन्द महासागर में भी भारत का करीब 23 लाख वर्ग मील का स्पेशल इकोनोमिक जोन है, उसकी सुरक्षा करने के लिए भी भारत को कम-से-कम दो एयरक्राफ्ट कैरियर की जरूरत है और नौसेना के जंगी बेड़े में आईएनएस विक्रांत के शामिल हो जाने से भारत के पास अब दो एयरक्राफ्ट कैरियर हो गए हैं. इससे पहले भारत ने रूस की नौसेना का हिस्सा रहे आईएनएस विक्रमादित्य एयरक्राफ्ट कैरियर को रूस से खरीदा था.

हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन के युद्धपोतों और पनडुब्बियों की बढ़ती गतिविधियों के मद्देनजर दुश्मनों की गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए भी भारत को आईएनएस विक्रांत जैसे स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर की सख्त जरूरत थी. चीन ने दिबूती में एक नेवल आउटपोस्ट बना ली है और पाकिस्तान में ग्वादर पोर्ट के विकास पर भी वह काफी खर्च कर रहा है. भारतीय नौसेना के वाइस चीफ एडमिरल एस. एन. घोरमडे के अनुसार आईएनएस विक्रांत हिन्द प्रशांत और हिन्द महासागर क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने में योगदान देगा. उनके मुताबिक आईएनएस विक्रांत पर विमान उतारने का परीक्षण नवम्बर में शुरू होगा, जो 2023 के मध्य तक पूरा हो जाएगा. बहरहाल, स्वदेशी आईएनएस विक्रांत का नौसेना के जंगी बेड़े का अभिन्न अंग बनना रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है. फिलहाल देश के अलग-अलग शिपयार्ड में 39 वॉरशिप बन रहे हैं और जल्द ही 43 शिप तथा सबमरीन पर भी कार्य शुरू होना है. ●●●

शेष पृष्ठ 136 का

(C) रणजीत सिंह
(D) लता मंगेशकर

24. राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (NSO) के ताजा अनंतिम आँकड़ों के अनुसार पूर्व वर्ष की समान अवधि की तुलना में 2022-23 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2022) में भारत के जीडीपी में कितने प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है ?
(A) 3·5 प्रतिशत (B) 7·5 प्रतिशत
(C) 13·5 प्रतिशत (D) 20·1 प्रतिशत

25. निम्नलिखित में से कौनसी भारतीय कम्पनी फॉर्च्यून की 'ग्लोबल 500' कम्पनियों की वर्ष 2022 की सूची में शामिल नहीं है ?
(A) ओएनजीसी
(B) इंडियन ऑयल
(C) भारत पेट्रोलियम
(D) हिन्दुस्तान पेट्रोलियम

उत्तरमाला

1. (C) 2. (C) 3. (A) 4. (A) 5. (B)
6. (D) 7. (C) 8. (D) 9. (B) 10. (B)
11. (A) 12. (C) 13. (A) 14. (A) 15. (B)
16. (D) 17. (D) 18. (C) 19. (C) 20. (C)
21. (B) 22. (A) 23. (B) 24. (C) 25. (D)

●●●

यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ परीक्षा, दिसम्बर 2020 एवं जून 2021
(24-11-2021) का हल प्रश्न-पत्र

अर्थशास्त्र

1. X और Y दो वस्तुओं के अनधिमान वक्र की स्थिति में, X का उपभोग बढ़ने के साथ–
(A) MRS_{xy} बढ़ता है
(B) MRS_{xy} घटता है
(C) MRS_{xy} एकसमान रहता है
(D) पहले MRS_{xy} बढ़ता है, परन्तु बाद में MRS_{xy} घटता है

2. सामान्य आर्थिक संतुलन निम्नलिखित में से किस समस्या से सम्बन्धित नहीं है–
(A) एकलता समस्या
(B) अस्तित्व समस्या
(C) स्थिरता समस्या
(D) नैतिक रूप से खतरनाक समस्या

3. अल्पविधि उत्पादन फलन में, निम्नलिखित में से क्या सही है ?
(A) श्रम आगत में परिवर्तन के साथ प्रौद्योगिकी परिवर्तन की कल्पना की जाती है
(B) पूँजी स्टॉक में परिवर्तन के साथ प्रौद्योगिकी परिवर्तन की कल्पना की जाती है
(C) ह्रासमान प्रतिलाभ आरम्भ होने तक प्रौद्योगिकी में सकारात्मक परिवर्तन की कल्पना की जाती है
(D) प्रदत्त उत्पादन फलन सम्बन्ध के लिए प्रोद्योगिकी स्थिर होने की कल्पना की जाती है

4. निर्गत में विस्तार के साथ, एल ए सी वक्र में गिरावट आती है. इसका कारण है–
(A) परिवर्ती अनुपात नियम
(B) ह्रासमान प्रतिफल नियम
(C) परिमाण मूलक सुलाभ (Economics of scale)
(D) परिमाण मूलक हानि (Diseconomies of scale)

5. अनिश्चितता के अन्तर्गत निर्णय लेने की स्थिति में, यदि उपभोक्ता को दो विकल्पों से एक समान आय की प्रत्याशा होती है, तो वह निम्नलिखित में से किस आधार पर निर्णय करेगा ?
(A) दोनों विकल्पों की प्रत्याशित उपयोगिता
(B) प्रत्येक विकल्प के साथ संबद्ध जोखिम की सम्भाविता
(C) प्रत्येक विकल्प के साथ संबंद्ध जोखिम विचरण
(D) प्रत्येक विकल्प के जोखिम का माध्य

6. फिलिप्स वक्र के अनुसार बेरोजगारी व मौद्रिक मजदूरी में वृद्धि दर के बीच किस प्रकार का सम्बन्ध है ?
(A) प्रतिलोम
(B) प्रत्यक्ष
(C) प्रत्यक्ष व समानुपाती
(D) प्रतिलोम व समानुपाती

7. 'मौद्रिक भ्रम' की संकल्पना सर्वप्रथम किसने दी थी ?
(A) मिल्टन फ्रीडमैन
(B) इरविंग फिशर
(C) राबर्ट्सन
(D) जे. एम कीन्स

8. निम्नलिखित में से 'अतिगुणक' की संकल्पना का सही वर्णन कौन करता है ?
(A) निवेश गुणक
(B) मौद्रिक गुणक
(C) गुणक व त्वरक के बीच अतःक्रिया
(D) रोजगार गुणक

9. प्रदत्तः
$I = 50 + 0{\cdot}2Y$
$S = -150 + 0{\cdot}4Y$
$G = 50$
जहाँ : I = निवेश : S = बचत
G = सरकारी व्यय
Y = राष्ट्रीय आय
राष्ट्रीय आय का संतुलन स्तर क्या है–
(A) 2500 (B) 1250
(C) 250 (D) 1500

10. मुद्रा आपूर्ति और नामिक चरों में परिवर्तन से वास्तविक चरों की स्वतंत्रता को निम्नलिखित में से क्या कहा जाता है ?
(A) कीन्सवादी द्विभाजन
(B) क्लासिकीय द्विभाजन
(C) मौद्रिक भ्रम
(D) मौद्रिक गुणक

11. पुरुष जन्म की सम्भाव्यता को 0·5 मानकर, इस सम्भावना का पता लगाएं कि 3 बच्चों वाले परिवार में दो बालक व एक बालिका हो–
(A) $\frac{1}{8}$ (B) $\frac{2}{8}$
(C) $\frac{3}{8}$ (D) $\frac{4}{8}$

12. यदि आंकड़े दरों, समानुपात व अनुपात से सम्बन्धित हैं तो केन्द्रीय प्रवृत्ति के कौनसे मापक का प्रयोग करना सर्वाधिक उपयुक्त होगा ?
(A) अंकगणितीय माध्य
(B) माध्यिका
(C) हरात्मक माध्य
(D) ज्यामितीय माध्य

13. प्रतिस्थापन के बिना चयनित 13 इकाइयों के एक सैंपिल पर आधारित प्रतिवचन वितरण का माध्य 5 इकाइयों का विचरण दर्शाता है, यदि जनसंख्या में 49 इकाइयाँ है, तो जनसंख्या के विभिन्न (Variance) का आकलन कीजिए–
(A) 80·67 (B) 84·87
(C) 86·67 (D) 86·87

14. क्लासिकीय रेखीय समाश्रवण (Classical linear Regression) मॉडल में X_i और U_i के बारे में कल्पना की जाती है कि वे–
(A) अत्यधिक सहसंबद्ध हैं
(B) सहसंबद्ध नहीं हैं
(C) नकारात्मक रूप में सहसंबद्ध हैं
(D) नकारात्मक रूप से सहसंबद्ध हैं

15. निम्नलिखित में से गलत कथन की पहचान कीजिए–
(A) दो असंयुक्त समुच्चयों (Disjoint sets) का तर्कगुणनफल रिक्त समुच्चय है
(B) समष्टीय समुच्चय (Universal set) का पूरक रिक्त समुच्चय (Null set) है
(C) यदि $X \cap Y = \phi$, तो $X - Y \neq X$
(D) $X - Y = X \cap \overline{Y}$

16. प्रदत्त : $Y = X^3 - 12X^2 + 36X + 8$. निम्नलिखित में से सही की पहचान कीजिए–
(A) X = 6 पर Y अधिकतम है और X = 2 पर Y न्यूनतम है
(B) X = 6 पर Y न्यूनतम है और X = 2 पर Y अधिकतम है
(C) Y के X = 2 और X = 6 पर दो नति परिवर्तन बिन्दु हैं
(D) इष्टनमी बिन्दु अनियत है

naukaritick.com for PD Jan to Dec 2022

17. निम्नलिखित में से सही कथन की पहचान कीजिए–
(A) A^{-1} Adj (A) के समान है यदि निर्धारक A का मूल्य एकान्विति (यूनिटी) है
(B) यदि एक निर्धारक के दो कॉलमों को परस्पर परिवर्तित कर दिया जाता है, निर्धारक का चिह्न नहीं बदलता है
(C) यदि पंक्तियों और कॉलमों को परस्पर परिवर्तित कर दिया जाता है, तो निर्धारक का मूल्य बदल जाता है
(D) मैट्रिक्स प्रचालन में विभाजन के नियम की अनुमति है

18. रैखिक प्रोग्रामन समस्या (LPP) के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से सही कथन की पहचान कीजिए–
(A) यदि समस्या के समस्त माध्य समाधान इसकी बाध्यताओं द्वारा रचित सीमाओं के भीतर आते हैं, तो एल पी पी में समाधान अनाबद्ध है
(B) यदि A एक आदि समस्या है और B इसका द्वय है, तो B का द्वय A नहीं है
(C) मानक रूप में एल पी पी की बाध्यताएं हमेशा कम और/अथवा समान के रूप में अभिव्यक्त होती है
(D) यदि किसी एल पी पी के दो इष्टम समाधान हैं तो इसके अनियत संख्या में इष्टतम समाधान भी है

19. व्यापार की शुद्ध वस्तु विनिमय दर बतलाती है–
(A) निर्यात उपार्जनों पर आयात व्ययों का अधिक्य
(B) व्यापार समझौते
(C) निर्यात कीमतों और आयात कीमतों के बीच का अनुपात
(D) निबंधन और शर्तों जिस पर एक देश को भुगतान संतुलन की कठिनाइयों की स्थिति में ऋण देने का प्रस्ताव किया गया है

20. भुगतान संतुलन में पूँजी खाते की मदें हैं–
(A) प्रवाह चर
(B) स्टॉक चर
(C) स्टॉक परिमाप में बदलाव
(D) दोनों स्टॉक और प्रवाह चर

21. आयात प्रशुल्क से मुक्त व्यापार की ओर अचानक अंतरण लघुकालिक बेरोजगारी को किस ओर प्रेरित करता है–
(A) आयात-प्रतिस्पर्धी उद्योगों
(B) उन उद्योगों में जो केवल निर्यातक हैं
(C) उन उद्योग में जो अन्तरिक स्तर और बाह्य स्तर पर विक्रय करते हैं
(D) उन उद्योग में जो न तो आयात और न ही निर्यात करते हैं

22. इष्टतम प्रशुल्क का मतलब है–
(A) प्रशुल्क लगाने वाले घरेलू देश के प्रस्ताव वक्र की लोचदार सीमा के भीतर ही होता है
(B) लागू करने वाला देश इस संभाव्यता का ध्यान रखेगा कि भागीदार देश वाले स्वयं के संरक्षण मापको के साथ प्रतिकार करेगा
(C) लागू करने वाले देश के सम्पूर्ण निर्यात विक्रियों को अधिकाधिक करता है
(D) भागीदार देश के प्रस्ताव वक्र की लोचदार सीमा के भीतर होता है

23. व्यय और कराधान के पुराने स्तर से नए और उच्चतर स्तर की ओर संचलन को क्या कहा जाता है ?
(A) संकेन्द्रण प्रभाव
(B) निरीक्षण प्रभाव
(C) विस्थापन प्रभाव
(D) ये सभी

24. यदि बाह्यताएं अस्तित्व में रहती हैं, तो निम्नलिखित में कौनसी विधि कल्याण सुधार की प्राप्ति में सहायक हो सकते हैं ?
(A) पिगोवियन कर
(B) विनियमन
(C) सम्पदा अधिकार प्रदान करना और मोल-भाव की अनुमति देना
(D) उपर्युक्त में से सभी

25. विशुद्ध सार्वजनिक वस्तु के उत्पादन में दक्षता स्थिति के लिए यह अपेक्षित है कि उत्पादन उस बिन्दु तक जारी रखा जाए जब :
जहाँ MBi, (i) व्यक्ति के सीमांत लाभ को दर्शाता है, और MBj सीमांत लाभ जो (j) 'व्यक्ति तक संचित होता है को दर्शाता है, और MC सीमांत लागत है.
(A) $MB_i + \sum_{j=1}^{n-1} MB_j = MC$
(B) $MB_i + \sum_{j=1}^{n-1} MB_j > MC$
(C) $MB_i - \sum_{j=1}^{n-1} MB_j > MC$
(D) $MB_i - \sum_{j=1}^{n-1} MB_j > MC$

26. निम्नलिखित में से कौनसा एकाधिकारवादी पर पूरी तरह आपतित होगा–
(A) एकमुश्त कर
(B) विशिष्ट कर
(C) विनियमित एकाधिकार मूल्यन
(D) उपर्युक्त से कोई नहीं

27. निम्नलिखित में से कौन एक वाणिज्यिक बैंक नहीं है ?
(A) सार्वजनिक क्षेत्र बैंक
(B) निजी क्षेत्र बैंक
(C) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
(D) सहकारी बैंक

28. तरलता समायोजन सुविधा (एल ए एफ) की सिफारिश किसने की ?
(A) सी रंगराजन समिति
(B) रघुराम राजन समिति
(C) नरसिंहम समिति
(D) बिमल जालान समिति

29. बैंक दर के बारे निम्नलिखित में कौन सही है ?
(A) केन्द्रीय बैंक दर में वृद्धि दूसरे कारकों को स्थिर रखते हुए आपूर्ति भी बड़ा देगी
(B) बैंक दर एक गुणात्मक उपकरण (Instrument) है
(C) बैंक दर वह न्यूनतम दर है जिस पर केन्द्रीय बैंक सरकारी प्रतिभूति के बदले वित्तीय संस्थानों को ऋण प्रदान करती है
(D) बैंक दर साख नियंत्रण का एक प्रत्यक्ष उपकरण है

30. यूएनडीपी द्वारा प्रकाशित मानव विकास सूचकांक (HDI) की वर्तमान में निम्नलिखित में से किसके उपयोग द्वारा गणना की जाती है ?
(A) ज्यामितीय माध्य
(B) अंकगणितीय माध्य
(C) हरात्मक माध्य
(D) द्विघातीय माध्य

31. हेरोड निरपेक्ष तकनीकी विकास अनिवार्यता–
(A) संवृद्धि संवर्धक है
(B) श्रम संवर्धक है
(C) पूँजी संवर्धक है
(D) संसाधन संवर्धक है

32. निम्नलिखित में से कौन संवृद्धि के नवक्लासिकीय सिद्धान्त का भाग नहीं है ?
(A) स्वान मॉडल
(B) मीड मॉडल
(C) पेसिनेट्टी मॉडल
(D) सोलो मॉडल

33. यदि कोई उत्पादन फलन हेरोड व हिंक्स निरपेक्ष तकनीकी प्रगति दोनों स्वीकार करता है तो स्थानापत्ति लोच निम्नलिखित होनी चाहिए–
(A) एक के समान
(B) शून्य के समान

(C) अनंत के समान
(D) एक बटा दो के समान

34. 2011 में शहर X की कुल जनसंख्या 28 लाख थी और कुल जीवित शिशुओं की संख्या 50 हजार थी प्रत्येक हजार जनसंख्या पर अशोधित जन्मदर पता लगाइए–
(A) 178·57 (B) 1·7857
(C) 17·857 (D) 0·17857

35. रोनॉल्ड कोज के अनुसार प्रदूषण नियंत्रण हेतु निम्नलिखित कथनों में कौन सही हैं ?
(A) राज्य को सम्पत्ति के अधिकार प्रदान करना
(B) विधिक संस्थानों को संपत्ति के अधिकार प्रदान करना
(C) प्रदूषक और प्रदूषित को सम्पत्ति के अधिकार प्रदान करना
(D) श्रम संघों को सम्पत्ति के अधिकार प्रदान करना

36. वर्ष 2011 में जनगणना के अनुसार निम्नलिखित में से किन राज्यों में ग्रामीण आबादी का सर्वाधिक है ?
(A) बिहार (B) ओडिशा
(C) उत्तर प्रदेश (D) हिमाचल प्रदेश

37. वर्तमान में भारत में जी डी पी के स्थिर कीमतों पर आकलन के लिए किस निम्नलिखित वर्ष को आधार वर्ष के रूप में प्रयोग किया जाता है ?
(A) 2011-12 (B) 2010-11
(C) 2014-15 (D) 2000-01

38. 12 नवम्बर, 2020 को आरम्भ की गई 'आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना' के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
(A) नए रोजगार सृजित करने वाले प्रतिष्ठानों को सेवा निवृत्ति निधि में नियोजकों व कर्मचारियों के अंशदान की मद में दो वर्ष तक राज सहायता मिलेगी
(B) प्रतिष्ठान को 5 वर्ष की अवधि के लिए ₹ 10 करोड़ की राज सहायता मिलेगी
(C) प्रतिष्ठान की लगातार तीन वर्षों के लिए कर में लाभ मिलेगा
(D) प्रतिष्ठान को 5 वर्षों तक कर राज सहायता मिलेगी

39. 15वें वित्त आयोग (FC) ने अनुशंसा की है कि 2021-22 से 2025-26 की अवधि के दौरान राज्यों को केन्द्र के विभाज्य कर मूल का ..... प्रतिशत दिया जाए.
(A) 51 (B) 31
(C) 41 (D) 61

40. अर्थव्यवस्था के निम्नलिखित में से किन क्षेत्रों में वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में सर्वोच्च संवृद्धि दर दर्ज हुई है. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आँकड़ों के अनुसार–
(A) विनिर्माण
(B) विद्युत, गैस जल आपूर्ति व अन्य उपयोगी सेवाएं
(C) कृषि व संबद्ध क्षेत्र
(D) सामान्य प्रशासन

41. जोखिम से बचने वाले व्यक्ति द्वारा जोखिम की न्यूनतम करने के लिए निम्नलिखित में से कौनसे उपाय किये जाते हैं ?
1. संसाधनों का वैविध्यकरण
2. जोखिम घटना का बीमा
3. संसाधनों की कुल लागत
4. जोखिम घटना की जानकारी का मूल्य
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 1, 2 और 4
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) केवल 1, 3 और 4

42. निम्नलिखित में से कौनसे कथन कल्याण अर्थशास्त्र के लिए सही है–
1. किसी प्रतियोगी संतुलन से संसाधनों का परेटो-दक्ष आबंटन होता है.
2. प्रतियोगी संतुलन में संसाधनों का परेटो-दक्ष आबंटन नहीं होता है.
3. बाजार तंत्रों से पुनर्वितरण होने के चलते प्रतियोगी संतुलन से कोई दक्ष आबंटन प्राप्त हो सकता है.
4. समाज में संसाधनों का कोई परेटो-दक्ष आबंटन नहीं होगा.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 3 और 4

43. निम्नलिखित में से कौनसी स्थितियाँ उपादान कीमत निर्धारण के लिए सत्य हैं यदि उपादान बाजार पूर्णतया प्रतिस्पर्धी है और उत्पाद बाजार एकाधिकारिक है–
1. VMP > MRP
2. VMP और MRP दोनों कम हो रहे हैं.
3. VMP < MRP
4. $MRP_L = W$
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 1, 2 और 4
(D) केवल 1, 3 और 4

44. निम्नलिखित फलनों में किसका परिणाम एक ऐसा निवेश गुणक होगा, जिसका मान 4 है–
1. $C = 50 + \cdot 25\ Y$
2. $C = 50 + \cdot 75\ Y$
3. $S = -50 + \cdot 25\ Y$
4. $I = 50 + \cdot 75\ Y$
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 3 और 4
(C) केवल 1 और 4
(D) केवल 2 और 3

45. निम्नलिखित में से कौन कथन सही है ?
1. यदि प्रेक्षणों का चयन सौद्देश्य है, तो इसे गैर यादृच्छिक प्रतिचयन की विधि कहा जाता है.
2. यदि प्रेक्षणों का चयन संदर्भ रूप में किया जाता है, तो इसे गैर-यादृच्छिक प्रतिचयन की विधि कहा जाता है.
3. यदि प्रेक्षणों का चयन सुव्यवस्थित रूप में किया जाता है, तो इसे गैर यादृच्छिक प्रतिचयन की विधि कहा जाता है.
4. यदि प्रेक्षणों का चयन निर्णय के आधार पर किया जाता है, तो इसे गैर-यादृच्छिक प्रतिचयन की विधि कहा जाता है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) केवल 1, 2 और 4

46. निम्नलिखित में से मैट्रिक्स के सही अभिलक्षण कौनसे हैं ?
1. एक तादात्म्य मैट्रिक्स एक वर्ग मैट्रिक्स है.
2. एक तादात्मय मैट्रिक्स पक्षान्तरण होने पर तादात्म्य मैट्रिक्स ही रहता है.
3. $(A \cdot B)^T = A^T \cdot B^T$ जहाँ A और B मैट्रिक्स हैं.
4. $(A^{-1})^T = (A^T)^{-1}$ जहाँ A एक मैट्रिक्स है.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) केवल 3 और 4

47. जब विनिमय दर $ 1 (डॉलर) = ₹ 72 से 1 डॉलर = ₹ 68 में परिवर्तित होता है, तब–
1. रुपये के मूल्य में गिरावट होती है.
2. डॉलर के मूल्य में गिरावट होती है.
3. रुपये के मूल्य में वृद्धि होती है.
4. डॉलर के मूल्य में वृद्धि होती है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1 और 4
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 और 4
(D) केवल 1 और 2

48. निम्नलिखित में से कौनसा बाजार विफलता का स्रोत है ?
1. सार्वजनिक वस्तुओं का अस्तित्व
2. बाह्यताओं की उपस्थिति
3. यह तथ्य कि कुछ वस्तुएं उपभोग में प्रतिस्पर्धी है
4. एकाधिकारी का अस्तित्व
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1, 2 और 4
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) केवल 1, 3 और 4

49. निम्नलिखित में से किस-किस के कारण वाणिज्यिक बैंक की ऋण सृजन क्षमता कम हो जाएगी ?
1. सावधि व माँग जमा
2. ऋण
3. केन्द्रीय बैंक के पास जमा
4. हाथ में नकदी
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 और 4
(D) केवल 1 और 4

50. निम्नलिखित में से किन उपायों के फलस्वरूप अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि होगी ?
1. केन्द्रीय बैंक द्वारा जनसाधारण से सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद
2. जनसाधारण द्वारा वाणिज्यिक बैंकों में मुद्रा जमा करना
3. सरकार द्वारा केन्द्रीय बैंक से ऋण लेना
4. केन्द्रीय बैंक द्वारा जनसाधारण को सरकारी प्रतिभूतियों की बिकी
5. केन्द्रीय बैंक द्वारा परिचालन के लिए अधिक मुद्रा ढलाई/मुद्रण
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1, 3 और 5
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 1, 2 और 3
(D) केवल 2, 4 और 5

51. निम्नलिखित में किसके द्वारा आय में असमानताओं को मापा जाता है ?
1. लॉरेंज अनुपात
2. थेइल्स सूचकांक
3. पाल्मा अनुपात
4. वंचन अनुपात
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 1 और 4
(D) केवल 1, 2 और 3

52. निम्नलिखित में से कौन-कौन सही है ?
1. भारत में पर्यावरण व वन मंत्रालय की स्थापना 1985 में हुई थी.
2. केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की स्थापना 1984 में हुई थी.
3. पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1990 में आरम्भ हुआ था.
4. राष्ट्रीय पर्यावरण अपीली प्राधिकरण अधिनियम 1977 में पारित हुआ था.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 1, 2, 3 और 4 सभी
(B) केवल 2
(C) केवल 3
(D) केवल 1 और 4

53. निम्नलिखित में से किन तरीकों से भारत में कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में ढाचागत परिवर्तन हुए हैं ?
1. कृषि क्षेत्र में फसल विविधीकरण
2. पशुधन से खेती-बाड़ी को ओर विविधीकरण
3. गैर-व्यावसायिक फसलों में व्यावसायिक फसलों की ओर विविधीकरण
4. पारम्परिक आगतों से आधुनिक आयातों की ओर विविधीकरण
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1, 3 और 4
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 1, 2 और 4
(D) केवल 2, 3 और 4

54. 'निधि' (NIDHI) कार्यक्रम के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं ?
1. 'निधि' कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए स्टार्ट-अप आरम्भ करने के लिए चलाया गया.
2. इसका उद्देश्य स्टार्ट-अप के लिए हर वर्ष 20 विद्यार्थियों की वित्तीय सहायता करना है.
3. इसका उद्देश्य स्टार्ट-अप के लिए हर वर्ष 200 विद्यार्थियों की वित्तीय सहायता करना है.
4. इसका उद्देश्य स्टार्ट-अप के लिए हर वर्ष केवल पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों की वित्तीय सहायता करना है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1 और 4
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) केवल 3 और 4

55. निम्नलिखित में से कौनसे कथन वित्तीय वर्ष 2019-20 में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के सम्बन्ध में सही हैं ?
1. सेवा क्षेत्र का हिस्सा अधिकतम है.
2. आधारिक संरचना क्रियाकलापों का हिस्सा अधिकतम है.
3. कम्प्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का हिस्सा द्वितीय स्थान पर है.
4. दूरसंचार का हिस्सा अधिकतम है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 2
(D) केवल 3 और 4

56. तार्किक प्रत्याशा मॉडल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. मौद्रिक नीति निर्गत (Output) और रोजगार को प्रभावित नहीं कर सकती.
2. अति लघु अवधि में वास्तविक चरों को अप्रत्याशित बदलाव प्रभावित नहीं करेगा.
3. बाजारों में संतुलन की स्थिति है.
4. आर्थिक अभिकर्ता (Agent) अपनी प्रत्याशाओं को आकार देने में सभी सांगत उपलब्ध सूचनाओं का इस्तेमाल करता है.

naukaritak.com for RO Jan to Dec 2022

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1, 3 और 4
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4 सभी

57. निवेश के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों में कौनसे सही है/हैं ?
1. त्वरक मॉडल के अनुसार निवेश माँग आय में परिवर्तन के समानुपाती है.
2. जितना ही वास्तविक ब्याज दर अधिक होगी उतना ही पूँजी की किराया लागत अधिक होगी.
3. निवेश एक स्टॉक चर है.
4. ब्याज की वास्तविक दर ब्याज की अधिक दर और मुद्रास्फीति दर के समान होगी योग के बराबर होगी.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 4
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 3 और 4

58. सहसम्बन्ध विश्लेषण में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही है ?
1. दो चरों के बीच रैखिक सम्बन्ध की डिग्री को मापा जाता है.
2. पूर्वानुमान का सामर्थ्य सहसम्बन्ध विश्लेषण का भाग नहीं है.
3. सहसम्बन्ध विश्लेषण में से स्पियर-मैन का कोई योगदान नहीं है.
4. सहसम्बन्ध विश्लेषण के माध्यम से कारण और प्रभाव का सम्बन्ध स्थापित किया जाता है.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) केवल 1 और 4

59. निम्नलिखित में से क्या-क्या कॉब-बगलस उत्पादन फलन के गुण नहीं है ?
1. कॉब-डगलस उत्पादन फलन एक सजातीय उत्पादन फलन है.
2. आगत की औसत व सीमांत उत्पादकता का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्र अधोमुखी ढलवा नहीं हैं.
3. कॉब-डगलस उत्पादन फलन में श्रम और पूँजी की सीमांत उत्पादकता पूँजी-श्रम अनुपात का फलन है.
4. कॉब-डगलस उत्पादन फलन के सम-उत्पादक वक्र (Iso-quants) धनात्मक रूप में ढलवां हैं.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 4
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 3 और 4

60. भुगतान संतुलन में घाटे में सुधार हेतु क्या किया जा सकता है ?
1. आयात नियंत्रण
2. निर्यात प्रोत्साहन
3. विदेशी मुद्रा नियंत्रण
4. अवमूल्यन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 1, 2, 3 और 4 सभी
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 3 और 4
(D) केवल 1, 2 और 3

61. साधन कीमत समता सिद्धान्त द्वारा किन संगत दशाओं को माना जाता है ?
1. वे देश जो विभिन्न साधन इंडाऊमेंट्स की विशेषता वाले हैं.
2. वे देश जो विभिन्न उत्पादन प्रकार्यों की विशेषता वाले हैं.
3. वे उद्योग जो विभिन्न साधन तीव्रता की विशेषता वाले हैं.
4. प्रत्येक देश वस्तुओं का निर्यात करेगा जो इसके प्रचुर साधन का उपयोग करते हैं.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 1, 3 और 4
(C) केवल 1, 2 और 4
(D) केवल 2, 3 और 4

62. शून्य आधारित बजटन (ZBB) किस पर बल देता है ?
1. लागत-लाभ शर्तों पर आधारित संसाधनों पर आधारित आबंटन
2. असीमित घटिकी वित्त (Deficit financing) व्यवस्था
3. स्क्रैच से नया बजट अधिकार तैयार करना
4. व्यय के इतिहास की उपेक्षा करते हुए बजट तैयार करना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 1, 3 और 4
(C) केवल 2, 3 और 4
(D) केवल 1, 2 और 4

63. लिंग आधारित बजटिंग (Gender Budgeting) के लिए निम्नलिखित कथनों में से कौन सांगत हैं ?
1. महिलाओं के लिए पृथक् बजट बनाना.
2. भारत सरकार द्वारा जेंडर बजट बनाने की परम्परा नहीं है.
3. लिंग (Gender) परिप्रेक्ष्य से साथ बजट के प्रावधानों का मूल्यांकन.
4. लिंग (Gender) सशक्तिकरण के लिए जेंडर बजटिंग एक साधन के रूप में है.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 4
(C) केवल 3 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4 सभी

64. पर्यावरणीय कुजनेट्स वक्र (EKC) के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-कौन सही है ?
1. आय व पर्यावरणीय क्षति के बीच का सम्बन्ध विपर्यस्त U का आकार ले लेता है.
2. अप्रत्यावर्तनीय पर्यावरणीय क्षति के मामले में ईकेसी लागू है.
3. वैश्विक प्रदूषकों के सम्बन्ध में ई के सी लागू है.
4. ई के सी की प्राक्कल्पना आर्थिक संवृद्धि व प्रदूषण के बीच दीर्घावधि सम्बन्ध बनाने की है.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 4
(C) केवल 3 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4 सभी

65. पर्यावरणीय आकलन के लिए निम्न-लिखित में से कौन-कौन से कथन सही हैं ?
1. यात्रा लागत विधि पर्यावरणीय संसाधनों के मनो-विनोद मूल्य को मापती है.
2. सुखात्मक मूल्य निर्धारण का प्रयोग सम्पत्ति मूल्य से सम्बन्धित पर्यावरणीय सुविधाओं के लिए किया जाता है.
3. प्रतिस्थापन लागत विधि का प्रयोग प्राकृतिक संसाधनों को मानव निर्मित समतुल्य से प्रतिस्थापित कर दिया जाता है.

4. रक्षात्मक व्यय निवारक उपायों से सम्बन्धित है.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) 1, 2, 3 और 4 सभी

66. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I
(a) पूर्ण प्रतिस्पर्द्धा
(b) एकाधिकार
(c) एकाधिकारी प्रतिस्पर्द्धा
(d) अल्पाधिकार

सूची-II
1. उत्पाद में अनेक वास्तविक अथवा अनुबोधित अन्तर
2. उत्पाद में अल्प अथवा कोई अन्तर न होना
3. समरूपी उत्पाद
4. निकट अनुकल्प के बिना उत्पाद

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	3	1	2	4
(C)	2	4	1	3
(D)	3	4	2	1

67. सूची-I की सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I
(a) मेन्यू लागत
(b) मात्रात्मक सुगमता
(c) सार्वजनिक अतिव्यय
(d) मुद्रास्फीति व बेरोजगारी

सूची-II
1. मौद्रिक नीति
2. मुद्रास्फीति
3. फिलिप्स वक्र
4. राजकोषीय नीति

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	1	2	3	4
(C)	3	4	1	2
(D)	4	3	2	1

68. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I
(a) कार्ल फ्रेडरिख गॉस
(b) बहुसमरेखिता
(c) बहुलक
(d) सहसम्बन्ध गुणांक

सूची-II
1. केन्द्रीय प्रवृत्ति
2. ओ एस एस
3. कार्ल पियर्सन
4. स्पष्टकारी करों के बीच सम्बन्ध

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	1	2	3
(B)	3	4	1	2
(C)	2	4	3	1
(D)	2	4	1	3

69. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I
(a) उत्तल फलन
(b) आगत-निर्गत विश्लेषण
(c) रेखिक प्रोग्रामन
(d) सीमांत उपभोग-प्रवृत्ति

सूची-II
1. मूल चर
2. व्युत्पन्न (Derivative) का प्रयोग
3. हॉकिन्स साइमन शर्तें
4. मांग वक्र

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	1	2
(B)	2	3	1	4
(C)	3	4	1	2
(D)	4	1	3	2

70. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I
(a) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आपूर्ति पक्ष
(b) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का माँग पक्ष
(c) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की अवसर लागत
(d) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का वास्तविक लागत सिद्धान्त

सूची-II
1. डेविड रिकार्डो
2. बास्टेबल और अल्फर्ड
3. जी. ह्बर्लर
4. अल्फर्ड मार्शल और एजवर्थ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	4	2	3
(B)	4	1	2	3
(C)	1	4	3	2
(D)	4	1	3	2

71. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I
(a) कराधान के सिद्धान्त
(b) सार्वजनिक व्यय के सिद्धान्त
(c) कर का प्रभावी आपत्य
(d) सार्वजनिक व्यय से प्राप्त लाभ का दृष्टिकोण

सूची-II
1. यू. के. हिक्स
2. एडम स्मिथ
3. फिंडले शिरास
4. एरिक सिंडाल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	1	4
(B)	1	2	3	4
(C)	2	3	4	1
(D)	4	1	2	3

72. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I
(a) सिक्यूरिटी एक्सचेंज बोर्ड (SEBI)
(b) नेशनल सिक्यूरिटीज डिपोजिटरी लि. (NSDL)
(c) क्रेडिट रेटिंग इंफॉरमेशन सर्विस ऑफ इंडिया लि. (CRISIL)
(d) इन्वेस्टमेंट इंफॉरमेशन एंड क्रेडिट रेटिंग ऐजेंसी ऑफ इंडिया (ICRA)

सूची-II
1. 1991
2. 1992
3. 1988
4. 1996

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	4	3	2	1
(C)	3	2	4	1
(D)	2	4	3	1

73. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I
(a) एडम स्मिथ
(b) आर. रोडन
(c) डब्ल्यू. डब्ल्यू रोस्तोव
(d) कार्ल मार्क्स

सूची-II
1. बड़े धक्के का सिद्धान्त (Theory of Big Push)
2. पारम्परिक समाज
3. श्रमिकों की आरक्षित सेना
4. श्रम विभाजन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	1	2	3
(B)	2	3	1	4
(C)	3	2	4	1
(D)	1	4	3	2

74. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I

(a) आगे की पीढ़ी के उपयोग के लिए पर्यावरण का संरक्षण करना
(b) वैकल्पिक ईंधन की खोज आवश्यक है, क्योंकि पारम्परिक स्रोत गैर-नवीकरणीय स्रोत हैं
(c) वनों से प्राप्त लकड़ी इमारती लकड़ी के रूप में उपयोगी होती है
(d) कीट-पतंगे महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे परागण में मदद करते हैं

सूची-II

1. अप्रत्यक्ष उपयोग मूल्य
2. विकल्प मूल्य
3. वसीयत मूल्य
4. उपयोग मूल्य

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	3	2	4	1
(C)	2	4	1	3
(D)	3	4	2	1

75. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I

(a) एन आई आर बी आई के
(b) आयुष्यमान भारत
(c) प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा (PMUG)
(d) निष्पादन, प्राप्ति व व्यापार (PAT)

सूची-II

1. लाखों परिवारों को पाईप के द्वारा रसोई गैस प्रदान करने की परियोजना
2. ऊर्जा दक्षता वृद्धि करने की स्कीम
3. निर्यात ऋण बीमा स्कीम
4. प्राथमिक, द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्र में स्वास्थ्य मुद्दों से सम्बन्धित कार्यक्रम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	1	4
(B)	3	4	2	1
(C)	2	4	3	1
(D)	3	4	1	2

76. उपभोक्ता व्यवहार की निम्नलिखित संकल्पनाओं को कालक्रमानुसार लगाएं–

1. ह्रासमान सीमांत उपयोगिता नियम
2. माँग का नियम
3. उद्घाटित वरीयता विश्लेषण
4. अनधिमान वक्र विश्लेषण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 1, 2, 4, 3 (B) 2, 1, 4, 3
(C) 2, 1, 3, 4 (D) 1, 2, 3, 4

77. निम्नलिखित व्यवसाय चक्रों को उनकी अनुमानित अवधि के अनुसार आरोही क्रम में लगाएं–

1. कोन्द्रातिएव चक्र
2. किचिन चक्र
3. जुगुलर चक्र
4. कुज्नेट्स चक्र

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 3, 2, 1, 4 (B) 2, 3, 4, 1
(C) 1, 3, 2, 4 (D) 4, 1, 3, 2

78. शोध करने के पारंपरिक अर्थमित्तीय पद्धति में उचित क्रम को पहचानिए–

1. आँकड़ा संग्रहण
2. नीति-निर्धारण
3. परिकल्पना का परीक्षण करना
4. परिकल्पना का निर्माण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 4, 1, 2, 3 (B) 1, 4, 2, 3
(C) 4, 1, 3, 2 (D) 1, 2, 3, 4

79. निम्नलिखित का सही क्रम क्या है ?

1. उरग्वे दौर 2. केनेडी दौर
3. दोहा दौर 4. जेनेवा दौर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 4, 2, 1, 3 (B) 2, 4, 3, 1
(C) 1, 2, 3, 4 (D) 3, 1, 2, 4

80. भारत में निम्नलिखित करों की शुरूआत को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए–

1. सेवा कर
2. आयकर
3. बैंकिंग संव्यवहार कर
4. उपहार कर
5. माल और सेवा कर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 2, 4, 1, 3, 5 (B) 2, 1, 3, 5, 4
(C) 2, 3, 1, 4, 5 (D) 4, 2, 1, 3, 5

81. भारत में बैंक क्षेत्र के लिए गठित निम्नलिखित समितियों को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए–

1. उर्जित पटेल समिति
2. गोइपुरिया समिति
3. नरसिंहम समिति
4. चक्रवर्ती समिति

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 4, 3, 2, 1 (B) 1, 3, 4, 2
(C) 3, 2, 4, 1 (D) 4, 2, 3, 1

82. निम्नलिखित को उनके प्रचलन में जाने के कालक्रमानुसार लगाएं–

1. एस डी जी 2. एम पी आई
3. पी क्यू एल आई
4. एच डी आई

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 4, 3, 1, 2 (B) 3, 4, 2, 1
(C) 3, 2, 1, 4 (D) 4, 3, 2, 1

83. जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र संघ फ्रेमवर्क कंवेशन (UNFCCC) निम्नलिखित सम्मेलनों को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए–

1. कोपेनहेगेन सम्मेलन
2. दोहा सम्मेलन
3. पेरिस सम्मेलन
4. काटोवाइस सम्मेलन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 2, 3, 4, 1 (B) 4, 3, 2, 1
(C) 1, 2, 3, 4 (D) 3, 4, 2, 1

84. कृषि उत्पादकता और किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए भारत सरकार द्वारा आरम्भ की गई स्कीमों/कार्यक्रमों पर विचार कीजिए उन्हें उनके आरम्भ किए जाने के कालक्रमानुसार लगाएं–

1. मुद्रा स्वास्थ्य कार्ड योजना
2. किसान क्रेडिट कार्ड स्कीम
3. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
4. किसानों की आय को दोगुना करने का कार्यक्रम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 1, 2, 3, 4 (B) 2, 1, 3, 4
(C) 2, 3, 1, 4 (D) 2, 1, 4, 3

85. निर्धनता आकलन की निम्नलिखित समितियों को कालक्रमानुसार बनाएं–

1. अलघ समिति
2. लकडावाला समिति
3. तेंदुलकर समिति
4. रंगराजन समिति

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 1, 2, 3, 4 (B) 1, 3, 2, 4
(C) 2, 3, 1, 4 (D) 2, 1, 3, 4

86. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (R) के रूप में–

अभिकथन (A) : एकाधिकारवादी पर आरोपित एकमुश्त को उपभोक्ताओं पर अंतरित नहीं किया जा सकता है.

कारण (R) : एकमुश्त कर उसकी निर्धारित लागत का हिस्सा हो सकता है और यह उत्पादन की सीमांत लागत को प्रभावित करता है.

उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सही है, परन्तु (R) सही नहीं है

(D) (A) सही नहीं है, परन्तु (R) नहीं है

87. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (R) के रूप में–

अभिकथन (A) : लाभ को अधिकतम बनाने वाले उत्पादक के लिए सार्वजनिक वस्तुओं के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं है.

कारण (R) : यदि वह इसका उत्पादन करता है, वह लोगों को उसका उपभोग करने से बहिष्कृत करने में असमर्थ है और इसलिए वह मूल्य पारित नहीं कर सकता है.

उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सही है, परन्तु (R) सही नहीं है

(D) (A) सही नहीं है, परन्तु (R) सही है

88. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (R) के रूप में–

अभिकथन (A) : नव पूँजी संचयन तकनीकी का वाहक है.

कारण (R) : तकनीकी प्रगति नई मशीनों में सन्निहित होती है.

उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है

(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है

89. नीचे दो कथन दिए गए हैं–

कथन I : समाज कल्याण फलन (SWF) एक प्रकार का सामाजिक अनधिमान मानचित्र है जिसमें एक समान स्तर का सामाजिक कल्याण (SW) प्रदान करने वाले विभिन्न संयोजनों को दर्शाने वाले सामाजिक अनधिमान वक्र (SIC) हैं.

कथन II : सामाजिक अनधिमान वक्र उत्पत्ति में उत्तल या अवतल नहीं हो सकते हैं.

उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–

(A) कथन I और II दोनों सही हैं

(B) कथन I और II दोनों गलत हैं

(C) कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत है

(D) कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है

90. नीचे दो कथन दिए गए हैं–

कथन I : ओ एल एस विधि के अन्तर्गत एक पूर्वधारणा यह है कि समाश्रयण मॉडल पैरामीटर में रैखिक है यद्यपि चरों में यह रैखिक नहीं भी हो सकता है.

कथन II : ओ एल एस के अन्तर्गत स्पष्ट करने वाले चर का मूल्य कुछ भी हो, त्रुटि का प्रसरण अथवा विक्षोभ पद एक समान नहीं है.

उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–

(A) कथन I और II दोनों सही हैं

(B) कथन I और II दोनों गलत हैं

(C) कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत है

(D) कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है

निर्देश–(प्रश्न 91 से 95 तक) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

"मानिटरी पालिसी ट्रांसपेरेंसी एंड एंकरिंग ऑफ इनफ्लेशन एक्सपेक्टेशंस इन इंडिया" शीर्षक अध्ययन में भारत के लिए मौद्रिक नीति पारदर्शिता का एक सूचकांक बनाया गया है और मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं के स्थिरीकरण में पारदर्शिता की भूमिका की जाँच की गई है आनुभविक परिणाम दर्शाते हैं कि 2016 में नम्य मुद्रास्फीति लक्ष्य (FIT) को स्वीकार किए जाने के बाद से नीति पारदर्शिता के अंश में वास्तव में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है आगे, आनुभविक साक्ष्य इंगित करता है कि पूर्वानुमान लगाने वाले पेशेवरों और परिवारों की मुद्रास्फीति प्रत्याशाएं एफआईटी के बाद की अवधि में कमजोर रूप में स्थिर थी, यद्यपि परिवारों की प्रत्याशाएं अनिवार्य रूप में मुद्रास्फीति सह्य सीमा के भीतर नहीं थी. संक्रमण काल (2014 में स्वारोपिक अवस्फीतिकारी बहाव (Glide) मार्ग और एफआईटी को स्वीकार किए जाने के बाद) के दौरान वास्तविक मुद्रास्फीति व प्रत्याशाएं दोनों अवरोही मार्ग पर चली जिसकी परिणति इनके बीच एक सकारात्मक सम्बन्ध में हुई संक्रमण पूर्व की अवधि के दौरान जब सुस्पष्ट मुद्रास्फीति लक्ष्य अनुपस्थित का, प्रत्याशाएं भी, बेशक उच्चतर स्तर पर ही सही, समुचित रूप से स्थिर थी.

91. निम्नलिखित में से किन कालावधि को मौद्रिक नीति का संक्रमण काल कहा गया है–

(A) 2014-2016 (B) 2016-2020

(C) 2000-2014 (D) 2008-2014

92. मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं के स्थिरीकरण (Anchoring) का क्या हुआ ?

(A) मुद्रास्फीति प्रत्याशाएं सशक्त रूप में स्थिर हुई

(B) एफआईटी के बाद की अवधि में मुद्रास्फीति प्रत्याशाएं कमजोर रूप में स्थिर हुई

(C) वास्तविक और प्रत्याशित मुद्रास्फीति में कोई सम्बन्ध नहीं था

(D) अनुभव की गई व प्रत्याशित मुद्रास्फीति में ऋणात्मक सम्बन्ध था

93. निम्नलिखित में से कौनसा सूचकांक बनाया गया है–

(A) मौद्रिक नीति सूचकांक

(B) मुद्रास्फीति प्रत्याशा सूचकांक

(C) भारत के लिए मौद्रिक नीति पारदर्शिता सूचकांक

(D) पारदर्शिता सूचकांक

94. निम्नलिखित में से क्या आनुभविक साक्ष्य दर्शाया गया है ?

(A) नीति पारदर्शिता के अंश में गिरावट आई है

(B) नीति पारदर्शिता की श्रेणी में वृद्धि हुई है

(C) नीति पारदर्शिता के अंश में वृद्धि हुई है, परन्तु एफ आई टी के लागू होने के बाद से

(D) वास्तविक मुद्रास्फीति उच्च रही है

naukaritak.com for PD Jan to Dec 2022

95. निम्नलिखित में से किस समूह की मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं का आनुभविक परीक्षण किया गया ?
(A) केवल पूर्वानुमान लगाने वाले पेशेवरों का
(B) केवल परिवारों का
(C) पूर्वानुमान लगाने वाले पेशेवरों और परिवारों दोनों का
(D) न पूर्वानुमान लगाने वाले पेशेवरों का और न ही परिवारों का

निर्देश–(प्रश्न 96 से 100 तक) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

संरक्षण का एक तर्क जो आर्थिक सूक्ष्मपरीक्षण का डटकर सामना करता है वह है शिशु उद्योग वाला तर्क इसका मानना है कि किसी राष्ट्र के पास किसी वस्तु में सम्भाव्य तुलनात्मक श्रेष्ठता हो सकती है, परन्तु ज्ञान के अभाव में और उत्पाद की प्रारम्भिक कम मात्रा कई चलते वह उद्योग सुव्यवस्थित विदेशी प्रतिष्ठानों का सफलतापूर्वक मुकाबला नहीं कर पाता है. संरक्षण के लिए शिशु-उद्योग वाला तर्क सही है, परन्तु इसमें कई महत्वपूर्ण शर्तों की आवश्यकता है.

पहला, ऐसा तर्क विकासशील राष्ट्रों के लिए अधिक उचित है जहाँ पूँजी बाजार उचित तरीके से कार्य न करते हों दूसरा, अनुभव यह दिखा चुका है कि यदि एक बार संरक्षण दे दिया गया तो उसे हटाना कठिन होता है. तीसरा, जो व्यापार संरक्षण आयात शुल्क के रूप में दिया जा सकता है, उससे बेहतर संरक्षण शिशु उद्योग को समतुल्य उत्पादन राज-सहायता देकर दिया जा सकता है. इसका कारण यह है कि इस प्रकार के विशुद्ध घरेलू निरूपण को शिशु उद्योग की प्रत्यक्ष उत्पादन राज-सहायता जैसी विशुद्ध घरेलू नीति से ही दूर करना चाहिए साथ ही उत्पादन राज-सहायता का अधिक प्रत्यक्ष रूप है और इसे आयात शुल्क की तुलना में अधिक आसानी से हटाया जा सकता है, बेहतर नीति वह होगी कि उद्योग को प्रत्यक्ष राज-सहायता दी जाए उसी प्रकार बाह्य अलाभों को जन्म देने वाले क्रियाकलापों को हतोत्साहित करने के लिए शुल्क से बेहतर प्रत्यक्ष कर होगा, क्योंकि यह कर सापेक्ष मूल्यों और उपभोग का निरूपण नहीं करता है.

96. व्यापार संरक्षण का सबसे उपयुक्त साधन कौनसा है ?
(A) आयात शुल्क
(B) निर्यात शुल्क
(C) गैर-शुल्क प्रतिबन्ध
(D) उत्पादन राज-सहायता

97. विकासशील देशों की विशिष्टता होती है–
(A) मुद्रा बाजारों और पूँजी बाजारों दोनों की अनुपस्थिति
(B) पूँजी बाजारों का ठीक से कार्य न करना
(C) मुद्रा बाजारों का ठीक से कार्य न करना
(D) पूँजी बाजारों की अनुपस्थिति

98. सुस्थापित विदेशी प्रतिष्ठानों से मुकाबला करने में किसी उद्योग को किस कारण से बाधाएं आती हैं ?
(A) ज्ञान का अभाव और उत्पाद की प्रारम्भिक कम मात्रा
(B) लचीलेपन का अभाव
(C) बाजारों का अभाव
(D) मानव संसाधनों का अभाव

99. निम्नलिखित में से कौनसा बाह्य अलाभों को रोकने में प्रभावी होता है ?
(A) व्यापार नीतियाँ
(B) उत्पादन राज-व्यवस्था
(C) प्रत्यक्ष कर
(D) शुल्क

100. निम्नलिखित में से कौनसी घरेलू उद्योगों की प्रत्यक्ष सहायता है ?
(A) आयात नियंत्रण
(B) आयात कोटा
(C) उत्पादन राज-सहायता
(D) पेटेंट के अधिकार

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B)

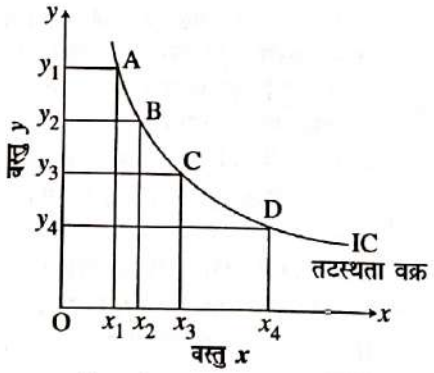

उपर्युक्त चित्र से स्पष्ट है कि x का उपभोग बढ़ने पर MRSxy घट रहा है.

2. (D) सामान्य आर्थिक सन्तुलन, किसी अर्थव्यवस्था में उस समय पाया जाता है जब सभी उपभोक्ता, सभी फर्में, सभी उद्योग तथा उत्पत्ति के सभी साधन एक साथ साम्यावस्था में हों. ये सभी घटक वस्तुओं और साधनों की कीमतों के द्वारा साम्य स्थापित करते हैं. सामान्य आर्थिक सन्तुलन का अध्ययन एक विशिष्ट (एकलता) समस्या विधमानता की समस्या तथा स्थिरता की समस्या के रूप में किया जाता है. नैतिक रूप से खतरनाक समस्या का सम्बन्ध सामान्य आर्थिक सन्तुलन से नहीं है.

3. (D) अल्पविधि उत्पादन फलन उत्पत्ति के साधनों की मात्राओं तथा उत्पादन की मात्रा के बीच वह सम्बन्ध है जिसमें प्रौद्योगिकी को स्थिर मानते हुए उत्पत्ति के अन्य सभी साधनों को स्थिर रखते हुए किसी एक साधन की मात्राओं में परिवर्तन करके उत्पादन की मात्रा प्राप्त की जाती है.

4. (C)

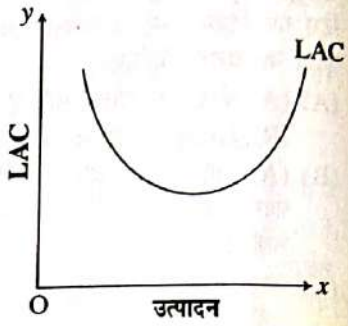

दीर्घकालीन औसत लागत वक्र U आकार का होता है. किसी फर्म को जब तक परिमाण मूलक सुलाभ (Economies of Scale) प्राप्त होते रहते हैं तब तक औसत लागत वक्र उत्पादन में प्रत्येक वृद्धि के साथ नीचे की ओर गिरता रहता है. परिमाण मूलक सुलाभ आंतरिक (किसी फर्म के भीतर) तथा बाह्य (फर्म के बाहर सम्पूर्ण उद्योग या आर्थिक जगत) दोनों ही प्रकार के होते हैं. आन्तरिक परिमाण मूलक सुलाभों में लेखांकन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं विपणन से होने वाले लाभों को शामिल किया जाता है. उच्च कौशल युक्त श्रम की सुलभता, उद्योग विशेष को प्रदत्त सब्सिडी या करों में छूट साझेदारी या संयुक्त उपक्रम आदि से जुड़े लाभों को बाह्य परिमाण मूलक सुलाभ कहा जाता है.

5. (C) अनिश्चितता के अन्तर्गत निर्णयन की स्थिति में यदि उपभोक्ता को दो विकल्पों से एक समान आय की प्रत्याशा होती है, तो वह प्रत्येक विकल्प के साथ संबद्ध जोखिम विचरण के आधार पर निर्णय लेता है.

6. (A) फिलिप्स वक्र के अनुसार बेरोजगारी एवं मौद्रिक मजदूरी में वृद्धि दर के बीच प्रतिलोभ सम्बन्ध होता है.

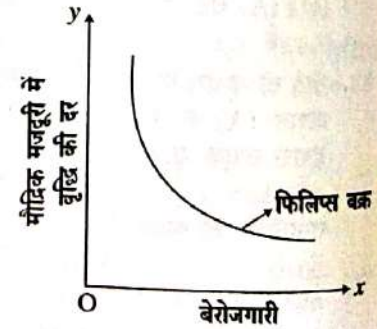

7. (B) 'मौद्रिक भ्रम' की संकल्पना सर्वप्रथम इरविंग फिशर द्वारा अपनी पुस्तक 'Money Illusion' में दी गई. 'मौद्रिक

भ्रम' वह स्थिति है जिसमें लोग करेंसी को उसके मूल्य (वस्तु और सेवाओं को क्रय कर सकने की क्षमता) के रूप में न देखकर उसके किसी समय विशेष पर प्रचलित मूल्य, जैसेकि ₹ 100 का नोट के रूप में देखते हैं.

8. (C) 'अति गुणक' की संकल्पना सर्वप्रथम जे.आर. हिक्स द्वारा प्रस्तुत की गई. स्वायत्त निवेश तथा प्रेरित निवेश का सम्मिलित प्रभाव 'अति गुणक' के रूप में व्यक्त किया जाता है. ऐसा गुणक और त्वरक के बीच अन्तःक्रिया के कारण होता है.

9. (B) $I = 50 + 0{\cdot}2y$

$S = -150 + 0{\cdot}4y$

$G = 50$

कुल निवेश = स्वायत्त निवेश (सरकारी व्यय) + प्रेरित निवेश

$\therefore \quad I' = G + I$

$= 50 + 50 + 0{\cdot}2y$

$S = -150 + 0{\cdot}4y$

साम्यावस्था में, $I' = S$

$50 + 50 + 0{\cdot}2Y = -150 + 0{\cdot}4y$

$250 = 0{\cdot}2y$

$y = \frac{250}{0{\cdot}2} = 1250$

राष्ट्रीय आय = 1250

10. (B) क्लासिकल द्विभाजन (Classical dicholomy) के अनुसार वस्तविक चर (Real Variables) मुद्रा की आपूर्ति में परिवर्तन तथा नामिक चरों में परिवर्तन से स्वतंत्र होते हैं, क्योंकि मुद्रा की आपूर्ति केवल कीमत स्तर को प्रभावित करती है न कि वास्तविक चरों को.

11. (C) पुरुष जन्म की सम्भाव्यता = 0·5 होने की कुल 8 सम्भावनाएं (3 बच्चों में पुरुष एवं स्त्री की सम्भावना) BBB, BBG, BGG, BGB, GGG, GGB, GBB, GBG

3 बच्चों वाले परिवार में दो बालकों एवं एक बालिका होने की सम्भावना = $\frac{3}{8}$.

12. (D) यदि आँकड़े दरों, अनुपातों, या समानुपातों में दिए गए हैं, तो ज्यामितीय माध्य को प्रयुक्त करना सर्वाधिक उपयुक्त है.

13. (C) प्रतिस्थापन के बिना सैम्पल साइज $(x) = 13$

प्रतिचयन वितरण का माध्य = 5 इकाइयाँ

जनसंख्या (N) = 49

तो जनसंख्या का विचरण = 86·67

14. (B) क्लासीकल रेखीय समाश्रयण मॉडल (Classical Linear Regression Model) की एक मान्यता के अनुसार X_i (Explanatory Variable) तथा U_i (error term) आपस में सहसम्बन्ध में नहीं होते.

क्लासीकल रेखीय समाश्रयण मॉडल निम्नलिखित मान्यताओं पर आधारित है–

1. समाश्रयण मॉडल रेखीय, सही ढंग से विशिष्टीकृत है तथा उसका एक जोड़ युक्त पद त्रुटि (विभ्रम) भी है.
2. विभ्रम पद का जनसंख्या माध्य शून्य है.
4. सभी विश्लेषणात्मक पदों का विभ्रम पद के साथ कोई सहसम्बन्ध नहीं है.
4. विभ्रमपद के अवलोकन एक दूसरे के साथ सह-सम्बन्धित नहीं है.
5. विभ्रमपद का एक स्थिरांक चर है.
6. कोई भी विश्लेषणात्मक चर किसी अन्य विश्लेषणात्मक चर का पूर्ण रेखीय फलन नहीं है.
7. विभ्रम पद का सामान्य वितरण है.

15. (C) यदि $X \cap Y = \phi$ तो $X - Y \neq X$ कथन गलत है.

$X \cap Y$ का अर्थ यह कि सेट X का कोई भी ऐलीमेन्ट = ϕ एक जैसा नहीं है. ऐसी दशा में $X - Y$ का अर्थ यह है कि X के कुछ एलीमेन्ट Y में नहीं हैं. इस प्रकार $X - Y \neq X$ गलत है.

16. (B) $Y = X^3 - 12X^2 + 36X + 8$

Y के अधिकतम होने की शर्त

$\frac{dy}{dx} = 0$

अर्थात् $\frac{dy}{dx} = 3X^2 - 24X + 36 = 0$

$\Rightarrow 3X^2 - 6X - 18X + 36 = 0$

$\Rightarrow 3X(X-2) - 18(X-2) = 0$

$\Rightarrow (3X - 18)(X - 2) = 0$

$\Rightarrow 3X - 18 = 0$

अथवा $X = 6$

$X - 2 = 0$

अथवा $X = 2$

$Y = X^3 - 12X^2 + 36X + 8$ में

$X = 2$ रखने पर

$Y = 2^3 - 12 \times 2^2 + 36 \times 2 + 8$

$= 8 - 48 + 72 + 8$

$= 88 - 48 = 40$

$Y = 6$ रखने पर,

$Y = 6^3 - 12{\cdot}6^2 + 36{\cdot}6 + 8$

$= 216 - 12 \times 36 + 36 \times 6 + 8$

$= 216 - 432 + 216 + 8$

$= 8$

17. (A) निर्धारक A का मूल्य एकान्वित (Unity) उसी दशा में हो सकता है, जब $A^{-1} = Adj(A)$ हों.

18. (D) रैखिक प्रोग्रामिंग समस्या (LPP) के सम्भाव्य क्षेत्र के भीतर, जो इष्टतम मान (अधिकतम या न्यूनतम) इंगित करता हो इष्टतम (सम्भाव्य) समाधान होता है.

जैसाकि निम्न चित्र से इंगित है–

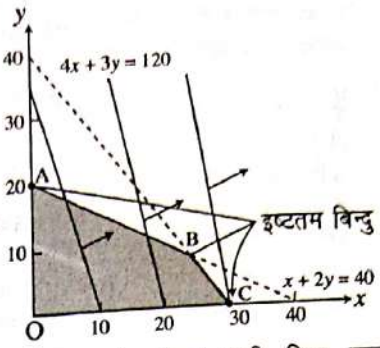

OABC के भीतर सभी बिन्दु इष्टतम समाधान देते हैं.

19. (C) व्यापार की शुद्ध वस्तु विनिमय दर

$= \frac{P_X}{P_M} = \frac{\text{निर्यात कीमतें}}{\text{आयात कीमतें}}$

20. (A) भुगतान सन्तुलन के पूँजी खाते की सभी मदें प्रवाह चर होती हैं.

21. (A) किसी देश में यदि अचानक ही आयात शुल्कों को समाप्त करते हुए युक्त व्यापार को अपना लिया जाता है तो आयात-प्रतिस्पर्धी उद्योग प्रतिकूल ढंग से प्रभावित होंगे. इन उद्योगों में उत्पादित वस्तुओं का आयात बढ़ जाएगा जो लघुकालिक बेरोजगारी को बढ़ा सकता है.

22. (D) इष्टतम प्रशुल्क उस बिन्दु पर स्थापित होता है जहाँ किसी देश A का व्यापार तटस्थता वक्र साझीदार देश B के प्रस्ताव वक्र को स्पर्श करता है. नीचे दिए गए चित्र में ऐसा बिन्दु P_2 पर हो रहा है.

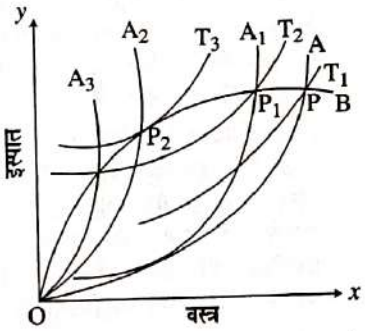

23. (C) सामाजिक उथल-पुथल उत्पन्न होने पर सरकार करों में वृद्धि करके अधिक राजस्व जुटाती है. जिससे सार्वजनिक व्यय में वृद्धि की जाती है. इस प्रकार करारोपण और सार्वजनिक व्यय की पुरानी व्यवस्था को नई व्यवस्था से प्रतिस्थापित कर दिए जाने को विस्थापन प्रभाव कहा जाता है.

24. (D) बाह्यताओं का सबसे सरल समाधान यह है कि बाह्यताओं से लाभ उठाने वालों या बाह्यताओं को उत्पन्न करने वालों से बाह्यताओं की यथोचित लागत को वहन करने के लिए कहा जाए. ऐसा तभी सम्भव है जब लोगों के पास सम्पत्ति के अधिकार हों और सौदेबाजी करने की शक्ति हो.

25. (A) विशुद्ध सार्वजनिक वस्तु के उत्पादन में दक्षता की ऐसी स्थिति अपेक्षित है जहाँ उत्पादन को उस बिन्दु तक जारी रखा जाए जहाँ i व्यक्ति का सीमान्त लाभ तथा

j व्यक्ति की संचित सीमान्त लाभ का योग सार्वजनिक वस्तु के उत्पादन की सीमान्त लागत के बराबर हों.

26. (A) एकमुश्त कर लगाने से एकाधिकारी के अतिरिक्त लाभ में कमी आती है, क्योंकि यह कर कुल स्थिर लागत के अतिरिक्त है. चूँकि स्थिर लागत उत्पादन के स्तर से स्वतन्त्र होती है, ऐसे करों को लागू करने से एकाधिकारी की सीमान्त लागत में कोई परिवर्तन नहीं होगा. इसलिए एकाधिकार बाजार में सन्तुलन समान रहेगा और फलस्वरूप, उत्पादन और कीमत अपरिवर्तित रहेगी.

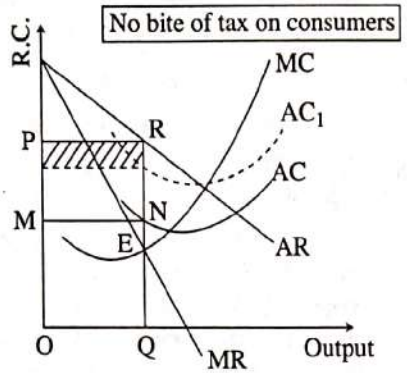

Lump sum tax and Monopoly

सन्तुलन बिन्दु E है, जहाँ MC = MR है. इस स्तर पर एकाधिकार आउटपुट और कीमत क्रमशः OQ और OP हैं. मान लें कि AC पूर्व लाभ कर औसत लागत वक्र है. एकाधिकारी को MNRP की सीमा तक सामान्य से अधिक लाभ प्राप्त होता है. लाभ कर (या एकमुश्त कर) लगाने के बाद, AC सन्तुलन उत्पादन और कीमत में परिवर्तन लाए बिना ACT में स्थानान्तरित हो जाता है.

इससे केवल एकाधिकारी के लाभ में कमी होती है, जैसाकि छायांकित क्षेत्र द्वारा मापा जाता है. वैसे भी, एकाधिकारी कर लगाने के बाद भी उपभोक्ताओं को प्रभावित नहीं कर पाता है, क्योंकि उन्हें उत्पाद उसी कीमत पर मिलता है.

27. (D)

28. (C) चलनिधि समायोजन सुविधा (LAF) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारत में उपयोग किया जाने वाला एक मौद्रिक नीति उपकरण है. आरबीआई ने 1998 के बैंकिंग क्षेत्र सुधारों पर नरसिम्हम समिति के सुझावों के हिस्से के रूप में एलएएफ की शुरूआत की.

29. (D) बैंक दर वह दर है, जिस पर रिजर्व बैंक विनिमय या अन्य वाणिज्यिक पत्रों के बिलों को खरीदने या फिर से भुनाने के लिए तैयार है. बैंक दर भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 49 के तहत् प्रकाशित की जाती है. इस दर को एमएसएफ दर के साथ जोड़ दिया गया है और इसलिए, नीति रेपो दर में परिवर्तन के साथ-साथ एमएसएफ दर में परिवर्तन हो जाता है.

30. (A) मानव विकास सूचकांक (HDI) मानव विकास के प्रमुख आयामों में औसत उपलब्धि का एक सारांश माप है–एक दीर्घ और स्वस्थ जीवन, जानकार होना (शिक्षा) और एक सभ्य जीवन स्तर (प्रति व्यक्ति आय) सहित एचडीआई तीन आयामों में से प्रत्येक के लिए सामान्यीकृत सूचकांकों का ज्यामितीय माध्य है.

अपनी 2010 की मानव विकास रिपोर्ट में, यूएनडीपी ने एचडीआई की गणना की एक नई पद्धति का उपयोग करना शुरू किया. निम्नलिखित तीन सूचकांकों का उपयोग किया जाता है–

1. जीवन प्रत्याशा सूचकांक (LE) = (LE-20)/(85-20)
   एलईआई 1 के बराबर होता है, जब जन्म के समय जीवन प्रत्याशा 85 वर्ष होती है और 0 जब जन्म के समय जीवन प्रत्याशा 20 वर्ष होती है.
2. शिक्षा सूचकांक (EI) = (MYSI + EYSI)/2
   2·1 स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष (MYSI) = MYSI/15.
   2025 के लिए इस सूचक का अनुमानित अधिकतम मान पन्द्रह वर्ष है.
   2·2 स्कूली शिक्षा सूचकांक के अपेक्षित वर्ष (EYSI) = EYSI/18
   अठारह वर्ष की आयु अधिकांश देशों में मास्टर डिग्री प्राप्त करने के बराबर है.
3. आय सूचकांक (II) = [LN (GNIPC) /LN (100)]/[LN (75000)-LN (100)
   II 1 है, जब GNI प्रति व्यक्ति $ 75,000 है और 0 जब GNI प्रति व्यक्ति $ 100 है.

अन्त में, HDI पिछले तीन सामान्यीकृत सूचकांकों का ज्यामितीय माध्य है: = $(LEI.EI.II)^{1/3}$.

31. (B) तटस्थ तकनीकी प्रगति वह है, जो पूँजी उत्पादन अनुपात को अपरिवर्तित रखती है, बशर्ते कि लाभ की दर स्थिर रहे. इस प्रकार, तकनीकी प्रगति की हैरोड की तटस्थता के लिए लाभ की दर r और पूँजी उत्पादन अनुपात K/Y दोनों की स्थिरता की आवश्यकता होती है. यदि लाभ की दर अपरिवर्तित रहती है और पूँजी उत्पादन अनुपात बढ़ता है, तो तकनीकी प्रगति श्रम में बचत करने वाली होगी. हैरोड तटस्थ तकनीकी परिवर्तन में, श्रम का कोई सीधा सन्दर्भ नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह से पूँजी और उत्पादन के बीच सम्बन्ध पर आधारित है, लेकिन पूँजी श्रम अनुपात और उत्पादन श्रम अनुपात तकनीकी परिवर्तन के बिना बदल सकता है, इसलिए, हैरोड की तटस्थता में, प्रति मशीन उत्पादन में वृद्धि उसी अनुपात में होगी जैसे प्रति व्यक्ति उत्पादन में वृद्धि.

32. (C) रॉबर्ट सोलो और ट्रेवर स्वान ने पहली बार 1956 में नवप्रतिष्ठित विकास सिद्धान्त पेश किया. सिद्धान्त कहता है कि आर्थिक विकास तीन कारकों–श्रम, पूँजी और प्रौद्योगिकी का परिणाम है, जबकि एक अर्थव्यवस्था में पूँजी और श्रम के रूप में संसाधन सीमित होते हैं, प्रौद्योगिकी से विकास में योगदान असीमित होता है. मीड ने अपनी पुस्तक 'ए नियो-क्लासिकल थ्योरी ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ' में सन्तुलन विकास की प्रक्रिया यानी स्थिर-विकास (Steady-State growth) का अध्ययन करने के लिए मॉडल का निर्माण किया. वास्तव में, मॉडल को यह दिखाने के लिए डिजाइन किया गया है कि किस तरह से प्रतिष्ठित आर्थिक प्रणाली का सबसे सरल रूप सन्तुलन विकास की प्रक्रिया के दौरान व्यवहार करेगा.

33. (A) एक तकनीकी परिवर्तन को तटस्थ कहा जाता है यदि यह न तो उसमें पूँजी की बचत होती है और न ही श्रम की बचत होती है अर्थात् यह इस अर्थ में तटस्थ है कि दोनों में से कोई भी कारक मार्जिन पर कम या ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं होता है. तटस्थता की दो परिभाषाएँ हैं. एक प्रो. हिक्स द्वारा दी गयी है और दूसरी प्रो. हैरोड द्वारा दी गयी है. प्रो. हिक्स के अनुसार, तटस्थता "एक आविष्कार है जो श्रम और पूँजी की सीमान्त उत्पादकता को समान अनुपात में बढ़ाता है." इस प्रकार, एक तकनीकी परिवर्तन तटस्थ होता है यदि पूँजी के सीमान्त उत्पाद और श्रम का अनुपात स्थिर पूँजी श्रम अनुपात पर अपरिवर्तित रहता है. हैरोड के अनुसार, तटस्थ तकनीकी प्रगति वह है, जो पूँजी उत्पादन अनुपात को अपरिवर्तित छोड़ देती है, बशर्ते कि लाभ की दर स्थिर रहे. इन मान्यताओं के तहत् प्रतिस्थापन की लोच का मान एक रहता है.

34. (C) अपरिष्कृत जन्म दर = 17·857
2011 में शहर X की जनसंख्या
= 2800000
जन्मों की कुल संख्या = 50000
प्रति 1000 जनसंख्या पर अशोधित जन्म दर

$$= \frac{50000}{2800000} \times 1000$$

$$= 17{\cdot}857$$

35. (C) Coase theorem (1960) के अनुसार, बाह्याताओं से उत्पन्न बाजार की अक्षमताओं के सामने, निजी नागरिक (या फर्म) एक पारस्परिक रूप से लाभप्रद, सामाजिक रूप से वांछनीय समाधान के लिए बातचीत करने में सक्षम होते हैं, जब तक कि बातचीत प्रक्रिया से जुड़ी कोई लागत नहीं होती है. इस बात की परवाह किए बिना कि क्या प्रदूषक को प्रदूषित करने का अधिकार है या औसत प्रभावित दर्शक को स्वच्छ वातावरण का अधिकार है, परिणाम के रूकने की उम्मीद है.

36. (D) वर्ष 2011 में कुल जनसंख्या में ग्रामीण जनसंख्या का हिस्सा हिमाचल प्रदेश में 89·96%, बिहार में 88·70%, ओडिशा में 83·33% और उत्तर प्रदेश में 77·73% था.

37. (A)

38. (A) राष्ट्रीय आय लेखांकन का आधार वर्ष 2004-05 से 2011-12 में बदला गया.

39. (C)

40. (C) 2020-21 की दूसरी तिमाही में कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों की वृद्धि दर 3·0% थी, इसके बाद बिजली, गैस, जल आपूर्ति और अन्य उपयोगिता सेवाओं में 2·6%, (–) 1·5% विनिर्माण में (–) 9·2% सामान्य प्रशासन में.

41. (B) 42. (B)

43. (C) इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि उत्पाद बाजार में एकाधिकार या अपूर्ण प्रतिस्पर्धा की शर्तों के तहत, कारक बाजार में पूर्ण प्रतिस्पर्धा मानते हुए, कारक को उसके सीमान्त उत्पाद के मूल्य से कम कीमत मिलेगी. कारक बाजार में पूर्ण प्रतिस्पर्धा और उत्पाद बाजार में एकाधिकार या अपूर्ण प्रतिस्पर्धा के अन्तर्गत फर्म के साम्य को निम्नलिखित चित्र में दिखाया गया है. चूँकि उत्पाद बाजार में अपूर्ण प्रतिस्पर्धा होने पर वीएमपी (VMP) एमआरपी (MRP) से अधिक होता है, वीएमपी वक्र एमआरपी वक्र से ऊपर होगा (सुविधा के लिए, हमने एमआरपी और वीएमपी वक्रों के केवल नीचे की ओर ढलान वाले हिस्से लिए हैं).

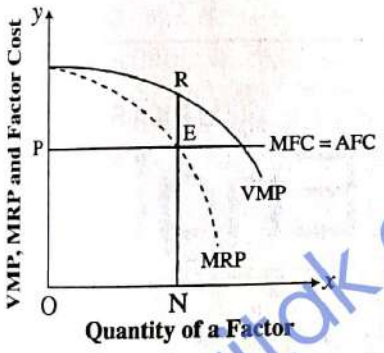

44. (D) (i) $C = 50 + 0{\cdot}25Y$

(ii) $C = 50 + 0{\cdot}75Y$

(iii) $S = 50 + 0{\cdot}25Y$

(iv) $I = 50 + 0{\cdot}75Y$

जैसा कि हम जानते हैं कि निवेश गुणक $k = 1/(1 - MPC)$,

हम यह भी जानते हैं कि MPC = $\Delta C/\Delta Y$ समीकरण (ii) से

एमपीसी = $\frac{AC}{\Delta Y} = 0{\cdot}75$; इसलिए निवेश गुणक $k = 1/(1–0{\cdot}75) = 1/0{\cdot}25 = 4$

या k = 1/MPS; MPS = $\Delta S/\Delta Y$

समीकरण (iv) MPS = $\Delta S/\Delta Y = 0{\cdot}25$,

इसलिए निवेश गुणक $k = 1/0{\cdot}25 = 4$

इसलिए उत्तर (D) सही है.

45. (D) यदि प्रेक्षणों को व्यवस्थित तरीके से चुना जाता है, तो इसे यादृच्छिक प्रतिचयन की विधि कहा जाता है.

46. (A) $n \times n$ एकल (identity) मैट्रिक्स है; इसके विकर्ण तत्व 1 के बराबर हैं और इसके offdiagonal तत्व 0 के बराबर हैं. एक एकल (identity) मैट्रिक्स जब स्थानान्तरित किया जाता है, तो एकल (identity) मैट्रिक्स रहता है.

47. (B) इस सन्दर्भ में, यूएस $1 खरीदने के लिए केवल ₹ 68 की आवश्यकता है, इसका मतलब है कि रुपए का अधिमूल्यन हो गया है; एक साथ US$1 के बदले कम रुपए प्राप्त होंगे, इसका मतलब है कि अमरीकी डॉलर का अवमूल्यन हो गया है.

48. (A) 49. (C)

50. (A)

A. सेन्ट्रल बैंक द्वारा जनता से सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद के परिणामस्वरूप जनता के पास अर्थात् बाजार में अधिक नकदी होगी.

C. सेन्ट्रल बैंक से सरकार द्वारा उधार लेने का मतलब सार्वजनिक व्यय के लिए सरकार के पास अधिक नकदी है.

E. सर्कुलेशन के लिए सेन्ट्रल बैंक द्वारा अधिक मुद्रा की ढलाई या नए करेंसी की छपाई का अर्थ है बाजार में अधिक नकदी.

इस प्रकार, A, C, E, सही हैं

51. (D) वंचन अनुपात सामाजिक वांछनीय सेवाओं जैसे चिकित्सा देखभाल में वंचन की स्थिति को मापता है, अन्य तीन का उपयोग समाज में असमानताओं को मापने के लिए किया जाता है.

52. (*) कोई विकल्प सही नहीं है–

A. भारत में पर्यावरण और वन मंत्रालय की स्थापना 1985 में नहीं 1947 में हुई थी.

B. केन्द्रीय प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड की स्थापना 1984 में नहीं, 1974 में हुई थी.

C. पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1990 में नहीं 1986 में अधिनियमित किया गया था.

D. राष्ट्रीय पर्यावरण अपीलीय प्राधिकरण अधिनियम, 1977 में नहीं 1997 में पारित किया गया था.

53. (A) भारत में कृषि का तीन प्रकार से विविधीकरण हुआ है–(i) फसल विविधीकरण, (ii) अब अधिक व्यावसायिक फसलें उगाई जाती हैं और (iii) आधुनिक इनपुट जैसे रासायनिक उर्वरक, HYV बीज, कीटनाशक, बेहतर सिंचाई, मशीनीकृत खेती का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है.

54. (B) NIDHI (नेशनल इनिशिएटिव फॉर डेवलपिंग एण्ड हार्नेसिंग इनोवेशन) उद्यमिता प्रभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा परिकल्पित और विकसित एक अम्ब्रेला कार्यक्रम है. निधि विचार के चरण से लेकर विपणन चरण तक स्टार्ट अप का समर्थन करता है. नेशनल इनिशिएटिव ऑन डेवलपिंग एण्ड हार्नेसिंग इनोवेशन (NIDHI) या आमतौर पर स्टार्टअप-निधि के रूप में जाना जाता है, जो छात्रों को फंडिंग के मामले में आवश्यक कदम के साथ स्टार्टअप की पेशकश करेगा. स्टार्टअप-निधि वित्तीय स्थिरता के साथ सालाना 20 छात्र स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए तत्पर है, जिसे उन्हें शुरू करने की आवश्यकता है. मुख्य रूप से, स्टार्टअप्स को छात्रों द्वारा स्थापित किया जाना चाहिए और न्यू जनरेशन इनोवेशन एण्ड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेन्टर/आईईडीसी/न्यूजेन आईईडीसी का छात्र स्टार्टअप होना चाहिए.

55. (A) वर्ष 2019-20 में सेवा क्षेत्र में एफडीआई 7854 मिलियन अमरीकी डॉलर था, इसके बाद कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर में यूएस $7673 मिलियन और दूरसंचार में यूएस $4445 मिलियन था.

56. (A) तर्कसंगत अपेक्षाएँ सिद्धान्त एक अवधारणा और मॉडलिंग तकनीक है, जिसका व्यापक रूप से मैक्रोइकॉनॉमिक्स में उपयोग किया जाता है. सिद्धान्त मानता है कि व्यक्ति अपने निर्णय तीन प्राथमिक कारकों पर आधारित करते हैं : उनकी मानवीय तर्कसंगतता, उन्हें उपलब्ध जानकारी और उनके पिछले अनुभव.

57. (A) निवेश एक प्रवाह है, स्टॉक नहीं. वास्तविक ब्याज दर ब्याज की नाममात्र दर में से मुद्रास्फीति दर को घटाने पर प्राप्त होती है.

58. (C) स्पीयरमैन ने सहसम्बन्ध के गुणांक की गणना के लिए रैंक सहसम्बन्ध विधि विकसित की है. सहसम्बन्ध विश्लेषण के माध्यम से कोई कारण और प्रभाव सम्बन्ध स्थापित नहीं होता है.

59. (B) कॉब डगलस प्रोडक्शन फंक्शन में निम्नलिखित गुण हैं–

* कॉब-डगलस उत्पादन फलन डिग्री वन का सजातीय उत्पादन फलन है.
* AP_L और MP_L और AP_K और MP_K वक्र नीचे की ओर झुके हुए हैं.
* श्रम और पूँजी की सीमान्त उत्पादकता पूँजी-श्रम अनुपात के फलन हैं.
* कॉब-डगलस उत्पादन फलन के समोत्पद वक्र ऋणात्मक रूप से ढलान वाले हैं.

60. (A) आयात नियन्त्रण बाहरी भुगतानों को कम करता है, निर्यात को बढ़ावा देने से निर्यात आय में वृद्धि होती है, विदेशी मुद्रा नियन्त्रण दुर्लभ विदेशी मुद्रा संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की अनुमति देता है और घरेलू मुद्रा का अवमूल्यन आयात को महँगा बनाता है और विदेशों में निर्यात को

naukaridak.com for RD Jan to Dec 2022

थोड़ा सस्ता बनाता है, जिससे आयात में कमी और निर्यात में वृद्धि होती है. शुद्ध परिणाम व्यापार घाटे में गिरावट के रूप में परिलक्षित होता है.

61. (B) कारक मूल्य समानीकरण निम्नलिखित मान्यताओं पर आधारित है–
   (i) प्रत्येक वस्तु से सम्बन्धित उत्पादन फलन पहले डिग्री के समान और सजातीय है. इसका तात्पर्य है कि उतपादन पैमाने के निरन्तर रिटर्न द्वारा नियन्त्रित होता है.
   (ii) दो वस्तुओं के लिए कारक-तीव्रताएँ भिन्न होती हैं. उदाहरण के लिए, वस्तु X श्रम प्रधान है, जबकि वस्तु Y पूँजी प्रधान है. इसका मतलब है कि कारक तीव्रता के उत्क्रमण का अभाव है.
   (iii) दोनों देशों में कारकों की उपलब्धता मात्रात्मक रूप से भिन्न है. देश ए को श्रम-प्रचुर मात्रा में माना जाता है, जबकि देश बी में पूँजी-प्रचुर मात्रा में है.
   (iv) पूर्ण विशेषज्ञता का अभाव है. इसका मतलब है कि दोनों देशों के बीच व्यापार होने के बाद भी दोनों वस्तुओं का उत्पादन जारी रखते हैं.
   (vi) दोनों देशों में कारक आपूर्ति तय है.
   (vii) प्रत्येक कारक का सीमान्त-भौतिक उत्पाद घट रहा है.

62. (B) 63. (C)

64. (B)

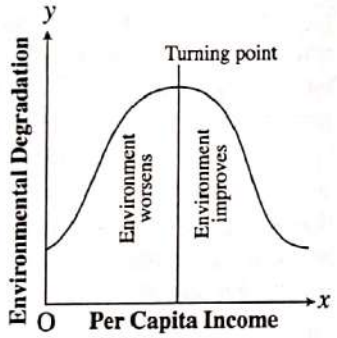

पर्यावरण कुजनेट वक्र (EKC) पर्यावरण की गुणवत्ता और आर्थिक विकास के बीच एक अनुमानित सम्बन्ध है–पर्यावरणीय गिरावट के विभिन्न संकेतक खराब हो जाते हैं, क्योंकि आधुनिक आर्थिक विकास तब तक होता है, जब तक औसत आय विकास के दौरान एक निश्चित बिन्दु तक नहीं पहुँच जाती.

65. (D) 66. (A) 67. (A) 68. (D)
69. (A) 70. (C) 71. (A) 72. (D)
73. (A) 74. (B)

75. (D) निर्विक योजना (निर्यात ऋण विकास योजना) भारतीय निर्यात ऋण गारण्टी निगम (ECGC) के तहत् कार्यान्वित एक योजना है; PM-JAY की विशेषताओं में निम्नलिखित शामिल हैं–10 करोड़ परिवारों या 50 करोड़ भारतीयों के लिए स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करना; सार्वजनिक और निजी दोनों तरह के सूचीबद्ध अस्पतालों में चिकित्सा उपचार के लिए प्रति परिवार प्रतिवर्ष ₹ 5 लाख का कवर प्रदान करना; अस्पताल या डॉक्टर के कार्यालय के माध्यम से कैशलेस भुगतान और पेपरलेस रिकॉर्डकीपिंग की पेशकश; प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा परियोजना का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में किया था. इस परियोजना का उद्देश्य वाराणसी, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, अन्य पड़ोसी राज्यों में लोगों को पाइप-लाइन एलपीजी उपलब्ध कराना है. परियोजना के तहत् पाइपलाइन की कुल लम्बाई लगभग 3,384 किमी है. प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (PAT) योजना ऊर्जा-गहन उद्योगों में विशिष्ट ऊर्जा खपत को कम करने के लिए एक नियामक साधन है, जिसमें अतिरिक्त ऊर्जा बचत के प्रमाणीकरण के माध्यम से लागत-प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए एक सम्बद्ध बाजार-आधारित तन्त्र के साथ व्यापार किया जा सकता है.

76. (B)

77. (B) कोंद्रातियेव वेव (Kondratiev) जिसका नाम रूसी अर्थशास्त्री निकोलाई कोंद्रातियेव के नाम पर रखा गया है, व्यापार चक्रों को सन्दर्भित करता है, जो लगभग 40 से 60 वर्षों तक चलता है, जिसे पूँजीवादी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा अनुभव किया जाता है; किचन साइकिल लगभग 40 महीनों का एक छोटा व्यापार चक्र है, जिसकी खोज 1920 के दशक में जोसेफ किचिन ने की थी. जुगलर चक्र 1862 में क्लेमेंट जुगलर द्वारा विकसित किया गया, 7 से 11 वर्षों का एक निश्चित निवेश चक्र है; कुजनेट्स स्विंग (या कुजनेट्स चक्र) एक मध्यम-श्रेणी की आर्थिक लहर है, जिसकी पहचान 1930 में साइमन कुजनेट्स द्वारा 15–25 वर्षों की अवधि के साथ की गई थी.

78. (C)

79. (A) गैट का जिनेवा दौर (1947); गैट का कैनेडी दौर (1964–1967); गैट का उरुग्वे दौर (1986–1993); विश्व व्यापार संगठन का दोहा दौर (जारी).

80. (A) आयकर (1860); उपहार कर (1958); सेवा कर (1994); बैंकिंग लेनदेन कर (2005); माल और सेवा कर (2017).

81. (D) चक्रवर्ती समिति (1985); गोइपोरिया समिति (1990); नरसिम्हम समिति-1 (1991); उर्जित पटेल समिति (2014).

82. (B) PQLI-फिजिकल क्वालिटी ऑफ लाइफ इंडेक्स (PQLI) को 1970 के दशक के मध्य में मॉरिस डेविड मॉरिस द्वारा विदेशी विकास परिषद् के लिए विकसित किया गया था, पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब उल हक ने 1990 में HDI (मानव विकास सूचकांक) बनाया था, जिसका उपयोग संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा देशों के मानव विकास के मापने के लिए किया गया था. वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) 100 से अधिक विकासशील देशों को कवर करने वाली तीव्र बहुआयामी गरीबी का एक अन्तर्राष्ट्रीय माप है. वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) 2010 में ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (OPHI) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा विकसित किया गया था और गरीबी की घटनाओं और तीव्रता को निर्धारित करने के लिए जनसंख्या के स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के संकेतकों का उपयोग करता है. SDG (सतत् विकास लक्ष्य) 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा स्थापित किए गए थे और 2030 तक हासिल करने का इरादा है.

83. (C) कोपेनहेगन सम्मेलन (2009); दोहा सम्मेलन (2012); पेरिस सम्मेलन (2015); केटोवाइस सम्मेलन (2018).

84. (B) मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना (2015); किसान क्रेडिट कार्ड योजना (1998); प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (2016); किसानों की आय दोगुनी करना कार्यक्रम (2018).

85. (A) अलग समिति (1973); लकड़ावाला समिति (1992); तेंदुलकर समिति (दिसम्बर 2009); रंगराजन समिति (2014).

86. (A) 87. (A) 88. (A) 89. (A)
90. (C) 91. (A) 92. (B) 93. (C)
94. (C) 95. (C) 96. (D) 97. (B)
98. (A) 99. (C) 100. (C)

●●●

UPKAR'S
English Essays
Useful for Competitive Examinations and Academic Studies
Code 1541
₹ 120.00
Major (Retd.) P. N. JOSHI
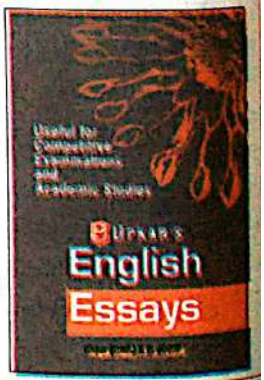
UPKAR PRAKASHAN
e-mail : care@upkar.in
website : www.upkar.in

मनोविज्ञान

1. त्वचा, आँखों और कानों से संवेदी सूचनाओं के संचार को केन्द्रीय स्नायु तन्त्र तक ले जाने वाले स्नायु निम्नलिखित में से कौनसे हैं ?
(A) अपवाही (B) अभिवाही
(C) कपालीय (D) परिधीय

2. किसी महिला को पता चलता है कि उसे किसी कम्पनी में उच्च पद पर प्रोन्नति से वंचित किया गया है, वह शीघ्र ही अपने बॉस के कार्यालय में जाती है और अपना क्रोध प्रदर्शित करती है; यह निम्नलिखित में से किसका उदाहरण है ?
(A) उदात्तीकरण
(B) यौक्तीकरण
(C) प्रतिक्रिया निर्माण
(D) प्रतिशमन

3. फेरोमोन्स के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सही है ?
(A) मस्तिष्क के भीतर पाये जाने वाले जैव रसायन जो व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित करते हैं
(B) जैव रसायन जो स्नायु कोशिका से स्नायु कोशिका को सूचना के अन्तरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं
(C) केन्द्रीय स्नायु तन्त्र में पाए जाने वाले रासायनिक संदेशवाहक हैं
(D) व्यक्ति द्वारा पर्यावरण में उत्सर्जित रासायनिक पदार्थ जिनसे दूसरों का व्यवहार प्रभावित होता है

4. उच्च प्रबलता और तीव्र आवृत्ति वाले उद्दीपन के पूर्व अंतर्ग्रंथी तन्त्रिका कोशिकाओं के क्रियाशीलन के पश्चात् होने वाली अंतर्ग्रंथी संचरण की स्थायी सुसाध्यता का वर्णन निम्नलिखित में से कौनसा करता है ?
(A) क्रियाविभव
(B) निरपेक्ष अननुक्रिया अवधि
(C) सापेक्ष अननुक्रिया अवधि
(D) दीर्घावधिक प्रभावकरण

5. यदि किसी व्यक्ति की विशिष्ट सामाजिक कोटि उस पुरुष या महिला को रूढ़धारणा अपनाने के लिए सहज रूप से प्रवृत्त करता है, तो इसे कहा जाता है—
(A) सांकेतिक एकीकरण
(B) नवयौनवाद
(C) अनुग्रहप्रापण
(D) सांकेतिक पूर्वाग्रह

6. निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है ?
(A) शरीर की नींद की आवश्यकता उम्र के अनुसार भिन्न-भिन्न होती है
(B) तृतीयक निवारण ऐसी प्रक्रिया है, जो समस्या को रोकने अथवा विपर्यित करने के उद्देश्य से किसी बीमारी अथवा चोट की पहचान करने और उसका उपचार करने हेतु की जाती है
(C) व्यायाम के दौरान एंडोर्फिन का स्राव होता है
(D) शराब के अत्यधिक सेवन के परिणामस्वरूप ललाट खण्ड सिकुड़ जाता है

7. वर्थीमर द्वारा बताई गई सोचने के टाईप 'a' प्रक्रिया में निम्नलिखित में से कौनसे शामिल है ?
(A) समूहीकरण और पुनर्गठन
(B) सदृशीकरण और अनुकूलन
(C) अज्ञात परीक्षण और त्रुटि
(D) आंशिक उत्पादी प्रक्रियाएँ

8. यदि किसी व्यक्ति की कालक्रमिक आयु 20 वर्ष और उसकी मानसिक आयु 16 वर्ष है, तो उसकी बुद्धि लब्धि क्या होगी ?
(A) 120 (B) 100
(C) 80 (D) 110

9. कोलबर्ग के अनुसार निम्नलिखित वक्तव्य नैतिक विकास की किस अवस्था को परिलक्षित करता है ?
"जब व्यक्तियों की ऐसी मान्यता होती है कि नैतिक विकल्प अन्य व्यक्तियों के साथ निकट सम्बन्ध पर आश्रित नहीं है और यह कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक समान रूप से नियमों को प्रवर्तन में लाया जाना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को इन्हें अक्षुण्ण बनाए रखना चाहिए."
(A) सामाजिक संविदा परिबोधन
(B) अन्तःवैयक्तिक सहयोग की नैतिकता
(C) सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने का परिबोधन
(D) सार्वभौमिक आचार सिद्धान्त निबन्धी परिबोधन

10. निम्नलिखित में से कौनसा कथन 'उत्तरदायित्व का विसरल' सप्रत्य की व्याख्या करता है ?
(A) अपनी संवेगात्मक कठिनाई को कम करने के लिए दूसरों की सहायता करते हैं
(B) किसी आकस्मिक स्थिति का जितनी अधिक संख्या में साक्ष्य होता है, प्रभावित लोगों को सहायता मिलने की सम्भावना उतनी ही कम होती है
(C) दूसरों की सहायता करना अपनी स्थिति और प्रतिष्ठा को बढ़ाने का माध्यम है
(D) समाजोन्मुखी कार्य, केवल आवश्यकता में किसी की सहायता करने की इच्छा से प्रेरित होते हैं

11. कैटेल ने निम्नलिखित में से किस के आधार पर तरल व स्फटित बुद्धि का अपना सिद्धान्त प्रस्तुत किया ?
(A) योग्यताओं के कारकों का प्रथम क्रम
(B) योग्यताओं के कारकों का द्वितीय क्रम
(C) योग्यताओं के कारकों का तृतीय क्रम
(D) योग्यताओं के कारकों का उच्चतर क्रम

12. व्यवहार व्यावहारिक अभिप्रायों का प्रत्यक्ष परिणाम है, इसकी व्याख्या निम्नलिखित में से किसकी है ?
(A) तार्किक क्रिया का सिद्धान्त
(B) सामाजिक प्रभाव का सिद्धान्त
(C) साम्यता का सिद्धान्त
(D) संगत अनुमान का सिद्धान्त

13. सुकरात के ग्रीक दर्शन के अनुसार यूडेमोनिया के बारे में निम्नलिखित में से क्या सही नहीं है ?
(A) इसका अर्थ है अच्छा जीवन व्यतीत करना अथवा समृद्धि
(B) यह मात्र आनन्द प्राप्त करनें से कहीं अधिक है
(C) गुणवान होना यूडेमोनिया के लगभग समरूप है
(D) गुणवान होना यूडेमोनिया की गारण्टी नहीं है

14. प्रसरण का बहुचरीय विश्लेषण (MANOVA) अनेक आश्रित परिवर्तों के निमित समूहवार तुलनात्मक अध्ययन के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है. यह निम्नलिखित में से कौनसे हैं ?
(A) असहसम्बन्धित चर
(B) संयत सहसम्बन्धित चर

(C) अति-उच्चित सह-सम्बन्धित
(D) या तो असहसम्बन्धित हो अथवा अल्प ऋणात्मक सह-सम्बन्ध हो

15. निम्नलिखित में से किसने यह प्रस्ताव किया कि भिन्न-भिन्न भावात्मक उद्दीपन एएनएस गतिविधि के भिन्न-भिन्न प्रतिमानों को उत्पन्न करते हैं और इन अलग-अलग प्रतिमानों से अलग-अलग संवेगात्मक अनुभव होते हैं ?
(A) जेम्स-लांजे
(B) कैनन-बार्ड
(C) सिंगर-शास्टर (Schachter)
(D) प्लूटचिक

16. किसी कार्य में वास्तव में लगने वाले समय से कम समय लगेगा, ऐसा सोचने की प्रवृत्ति कहलाती है–
(A) मायाविक चिंतन (Magical Thinking)
(B) नियोजन तर्कदोष
(C) आशावादी पक्षपात
(D) मूलभूत गुणारोपण त्रुटि

17. निम्नलिखित में से कौन-कौन पार्किंसन रोग तथा हंटिग्टन रोग के बीच सही अन्तर बताते हैं ?
(a) पार्किंसन रोग मध्य और वृद्धावस्था का विकार है, जबकि हंटिग्टन रोग युवावस्था का विकार है.
(b) पार्किंसन रोग एक गत्यात्मक विकृति है, जबकि हंटिग्टन रोग एक संवेगात्मक विकृति है.
(c) पार्किंसन रोग से भिन्न हंटिग्टन रोग का एक मजबूत आनुवंशिक आधार है.
(d) पार्किंसन रोग तीव्र मनोभ्रंश से सम्बन्धित नहीं है, जबकि हंटिग्टन रोग का सम्बन्ध है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (c) और (d)
(C) केवल (a), (c) और (d)
(D) केवल (b), (c) और (d)

18. स्मृति, जिसके बारे में समझा जाता है कि वह ऐसे ज्ञान, तथ्य, सूचना और विचारों को सम्मिलित करती है, जिनका शब्दों, तस्वीरों (चित्रों) व चिह्नों के रूप में दोबारा स्मरण या विवरण कर सकते हैं, कहलाती है–
(A) प्रक्रियात्मक स्मृति
(B) घटना सम्बन्धित स्मृति
(C) आर्थिकी स्मृति
(D) ज्ञापनीय स्मृति

19. वह नौजवान, जो घर छोड़ने के कुछ समय बाद अपने अधेड़ उम्र के माता-पिता के घर रहने के लिए वापस आ जाते हैं, उन्हें कहा जाता है–
(A) सैंडविच बच्चे
(B) हितैषी बच्चे
(C) बूमरैंग बच्चे
(D) अनुपालन करने वाले बच्चे

20. अधिगम के संज्ञानात्मक पहलुओं का अनुभव और अधिगम के संवेगात्मक पहलुओं के साथ सम्मेलन क्या कहलाता है ?
(A) अधिगम का एकीकृत उपागम
(B) संगामी शिक्षा (Confluent Education)
(C) शिक्षा के प्रति संवेगी वर्ग उपागम
(D) अधिगम का प्रेरणात्मक उपागम

21. निम्नलिखित में से किसको 'ओसगुड आर्थिक भिन्नता' के मूल्यांकन आयाम का उदाहरण नहीं माना जा सकता ?
(A) स्वच्छ – मलिन
(B) मन्द – तीव्र
(C) अच्छा (उत्तम) – बुरा
(D) दयालु – निर्भय

22. योग के सम्बन्ध में भारतीय दर्शन के किस मत में 'प्रकृति', स्वयं पर परम सत्य के सिद्धान्त के रूप में अलग रहती हैं और यह केवल 'पुरुष' की उपस्थिति में क्रियाशील और सेवार्थ उपलब्ध रहती है ?
(A) समग्र योग दर्शन
(B) वेदांत
(C) सांख्य
(D) सहज योग

23. एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक बुद्धि के कौटुम्बिक अन्तरण के संरूप का निम्नलिखित में से किसमें अन्वेषण किया जाता है ?
(A) संयोजन विश्लेषण अध्ययन (Linkage Analysis Studies)
(B) अंगीकरण अध्ययन (Adoption Studies)
(C) संबद्धता अध्ययन (Association Studies)
(D) वियोजन विश्लेषण अध्ययन (Segregation Analysis Studies)

24. शाब्दिक आक्रामकता की प्रवृत्ति दर्शाने वाले व्यक्तियों में होता है–
(A) व्यवहार सक्रियण तन्त्र के लिए अल्प सीमान्त
(B) फ्लाइट-फाइट तन्त्र के लिए अल्प सीमान्त
(C) व्यवहार प्रावरोध तन्त्र के लिए उच्च सीमान्त
(D) व्यवहार सक्रियण तन्त्र के लिए उच्च सीमान्त

25. व्यक्ति की पहले उद्दीपक की निरन्तरता के परिणामस्वरूप दूसरे उद्दीपक के प्रति प्रत्युत्तर देने में असफलता का क्या कारण हो सकता है ?
(A) घटना सम्बन्धी विभव (ERP)
(B) मनोवैज्ञानिक अननुक्रिया-काल (PRP)
(C) उपक्रामक प्रभाव (Priming Effect)
(D) अत्यधिक मानसिक प्रयास

26. कुछ लोग एक वस्तु का चित्र बनाने, उसके समान वस्तुओं के साथ मिलान करने और संघटक भागों का विवरण करने में सक्षम हैं, लेकिन जो वस्तु उन्होंने अभी देखी थी या बनाई थी उसको पहचानने में असक्षम होते हैं. इस घटना को निम्नलिखित में से कौन वर्णित करता है ?
(A) साहचर्यात्मक अभिज्ञान
(B) समबोधक अभिज्ञान
(C) चाक्षुक उपेक्षा
(D) आकार अभिज्ञान

27. अपनी योग्यताओं का अन्वेषण एवं उनकी समझ हमें खुशी तो देती है, परन्तु साथ ही नई जिम्मेदारियों और दायित्वों के प्रति भयाक्रान्त भी करती है. इसे कहते हैं–
(A) असफलता का भय
(B) जोना कॉम्प्लेक्स (मनोग्रंथि)
(C) अभिप्रेरण द्वंद्व
(D) सफलता का भय

28. शान्ति, सहिष्णुता, सामाजिकता, आराम-प्रेम तथा सहजता जैसी विशेषताएँ निम्नलिखित में से किसे प्रदर्शित करती हैं ?
(A) अंतरांगप्रधानता (Viscertonia)
(B) कायप्रधानता (Somatotonia)
(C) प्रमस्तिक प्रधानता (Cerebrotonia)
(D) लम्बाकृति (Ectomorphia)

29. एनराइट द्वारा प्रतिपादित क्षमा के मनोवैज्ञानिक प्रतिमान के किस चरण में व्यक्ति को अपराधी की संज्ञानात्मक सूझबूझ के सम्बन्ध में एक नए पक्ष का पता चलता है, जिसके फलस्वरूप अपराधी स्वयं और सम्बन्ध के बारे में सकारात्मक परिवर्तन दृष्टिगोचर होता है ?
(A) रहस्योद्घाटन चरण
(B) अभिनिश्चय चरण
(C) कार्य का चरण (Work Phase)
(D) गहनता मूलक चरण (Deepening Phase)

naukritak.com for RD Jan to Dec 2022

30. संसार को जैसा है, वैसे ही बिना असन्तुष्टि के स्वीकार करना सम्भव है. बौध धर्म में निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है ?
(A) अष्ट मार्ग में सम्यक् विचार
(B) अष्ट मार्ग में सम्यक् ध्यान
(C) लोभ का परिहार
(D) सन्तोष/असन्तोष का होना

31. निम्नलिखित में से किसे 'संस्कृति-मुक्त परीक्षण' माना जाता है ?
(A) भाटिया का बुद्धि परीक्षण समूह
(B) कोफमैन बुद्धि परीक्षण
(C) वेश्लर वयस्क बुद्धि मापनी
(D) नागलीरी अवाचिक योग्यता परीक्षण

32. प्रक्षेपित मापक विशेष कर स्याहीधब्बा परीक्षण सूचकांक निम्नलिखित में से किसका मापन करते हैं ?
(A) सृजनात्मकता में नवीनता का सन्दर्भ से
(B) सृजनात्मकता का आशयात्मक सन्दर्भ
(C) विषय विशिष्ट सृजनात्मकता
(D) सामान्य सृजनात्मक विभव

33. जब एक लक्ष्य को केवल एक विशिष्ट लक्षण से परिभाषित किया जाए, जोकि उसके वैशिष्ट गुणमानचित्र में शामिल है और यह अवधान को अपनी तरफ खींचता है, उसे क्या कहा जाता है ?
(A) सम्बद्धता प्रभाव
(B) प्रकटीकरण (Pop-out) प्रभाव
(C) संयोजन प्रभाव (Conjunction)
(D) परिबोधी प्रभाव

34. निम्नलिखित से कौनसा 'क्रुस्कल वालिस परीक्षण' का समीपस्थ परामितिक विकल्प है ?
(A) स्वतन्त्र प्रतिचयन t परीक्षण
(B) युग्मित प्रतिचयन t परीक्षण
(C) स्वतन्त्र समूहों के लिए एक-दिशीय एनोवा
(D) पुनरावृत्तिक मापों का एक-दिशीय एनोवा

35. किस सिद्धान्त में निर्धनता का अवधारण समाज में पृथक्कृत वर्गों की मनो-वैज्ञानिक समस्या के रूप में किया जाता है ?
(A) गुणारोपण सिद्धान्त
(B) अवक्षयी स्व-नियन्त्रण सिद्धान्त
(C) दूरी सिद्धान्त
(D) निर्धनता के बहुकारक सिद्धान्त

36. दृश्यस्थानिक चित्रपट निम्नलिखित में से किसका संघटक है ?
(A) दीर्घावधिक स्मृति
(B) अल्पावधिक स्मृति
(C) कार्यशील स्मृति
(D) संवेदी स्मृति

37. निम्नलिखित में से किसने व्यक्तित्व अनुसन्धान में नियमान्वेषी उपागम पर बल दिया है ?
(A) आल्पोर्ट (B) आइजैंक
(C) युंग (D) गाल्टन

38. एक लड़के द्वारा लूटे जाने के बाद दुकानदार कहता है 'हमारे समुदाय के किशोरों से सावधान रहिए'. उसकी प्रतिक्रिया को निम्नलिखित में से क्या स्पष्ट करता है ?
(A) एल्गोरिथ्म
(B) उपलब्ध स्वतः शोध प्रणाली
(C) प्रतिनिधिक स्वतः शोध प्रणाली
(D) जुआरी मिथ्य भ्रम (Gambler's Fallacy)

39. परामर्शकर्ता के द्वारा सेवार्थी की 'आन्तरिक मनोदशा के सन्दर्भ' को समझ पाने का सम्प्रेषण करना किस प्रकार के परामर्श कौशल को दर्शाता है–
(A) प्रतिबिंबन
(B) केन्द्रीकरण
(C) तद्नुभूति
(D) सामाजिक प्रभावक

40. कामदर्शी प्रवृत्ति और आत्मप्रदर्शन रोग DSM-5 में निम्नलिखित में से किसमें शामिल है ?
(A) यौन सम्बन्धी दुष्क्रिया
(B) पैराफिलिक विकार
(C) अन्य दशाएं जोकि नैदानिक ध्यान पर केन्द्रित होती हैं
(D) विघटनकारी संवेग नियन्त्रण तथा आचरण विकार

41. ब्रोका के क्षेत्र के सम्बन्ध में निम्न-लिखित में से कौन-कौन सही हैं ?
(a) यह ललाट खण्ड में स्थित होता है.
(b) इसका कार्य वाकोत्पादन है.
(c) यह भाषा के संज्ञान और संक्रियण के पहलुओं से सम्बन्धित है.
(d) यह लोगों के लिए संकेत भाषा का प्रयोग करने में सहायक है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (c) और (d)
(C) केवल (a), (b) और (c)
(D) सभी (a), (b), (c) और (d)

42. निम्नलिखित में कौन प्लेटो के 'दो घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाले रथ' के विचार से उचित रूप से सम्बन्धित है ?
(a) इच्छा करने वाली आत्मा सारथी है.
(b) तर्क आत्मा मस्तिष्क में स्थित है.
(c) तर्क आत्मा को धैर्य ओर विनम्रता द्वारा प्रशासित किया जाता है.
(d) उत्साही आत्मा (Spirited Soul) को प्रतिष्ठा/मान को जानती है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (c)
(B) केवल (a) और (b)
(C) केवल (b) और (d)
(D) केवल (a), (c) और (d)

43. उत्प्रेरण हेतु जैववासिकी उपागम मुख्य-तया निम्नलिखित की व्याख्या करते हैं–
(a) व्यवहार का जैविकीय पहलू
(b) व्यवहार का विकासात्मक इतिहास
(c) उद्दीपक, हॉर्मोनल तथा तन्त्रिका जैविकीय घटनाओं के सम्बन्ध में व्यवहार के कारण
(d) व्यवहार के सन्निकट निर्धारक
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (c) और (d)
(C) केवल (a), (b) और (c)
(D) केवल (b), (c) और (d)

44. लॉफ्टस और पिकरेल (1995) ने लोगों से उनके बचपन में घटित घटनाओं के बारे में पढ़ने और सोचने को कहा एवं उन शोधकर्ताओं ने एक ऐसी घटना का वर्णन भी शामिल करने को कहा जोकि बिल्कुल काल्पनिक थी. एक-तिहाई प्रतिभागियों ने उस काल्पनिक घटना के बारे ऐसा वर्णन किया, जैसेकि उनके साथ वह वास्तव में घटित हुई हो. इसे कहते हैं–
(a) प्रत्यक्षदर्शी स्मृति
(b) मिथ्या स्मृति
(c) क्षणदीप्त स्मृति
(d) आत्मकथात्मक स्मृति
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (b)
(C) केवल (b) और (c)
(D) केवल (a)

45. निम्नलिखित में से कौनसी विशेषताएँ, आत्मनिष्ठ और पर्यावरणीय कारकों तथा तन्त्रिकीय और हॉर्मोनल प्रक्रियाओं के फलस्वरूप उत्पन्न संवेगों में प्रयुक्त होती हैं ?
(a) संवेग सुखवादी अनुभवों को जन्म देते हैं.
(b) संवेग संज्ञानात्मक स्पष्टीकरणों को उत्पन्न करने को उत्प्रेरित करते हैं.

(c) संवेग अनेक प्रकार के आन्तरिक, तन्त्रिका जैविकीय परिवर्तनों को उत्पन्न करती हैं.
(d) संवेग हमेशा पुरस्कारी व्यवहार को अभिप्रेरित करती हैं.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (b) और (c)
(C) केवल (a), (b) और (c)
(D) केवल (b), (c) और (d)

46. निरन्तर आप्तित परिवतों वाले द्विसमूह अभिकल्प में निम्नलिखित में से किस आकार माप का प्रयोग किया जा सकता है ?
(a) कोहेन का 'd'
(b) बिन्दु-द्विक्रमिक सहसम्बन्ध (Point biserial correlation)
(c) एटा वर्ग (Eta square)
(d) आंशिक एटा-वर्ग (Partial eta square)
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनिए–
(A) केवल (a)
(B) केवल (b) और (c)
(C) केवल (a), (b) और (c)
(D) केवल (a), (b) और (d)

47. निम्नलिखित में से कौनसे व्यक्तित्व के प्रक्षेपिक परीक्षण है ?
(a) थीमेटिक एपरसेपसन (टी.ए.टी.)
(b) रोटर का अधूरे वाक्य परीक्षण (आर.आई.एस.बी.)
(c) गटमेन स्केलोग्रम अनलसिस
(d) केन्ट-रोजेनोफ मुक्त साहचर्य परीक्षण
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (d)
(B) केवल (a), (b) और (c)
(C) केवल (a), (b) और (d)
(D) सभी (a), (b), (c) और (d)

48. निम्नलिखित में से कौन व्यवहारवाद के प्रभावों की सही रूप से व्याख्या करता है ?
(a) वाटसन के वैज्ञानिक मनोविज्ञान की संरचना मानवीय व्यवहार का अनुमान लगाने एवं नियन्त्रण किए जाने के लिए की गई.
(b) मेरी कवर जोन्स ने प्रतिअनुकूलन की प्रभावकारिता का अध्ययन किया.
(c) स्कीनर ने 'व्यवहार चिकित्सा' शब्द को प्रतिपादित किया और उन्हें इसका श्रेय भी दिया जाता है.
(d) लजारस ने थॉर्नडाइक के प्रभाव सिद्धान्त के विस्तार पर बल दिया.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (d)
(B) केवल (b) और (c)
(C) केवल (a) और (b)
(D) केवल (c) और (d)

49. अन्तर्गणक विश्वसनीयता किन परीक्षणों में सार्थक होती है ?
(a) व्यक्तित्व के प्रक्षेपिक परीक्षण
(b) लघु उत्तरों वाले लब्धि परीक्षण
(c) निबन्ध प्रकार के प्रश्नों वाले लब्धि परीक्षण
(d) आत्म-सूचित व्यक्तित्व प्रश्नावली
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (a) और (c)
(C) केवल (a), (b) और (c)
(D) केवल (b), (c) और (d)

50. अनुपालन लाभ के लिए निम्नलिखित में से कौनसी युक्तियाँ पारस्परिकता पर आधारित हैं ?
(a) बड़ी माँग रखकर छोटी माँग पूरी करना (The Door-in-the-face technique)
(b) 'यही पर्याप्त नहीं है' उपागम ("That's-Not-All" Approach)
(c) कुछ प्राप्त करने के लिए जोर लगाना (Playing hard to get)
(d) ऊँगली पकड़कर हाथ पकड़ने की तकनीक (Foot-in-the Door Technique)
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (a) और (c)
(C) केवल (b) और (d)
(D) केवल (c) और (d)

51. अनुक्रिया निर्माण में निम्नलिखित में से व्युत्क्रम का कौनसा प्रकार देखा जाता है ?
(a) अप्रत्यक्ष (b) प्रत्यक्ष
(c) चेतन (d) अवचेतन
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (d)
(B) केवल (b) और (c)
(C) केवल (b) और (d)
(D) केवल (a) और (c)

52. अभिवृत्तियों का क्लासिकी अनुबंधन बिना स्वः जागरूकता (अनजाने में) के निम्नलिखित में से किसके माध्यम से हो सकता है ?
(a) उपदेहलीय अनुबन्धन
(b) अवलोकनात्मक अधिगम
(c) केवल अनावृत्ति
(d) सामाजिक संजाल
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (b) और (c)
(C) केवल (a) और (c)
(D) केवल (b) और (d)

53. साइबर भयाभिभूत-कृत्य के बारे में कौनसे कथन सही हैं ?
(a) इसमें अन्तर्बाधा निवारण शामिल है.
(b) इसमें मूकदर्शक की कम भूमिका होती है.
(c) इसमें प्रतिशोध लक्ष्य का सामर्थ्य अधिक होता है.
(d) इसमें कोई साक्ष्य नहीं बचता है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (a), (b) और (c)
(C) केवल (b), (c) और (d)
(D) केवल (a), (b) और (d)

54. स्कूली सफलता के लिए निम्नलिखित में से अधिगम परिवेश के विषय में कौनसा उचित माना जाएगा ?
(a) आत्म छवि अधिगम के लिए अनिवार्य है.
(b) प्रेरणा और अध्ययन के लिए अति उच्च लक्ष्य का निर्धारण आवश्यक है.
(c) सफलता की अनुभूति पुनरावृत्ति से अधिक चुनौतीपूर्ण कार्य करने का परिणाम है.
(d) बच्चे की आध्यात्मिक पहचान अधिगम के लिए अनिवार्य है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (d)
(B) केवल (b) और (c)
(C) केवल (a), (c) और (d)
(D) केवल (b), (c) और (d)

55. निम्नलिखित में से कौन डब्ल्यूएआईएस (WAIS) के निष्पादन उपपरीक्षण हैं ?
(a) अंक विस्तार (Digit span)
(b) समरूपता (Similarities)
(c) अंक प्रतीक (Digit symbol)
(d) वस्तु समुच्चय (Object assembly)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (c)
(B) केवल (c) और (d)
(C) केवल (b), (c) और (d)
(D) केवल (a), (c) और (d)

56. स्कीनर द्वारा दी गई पुनर्बल प्रक्रिया के सन्दर्भ वाचिक प्रत्युत्तरों की श्रेणियाँ निम्नलिखित में से कौनसी हैं ?
(a) मैंड
(b) टैक्ट
(c) गूंजात्मक व्यवहार (Echoic Behaviour)
(d) आटोक्लिटिक व्यवहार
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (c) और (d)
(C) केवल (a), (b) और (c)
(D) केवल (a), (b), (c) और (d)

57. इनमें से किसका उपयोग 'सामाजिक संदर्भन' के लिए नहीं होता ?
(a) अनिश्चित परिस्थितियों तथा घटनाओं के अर्थ का वर्णन करने में से सहायता हेतु जानबूझकर दूसरों की भावनाओं के बारे में खोजबीन करना.
(b) यह लगभग 2-3 साल की उम्र के आस-पास होता है.
(c) नवजात सामाजिक संदर्भन में चेहरे के हाव-भाव का प्रयोग करते हैं.
(d) नवजात को किसी विशेष स्थिति में दूसरों के व्यवहार के महत्व को समझने की आवश्यकता होती है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (b)
(B) केवल (a) और (c)
(C) केवल (b) और (c)
(D) केवल (a) और (d)

58. निम्नलिखित में से कौन संज्ञानात्मक असंगति की विशेषता बतलाता है ?
(a) असंगति उन परिस्थितियों में होती हैं, जिनमें अनिवार्य अनुपालन शामिल हैं.
(b) असंगति निवारण के प्रयास वर्धित प्रान्तिक (Cortical) गतिविधि में प्रदर्शित होते हैं.
(c) असंगति को सीधे कभी कम नहीं किया जा सकता, अपितु यह केवल संज्ञेय को जोड़ने से ही हो पाती है.
(d) असंगति तब प्रबल होती है, जब हमारे पास हमारी अभिवृत्ति-असंगत व्यवहार का कोई तर्क नही होता.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a), (b) और (c)
(B) केवल (a), (b) और (d)
(C) केवल (b), (c) और (d)
(D) सभी (a), (b), (c) और (d)

59. नई 'मनोदशा चिकित्सा' (New Mood Therapy)–
(a) यह एक संज्ञानात्मक चिकित्सा है.
(b) यह अवसाद के उपचार के लिए बनी है.
(c) इसमें अनेक व्यवहारात्मक हस्तक्षेपों को शामिल किया गया है.
(d) यह एलिस द्वारा प्रतिपादित की गई थी.
(e) यह क्रिया प्रतिबद्धता चिकित्सा है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a), (b) और (e)
(B) केवल (a), (b) और (c)
(C) केवल (b) और (e)
(D) केवल (b), (c) और (d)

60. कार्यकारी स्मृति के निम्नलिखित घटक हैं–
(a) श्रवण इकाई
(b) शब्दार्थ इकाई
(c) केन्द्रीय कार्यांग (Central Executive)
(d) घटनाजन्य प्रतिरोध (Episodic Buffer)
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (a) और (c)
(C) केवल (b) और (d)
(D) केवल (c) और (d)

61. मेयर–सालोवे–कारुसो संवेगात्मक बुद्धि परीक्षण निम्नलिखित में से किनका मापन करता है ?
(a) सवेश बोध (प्रत्यक्षीकरण)
(b) विचार को सुगम बनाने के लिए संवेगों का प्रयोग
(c) संवेगों को समझना
(d) अंतर्निहित अभिप्रेरणा
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (c) और (d)
(C) केवल (a), (b) और (c)
(D) केवल (b), (c) और (d)

62. अधिसंज्ञान की निम्नलिखित में से कौनसी विशिष्टताएं हैं ?
(a) कूटकरण (b) विनियमन
(c) अनुश्रवण (d) मूल्यांकन
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a), (b) और (c)
(B) केवल (a) और (b)
(C) केवल (c) और (b)
(D) केवल (b), (c) और (d)

63. जेनसेन की लेवल-I व लेवल-II योग्यताओं को निम्नलिखित में से किनके सन्दर्भ में सर्वोत्तम समझा जा सकता है ?
(a) कार्यों की कठिनता व जटिलता
(b) एसईएस अन्तर
(c) नस्ली अन्तर
(d) लैंगिक अन्तर
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (c) और (d)
(C) केवल (a), (b) और (c)
(D) केवल (b), (c) और (d)

64. रोजेरियन उपागम में उद्गामी व्यक्तियों के लक्षण क्या हैं ?
(a) ईमानदार और मुक्त
(b) सांसारिक सुविधाओं और पुरस्कारों के प्रति उदासीन
(c) देख-भाल करने वाला (सुचिंतत)
(d) प्राधिकार पर पूर्ण विश्वास करने वाला
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल (a) और (b)
(B) केवल (c) और (d)
(C) केवल (a), (b) और (c)
(D) केवल (b), (c) और (d)

65. स्वास्थ्य के जैव-मनोसामाजिक प्रतिमान के बारे में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही है ?
(a) इसमें शरीर और मस्तिष्क के मध्य गहन अन्तःक्रिया होती है, यद्यपि ये पृथक् अंग हैं.
(b) रोगी की सक्रिय सहभागिता.
(c) स्वास्थ्य और व्याधि दोनों साथ-साथ चलती हैं.
(d) उपचार प्रक्रिया में औषधि चिकित्सा, शल्य चिकित्सा और विकिरण शामिल है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनिए–
(A) केवल (a), (b) और (c)
(B) केवल (a), (b) और (d)
(C) केवल (b), (c) और (d)
(D) सभी (a), (b), (c) और (d)

66. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (संकल्पना)

(a) तूरियावस्था (b) अपारविद्या

(c) पराविद्या (d) निदिधासन

सूची-II (विवरण)

1. परासंज्ञात्मक अनुभूति
2. चेतना की उच्च अवस्था
3. मीमांसात्मक ज्ञान
4. आनुभविक ज्ञान (Empirical Knowledge)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	2	4
(B)	2	3	4	1
(C)	2	1	3	4
(D)	3	2	4	1

67. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (चर प्रकार)

(a) कृत्रिम रूप से पृथक् चर

(b) सतत् व्यवहारिक चर

(c) सतत् जैविक चर

(d) छद्म चर

सूची-II (उदाहरण)

1. प्रतिक्रिया काल
2. लिंग (Gender)
3. चयनित, अचयनित, प्रतीक्षा सूची में, के सन्दर्भ में चयन परीक्षण
4. ऊँचाई

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	4	2
(B)	3	4	1	2
(C)	2	4	1	3
(D)	1	3	2	4

68. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (गहनता संकेत)

(a) गतिदिगंतराभास

(b) रचना प्रवणता

(c) अन्तरावस्था (Interposition)

(d) अभिसरण

सूची-II (व्याख्या)

1. दृष्टि क्षेत्र में एक ही बिन्दु पर दोनों आँखों को स्थिर रखना.
2. नजदीक की वस्तु द्वारा दूरस्थ वस्तु का आंशिक संरोधन.
3. सतही तत्वों के रूप, आकार और घनत्व में स्तरीय भिन्नता.
4. प्रतिकृति के एक भाग में दूसरे भाग के सापेक्ष संचलन.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	4	1
(B)	4	3	2	1
(C)	1	4	3	2
(D)	2	1	3	4

69. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (माप)

(a) सृजनात्मक उपलब्धि प्रश्नावली

(b) विचारणात्मक व्यवहार मापनी

(c) सक्रिय अपसरण माप के लिए वरीयता

(d) सहमतिजन्य आकलन प्रविधि

सूची-II (मनोवैज्ञानिक)

1. कारसन–पीटरसन–हिगिन्स
2. रून्को
3. बसादुर
4. अमाबाइल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	3	4	1	2
(D)	4	3	2	1

70. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (सूचकांक)

(a) सार्वभौमि सूचकांक

(b) प्रकटीकरण सूचकांक

(c) सत्य अनुक्रिया असंगति

(d) समायोजी न्यूनता सूचकांक

सूची-II (परीक्षण)

1. ओएटीबी
2. एमसीएमआई
3. एमएमपीआई
4. रोर्साक स्याही धब्बा परीक्षण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	3	4	1	2
(D)	4	3	2	1

71. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (सामाजिक सम्प्रत्यः)

(a) विवर्धन सम्भावना प्रतिमान (Elaboration Likelihood)

(b) वास्तविक द्वंद्व का सिद्धान्त

(c) ग्लास-क्लिफ

(d) विच्छेदवाद (Schism)

सूची-II (विवरण/व्याख्या)

1. लैंगिक रूढ़िता (धारणा)
2. प्रत्यायन के केन्द्रिक एवं परिधीय मार्ग
3. किसी समूह के महत्वपूर्ण पहलू में सैद्धान्तिक परिवर्तन
4. पूर्वधारणा के स्रोत के रूप में अन्तर-समूह स्पर्धा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	2	4
(B)	3	4	1	2
(C)	2	1	4	3
(D)	2	4	1	3

72. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (पारिवारिक चिकित्सा में संचार का तरीका)

(a) समनुरूप

(b) पलेकेटिंग

(c) आरोप प्रत्यारोपण

(d) उच्च विवेकपूर्ण

सूची-II (वर्णन)

1. आत्म-महत्व की हवा में रहना
2. दूसरों को अपने से ऊपर रखना
3. संसार को वस्तुपरखता और धैर्य से देखना
4. जुड़े होने के भाव के साथ-साथ प्रचुर लचीलापन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	2	4
(B)	2	3	1	4
(C)	4	2	1	3
(D)	4	1	2	3

73. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (सम्प्रत्यः)

(a) पारिस्थितिक गरीबी

(b) पीढ़ीगत गरीबी

(c) सापेक्ष गरीबी

(d) निरपेक्ष गरीबी

सूची-II (व्याख्या)

1. बाहर निकलने के साधन से असुसज्जित
2. समाज के औसत मानकों को पूरा करने में असक्षम
3. अनिवार्य वस्तुओं की कमी जैसे आवास, पेयजल और भोजन
4. पर्यावरणीय आपदाओं तलाक (सम्बन्ध विच्छेद) और अन्य मामले जैसेकि खराब स्वास्थ्य आदि के कारण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	4	2
(B)	3	1	4	2
(C)	4	1	2	3
(D)	4	2	1	3

74. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (सैद्धान्तिक सन्दर्भ)

(a) सहिंताकरण विशिष्टता परिकल्पना
(b) पुनः प्राप्य प्रेरित विस्मरण
(c) स्मृति का मनोबंध (Schema) सिद्धान्त
(d) प्रक्रमण स्तर का सिद्धान्त

सूची-II (व्याख्या)

1. भिन्न स्मृति भण्डारण का समर्थन नहीं करता है
2. अवांछित स्मृतियों का दमन
3. स्मृति पर प्रत्यभिज्ञान का श्रेष्ठता
4. अर्थ और ज्ञान का स्मृति पर प्रभाव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	4	1	3
(B)	3	2	4	1
(C)	1	2	3	4
(D)	4	1	2	3

75. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I

(a) कोगनिटिव एसेसमेन्ट सिस्टम
(b) होल्ड एवं डोन्ट होल्ड टेस्टस
(c) कोगनिटिव एसेसमेन्ट बैटरी
(d) डीफरन्सीयल अबिलिटी टेस्ट

सूची-II

1. दास
2. वेश्लर
3. कैटेल
4. इलियट

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	3	4	1	2
(D)	4	3	2	1

76. प्रवाह के प्रथम पाँच तत्वों को सही क्रम में लगाएं–

(a) ध्येय की स्पष्टता
(b) कार्यों की तत्काल प्रतिपुष्टि
(c) चुनौतियों और कौशल के बीच सन्तुलन
(d) जागरूकता और कार्यों का विलय
(e) चेतना से विकर्षकों का अपवर्जन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) (a), (b), (c), (d), (e)
(B) (a), (c), (b), (d), (e)
(C) (b), (c), (a), (e), (d)
(D) (c), (b), (a), (d), (e)

77. संज्ञान की यौगिक संकल्पना के अनुसार निम्नलिखित को व्यवस्थित कीजिए–

(a) ऐन्द्रिक रूपान्तरण मानस द्वारा कार्यित है.
(b) संज्ञान की वस्तु पर बुद्धि की प्रतिक्रिया.
(c) मन पर बाह्य वस्तुओं का अंकन.
(d) मनस द्वारा समावेशन और पृथक्करण.
(e) अहंकार के विषय में जानकारी.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) (c), (a), (e), (b), (d)
(B) (c), (a), (d), (e), (b)
(C) (a), (c), (d), (e), (b)
(D) (c), (a), (b), (d), (e)

78. निम्नलिखित सहसम्बन्धों को उनके सम्बन्ध की क्षमता के आधार पर आरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए–

(a) –0·75 (b) –0·30
(c) 0·40 (d) 0·68

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) (b), (c), (d), (a)
(B) (b), (a), (c), (d)
(C) (a), (b), (c), (d)
(D) (d), (c), (b), (a)

79. स्मृति की विभिन्न व्याख्याओं अथवा प्रतिमानों का विकास निम्नलिखित क्रम से होता है–

(a) बहुतल (Multistore)
(b) क्रियाशील स्मृति (Working memory)
(c) प्रक्रिया का स्तर (Level of processing)
(d) व्यतिकरण (Interference)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) (d), (a), (c), (b)
(B) (d), (c), (b), (a)
(C) (a), (b), (c), (d)
(D) (b), (c), (d), (a)

80. गार्डनर द्वारा बताई गई प्रथम पाँच बुद्धियों को सही क्रम में लगाएं–

(a) भाषायी बुद्धि
(b) तर्क-गणितीय बुद्धि
(c) स्थानिक बुद्धि
(d) गतिबोधक बुद्धि
(e) स्वाभाविक बुद्धि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) (a), (b), (c), (d), (e)
(B) (b), (a), (c), (e), (d)
(C) (c), (b), (a), (d), (e)
(D) (d), (c), (e), (b), (a)

81. नैक्स (सूफीवाद का स्वः) का निम्न से उच्चतर स्वः के क्रमानुसार लगाएं–

(a) ईश्वर को आह्लादित करने वाला स्वः
(b) विशुद्ध स्वः
(c) उत्प्रेरित स्वः
(d) प्रशांत स्वः
(e) आह्लादित स्वः

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) (e), (c), (a), (b), (d)
(B) (c), (d), (e), (a), (b)
(C) (c), (e), (a), (d), (b)
(D) (b), (c), (e), (d), (a)

82. मास्टर और जॉनसन के अनुसार निम्नलिखित में से कौन काम अनुक्रिया (Sexual Response) का सही क्रम है ?

(a) उत्तेजना
(b) इच्छा
(c) समताप (Plateau)
(d) कामसन्तुष्टि
(e) उपशमन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) (a), (c), (d), (e)
(B) (b), (a), (d), (e)
(C) (b), (a), (c), (d)
(D) (a), (b), (c), (d)

83. थिबॉट और कीली (1959) द्वारा उनके सामाजिक विनिमय के सिद्धान्त में दिए गए सम्बन्ध अनुरक्षण में स्तरों का सही क्रम दर्शाएं–

(a) सौदेकारिता
(b) प्रतिबद्धता
(c) प्रतिदर्शन
(d) संस्थागतीकरण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) (a), (c), (b), (d)
(B) (c), (a), (b), (d)
(C) (b), (d), (a), (c)
(D) (c), (b), (d), (a)

84. किशोरावस्था में आत्म पहचान निर्माण (Identity Formation) का अनुक्रम दीजिए–
(a) संहति (b) अन्वेषण
(c) पुनर्मेल (d) विभेदन
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (b), (d), (c), (a)
(B) (d), (b), (a), (c)
(C) (d), (b), (c), (a)
(D) (c), (a), (b), (d)

85. इन्टरनेट व्यसन (Internet Addiction) के स्टॉप-स्टार्ट पुनरावर्तन चक्र को क्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए–
(a) खेद (b) युक्तिकरण
(c) पुनरावर्तन (d) परिहार
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (a), (d), (b), (c)
(B) (b), (a), (d), (c)
(C) (d), (a), (c), (b)
(D) (a), (b), (d), (c)

86. नीचे दो कथन दिए गए हैं–
एक **अभिकथन (A)** के रूप में लिखते है, तो दूसरा उसके **कारण (R)** के रूप में–
अभिकथन (A) : पुरुषों की तुलना में महिलाओं में प्रधान (dominant) गुण-सूत्रों के संवहन की सम्भावना दोगुनी होती है.
कारण (R) : पुरुषों की तुलना में महिलाओं में दो 'X' गुणसूत्र होते हैं.
उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है
(D) (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है

87. नीचे दो कथन दिए गए हैं–
एक **अभिकथन (A)** के रूप में लिखते है, तो दूसरा उसके **कारण (R)** के रूप में–
अभिकथन (I) : एडवर्ड पर्सनैलिटी प्रिफरेन्स सेड्यूल (ई.पी.पी.एस.) में फॉर्स्ड चयन प्रारूप का प्रयोग होता है.
अभिकथन (II) : फॉर्स्ड चयन प्रारूप का प्रयोग प्रायः सामाजिक वांछित प्रत्युत्तर रोकने के लिए होता है.
(A) अभिकथन (I) और (II) दोनों सही हैं
(B) अभिकथन (I) और (II) दोनों सही नहीं हैं
(C) अभिकथन (I) सही है, लेकिन अभिकथन (II) सही नहीं हैं
(D) अभिकथन (I) सही नहीं है, लेकिन अभिकथन (II) सही हैं

88. नीचे दो कथन दिए गए हैं–
एक **अभिकथन (A)** के रूप में लिखते है, तो दूसरा उसके **कारण (R)** के रूप में–
अभिकथन (A) : पुनर्बलन की निर्धारित अन्तराल सूची में व्यवहार पर निर्धारित समयावधि में पुनर्बलन किया जाता है.
कारण (R) : जब छात्रों को समय-समय पर जानकारी (Feedback) प्राप्त होती है, तो उनके कार्य-निष्पादन का स्तर बढ़ जाता है.
उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है
(D) (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है

89. नीचे दो कथन दिए गए हैं–
एक **अभिकथन (A)** के रूप में लिखते है, तो दूसरा उसके **कारण (R)** के रूप में–
अभिकथन (A) : कैटेल ने Q_1, Q_2, Q_3 और Q_4 घटकों को 16 PF में शामिल किया.
कारण (R) : कुछ घटक केवल L प्र:दत्त में पाए गए थे, Q तथा T प्र:दत्तों में नहीं.
उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है
(D) (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है

90. नीचे दो कथन दिए गए हैं–
एक **अभिकथन (A)** के रूप में लिखते है, तो दूसरा उसके **कारण (R)** के रूप में–
अभिकथन (A) : लेविन ने बलपूर्वक कहा कि परोहार–परिहारद्वन्द्व तुलनात्मक रूप से अधिक स्थिर हैं.
कारण (R) : विपरीत वेग असन्तुलन की अवस्था को बनाए रखना चाहते हैं.
उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है
(D) (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है

निर्देश–(प्रश्न 91 से 95 तक) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए एवं निम्नलिखित पाँच प्रश्नों का उत्तर दीजिए–

एक मनोवैज्ञानिक एच.एस.एस.सी. विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी भाषा प्रयोग परीक्षण बनाना चाहता है. उसने भाषा प्रयोग में विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित 120 प्रश्न बनाए. प्रत्येक प्रश्न के पाँच उत्तर विकल्प दिए, जिनमें से एक सही था. परीक्षण के प्रारूप संस्करण को 200 विद्यार्थियों के एक प्रतिदर्श पर दिया गया. परीक्षण के मदों का दो प्रकार से विश्लेषण किया गया. एक मद-बाकी मद सहसम्बन्ध तथा दूसरा मद-विभेदीकरण सूचकांक. मद-विभेदीकरण सूचकांक प्राप्त करने के लिए उसने पी-27 से नीचे वालों को **निम्न अंकगणक** तथा पी.73 से ऊपर वालों को **उच्च अंकगणक** विषयी (पी.27 तथा पी.73 के मूल्य पूरी संख्या में हो). विभेदीकरण सूचकांक की सांख्यिकी सार्थकता का निर्धारण किया गया. अन्ततः मद विश्लेषण में 90 मद रखे गए. फिर इस नए संस्करण को नए 400 विषयों के प्रतिदर्श पर प्रशासित किया गया. क्रोनबैक एल्फा का निर्धारण किया, परन्तु उसने यह भी सोचा कि परीक्षण की के.आर. विश्वसनीयता की भी जाँच की जाए, क्योंकि क्रोनबैक एल्फा काफी उच्च ·947 था तथा परीक्षण काफी लम्बा है, तो उसने परीक्षण के दो समानान्तर प्रारूप तैयार करने का निर्णय लिया, जिसमें प्रत्येक में 45 मद होंगे. प्रारूप A और B में यादृच्छित रूप से 45-45 मद रखे. प्रत्येक प्रारूप के लिए उसने औसत अन्तर्मद सहसम्बन्ध, मध्यमान, मानक विचलन तथा

क्रोनबैक एल्फा की गणना की गई. दोनों प्रारूपों ने समानान्तर प्रारूप के आधारभूत मानदण्ड प्राप्त किए.

91. निम्नलिखित गणक समूह में 30 विषयों ने प्रथम मद पास किया तथा उच्च गणक समूह में 56 विषयों ने पास किया.
इस आधार पर मद नं. 1 का विभेदीकरण सूचकांक क्या होगा ?
(A) 0·241 (B) 0·481
(C) 0·556 (D) 0·796

92. विभेदीकरण सूचकांक की सांख्यिकीय सार्थकता मापने के लिए निम्नलिखित परीक्षणों में से किसका उपयोग किया जा सकता है ?
(A) काई. स्क्वेयर परीक्षण
(B) टी. परीक्षण
(C) एफ. परीक्षण
(D) मान-व्हीटने यू परीक्षण

93. प्रारूप A का सम्भावित क्रोनबैक एल्फा क्या होगा ?
(A) 0·474 (B) 0·899
(C) 0·913 (D) 0·947

94. नीचे दो कथन दिए गए हैं–
एक **अभिकथन (A)** के रूप में लिखते हैं, तो दूसरा उसके **कारण (R)** के रूप में–
अभिकथन (A) : उपर्युक्त परीक्षण में के.आर. विश्वसनीयता का परिकलन सम्भव नहीं, क्योंकि प्रत्येक मद के पाँच विकल्प हैं.
कारण (R) : के.आर. विश्वसनीयता केवल तब ही परिकल्पित की जा सकती है, जब मदों का अंकन दो अंकों में किया जाता हो.
उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है
(D) (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है

95. अन्तर्मद सह-सम्बन्ध की गणना के लिए निम्नलिखित में से कौनसा उपयुक्त है ?
(A) प्वाईन्ट बाई–सीरियल सह-सम्बन्ध
(B) बाई–सीरयल सह-सम्बन्ध
(C) कोरी अन्तर सह-सम्बन्ध
(D) फाई–सह-सम्बन्ध गुणांक

निर्देश–(प्रश्न 96 से 100 तक) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और नीचे दिए गए पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

एक प्रायोगिक मनोवैज्ञानिक दो परिकल्पनाओं का परीक्षण करना चाहते थे. पहली परिकल्पना में प्रस्तावित था कि दबाव का क्रमिक अधिगम की दर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा. दूसरी परिकल्पना में प्रस्तावित था कि सामग्री का प्रकार (निरर्थक *बनाम* सार्थक) से दबाव का प्रभाव संयमित होगा. उस मनोवैज्ञानिक ने दबाव (A) को तीन स्तरों पर (न्यून, मध्यम और उच्च) और सामग्री के प्रकार (B) को दो स्तरों पर जोड़-तोड़ करके छः समूह बनाए. आरम्भिक विषयों में से प्रयोज्य व्यक्तियों को यादृच्छिक रूप से इन समूहों में समनुदिष्ट किया गया. 15 सीवीसी ट्राइग्राम की सूची में निरर्थक सामग्री थी और 15 त्रिवर्णीय सार्थक शब्दों की सूची में सार्थक सामग्री शामिल थी. सूची के अधिगम के लिए अपेक्षित विचारण की संख्या (प्रदःत्त) आश्रित परवर्त्त थी. प्राप्त प्रदःत का विश्लेषण प्रसरण के उपयुक्त विश्लेषण द्वारा किया गया. चयनित निष्कर्ष निम्नलिखित हैं–

1. छह समूहों के लिए बृहत्तर से लघुतम मानक विचलन का अनुपात एक के उचित सामीप्य में था.
2. त्रुटि प्रसरण के लिए स्वतन्त्रता की सीमा 135 थी.
3. दबाव के प्रभाव के लिए F अनुपात 0·95 था.
4. प्रत्येक प्रभाव के लिए प्रभाव आकार का परिकलन *एटा* वर्ग और आंशिक *एटा* वर्ग दोनों प्राप्त करके किया गया.

96. उपर्युक्त अभिकल्प की सर्वोत्तम व्याख्या निम्नलिखित में से किस रूप में की जा सकती है ?
(A) यादृच्छिक 3 ×2 सन्तुलित कारक अभिकल्प
(B) सह-चरसहित यादृच्छिक 3 ×2 सन्तुलित कारक अभिकल्प
(C) यादृच्छिक 3 ×2 असन्तुलित कारक अभिकल्प
(D) यादृच्छिक खण्ड अभिकल्प

97. उपर्युक्त उपात्त (प्रदःत) से पता चलता है–
(A) कि प्रसरण की समजातीयता की पूर्वधारणा पूरी होती है
(B) कि प्रसरण की समजातीयता की पूर्वधारणा पूरी नहीं होती है
(C) कि प्रसरण की समजातीयता की पूर्वधारणा से सम्बन्धित सूचना उपलब्ध नहीं होती है
(D) कि प्रसरण की समजातीयता का औपचारिक परीक्षण किया जाना अपेक्षित है

98. उपर्युक्त परिणामों से पता चलता है कि–
(A) पहली परिकल्पना सत्यापित है
(B) पहली परिकल्पना अस्वीकृत है
(C) पहली परिकल्पना आंशिक रूप से सत्यापित है
(D) पहली परिकल्पना के मूल्यांकन के लिए अपर्याप्त जानकारी है

99. दूसरी परिकल्पना के मूल्यांकन के लिए निम्नलिखित में से किस F अनुपात का प्रयोग किया जाएगा ?
(A) $F = MS_A/MS_E$
(B) $F = MS_B/MS_E$
(C) $F = MS_{A\times B}/MS_E$
(D) $F = MS_A/(MS_{A\times B} + MS_E)$

100. उपर्युक्त परिणामों से पता चलता है कि अतदर्थ तुलनात्मक अध्ययन–
(A) दबाव के प्रभाव के लिए आवश्यक हैं
(B) सामग्री के प्रकार के प्रभाव के लिए आवश्यक हैं
(C) दबाव के प्रभाव और सामग्री के प्रकार दोनों के लिए आवश्यक हैं
(D) ना तो दबाव के प्रभाव के लिए ना ही सामग्री के प्रकार के लिए आवश्यक हैं

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B) अभिवाही न्यूरॉन्स (संवेदी न्यूरॉन्स या अभिवाही तन्त्रिका फाइबर के रूप में भी जाना जाता है) वे मार्ग हैं, जो शरीर से केन्द्रीय तन्त्रिका-तन्त्र (मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी) तक संवेदी जानकारी ले जाते हैं. ये न्यूरॉन्स संवेदी उत्तेजनाओं से जानकारी प्राप्त करते हैं और मांसपेशियों, अंगों और ग्रन्थियों में रिसेप्टर्स से आवेगों को केन्द्रीय तन्त्रिका तन्त्र तक ले जाते हैं, जहाँ इसे मस्तिष्क द्वारा माना जाता है. इसके विपरीत है अपवाही न्यूरॉन्स जो जुड़े हुए हैं. डक्टिंग कोशिकाएं जो पूरे शरीर में केन्द्रीय तन्त्रिका-तन्त्र से मांसपेशियों और अंगों तक जानकारी ले जाती हैं. वे विद्युत् आवेग ले जाते हैं, जो अंगों और मांसपेशियों को बताते हैं कि क्या करना है.

2. (D) मनोवैज्ञानिक अर्थों में प्रतिगमन का अर्थ है पिछली आदतों, कार्यों या व्यक्तित्व लक्षणों पर वापस लौटना. जब कोई व्यक्ति उसी तरह से व्यवहार करना शुरू कर देता है, जैसा उसने 5 साल की उम्र में या हाईस्कूल में भी किया था, तो प्रतिगमन एक सम्भावित कारण है. प्रतिगमन और इसके अर्थ को बेहतर ढंग से समझने के लिए, इसके पीछे के मनोविज्ञान, इसकी वास्तविक परिभाषा और यह आपके रिश्ते

पर कैसे लागू हो सकता है, इसका विश्लेषण करना महत्वपूर्ण है. यदि आप या आपका कोई प्रिय व्यक्ति प्रतिगमन का अनुभव कर रहा है, तो किसी पेशेवर का मार्गदर्शन प्राप्त करना अविश्वसनीय रूप से सहायक हो सकता है. ऐसे कई तरीके हैं जिनसे चिकित्सा और सहायता के अन्य रूप स्थिति में मदद कर सकते हैं. प्रतिगमन से सम्बन्धित मनोविज्ञान के बारे में सीखना मदद माँगने के लिए एक अच्छा प्रारम्भिक बिन्दु है.

3. (D) फेरोमोन एक रासायनिक संदेशवाहक होता है, जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में जाता है, जिसका प्रभाव प्राप्त करने वाले व्यक्ति पर पड़ता है. फेरोमोन के लिए प्रस्तावित एक तकनीकी परिभाषा यह है कि "वे पदार्थ हैं, जो एक व्यक्ति द्वारा बाहर से स्रावित होते हैं और उसी प्रजाति के दूसरे व्यक्ति द्वारा प्राप्त किए जाते हैं, जिसमें वे एक विशिष्ट प्रतिक्रिया जारी करते हैं, उदाहरण के लिए, एक निश्चित व्यवहार या एक विकासात्मक प्रक्रिया."

4. (D) दीर्घावधिक प्रभावकरण (LTP) एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें सिनेप्स को लगातार मजबूत करना शामिल है, जो न्यूरॉन्स के बीच सिगनल ट्रांसमिशन में लम्बे समय तक चलने वाली वृद्धि की ओर जाता है. यह सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी के सन्दर्भ में एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है. स्मृति के अध्ययन के लिए एलटीपी रिकॉर्डिंग को सेलुलर मॉडल के रूप में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है.

5. (A) 6. (B)

7. (A) वर्थाइमर ने पारम्परिक तर्क और संघ पर वर्तमान शैक्षिक जोर की आलोचना करते हुए तर्क दिया कि समूहीकरण और पुनर्गठन जैसी समस्या-समाधान प्रक्रियाएँ, जो संरचनात्मक सम्पूर्ण के रूप में समस्याओं से निपटती हैं, तर्क में मान्यता प्राप्त नहीं थीं, लेकिन मानव सोच में महत्वपूर्ण तकनीक थीं. इस तर्क से सम्बन्धित एक संगठन में वर्थाइमर की प्रागनाज (सटीक) की अवधारणा थी; जब चीजों को समग्र रूप से समझा जाता है, तो सोचने में न्यूनतम मात्रा में ऊर्जा खर्च होती है. वर्थाइमर के लिए, सत्य व्यक्तिगत संवेदनाओं या धारणाओं के बजाय अनुभव की सम्पूर्ण संरचना द्वारा निर्धारित किया गया था.

8. (B) 9. (C) 10. (B) 11. (B)

12. (A) तर्कपूर्ण क्रिया के सिद्धान्त का उद्देश्य मानव क्रिया के भीतर दृष्टिकोण और व्यवहार के बीच सम्बन्ध की व्याख्या करना है. इसका उपयोग मुख्य रूप से यह अनुमान लगाने के लिए किया जाता है कि व्यक्ति अपने पूर्व-मौजूदा दृष्टिकोण और व्यवहार सम्बन्धी इरादों के आधार पर कैसे व्यवहार करेंगे.

13. (D) 14. (B)

15. (A) जेम्स-लैंग सिद्धान्त भावनाओं की उत्पत्ति और प्रकृति पर एक परिकल्पना है और आधुनिक मनोविज्ञान के भीतर भावनाओं के शुरुआती सिद्धान्तों में से एक है. इसे दार्शनिक जॉन डेवी द्वारा विकसित किया गया था और 19वीं शताब्दी के दो विद्वानों, विलियम जेम्स और कार्ल लैंग के नाम पर रखा गया था.

16. (B) नियोजन तर्क दोष एक ऐसी घटना है, जिसमें भविष्य के कार्य को पूरा करने के लिए कितने समय की आवश्यकता होगी, इस बारे में भविष्यवाणियाँ एक आशावाद पूर्वाग्रह प्रदर्शित करती हैं और आवश्यक समय को कम आँकती हैं.

17. (B) पार्किंसंस रोग (पीडी) कठोरता, कंपकंपी, घटी हुई गतिविधियों, पोस्टुरल अस्थिरता और चाल की गड़बड़ी के साथ एक विकार है, जो आमतौर पर वृद्धावस्था में पर्याप्त नाइग्रा की कमी के कारण होता है, जबकि हंटिंगटन रोग (एचडी) एक पारिवारिक न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार है, जो आमतौर पर होता है. भावनात्मक समस्याओं, सोचने की क्षमता (अनुभूति) और असामान्य क्लोरोफॉर्म आन्दोलनों (दोहराव और तेज, झटकेदार, अनैच्छिक आन्दोलनों) की विशेषता वाली एक छोटी आबादी.

18. (D) घोषणात्मक स्मृति को स्पष्ट स्मृति के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि इसमें ऐसी जानकारी होती है, जो स्पष्ट रूप से संगृहीत होती है और इसमें पुनर्प्राप्त करने के लिए सचेत प्रयास शामिल होता है. इसका मतलब यह है कि जब आप जानकारी संगृहीत और याद कर रहे होते हैं, तो आप सचेत रूप से जागरूक होते हैं.

19. (C) बूमरैंग बच्चे युवा वयस्क या अन्य वयस्क बच्चे हैं, जो स्वतन्त्र रूप से रहने के बाद माता-पिता के साथ वापस चले जाते हैं. अक्सर, बूमरैंग बच्चे कम वेतन, कम बचत, उच्च ऋण, बेरोजगारी या वैश्विक वित्तीय संकट जैसे आर्थिक कारणों से अपने माता-पिता के पास लौट आते हैं.

20. (B) संगामी शिक्षा (सीई) समग्र सीखने की एक प्रक्रिया को सन्दर्भित करता है, जिसमें शिक्षार्थी के कई पहलुओं को शामिल किया जाता है, जिसमें उसकी भावनाएँ, मनोभाव और विचार शामिल हैं

21. (B)

22. (C) सांख्य एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ है 'संख्या', 'अनुभवजन्य' या 'गणना' जिसका उपयोग भारतीय दर्शन के क्लासिक स्कूलों में से एक का वर्णन करने के लिए किया जाता है. यह एक द्वैतवादी दर्शन है, जो दुनिया को दो तत्वों से बना मानता है–पदार्थ (प्रकृति) और चेतना या शाश्वत आत्मा (पुरुष). इसका मतलब है कि जब किसी व्यक्ति का शरीर मर जाता है, तो उसकी चेतना एक नए शरीर में जा सकती है.

23. (A) 'लिंकेज विश्लेषण अध्ययन' एक जीन-शिकार तकनीक जो उच्च जोखिम वाले परिवारों में बीमारी के पैटर्न का पता लगाती है. यह ज्ञात क्रोमोसोमल स्थानों के आनुवंशिक मार्करों की पहचान करके रोग पैदा करने वाले जीन का पता लगाने का प्रयास करता है, जो ब्याज की विशेषता के साथ सह-विरासत में मिले हैं.

24. (A, B, C)

25. (B) मनोवैज्ञानिक अपवर्तक अवधि (PRP) शब्द उस समय की अवधि को सन्दर्भित करता है, जिसके दौरान दूसरी उत्तेजना की प्रतिक्रिया काफी धीमी हो जाती है, क्योंकि पहली उत्तेजना अभी भी संसाधित की जा रही है. प्रतिक्रिया समय में यह देरी जब किसी को ध्यान बाँटने की आवश्यकता होती है, तो यह नकारात्मक प्रभाव प्रदर्शित कर सकता है, जो अध्ययन के कई क्षेत्रों में स्पष्ट है.

26. (A) 'साहचर्यात्मक अभिज्ञान' वस्तु-अभिज्ञान अक्षमता का एक प्रकार का विकार, जिसमें व्यक्ति पहचान क्षमता के अप्रभावित रहने पर भी शब्दार्थ विषयक पहचान में कठिनाई होती है.

27. (B) योना कॉम्प्लेक्स किसी की पूरी क्षमता को महसूस करने या सफलता प्राप्त करने का डर है. यह आत्म-साक्षात्कार के अवसरों के साथ असहज होना है, जैसेकि किसी की नियति को पूरा करना, अपनी प्रतिभा का उपयोग करना और अवसरों को हथियाना.

28. (A) व्यक्तित्व प्रकार, जो शेल्डन के व्यक्तित्व के संवैधानिक सिद्धान्त के अनुसार एक एंडोमोर्फिक शरीर के प्रकार के साथ सहसम्बद्ध है और आराम के प्यार, भोजन की आराधना, शान्ति और सामाजिकता की प्रवृत्ति द्वारा चिह्नित है.

29. (C) कार्य चरण में वास्तव में क्षमता करने पर कार्य करना शामिल है. इस चरण में, एक व्यक्ति "अपराधी की एक संज्ञानात्मक समझ प्राप्त करता है और अपराधी को एक नए प्रकाश में देखना शुरू कर देता है, जिसके परिणामस्वरूप अपराधी के बारे में, स्वयं के बारे में और रिश्ते के बारे में सकारात्मक परिवर्तन." इस चरण में ठोस कार्यवाही आमतौर पर अपराधी की सटीक समझ की दिशा में काम करने से शुरू होती है. इस रीफ्रेमिंग में आक्रामक स्थिति पर पुनर्विचार करना या अपराधी को एक नए दृष्टिकोण से देखना शामिल हो सकता है, "एक व्यक्ति जो वास्तव में, एक इंसान है और दुष्ट अवतार नहीं है".

30. (C)

31. (D) NNAT (Naglieri Nonverbal Ability Test) एक अशाब्दिक परीक्षा है, जिसका उपयोग K-12 छात्रों को प्रतिभाशाली और प्रतिभाशाली कार्यक्रमों के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए किया जाता है. यह एक समूह-प्रशासित योग्यता परीक्षा है, जो आमतौर पर स्कूलों के प्रतिभाशाली कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के

naukaritak.com for PD Jan to Dec 2022

रूप में दी जाती है. एनएनएटी किसी बच्चे की भाषा कौशल पर भरोसा किए बिना समस्या-समाधान और तर्क क्षमताओं का मूल्यांकन करने के लिए आकृतियों और आँकड़ों का उपयोग करता है. दूसरे शब्दों में, एनएनएटी यह आकलन करता है कि छात्र क्या जानता है, इसके बजाए छात्र कैसे सोचता है.

32. (B) 33. (B)

34. (C) वन-वे एनोवा (विचरण का विश्लेषण) यह निर्धारित करने के लिए दो या दो से अधिक स्वतन्त्र समूहों के साधनों की तुलना करता है कि क्या सांख्यिकीय प्रमाण हैं कि सम्बन्धित जनसंख्या साधन काफी भिन्न हैं. वन-वे एनोवा एक पैरामीट्रिक परीक्षण है. इस परीक्षण को वन-फैक्टर एनोवा के रूप में भी जाना जाता है.

35. (C) दूरी सिद्धान्त गरीबी को अलग-अलग वर्गों की मनोवैज्ञानिक समस्या के रूप में निर्धारित करती है. गरीबी एक प्रमुख समस्या है, जिसका सामना आधुनिक समाज कर रहा है. सामाजिक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि गरीबी की जाँच करते हैं और समस्या के बारे में अपनी धारणा विकसित करते हैं.

36. (C) कार्यशील स्मृति एक सीमित क्षमता वाली संज्ञानात्मक प्रणाली है, जो अस्थायी रूप से जानकारी रख सकती है. तर्क और निर्णय लेने और व्यवहार के मार्गदर्शन के लिए कार्यशील स्मृति महत्वपूर्ण है.

37. (B) हैंस जुर्गन ईसेनक एक जर्मन मूल के ब्रिटिश मनोवैज्ञानिक थे, जिन्होंने अपना पेशेवर कॅरियर ग्रेट ब्रिटेन में बिताया. उन्हें बुद्धि और व्यक्तित्व पर उनके काम के लिए सबसे ज्यादा याद किया जाता है, हालांकि उन्होंने मनोविज्ञान में अन्य मुद्दों पर काम किया.

38. (C) अनिश्चितता के तहत् किसी घटना की सम्भावना के बारे में निर्णय लेते समय प्रतिनिधिता अनुमापी का उपयोग किया जाता है.

39. (A)

40. (B) मानसिक विकारों के नैदानिक और सांख्यिकीय मैनुअल (DSM) में, पैराफिलिक विकारों को अक्सर किसी भी असामान्य यौन व्यवहार के लिए कैच-ऑल परिभाषा के रूप में गलत समझा जाता है. पुस्तक के आगामी पाँचवें संस्करण में, डीएसएम-5, यौन और लिंग पहचान विकार कार्य समूह ने असामान्य मानव व्यवहार और व्यवहार के बीच एक रेखा खींचने की माँग की, जो किसी व्यक्ति को मानसिक परेशानी का कारण बनता है या व्यक्ति को मनोवैज्ञानिक के लिए गम्भीर खतरा बनाता है और अन्य व्यक्तियों की शारीरिक भलाई, जबकि नैदानिक मानदण्डों को संशोधित करने में पैराफिलिक विकारों के कानूनी निहितार्थों पर गम्भीरता से विचार किया गया था, लक्ष्य नवीनतम विज्ञान और प्रभावी नैदानिक अभ्यास के आधार पर इस श्रेणी में विकारों को अद्यतन करना था.

41. (A) ब्रोका का क्षेत्र प्रमुख गोलार्द्ध के ललाट लोब में एक क्षेत्र है, आमतौर पर मस्तिष्क के बाईं ओर, भाषण उत्पादन से जुड़े कार्यों के साथ. भाषा प्रसंस्करण को ब्रोका के क्षेत्र से जोड़ा गया है, क्योंकि पियरे पॉल ब्रोका ने दो रोगियों में हानि की सूचना दी थी. मस्तिष्क के पोस्टीरियर अवर ललाट गाइरस (पार्स त्रिकोणीय) (BA45) में चोट लगने के बाद वे बोलने की क्षमता खो चुके थे. तब से, उनके द्वारा पहचाने गए अनुमानित क्षेत्र को ब्रोका के क्षेत्र के रूप में जाना जाता है और ब्रोका के वाचाघात के रूप में भाषा उत्पादन में कमी, जिसे अभिव्यंजक वाचाघात भी कहा जाता है. ब्रोका का क्षेत्र अब आमतौर पर अवर ललाट गाइरस के पार्स ऑपेरक्यूलिस और पार्स त्रिकोणीय के सन्दर्भ में परिभाषित किया गया है, जो ब्रोडमेन के साइटोआर्किटेक्टोनिक मानचित्र में ब्रोडमैन क्षेत्र 44 और ब्रोडमैन क्षेत्र 45 प्रमुख गोलार्द्ध के रूप में दर्शाया गया है.

42. (C) 43. (C)

44. (B) मनोविज्ञान में, एक झूठी स्मृति एक घटना है, जहाँ कोई व्यक्ति कुछ ऐसा याद करता है, जो नहीं हुआ था या इसे वास्तव में जिस तरह से हुआ था, उससे अलग याद करता है. सुझाव, सम्बद्ध जानकारी की सक्रियता, गलत सूचना का समावेश और स्रोत गलत आरोपण कई प्रकार की झूठी स्मृति के अंतर्निहित कई तन्त्र होने का सुझाव दिया गया है.

45. (C)

46 (C) कोहेन के 'डी' को डेटा के मानक विचलन से विभाजित दो साधनों के बीच के अन्तर के रूप में परिभाषित किया गया है–

- बिन्दु-द्विभाजक सहसम्बन्ध गुणांक एक सतत्-स्तरीय चर (अनुपात या अन्तराल डेटा) और एक द्विआधारी चर के बीच सम्बन्ध की ताकत का एक सहसम्बन्ध उपाय है.
- एटा वर्ग (η^2) अन्य भविष्यवक्ताओं के लिए नियन्त्रित करने के बाद, एक भविष्यवक्ता चर द्वारा समझाया गया परिणाम चर में भिन्नता के अनुपात के रूप में परिभाषित एसोसिएशन का एक वर्ग माप है.

47. (C) थीमैटिक अपेरसेप्शन टेस्ट या टीएटी, एक अनुमानित उपाय है, जिसका उद्देश्य अस्पष्ट परीक्षण सामग्री के लिए किसी व्यक्ति के विचार, दृष्टिकोण, अवलोकन क्षमता और भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के पैटर्न का मूल्यांकन करना है. टीएटी के मामले में, अस्पष्ट सामग्री में कार्ड का एक सेट होता है, जो विभिन्न सेटिंग्स ओर स्थितियों में मानव आकृतियों को चित्रित करता है.

- रोटर अपूर्ण वाक्य रिक्त जूलियन बी रोटर द्वारा विकसित एक प्रक्षेपी मनोवैज्ञानिक परीक्षण है. यह तीन रूपों (विभिन्न आयु समूहों के लिए) में आता है और इसमें 40 अधूरे वाक्य होते हैं, तो आमतौर पर केवल 1-2 शब्द लम्बे होते हैं.
- ग्रेस हेलेन कैंट एक अमरीकी मनोवैज्ञानिक थीं. वह कैंट-रोसानॉफ फ्री एसोसिएशन टेस्ट बनाने के लिए जानी जाती हैं, जो एक प्रभावशाली शब्द संघ परीक्षण है, जो अभी भी उपयोग किया जाता है.

48. (C) 49. (C)

50. (A) डोर-इन-द-फेस तकनीक एक अनुपालन पद्धति है, जिसका आमतौर पर सामाजिक मनोविज्ञान में अध्ययन किया जाता है. प्रेरक एक बड़ा अनुरोध करके प्रतिवादी को पालन करने के लिए मनाने का प्रयास करता है कि प्रतिवादी सबसे अधिक सम्भावना को ठुकरा देगा, बहुत हद तक प्रेरक के चेहरे पर एक दरवाजे के रूपक की तरह.

- दैट्स नॉट ऑल तकनीक अनुपालन प्राप्त करने की एक तकनीक को सन्दर्भित करती है, जिसमें एक अनुरोधकर्ता विशिष्ट अनुरोधों का पालन करने या अस्वीकार करने का निर्णय लेने से पहले लक्षित व्यक्तियों के अतिरिक्त लाभ प्रदान करता है.

51. (C) स्पष्ट किसी ऐसी चीज को सन्दर्भित करता है, जो विशिष्ट, स्पष्ट या विस्तृत है. इसका मतलब यह भी हो सकता है–

- स्पष्ट ज्ञान वह ज्ञान है, जिसे आसानी से व्यक्त किया जा सकता है, संहिताबद्ध किया जा सकता है और दूसरों को प्रेषित किया जा सकता है.
- स्पष्ट (पाठ), एक पाठ के अन्तिम शब्द; शुरूआत के साथ विपरीत.
- अचेतन मन के संचालन का विशाल योग है, जो सचेत जागरूकता के स्तर से नीचे होता हे. चेतन मन में वे सभी विचार, भावनाएँ, अनुभूतियाँ और यादें होती हैं, जिन्हें हम स्वीकार करते हैं, जबकि अचेतन में गहरी मानसिक प्रक्रियाएँ होती हैं, जो चेतन मन को आसानी से उपलब्ध नहीं होती हैं.

52. (C) अचेतन कंडीशनिंग, उत्तेजनाओं के सम्पर्क में आने से व्यवहार की शास्त्रीय कंडीशनिंग है, जो सचेत जागरूकता की दहलीज से नीचे है.

- 'मायर एक्सपोजर' उन स्थितियों को सन्दर्भित करता है, जो उत्तेजना को जीव की धारणा के लिए सुलभ बनाती हैं.

53. (B) 54. (C)

55. (B) 'डिजिट सिंबल' प्रतिस्थापन परीक्षण (DSST) मस्तिष्क क्षति, मनोभ्रंश, उम्र और अवसाद के प्रति संवेदनशील एक न्यूरोसाइकोलॉजिकल परीक्षण है. वेक्स्लर एडल्ट इंटेलिजेंस स्केल में निहित DSST को 'डिजिट सिंबल' कहा जाता है.

- ऑब्जेक्ट असेम्बली, वेक्स्लर एडल्ट इंटेलिजेंस स्केल में एक प्रदर्शन उप-

परीक्षण है, जो प्रतिभागी के घटक टुकड़ों से एक वस्तु का निर्माण करने की क्षमता तक पहुँचता है, जो सही क्रम में शामिल होने पर केवल एक साथ ठीक से फिट होते हैं.

56. (D) 57. (A) 58. (B)

59. (B) न्यू मूड थेरेपी में संज्ञानात्मक-व्यवहार थेरेपी के सिद्धान्तों की व्याख्या और सामान्य संज्ञानात्मक विकृतियों को पहचानने और समाप्त करने के साथ-साथ संचार कौशल में सुधार करने के तरीकों का विवरण शामिल है.

60. (D) केन्द्रीय कार्यपालिका एक लचीली प्रणाली है, जो संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के नियन्त्रण और विनियमन के लिए जिम्मेदार है. यह फोकस को निर्देशित करता है और सूचना को लक्षित करता है, कार्यशील स्मृति और दीर्घकालिक स्मृति को एक साथ काम करता है.
   * एपिसोडिक बफर बैडले और हिच के मॉडल ऑफ वर्किंग मेमोरी के एक घटक को सन्दर्भित करता है. यह मॉडल मानता है कि मानव स्मृति एक केन्द्रीय कार्यकारी कार्य के साथ एक इंटरैक्टिव सिस्टम के रूप में कार्य करती है, जो तीन अधीनस्थ या 'दास' प्रणालियों की गतिविधियों का समन्वय करती है.

61. (C) भावनाओं को समझना–भावनाओं को समझने में पहला कदम उन्हें सही ढंग से समझना है. कई मामलों में, इसमें शरीर की भाषा और चेहरे के भाव जैसे अशाब्दिक संकेतों को समझना शामिल हो सकता है. भावनाओं के साथ तर्क करना–अगले चरण में सोच और संज्ञानात्मक गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए भावनाओं का उपयोग करना शामिल है.
   * सैलोवी, मेयर और कारुसो के भावनात्मक बुद्धिमत्ता के मॉडल की दूसरी शाखा "सोचने की सुविधा के लिए भावनाओं का उपयोग करना" है. यह जानकर कि भावनाएँ हमारी सोच को कैसे प्रभावित करती हैं और अपनी भावनाओं का उपयोग कैसे करें, हम समस्या-समाधान, तर्क, निर्णय लेने और रचनात्मकता में अधिक प्रभावी बन सकते हैं.
   * भावना की समझ को बच्चे की भावनाओं की प्रकृति, कारणों और नियन्त्रण/नियमन की समझ के रूप में परिभाषित किया जा सकता है या जिस तरह से बच्चा अपने और दूसरों में भावनाओं की पहचान, भविष्यवाणी और व्याख्या करता है.

62. (D) मेटाकॉग्निशन के लिए प्रक्रिया के बारे में जागरूकता और सीखने और सोच को नियन्त्रित करने की क्षमता दोनों की आवश्यकता होती है. दो घटकों को ज्ञान और विनियमन के रूप में पहचाना जाता है. ऐसा प्रतीत होता है कि मेटाकॉग्निटिव ज्ञान और मेटाकॉग्निटिव विनियमन एक-दूसरे से स्वतन्त्र रूप से विकसित होते हैं. जब तक छात्र वयस्कता तक पहुँचते हैं, तब तक अधिकांश के पास काफी अच्छी तरह से विकसित मेटाकॉग्निटिव ज्ञान होता है. इसके विपरीत, मेटाकोग्निटिव विनियमन, जिसमें "किसी के संज्ञान की निगरानी और नियोजन गतिविधियों, समझ और कार्य प्रदर्शन के बारे में जागरूकता और निगरानी प्रक्रियाओं और रणनीतियों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन शामिल है," अक्सर अविकसित होता है.

63. (C)

64. (C) उभरते हुए व्यक्ति–भविष्य के लोग जिनके पारस्परिक सम्बन्ध ईमानदारी, सहयोग और दूसरों के लिए चिन्ता की विशेषता है; वे दिखावा, दिखावे और पाखण्ड से बचते हैं; वे परिवर्तन का स्वागत करते हैं और विकास का विकल्प चुनते हैं, भले ही ऐसा करना दर्दनाक हो, उभरते लोगों की विशेषता है–
   * ईमानदारी और खुलापन
   * भौतिक सम्पत्ति के प्रति उदासीनता
   * दूसरों की देखभाल
   * संज्ञानात्मक रूप से आधारित विज्ञान का गहरा अविश्वास
   * अपने स्वयं के अनुभव पर भरोसा करें और सभी बाहरी सत्ताओं पर गहरा अविश्वास करें
   * बदलने का साहस

65. (D)

66. (*) बोनस अंक सभी अभ्यर्थियों को

67. (A) 68. (B) 69. (A) 70. (A) 71. (D)

72. (C) 73. (C) 74. (B) 75. (A) 76. (A)

77. (B)

78. (A) सम्बन्धों की मजबूती के सन्दर्भ में आरोही क्रम में सम्बन्ध इस प्रकार हैं– –0·30, 0·40, 0·68, –0·75.

79. (A) स्मृति के विभिन्न मॉडलों का विकास निम्नलिखित क्रम में होता है–
   * **स्मृति के हस्तक्षेप मॉडल**–हस्तक्षेप एक स्मृति घटना है, जिसमें कुछ यादें अन्य यादों की पुनर्प्राप्ति में हस्तक्षेप करती हैं. अनिवार्य रूप से, हस्तक्षेप तब होता है, जब कुछ जानकारी समान सामग्री को याद करना मुश्किल बना देती है. इसी तरह की यादें प्रतिस्पर्धा करती हैं, जिससे कुछ को याद रखना या पूरी तरह से भूल जाना मुश्किल हो जाता है.
   * **मेमोरी के मल्टी-स्टोर मॉडल**–मेमोरी का मल्टी-स्टोर मॉडल (जिसे मोडल मॉडल के रूप में भी जाना जाता है) रिचर्ड एटकिंसन और रिचर्ड शिफरीन (1968) द्वारा प्रस्तावित किया गया था और यह एक संरचनात्मक मॉडल है. उन्होंने प्रस्तावित किया कि स्मृति में तीन भण्डार शामिल हैं–एक संवेदी रजिस्टर, अल्पकालिक स्मृति (STM) और दीर्घकालिक स्मृति (LTM).
   * **मेमोरी के प्रसंस्करण मॉडल का स्तर**–प्रसंस्करण मॉडल का स्तर (क्रेक और लॉकहार्ट, 1972) स्मृति में शामिल प्रसंस्करण की गहराई पर ध्यान केन्द्रित करता है और भविष्यवाणी करता है कि जितनी गहरी जानकारी संसाधित की जाती है, उतनी ही अधिक समय तक मेमोरी ट्रेस चलेगा. मल्टी-स्टोर मॉडल के विपरीत, यह एक गैर-संरचित दृष्टिकोण है.
   * **मेमोरी के वर्किंग मॉडल**–वर्किंग मेमोरी उस जानकारी पर मानसिक संचालन करते समय एक संक्षिप्त अवधि के लिए जानकारी को बनाए रखने के लिए एक सीमित क्षमता का स्टोर है. वर्किंग मेमोरी एक बहुघटक प्रणाली है, जिसमें केन्द्रीय कार्यकारी, विसू-स्पेशियल स्केचपैड, फोनोलॉजिकल लूप और एपिसोडिक बफर शामिल हैं.

80. (A) गार्डनर द्वारा प्रथम पाँच बुद्धिमत्ता का सही क्रम इस प्रकार दिया गया है–
   * भाषाई बुद्धिमत्ता हॉवर्ड गार्डनर के बहु-बुद्धि सिद्धान्त का एक हिस्सा है, जो बोली जाने वाली और लिखित भाषा के प्रति संवेदनशीलता, भाषा सीखने की क्षमता और कुछ लक्ष्यों को पूरा करने के लिए भाषा का उपयोग करने की क्षमता से सम्बन्धित है.
   * लॉजिकल-मैथमेटिकल इंटेलिजेंस से तात्पर्य समस्याओं का तार्किक रूप से विश्लेषण करने, गणितीय कार्यों को करने और वैज्ञानिक रूप से मुद्दों की जाँच करने की क्षमता से है.
   * स्थानिक बुद्धि में विस्तृत स्थान के पैटर्न को पहचानने और हेरफेर करने की क्षमता है (उदाहरण के लिए, नाविकों और पायलटों द्वारा उपयोग किए जाने वाले) और साथ ही अधिक सीमित क्षेत्रों के पैटर्न, जैसेकि मूर्तिकारों, सर्जनों, शतरंज के खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण हैं. ग्राफिक कलाकार या आर्किटेक्ट.
   * बॉडी-काइनेस्टेटिक इंटेलिजेंस किसी के पूरे शरीर या शरीर के कुछ हिस्सों (जैसे हाथ या मुँह) का उपयोग समस्याओं को हल करने या फैशन उत्पादों के लिए करने की क्षमता है.
   * प्राकृतिक बुद्धि में अपने पर्यावरण की कई प्रजातियाँ, वनस्पतियों और जीवों की पहचान और वर्गीकरण में विशेषज्ञता शामिल है.

81. (B)

82. (A) 1966 में, विलियम मास्टर्स और वर्जीनिया जॉनसन ने प्रतिभागियों के शरीर विज्ञान में परिवर्तन की लगभग 10,000 रिकॉर्डिंग के आधार पर मानव यौन प्रतिक्रिया के चार चरण 'रैखिक' मॉडल का प्रस्ताव रखा. इन आँकड़ों से, उन्होंने चार क्रमिक (इसलिए, रैखिक) चरणों की पहचान की–1. उत्तेजना, 2. पठार, 3. संभोग और 4. संकल्प.

83. (B) थिबॉट और केली (1959) द्वारा उनके सामाजिक विनिमय सिद्धान्त में सुझाए गए सम्बन्ध रखरखाव में चरणों का सही क्रम निम्नानुसार है–

नमूनाकरण–यह पूर्व-सम्बन्ध चरण है, जहाँ व्यक्ति तुलनात्मक रूप से सम्बन्ध और अन्य सम्बन्धों की सम्भावित लागतों और लाभों पर विचार करता है.

सौदेबाजी–एक रिश्ते की शुरूआत में चरण जहाँ एक व्यक्ति ने पुरस्कार देने और प्राप्त करने दोनों के द्वारा रिश्ते को प्रतिबद्ध करने के लिए चुना है. यह वह चरण है, जहाँ व्यक्ति केवल स्वाद ले रहे हैं और पहले रिश्ते को आजमा रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या सम्बन्ध भविष्य में उन्हें लाभ पहुँचाएगा और उनकी जरूरतों को पूरा करेगा.

प्रतिबद्धता–यह वह चरण है, जहाँ रिश्ते में दोनों साथी एक-दूसरे के साथ अधिक घनिष्ठ हो जाते हैं और लागत कम हो जाती है. इससे पता चलता है कि लोग रिश्ते की शुरूआत में किसी भी बाद में चरणों की तुलना में अधिक उपहार क्यों देते हैं.

संस्थागतकरण–एक रिश्ते का सबसे गम्भीर चरण जहाँ दोनों साझेदार स्थापित मानदण्डों और मूल्यों के एक सेट पर सहमत होते हैं, जो दोनों पक्षों को रिश्ते से लाभ उठाने की अनुमति देते हैं. इस चरण का सम्बन्ध दोनों भागीदारों से है, जो अपने सम्बन्धों में सन्तुलन लाने की कोशिश कर रहे हैं और यह मुझे इक्विटी सिद्धान्त पर चर्चा करने के लिए लाता है.

84. (C) किशोरों में पहचान निर्माण का क्रम इस प्रकार है–

* स्वयं का विभेदीकरण एक मनोवैज्ञानिक अवस्था है, जिसमें कोई व्यक्ति अपनी स्वयं की, पहचान, विचारों और भावनाओं को बनाए रखने में सक्षम होता है, जब भावनात्मक या शारीरिक रूप से दूसरों के साथ, विशेष रूप से गहन या अन्तरंग सम्बन्धों के भीतर.
* अन्वेषण में अवलोकन, परामर्श और निर्देशित सोच (विशिष्ट अन्वेषण) और नए संवेदी अनुभवों के माध्यम से किसी समस्या को हल करने के लिए नई जानकारी प्राप्त करना शामिल है और किसी के ज्ञान को अज्ञात (विविध अन्वेषण) में विस्तारित करने के लिए रोमांचित करता है.
* सम्पर्क अलगाव से 'पीछे हटने' का प्रतीक है, क्योंकि बच्चा अपनी माँ से अलग होने के बारे में चिंतित हो जाता है और निकटता हासिल करने की कोशिश करता है. इससे अलगाव की चिन्ता और परित्याग की आशंका हो सकता है. जैसे-जैसे बच्चा भाषा कौशल विकसित करता है, यह चरण समाप्त हो जाता है.
* स्मृति समेकन वह प्रक्रिया है, जहाँ हमारा दिमाग अल्पकालिक यादों को दीर्घकालिक यादों में बदल देता है. अल्पकालिक स्मृति अवधि और क्षमता के मामले में काफी सीमित होती है.

85. (B) 86. (A) 87. (A) 88. (B) 89. (B)
90. (C) 91. (B)
92. (A) काई-स्क्वायर परीक्षण एक सांख्यिकीय परीक्षण है, जिसका उपयोग अपेक्षित परिणामों के साथ देखे गए परिणामों की तुलना करने के लिए किया जाता है. इस परीक्षण का उद्देश्य यह निर्धारित करना है कि क्या देखे गए डेटा और अपेक्षित डेटा के बीच अन्तर संयोग के कारण है, या यदि यह आपके द्वारा अध्ययन किए जा रहे चर के बीच सम्बन्ध के कारण है.
93. (B) 94. (D)
95. (D) फी की गुणांक संघ की ताकत का एक माप प्रदान करता है, जिसका उपयोग सांख्यिकीय महत्व का परीक्षण करने के लिए भी किया जा सकता हे.
96. (C)
97. (A) विचरण की समरूपता की धारणा का अर्थ है कि किसी विशेष चर के लिए विचरण का स्तर पूरे नमूने में स्थिर होता है. यदि आपने डेटा के समूह एकत्र किए हैं, तो इसका मतलब है कि आपके परिणाम चर (चरों) का विचरण इनमें से प्रत्येक समूह (यानी स्कूलों, वर्षों, परीक्षण समूहों या अनुमानित मूल्यों में) समान होना चाहिए.
98. (B) 99. (C) 100. (D)

●●●

उपकार

नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

बिहार पॉलिटेक्निक संयुक्त प्रवेश परीक्षा

(गत वर्षों के प्रश्न-पत्र हल सहित)

Code 282
₹ 340.00

डॉ. लाल एवं जैन

सॉल्वड् पेपर्स
Code 1454 ₹ 90/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

उपकार

एस.एस.सी.
केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल/दिल्ली पुलिस
सब-इंस्पेक्टर्स
(BSF/CISF/CRPF/ITBP/SSB)

Code 781
₹ 455/-

Code 2494
₹ 300/-

उपकार प्रकाशन, आगरा–5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

कि सेमीकण्डक्टर चिप क्या है ?

सेमीकण्डक्टर ऐसी सामग्री है जिसमें चालकता सुचालक और कुचालक के बीच होती है. ये शुद्ध धातु, सिलिकॉन अथवा जर्मेनियम या कोई यौगिक, गैलियम, आर्सेनाइड या कैडमियम सेलेनाइड हो सकते हैं. सेमीकण्डक्टर चिप का मूल घटक सिलिकॉन का एक टुकड़ा होता है, जिसे अरबों सूक्ष्म ट्रांजिस्टर के साथ उकेरा जाता है और विशिष्ट खनिजों एवं गैसों के साथ प्रक्षेपित किया जाता है, जो विभिन्न संगणकीय निर्देशों का पालन करते हुए विद्युत् धारा के प्रवाह को नियन्त्रित करने के लिए प्रतिरूप बनाते हैं. आज के समय में उपलब्ध सबसे उन्नत अर्द्धचालक प्रौद्योगिकी नोड 3 nm और 5 nm (Nanometer) वाले हैं. उच्च नैनोमीटर मान वाले अर्द्धचालक ऑटोमोबाइल, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स आदि में लगाए जाते हैं, जबकि कम मान वाले अर्द्धचालकों का उपयोग स्मार्टफोन और लैपटॉप जैसे उपकरणों में किया जाता है.

चिप बनाने की प्रक्रिया जटिल और बहुत सटीक है, जिसमें आपूर्ति शृंखला में कई अन्य चरण होते हैं. जैसे कि कम्पनियों द्वारा उपकरणों में उपयोग के लिए नई सर्किट विकसित करने हेतु चिप-डिजाइनिंग, चिप्स के लिए सॉफ्टवेयर डिजाइन करना और केन्द्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकारों (IPR) के माध्यम से उनका पेटेंट कराना. इसके अन्तर्गत चिप-निर्माण मशीन बनाना शामिल है; फैब या कारखाने, ATMP स्थापित करना.

सेमीकण्डक्टर्स स्मार्टफोन से लेकर इण्टरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) में जुड़े उपकरणों तक लगभग हर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के थम्बनेल के आकार के बिल्डिंग ब्लॉक हैं. वे उपकरणों को संगणकीय शक्ति देने में मदद करते हैं.

कि 'राष्ट्रीय पोषण मिशन' के उद्देश्य क्या हैं ?

राष्ट्रीय पोषण मिशन (पोषण अभियान) महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जो आँगनवाड़ी सेवाओं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, स्वच्छ-भारत मिशन आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के साथ अभिसरण सुनिश्चित करता है. राष्ट्रीय पोषण मिशन (एनएनएम) का लक्ष्य 2017-18 से शुरू होकर अगले तीन वर्षों के दौरान 0-6 वर्ष के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में समयबद्ध तरीके से सुधार करना है.

एनएनएम का लक्ष्य स्टंटिंग, अल्पपोषण, एनीमिया (छोटे बच्चों, महिलाओं और किशोर लड़कियों के बीच) को कम करना तथा बच्चों के जन्म के समय कम वजन की समस्या को दूर करना है.

कि क्वाड समूह (QUAD Group) के बारे में आप क्या जानते हैं ?

QUAD का अर्थ है—क्वाडिलैटरल सिक्योरिटी डॉयलॉग (Quadrilateral Security Dialogue–QSD) क्वाड—भारत, अमरीका, आस्ट्रेलिया और जापान का एक समूह है. सभी चारों राष्ट्र लोकतान्त्रिक होने के कारण इनकी एकसमान पृष्ठभूमि है और निर्बाध समुद्री व्यापार और सुरक्षा के साझा हित का भी समर्थन करते हैं. इसका उद्देश्य 'मुक्त, स्पष्ट और समृद्ध' इण्डो-पैसिफिक क्षेत्र सुनिश्चित करना तथा उसका समर्थन करना है. क्वाड का विचार पहली बार वर्ष 2007 में जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने रखा था. हालाँकि यह विचार आगे विकसित नहीं हो सका, क्योंकि चीन के आस्ट्रेलिया पर दबाव के कारण आस्ट्रेलिया ने स्वयं को इससे दूर कर लिया. अंततः वर्ष 2017 में भारत, आस्ट्रेलिया अमरीका और जापान ने एक साथ आकर इस 'चतुर्भुज' गठबन्धन का गठन किया.

कि ऊष्मा-बजट (Heat Budget) क्या है ?

सूर्य से विकीर्ण (उत्सर्जित) ऊष्मा का धरातल पर तथा वायुमण्डल में वितरित ऊष्मा को, ऊष्मा-बजट कहा जाता है. सूर्य से आई कुल ऊष्मा का लगभग 35 प्रतिशत भाग अन्तरिक्ष में वापस लौटा दिया जाता है. (6 प्रतिशत वायुमण्डलीय प्रकीर्णन द्वारा, 27 प्रतिशत वादलों से परावर्तन द्वारा तथा 2 प्रतिशत भूतल से परावर्तन द्वारा).

इसी प्रकार 14 प्रतिशत ऊष्मा का अवशोषण जलवाष्प, बादलों, धूलिकणों तथा कुछ स्थायी गैसों के माध्यम द्वारा कर लिया जाता है. शेष 51 प्रतिशत ऊष्मा पृथ्वी को प्राप्त होती है. (34 प्रतिशत प्रत्यक्ष सूर्य प्रकाश से और 17 प्रतिशत विसरित दिवा प्रकाश से). इस प्रकार सूर्य से विकीर्ण कुल सौर ऊष्मा का 51 प्रतिशत पृथ्वी का ऊष्मा बजट है. वायुमण्डल का ऊष्मा बजट भी ऊष्मा का 48 प्रतिशत होता है. वायुमण्डल को 14 प्रतिशत ऊष्मा सौर विकिरण से प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त होती है और 34 प्रतिशत पृथ्वी से दीर्घ तरंग विकिरण द्वारा मिलती है. वायुमण्डल और पृथ्वी को सूर्य से जितनी ऊष्मा प्राप्त होती है उतनी ही ऊष्मा का ह्रास भी होता है, जिससे उनका ऊष्मा सन्तुलन बना रहता है. पृथ्वी को सौर ऊष्मा का जो 51 प्रतिशत प्राप्त होता है उसमें से 23 प्रतिशत भूतल में दीर्घ तरंगों के रूप में विकिरण द्वारा नष्ट हो जाता है, 17 प्रतिशत शून्य में वापस चला जाता है, 6 प्रतिशत प्रभावी किरण के रूप में वायुमण्डल को गर्म करता है और शेष 9 प्रतिशत भाग ऊष्मा विक्षोभ तथा संवहन के रूप में चला जाता है. यही पृथ्वी का ऊष्मा सन्तुलन है जिसके अन्तर्गत सौर विकिरण द्वारा प्राप्त कुल ऊष्मा और दीर्घ तरंग विकिरण द्वारा नष्ट ऊष्मा की मात्रा बराबर हो जाती है और भूतल पर ऊष्मा सन्तुलन प्राप्त होता है.

कि लौंग की चाय मानव के लिए किस प्रकार लाभकारी है ?

चाय तो आज मानव-जीवन की अनिवार्यता बन गई है. औषधीय गुण वाली कुछ विशिष्ट चाय भी बाजार में उपलब्ध है. लौंग की चाय भी इन्हीं में से एक है.

- सर्दी से बचाने के लिए लौंग की चाय बेहद लाभकारी है. लौंग की तासीर गर्म होती है, इसलिए ठण्ड के दिन में 2 से 3 बार पीने पर आप सर्दी से बचे रह सकते हैं साथ ही खाँसी और जुकाम से भी.
- पाचन सम्बन्धी समस्याओं में लौंग की चाय असरकारक है. पेट में एसिडिटी होने और पाचन तन्त्र की धीमी गति होने पर लौंग की चाय पीना काफी फायदेमन्द होता है. इससे पाचन तन्त्र बेहतर तरीके से कार्य करता है.
- दाँतों में दर्द होने पर अक्सर लौंग के तेल का प्रयोग किया जाता है, लेकिन लौंग की चाय भी इसके लिए फायदेमन्द होती है. इसके अलावा कफ और गले के विकारों के लिए भी लौंग की चाय लाभदायक है.
- शरीर के अंगों और मांसपेशियों में होने वाले दर्द से निजात पाना चाहते हैं, तो लौंग की चाय जरूर पीएं. इसके अलावा अगर आप चाहें तो लौंग की चाय से दर्द वाले स्थान की सिकाई कर सकते हैं. इससे आपको काफी फायदा होगा.
- अगर आप बुखार से पीड़ित हैं, तो लौंग की चाय पीना आपके लिए काफी फायदेमन्द होगा. इसका प्रयोग करने से आपका बुखार अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा और नेचुरल तरीके से ठीक हो जाएगा.

naukarick.com for PD Jan to Dec 2022

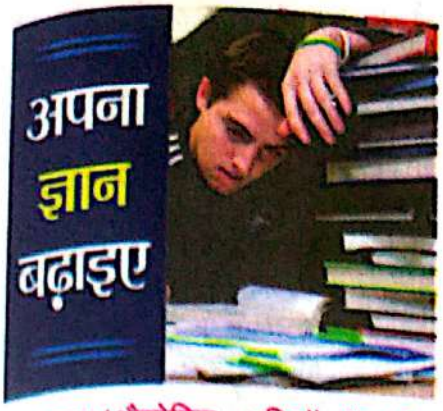

प्रश्न–'औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक संख्या' क्या है ?

उत्तर–औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक संख्या (CPI-IW) एक सूचकांक है जिसे एक परिभाषित आबादी (अर्थात् औद्योगिक श्रमिकों) द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमतों में समय के साथ बदलाव को मापने के लिए डिजाइन किया गया है. CPI-IW श्रम और रोज़गार मंत्रालय के तहत् एक संलग्न कार्यालय, श्रम ब्यूरो द्वारा सकलित किया जाता है. CIP-IW की वर्तमान शृंखला (आधार 2016 = 100) देश के 88 चयनित केन्द्रों के लिए संकलित की गई है. औद्योगिक श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक इन 88 केन्द्रों के सूचकांकों का भारित औसत है. इन केन्द्रों को पहली बार देश में औद्योगिक महत्व के आधार पर चुना गया है और फिर राज्य में औद्योगिक रोज़गार के अनुपात में विभिन्न राज्यों में वितरित किया गया है, बशर्ते कि एक राज्य में एक क्षेत्र को अधिकतम 5 केन्द्र आवंटित किए गए हों.

प्रश्न–प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PM-GKAY) क्या है ?

उत्तर–'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' को कोविड-19 के विरुद्ध लड़ाई में गरीब और संवेदनशील वर्ग की सहायता करने के लिए 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज' (PMGKP) के हिस्से के रूप में शुरू किया गया था. इस योजना के तहत् सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के माध्यम से पहले से ही प्रदान किए जा रहे 5 किग्रा अनुदानित खाद्यान्न के अलावा प्रत्यक व्यक्ति को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013 के तहत् 5 किग्रा अतिरिक्त अनाज (गेहूँ या चावल) मुफ्त में उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. प्रारम्भ में इस योजना की शुरूआत 3 माह (अप्रैल, मई और जून 2020) की अवधि के लिए की गई थी, जिसमें कुल 80 करोड़ राशन कार्डधारक शामिल थे. इसे विभिन्न चरणों में विस्तारित किया जाता रहा. छठा चरण अप्रैल 2022 से सितम्बर 2022 तक था. योजना का सातवाँ चरण अक्टूबर-दिसम्बर 2022 अवधि के लिए है. जिस पर लगभग ₹ 44,762 करोड़ सब्सिडी का बोझ केन्द्र सरकार पर आ गया. वित्त मंत्रालय इसका नोडल मंत्रालय है.

देश भर में लगभग 5 लाख राशन की दुकानों से वन नेशन वन राशन कार्ड (ONORC) योजना के तहत् कोई भी प्रवासी श्रमिक या लाभार्थी पोर्टेबिलिटी के माध्यम से मुफ्त राशन का लाभ उठा सकता है. सभी चरणों के लिए PMGKAY का कुल खर्च लगभग ₹ 91 लाख करोड़ होगा.

प्रश्न–राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) क्या है ?

उत्तर–यह पर्यावरण संरक्षण और वनों एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से सम्बन्धित मामलों के प्रभावी तथा शीघ्र निपटान हेतु 'राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम' (2010) के तहत् स्थापित एक विशेष निकाय है. 'नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल' की स्थापना के साथ भारत, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बाद एक विशेष पर्यावरण न्यायाधिकरण स्थापित करने वाला दुनिया का तीसरा देश बन गया और साथ ही वह ऐसा करने वाला पहला विकासशील देश भी है. 'नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल' को आवेदनों या अपीलों के दाखिल होने के 6 महीने के भीतर अन्तिम रूप से उनका निपटान करना अनिवार्य है. NGT का मुख्यालय दिल्ली में है, जबकि अन्य चार क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल, पुणे, कोलकाता एवं चेन्नई में स्थित हैं.

प्रश्न–निषेधाज्ञा (Prohibition) रिट क्या है ?

उत्तर–निषेधाज्ञा का अर्थ है–"मना करना या बंद करना" और आम बोलचाल में इसे 'स्टे आर्डर' के रूप में जाना जाता है. जब कोई निचली अदालत या एक अर्ध न्यायिक निकाय एक विशेष मामले में अपने अधिकार क्षेत्र में प्रदत्त अधिकारों को अतिक्रमित कर किसी भी मुकदमे की सुनवाई करती है, तो सुप्रीम कोर्ट या अन्य कोई भी उच्च न्यायालय द्वारा रिट जारी की जाती है. भारत में, निषेधाज्ञा को मनमाने प्रशासनिक कार्यों से व्यक्ति की रक्षा के लिए जारी किया जाता है.

प्रश्न–वेंचर कैपिटल के बारे में आप क्या जानते हैं ?

उत्तर–वेंचर कैपिटल नए या बढ़ते व्यवसाय के लिए फंड का एक रूप है. यह आमतौर पर उद्यम पूँजी फर्मों से आता है, जो उच्च जोखिम वाले वित्तीय पोर्टफोलियो बनाने में विशेषज्ञ होते हैं. वेंचर कैपिटल के साथ वेंचर कैपिटल फर्म स्टार्ट अप में इक्विटी के बदले स्टार्टअप कम्पनी को फंडिंग करती है, जो लोग इस पैसे का निवेश करते हैं उन्हें वेंचर कैपिटलिस्ट (वीसी) कहा जाता है. उद्यम पूँजी निवेश को जोखिम पूँजी या रोगी जोखिम पूँजी के रूप में भी सन्दर्भित किया जाता है, क्योंकि इसमें उद्यम सफल नहीं होने पर धन खोने का जोखिम शामिल होता है और निवेश को फलने-फूलने के लिए मध्यम से लम्बी अवधि की अवधि लगती है.

प्रश्न–'आर 9 एक्स हेलफायर' क्या है ?

उत्तर–आर 9 एक्स हेलफायर एक अति खतरनाक मिसाइल है. इसमें बारूद या किसी विस्फोटक का उपयोग नहीं होता है, बल्कि इसके छः धारदार ब्लेड्स किसी को भी काट देती है. अलकायदा प्रमुख अल जवाहिरी को इसी मिसाइल से अफगानिस्तान में मारा गया.

- इस मिसाइल में बारूद कम, ब्लेड्स और धारदार हथियारों का इस्तेमाल ज्यादा होता है.
- इसके सिर पर 45 किग्रा वजनी लोहा लगा होता है और छह ब्लेड्स उसमें ऐसे फिट किए जाते हैं कि टारगेट पल भर में ढेर हो जाए.
- यह लेजर से लैस होती है और जैसे ही लक्ष्य पर गिराई जाती है, बचने का कोई भी मौका नहीं देती, इतनी सटीक कि सिर्फ लक्ष्य पर हमला.
- आठ तरह के हेलीकॉप्टर और सात तरह के विमानों से इसे लॉन्च किया जा सकता है.
- ये मिसाइल इतनी तेज है कि बेहद मजबूत बंकर, बख्तरबंद गाड़ियों, टैंक, मोटी कंक्रीट की दीवार और यहाँ तक कि किसी इंसान की खोपड़ी भी सेकण्ड्स में चीर देती है.
- इसकी लम्बाई करीब 5·5 मीटर और व्यास 7 इंच का होता है. इसकी रेंज 500 मीटर से 1 किमी तक होती है. रफ्तार 1600 किमी से ज्यादा इस मिसाइल की क्षमता को देखते हुए भारत सरकार भी अमरीका से यह मिसाइल खरीदने की तैयारी कर रही है. खुफिया एजेंसियों ने सरकार से इसे खरीदने की सिफारिश की है ताकि बड़े लक्ष्य को आसानी से निशाना बनाया जा सके.

पहली बार 2019 में इस मिसाइल से हमले की बात सामने आई थी. मिसाइल का इस्तेमाल अफगानिस्तान, लीबिया, इराक, यमन में बड़े आतंकियों को मारने के लिए किया गया. अमरीकी सेना ने 2000 में यमन पोर्ट पर 17 अमरीकी सेना पर हुए हमले में शामिल 'जमाल अल-बदावी' को भी इसी से मारा था. ●●●

प्रथम पुरस्कृत समीक्षा

वाद-विवाद प्रतियोगिता

विषय : "लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में मूल्यों का ह्रास हुआ है."

पक्ष में : *– प्रभाष पाठक*

लोकतंत्र एक प्रणाली है, जो लोगों को शासन में हिस्सा देती है तथा अपनी आजादी को बरकरार रखने की शक्ति देती है. लोकतांत्रिक प्रणाली में, मूल्यों को सामान्यतः, कार्य क्षेत्र में आवश्यक व्यवहार को निर्धारित करने तथा मार्ग निर्देशित करने हेतु महत्वपूर्ण माना जाता है. मानवीय व्यवहार को निर्धारित करने वाले आदर्श मूल्य कहलाते हैं. मूल्य ऐसे नैतिक मानक होते हैं, जो दूसरों की अभिवृत्ति को प्रभावित करते हैं. मूल्य किसी व्यक्ति का नैतिक पक्ष होता है. सार्वजनिक जीवन और मूल्य दोनों ही एक-दूसरे पर निर्भर हैं तथा परस्पर पूरक भी हैं. लोकतांत्रिक मूल्यों में सभी नागरिकों के अधिकारों का संरक्षण, संवैधानिक नैतिकता, सुशासन, कार्यकारी शक्तियों पर नियंत्रण, मजबूत विपक्ष एवं सामाजिक समानता की स्थापना जैसे मूल्य शामिल हैं, नैतिक मूल्य लोकतांत्रिक प्रणाली की सफलता के लिए एक बुनियादी तत्व है, क्योंकि इसी आधार पर जनता की भावनाओं, कमजोर वर्गों के कल्याण तथा लोकतांत्रिक अवधारणाओं आदि का विशेष ख्याल रखा जाता है.

वैश्विक सर्वेक्षण हर जगह लोकतंत्र के प्रति भरोसे में कमी, सरकार के भ्रष्टाचारपूर्ण रवैये एवं अक्षमता को लेकर नागरिकों की निराशा में भारी उछाल की बात कर रहे हैं. निःसंदेह लोकतांत्रिक मूल्य किसी भी देश और समाज की प्रगति के बेहतर पैमाने होते हैं, जो उसे समावेशी, न्यायिक एवं लोकतांत्रिक बनाते हैं, इसी कारण भारतीय संविधान निर्माताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों को जीवन दर्शन के रूप में स्थापित किया है, जिसकी झलक संविधान के प्रस्तावना में दिखती है और जिसे व्यापक रूप में संविधान के विभिन्न भागों में देखा जा सकता है. लोकतंत्र का सिद्धांत दूसरे समूह एवं संगठनों के लिए भी संगत है. मूलतः लोकतंत्र भिन्न-भिन्न सिद्धांतों का मिश्रण बनाता है.

यह एक तात्कालिक वैश्विक तथ्य है कि लोकतांत्रिक प्रणाली में मूल्यों का ह्रास एक विकट चुनौती के रूप में उभरा है. गत कुछ वर्षों में कई देशों के साथ अमरीका, फ्रांस, भारत, ब्राजील, ... तक को दोषपूर्ण लोकतंत्र की श्रेणी में रखा जाने लगा है इसका मतलब है कि इन देशों में चुनाव तो सम्पन्न होते हैं, पर अन्य कई मुद्दों जैसे प्रेस की स्वतंत्रता, असहमति एवं मानवाधिकार के मामले में इनका रवैया लोकतांत्रिक नहीं होता है. दुनिया भर में लोकतंत्र के बारे में आँकड़े एकत्र करनी वाली अमरीकी संस्था 'फ्रीडम हाउस' ने भारतीय राजव्यवस्था को पूर्ण लोकतंत्र के स्थान पर आंशिक तौर पर मुक्त लोकतंत्र का दर्जा प्रदान किया है. यह भी माना जाता है कि सोशल मीडिया के प्लेटफार्म, लोकतंत्र विरोधी विचारों के प्रसार में साबित हो रहे हैं.

संवैधानिक रूप से लोकतांत्रिक विश्वास एवं आस्था के बावजूद एक प्रमुख खामी के रूप में भारत की राजनीतिक पार्टियों में लोकतांत्रिक मूल्यों का अभाव देखा जाता है. जैसे पार्टियों में वंशवाद और परिवारवाद का बढ़ता प्रचलन, कुछ पार्टियों में से किसी एक व्यक्ति का प्रभावी होना, पार्टी पदाधिकारियों के चयन में विसंगतियाँ इत्यादि. वर्तमान भारतीय राजनीति परिप्रेक्ष्य में विभिन्न राजनीतिक दलों के द्वारा सत्ता प्राप्ति के लिए विभिन्न प्रकार के अनैतिक कार्य किए जाते हैं. इसकी एक झलक विभिन्न दलों द्वारा दागी उम्मीदवारों को अपने उम्मीदवार बनाने में प्राथमिकता देने के आधार पर देखा जा सकता है. 17वीं लोक सभा में 233 सांसदों के विरुद्ध आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं. यद्यपि 1999 में विधि आयोग तथा बाद में द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग एवं संविधान समीक्षा आयोग ने भी पार्टियों के अंदर आंतरिक लोकतंत्र की आवश्यकता पर बल दिया था, परन्तु दुर्भाग्य से कोई कार्यवाही नहीं की गई.

भारत में उदारवाद जैसे लोकतांत्रिक मूल्य के लगातार कम होने के संकेत मिलते हैं. यह बोलने की आजादी, मीडिया की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने और विरोधी आवाजों को दबाने के प्रति सरकार की असहनशीलता में नजर आती है. एक समय था जब न्यायपालिका और चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं को सरकार और शक्तिशाली नेताओं के दबाव में न आने के लिए विश्व भर में भारत की प्रशंसा हुआ करती थी. आज एक्टिविस्ट और विपक्षी नेताओं को महीनों तक बिना जमानत के हिरासत में रखा जाता है. लोकतांत्रिक प्रणाली में मूल्यों के ह्रास के कारण लोकतंत्र, राजनीतिक शिकारियों द्वारा पहने गए किसी फैंसी मुखौटे जैसा दिखने लगा है. लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार भावनात्मक राजनीति द्वारा तार्किक विचार के बजाय आम लोगों की लालसाओं और पूर्वाग्रहों को सम्पोषित कर उनका समर्थन प्राप्त करने का प्रयास करती है. इसी प्रकार जब न्यायपालिका राजनीतिक हस्तक्षेप और राज्य द्वारा उस पर नियंत्रण के प्रति कमजोर पड़ती है, तो लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक नैतिकता के लिए खतरा पैदा हो जाता है. संविधान द्वारा नागरिकों के लिए न्याय, स्वतंत्रता और समानता के वादे के बीच में सामाजिक जीवन में विभाजन और बिखराव नागरिकों में कानून के प्रति अविश्वास की भावना पैदा करता है.

उपर्युक्त चर्चा के साथ-साथ यह भी स्पष्ट करना उचित है कि पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था को धराशायी समझना सही नहीं होगा. आजादी के 75 वर्षों के बाद भी हमारा लोकतंत्र जीवंत रूप से आगे बढ़ा है, जबकि कई पड़ोसी एवं अन्य लोकतांत्रिक देशों में तख्तापलट जैसी कार्यवाही देखने को मिली है, परन्तु यह भी सत्य है कि लोकतांत्रिक प्रणाली के मूल्यों की महत्ता कमजोर पड़ने लगी है तथा वे अप्रासंगिक लगने लगे हैं.

विपक्ष में : *– विभव सक्सेना*

लोकतंत्र को विश्व में सर्वाधिक लोकप्रिय एवं महत्वपूर्ण शासन पद्धति के रूप में जाना जाता है. यह एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें जनता प्रत्यक्ष रूप से मतदान करते हुए अपने ही बीच से अपने प्रतिनिधियों को चुनती है, जो जनता की ओर से शासन चलाने का दायित्व निभाते हैं. लोकतंत्र की इसी विशेषता को ध्यान में रखते हुए अमरीका के भूतपूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने लोकतंत्र को जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा शासन के रूप में परिभाषित किया है. भारत जैसे विश्व के दूसरे सबसे विशाल जनसंख्या वाले देश में लोकतंत्र का महत्वपूर्ण होना स्वाभाविक है. स्वतंत्रता के 75 वर्षों के बाद भी भारत में जिस प्रकार लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अस्तित्व में है और देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है, वह अपने आप में एक अद्वितीय उदाहरण है. यद्यपि स्वतंत्रता के 75 वर्षों में देश ने विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है तथापि आज भी निर्धनता, अशिक्षा, मूलभूत सुविधाओं का अभाव या कमी, धन एवं संसाधनों का असमान वितरण तथा भ्रष्टाचार आदि भयानक समस्याएं हमारे समक्ष मुँह खोले खड़ी हैं. यहाँ यह भी ध्यान देने योग्य है कि देश के राजनीतिक दलों ने येन-केन प्रकारेण सत्ता प्राप्ति की लालसा में मूल्यविहीन राजनीति प्रारम्भ कर दी है. उक्त समस्याओं एवं राजनीतिक

स्वार्थ की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए कुछ आलोचकों द्वारा लोकतांत्रिक मूल्यों में ह्रास का तर्क प्रस्तुत किया जाता है, किन्तु इसे उचित नहीं ठहराया जा सकता.

देश की स्वतंत्रता के बाद हमारे संविधान निर्माताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए संविधान में इनको विशिष्ट स्थान दिया. देश के सभी नागरिकों के कल्याण एवं देश के विकास के लिए लोकतांत्रिक सरकार के गठन की प्रक्रिया का निर्धारण संविधान के माध्यम से किया गया है. संविधान में समानता, स्वतंत्रता, न्याय, धर्मनिरपेक्षता, वयस्क मताधिकार, बहुलवाद, प्रतिभागिता के समान अवसर, शोषण तथा उत्पीड़न के विरुद्ध अधिकार तथा वंचित एवं पिछड़े वर्गों हेतु विशेष प्रावधान आदि के माध्यम से देश के विकास का खाका खींचा गया है.

अब यदि हम देश की स्वतंत्रता के 75 वर्षों में लोकतंत्र की स्थिति की ओर दृष्टिपात करें, तो यह तथ्य सामने आता है कि भारत में लोकतंत्र मजबूत स्थिति में है. लोकतांत्रिक शासन प्रणाली के माध्यम से देश निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो रहा है और लोकतंत्र में जनता का विश्वास जस का तस बना हुआ है. देश में आज भी समानता, स्वतंत्रता और न्याय के आदर्शों को बनाए रखते हुए जनता द्वारा चुनी गई सरकारें अपने-अपने प्रदेशों एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही हैं. यह सही है कि पिछले कुछ वर्षों में देश में भ्रष्टाचार अपने चरम पर पहुँच गया था, किन्तु अब विभिन्न प्रदेशों एवं देश की केन्द्र सरकार द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से भ्रष्टाचार पर नकेल कसनी प्रारम्भ कर दी गई है. इसी प्रकार समाज में व्याप्त भेदभाव तथा छुआछूत आदि के विरुद्ध भी कानून बनाकर तथा जन-जागरण अभियान चलाकर इन समस्याओं से छुटकारा पाने हेतु सार्थक प्रयास किए गए हैं.

देश के सभी नागरिकों को एकसमान अवसर उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकारें प्रतिबद्ध हैं. पिछड़े एवं वंचित वर्गों ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है, जो लोकतांत्रिक शासन प्रणाली के माध्यम से ही सम्भव हो सका है. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी एक अनुपम उदाहरण है. देश में बढ़ती न्यायिक सक्रियता के कारण आम जनता के लिए भी न्याय सुलभ एवं सहज हुआ है और सरकार द्वारा भी इस सम्बन्ध में सार्थक प्रयास किए गए हैं. देश के विभिन्न संसाधनों और योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए भी हमारी सरकारें प्रतिबद्ध हैं और पिछले कुछ वर्षों में इस सम्बन्ध में भी उत्साहजनक आँकड़े सामने आए हैं.

आज हमारा देश विभिन्न क्षेत्रों में विकसित देशों की बराबरी कर रहा है और हम निरन्तर तेजी से प्रगति पथ पर अग्रसर हो रहे हैं. यह सब देश में मजबूत लोकतांत्रिक शासन प्रणाली के कारण ही सम्भव हो सका है. यदि लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में मूल्यों का ह्रास हुआ होता, तो निश्चित रूप से हम इतनी प्रगति नहीं कर सकते थे और लोकतांत्रिक मूल्यों में आम जनता की आस्था भी नहीं बनी रहती. ऐसे में देश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में मूल्यों का ह्रास नहीं हुआ है. ●●●

वाद-विवाद प्रतियोगिता

विषय–"अतीत की उपलब्धियों पर भविष्य का निर्माण होता है."

अन्तिम तिथि–15 नवम्बर, 2022

शब्द संख्या–अधिकतम 750 शब्द (पक्ष/विपक्ष)

पुरस्कार योजना–पक्ष/विपक्ष के प्रथम दो लेख.

विशेष–पक्ष/विपक्ष के प्रथम लेख पत्रिका में प्रकाशित होंगे.

कृपया अपनी प्रविष्टि पर अपना पूरा पता फोन नं. सहित अवश्य लिखें.

प्रथम पुरस्कृत पक्ष/विपक्ष अभ्यर्थी को पुरस्कारस्वरूप ₹ 500/- प्रदान किए जाएंगे.

कॉपीराइट अधिकार प्रकाशक का होगा. अन्य लेख वापस नहीं किए जाएंगे.

(कृपया लिफाफे पर निम्नलिखित कूपन को अवश्य चिपकाएं)

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक–204

(पक्ष/विपक्ष/दोनों पक्ष)

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक–203 का परिणाम

विषय : "लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में मूल्यों का ह्रास हुआ है."

विजेता

पक्ष में :

I. प्रभाष पाठक
अवर सांख्यिकी पदाधिकारी,
नीलकंठ नगर, तिलकामांझी
भागलपुर (बिहार)
पिन–812 001

विपक्ष में :

I. विभव सक्सेना
S/o श्री रघुवंश चंद्र सक्सेना
4-B, बल्लभ नगर कॉलोनी
पीलीभीत (उ. प्र.)
पिन–262 001

☞ उपर्युक्त प्रशंसित वाद-विवाद प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 500 मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. कृपया अपनी पसन्द की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें. यदि ₹ 500 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से ₹ 500 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

सूक्ष्म प्लास्टिक : भूजीवियों एवं जल जीवियों के जीवन के समक्ष संकट का प्रमुख कारण

अधिकाँश लोग यह नहीं जानते हैं कि प्लास्टिक की जिन वस्तुओं और पदार्थों को वे फेंक देते हैं, ऐसे पदार्थ अन्ततः 5 मिलीमीटर से कम आकार में टूट कर जल स्रोतों, बालू, मिट्टी और जल स्रोतों की गाद में मिल जाते हैं. सूक्ष्म प्लास्टिक के ऐसे कणों को न तो आसानी से देखा जा सकता है और न अलग किया जा सकता है.

सूक्ष्म प्लास्टिक वस्तुतः वातावरण में अदृश्य रूप से मौजूद हैं. एक अनुमान के अनुसार मानव प्रतिवर्ष लगभग 8 टन प्लास्टिक जल प्रणाली में डालते हैं. इसमें से कुछ तो तैरकर तट पर आ जाता है, लेकिन जो नहीं आ पाता वह सूर्य की पराबैंगनी किरणों तथा समुद्री पर्यावरण से टूट-टूट कर सूक्ष्म प्लास्टिक में बदल कर समुद्र की सतह पर तैरता रहता हैं. इसे मछलियाँ निगलती रहती हैं.

मानव द्वारा उपभोग की जा रही रोजमर्रा की वस्तुओं में सूक्ष्म प्लास्टिक पाया गया है. सिंथेटिक कपड़े, टूथपेस्ट, बॉडी स्क्रब चेहरे पर लगाए जाने वाली क्रीम तथा फेसवॉश में प्लास्टिक की माइक्रो बीड्स पाई गयी है. ये सीवेज के माध्यम से नदियों और समुद्र में पहुँच जाते हैं.

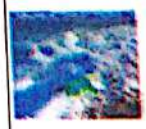

मानव द्वारा नित्य प्रयुक्त किए जा रहे जल में सूक्ष्म प्लास्टिक पाए गए हैं. यहाँ तक कि कुएँ और टेपवाटर में भी. विश्व के प्रतिष्ठित बोतल युक्त जल ब्रॉण्डों के 93% से अधिक नमूनों में सूक्ष्म प्लास्टिक पाया गया है.

2018 के एक पायलट अध्ययन में मानव की पाचन नली में भी सूक्ष्म प्लास्टिक पाया गया था. मानव पर इसके प्रतिकूल प्रभाव का इससे सटीक उदाहरण और क्या हो सकता है?

विशेषज्ञों की चिंता

प्रतिदिन समुद्री जल का बढ़ता स्तर, तूफानों, जंगलों में लगने वाली आगों, फसलों के नष्ट होने से अधिकाधिक बच्चे और परिवार अपने घरों से बेघर हो रहे हैं.

कैथरीन रसेल
यूनीसेफ की अधिशासी निदेशक

प्रथम पुरस्कृत निबन्ध

ज्ञान का मिथ्याभ्यास ही ज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु है

✍ प्रभाष पाठक

मनुष्य एक चिन्तनशील प्राणी है, उसका प्रत्येक कार्य विचारपूर्ण होता है. उसके हृदय में हमेशा उत्कण्ठा विद्यमान रहती है. इसी उत्कण्ठा की पूर्ति के लिए मनुष्य ज्ञान की प्राप्ति करना चाहता है. ज्ञान को बहुमूल्य रत्नों से भी अधिक मूल्यवान कहा गया है. शेक्सपियर ने कहा है कि ज्ञान वह पंख है, जिससे हम स्वर्ग की ओर उड़ते हैं. वस्तुतः, ज्ञान ईश्वर का प्रकाश है, जिससे ज्यादा शक्तिशाली और कुछ नहीं हो सकता. यह हमारे पथ को प्रशस्त कर हमें प्रगति के द्वार तक ले जाता है. ज्ञान शब्द का अर्थ सभी प्रकार के बोध से है कि क्या सत्य है और क्या असत्य है ? ज्ञान का सत्य उसकी व्यवहारिक उपयोगिता में निहित है. जैन दर्शन में भी कहा गया है कि जो किसी एक वस्तु को सम्पूर्णता में जान लेता है, वह समस्त ब्रह्मण्ड को जान लेता है, परन्तु सामान्य व्यक्ति के लिए यह असम्भव है. इसी स्थिति में मनुष्य के ज्ञान का मिथ्याभास उजागर होता है. मनुष्य अपनी ज्ञान की सीमाओं को न पहचान कर अपने अधकचरे ज्ञान का आडम्बर रचने लगता है. वैसे चाणक्य जैसे कूटनीतिज्ञ और विद्वान् कहते हैं कि अज्ञान के समान मनुष्य का और कोई दूसरा शत्रु नहीं है, परन्तु स्टीफन हॉकिंग जैसे विद्वानों का मानना है कि ज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु अज्ञानता नहीं, बल्कि ज्ञान होने का भ्रम होना है. दूसरे शब्दों में ज्ञान का मिथ्याभास, ज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु है.

वह विचार, जो चिन्तन की विषय-वस्तु की वास्तविक प्रकृति के अनुरूप हो, ज्ञान कहलाता है, जैसे ऐसा कोई प्राणी, जो जगत् की वास्तविक प्रकृति से परिचित हो, तो कहा जा सकता है कि उसे जगत् का ज्ञान है. ज्ञान का शाब्दिक अर्थ किसी भी विषय को पूर्ण रूप से समझना, उसका पूरा अनुभव करना तथा समय आने पर उसका उचित तरीके से प्रयोग करना है. जीवन की सर्वश्रेष्ठ विभूति ज्ञान है. ज्ञान को आत्मा का नेत्र कहा गया है. ज्ञान के आधार पर ही शुभ-अशुभ का निर्णय किया जाता है. क्या उचित है, क्या अनुचित, इसका मूल्यांकन बिना ज्ञान के सम्भव नहीं है. कहा गया है "कोऽहं कस्त्वं कुत आयातः का ये जननी को मे तातः" अर्थात् शरीर की खुराक अन्न है तथा आत्मा का भोजन ज्ञान है. जिस प्रकार से अन्न शरीर को शक्तिशाली बनाता है, ठीक उसी प्रकार ज्ञान हमें आत्मिक रूप से शक्तिशाली बनाता है. ज्ञान लोगों के भौतिक, बौद्धिक, सामाजिक, प्राकृतिक और मानवीय तत्वों के बारे में विचारों की अभिव्यक्ति है. ज्ञान ही एक ऐसा तत्व है, जो कभी किसी को अकेला नहीं छोड़ता और हम ज्ञान के बल पर ही समाज में सहयोगी को अपनाते हैं.

ज्ञान अंग्रेजी भाषा के Knowledge शब्द का हिन्दी रूपान्तर है, जिसका अर्थ मनुष्य में चेतना के प्रकट होने से लगाया जाता है. निरपेक्ष सत्य की स्वानुभूति ही ज्ञान है. यह प्रिय-अप्रिय, सुख-दुःख इत्यादि भावों से निरपेक्ष होता है. यह भी सत्य है कि ज्ञान का क्षेत्र केवल दर्शन तक सीमित नहीं है, अपितु कई दार्शनिकों ने जगत् की विविध वस्तुओं को अज्ञान कह कर पुकारा है. ज्ञान एक प्रकार की मनोदशा है. यह ज्ञाता के मन में होने वाली एक तरह की हलचल है. बौद्धिक अनुभव, जो ज्ञानेन्द्रियों द्वारा प्राप्त होता है, ज्ञान कहलाता है. ज्ञान ही उन्नति, तरक्की आगे बढ़ने की शक्ति और अच्छे कार्य करने की प्रेरणा देती है. ज्ञान शब्द संस्कृत के 'ज्ञ' धातु से बना है, जिसका अर्थ जानना, बोध और अनुभव आदि है. किसी भी वस्तु के स्वरूप को वैसे ही जानना, अनुभव और बोध होना उस वस्तु का ज्ञान कहलाता है. इस प्रकार हम कह सकते हैं कि किसी विषय-वस्तु या घटना की सत्यता की जानकारी होना ज्ञान है. ज्ञान प्राप्त या ग्रहण करने के लिए विचार, चिन्तन, मनन, मंथन और अनुभव की शक्ति होनी चाहिए. 'ज्ञानस्य अन्तो न विद्यन्ते' अर्थात् ज्ञान प्राप्ति की कोई सीमा नहीं है.

किसी भी व्यक्ति को सभी विषयों का ज्ञान हो, यह जरूरी नहीं है, लेकिन सभी विषयों का ज्ञाता होने का मिथ्याभास दुनिया में सबसे बड़ी बीमारी है. जब ज्ञान की कमी हो, तो कोई समस्या नहीं आती है. आप तथ्यों के साथ इसका मुकाबला कर सकते हैं, लेकिन जो लोग गलत तरीके से मानते हैं कि उन्हें तथ्यों का ज्ञान और समझ है, वे शायद ही कभी दूसरों की सुनते हैं. हमें यह कभी भी मिथ्याभास नहीं होना चाहिए कि हमें सब कुछ ज्ञात है. ऐसा होने पर हम केवल भ्रम में जीते हैं और वास्तविक ज्ञान से वंचित हो जाते हैं. पुरानी कहावत है कि जगे हुए व्यक्ति को जगाना बहुत मुश्किल है. इसी प्रकार जिसे ज्ञान का मिथ्याभास है, उसे ज्ञान देना या उसके द्वारा ज्ञान प्राप्त करना बहुत ही मुश्किल होता है. उसकी प्रवृत्ति ही ग्राही की नहीं होती. इसी कारण कहा जाता है कि यह पता होना कि आपको किसी खास विषय की जानकारी नहीं है, ज्ञात होने के मिथ्याभास से लाख गुना अच्छा है. अज्ञानी बने रहना मानव स्वभाव के विरुद्ध है, लेकिन जो लोग गलत तरीके से मानते हैं कि उन्हें तथ्यों का ज्ञान और समझ है, वह शायद ही कभी दूसरों की सुनते हैं. यह लोगों के कौशल के क्षेत्र में बहुत अधिक देखा जाता है. यह ज्ञान की सच्ची हार है, क्योंकि इस कारण ज्ञान का मूलभूत तत्व खो जाता है. प्रसिद्ध दार्शनिक कांट ने कहा है कि ज्ञान की प्राप्ति में मन क्रियाहीन नहीं होता, क्रियाशील होता है. सभी घटनाएं देश और काल में घटती प्रतीत होती हैं, परन्तु देश और काल कोई बाहरी पदार्थ नहीं, यह मन की गुणग्राही शक्ति की आकृतियाँ हैं. इस कारण हम किसी पदार्थ को उसके वास्तविक रूप में नहीं देख सकते, चश्मे के माध्यम से देखते हैं, जिसे हम आरम्भ से ही पहने हुए हैं.

ऐसे में केवल एक ही प्रश्न रह जाता है कि कितना ज्ञान पर्याप्त है और कब माना जाए कि कोई ज्ञान के मिथ्याभास से पीड़ित है ? ज्ञान की खोज कभी समाप्त नहीं होती. ज्ञान अनन्त सागर के समान है, जिसको मटकी में बन्द नहीं किया जा सकता है. ज्ञान एक बहते दरिया के समान है, जिसको जितना खोजा जाता है, उतना ही ज्यादा बढ़ता है. ज्ञान प्राप्ति की कोई सीमा नहीं है. ज्ञान की खोज कभी खत्म नहीं होती. ज्ञान एक बगीचे की तरह है, अगर इसकी खेती नहीं की जाती है, तो इसे काटा नहीं जा सकता. जीवन एक कभी खत्म न होने वाली सीखने की प्रक्रिया है. ज्ञान की प्रकृति अज्ञान से उसकी तुलना करने पर ज्ञात होती है. यदि किसी व्यक्ति को भौतिकशास्त्र के नियम नहीं ज्ञात होते हैं, तो कहा जा सकता है कि उसे भौतिकशास्त्र का कोई ज्ञान नहीं है. अतः ज्ञान का अभिप्रायः अनुभव से भी है. जैसाकि ज्ञात है कि अनुभव के बिना ज्ञान सम्भव नहीं है. ज्ञान प्राप्त करने के लिए विचार, चिन्तन, मनन, मंथन और अनुभव की शक्ति होनी चाहिए. जैसे नेत्रहीन व्यक्ति के लिए इस संसार में जो उत्कृष्ट है, उसे देखना असम्भव है, उसी प्रकार ज्ञान के मिथ्याभास से भ्रमित व्यक्ति अपने ज्ञान की सीमाओं को अवरुद्ध कर देता है. एक पुरानी कहावत है–'थोथा

naukaritak.com for PDF Jan to Dec 2022

घना, बाजे घना'. इसी प्रकार कम ज्ञान वाला व्यक्ति बहुत अधिक ज्ञानी होने का आडम्बर रचता है. इस प्रकार के लोग अज्ञानी व्यक्ति की अपेक्षा बहुत अधिक हानिकारक सिद्ध होते हैं.

ज्ञान का मिथ्याभास किसी चीज या तथ्य के बारे में किसी की दोषपूर्ण निर्णयात्मक संदिग्ध धारणा है. दूसरे शब्दों में मिथ्याभास का मतलब है कि किसी तथ्य की पूर्ण सीमा या स्थिति के ज्ञान को समझने में विफलता. ज्ञान का मिथ्याभास दो प्रकार का है–पहला भ्रम, दूसरा मतिभ्रम. भ्रम में ज्ञान का विषय विद्यमान होता है, परन्तु वास्तविक रूप में दिखता नहीं है. मतिभ्रम में बाहर कुछ होता ही नहीं, हम कल्पना को प्रत्यक्ष ज्ञान समझ लेते हैं. हम में से हरेक कभी-न-कभी भ्रम या मतिभ्रम का शिकार होता है. कभी दृष्टि और कभी दृष्ट के दरमियान पर्दा पड़ जाता है. कभी वातावरण मिथ्या ज्ञान का कारण हो जाता है, व्यक्ति के हालात में इसे अविद्या कहते हैं. ज्ञान यह जानना है कि टमाटर एक फल है पर बुद्धिमान लोग इसे फलों के सलाद में नहीं डालते. ज्ञान जानकारी का संचय मात्र नहीं है, महत्वपूर्ण इकाई अनुप्रयोग है. ज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु अज्ञान नहीं, ज्ञान होने का भ्रम है. ज्ञान होने के मिथ्याभास के साथ कुछ बिन बुलाए मेहमान भी आते हैं, जैसे–अहंकार, अनादर और उदासीनता, कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कितना सीखते हैं. हमेशा कुछ और है, जो हम सीख सकते हैं. यह भ्रम कि हमारे पास ज्ञान है, मिथ्या अहंकार द्वारा निर्मित है. यह अहंकार अधिक ज्ञान प्राप्त करने से रोकता है. हमारी असफलताएं उस लक्ष्य के बारे में ज्ञान के हमारे भ्रम का संकेतक है, जिसके लिए हम प्रयास करते हैं. महान् लोगों ने अपने ज्ञान के भ्रम पर विजय प्राप्त कर ही सफलता प्राप्त की है. उन्होंने चीजों को उनकी समग्रता में देखा, अपने ज्ञान की परिसीमा को परखा और किसी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले सभी तथ्यों का गहन विश्लेषण किया.

जैन धर्म का स्यादवाद मानता है कि साधारण मनुष्यों का सम्पूर्ण ज्ञान सापेक्ष ही होता है, किन्तु उन्हें यह बात समझाना आसान नहीं है, जो मनुष्य अपने ज्ञान की सापेक्षता को नहीं समझते, वे अपने ज्ञान की पूर्णता तथा निरपेक्षता के सम्बन्ध में निरर्थक दावे ठोकते रहते हैं. जैसे जब कोई ईश्वरवादी बिना किसी प्रमाण या तथ्य के ईश्वर के होने की गारंटी देता है, तो वह अपने सापेक्ष ज्ञान या समझ को निरपेक्ष मानने की भूल कर रहा होता है. स्पष्ट है कि साधारण मनुष्यों में सम्पूर्ण वास्तविकता को पहचानने की शक्ति नहीं होती, किन्तु वे अपने ज्ञान की पूर्णता का दावा ठोकने के लालच में अपने सीमित ज्ञान को ही निरपेक्ष ज्ञान की तरह पेश करते हैं. स्यादवाद मनुष्य को ज्ञान का मिथ्याभासी होने से पूर्व उसे यह अवसर देता है कि वह अपने हर दावे से पहले यह स्पष्ट होले कि उसकी बात सापेक्ष रूप में ही सही है. जगत् में ना तो कुछ पूर्ण सत्य है और ना ही पूर्ण असत्य, यहाँ तक कि निरपेक्षता की संकल्पना भी निरपेक्ष नहीं है. सब कुछ सापेक्ष है. उस स्थिति में ज्ञान का मिथ्याभास अनुचित है.

हम लोग जानते हैं कि वैज्ञानिक प्रयोग हो अथवा सामाजिक प्रयोग, उसमें दूषित व अपर्याप्त या गलत इनपुट प्रक्रियाओं तथा समझ आदि से अवांछनीय परिणाम आ सकते हैं. इसे अलग ढंग से कहें तो गलत या अधूरे ज्ञान पर कार्य करने से वांछित परिणाम में रुकावट आती है. चाहे विज्ञान हो, धर्मनिरपेक्ष खोज हो या आध्यात्मिक मामले हों, केवल ज्ञान का भ्रम रखने से निराशा हो सकती है. हमारे आस-पास ज्ञान के स्रोत हैं, उनमें से हम कुछ को चुनते हैं और कुछ को मानने से ही इनकार कर देते हैं. इच्छा ज्ञान की प्यास है, जबकि लालच ज्ञान प्राप्त करने के मिथ्याभास से सम्बन्धित है. अधिकांश लोग बाद की श्रेणी से सम्बन्धित होते हैं. ऐसे लोगों को सही मायनों में सफलता हासिल करने में एक ही बाधा आती है कि वह सब कुछ जानते हैं. साथ ही ज्ञान का मिथ्याभास उन्हें लोगों से जुड़ने तथा अपने ज्ञान-क्षितिज में सुधार करने से रोकती है. इस समस्या से ग्रसित व्यक्तियों को लगता है कि उन्हें अपने व्यक्तित्व या जीवन के किसी भी पहलू को बदलने की आवश्यकता नहीं है. नई चीजों को बदलने और अनुकूलित करने या स्वीकार करने की यह अनिच्छा ज्ञान के भ्रम के कारण मानव के विकास में बाधा डालती है. प्यासे को जब प्यास लगती है, तभी पानी माँगता है, वैसे ही जब ज्ञान पाने की चाह यानी जिज्ञासा रहेगी, तभी तो इंसान ज्ञान प्राप्त करेगा.

निष्कर्ष

प्रसिद्ध लेखक फ्रांसिस बेकन का यह कथन कि "ज्ञान स्वयं एक शक्ति है" में वह महान् सन्देश निहित है, जो ज्ञान की महत्ता को रेखांकित करता है. निःसन्देह, शक्ति के लिए ज्ञान आवश्यक है, परन्तु इस बदलते वैश्वीकरण के युग में जब विज्ञापन, प्रचार-प्रसार एवं दिखावे को ही वास्तविक माना जाने लगा है, तो मानव अपने लोभवश ज्ञान का आडम्बर रचता है, परन्तु ज्ञान ही वह सीढ़ी है, जो हमें शिखर तक ले जाती है. इस सन्दर्भ में डिजरायली का यह कथन कि "अपनी अज्ञानता का एहसास होना ज्ञान की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है", बतलाता है कि ज्ञान का शत्रु अज्ञानता नहीं है. साथ ही यह भी सत्य है कि ज्ञानी होने के भ्रम के शिकार मानव को ज्ञान प्रदान नहीं किया जा सकता है. अतः यह कहना उचित है कि ज्ञान का मिथ्याभास ज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु है.

●●●

उपकार

नवीन संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

हरियाणा

सामान्य ज्ञान

एक दृष्टि में

म्हारी छोरियां छोरो से कम है के

- आर्थिक सर्वेक्षण-2021-22 के अनुसार टॉपिकवाइज अपडेट.
- बजट-2022-23 के आँकड़े.
- नवीन परीक्षोपयोगी समाचारों (2021-22) से अपडेट.
- 2022 में घोषित योजनाओं के साथ.
- टोकियो ओलम्पिक (2020) में हरियाणा, फोगाट बहनें.
- टॉपिकवाइज 600 से अधिक परीक्षोपयोगी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश.

कोड : 1059
मूल्य : ₹ 100/-

लेखक : संजय सुमन

उपकार प्रकाशन, आगरा-5 | • E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

CAPFs/Delhi Police SI and ASI in CISF Exam., 12-12-2019 Solved Paper

English Comprehension

(Based on Memory)

1. Select the incorrectly spelt word.
   (A) acquaintance
   (B) acquisition
   (C) aggregate
   (D) explaination

2. Select the most appropriate meaning of the **bold** idiom in the sentence.
   In spite of the high sounding words, his speech **fell flat** on the audience.
   (A) could not be heard clearly
   (B) appealed to the sentiments of the audience
   (C) failed to make an impact
   (D) impressed a lot

3. Select the most appropriate option to substitute the **bold** segment. If no substitution is required select 'No substitution'.
   She has **no other hobby but** that of collecting coins.
   (A) No substitution
   (B) not another hobby but
   (C) no other hobbies but
   (D) no other hobby than

4. Select the most appropriate synonym of the given word.
   INCESSANT
   (A) inconstant (B) intermittent
   (C) persistent (D) transient

5. Select the option which is the most appropriate one word substitution for the given group of words.
   Animals living in flocks
   (A) gregarious (B) bohemian
   (C) social (D) herbivorous

Directions—(Q. 6-10) In the following passage some words have been deleted. Fill in the blanks with the help of the alternatives given. Select the most appropriate option for each blank.

If you don't have a lump sum to invest in a fixed deposit, you can (1) ..... opt for a long term recurring deposit, (2) ..... the minimum amount of monthly investment is (3) ..... low as Rupees the end of the (4) ..... you get back the amount invested (5) ..... with the interest earned on it. It is a good way of saving money regularly.

6. Select the most appropriate option to fill in blank No. 1.
   (A) ensure (B) assured
   (C) surely (D) sure

7. Select the most appropriate option to fill in blank No. 2.
   (A) when (B) wherefore
   (C) where (D) whenever

8. Select the most appropriate option to fill in blank No. 3.
   (A) so (B) just
   (C) as (D) too

9. Select the most appropriate option to fill in blank No. 4.
   (A) interval (B) timing
   (C) time (D) tenure

10. Select the most appropriate option to fill in blank No. 5.
    (A) among (B) as well as
    (C) along (D) besides

11. Select the most appropriate meaning of the **bold** idiom in the sentence.
    Simran was under tremendous stress because she had **too many irons in the fire.**
    (A) She had too many clothes to iron
    (B) She was suffering from many ailments
    (C) She was involved in many activities
    (D) She had made a lot of risky investments

12. Select the most appropriate antonym of the given word.
    ENDURANCE
    (A) tolerance (B) indolence
    (C) persistence (D) patience

13. Select the option which is the most appropriate one word substitution for the given group of words.
    One who travels by foot
    (A) propagandist
    (B) paediatrician
    (C) pedestrian
    (D) protagonist

14. Select the most appropriate option to fill in the blank.
    Please sign these documents ..... ink so that they can be preserved.
    (A) with (B) in
    (C) from (D) by

15. Select the most appropriate option to substitute the **bold** segment. If no substitution is required select 'No substitution'.
    This is one of the **boldest economic reform that have ever** been introduced.
    (A) economic reforms that has ever
    (B) economic reforms that have ever
    (C) No substitution
    (D) economic reform that has ever

16. Select the most appropriate option to fill in the blank.
    The majority.....that the country can progress under able leadership.
    (A) believes
    (B) is believing
    (C) believe
    (D) have believed

Directions—(Q. 17–21) Read the given passage and answer the questions that follow :

Pollution befouls the air and poisons water. Pollution induces the release of toxicants into the biosphere which makes the air unsuitable for breathing, harms the quality of water and soil, and causes the emission of substances that may cause damage to humans, plants and animals.

To cater to the needs of an increasing population, agriculture has been intensified through the use of a wide spectrum of fertilizers and pesticides. Diverse industries have been set up to produce chemicals including those that pose a danger to all life forms.

Rapid industrialisation has led to deterioration in the quality of air. Widespread use of coal and fossils fuels in industries and petroleum fuel in motor vehicles has aggravated the

naukritok.com for PD Jan to Dec 2022

air pollution problem. Our atmosphere seems to have become a waste basket into which dust, noxious fumes, toxic gases and other pollutants are callously thrown.

The intensity of air pollution in Indian cities is increasing primarily due to our vintage vehicles and their poor performance. Water pollution, too has increased with the growth of our population and also that of our industries. Water pollution has acquired dangerous dimensions ever since sewage and industrial effluents have shared being disposed of into the rivers. Once considered sacred, the rivers are now turning murky and stink. It is sad that almost three-fourths of our fellow citizens have no choice but to drink filthy water. The severely polluted rivers due to mindless dumping of sewage and industrial wastes are a cause for concern not only to us humans but also to myriads of life forms that exist in water. On the French and Italian rivers as we can no longer see the sparkling blue waters. The Mediterranean Sea is reported to be turning grey. Rivers and canals pour sewage, detergents and industrial waste into the sea; tankers flush their contents near the river or sea; bottles, rotting garbage and oil slicks are washed into the beaches. The phosphates and nitrates applied to farmlands as inorganic fertilizers, concentrate in lakes and estuaries causing algal blooms due to which wide expanses of water get choked, plants rot, oxygen is used up and fish die.

17. Select the most appropriate title for the passage.
(A) We Breathe and Drink Poison
(B) The Saga of Sacred Rivers
(C) Algal Blooms
(D) Impact of Industrialisation

18. Since when has water pollution acquired dangerous dimensions ?
(A) Since sacred rivers became murky and lost their sanctity
(B) Since the Mediterranean Sea started changing colour
(C) Since sewage and industrial effluents started being disposed of in rivers
(D) Since oil slicks started being washed on the shores of beaches

19. Which of the following factors is responsible for algal blooms ?
(A) Using up of oxygen dissolved in the water by algae
(B) Farmlands being located near lakes and estuaries
(C) Rotting of aquatic plants in lakes and estuaries
(D) Concentration of inorganic fertilizers in lakes

20. As per the passage, which of these statements is not true about air pollution ?
(A) Use of coal and fossil fuels aggravates air pollution
(B) Vintage vehicles and their poor performance adds to pollution
(C) Three-fourths of our citizens are breathing poor quality air
(D) Dust and toxic gases released in the air cause air pollution

21. Deterioration in the quality of air can mainly be attributed to—
(A) increase in population
(B) rapid industrialisation
(C) intensified agricultural practices
(D) global climate change

22. Select the most appropriate option to fill in the blank.
They postponed ..... on vacation due to adverse weather conditions.
(A) going (B) for going
(C) to go (D) to be gone

23. Select the most appropriate meaning of the **bold** idiom in the sentence.
The aged man preferred **to die in harness** than lead a rusted life.
(A) to keep one's belonging safe
(B) to lead a life of comfort
(C) to live in perpetual slavery
(D) to continue occupation till death

24. Select the most appropriate antonym of the given word.
ADEPT
(A) proficient (B) deft
(C) expert (D) inept

25. Select the most appropriate option to fill in the blank.
The company has appointed twice as ..... women as men.
(A) many (B) more
(C) much (D) most

26. Select the INCORRECTLY spelt word.
(A) diagnosis (B) accumulate
(C) ecstacy (D) athlete

27. Identify the segment in the sentence which contains the grammatical error. If there is no error, select 'No error'.
The monsoon have, in the past five days, retreated from most parts of the country.
(A) No error
(B) The monsoon have
(C) retreated from most parts
(D) in the past five days

28. Select the option which is the most appropriate one word substitution for the given group of words.
One who holds established opinions
(A) missionary (B) orthodox
(C) monotheist (D) atheist

29. Select the most appropriate option to substitute the **bold** segment. If no substitution is required select 'No substitution'.
If would be wise to accept the company's offer **lest you should regret** later.
(A) lest you should not regret
(B) lest you would regret
(C) lest you shall not regret
(D) No substitution

30. Identify the segment in the sentence which contains the grammatical error. if there is no error, select 'No error'.
The detective compared the forged signature to the original.
(A) to the original
(B) The detective compared
(C) No error
(D) the forged signature

31. Select the most appropriate synonym of the given word.
FATIGUE
(A) brightness (B) weariness
(C) liveliness (D) freshness

32. Identify the segment in the sentence which contains the grammatical error. If there is no error, select 'No error'.
He wouldn't let anyone to drive his new car.
(A) No error
(B) his new car

(C) anyone to drive
(D) He wouldn't let

33. Select the most appropriate meaning of the **bold** idiom in the sentence.
My brother has decided to settle in Mumbai **for good.**
(A) forever
(B) for new opportunities
(C) for a while
(D) for better income

34. Select the most appropriate meaning of the **bold** idiom in the sentence.
All those who **carried the day** in reality shows failed to make a mark later.
(A) won a victory
(B) made a guest appearance
(C) participated
(D) acted as hosts

35. Select the most appropriate synonym of the given word.
JEOPARDY
(A) prevention
(B) protection
(C) peril
(D) promotion

36. Select the correctly spelt word.
(A) omelette (B) omelete
(C) omelate (D) omlate

37. Select the most appropriate option to substitute the **bold** segment. If no substitution is required select 'No substitution'.
If you will bring a letter of introduction, I will consider your request.
(A) If you bring
(B) If you brings
(C) if you will be bringing
(D) No substitution

38. Select the incorrectly spelt word.
(A) trenquility (B) schedule
(C) acceleration (D) vacuum

39. Select the most appropriate ANTONYM of the given word.
INSIDIOUS
(A) treacherous (B) stealthy
(C) sincere (D) astute

40. Identify the segment in the sentence which contains the grammatical error. If there is no error, select 'No error'.
Among the reasons cited by the employee for quitting the job were the pressure of work, the outstation duties and desiring to pursue her hobbies.
(A) Among the reasons cited by the employee
(B) were the pressure of work, the outstation duties
(C) and desiring to pursue her hobbies
(D) No error

41. Select the option which is the most appropriate one word substitution for the given group of words.
A decision which cannot be taken back
(A) indelible (B) irrational
(C) irrevocable (D) infallible

42. Select the most appropriate antonym of the given word.
MORTALITY
(A) death (B) birth
(C) lethality (D) fatality

43. Select the most appropriate synonym of the given word.
SANCTION
(A) grace (B) mercy
(C) denial (D) approval

44. Select the correctly spelt word.
(A) humillated (B) humilated
(C) humelated (D) humiliated

45. Select the most appropriate option to substitute the **bold** segment. If no substitution is required select 'No substitution'.
His employees **were asking him for a raise** for a long time now.
(A) are asking him of raise
(B) have been asking him for a raise
(C) No substitution
(D) asked him for a rise

46. Select the option which is the most appropriate one word substitution for the given group of words.
Statement open to more than one interpretation
(A) ambidextrous
(B) ambushed
(C) ambiguous
(D) ambrosial

47. Select the most appropriate antonym of the given word.
RECKLESS
(A) heedless (B) daring
(C) brash (D) cautious

48. Identify the segment in the sentence which contains the grammatical error. If there is no error, select 'No error'.
If she left now, she would reach the station on time.
(A) the station on time
(B) she would reach
(C) if she left now
(D) No error

49. Select the most appropriate synonym of the given word.
IGNOMINY
(A) morality (B) virtue
(C) disgrace (D) esteem

50. Select the most appropriate option to fill in the blank.
..... of these boys is doing anything worthwhile.
(A) Both (B) Each
(C) None (D) Either

Answers

1. (D) 2. (C) 3. (D) 4. (C) 5. (A)
6. (C) 7. (C) 8. (C) 9. (D) 10. (C)
11. (C) 12. (B) 13. (C) 14. (B) 15. (B)
16. (A) 17. (D) 18. (C) 19. (D) 20. (C)
21. (B) 22. (A) 23. (D) 24. (D) 25. (A)
26. (C) 27. (B) 28. (B) 29. (D) 30. (A)
31. (B) 32. (C) 33. (A) 34. (A) 35. (C)
36. (A) 37. (A) 38. (A) 39. (C) 40. (C)
41. (C) 42. (B) 43. (D) 44. (D) 45. (B)
46. (C) 47. (D) 48. (D) 49. (C) 50. (C)

●●●

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक राहुल जैन द्वारा मैसर्स प्रतियोगिता दर्पण के लिए उन्हीं के द्वारा प्रतियोगिता दर्पण (प्रिंटिंग यूनिट) 5 एवं 6 बाई पास रोड, आगरा से मुद्रित एवं 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2 से प्रकाशित